ISSN– 2395-1699

निरयणं दृक्तुल्यञ्च केतकीपक्षसम्मतम्। नैसर्गिकं हि पञ्चाङ्गं भारते भासतां सदा॥

भारतीय शास्त्रसम्मत दृक्तुल्य निरयण चित्रापक्षीय

नैसर्गिक-पञ्चाङ्ग

राजा - रवि

मन्त्री - शनि

विक्रमसंवत् - २०७५

शकसंवत् - १९४०

कलिसंवत् - ५११९

ईसवीय सन्- २०१८-१९

प्रधान सम्पादक - प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय

सम्पादक - प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी

सह सम्पादक - डॉ. अशोक थपलियाल

प्रकाशक - नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई, नई दिल्ली-१६



ज्योतिःशास्त्रविचारणाचरणभागध्यायबोधोऽलसत्
प्रज्ञाज्ञानसुशिष्यचक्रविकिरद्विज्ञानपारम्परी ।
स्वर्गङ्गामवगाहतेऽमलतनुर्हंसीव यस्य स्वतः
स्वर्यातः स सदा स्मृतामृतयशाः कल्याणदत्तो गुरुः॥

- सम्पादक

पुण्य स्मृति में समर्पित

प्रातः स्मरणीय राष्ट्रपति सम्मानित गोलोकवासी महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी का सम्पूर्ण जीवन केतकी ग्रहगणित के द्वारा पंचाग निर्माण और पंचांगों के परिमार्जन और शुद्धिकरण के लिए विभिन्न स्थानों में ज्योतिष के प्रत्यक्ष ज्ञान के निमित्त पाषाण वेधशालाओं के निर्माण में व्यतीत हुआ । आपने अपने जीवन का सर्वाधिक समय सभी भारतीय पंचांगों को दृक्सिद्ध बनाने में व्यतीत किया । आपके द्वारा अध्यापित और प्रशिक्षित ज्योतिष शास्त्र के अनेक अध्येता आज ज्योतिष जगत् में कार्यरत हैं। उत्तर भारत में एकमात्र शुद्ध केतकरीय पद्धति पर आधारित यह पंचाग भी मूल रूप में आपकी ही भावनाओं का प्रतिफल है। अतः इस पंचांग को कीर्तिशेष महा महोपाध्याय पण्डित प्रवर श्रीकल्याणदत्त शर्मा जी की पुण्यस्मृति में समर्पित करते हुए संस्था अपार हर्ष का अनुभव कर रही है।

प्रधान सम्पादक

प्रो० रामचन्द्र पाण्डेय

अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग, पूर्वसंकाय प्रमुख-सं.वि.ध.वि.संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

सम्पादक एवं गणितकर्त्ता

प्रो० देवीप्रसाद त्रिपाठी (अवैतनिक)

अध्यक्ष- वास्तुशास्त्र विभाग, अध्यक्षचर ज्योतिष विभाग,
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
(मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110016

सहायक सम्पादक

डॉ० मीनाक्षी मिश्र
(अवैतनिक)
सहा.आचार्या शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

डॉ० अशोक थपलियाल
(अवैतनिक)
सहा.आचार्य वास्तुशास्त्र विभाग
श्री ला. ब. शा. रा. संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

प्रकाशन सहायक- डॉ.प्रवेशव्यास, डॉ.देशबन्धु (अवैतनिक)
तकनीकी सहयोग- श्रीमृत्युञ्जय त्रिपाठी
सम्पादन सहयोग- श्रीदीपक वशिष्ठ, श्रीनवीन पाण्डेय, श्री अव्यक्त रैणा, श्री अश्वनीकुमार

प्रकाशक
नैसर्गिक शोध संस्था, दिल्ली इकाई
200 कटवारिया सराय, नई दिल्ली-16

मुख्य कार्यालय
नैसर्गिक शोध संस्था
38 मानस नगर कालोनी, वाराणसी-5

प्रकाशन वर्ष -फरवरी, 2018 ई., पुष्प - चतुर्थ मूल्य - रु. 60/-

पंचांग परिचय

अक्षांश 28°39° N, रेखांश 77°12°E, पलभा 06°33°

भारतवर्ष में सम्प्रति विभिन्न पद्धतियों से पंचांग निर्माण होता है। इनमें तिथ्यादि के मानों में विसंगति के कारण व्रत पर्वोत्सव में भी विसंगतियां दृष्टिगोचर होती हैं। इस विषय में ध्यातव्य है कि हमारे ऋषि-महर्षियों एवं आचार्यों ने सदैव ही दृक्तुल्य गणित का समर्थन किया है। ऋषि वसिष्ठ का कथन है कि -

यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यकम्।
दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

इसी प्रकार प्रसिद्ध आर्षग्रन्थ सूर्यसिद्धान्त कालभेदानुसार गणित में अन्तर को - **युगानां परिवर्तनेन कालभेदोऽत्र केवलः** कहकर दृक्तुल्यता का ही समर्थन करता है। यथा -

तत्तद्गतिवशान्नित्यं यथा दृक्तुल्यतां ग्रहाः।
प्रयान्ति तत्प्रवक्ष्यामि स्फुटीकरणमादरात्॥

एवमेव भास्कराचार्य द्वितीय, आचार्य गणेश दैवज्ञ आदि प्रायः सभी सिद्धान्त ज्योतिष के महान आचार्य दृक्तुल्य गणित को ही विवाहादि संस्कारों तथा व्रत-पर्वोत्सवादि कार्यों के लिए आवश्यक मानते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए यह पंचांग दृक्तुल्य चित्रापक्षीय केतकीय ग्रहगणितीय पद्धति पर दिल्ली के अक्षांश एवं रेखांश के अनुसार निर्मित है।

इस पंचांग में तिथि, नक्षत्र, योग और करण के आगे निर्दिष्ट घटी व पल तत्सम्बन्धी तिथ्यादि के सूर्योदय के बाद की स्थिति को बताता है। इसी प्रकार तिथि व नक्षत्र के घटी पल के आगे निर्दिष्ट घण्टा मिनट उसके समाप्ति काल को प्रदर्शित करता है। इस पंचांग में प्रयुक्त घण्टा व मिनट मान भारतीय स्टैण्डर्ड समय अर्थात् रेडियो टाइम के अनुसार दिये गये हैं। अतः इस पंचांग के समय को भारत में अपनी घडी के अनुरूप मिलाकर समय का अनुपालन कर सकते हैं। इस पंचांग में दिए गए मान यथासम्भव विशुद्ध देने के प्रयास किए गए हैं। फिर भी यान्त्रिकीय एवं मानवीय त्रुटियाँ स्वाभाविक हैं। अतः पाठकों से नम्र निवेदन है कि वे त्रुटियों पर ध्यान न देते हुए पंचांग के उपयोगी तथ्यों को ग्रहण करेंगे। यतः -

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समाददति सज्जनाः॥

- सम्पादक

कुमार SHASTRI - II

विषय सूची

मंगल वाक्

॥श्रीमन्महागणाधिपतये नमः॥

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीद मम भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तुते॥

सर्वविद्या की राजधानी के अधिष्ठाता एवं सभी विद्याओं के गुरु बाबा विश्वनाथ के अनुग्रह से नैसर्गिक शोध संस्था के प्रारम्भिक उद्देश्यों में से चिरप्रतीक्षित पंचांग प्रकाशन का संकल्प साकार हुआ। इस महनीय अवसर पर मैं संस्था से जुडे सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ। पंचांग प्रकाशन की यह एक महत्वाकांक्षी योजना संस्था के चारों केन्द्रों से प्रारम्भ करने की थी, किन्तु संसाधनों के अभाव तथा अन्य अनेक व्यवधानों के कारण प्रकाशन प्रारम्भ नहीं हो सका था। आज से कुछ वर्ष पूर्व प्रवासी भारतीय जो ट्रिनीडाड एवं टुबैको के नागरिक हो चुके हैं, उनकी आस्था और जिज्ञासा को देखते हुए ट्रिनीडाड के अक्षांश से एक सम्पूर्ण पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन काशिका ट्रिनीडाड पंचांग के नाम से संस्था के वाराणसी केन्द्र से किया गया था। वहाँ के प्रधानमन्त्री के काशी आगमन पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्कालीन यशस्वी कुलपति प्रो.(डॉ.) हरिगौतम ने अपने आवास पर उन्हें उक्त पंचांग की प्रति समर्पित की थी। ट्रिनीडाड में भी प्रधनमन्त्री महोदय ने एक समारोह में उसका लोकार्पण किया था। दो वर्षों तक काशी से प्रकाशन करने के उपरान्त इसका प्रकाशन, कलेवर परिवर्तन के साथ ट्रिनीडाड से होने लगा। भारतीय विधि से यह प्रयोग भारत से बाहर किसी अन्य देश के लिए प्रथम बार किया गया था, जो सफल एवं प्रशंसित रहा है।

तत्पश्चात् विगत वर्षों से पुनः पंचांग प्रकाशन की योजना पर विचार विमर्श चल रहा था, किन्तु पूर्व संकल्प के अनुसार इसे संस्था के चारों केन्द्रों से एक साथ प्रारम्भ करने में अत्यधिक धन की आवश्यकता पड रही थी। अतः अर्थसंकट को देखते हुए इस कार्य को चरणबद्ध ढंग से करने का निश्चय किया गया। संस्था ने यह निर्णय लिया कि सर्वप्रथम इस पंचांग का शुभारम्भ देश की राजधानी से किया जाय। कुछ आवश्यक संस्कारों द्वारा अन्य केन्द्रों में भी इसी पंचांग का उपयोग तब तक किया जाय जब तक अन्य केन्द्रों से प्रकाशन प्रारम्भ न हो जाय। अतः सर्वसम्मति से इस पंचांग निर्माण का दायित्व दिल्ली केन्द्र के सचिव प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को दिया गया। प्रो. त्रिपाठी ने मनोयोग से इस कार्य को सम्पन्न किया। फलस्वरूप आज यह पंचांग अपने पाठकों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ।

भारतीय पद्धति से दृक्तुल्य पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन भी संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। भारतीय दैवज्ञों के सिद्धान्तों का सदैव मैं आदर करता रहा हूँ। इसीलिए आचार्यो के निर्देशानुसार सूर्यसिद्धान्त में अपेक्षित परिष्कारों के साथ उसी सिद्धान्त के अनुसरण का पक्षपाती रहा हूँ। मुझे प्रसन्नता है कि सूर्यसिद्धान्त के परिष्कार सम्बन्धी अनुसन्धान में कई युवा विद्वान कार्यरत हैं। इसी बीच भारतीय शुद्ध पंचांगों की आवश्यकता को देखते हुए आचार्य गणेशदैवज्ञ एवं आचार्य केतकर के मार्गो का अनुसरण करते हुए दृक् तुल्य पंचांग का प्रयास किया गया। आशा है कि पाठकगण इस प्रयास का स्वागत करेंगे। पाठकों की सन्तुष्टि ही संस्था के लिए रसायन होगी।

सर्व साधारण की सुविधा की दृष्टि से तिथि नक्षत्रादि के मान घटी पल के साथ साथ भारतीय मानक समयानुसार दिये गये हैं। दैनिक लग्नसारिणी भी मानक समयानुसार ही दी गई है। व्यावहारिक सरलता को ध्यान में रखते हुए अगले अंक से संस्था के अन्य केन्द्रों के अंक्षांशानुसार लग्न समाप्ति काल जानने के लिए एक पृथक् से सारिणी देने की योजना है। इस प्रकार समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन एवं संवर्धन भी किया जायेगा। संस्था न हानि न लाभ की दृष्टि से केवल भारतीय विद्याओं के प्रसार एवं संवर्धन हेतु कार्य करती है। व्यावहारिक दृष्टि से कुछ त्रुटियां भी सम्भव हैं। अतः प्रबुद्ध पाठकगण उनका मार्जन करते हुए संस्था को अवगत कराने का कष्ट करेंगे ताकि अग्रिम अंकों में उनका समुचित समाधान किया जा सके। सहयोग हेतु संस्था सदैव आभारी रहेगी।

मैं इस दुरूह तथा श्रमसाध्य कार्य के लिए प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी को साधुवाद देता हूँ जिन्होंने संस्था के लिए निःस्वार्थभाव से अपने व्यस्त क्षणों से समय निकाला तथा इस कार्य को पूर्णता तक पहुंचाया। साथ ही संस्था के सभी सदस्यों एवं सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिनका सहयोग सदैव संस्था को सुलभ रहता है। अन्त में संस्था की ओर से आगामी भारतीय नववर्ष की हार्दिक शुभकामनायें। नववर्ष देश एवं देशवासियों के लिए सभी प्रकार से सुख एवं सम्मान में वृद्धिकारक हो। जय भारत।

नववर्षं वर्षतु हर्षरसम्

शिवरात्रि, सं २०७४ | **रामचन्द्रपाण्डेय**
नैसर्गिक शोध संस्था, वाराणसी | **प्रधान सम्पादक**

संवत्सरादिफलम् 2018-19 ई0

कलियुगाब्द	५११९	ईशवी सन्	२०१८-१९
फसली	१४२५-२६	शालिवाहन शक	१९४०
हिजरी	१४३९-४०	विक्रम संवत्	२०७५
सप्तर्षिसंवत्	५०९४	महावीरजैननिर्वाणसंवत्	२५४३-४४
श्रीबुद्धसंवत्	२६४१-४२	भारतीय गणराज्यवर्ष	६८-६९

वर्षादिकृत्य -

अब्दादौ प्रातरुत्थाय दन्तधावनपूर्वकम्।
स्नानं सन्ध्याविधिं कृत्वा वर्णाचारक्रमेण तु॥
अब्दादौ मित्रसंयुक्तो मङ्गलस्नानमाचरेत्।
वस्त्रैराभरणैर्देहमलङ्कृत्य ततश्शुचिः॥
अब्दादौ ग्रहपूजाश्च पूजाञ्च चिरजीविनाम्।
मिष्टान्नेन द्विजान् बन्धून पितृन् सन्तर्पयेत्ततः॥

वर्षारम्भ के दिन प्रातः काल में दन्तधावनादि कार्योपरान्त मंगलस्नान करके सन्ध्यादि कृत्य पूरा करने के बाद नववस्त्र धारण करके ग्रहादि का पूजन करना चाहिए । साथ ही बन्धुजन, ब्राह्मण और पितरों को मिष्ठान्नादि से संतृप्त करना चाहिए ।

प्राप्ते नूतनवत्सरे प्रतिगृहे कुर्याद्ध्वजारोपणम् ।
स्नानं मङ्गलमाचरेद् द्विजवरैः सार्धं सुपूजोत्सवम् ॥
देवानां गुरुयोषिताञ्च विभवाऽलङ्कारवस्त्रादिभिः ।
सम्पूज्यो गणकः फलञ्च श्रृणुयात्तस्माच्च लाभप्रदम् ॥
परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषतः ।
सुपुष्पाणि समानीय चूर्णं कृत्वा विधानतः ॥
मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम् ।
अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये ॥
यद् वर्षादौ निम्बसुमं शर्कराम्लघृतैर्युतम् ।
भक्षितं पूर्वया मे स्मार्त तद्वर्षं सौख्यदायकम् ॥

संवत्सरावि फल श्रवण का माहात्म्य -

राज्यं स्यादचलं नृपश्रवणतो मन्त्रीश्रवणात् कौशलम्।
धान्येशाद् कमला स्थिरा च सुरसा वाणी भवेन्मेघपात्॥
धर्मे बुद्धिरधिष्ठाता रसपतेदीर्घायुषत्वं भवेत्।
सस्येशाद् विमला मतिः शुभकरी वर्षावली श्रूयताम्॥

वर्षारम्भ में संवत्सर के राजा का फल सुनने से राज्य स्थिर होता है । मंत्री का फल सुनने से कुशलता बढती है । धान्येश का फल श्रवण से लक्ष्मी स्थिर होती है । मेघपति का फल सुनने से वाणी रम्या होती है । रसपति के फलश्रवण से धार्मिक बुद्धि होती है एवं सस्येश के फलश्रवण से दीर्घायु मिलती है । अतः शुभ एवं कल्याणकारी वत्सरावली का श्रवण करना चाहिए ।

संवत्सरादि फलश्रवणविधि -

उदङ्मुखः प्राङ्मुखो वा दैवज्ञस्य तु सन्निधौ।
विघ्नेशं भारतीं खेटान् दैवज्ञं ब्राह्मणान् गुरून् ॥
सम्पूज्य वत्सरफलं साङ्गोपाङ्गं यथाक्रमम्।
विकासवदनो भूत्वा ब्रह्मणो जन्मतः फलम्॥
अब्दाधीशचमूनाथसस्यागानां बलाबले।
तत्कालग्रहचारांश्च सम्यक् ज्ञात्वा फलं लभेत्॥

दैवज्ञ के समीप में पूर्वमुख या उत्तरमुख होकर गणेश, सरस्वती, नवग्रह, गुरु, ब्राह्मण आदि का पूजन करके सांगोपांग वर्ष का फल सुनना चाहिए ।

ब्रह्मायुर्निरूपणम् - श्रीमद्भागवतो विष्णोः नाभिकमलोद्भवस्य ब्रह्मणो ब्राह्ममानेन परमायुः १०० वर्षाणि । ३११०४०००००००००० सौरवर्षाणि ब्रह्मणः परमायुः । ब्रह्मणः जन्मादि गतसौरवर्षाणि १५५५२१९७२९४९११८ कल्पादितः गतसौरवर्षाणि १९७२९४९११८ सृष्ट्यादितः गतवर्षाणि १९५५८८५११८ अथ ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे सप्तविंशति महायुगानि व्यतीतानि । अष्टाविंशमहायुगस्य च कृतत्रेताद्वापराख्ययुगचरणत्रयं व्यतीतम् । कृतयुगवर्णनम् खकार्तिकशुक्लनवम्यां प्रथमयामे श्रवणनक्षत्रे वृद्धियोगे कृतयुगोत्पत्तिः । सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् १७२८०००सौरवर्षाणि । अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः मत्स्यकच्छपवाराहनृसिंहाः चत्वारोऽवताराः । तत्र पापम् ० पुण्यम् २० ।

त्रेतायुगवर्णनम्-वैशाखशुक्लतृतीयायां द्वितीययामे रोहिणीनक्षत्रे शोभनयोगे त्रेतायुगोत्पत्तिः । सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् १२९६००० सौरवर्षाणि । अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः वामनपरशुरामारामाख्योवतारा: । तत्र पापम् ५ पुण्यम् १५ । द्वापरयुगवर्णनम्-माघकृष्णामावस्यायां तृतीययामे धनिष्ठानक्षत्रे वरीयानयोगे द्वापरयुगोत्पत्तिः । सन्ध्यासन्ध्यांशसहितं तन्मानम् ८६४००० सौरवर्षाणि । अस्मिन् युगे श्रीविष्णोः श्रीकृष्णबलरामावतारौ । तत्र पापम् १० पुण्यम् १० । कलियुगवर्णनम्-भाद्रपदकृष्णत्रयोदश्यां निशीथे कृत्तिकानक्षत्रे व्यतीपातयोगे कलियुगोत्पत्तिः । सन्ध्यासन्ध्यांससहितं तन्मानम् ४३२००० सौरवर्षाणि । अस्मिन्युगे श्रीविष्णोः बुद्धाऽवतारोऽभवत् । कलियुगस्य ८२१ वर्षावशेषकाले कलक्यवतारो भविष्यति । तत्र पापम् १५ पुण्यम् ५ । सम्प्रति कलेः ५११७ सौरवर्षाणि गतानि । भोग्यवर्षाणि ४२६८८३ कलिसम्वत् ५११७ । बार्हस्पत्यवर्षफलम् - तत्र बार्हस्पत्यमानेन प्रभवादिषष्ट्यब्दानां मध्ये चैत्रशुक्लप्रतिपदि विरोधकृत्संवत्सरः । तत्र मेषार्कसमये गतमासादयः ००/१९/०६/४४ भोग्यमासादयः ११/१०/५२/१ परिधावीसंवत्सरः ।

बार्हस्पत्यमान के अनुसार फल इस प्रकार है -

सुभिक्षं क्षेममारोग्यं धनधान्यसमाकुलम्।
इष्टमित्रोपकारी च परिधावी वरानने।।

अर्थात् परिधावी नाम के सम्वत्सर में सुभिक्ष, कुशलता, आरोग्यता, धन-धान्यपूर्ण पृथ्वी रहती है। लोगों में उपकार की भावना और मैत्री भाव की प्रधानता रहती है । परिधावी सम्वत्सर का स्वामी मंगल रहता है। चैत्रादि ४ महीनों में अन्न का भाव सम रहता है।, इसमें अन्न का संग्रह करना चाहिये, लोगों को रोग से कष्ट, मरुदेश में महामारी का भय, चतुष्पद (हाथी, घोड़ा, भैंस) पशुओं को पीड़ा, श्रावण-भाद्रपद में अल्प मेघ खण्ड-वृष्टि, अन्न की महगाई, कार्तिकादि ५ मासों में अन्न का सम भाव, सिन्ध देश में अन्न का आगमन होगा ।

चैत्र शुक्ल प्रतिपद को 'विरोधकृत' संवत्सर है । वर्षारम्भ में होने के कारण वर्षान्तपर्यन्त 'विरोधकृत' संवत्सर का प्रयोग संकल्पादि में किया जा सकता है । विरोधकृत् संवत्सर का फल इस प्रकार है ।

माधवा वर्षते देवि देशे वै खंडमंडले।
अहिक्षेत्रे कान्यकुब्जे विरोधे कृषिनाशकृत्।।

अर्थात् विरोधकृत् संवत्सर में खण्डवृष्टि, कृषि का नाश होगा। नागपुर तथा कन्नौज में विरोध तथा कृषि की क्षति होगी । विरोधकृत संवत्सर का स्वामी चन्द्रमा, कौंकण (महाराष्ट्र), पाटमण्डल तथा मध्यप्रदेश में महान दुर्भिक्ष, राजाओं में परस्पर विरोध, चैत्रादि ३ महीनों में अन्न का मूल्य सम, आषाढ में अल्पवृष्टि, श्रावण में अतिवृष्टि, अन्न का समभाव, सभी धातु महंगे, फाल्गुन में देश में विरोध, मार्गशीर्ष में विषमता, मजीठ, सोपारी, वस्त्र, सूत, हाथीदांत, बड़े-बड़े पदार्थ, घोड़े आदि पशु महंगे होंगे ।

वर्षेश सूर्य का फल

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को रविवार होने के कारण वर्ष का राजा सूर्य है । यदि वर्ष का राजा सूर्य हो तो अल्प वर्षा होती है । अन्न तथा फळ का उत्पादन कम, गायें अल्प दूध देने वाली, जनता को पीड़ा, चोर तथा अग्नि का भय तथा राजाओं का मरण होता है ।

सूर्ये नृपे स्वल्पजलाश्चमेघाः स्वल्पं धान्यमल्पफलाश्चवृक्षाः ।
स्वल्पं पयो गोषु जनेषु पीड़ा चौराग्निबाधा निधनं नृणाम् ।।

वर्षेश सूर्य है और समय का वाहन अश्व है । अतः वर्षभर भूकम्पादि से उत्पात, महाभय की स्थिति, राजाओं में युद्ध और वर्षा की कमी ।

अश्वारूढो वत्सरश्च भूमिकम्पो महाभयम्।
राजानो विग्रहं याति वृष्टिनाशो महर्घता।।

मन्त्री शनि का फल

सम्वत् का मंत्री शनि होने से राजा लोग विनय रहित, जनता को दुःख देने वाले, वर्षा की कमी से जनता को कष्ट, लोगों को धनसम्बन्धी सुख बहुत कम मिलेगा ।

रविसुते यदि मंत्रिणि पार्थिवा विनयसंरहिता बहुःदुःखदाः।
न जलदा जलदा जनतापदा जनपदेषु सुखं धनजं क्वचित्।।

सस्येश चन्द्र का फल

सस्याधिपे शीतकरे प्रजासुखं मेघः पयो मुंचति गोपगोधुक्।
देवद्विजाराधनतत्परा नृपा धरा भवेद्धान्यधनौघपूर्णा।।

यदि वर्ष में सस्येश चन्द्र हो तो प्रजा को सुख होता है,वर्षा अच्छी होती है,गायों के दूध से गोपालक सुखी,राजा देव,ब्राह्मणों की पूजा

में तत्पर तथा पृथ्वी धनधान्य से पूर्ण रहेगी।

धान्येश सूर्य का फल

सूर्ये धान्याधिपे जाते अल्पतोयप्रवा घनाः।
माषमुद्गतिलानाञ्च महर्घ जायते ध्रुवम्।।

इस सम्वत् में धान्येश सूर्य है । अतः वर्षा में थोड़ी वर्षा, उड़द, मूंग और तिल के भाव में महंगाई होती है ।

रसेश बुध का फल

रसपतौ द्विजराजसुते मही सुलभधान्यघृताद्वियुता जनाः ।
प्रमुदिता वरनायकपालिता बहुजलाखिलदेश सुरक्षिताः ।।

इस सम्वत् में रसेश बुध है अतः कृषि सुलभ होती है, घीं आदि भोज्य सामाग्रियां सुलभ, जनता को श्रेष्ठ शासकों की प्राप्ति होती है, जिससे जनता प्रसन्न रहती है, बहुत वृष्टि तथा सम्पूर्ण देश सुरक्षित होता है ।

नीरसेश चन्द्र का फल

शुक्लवर्णादिवस्तूनां मुक्तारजतवाससाम्।
अर्घवृद्धिः प्रजायेत शशांके नीरसाधिपे ।।

इस संवत् में नीरसेश चन्द्र है अतः श्वेत पदार्थों, मोती, चांदी, तथा वस्त्रों के मूल्य में वृद्धि होता है ।

मेघेश शुक्र का फल

भृगुसुतो जलदस्य पतिर्यदा जलयुता जलदा विवि शोभिनः ।
धननिधानयुता द्विजपालका नृपतयो जनतासुखवायकाः ।।

वर्ष में मेघेश शुक्र है । यदि शुक्र मेघेश हों तो जल से पूर्ण मेघ आकाश में सुशोभित दिखते हैं, द्विजपालक लोग धन-धान्य सम्पन्न तथा शासक वर्ग जनता को सुख देने वाले होते हैं ।

दुर्गेश शुक्र का फल

नरवरेभुविदुर्गपतिर्यदा भृगुसुतो बहुसौख्यकरो मतः ।
विनयवाणिजहेमसमः सुखो गतवनं निकटेऽपि च वूरतः ।।

सम्वत् में दुर्गेश शुक्र है अतः शासक तथा जनता को बहुत सौख्य, विनम्रता, व्यापारी आदि वर्ग तथा आम जनता में सुख की वृद्धि, घर या वन बहुत दूर या निकट कहीं भी जाने पर लोंगों को एक समान सुख की प्राप्ति होती है ।

धनेश चन्द्र का फल

धनपतिर्मृगलांछनको यदा रसायात्क्रयविक्रयतो धनम् ।
वसनशालिसुगंधनजं बहु द्रविणतैलघृतं नृपसौख्यकम् ।।

इस संवत् में धनेश चन्द्र है अतः रसपदार्थों के क्रय-विक्रय से धन का लाभ होता है। वस्त्र, धान, सुगन्धित-पदार्थों तथा तेल घी के व्यापार से लाभ तथा राजाओं को सौख्य प्राप्त होता है ।

फलेश गुरु का फल

सुरगुरुः फलनायकतां गतो गतभया वनराशिमहाद्रुमाः ।
यजनयाजनकोत्सवमंदिराः श्रुतिविचारपरा द्विजपूर्वकाः ।।

इस संवत् में फलेश गुरु है अतः इस वर्ष में लोग भय रहित, सभी वृक्ष समूहों में फल पुष्प की वृद्धि, घरों में यज्ञ-यागादि तथा उत्सव, तथा द्विजगण वेद विहित कार्य करेंगे ।

रोहिणी वास तथा सम्वत्सरवास -

वर्तमान सन्दर्भ में रोहिणी का निवास पर्वत पर होता है । 'पर्वते बिन्दुमात्रश्च' के अनुसार पर्वत पर रोहिणी का वास होने पर अल्पवृष्टि होती है यदि सम्वत्सर का वास कुम्हार के घर हो तो यह वर्ष मध्यम होता है ।

कुम्भकारगृहे वासो तद्वर्षे मध्यमं फलम् ।।

सूर्यस्यार्द्रानक्षत्रे प्रवेशकालविचारः

प्रवेशकाले यदि रौद्रभस्य वृष्टिर्भवेवीतिरनर्घता च ।
शेषेषु पादत्रितयेषु भीतिरत्यल्पवृष्टिर्महती गदा च ।।

आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करते समय यदि वर्षा होती है तो अनर्घता अर्थात् मंदी जानना चाहिए । आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष्टि होने पर भय, तृतीय चरण में अत्यल्पवृष्टि तथा चतुर्थ चरण में भयंकर रोग की सम्भावना बनती है ।

आर्द्राप्रवेशे वृष्टिश्चेव्विवा यवि वा निशि।
स्तोक वृष्टिरनर्घत्वमवृष्टौ सस्यसम्पवः।।
आर्द्रायाः प्रथमे पावे यवि वर्षति वासवः।
तुषारमल्पवृष्टिः स्यावित्येव केचिवूचिरे।।

सूर्ये मेषगते वृष्टिरार्द्रायाश्गद्यपावके।
एकावशसु त्रक्षेषु त्रिपक्षे वृष्टिनाशनम्।।

विक्रम संवत् २०७४ शाके १९४० शुद्धजेष्ठमासे शुक्लपक्षे दशम्यां शुभतिथौ शुक्रवासरे परिघयोगे चित्रानक्षत्रे तैतिलकरणे मार्तण्डमण्लोदयादिष्टकाल: १४/५७/०० सिंहलग्ने सूर्यस्यार्द्रा नक्षत्रे प्रवेश: ।

अथ प्रवेशकालविचार:

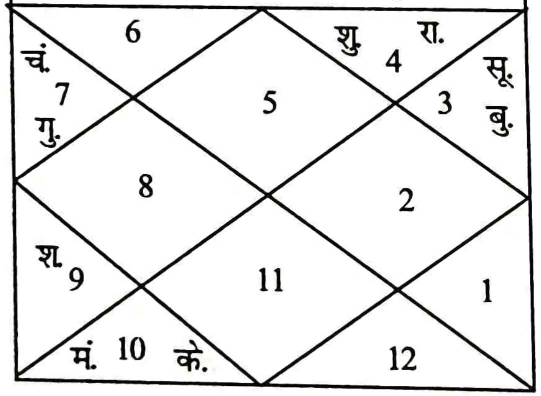
दशमीतिथिफलं	शुभफलं स्यात्।
शुक्रवासरफलं	शान्तिकरं स्यात्।
चित्रानक्षत्रफलं	चित्रधान्यानि शुभफलञ्च।

चित्रायां चित्रधान्यानि सर्वदा शुभफलं भवेत्।

योगफलम्	परिघश्चार्थनाशकृत् धननाशो जायते ।

आर्द्रा प्रवेशस्य फलम् - मध्यदिने स्वल्पकता च पृथ्वी।

।।अथार्कस्यार्द्राप्रवेशकालिककुण्डली।।



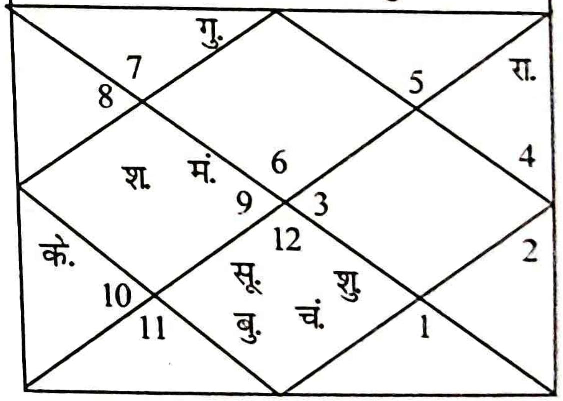
आर्द्रा प्रवेश लग्न सिंह है । लग्नेश सूर्य एकादश भाव में है । लग्न और लग्नेश दोनों का जलचरराशियोंसे सम्बन्ध नहीं है परन्तु गुरु की दृष्टि के कारण मध्यम वृष्टि का योग है । शुक्र, राहू की द्वादश भाव में स्थिति व्यापारी वर्ग के लिए शुभ है । राहु की युति के कारण बाजार में आकस्मिक गिरावट का भी योग है । षष्ठ भाव में मंगल की उच्चराशि में स्थिति शुभ है । शत्रुवर्ग भय में रहेगा । वर्ष में अधिकमास ज्येष्ठ है अत: देश में विग्रह, शासको से भय, चोरों का आतंक, घी-तेल तथा अन्न सस्ता होगा ।

विग्रहं भूमिपाद्भीतिस्तस्करादिभयं भवेत्।
घृतं तैलं तथा धान्यं समर्थ स्याद्विव्न्येष्ठके ।।

नवमेघों में से इस वर्ष में द्रोण नाम का मेघ है । 'द्रोणे वृष्टिसमं भवेत्' इसके अनुसार मध्यम वृष्टि की सम्भावना है । चतुर्मेघों में से इस वर्ष पुष्कर नाम का मेघ है । 'पुष्करो मन्दवृष्टिश्च' इस कथनानुसार वर्ष में अल्पवृष्टि का योग है द्वादश मेंघों में से जलेन्द्र नाम का मेघ है । 'जलेन्द्रोष्णवती मही' शास्त्रवचनानुसार जलेन्द्र मेघ में पृथ्वी पर गर्मी पड़ती है । अत: पूर्ववर्णित मेघों और आर्द्रा प्रवेश कुण्डली के आधार पर इस वर्ष में मध्यमवृष्टि का ही योग है । कुछ स्थानों पर अल्पवृष्टि या सूखे को स्थिति भी हो सकती है ।

गत साधारण नामक विक्रम सम्वत् २०७४ की समाप्ति के उपरान्त 'विरोधकृत' नामक विक्रम सम्वत् २०७५ का प्रवेश १७ मार्च २०१८ ई. शनिवार को सायंकाल ६ घंटा ५५ मिनट पर होगा।

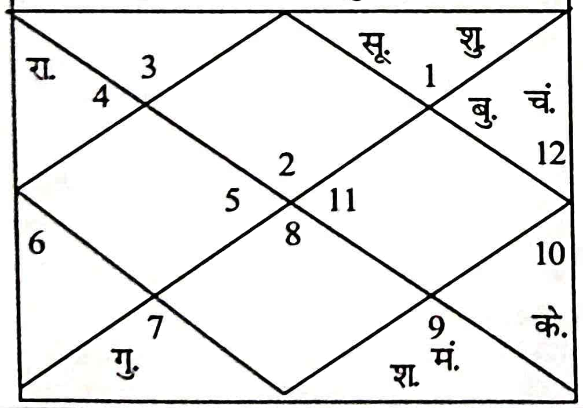
।।अथ वर्षप्रवेशकालिककुण्डली।।



१८ भार्च २०१८ ई. रविवार को प्रात: काल चैत्रमास ५ प्रविष्टे उत्तराभाद्रपद नक्षत्र शुक्ल योग एवं मीनस्थ चन्द्र के समय नववर्ष प्रवेश कन्या लग्न में होगा । वसन्तनवरात्रारम्भ का भी शुभारम्भ इसी दिन से होगा । इस वर्ष नवरात्रे १८ मार्च २०१८ ई. से 25 मार्च २०१८ ई. तक रहेंगे । नवरात्र के प्रथमदिन अर्थात् नवसंवत्सर चैत्र शुक्लपक्ष प्रतिपदा के दिन किसी योग्य विद्वान द्वारा विधिपूर्वक घटस्थापन संवत्सरपूजन एवं श्रीगणेश, विष्णु, शिव

और देवी दुर्गा पूजन करने का शास्त्रों में विशेष माहात्म्य प्रतिपादित है । इस दिन सम्पूर्ण अग्रिम नवीन सम्वत्सर के मंगलमय यापन हेतु विद्वान ब्राह्मणों का विधिपूर्वक पूजन एवं सम्मान कर, उन्हें विविध प्रकार के दानों से सन्तुष्ट एवं प्रसन्न कर नानाविध पकवानों फलों एवं मिठाईयों आदि का भोजन करवाकर, उनके मुखारविन्द से परिवार के समस्त सदस्यों को सम्वत् का नाम, संवत् का वास, राजा एवं मंत्री आदि का फल श्रवण करने का विधान भी शास्त्रों में उल्लिखित है । जो बुद्धिमान व्यक्ति चैत्र शुक्ल प्रतिपद को संवत्सर का पवित्र फल सुनता है वह बहुत धनवाला होता है तथा वर्षभर के लिए उसके शरीर की समस्त पीड़ाएं समाप्त हो जाती हैं । इस संवत्सर का राजा सूर्य और मंत्री शनि है । सूर्य और शनि में परस्पर शत्रुभाव है अतः विश्व के अनेक देशों में पारस्परिक शत्रुभाव बढेगा अतः विश्व में संघर्ष का वातावरण वर्षभर रहेगा । इस वर्ष लग्नेश बुध सप्तमभाव मे, द्वादशेश सूर्य एकादशेश चन्द्र द्वितीयेश-नवमेश शुक्र के साथ है, द्वादशेश और लग्नेश की सप्तम में युति भारत की विदेश में प्रतिष्ठा को बढाने वाली है । भारत के विभिन्न देशों के साथ आर्थिक और सांस्कृतिक सम्बन्ध मजबूत होंगे । मंगल की चतुर्थ दृष्टि यद्यपि पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्धों में संघर्ष बढा सकती है । बृहस्पति की तुला राशि में स्थिति कृषि का नाश, गोरस की अधिकता रहती है । शनि की धनुराशि में स्थिति भारत के पश्चिमी भाग में स्थित प्रदेशों में रहने वाले लोगों को बाढ आदि से कष्ट देंगी ।

।।अथ जगल्लग्नकुण्डली।।



नववर्ष प्रवेश कुण्डली और जगल्लग्न कुण्डली में शनि और मंगल की युति इस वर्ष में विश्व के विविध देशों में विशेषकर पश्चिमी देशों में आतंकवादी घटनाओं को बढाने वाली है। भारत की राशि मकर के राशीश शनि की मंगल से युति भारत के विविध भागों में भी उग्रवाद जन्य घटनाओं को देने वाली है और किसी विशिष्ट व्यक्ति के ऊपर आतंकवादी आक्रमण की भी सूचक है ।

- शनेः साढ़ेसाती-ढ़ैय्येति विचारः -

अथ गोचरवशाच्छनेः पादविचारः-

जन्मांगरुद्रेषु (१,६,११)सुवर्णपादं द्विपंचनन्दैः (२,५,९)रजतस्य पादम्। त्रिसप्तदिक्ताम्रपदं(३,७,१०)वदन्ति वेदाष्टचार्कष्विह (४,८,१२)लौहपादम्।। शनेः पादफलम्-

लोहे वित्तविनाशः स्यात्सर्वसौख्यं च कांचने।
ताम्रे च समता ज्ञेया सौभाग्यं रजते भवेत्।।

अस्मिन् वर्षे शनिः धनुराशौ संचरिष्यति।

अतः तस्मिन् काले **वृश्चिकधनुमकरराशियुक्तजातकाः शनेः सार्ध सप्ताब्दतः (साढेसाती)** प्रभाविताः भविष्यन्ति। **वृषकन्याराशियुक्ताः** जनाः सार्ध **द्वयाब्दतः (ढैया)** प्रभाविताः भविष्यन्ति।

फलविचारः- मेषस्य सुवर्णपादः, वृषस्य लौहपादः, मिथुनस्य ताम्रपादः, कर्कस्य सुवर्णपादः, सिंहस्य रजतपादः, कन्यायाः लौहपादः, तुलायाः ताम्रपादः, वृश्चिकस्य रजतपादः (स्थानं पादे) , धनोः सुवर्णपादः (स्थानं हृदि), मकरस्य लौहः(स्थानं शिरसि), कुम्भस्य सुवर्णपादः, मीनस्य रजतपादः।

शनिशान्त्यर्थमुपायाः - शनेः बीजमन्त्रादीनां जपः, शनिस्तोत्रस्य पाठः, अश्वत्थवृक्षस्य मूले तिलमाषादिमिश्रितजलदानं सायंकाले च दीपदानम्, महामृत्युंजयजपः, शिवोपासना, हनुमदुपासना, सुन्दरकाण्डादिकानां पाठः, पक्षिणां कृते अन्नादिदानम्, सदक्षिणां लौहपात्रस्य दानम्, दरिद्र-कुष्ठादिरोगार्तानां कृते भोजनवस्त्रादिदानम्, तुलादानम्, माषादिवस्तूनां दानम्, वृद्धजनानां परिचर्यादिकम्। भौतिकोपचारेषु शनिवासरे अमावस्यायां वा लौहमुद्रिकायाः धारणम्। **शनेः दानपदार्थाः**- नीलमणिः, सुवर्णः, लौहः, माषः, कुलथः, तैलम्, कृष्णवस्त्रम्, कस्तूरिका,कृष्णपुष्पम्, कृष्णांगमहिषः, उपानहौ च। **दानसमयः**- मध्याह्नकालः। **जपमन्त्रः**- ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः। **जपसंख्या**-23000। **बीजमन्त्रः** - ॐ शं शनैश्चराय नमः। **हवनसमिधा**- कुशा इति ज्ञेयम्। **शनिस्तुतिः** - कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः रुद्रः रौद्रान्तको यमः। सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः। एवं ध्यात्वा शनेः पीडा शमं याति न संशयः।।

डॉ. देशबन्धु,

सहायकाचार्य वास्तु विभाग, श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ नई दिल्ली

वार्षिकराशिफल संवत् 2075, सन् 2018-19

मेष - (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)

मार्च - मेष राशि के जातकों के लिए मार्च का महीना प्रायः शुभ रहेगा। अपने प्रियजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे, माता का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। अनिद्रा से पीड़ित रहने की संभावना अधिक है। नेत्रों में कष्ट हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाये। धर्म के प्रति आलस्य रहेगा अतः तीर्थ दर्शन के लिए जाना चाहिए । शुभ कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल - अप्रैल के महीने में आप शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे ज्वरपीडा हो सकती है। १४ अप्रैल के उपरान्त शारीरिक तेज व ऊर्जा में वृद्धि होगी, श्वसन संबंधित विकार हो सकते है। संगीत, कला आदि मनोरंजन में रुचि बढेगी। मन में अत्यधिक विचार आने से भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कार्यस्थल पर वरिष्ठ जनों से आपका सहयोग मिलेगा और आप बेहतर काम करेंगे। घर वाहन आदि का लाभ होगा। पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। धार्मिक कार्यों की ओर झुकाव होग। इस मास ४,५,१३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई - व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। अपने कार्य में आपको प्रशंसा और पदोन्नति मिल सकती है। पराक्रम में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। अतिरिक्त लाभ की संभावना बनेगी। आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए अच्छा रहने वाला है। इस अवधि में धन का आवागमन अच्छा रहेगा। यात्रा के योग भी बन रहे हैं। परिवार का सुख प्राप्त होगा। अत्यधिक व्यस्तता रह सकती है। शारीरिक क्षमता व स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को विशेष सफलता प्राप्त होगी। इस मास १,२,११,१२,२०,२१,२९,३० दिनांक नेष्ट है।

जून - पारिवारिक कारणों से मानसिक क्लेश रह सकता है। बेवजह के विवादों से बचने की कोशिश करें। जीवनसाथी से भी मतभेद होने की संभावना है। वाणी पर नियन्त्रण रखें। १२ जून के उपरान्त वाहन, सम्पत्ति आदि सुख साधनों की प्राप्ति होगी। मातृपक्ष से लाभ होगा। पारिवारिक तनाव का असर आपके कार्य पर भी पड़ सकता है। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। छात्रों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं, सुख साधनों की प्राप्ति होगी। इस मास ७,८,१६,१७,२५,२६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई - मेष राशि के जातकों के लिए जुलाई मास उत्तम रहेगा। जो रियल इस्टेट, ट्रैवल-टूरिज्म और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं उन्हें अनेक अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और उनसे लाभ प्राप्त होगा। पराक्रम व साहस बढेगा। प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। यात्रा योग बन सकते है। पिता को कुछ शारीरिक कष्ट हो सकता है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं । दम्पत्ति को सन्तान लाभ होगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त - कुछ वैवाहिक जीवन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। माता को कष्ट रह सकता है। भूमि संबंधित विवाद हो सकते हैं। हृदय व श्वसन संबंधित विकार हो सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। इस महीने विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ विवाद और राजकीय बाधा हो सकती है। इस महीने आप धार्मिक कार्य और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े कार्यों में व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा कुछ लोग तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। व्यय में वृद्धि हो सकती है। इस मास १,२,१०,११,१८,१९,२८,२९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - सितम्बर के मास में विवाह संबंधित बाधायें दूर होगी। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में मधुरता बनेगी। अविवाहितों के रिश्ते तय होंगे। विवाद करने से बचें। अविवाहित इस महीने विवाह के बंधन में बंध सकते हैं। कृषि, पर्यावरण, सांख्यिकी, सेल्स, मार्केटिंग, कस्टमर सर्विस और हेल्थ सेक्टर से संबंधित व्यवसाय करने वालों को अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। यह महीना उन लोगों के लिए भी अच्छा है जो स्वयं का व्यापार कर रहे हैं। त्वचा संबंधी विकार हो सकते है, शत्रु से संबंधित बाधा दूर होगी। आपकी सभी योजनाओं को बल मिलेगा और नए कार्यों से आपको लाभ होगा। इस मास ६,७,१४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - नेत्र संबंधी रोग व कमर में पीडा हो सकती है। कार्य कुशलता में वृद्धि होगी। विद्या प्राप्ति में कुछ बाधा होने के योग है। संतान से मनमुटाव हो सकता है। शेयर, सट्टा, व्यापार में हानि हो सकती है। १७ अक्टूबर के पश्चात् शारीरिक कष्ट हो सकता है। आर्थिक सलाहकार और वैवाहिक सलाहकारों के लिए यह समय बेहद अच्छा रहने वाला है। मास के उत्तरार्ध में कोई बड़ा निवेश करने से बचें। जीवनसाथी को कुछ गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस माह नये विषयों के प्रति रूचि बढ़ सकती है। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - धन प्राप्ति के नये साधन उत्पन्न होंगे। मातृ पक्ष में मामा, नाना, मौसी इत्यादि को कष्ट हो सकता है। गुदा संबंधित विकार हो सकते हैं। मानहानि से बचे। प्रशासनिक व सरकारी तन्त्र से परेशानी हो सकती है। मशीनरी व विद्युतीय उपकरणों से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। विद्या व संतान प्राप्ति में बाधा हो सकती है। घरेलू कलह हो सकती है। रिसर्च का कार्य कर रहे जातकों को शोध के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। किसी नए कार्य में निवेश करने से और उधारी व ऋण लेने से बचें। आय के नए साधन मिलेंगे। भाईयों से विवाद हो सकता है। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - इस महीने आपको पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। व्यवसाय से अच्छा लाभ होने की संभावना है। कार्य स्थल पर आप बेहतर कार्य करने में सक्षम होंगे और अच्छे काम के लिए आपको सम्मानित किया जाएगा। अचानक बड़े लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इस माह वैवाहिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। डॉक्टर और मेडिकल के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए यह समय अच्छा है । दुर्घटना की संभावना बनेगी। भाई बहनों को कष्ट हो सकता है। व्यापार में लाभ के योग बनेंगे। माङ्गलिक कार्यों में व्यय होगा। विवाह संबंधित बाधाऐं दूर होगी। हृदय संबंधी विकार हो सकते है। उदर संबंधी विकार की भी संभावना है। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - धन प्राप्ति की संभावना बनेगी। जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है। तीर्थयात्रा व धार्मिक कार्यों में रूचि बढेगी। पिता को कष्ट हो सकता है। ऋण से मुक्ति मिलेगी व शत्रुओं का विनाश होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रशासनिक लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। साल के पहले महीने में आपका वैवाहिक जीवन बहुत ही सुखमय रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर कुछ नया कर सकते हैं। कार्य के संबंध में होने वाली यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस महीने आपको माता जी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। इस अवधि में आपका रुझान रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। जो लोक कल्याण और मानव संसाधन से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं उन्हें बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। इसके अलावा मैनजमेंट जैसे विषय की पढ़ाई कर रहे छात्र भी अच्छा प्रदर्शन करने में समर्थ होंगे। क्रोध में वृद्धि हो सकती है, परन्तु शारीरिक बल बढेगा। विद्यार्थियों की खेलों में रूचि बढेगी। पिता से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

वृष (इ उ ए ओ बा बी बू वे वो)

मार्च - इस मास भाइयों से कुछ अनबन रहेगी। हाथों पर चोट लगने की संभावना है। नौकरों से धोखा हो सकता है। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाहन, भूमि, जायदाद का लाभ हो सकता है। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। मधुमेह, पेट रोग, कफ संबंधी विकार होने की संभावना है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। स्वयं भी सावधानी रखें, दुर्घटना हो सकती है। आध्यात्म की और रूझान बढेगा। भाग्य का सहयोग कम मिलेगा। व्यापारी वर्ग को वस्त्र, प्रसाधन, मनोरंजन सामग्रीयों से लाभ होगा। मांगलिक कार्यों में विशेष व्यय हो सकता है। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - विद्यार्थियों को परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ प्राप्ति हेतु अधिक परिश्रम करना होगा। ससुराल पक्ष से कुछ अनबन हो सकती है। विदेश यात्राओं के योग भी बनते हैं। नेत्र संबंधित रोग होने की संभावनाऐ बनती है। राजकीय व राजनैतिक उद्देश्यों हेतु विशेष व्यय हो सकता है। १९ अप्रैल के उपरांत कार्यों में सफलता प्राप्त होगी व स्वास्थ्य

लाभ प्राप्त होगा। मान व प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। संगीत, साहित्य, मनोरंजन के प्रति रूचि बढेगी। इस माह खर्चों में वृद्धि आपको मुश्किल में डाल सकती है इसलिए बजट के अनुसार ही चलें। पेट में संक्रमण, अपच या अनिद्रा जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। इस मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने वाले छात्रों को सफलता प्राप्त होगी। पिता को शारीरिक कष्ट हो सकता है। वैवाहिक अड़चन दूर होगी। व्यापारी वर्ग को लाभ होगा। सेना, पुलिस, रेस्टोरेन्ट, मेडिकल संबंधी कार्य करने वालों को लाभ होगा। १५ अप्रैल के बाद ज्वर, शिरोवेदना पित्त विकार आदि कष्ट हो सकते हैं। धन धान्य की वृद्धि होगी। आप अपने ऊर्जा व उत्साह में वृद्धि देखेंगे और जो भी कार्य करेंगे, उसमें सफलता हासिल करेंगे। इस माह आपको बार-बार यात्रा पर जाना पड़ सकता है। मर्चेन्ट नेवी या सेना से जुड़े लोगों के लिए ये समय काफी अच्छा है। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - नया कार्य आरम्भ करने हेतु वृषभ राशि वालों के लिए यह महीना काफी शुभ है। व्यापार में उन्नति होगी। वाणी का प्रभाव बढेगा। धन में वृद्धि होगी। नेत्र संबंधी व त्वचा संबंधी विकार भी हो सकते हैं। निजी जीवन में खुशियों की बहार आएगी और भाई-बहन के साथ मिलकर चलने से आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। पिता को कुछ कष्ट हो सकता है। खेल-कूद, पुलिस, सेना, रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यक्ति अपने कार्यस्थल पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चिकित्सा, सर्जरी, हेल्थ व फिटनेस से जुड़े उपकरणों का व्यापार अच्छा लाभ देगा। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई - वृषभ राशि वालों को इस माह समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धन की हानि हो सकती है। परिवार में लड़ाई-झगड़े हो सकते हैं। छोटे भाई बहनों से मन मुटाव हो सकता है। वाणी में दोष उत्पन्न हो सकता है। विद्यार्थियों को विद्याप्राप्ति में अधिक परिश्रम करना होगा। जो सरकारी नौकरी कर रहे हैं या फिर सरकारी क्षेत्र से लाभ प्राप्त कर रहे हैं यह माह आपके लिए चुनौती पूर्ण रहेगा। वैज्ञानिकों व इंजीनियरों के लिए भी ये बिल्कुल उचित समय है। हृदय रोग या रक्त विकार की समस्या से पीडित लोगों को संभल कर रहने की आवश्यकता है। इस मास ७, ८, १५, १६, २४,२५, २६ दिनांके नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अपनी मेहनत से अच्छे नंबर प्राप्त करेंगे। कम्प्यूटर क्षेत्र में कार्य करने वाले तथा नाटक, थिएटर, फिल्म आर्टिस्ट आदि के लिए अच्छा समय है। कार्यक्षेत्र में इस मास सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। मित्रों व बंधुओं से लाभ प्राप्त होगा तथा उनसे सहायता प्राप्त होगी। समाज व लोगों के मध्य विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रेम संबंध बनेंगे। त्वचा व मुख संबंधित रोग हो सकता है। इस मास ४,५, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर - औषधि क्षेत्र से संबंधित कार्य करने वाले जातकों को इस मास अच्छा लाभ होगा। परिवार में शांति व सौहार्द बना रहेगा। जीवनसाथी से संबंध प्रगाढ होगा। स्वास्थ्य के प्रति इस माह सजग रहें क्योंकि लापरवाही बरतने से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। योग, व्यायाम आदि के लिए भी समय अवश्य निकालें जिससे आप स्वस्थ रह सकें। चिकित्सा, स्वास्थ्य, बीमा से जुड़े जातक भी अपने कार्यों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास १, ८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - लम्बे समय से फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है और कर्ज से पीडित जातक इस मास कर्ज से मुक्ति पाएंगे। कोई नया कर्ज लेने से बचें और इस मास किसी नई योजना में पैसा न लगाएं। इस मास जातक अच्छी बचत कर लेंगे लेकिन घरेलू व्यय में वृद्धि भी हो जायेगी। इस माह पारिवारिक जीवन में अच्छा संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। न्यायिक सेवा से जुड़े जातकों के लिए यह मास अच्छा रहेगा। सामाजिक कार्यों में संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं को सम्मान व प्रतिष्ठा मिलेगी। इस मास ५, ६,१४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर - दाम्पत्य संबंधों व सामाजिक सहयोग की दृष्टि से यह मास उत्तम रहेगा। जातक अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। व्यावसायिक

क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी को भी अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। स्त्री व पुरुष दोनों को इस दौरान मान व सम्मान प्राप्त होगा। मनोवैज्ञानिक विषय में शोध करने वाले छात्र इस माह बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। साझेदारी से व्यापार करने वालों को इस दौरान सावधान रहना चाहिये। व्यवसाय में संसाधनों का दुरुपयोग समस्याएं खड़ी कर सकता है। इस मास १,२, १०, ११, १२, २० . २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर - वैवाहिक जीवन हेतु मास अच्छा रहेगा। कुछ जातक को इस मास अपने आत्म-विश्वास में कमी अनुभव कर सकते हैं तो कुछ पारिवारिक जीवन में तनाव महसूस करेंगे। इस माह नई प्रॉपर्टी में आप आर्थिक पूंजी निवेश कर सकते हैं और अचल संपत्ति में भी बढ़ोत्तरी की संभावना है। इस माह कारोबार में भी भारी लाभ की उम्मीद है। इस दौरान बैंक, बीमा क्षेत्र और अन्य ऋण देने वाली एजेंसियों को भी उन्नति प्राप्त होगी। इस उद्योग से जुड़े लोगों को अधिक लाभ होगा। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी २०१९ - इस मास वृष राशि के जातकों को अपने कार्यक्षेत्र को बेहतर बनाने हेतु अधिक प्रयास करने होंगे। इस मास क्रोध में गलत शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं, जिससे व्यर्थ कलह की संभावनाऐं बनेगी। स्वास्थ्य हेतु प्रारम्भ का आधा महीना अच्छा नहीं जाएगा और छोटी-छोटी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। लेकिन बाद में आपका स्वास्थ्य उत्तम हो जाएगा और आप ज्यादा शक्ति व स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। इस माह भाई-बहन के साथ मतभेद हो सकते हैं। वकील व सर्जन के लिए ये समय काफी अच्छा है, आप इस दौरान अपने कार्य में सफलता प्राप्त करेंगे। इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी - वृष राशि के जातको को इस माह भाग्य का साथ मिलेगा और आपका पूरा मास बहुत अच्छा रहेगा। समाज में लोगों से संबंध प्रगाढ होंगे। लोगों से मिलना-जुलना बढ़ेगा जिससे सामाजिक स्थिति अच्छी होगी। पारिवारिक व निजी आय में वृद्धि होगी । शेयर आदि में निवेश न करें बल्कि कोई अन्य सुरक्षित उपाय अपनाएं। साझेदारी से किया गया व्यापार भी इस दौरान लाभदायक साबित होगा। व्यवसाय व कार्यक्षेत्र संबंधित विशेष कार्य हेतु विदेश यात्रा की संभावनाऐं बनेंगी व अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मिथुन (का की कु घ ङ छ के को हा)

मार्च - मार्च मास मिथुन राशि के जातकों के लिए उत्तम रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति रहेगी। विद्यार्थी अपनी शिक्षा के साथ-साथ आजीविका हेतु नौकरी आदि भी कर सकते हैं। पिताजी को विशेष लाभ होगा। सामाजिक रूप से भी यह मास उत्तम रहेगा। परन्तु वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएँ आ सकती है। अपने घर में कुछ नवनिर्माण का कार्य इस महीने करा सकते हैं। जो जातक कला क्षेत्र से संबंध रखते है उनको सफलता मिलने के योग हैं। इस मास आपको धन और प्रतिष्ठा दोनों प्राप्त होगी। इस मास २२, २३, ३०,३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल - मिथुन राशि के जातकों के लिए अप्रैल माह थोड़ा प्रतिकूल रहेगा। संतान पक्ष से आपको कोई सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। पढ़ाई में उनकी सफलता आपकी खुशियों का कारण बनेंगी। आपके आत्मविश्वास एवं साहस में वृद्धि होगी। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी और आपकी पदोन्नति के भी योग बनेंगे। किसी क्षेत्र में किया गया निवेश आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस मास स्टॉक मार्केट में निवेश करने से भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। इस मास ९,१०, १८,१९, २७,२८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

मई - इस साल मई माह की शुरुआत में मिथुन राशि के जातकों के खर्च में वृद्धि संभव है। आपके लिए अच्छा तो यह रहेगा कि आप अपने व्यर्थ के खर्चों पर नियन्त्रण करें और धन का व्यय समझदारी के साथ करें। इस दौरान न तो किसी से उधार लें और न ही किसी को उधार दें। इस महीने आपको ज्वर और संक्रमण रह सकता है। इसके अलावा आपको चोट भी लग सकती हैं। आपको अजीर्ण की भी शिकायत रह सकती है। माह का दूसरा चरण स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा है। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जून - जून माह मिथुन राशि के जातकों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इस महीने आपको अपने भाग्य को सुधारने के कई अवसर प्राप्त होंगे। इस माह लंबी

अथवा छोटी दूरी की यात्रा आपके योग में है। निजी अथवा व्यवसाय संबंधित कारणों से आप विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं। जो छात्र अनुसंधान एवं विकास संबंधी विषय से जुड़े हुए हैं उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। जीवनसाथी के साथ किसी प्रकार का विवाद भी संभव है। कोई आपको धोखा दे सकता है इसलिए आप सतर्क रहें। इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - आर्थिक दृष्टि से मिथुन राशि के जातकों के लिए जुलाई माह अच्छा रहेगा। धन संबंधित क्षेत्र में किसी पर विश्वास करना आपके लिए नुकसानदायक रह सकता है। पारिवारिक जीवन में भी आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी और परिवार के अन्य सदस्यों के सामने कोई बड़ी चुनौती आ सकती है। आप अपने परिवार से दूर भी जा सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मास आपके लिए सामान्य रहेगा। स्वस्थ रहने के लिए आप योग व ध्यान कर सकते हैं। अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएँ और अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - अगस्त माह मिथुन राशि के जातकों के लिए सामान्य रहेगा। आर्थिक दृष्टि से अगस्त मास आपके लिए ज्यादा अनुकूल नहीं है। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। साथ ही आपके सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी आ सकती है। अपने अनावश्यक खर्चों में लगाम लगाएँ और धन की बचत पर ध्यान दें। यदि आप व्यापार में साझेदारी कर रहे हैं तो सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि इस दौरान आपको धोखा हो सकता है। अपनी वाणी में संयम रखें। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - सितम्बर माह आपके लिए उत्तम रहेगा। आपके घर का वातावरण सामान्य रहेगा और रिश्तों को सुधारने में भी आपको सफलता मिलने की संभावना है। हालाँकि छोटे-मोटे विवाद सामने आ सकते हैं परंतु आपको इसमें चिंता करने की जरुरत नहीं है। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में बहुत ही अच्छा वातावरण देखने को मिलेगा। पढ़ाई पूरी कर चुके छात्रों को नौकरी प्राप्त होगी। इस माह आप अधिक ऊर्जावान रहेंगे और आपके अंदर सकारात्मक उत्साह दिखाई देगा। अपने उद्देश्यों को भी आप पूरा करेंगे। इस मास २,३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - अपने उत्कृष्ट कार्य से आपको भी प्रसन्नता होगी। कार्टूनिस्ट, समीक्षकों, लेखकों और व्यंग्कारों के लिए यह माह उत्तम रहेगा। उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने के योग हैं। माह के दूसरे चरण के बाद कार्यक्षेत्र आपको अपने वरिष्ठकर्मियों के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखना होगा। आपके घरेलू जीवन में कोई मांगलिक कार्य के होने की संभावना दिखाई दे रही है। विवाहित जोड़ों को संतान प्राप्ति के भी योग हैं। इस मास ७,८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस महीने आप अपने कार्य पर ज्यादा ध्यान देंगे और इस कारण आप अपने पारिवारिक जीवन को कम समय दे पायेंगे। व्यापार की दृष्टि से यह महीना आपके लिए अच्छा रहेगा परंतु व्यापार में साझेदार के साथ आपकी बन नहीं रही है तो आपको इस समस्या का समाधान निकालना होगा। स्वास्थ्य पक्ष से आपको इस महीने थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। किसी दुर्घटना से आपको चोट भी लग सकती हैं। घर में परिजनों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - कला विषय के छात्रों के लिए यह महीना अच्छा रहेगा। इस दौरान इंजीनियरिंग क्षेत्र से संबंध रखने वाले जातकों को अधिक सफलता मिलने के योग हैं। यदि आप निजी क्षेत्र में प्रबंधन में करियर की सोच रहे हैं तो इसमें आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन से प्रतिष्ठा प्राप्त होगी और पदोन्नति भी संभव है। आपके वरिष्ठ जन हर संभव आपकी मदद को तैयार रहेंगे। आप थोड़े सावधान रहें और ज्यादा अफवाहों पर ध्यान न दें। धैर्य के साथ किसी समस्या का समाधान करें। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - इस माह में मिथुन राशि के जातकों के सामने उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियाँ रहेगी। घर का माहौल अशांत रह सकता है। अध्ययन क्षेत्र में छात्रों को इस माह अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पढ़ाई में उनकी मेहनत का

उत्तम परिणाम प्राप्त होगा। अपने कार्यक्षेत्र के लिए माह शुभ रहने के संकेत दे रहा है। अपने कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करने से आपको और भी ज्यादा फायदा होगा। इससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आपकी पदोन्नति भी संभव है। हालाँकि मास के प्रारम्भ में आप थोड़े हताश और निराश हो सकते हैं। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - फरवरी माह मिथुन राशि के जातकों के लिए अनुकूल रहने वाला है। यदि आप छात्र है तो इस माह में आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। विदेश में शिक्षा पाने की इच्छा रखने वाले छात्रों की इच्छा पूर्ण होगी। आपके पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा। प्रेम जीवन अच्छा रहेगा। आपकी रुचि आध्यात्मिक क्रियाओं की ओर बढ़ेगी। सामाजिक जीवन में आपको कई अवसर प्राप्त करेंगे जिससे आपको अच्छी पहचान मिलेगी। आपके दोस्तों की संख्या में भी गुणात्मक रूप से वृद्धि होगी। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

मार्च - यह मास आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। अपने कार्य में मिलने वाली सफलता को लेकर आप उत्साहित रहेंगे। जो व्यापार से जुडे हैं उनके विदेशों में संपर्क बनेगें वहीं जो जातक बिल्डिंग, रियलएस्टेट और प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़ा कार्य कर रहे हैं, उनको इस अवधि में अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। इस माह घर की साज-सज्जा और पुनर्निर्माण का काम कराना आपका प्रमुख कार्य रहेगा। इसकी वजह से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पेट संबंधी कुछ बीमारी आपको परेशान कर सकती है। इस मास २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - अप्रैल के महीने में अपनी योजनाओं में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। पिता और गुरु से मिलने वाला सहयोग आपके अंदर साहस और इच्छाशक्ति पैदा करेगा। महीने के उत्तरार्ध में आपके पिता की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी तरह के सलाहकारों के लिए यह समय अच्छा रहेगा, क्योंकि इस अवधि में उनकी बहुत मांग होगी। करियर को लेकर महत्वाकांक्षी जातकों को इस अवधि में बहुत उन्नति और सफलता मिलेगी। इस मास १,२, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - मई का महीना कर्क राशि के विवाहित जातकों के लिए कुछ कठिन रहने वाला है। इस माह विदेश यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। वहीं विदेश में कार्य करने को लेकर आपके भाई-बहनों की इच्छा पूरी होगी। कठिन परिश्रम करने से उन्हें इच्छित सफलता मिलेगी। इस समय अवधि में परिजनों के साथ आपके रिश्ते मधुर रहेंगे। आपके घर में सुख और शांति बनी रहेगी। आर्थिक उन्नति और पारिवारिक व्यवसाय के लिए भी यह समय शुभ संकेत दे रहा है। इस दौरान धन और संपत्ति में वृद्धि होगी। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - कर्क राशि के जातकों का स्वास्थ्य जून मास में थोडा खराब रह सकता है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, क्योंकि इस अवधि में उन्हें प्रजनन क्षमता से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। नेत्र से संबंधी पीड़ा भी हो सकती है। आर्थिक क्षेत्र हेतु जून का महीना सामान्य दिखाई दे रहा है। वहीं छात्रों के लिए यह माह बहुत शुभ संकेत दे रहा है, खासतौर पर वे छात्र जो किसी विषय पर अनुसंधान कर रहे हैं। इस अवधि में वे लोग बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास ५, ६, १४, १५, २२,२३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - जुलाई का महीना कर्क राशि के जातकों के लिए आर्थिक उन्नति का माह रहेगा। मन में अनेक प्रकार के विचार आने से तनाव बढ़ सकता है, जो पारिवारिक और व्यावसायिक संबंधों को प्रभावित करेगा। व्यवहार में कुछ रुखापन आएगा। काम के बोझ से स्वयं को तनावग्रस्त महसूस करेंगे, भाषा विज्ञानी और अनुवादकों के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। वे जातक जो चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए भी यह समय बहुत लाभकारी रहेगा। इस मास २,३,४,११,१२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - इस महीने आपके वैवाहिक जीवन में दु:खद समय आ सकता है। विशेषकर महिलाओं को अपने वैवाहिक जीवन में अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान महिला जातकों को प्रताड़ना का सामना करना पड़ सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का व्यवसाय कर रहे जातकों को लाभ की प्राप्ति होगी। यह माह किसी भी नए तरह के निवेश के लिए

बिल्कुल उपयुक्त नहीं है। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अपनी वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए आप माता-पिता से सहयोग ले सकते हैं। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - पैसा कमाने के कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे। आप मनोरंजन और सर्व-सुविधायुक्त सामानों पर अधिक खर्च करेंगे। कार्यस्थल पर वरिष्ठ सहकर्मी आपके कठिन परिश्रम और काम की गुणवत्ता की तारीफ करेंगे। इसके अलावा आपके सहकर्मी भी आपका सहयोग करेंगे। इस माह विरोधी भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए यह समय बहुत अच्छा रहने वाला है। कार्यस्थल पर उनकी पदोन्नति होगी और वे अपने सभी काम बड़े आत्मविश्वास के साथ पूर्ण करेंगी। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - अक्टूबर के महीने में आप अपने सभी कार्यों को बहुत चतुराई और कुशलता के साथ पूरा करेंगे। महीने के पहले 15 दिन किसी भी तरह के नये निवेश के लिए अच्छा समय है। क्योंकि इस अवधि में आपको अप्रत्याशित आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। वहीं महीने का दूसरा पखवाड़ा किसी दीर्घकालिक योजना के लिए उत्तम रहेगा। विवाहित जातकों के लिए भी यह समय अच्छा रहने वाला है। इस दौरान वे परिवार नियोजन के बारे में सोच सकते हैं। सॉफ्टवेयर तकनीक के क्षेत्र में काम कर रहे जातकों को उन्नति मिलेगी। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस माह वैवाहिक जीवन में सुखद और सकारात्मक बदलाव होने की संभावना है। यदि आपने प्रयास जारी रखें तो अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। वैवाहिक रिश्तों में तनाव कम होगा और हर्ष व सद्भाव बना रहेगा। इसके अलावा परिजन भी आपसे खुश रहेंगे और परिवार की एकता बनी रहेगी। इस समय अवधि में जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना आप बड़ी ही कुशलता के साथ करेंगे। इस माह आपकी रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति बढ़ेगी। मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए आप नियमित रूप से ध्यान और मंत्र जाप करेंगे। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - इस माह कर्क राशि के जातकों का झुकाव मनोविज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। आप में से कुछ लोग इस दौरान तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के बड़े लोगों और बच्चों के लिए यह समय अच्छा साबित होगा। वहीं आर्थिक मोर्चे पर यह महीना थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। वे जातक जो व्यवसाय से जुडे हैं, यदि इस अवधि में किसी नई योजना में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। बेहतर स्वास्थ्य के लिए आपकी रुचि योग और प्राणायाम की ओर होगी। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - अपने कार्यक्षेत्र में सुधार लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। प्रयासों की बदौलत आपको कामयाबी भी मिलेगी। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य हेतु भी यह महीना आपके लिए अच्छा दिखाई दे रहा है। छात्रों के लिए यह महीना अत्यन्त महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि उन्हें अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम मिलेगा। इस मास १,९, १०, ११,१९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस माह धन का आवागमन अच्छा रहेगा, परिवार की आय में वृद्धि होगी। वित्तीय मामलों में फिर भी थोड़ा सावधान रहना होगा, क्योंकि आर्थिक मामलों से जुड़ी चिंताएं परेशान कर सकती हैं। इसलिए बेवजह खर्च करने से बचें। यदि आप कोई आवासीय संपत्ति खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपको सलाह है कि इस महीने यह काम ना करें। विरोधी और शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति और वृद्धि के लिए यह महीना बेहद अच्छा रहने वाला है। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

मार्च - मार्च का महीना सिंह राशि के जातकों के लिए थोड़ा संभलकर चलने का है। इस समय में किसी भी तरह का निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता है। लाभ और धनार्जन की संभावनाऐं बनेंगी। यदि

आप नौकरी कर रहे हैं तो इस महीने आपको अपनी कड़ी मेहनत का नतीजा अवश्य ही मिलेगा। वेतन वृद्धि के साथ पदोन्नति की संभावना है। जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ते सद्भावपूर्ण रहेंगे। मास के उत्तरार्ध में स्वास्थ्य संबंधी विकार आपको परेशान कर सकते हैं। आपका झुकाव आध्यात्मिकता की ओर होगा। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल - अप्रैल मास में सिंह राशि के जातकों को पिता या पैतृक रिश्तों से आर्थिक लाभ और सहयोग प्राप्त होने की संभावना है। घर में सुख और समृद्धि का वातावरण रहेगा और आपका जीवनसाथी आपकी हरसंभव मदद करेगा। भाई-बहन के साथ मिलकर शुरू किए व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने की संभावना है। करियर के क्षेत्र में भी आप अच्छा कार्य करेंगे। व्यावसायिक जीवन में स्थिरता बनी रहेगी और लगातार वृद्धि होगी। माह के दूसरे पड़ाव में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता आपको और शक्तिशाली बनाएगी। इस मास ४, ५, १३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई - सिंह राशि के जातकों को इस महीने अपनी स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है । आकर्षक व्यक्तित्व की वजह से आपको प्रशंसा मिलेगी और आपके परिपक्व स्वभाव के कारण आपकी सामाजिक छवि और अच्छी होगी। दूसरी ओर आप बेहद सक्रिय, साहसी और जबर्दस्त ऊर्जा से परिपूर्ण रहेंगे। सकारात्मक ऊर्जा मिलने से आप सफलता और वृद्धि का अनुभव करेंगे। कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से बेहद खुश रहेंगे। उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। भौतिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए खर्च अधिक होगा। इस मास १,२,११,१२,२०,२१,२९,३० दिनांक नेष्ट है।

जून - सिंह राशि के लोगों इस महीने अपनी तय धन-संपत्ति अर्जित करने के बारे में सोचेंगे। कार्य स्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और वरिष्ठ अधिकारियों को आप से बहुत उम्मीदें होंगी। व्यावसायिक जीवन में आपका कद बढ़ेगा और सम्मान की प्राप्ति होगी। कुछ लोग विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन में तनाव रहने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप एक छात्र हैं तो शुरुआती संघर्ष के बाद आपको अपने परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। इस मास ७,८,१६,१७,२५,२६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई - अनुसार सिंह राशि के लोग इस महीने की शुरुआत में अपने लक्ष्यों में परिवर्तन कर सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ने से आपके व्यक्तित्व में मजबूती आएगी और आप सफलता प्राप्त करेंगे। माह के उत्तरार्ध में विश्वास की कमी होने से आपको स्वयं पर संशय होगा। इस महीने आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। क्योंकि आपकी उच्च जीवनशैली और इच्छाओं की वजह से आपका खर्च अधिक होगा। आप आय से ज्यादा पैसा खर्च करेंगे। इसके अलावा आप भ्रमित और निराश रहेंगे, साथ ही आप अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में असमर्थ रहेंगे। माह के उत्तरार्ध में स्थिति अनुकूल हो जाएंगी। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट हैं।

अगस्त - सिंह राशि के जातकों के लिए महीने का पूर्वार्ध थोड़ा परेशानी भरा रह सकता है, विशेषकर अपने कार्यक्षेत्र में थोड़ी समस्याएं आ सकती हैं। महीने के उत्तरार्ध में आत्मविश्वास और साहस आने से सामान्य हो जाएंगे। इस महीने में कुछ दिन आर्थिक अस्थिरता बनी रह सकती है। व्यर्थ के खर्च करने से बचें और अपने बजट पर ध्यान दें। सकारात्मकता के साथ एकाग्र होकर अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। दिमागी खेल जैसे- शतरंज आदि के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस मास १,२,१०,११,१८,१९,२८,२९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - सिंह राशि के जातक इस महीने अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस अवधि में आप मनोरंजन और कलात्मक गतिविधि में अपना समय व्यतीत करेंगे। संतान पक्ष की ओर से आप थोड़े चिंतित रहेंगे। क्योंकि बच्चे पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। मास के अंत में इस निवेश से बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। वाचक, वक्ता और मीडिया से जुड़े जातकों के लिए समय बेहद अनुकूल है। इसके अलावा कला, डिजाईन और फिल्म प्रॉडक्शन से जुड़े व्यवसाय वाले लोगों की लोकप्रियता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त चित्रकारी और कला से जुड़े लोगों की भी बहुत मांग रहेगी। इस मास ६,७,१४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - अक्टूबर का महीना सिंह राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से अच्छा रहने वाला है। आप धन की बचत करने में समर्थ होंगे। साथ ही इस माह आपको आय के कई साधन मिलेंगे और धनार्जन होगा। वे जातक जो व्यवसाय कर रहे हैं उन्हें इस महीने बड़ा लाभ होगा। नए प्रतिष्ठान की शुरुआत और व्यवसाय में विस्तार की संभावना भी बन रही है। बैंककर्मी, लेखाधिकारी, आर्थिक और बीमा सलाहकारों के रूप में कार्य कर रहे जातकों के लिए यह महीना बहुत अनुकूल रहेगा। इस अवधि में उन्नति करेंगे और आपकी मांग बढ़ेगी। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - इस माह सिंह राशि के जातकों को आय का एक नया साधन मिलेगा। पारिवारिक आय में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर स्थिरता बनी रहेगी और सकारात्मक बदलाव होते रहेंगे। आपका सभी के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। आपका वैवाहिक जीवन भी सुखद रहेगा और जीवनसाथी के भाग्य से आपको लाभकारी परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ जातक घर की मरम्मत या सौंदर्यीकरण का कार्य करा सकते हैं। घर पर धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियां अधिक रहेंगी। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - दिसम्बर के महीने में सिंह राशि के जातकों की रुचि प्राणायाम के प्रति बढ़ेगी। आपका झुकाव अध्यात्म की ओर होगा और आप आध्यात्मिक क्रियाओं में व्यस्त रहेंगे। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। वे जातक जो प्रिंटिंग और पब्लिशिंग के काम से जुड़े हैं उनके लिए यह महीना अच्छा रहने वाला है। यदि आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं तो पार्टनर के साथ आपके रिश्ते अच्छे नहीं रहेंगे। हो सकता है कि आप साझेदारी तोड़कर व्यवसाय को अकेले ही संभालें। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी 2019 - जनवरी का महीना सिंह राशि के जातकों के लिए सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस वर्ष आप आर्थिक योजना बनाने में व्यस्त रहेंगे। वित्तीय मामलों को लेकर आप भाग्यशाली रहेंगे और धन का संचय करने में समर्थ रहेंगे। आपके पिता के लिए भी यह समय अच्छा रहेगा। व्यावसायिक मामलों में अधिक ध्यान देने की वजह से आपके व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियां हो सकती हैं। स्वास्थ्य के संबंध से भी यह महीना थोड़ा संभलकर चलने का है। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस महीने व्यक्तिगत जीवन पर ध्यान देने की ज्यादा आवश्यकता रहेगी। विवादों से बचने का प्रयास करें। । यह महीना आपके लिए भाग्यशाली रहेगा। वे लोग जो नौकरी कर रहे हैं वे कार्य स्थल पर बेहद ऊर्जावान और उत्साहित रहेंगे। आप अपने बेहतर प्रदर्शन से दूसरों को अचंभित कर देंगे। वे लोग जो व्यवसाय कर रहे हैं यदि वे संपत्ति में निवेश करते हैं तो उन्हें अच्छा लाभ होगा। विदेशी स्रोतों से भी आपको कोई अच्छी सूचना मिल सकती है जो आपके लिए लाभकारी होगी। विदेश में संपर्क बढ़ने से आपको इसका लाभ मिलेगा। बचत अच्छी रहेगी। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

मार्च - मार्च का महीना बहुत ही सकारात्मक रहेगा। जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। विशेषकर विवाहित जातकों के लिए यह समय सुखद होगा। घर में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन भी संभव है। आप वर्तमान निवास स्थान बदलकर किसी बड़े घर में स्थानान्तरित हो सकते हैं। वे जातक जो सौंदर्य प्रसाधन, कलात्मक वस्तु, आभूषण और सर्वसुविधा युक्त सामानों का व्यवसाय करते हैं उनके लिए यह समय अनुकूल है। इस महीने व्यापार में अच्छा लाभ होने की संभावना है। इस अवधि में आप अपने व्यवसाय को विस्तार देने की योजना बनाएंगे। यह कार्य मनोरंजक, व्यावसायिक या यात्रा से जुड़ा भी हो सकता है। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - वाणी पर संयम रखना होगा। वैवाहिक जीवन में थोड़ी सावधानी रखनी होगी। कार्यस्थल पर व्यर्थ की बातें और कार्यक्षेत्र में आपसी राजनीति करने से बचें। आप अधिक से अधिक पैसों की बचत करेंगे और इससे आर्थिक स्थिरता रहेगी। यह समय अचल संपत्ति के क्षेत्र में निवेश करने के लिए सही नहीं है, इसलिए जमीन/मकान खरीदने या बेचने से बचें। इस

माह पिता को बीमारी से कष्ट हो सकता है हालांकि महीने के उत्तरार्ध में उनके स्वास्थ्य में सुधार देखने को मिलेगा। इस मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - संतान पक्ष की ओर से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बच्चों के साथ संबंध तनावपूर्ण होंगे। अत्यधिक क्रोध करने से बचें। माँ का स्वास्थ्य थोडा कमजोर रह सकता है, उनका विशेष ख्याल रखें। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी और आप कुछ बेहतर करने में समर्थ होंगे। अपने कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ सहकर्मियों की सलाह से स्थितियां अनुकूल होंगी। जो छात्र तकनीकी विषय की पढ़ाई कर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल है। क्योंकि उन्हें कठिन परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जून - भाग्य में वृद्धि होगी। आप प्रगति करेंगे। विदेश यात्रा की संभावना है। पारिवारिक व्यवसाय में समृद्धि आएगी। इस माह पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आप सकारात्मक ऊर्जा और आत्म विश्वास से भरे रहेंगे। इस माह नए मित्र बनेंगे। आपको कुछ ऐसे अवसर मिलेंगे, जिससे आपकी सामाजिक सक्रियता बढ़ेगी और यह आपके लिए लाभकारी रहेगी। फिल्म, अभिनय, नृत्य निर्देशक, फोटोग्राफर और वीडियो एडिटर्स को इस अवधि में लाभ होगा। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई - जुलाई का महीना उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। इस माह पिता का खराब स्वास्थ्य आपकी चिंता का कारण बन सकती है । अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। छोटी या लंबी दूरी की यात्रा की संभावना बन रही है। वे जातक जिनका झुकाव धार्मिक प्रवृत्ति की ओर ज्यादा है, वे लोग तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं। इस शीघ्रता में कोई भी निर्णय लेने से बचें। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों से कुछ मतभेद होने की संभावना है । इस मास ७, ८, १५, १६, २४,२५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - मन में असमंजस की स्थिति बनी रहेगी। व्यर्थ खर्च करने से बचें, धोखाधड़ी होने की संभावना है। यह महीना पारिवारिक जीवन के लिए भी शुभ संकेत नहीं दे रहा है। तनाव बढ़ने से परिवार में शांति और सद्भाव का अभाव रहेगा । कम्प्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स से जुड़े जातक अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आंखों की विशेष देखभाल करें। इस मास ४,५, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर - घर की खुशियों में वृद्धि होगी और आप परिजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। घूमने जा सकते हैं। घर में शुभकार्य का आयोजन होगा। आर्थिक वृद्धि होगी। जमीन खरीदने या बेचने के लिए समय अत्यंत शुभ है। स्वस्थ व ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आपकी कार्य कुशलता के कारण अधिकारी और सहकर्मी आपकी प्रशंसा करेंगे। यदि आप प्रबंधन या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत हैं तो आपको इस माह कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस मास १,८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - कार्यस्थल पर बड़ी सफलता मिलने की संभावना है, साथ ही वरिष्ठ सहकर्मियों से भरपूर सहयोग मिलेगा। शेयर बाजार, पारिवारिक और न्यायिक सलाहकारों के लिए भी यह महीना अच्छा रहेगा। धनागमन सुचारु रूप से होता रहेगा लेकिन महीने के उत्तरार्ध में व्यर्थ के खर्च होंगे। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा। आप व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छा तालमेल बनाकर चलेंगे। हालांकि परिवार के लोगों से छोटे-मोटे मतभेद भी हो सकते हैं । इस मास ५, ६ ,१४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

नवम्बर - महीने के पूर्वार्ध में स्वयं को उत्साहित और सक्रिय अनुभव करेंगे। वहीं माह के उत्तरार्ध में आप प्रभावी और सकारात्मक बातचीत करेंगे। कार्यक्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। कठिन परिश्रम करना होगा। व्यवसाय में भागीदारी को लेकर व भाई-बहनों के साथ परेशानी आ सकती है। स्वयं को स्वस्थ रखने के लिए खेल या व्यायाम जैसी गतिविधियों में शामिल होंगे। इस मास १,२, १०, ११, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर - बच्चों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। जीवनसाथी की सफलता से आप खुश रहेंगे। आपका संबंध और मजबूत होगा। इस महीने जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सावधान रहना होगा। रहस्य किसी के साथ साझा नहीं करें अन्यथा आप कठिनाई में पड़ सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाकर चलें, क्योंकि उनके सहयोग

और मार्गदर्शन से आप कार्यक्षेत्र में उन्नति करेंगे। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और लेखन से जुड़े जातकों के लिए यह महीना अच्छा है। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी २०१९ - पारिवारिक संसाधनों में बढ़ोत्तरी की संभावना है, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। खर्च बहुत बढ़ सकता है। मानसिक, बौद्धिक और कलात्मक क्षमता में वृद्धि होगी। वकील, शिक्षक, सलाहकार और वक्ताओं के लिए यह महीना अच्छा है। क्रोध और वाणी पर संयम रखें क्योंकि गलत शब्दों के प्रयोग से आपके और परिजनों के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। इस माह के अंत में आपको कठिन परिश्रम का फल मिलेगा । इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी - चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। महीने के पूर्वार्ध में तनाव और चिंता के कारण आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए आपको कुछ निवेश करना होगा। कुछ विवादों की संभावना बन रही है। अजीर्ण, उदर विकार, मुंह में छाला और कोई घाव हो सकता है। साहस, क्रोध और वीरता की वृद्धि होगी। ग्राफिक आर्टिस्ट, विदेशी भाषा के जानकार और तकनीकी लेखन से जुड़े जातकों के लिए समय बहुत अच्छा है। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

मार्च - इस मास धार्मिक व आध्यात्मिक विषयों में आपकी रुचि बढ़ेगी। व्यापार के विस्तार के लिए ये उचित समय है। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी में निवेश आपके लिए लाभकारक साबित होगा। कुछ लोग अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं और दोबारा कार्य की शुरुआत करने से पहले अपने लिए थोड़ा समय ले सकते हैं। उधार लेने से बचें । जीवन साथी के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। इस मास २२, २३, ३०,३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल - तुला राशि के विवाह योग्य जातकों को अपना जीवनसाथी मिल सकता है। नौकरी बदलने का विचार कर रहे जातकों को अच्छे विकल्प प्राप्त होंगे। यात्राएं हो सकती हैं। ये समय सफलता, संसाधनों के संचय व सकारात्मकता से भरा रहेगा। जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए पढ़ाई कर रहे हैं उनकी तैयारी संतोषजनक नहीं होगी। वैवाहिक युगल खुशहाल और शांतिपूर्वक जीवन बिताएंगे। इस मास ९,१०, १८,१९, २७,२८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी, कार्यक्षेत्र में उत्तम प्रदर्शन करेंगे। कुछ दम्पतियों में असंतोष व विवाद बढ़ सकता है। वरिष्ठ जनों की सलाह आपकी समस्याओं को हल कर सकती है। आपकी माता का विशेष ध्यान रखें। छात्रों के लिए समय अनुकूल है, उन्हें उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों को इस दौरान किसी बड़े संस्थान में प्रवेश मिल सकता है। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। व्यावसायिक जीवन में कोई बड़ा बदलाव आएगा। कुछ सकारात्मक बदलाव व उन्नति की संभावना है और आपके दर तक कुछ अच्छे अवसर भी प्राप्त होंगे। बाहर की किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का अवसर भी प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार का वैरभाव न पनपने दें । इससे आपकी छवि भी बिगड़ सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी। इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - मल्टी नेशनल कंपनी में कार्यरत लोगों को विदेश जाने का मौका मिलेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बड़े भाई-बहनों के लिए भी ये समय अच्छा रहेगा। व्यापार में साथ काम करने वालों के साथ विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस माह आप मानसिक रूप से थोड़ा नीरस अनुभव करेंगे हालांकि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कार्यभार के कारण समय-समय पर दबाव अनुभव करेंगे। सरकारी प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को किसी समस्या से गुजरना पड़ सकता है। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से भी विवाद हो सकता है। माह की शुरुआत में आप लक्ष्यहीन होकर कार्य करेंगे लेकिन आधा माह बीत जाने पर आप अपनी एक नई शुरुआत करेंगे। ये समय आपके परिवार वालों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा। पारिवारिक जीवन इस दौरान थोडा

अस्त-व्यस्त रह सकता है। आपके परिवार वालों को आपसे कुछ समस्या हो सकती हैं। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - आर्थिक रूप से समय अच्छा रहेगा। बड़े भाई-बहन की सहायता से पैसों का आगमन होगा। सामाजिक स्थिति में भी पहले से बढ़ोत्तरी होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। नया व्यापार प्रारम्भ बहुत लाभदायक होगा। नव विवाहित जोड़ों के लड़ाई, झगड़े व विवाद इस दौरान रहेंगे जिससे मानसिक शांति भी भंग होगी। माह के लगभग पंद्रह दिन बाद सुधार होगा और भाग्य आपका साथ देगा। इस मास २,३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - व्यापार क्षेत्र से जुडे जातक इस माह अच्छा लाभ कमाएंगे। इस मास आपको किसी विदेशी कंपनी से भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। नौकरी करते हैं और अगर कुछ बदलाव करने की योजना बना रहे हैं तो यह समय इसके लिए ठीक नहीं है, निजी जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। इस माह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। इस मास ७,८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - परिवार के कुछ सदस्यों का स्वास्थ्य खराब रहने से आप परेशान हो सकते हैं। डॉक्टर, दवाई आदि पर खर्चे ज्यादा हो सकते हैं। आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे । आपका मन अति सक्रिय हो जाएगा। लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। जमीन-जायदाद में निवेश हेतु समय अनुकूल है। बीते समय में किए गए सभी निवेश इस दौरान लाभदायक फल देंगे। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - व्यापार क्षेत्र से जुडे जातकों के लिए यह माह बहुत अच्छा रहने वाला है। जिन जातकों ने बैंक में लोन के लिए अर्जी लगा रखी है तो इस दौरान उसे स्वीकृति प्राप्त हो सकती है। अपनी संवाद शैली, बुद्धि आदि के लिए आपको दोस्तों, सहभागियों व पड़ोसियों से इस दौरान प्रशंसा प्राप्त हो सकती है। इसी माह आप अपने अंदर गुस्से का भाव महसूस करने लग जाएंगे। आपके खर्चे बढ़ेंगे। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - आप अपने अंदर आत्म-विश्वास की अनुभूति महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और यदि आपको पदोन्नति या वेतन बढ़ने की उम्मीद है तो आपकी इच्छा इस अवधि के दौरान पूरी हो सकती है। इन कुछ अच्छे परिणामों के साथ-साथ आप कुछ बुरे लोगों से भी मिल सकते हैं। मां के लिए ये समय थोड़ा कष्टदायी हो सकता है। खर्चे बढ़ जाएंगे, शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। चोट लगने की संभावना दिखाई दे रही हैं। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह आदि के चलते परिवार में मेहमानों का आना-जाना हो सकता है। परिवार की आय इस दौरान बढ़ेगी लेकिन खर्चों पर नियन्त्रण नहीं रह पाएगा। घर बैठकर काम करने वाले लोगों या उद्यमियों के लिए ये अच्छा समय है। इस दौरान आपको बड़े-बड़े प्रोजेक्ट भी मिल सकते हैं। लेखक, कवि, संपादकों को इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)

मार्च - इस माह कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और इससे जुड़ी गतिविधियों में आप भाग लेंगें। नये स्थलों का भ्रमण भी हो सकता है। परिवार में कुछ विवाद भी उत्पन्न हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ आपका रिश्ता गलतफहमियों के कारण बिगड़ सकता है। विद्यार्थियों को इस मास सफलता प्राप्त होगी। अच्छे अंक प्राप्त होंगे। लेखकों व कलाकारों के रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की जाएगी। इस मास २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - आध्यात्मिकता व धार्मिकता की ओर झुकने लग जाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आर्थिक रूप से यह माह सामान्य रहेगा। संघर्ष व मेहनत से ही आप इस दौरान पैसे कमा पाएंगे। स्वास्थ्य संबंधी कुछ समस्याएं आपके जीवनसाथी को परेशान कर सकती हैं। निजी संबंधों में बहस व लड़ाई के कारण अशांति रह सकती है। विद्यार्थियों का शिक्षा में प्रदर्शन उत्तम रहेगा। इस मास १,२, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - आप आक्रामक रवैया अपना सकते हैं। कार्य स्थल पर विरोधी आपके लिए समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। कुछ सहभागी आपसे ईर्ष्या का भाव भी रख सकते हैं जिससे ऑफिस का वातावरण अनुकूल नहीं रह पाएगा। इस दौरान आप अच्छी रकम जुटा पाएंगे। लेकिन जोखिम भरे निवेश से खुद को दूर ही रखें क्योंकि आर्थिक हानि होने की सम्भावना हो सकती है। आप अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने लग जाएंगे। व्यायाम, योग व ध्यान को अपने रोजाना के नियम में सम्मिलित कर लेंगे। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - विदेश जाने का अवसर मिल सकता है। भाग्य साथ देगा और वो सफलता प्राप्त करेंगे। कार्य संबंधी कुछ छोटी-बड़ी यात्राएं हो सकती हैं। जीवन साथी से आपके कुछ मतभेद भी हो सकते हैं। व्यापार कर रहे जातकों के लिए समय अच्छा है। निर्यात में वृद्धि होगी और व्यापार में विदेशी सहयोग प्राप्त होने से लाभ होगा। साझेदारी में व्यापार करते समय सावधानी रखें। साझेदारी समाप्त भी हो सकती है और व्यापार में हानि हो सकती है। बढ़ते खर्चों के कारण परिवार में सौहार्द की भावना कम हो सकती है। इस मास ५, ६, १४, १५, २२,२३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - स्वास्थ्य के प्रति आप थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं। इस लापरवाही के कारण आप परेशानी में भी पड़ सकते हैं। तनावग्रस्त हो सकते हैं। इस मास चोट लगने के आसार हैं। पिता को शारीरिक कष्ट पहुंच सकता है इसलिए सावधान रहें। कार्यक्षेत्र पर वरिष्ठ जनों व सहभागियों के साथ विवाद हो सकते हैं जिससे आपका प्रदर्शन खराब हो सकता है। प्रोफेशनल लाइफ में आपका करियर ग्राफ नीचे जा सकता है। इस मास २,३,४,११,१२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - आपके वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। घर-परिवार से खुशहाल वातावरण कम हो जायेगा। विदेश जाने की इच्छा रखने वाले जातकों के लिए समय ठीक नहीं है। जो लोग अपने काम की वजह से पहले से ही विदेश में रह रहे हैं, उन्हें इस वक्त अपने पैसों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी जाती है। विद्यार्थियों को ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी, वो पढाई से भटक भी सकते हैं। आधा माह गुजर जाने के बाद आपके व्यावसायिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाएंगे। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - यह काफी अच्छा समय है। अच्छी सूचना प्राप्त हो सकती है जो काफी लाभदायक होगी। आमदनी अच्छी हो जाएगी लेकिन साथ ही साथ व्यय भी बढ़ जाएंगे। इस दौरान आप भौतिक सुखों से परिपूर्ण व विलासिता की जिंदगी जिएंगे। भूतकाल में किया निवेश लाभ देगा। शेयर बाजार से भी अच्छे परिणाम हासिल होंगे। दूर यात्रा पर या विदेश जा सकते हैं। अच्छे वेतन के साथ-साथ पदोन्नति की भी प्राप्त होगी। बड़े भाई-बहनों के लिए भी समय शुभ है। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। आपकी निजी व व्यावसायिक जिंदगी में इस दौरान कुछ समस्याएं आ सकती हैं। प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है साथ ही अनिद्रा व एलर्जी की समस्या भी हो सकती है। अति सक्रिय और परेशान मन होने के कारण एकाग्रता में कमी आ सकती है। नौकरी में परिवर्तन कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी बदलाव आ सकते हैं। घर में थोड़े बहुत विवाद संभव हैं। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - यह माह बहुत ही अच्छा रहने वाला है। प्रयास सफल होंगे। वैवाहिक जीवन में शांति, खुशी व सौहार्द बना रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर व कार्यस्थल पर सुखद वातावरण रहेगा। इस माह परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे और आपके उनके साथ संबंध भी प्रगाढ होंगे। रियल-एस्टेट का बिजनेस कर रहे लोगों को इस माह सफलता मिलेगी। प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने के लिए भी बिल्कुल उपयुक्त समय है। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - यह माह आपके लिए उन्नति लेकर आएगा, आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे और उच्च पद भी प्राप्त करेंगे। संसाधनों में वृद्धि होगी। अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी। नया साझेदार व्यापार के लिए लाभदायक होगा। वैवाहिक जीवन खुशहाल व प्रेम से भरा रहेगा। विद्यार्थी अपने पढ़ाई के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे । विवाह योग्य जातक इस माह शादी के बंधन में बंध सकते हैं। प्रशासकों, योजनाकारों और सार्वजनिक कार्य से जुड़े लोगों के लिए

समय अनुकूल है। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - धन व ऊर्जा को अनावश्यक विवादों में व्यय कर सकते हैं, जिससे आपको दुःख भी हो सकता है। कार्यभार या तनाव के कारण स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यय बढ़ने लग जाएंगे जिसके चलते भी आर्थिक स्थिति कमजोर पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन में कुछ समस्या हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद की स्थिति हो सकती है। इस मास १,९, १०, ११,१९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - आप अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को कुशल तरीके से सुलझाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान आप एक नई दिनचर्या अपनाएगे और स्वस्थ रहना आपकी पहली जरूरत बन जाएगी। निजी संबंधों में कुछ सकारात्मक बदलाव नजर आएंगे। वैवाहिक जिंदगी भी अच्छी रहेगी और आप अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। वर्तमान नौकरी में बदलाव हो सकता है। कार्यस्थल पर कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आर्थिक स्थिति इस बीच अच्छी रहेगी। कुछ अप्रत्याशित आर्थिक लाभ से आय में वृद्धि होगी। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

धनु राशि (ये यो भा भी भू ध फ ढ भे)

मार्च - सुख साधनों की प्राप्ति पर विशेष खर्च होगा। बचत के तौर पर या फिर खेती के लिए भी जमीन खरीद सकते हैं। जीवन साथी के साथ थोड़े बहुत झगड़े हो सकते हैं। एक-दूसरे के विचार से सहमत न हो पाने के कारण ये विवाद हो सकते हैं। घर की जिम्मेवारी में अधिक व्यस्त रहेंगे, व्यावसायिक जीवन में कुछ समस्या आ सकती है। इस दौरान स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अतिरिक्त भार व थकान से आप परेशान हो सकते हैं। इस मास १८, १९, २६, २७ दिनांक कुछ कष्टकारक हो सकती हैं।

अप्रैल - विद्यार्थी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे और अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। कुछ छात्रों को प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध अकादमिक संस्थानों में प्रवेश मिलेगा। रचनात्मक क्षेत्रों में कार्य कर रहे पेशेवरों के लिए अनुकूल समय है। इस दौरान बड़ी सफलता मिलने के आसार हैं। इस माह अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अधिक आवश्यकता होगी। पेट में दर्द, अपच या जलन की शिकायत रह सकती है। इस मास ४,५,१३, १४, २२, २३ दिनांक कुछ कष्टकारक रह सकती है।

मई - पिता को सम्मान प्राप्त होगा व समाज में उनकी प्रशंसा होगी। आपकी रुचि कलात्मक कार्यों और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों में बढ़ जाएगी। निजी जीवन में तनाव के चलते आप परेशान रहेंगे। आंख, दांत, गले से संबंधित रोग हो सकता है। खान-पान की गलत आदतें अपच, गैस या एसिडिटी की समस्या उत्पन्न कर सकती हैं, इसलिए अपने भोजन का विशेष ध्यान रखें। इस मास १,२,११,१२,२०,२१,२९,३० दिनांक नेष्ट है।

जून - कुछ नये अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। किसी अच्छे मौके को ठुकराने की गलती न करें। व्यावसायिक जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव आएंगे जो आपको नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। बाहर घूमने की योजना बनेगी, सहभागियों के साथ अनावश्यक बहस से बचें। आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। कंप्यूटर के व्यवसाय से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इस मास ७,८,१६,१७,२५,२६ दिनांक नेष्ट हैं।

जुलाई - स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं, इसलिए बिल्कुल भी लापरवाही न रखें और अपना ध्यान रखें। ज्वर आदि रोग से कष्ट हो सकता है। पिता को आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों में आपस में न बनने से घर की सुख-शांति भंग हो सकती है। चिकित्सा अनुसंधान से जुड़े लोग अपने कार्य में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। इस मास ५, ६, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट है।

अगस्त - यह माह उलझन भरा रहेगा। एकाग्रता में कमी आ जाने से चिड़चिड़ापन हो सकता है। इस दौरान आपको अपने बिजनेस व आर्थिक विषयों में करीबी आपके साथ धोखा कर सकता है। इस बीच आप आर्थिक तंगी से भी गुजर सकते हैं। सकारात्मक रहें। कामकाजी महिलाओं को कार्यभार के चलते तनाव हो सकता हैं। इस मास १,२,१०,११,१८,१९,२८,२९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - व्यापारी वर्ग को अच्छे लाभ मिल सकते हैं। विदेश यात्रा हो सकती हैं। उच्च पद मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

व्यावसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। आप ज्यादा ऊर्जावान व उत्सुक रहेंगे। पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। बहस व लड़ाई-झगडों से रिश्तों पर प्रभाव पड़ेगा। आंखों से संबंधित कोई समस्या परेशान कर सकती है। इस मास ६,७,१४, १५, १६, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - आय के कई नए स्रोत प्राप्त होंगे। मनोरंजन व विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर व्यय होगा। जीवनसाथी और सन्तति के सहयोग से भी आपको लाभ मिलेगा। अपने लक्ष्यों को पाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और उसमें सफलता प्राप्त करेंगे। व्यापार में विस्तार होगा व कोई नया उद्योग भी प्रारम्भ कर सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से लाभ प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के संबंध में छोटी-मोटी समस्याएं हो सकती हैं। इस मास ३, ४, १२, १३, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - आप सामाजिक गतिविधियों व भौतिक जीवन से जुड़ी चीजों में कम रुचि लेंगे। इस दौरान आपके जीवन साथी और संतान को समय नहीं दे पायेंगे और घरेलू जीवन भी अस्त-व्यस्त रहेगा। अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ने लग जाएगी। आपका मिलन कुछ आध्यात्मिक व धार्मिक लोगों से होगी जिनसे आपको आध्यात्मिक लाभ भी होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्य में व्यय हो सकता है। कुछ जातक अपने कार्य के कारण इस बीच विदेश में भी बस सकते हैं। इस मास १, ८, ९, १०, १८, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - ध्यान व योग से जुड़ी गतिविधियों को करने में फायदा होगा। कार्यालय में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कुछ कहा-सुनी होने के कारण हो सकता है। कुछ जातक विदेश में अपना घर खरीद सकते हैं। इस मास आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। व्यय बढ़ सकता हैं और आप आय से ज्यादा खर्च करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस मास ६,७, १६, १७, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी - परिवार में अपने जीवनसाथी व बच्चों के साथ स्मरणीय समय बिताएंगे। वैवाहिक जिंदगी शांति, प्रेम व सौहार्द के साथ आगे बढ़ती रहेगी। इस माह आपको सफलता मिलेगी और आपके करियर में नई ऊंचाई देखने को मिलेगी। हालांकि इस बीच घर में पिता या बड़े भाई-बहन के साथ थोड़े बहुत विवाद हो सकते हैं, लेकिन बातचीत से ये सभी समस्याएं सुलझ जाएंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आप स्वयं को ज्यादा ऊर्जावान और पॉजीटिव महसूस करेंगे। जनवरी के महीने में आपको भाग्य का साथ मिलेगा और लॉटरी, शेयर आदि से अप्रत्याशित धन भी प्राप्त हो सकता है। जो जातक इस दौरान नौकरी परिवर्तित करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। इस मास २,३,१२, १३, २१, २२, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - कार्यस्थल व परिवार में कुछ गलतफहमियां उत्पन्न हो सकती हैं। पारिवारिक आय में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है। कार्यक्षेत्र में तेजी से कुछ महत्वपूर्ण बदलाव आएंगे। कार्यस्थल पर अपने बेहतर प्रदर्शन से आप लोगों को आश्चर्यचकित कर देंगे। सहभागी ईर्ष्या की भावना से समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए सतर्क रहें और सावधानीपूर्वक कार्य करें। इस मास ८, ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मकर राशि (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)

मार्च - मन में भ्रम की स्थिति रहेगी। यात्रा व स्थान परिवर्तन के योग बनेंगे। विदेश यात्राओं हेतु भी यह मास उत्तम है। जीवनसाथी से कुछ अनबन रह सकती है। व्यापार में कुछ बाधा हो सकती है। भाई-बहनों से संबंध मधुर बनेंगे। आजीविका की चिन्ता दूर होगी। विद्यार्थियों हेतु भी यह मास उत्तम रहेगा। वाहन-भूमि आदि का सुख प्राप्त होगा। पैरों, हाथ व बायीं आँख में चोट लग सकती है। इस मास २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अप्रैल - इस मास विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। क्रोध में कुछ वृद्धि होगी व मन में संताप होगा। नव दम्पत्तियों को सन्तान लाभ होगा। विद्याध्ययन में उन्नति होगी। सुख साधन व मनोरंजन के नवीन साधन उपलब्ध होंगे। शेयर मार्केट से संबंधित कार्य करने वालों को लाभ होगा। नौकरी आजीविका संबंधित बाधाऐं दूर होगी। पिता को लाभ होगा। अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वस्त्र उद्योग, साफ्टवेयर, कम्प्यूटर, सौन्दर्य प्रसाधन संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ प्राप्त होगा। मास ६, ७, ८, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - भूमि, जमीन, प्रोपर्टी, वाहन संबंधित लाभ होंगे। उत्साह व ऊर्जा बढेगी। योग, औषधि, स्वास्थ्य आदि के प्रति रुचि बढेगी। परन्तु दुर्घटना, चोट, अग्निभय आदि की संभावनाऐं वढेगी। व्यर्थ के विवादों से बचना चाहिये। लाभ प्राप्ति के अवसर बढेगे। भोजनालय, रेस्टोरेन्ट, मशीनरी, प्रोपर्टी, अग्नि संबंधित कार्य करने वाले जातकों को लाभ होगा। बच्चों की खेल के प्रति रुचि बढेगी। खेल व खेल सामग्री से जुडे जातकों को विशेष लाभ होगा। मनोरंजन व सुख साधनों की प्राप्ति हेतु विशेष व्यय होगा। वाणी का प्रभाव बढेगा। माता व ननिहाल पक्ष से विशेष लाभ हो सकता है। इस मास ४, ५, १३, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - संतान से अनबन रह सकती है। नये विषयों का ज्ञान होगा। क्रोध व ऊर्जा में कुछ वृद्धि होगी। मुख, उदर व त्वचा संबंधित विकार हो सकते है। विद्यार्थियों को परिश्रम अधिक करना होगा, विद्याध्ययन व प्रतियोगी परिक्षाओं में कुछ बाधा रहेगी। मधुमेह, मूत्र विकार व गुप्त विकार हो सकते हैं। जीवनसाथी से व्यर्थ विवाद व आपसी अनबन रह सकती है। सन्तान संबंधित कष्ट होगा। भाई बहनों से संबंध उत्तम रहेंगे। परिश्रम का उचित फल न मिलने से निराशा हो सकती है। १,२, १०, ११, १८, १९, २७, २८ दिनांक इस मास नेष्ट रहेंगी।

जुलाई - व्यापारी वर्ग को उत्तम लाभ होगा। धन प्राप्ति के नये अवसर प्राप्त होंगे। नेत्र विकार हो सकते है। पिता को कष्ट व राजनीतिक पक्ष से बाधाऐं हो सकती है। हृदय व अस्थि विकार की संभावना हो सकती है। वात विकार से शारीरिक कष्ट हो सकता है। १७ जुलाई के उपरान्त साझेदार व जीवनसाथी के साथ अनबन हो सकती है। यात्रा के योग बनेंगे। मित्रों व समाज के साथ संबंध प्रगाढ होंगे। वाहन, भूमि आदि सुख साधनों का लाभ होगा। ७, ८, १५, १६, २४,२५, २६ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अगस्त - इस मास मित्र व जनता का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। विशेष रूप से राजनैतिक क्षैत्र से संबंधित जातकों को अपने कार्य में लाभ होगा। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बालकों के लिये यह मास अति उत्तम रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों की गहन शोध के प्रति रूचि बढेगी। नये विषयों का अध्ययन करेंगे। सन्तान पक्ष से शुभ सूचना प्राप्त होगी। भाई-बहनों से संबंध मधुर होगा व उनके सहयोग से रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। त्वचा, मुख व वाणी संबंधित विकार हो सकते है। स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है। ४,५, ११, १२, २१ ,२२, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

सितम्बर - इस मास कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। अपना कार्य दुगुने उत्साह से संपन्न करेंगे। रुके हुए कार्य पुनः प्रारम्भ होंगे। अटका धन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को भी अध्ययन में विशेष लाभ होगा। अध्ययन में किये गये परिश्रम का शुभ परिणाम प्राप्त होगा। विवाह योग्य जातकों के संबंध तय होंगे। सन्तति की प्राप्ति होगी। भाग्य में वृद्धि होगी। आजीविका प्राप्ति के नये अवसर उत्पन्न होंगे। व्यापारी वर्ग को भी लाभ होगा। इस मास १,८, ९, १६, १७, १८, २६, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अक्टूबर - इस मास नेत्र कष्ट, रक्त विकार, मानसिक उलझनों से आप व्यथित रह सकते है। माता का स्वास्थ्य भी कष्टकारी रह सकता है। पारिवारिक वातावरण सौहार्दपूर्ण रहने की संभावना है। धन का आगमन अच्छा रहेगा। आय के नए स्रोत उत्पन्न हो सकते है। विद्याप्राप्ति में परिश्रम की आवश्यकता रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में नवीन संभावनाऐ बनेंगी, परन्तु पिता का स्वास्थ्य शिथिल रह सकता है। ५, ६ ,१४, १५, २४, २५ दिनांक नेष्ट हैं।

नवम्बर - पराक्रम में वृद्धि रहेगी। धनागम अच्छा रहेगा। धन संपत्ति व भूमि क्रय के योग बनते है। अध्ययन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी को पित्त विकार, नेत्र विकार एवं शिरोवेदना से कष्ट संभावित है। भाग्य के साथ देने से कुछ रुके हुए काम बन सकते है। प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। धार्मिक यात्राएं होगी। मासान्त में पारिवारिक मनमुटाव व झगडे की स्थिति बनती है। रोजगार के क्षेत्र में कुछ अच्छी संभावनाऐ बनेगी। इस मास १,२, १०, ११, १२, २० , २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेंगी।

दिसम्बर - यह मास तनावपूर्ण रहेगा। पारिवारिक क्लेश से आप व्यथित रहेंगे, पराक्रम में वृद्धि रहेगी। छोटे भाई बहनों का स्वास्थ्य भी कुछ प्रतिकूल रह सकता है। भूमि व संपत्ति संबंधित विवादों में धनव्यय संभावित है। धार्मिक कार्यों एवं यात्राओं में धनव्यय होगा। मित्रों के सहयोग से सफलता मिलेगी। वायुविकार, पित्त विकार, त्वचा संबंधी रोग एवं संक्रमण जनित

रोगों से पीड़ित रह सकते है। इस मास ७, ८, ९, १७, १८, १९, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

जनवरी 2019 - अस्थि विकार, एलर्जी, वायु विकार, रक्त विकार के कारण आप व्यथित रहेंगे। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्यों में सफलता रहेगी। अत्यधिक यात्राओं के कारण आप दुखी रहेंगे। मास के उत्तरार्ध में पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर भी आप परेशान रह सकते है। धार्मिक कार्यों में रूचि कम रहेगी। धन के अपव्यय से आप दुखी रह सकते है। इस मास ४, ५, १४, १५, २२, २३, ३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

फरवरी - पराक्रम में वृद्धि, वाहन लाभ विद्याध्ययन में रूचि, शत्रु पराजय, भाग्योदय, आय के स्रोतों में वृद्धि एवं धार्मिक यात्राओं व सद्-व्यय से आप प्रफुल्लित रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ शिथिल रह सकता है। रक्तविकार एवं वायुविकार के कारण स्वास्थ्य कुछ प्रतिकूल रह सकता है। विद्याध्ययन में कुछ बाधाएं आ सकती है। भूमि, संपत्ति एवं वाहनप्राप्ति के कुछ अच्छे योग बन सकते है। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास १,२, १०, ११, १९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

कुम्भ राशि (गु गे गो सा सी सू से सो दा)

मार्च - अच्छा लाभ होने की संभावना है। इस मास किए गए निवेश से अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रॉपर्टी में निवेश से बड़ा लाभ मिलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस माह आपको व्यवसाय में भी सफलता मिलने के योग हैं। किसी बिजनेस की शुरुआत करना आपके लिए लाभकारी हो सकती है। जो जातक साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं उन्हे साझेदार की मदद से लाभ की प्राप्ति होगी। स्वभाव और मधुर वाणी के कारण आपकी प्रशंसा होगी। इस मास २२, २३, ३०,३१ दिनांक नेष्ट रहेंगी।

अप्रैल - पेट से जुड़ी कोई बीमारी मुंह में छाले, घाव और नेत्र संबंधी पीड़ा परेशान कर सकती है। इसलिए अपने खानपान पर विशेष ध्यान दें। कार्य स्थल पर आपको सफलता प्राप्त होगी। इस माह आप अपना सारा उधार चुका देंगे और आपकी वित्तीय स्थिति में मजबूती आएगी। शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने से बचें अन्यथा बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस मास ९,१०, १८,१९, २७,२८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विदेशी संपर्क और संबंध आपके लिए लाभकारी होंगे, आप मन से खुश रहेंगे और उत्साह में वृद्धि होगी। माँ का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, पुराने रोग शान्त होंगे। इस महीने आप तीर्थदर्शन के लिए जा सकते हैं। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। इस मास ६, ७, १५, १६, २४, २५ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - यह महीना कलात्मक विषय की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए अच्छा हैं। इस अवधि में वे अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और प्रशंसा पाएंगे। आर्थिक स्थिति और बेहतर होगी एवं आप कोई नई संपत्ति खरीद सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में तनाव और विवाद की संभावना है। घर में जीवनसाथी और परिजनों के साथ मनमुटाव हो सकता है । इस मास २, ३, १२, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - मानसिक रूप से थोड़े परेशान रह सकते हैं। एकाग्रता और सोचने की क्षमता पर प्रभाव पड़ेगा। वैवाहिक जीवन में विषम परिस्थितियां उत्पन्न होगी। साझेदार से विवाद हो सकता है। दर्शनीय स्थल की यात्रा कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में उन्नति इस माह अच्छी रहने वाली है और पदोन्नति के योग बन रहे हैं। इस मास १, ९, १०, १७, १८, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अगस्त - महिला जातकों को शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, आप अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ परेशानियों को महसूस करेंगे। वहीं कार्यस्थल पर सहकर्मियों व वरिष्ठों के साथ अच्छे संबंध बनाकर चलें। आपकी उन्नति में जीवनसाथी का महत्त्वपूर्ण योगदान होगा और आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। किसी योजना में निवेश करने से अच्छा लाभ होगा। इस मास ५, ६, १४, १५, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - पिता की स्थिति मजबूत रहेगी । सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में शांति और सद्भाव बना रहेगा। आपको माता-पिता से सुखों की प्राप्ति होगी। महीने के अंतिम दिनों में जीवनसाथी/प्रियतम के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। यह समय किसी भी तरह का लोन या कर्ज लेने के लिए उपयुक्त नहीं है, इस दौरान वित्तीय नुकसान हो सकता है। इस मास २,३, १०, ११, १९, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - पदोन्नति और वेतन में बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। वहीं पारिवारिक जीवन भी इस माह अच्छा रहने वाला है। इस महीने आपको भाग्य का सहयोग प्राप्त होने वाला है। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं, घर पर शादी-विवाह व अन्य मांगलिक कार्यों का आयोजन संभव होगा। आप उत्साह और आत्म विश्वास से भरपूर रहेंगे । व्यावसायिक साझेदार अंसतुष्ट हो सकता है। इस मास ७,८, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

नवम्बर - आप पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। निर्णय लेने हेतु साहस और बुद्धि से काम लेंगे। कार्य में अधिक व्यस्त रहने के कारण आप परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पाएंगे। छात्र पढ़ाई-लिखाई में बहुत ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस महीने ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और समय का भरपूर प्रयोग करेंगे। इस मास ४, ५, १३, १४, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - काम और वित्तीय मामलों को लेकर सुखद स्थिति का अनुभव करेंगे। कार्यस्थल पर आपको विशेष जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। धन का आवागमन अच्छा रहेगा और आप सुखमय जीवन व्यतीत करेंगे। निवेश से लाभ की प्राप्ति होगी। परिवार में शांति, सद्भाव, स्नेह और एकता बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन भी बहुत सुखमय रहेगा। इस मास १,२, १०,११, २०, २१, २८, २९ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - इस माह आपका झुकाव आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों के प्रति अधिक होगा और आप इन कार्यों में सम्मिलित होंगे। कार्यस्थल पर अच्छा काम करने के कारण आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। सहकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। व्यापार में लाभ की प्राप्ति होगी। तरक्की के कई अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप एक छात्र हैं तो परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए आपको पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ना होगा। इस मास ७, ८, १७, १८, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - यह महीना सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। आपका आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। विवेकपूर्ण तरीके से लिए गए फैसलों से अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। माता-पिता बहुत प्रसन्न होंगे। साथ ही उनकी ओर से मिलने वाला स्नेह और सहयोग आपके लिए लाभकारी रहेगा। कोई संपत्ति खरीद सकते हैं। छात्रों का परिणाम अच्छा रहने वाला है। नए मित्र बनने से सामाजिक प्रभाव बढेगा । आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। इस मास ३, ४, १३, १४, २१, २२ दिनांक नेष्ट रहेगी।

मीन राशि (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मार्च - आप ज्यादातर दिन तनाव मुक्त और उत्साहित जीवन व्यतीत करेंगे। इस महीने आपके व्यापारिक क्षेत्र में बहुत से सकारात्मक बदलाव होंगे। आपके काम और कठिन परिश्रम की प्रशंसा की जाएगी। ऐसे में यदि आप नौकरी में हैं तो इस माह आपको पदोन्नति मिलने की संभावना है। आप कठिन परिश्रम से धन कमाएंगे। स्वभाव में उग्रता अधिक रहने से विषम परिस्थितियां उत्पन्न होंगी और कुछ लोग आपके विरोधी बन जाएंगे। नेत्र से संबंधी पीड़ा आपको परेशान कर सकती है। २४, २५ दिनांक नेष्ट हैं।

अप्रैल - इस माह आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेंगे। पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव होने से आप थोड़ा तनाव अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ छोटे-मोटे विवाद हो सकते हैं। इसके अलावा व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए आपको साहस दिखाते हुए पहल करनी होगी। इस मास में बच्चे पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनके बारे में ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनका ध्यान अवश्य ही रखना होगा। इस मास १,२, ३, ११, १२, १३, २०, २१, २९, ३० दिनांक नेष्ट रहेगी।

मई - कार्यस्थल पर आपकी कड़ी मेहनत और बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए आपको पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, साथ ही कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय में अप्रत्याशित मौद्रिक लाभ मिल सकता है। धन कमाने के कई नए अवसर मिलेंगे। इस माह आपकी रुचि कलात्मक कार्यों के प्रति ज्यादा रहेगी। इस मास ९, १०, १७, १८, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जून - स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से प्रशंसा प्राप्त होगी। वरिष्ठों और उच्च अधिकारियों से अच्छे संबंध से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। पारिवारिक जीवन भी सुखद और आनंदमय व्यतीत होगा। नए रिश्ते बनने की भी संभावना है।

प्रेम-प्रसंग के संबंध टूट सकते हैं। इस मास ५, ६, १४, १५, २२, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जुलाई - यह महीना चुनौतीपूर्ण रहेगा। मानसिक तनाव और क्रोध की अधिकता से हालात और भी खराब होने की संभावना है। बड़े भाई-बहनों से विवाद हो सकता है। आपके कड़वे शब्द और बेवजह के विवादों में उलझने से लोग आपकी निंदा करेंगे। बच्चों की शिक्षा में कुछ परेशानियां आ सकती हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए समय थोड़ा सावधानी से चलने वाला है। २,३,४,११,१२, १९, २०, २१, २९, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट हैं।

अगस्त - खर्चों पर नियंत्रण रखें। पेट संबंधी कुछ रोगों से पीड़ित रह सकते हैं। जीवनसाथी हाई ब्लड प्रेशर, बुखार या संक्रमण की समस्या से पीड़ित रह सकते हैं। व्यक्तिगत जीवन में विवाद और अशांति रह सकती है। प्रियजनों के साथ रिश्तों में दूरियां आ सकती है। इस मास ८, ९, १६, १७, २६, २७ दिनांक नेष्ट रहेगी।

सितम्बर - आर्थिक रूप से यह महीना आपके लिए समृद्धशाली रहेगा, अचानक कोई वित्तीय लाभ हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय भी अच्छे से चलता रहेगा और आमदनी बढ़ेगी। वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक साझेदार से कुछ मामूली परेशानी हो सकती हैं। विवाहित जातकों के लिए भी समय अच्छा नहीं है। वैवाहिक जीवन में कुछ समस्याएं आ सकती हैं । स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इस मास ४, ५, १२, १३, १४, २२, २३ दिनांक नेष्ट रहेगी।

अक्टूबर - अचानक कोई आर्थिक नुकसान होने की वजह से वित्तीय स्थिति पर बुरा असर पड़ सकता है। कुछ लोग हृदय और पेट से संबंधी बीमारी से परेशान रह सकते हैं। दुर्घटना की आशंका है। पारिवारिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में भी काम की अधिकता की वजह से आप व्यस्त और तनाव में रहेंगे। १,२, १०, ११, १९, २०, २८, २९, ३० दिनांक नेष्ट हैं।

नवम्बर - आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, अधूरे कार्यों को पूर्ण कर लेंगे। परिश्रम से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। आध्यात्मिक चिंतन को लेकर आपकी रुचि बढ़ेगी। सभी तरह की चिंताएं खत्म होंगी और परिजनों से स्नेह और सहयोग मिलेगा। आमदनी के नए साधन मिलने से पारिवारिक आय में बढ़ोत्तरी होगी। कुछ लोगों को कानूनी मामलों का भी सामना करना पड़ सकता है। इस मास ६, ७, १६, १७, २५, २६ दिनांक नेष्ट रहेगी।

दिसम्बर - सहकर्मियों की वजह से उच्च अधिकारियों के साथ भी विवाद की स्थिति बन सकती है। कार्यक्षेत्र में होने वाली परेशानियों का आपके व्यक्तिगत जीवन पर बुरा असर पड़ेगा। मेडिकल संबंधी खर्च अधिक होने की वजह से आपका बजट बिगड़ सकता है। आपका रुझान आध्यात्मिकता और रहस्यमयी विज्ञान जैसे विषयों की ओर बढ़ेगा। इस मास ३, ४, ५, १३, १४, २२, २३, ३०, ३१ दिनांक नेष्ट रहेगी।

जनवरी २०१९ - व्यर्थ खर्च करने से बचें। पिता को गंभीर समस्या हो सकती है। मानसिक तनाव अधिक होने की वजह से थकान और परेशानी अनुभव करेंगे। वरिष्ठों के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं, कार्यस्थल पर आपकी एकाग्रता भंग होगी। अपने काम में गुणवत्ता लाने के लिए आप अधिक से अधिक प्रयास करेंगे। इस माह आप ज्यादा प्रसन्न नहीं रहेंगे। इस मास १,९, १०, ११,१९, २०, २७, २८ दिनांक नेष्ट रहेगी।

फरवरी - इस माह परिवार में आपके पिता का मान और बढ़ेगा। बच्चों के साथ स्नेह बढेगा। इस माह बड़े भाई-बहनों के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहने की संभावना कम है। इस माह खर्च अधिक रहने की संभावना है इसलिए इस अवधि में सोच-समझकर पैसा खर्च करें। इन सबके अलावा जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, साथ ही उनके खानपान पर भी ध्यान दें। इस मास ५, ६, ७, १५, १६, २३, २४ दिनांक नेष्ट रहेगी।

डॉ. प्रवेश व्यास,
सहायकाचार्य, वास्तु विभाग श्रीला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ नई दिल्ली

ग्रहाः राज्यं प्रयच्छन्ति ग्रहाः राज्यं हरन्ति च।
ग्रहाधीनं जगत्सर्वमिति मे निश्चिता मतिः॥
देवब्राह्मणवन्दनाद्गुरुवचः सम्पादनात्प्रत्यहं
साधूनामभिभाषणाच्छ्रुतिरवश्रेयस्कथाकर्णनात्।
होमादध्वरदर्शनाच्छुचिमनोभावाज्जपाद्दानतो
नो कुर्वन्ति कदाचिदेव पुरुषस्यैवं ग्रहाः पीडनम्॥

ग्रहण विवरण 2018-19

वि.सं. 2075(2018-19ई.) में समस्त विश्व में 3 सूर्यग्रहण व 2 चन्द्रग्रहण दिखाई देंगे। इनमें से तीनों सूर्यग्रहण व एक चन्द्रग्रहण भारत में दृश्य नहीं होगा। अतः इस वर्ष केवल 1 चन्द्रग्रहण ही भारत में दिखाई देगा। इनका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

1. भारत में अदृश्य आंशिक सूर्य ग्रहण (13 जुलाई 2018 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 13 जुलाई 2018 ई. को अंटार्कटिका के विलक्स लैण्ड, तस्मानिया, दक्षिणी आस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग में तथा स्टीवार्ट आइलैण्ड आदि कुछ क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 07:19 से 9:44 बजे के बीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा अतः इससे सम्बन्धित सूतकादि कृत्य भी विचारणीय नहीं होंगे।

2. भारत में दृश्य पूर्ण चन्द्रग्रहण (27 जुलाई 2018 ई.)- यह चन्द्र ग्रहण सम्पूर्ण भारत में दृश्य होगा। इस ग्रहण का विवरण निम्नप्रकार से है-

ग्रहण स्पर्श काल	रात्रि 23:54 बजे	सम्मीलन काल	रात्रि 25:00 बजे
ग्रहण मध्यकाल	रात्रि 25:52 बजे	उन्मीलन काल	रात्रि 26:44 बजे
ग्रहण मोक्ष काल	रात्रि 27: 49 बजे		

इस प्रकार कुल 3 घण्टे 55 मिनट ग्रहण का स्थितिकाल तथा 1घण्टे 44 मिनट ग्रहण का विमर्दकाल रहेगा। इस ग्रहण का सूतक 27 जुलाई 2018 ई. को 14:54 बजे से आरम्भ हो जायेगा। सूतक काल में शिशुओं, गर्भवती महिलाओं, वृद्धों एवं निःशक्त व्यक्तियों को छोडकर अन्य को भोजनादि नहीं करना चाहिए। ग्रहण समय में स्नान, जप, दान इत्यादि का अत्यधिक महत्व धर्मशास्त्रों में कहा गया है। ग्रहण मकरराशि में है तथा ग्रहण का आरम्भ उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में तथा सम्मीलन से लेकर मोक्ष तक श्रवणनक्षत्र में है अतः इन राशि व नक्षत्र वाले जातकों के लिए विशेष कष्टकारी रहेगा। बृहत्संहिता (राहुचारा. श्लोक 41)के अनुसार - **हन्यान्मृगे तु झषमन्त्रिकुलानि नीचान्। मन्त्रौषधीषु कुशलान् स्थविरायुधीयान्।** अर्थात् यह ग्रहण मछलियों, मन्त्रिवर्ग व उनके परिवार, नीचकर्म करने वालों, मन्त्रौषधि का ज्ञान रखने वालों, वृद्धों तथा शस्त्रधारियों के लिए कष्टकारी है। बृहत्संहिता (राहुचारा. श्लोक 60)के अनुसार - **भौमः समरविमर्द शिखिकोपं तस्करभयं च।** अर्थात् ग्रहणकाल में मंगल की दृष्टि से अग्निभय तथा चोरों के भय आदि सम्भावित रहता है। सभी राशियों के लिए इसका शुभाशुभ निम्नप्रकार से है -

मेष	शारीरिक व पारिवारिक सुख
वृष	रोग, अपमान एवं व्ययाधिक्य
मिथुन	चिन्ता एवं कष्ट
कर्क	स्त्री/ पति कष्ट व अपमान
सिंह	कार्यसिद्धि व सुख
कन्या	सन्तति कष्ट, चिन्ता, अपव्यय एवं भय
तुला	कष्ट व अपमान
वृश्चिक	कार्यसिद्धि व धनप्राप्ति
धनु	धनहानि व पारिवारिक कलह
मकर	चोटभय एवं कष्ट
कुम्भ	धन का अपव्यय एवं वाणिज्य हानि
मीन	धनलाभ एवं कार्यसिद्धि

3. भारत में अदृश्य आंशिक सूर्यग्रहण (11 अगस्त 2018 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 11 अगस्त 2018 ई. को कनाडा के उत्तरी क्षेत्रों, ग्रीनलैण्ड,आइसलैण्ड, ब्रिटिश के उत्तरी द्वीपों, स्कानडेनेविया के अधिकांश भागों में, स्वलबर्ड, रूस के अधिकांश क्षेत्रों में, कजाकिस्तान, क्यर्गिज़स्तान, मंगोलिया तथा चीन के अधिकांश क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 13:32 से 17:01 बजे के बीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा अतः इससे सम्बन्धित सूतकादि कृत्य भी विचारणीय नहीं होंगे।

4. भारत में अदृश्य आंशिक सूर्य ग्रहण (06 जनवरी 2019 ई.)- यह सूर्य ग्रहण दिनांक 06 जनवरी 2019 ई. को उत्तरपूर्वी चीन, मंगोलिया, जापान, पूर्वी रूस, उत्तरी एवं दक्षिणी अलास्का क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 05:04 से 09:19 बजे के बीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण इसके सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं हैं।

5. भारत में अदृश्य पूर्ण चन्द्र ग्रहण (21 जनवरी 2019 ई.)- यह चन्द्र ग्रहण दिनांक 21 जनवरी 2019 ई. को प्रायः मध्य पूर्व के देशों, अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका, ओसानिया के अधिकांश क्षेत्रों तथा रूस के अधिकांश पूर्वी क्षेत्रों में ही भारतीय मानक समयानुसार 09:44 से 12:21 बजे के बीच ही दृश्य होगा। भारत में यह ग्रहण दिखाई न देने के कारण इसके सूतकादि कृत्य विचारणीय नहीं हैं।

सूर्य नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
उत्तराभाद्रपद	18 मार्च 2018	07:59
रेवती	31 मार्च 2018	18:49
अश्विनी	14 अप्रैल 2018	08:08
भरणी	27 अप्रैल 2018	23:59
कृत्तिका	11 मई 2018	18:09
रोहिणी	25 मई 2018	14:23
मृगशिरा	08 जून 2018	12:14
आर्द्रा	22 जून 2018	11:14
पुनर्वसु	06 जुलाई 2018	10:48
पुष्य	20 जुलाई 2018	10:20
आश्लेषा	03 अगस्त 2018	09:14
मघा	17 अगस्त 2018	06:54
पूर्वाफाल्गुनी	30 अगस्त 2018	26:53
उत्तराफाल्गुनी	13 सितम्बर 2018	20:46
हस्त	27 सितम्बर 2018	12:17
चित्रा	10 अक्तूबर 2018	25:16
स्वाती	24 अक्तूबर 2018	11:47
विशाखा	06 नवम्बर 2018	19:55
अनुराधा	19 नवम्बर 2018	25:57

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
ज्येष्ठा	1 दिसम्बर 2018	30:14
मूल	16 दिसम्बर 2018	09:16
पूर्वाषाढा	29 दिसम्बर 2018	11:29
उत्तराषाढा	11 जनवरी 2019	13:28
श्रवण	24 जनवरी 2019	15:46
धनिष्ठा	06 फरवरी 2019	18:58
शतभिषा	19 फरवरी 2019	23:25
पूर्वाभाद्रपद	04 मार्च 2019	29:43
उत्तराभाद्रपद	18 मार्च 2019	14:08
रेवती	31 मार्च 2019	24:58

मंगल नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
पूर्वाषाढा	30 मार्च 2018	27:28
उत्तराषाढा	25 अप्रैल 2018	15:55
श्रवण	27 मई 2018	26:07
उत्तराषाढा (वक्री)	27 जुलाई 2018	17:44
श्रवण	25 सितम्बर 2018	23:17
धनिष्ठा	25 अक्तूबर 2018	08:33
शतभिषा	17 नवम्बर 2018	07:35
पूर्वाभाद्रपद	08 दिसम्बर 2018	07:14

उत्तराभाद्रपद	28 दिसम्बर 2018	10:36
रेवती	16 जनवरी 2019	29:27
अश्विनी	05 फरवरी 2019	21:58
भरणी	25 फरवरी 2019	15:50
कृत्तिका	17 मार्च 2019	13:19

बुध नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
उत्तराभाद्रपद(वक्री)	03 अप्रैल 2018	08:45
रेवती	28 अप्रैल 2018	06:33
अश्विनी	09 मई 2018	20:12
भरणी	18 मई 2018	10:16
कृत्तिका	25 मई 2018	16:07
रोहिणी	31 मई 2018	27:43
मृगशिरा	07 जून 2018	06:13
आर्द्रा	13 जून 2018	09:44
पुनर्वसु	19 जून 2018	25:34
पुष्य	27 जून 2018	18:12
आश्लेषा	07 जुलाई 2018	09:00
मघा	02 सितम्बर 2018	21:29
पूर्वाफाल्गुनी	10 सितम्बर 2018	09:26
उत्तराफाल्गुनी	17 सितम्बर 2018	09:33
हस्त	24 सितम्बर 2018	15:57
चित्रा	02 अक्तूबर 2018	10:24
स्वाती	10 अक्तूबर 2018	18:04
विशाखा	19 अक्तूबर 2018	15:28
अनुराधा	29 अक्तूबर 2018	07:36
ज्येष्ठा	10 नवम्बर 2018	13:47
अनुराधा (वक्री)	22 नवम्बर 2018	22:25
विशाखा (वक्री)	03 दिसम्बर 2018	30:20
अनुराधा (मार्गी)	08 दिसम्बर 2018	26:30
ज्येष्ठा	22 दिसम्बर 2018	22:06
मूला	01 जनवरी 2019	09:38
पूर्वाषाढा	09 जनवरी 2019	07:13
उत्तराषाढा	18 जनवरी 2019	19:33
श्रवण	26 जनवरी 2019	22:33
धनिष्ठा	03 फरवरी 2019	15:57
शतभिषा	10 फरवरी 2019	26:16
पूर्वाभाद्रपद	18 फरवरी 2019	15:15
उत्तराभाद्रपद	28 फरवरी 2019	13:26
पूर्वाभाद्रपद (वक्री)	11 मार्च 2019	14:14

गुरु नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
स्वाती (वक्री)	16 जून 2018	24:52

विशाखा	03 अगस्त 2018	16:41
अनुराधा	27 अक्तूबर 2018	28:31
ज्येष्ठा	27 दिसम्बर 2018	19:08
मूल	31 मार्च 2019	13:33

शुक्र नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
अश्विनी	26 मार्च 2018	15:30
भरणी	06 अप्रैल 2018	11:16
कृत्तिका	17 अप्रैल 2018	08:23
रोहिणी	28 अप्रैल 2018	06:59
मृगशिरा	09 मई 2018	07:14
आर्द्रा	20 मई 2018	09:27
पुनर्वसु	31 मई 2018	14:04
पुष्य	11 जून 2018	21:43
आश्लेषा	23 जून 2018	09:11
मघा	04 जुलाई 2018	25:36
पूर्वाफाल्गुनी	16 जुलाई 2018	24:32
उत्तराफाल्गुनी	29 जुलाई 2018	08:33
हस्त	11 अगस्त 2018	06:25
चित्रा	24 अगस्त 2018	28:52
स्वाती	10 सितम्बर 2018	14:08
चित्रा (वक्री)	30 अक्तूबर 2018	14:23
स्वाती	04 दिसम्बर 2018	09:23
विशाखा	21 दिसम्बर 2018	30:45
अनुराधा	04 जनवरी 2019	31:12
ज्येष्ठा	17 जनवरी 2019	24:01
मूल	29 जनवरी 2019	24:35
पूर्वाषाढा	10 फरवरी 2019	16:41
उत्तराषाढा	21 फरवरी 2019	26:54
श्रवण	05 मार्च 2019	09:35
धनिष्ठा	16 मार्च 2019	14:00
शतभिषा	27 मार्च 2019	16:52

शनि नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
नक्षत्र	दिनाँक	समय
मूल (वक्री)	05 जून 2018	06:17
पूर्वाषाढा	27 नवम्बर 2018	29:13

राहु नक्षत्र प्रवेश

नक्षत्र	दिनाँक	प्रवेश समय
पुष्य (वक्री)	25 अप्रैल 2018	12:11
पुनर्वसु (वक्री)	02 जनवरी 2019	26:49

केतु नक्षत्र प्रवेश

उत्तराााढा (वक्री)	30 अगस्त 2018	07:30

विक्रम संवत् 2075 (ई०सन् 2018-19) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
वासन्तिक नवरात्रारम्भ	18/03/18	चण्डिका पूजन	23/04/18	शीतला अष्टमी	06/07/18
मत्स्य जयन्ती	20/03/18	सीता जयन्ती	24/04/18	गुप्त नवरात्रारम्भ	13/07/18
सौभाग्य गौरीव्रतम्	20/03/18	रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती	27/04/18	श्री जगन्नाथ यात्रा	14/07/18
विनायक चतुर्थी व्रतम्	21/03/18	नृसिंह जयन्ती	28/04/18	वैनायकी चतुर्थी	16/07/18
श्री पंचमी	22/03/18	कूर्म जयन्ती	30/04/18	स्कन्द/कुमार षष्ठी	18/07/18
स्कन्द षष्ठी	23/03/18	बुद्ध पूर्णिमा	30204/18	महिषासुरमर्दिनी पूजा	20/07/18
दुर्गाष्टमी व्रत	25/03/18	सम्पद्गौरी व्रत	30/04/18	भडरी नवमी	21/07/18
रामनवमी(स्मा./वै.)	25/03/18	भानू सप्तमी	07/05/18	गुप्त नवरात्र समाप्त	21/07/18
देवी विसर्जन	26/03/18	शीतला अष्टमी	08/05/18	वासुदेव द्वादशी	24/07/18
धर्मराज दशमी	26/03/18	वट सावित्री व्रत अमा.	15/05/18	कोकिला व्रत	27/07/18
वामन द्वादशी	28/03/18	भावुका अमावस्या	15/05/18	गुरु/व्यास पूर्णिमा	27/07218
महावीर जयन्ती	29/03/18	शनैश्चर जयन्ती	15/05/18	मधुश्रावणी	02/08/18
कोकिला षष्ठी	06/04/18	रम्भा तृतीया	16/06/18	शीतला सप्तमी	04/08/18
शीतला अष्टमी	08/04/18	महाराणाप्रताप जयन्ती	16/06/18	हरियाली अमावस्या	11/08/18
वैशाखी	14/04/18	उमा पूजन व्रत	16/06/18	सिन्धारा व्रत	12/08/18
शिवाजी जयन्ती	18/04/18	गुरु अर्जुन देव शहीदी दिवस	17/06/18	नाग पंचमी	15/08/18
परशुराम जयन्ती	18/04/18	स्कन्द षष्ठी	19/06/18	स्वतन्त्रता दिवस	15/08/18
अक्षय तृतीया	18/04/18	आरण्यक गौरी व्रत	20/06/18	श्री कल्की जयन्ती	16/08/18
बगुलामुखी जयन्ती	18/04/18	विन्ध्यवासिनी पूजन	20/06/18	सूर्य पूजा/भानु सप्तमी	17/08/18
गौरी पूजा	18/04/18	गंगा दशहरा	22/06/18	श्री तुलसी दास जयन्ती	17/08/18
आदिगुरु शंकराचार्य जयन्ती	20/04/18	रामेश्वर प्रतिष्ठा	22/06/18	कौमारी देवी पूजा	18/08/18
रामानुजाचार्य जयन्ती	21/04/18	चम्पक द्वादशी	24/06/18	दधिव्रत	20/08/18
चन्दन षष्ठी	21/04/18	त्रिविक्रम द्वादशी	24/06/18	दामोदर द्वादशी	23/08/18
गंगोत्पत्ति	22/04/18	वट सावित्री व्रत पूर्णिमा	28/06/18	रक्षा बन्धन	26/08/18
				कज्जली तृतीया	29/08/18

विक्रम संवत् 2075 (ई०सन् 2018-19) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
ललही छठ	01/09/18	जीवित पुत्रिका व्रत	02/10/18	धनवन्तरी जयन्ती	05/11/18
हल षष्ठी	01/09/18	नवमी का श्राद्ध	03/10/18	धनतेरस	05/11/18
बलराम जयन्ती	01/09/18	मातृ नवमी	03/10/18	नरक चतुर्दशी	06/11/18
श्रीकृष्णजन्माष्टमी स्मा.	02/09/18	दशमी का श्राद्ध	04/10/18	यम तर्पण	06/11/18
श्रीकृष्णजन्माष्टमी वै.	03/09/18	एकादशी का श्राद्ध	05/10/18	दीपावली	07/11/18
शिक्षक दिवस	05/09/18	द्वादशी का श्राद्ध	06/10/18	महालक्ष्मी पूजा	07/11/18
कुशोत्पाटिनी अमावस्या	09/09/18	त्रयोदशी का श्राद्ध	07/10/18	अन्नकूट	08/11/18
हरितालिका तीज	12/09/18	चतुर्दशी का श्राद्ध	08/10/18	गोवर्धन पूजा	08/11/18
ऋषि पंचमी	14/09/18	अमावस्या का श्राद्ध	08/10/18	विश्वकर्मा पूजा	08/11/18
सूर्य षष्ठी	15/09/18	सर्व पितृ विसर्जन	08/10/18	भैयादूज, यमद्वितीया	09/11/18
नन्दा देवी पूजा	17/09/18	शारदीय नवरात्रारम्भ	10/10/18	सूर्यषष्ठी व्रत	13/11/18
राधा अष्टमी	17/09/18	कलश स्थापना	10/10/18	बालदिवस, नेहरूजयन्ती	14/11/18
दूर्वा अष्टमी	17/09/18	उपांगललिता व्रत	13/10/18	अ[illegible]य नवमी, कूष्माण्ड नवमी	17/11/18
अदु:ख नवमी	18/09/18	सरस्वती आवाहन	15/10/18	हरिप्रबोधिनी एकादशी	19/11/18
दशावतार व्रत	19/09/18	महानिशा पूजा	17/10/18	तुलसी विवाह	20/11/18
शक्र द्वादशी	21/09/18	महाष्टमी व्रत	17/10/18	वैकुण्ठ चतुर्दशी	21/11/18
अनन्तचतुर्दशी व्रत	23/09/18	महानवमी व्रत	18/10/18	विश्वनाथ स्थापना दिवस	22/11/18
प्रतिपदा का श्राद्ध	25/09/18	विजया दशमी	19/10/18	गुरु नानक जयन्ती	23/11/18
द्वितीया का श्राद्ध	26/09/18	शरद पूर्णिमा	24/10/18	देव दीपावली	23/11/18
तृतीया का श्राद्ध	27/09/18	कार्त्तिक स्नान प्रारम्भ	24/10/18	कार्तिकव्रत पारणा	24/11/18
चतुर्थी का श्राद्ध	28/09/18	वाल्मीकि जयन्ती	24/10/18	कालभैरवाष्टमी	29/11/18
पंचमी का श्राद्ध	29/09/18	करवाचौथ व्रत	27/10/18	रुक्मिणी व्रत	29/11/18
षष्ठी का श्राद्ध	30/09/18	अहोई अष्टमी	31/10/18	कार्त्तिक पूजा ब.	07/12/18
सप्तमी का श्राद्ध	01/10/18	राधा जयन्ती	01/11/18	रुद्रव्रत	08/12/18
अष्टमी का श्राद्ध	02/10/18	गोवत्स द्वादशी	04/11/18	रम्भा व्रत	09/12/18

विक्रम संवत् 2075 (ई०सन् 2018-19) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक	व्रत, पर्व एवं उत्सव	दिनांक
रामविवाहोत्सव	12/12/18	मौनी अमावस्या	04/02/19	रंगभरी एकादशी	17/03/19
संहार षष्ठी	13/12/18	शिशिर गुप्त नवरात्रारम्भ	05/02/19	गोविन्द द्वादशी	18/03/19
मल्लार षष्ठी	13/12/18	गौरी तृतीया व्रत	08/02/19	कामदहन चतुर्दशी	20/03/19
चम्पा षष्ठी	13/12/18	तिल चतुर्थी	08/02/19	होलिकादहन	20/03/19
महानवमीव्रत	16/12/18	वसन्त पंचमी	10/02/19	होलिकाष्टक समाप्ति	21/03/19
गीता जयन्ती	19/12/18	सरस्वती पूजा	10/02/19	चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती	21/03/19
अखण्ड द्वादशी	19/12/18	श्रीपंचमी	10/02/19	होली (धुलण्डी)	21/03/19
मत्स्य द्वादशी	19/12/18	मदनपंचमी	10/02/19	होलिका भस्मधारण	21/03/19
श्रीदत्त जयन्ती	21/12/18	रथसप्तमी	12/02/19	वसन्तोत्सव	21/03/19
अष्टका श्राद्ध	30/12/18	अभोज्यार्कव्रत	12/02/19	रतिकाम महोत्सव	21/03/19
सुरूपद्वादशी	02/01/19	भीमाष्टमी	13/02/19	आम्रकलिका प्राशन	21/03/19
शनैश्चरी अमावस्या	05/01/19	नन्दिनीदेवी पूजन	14/02/19	छत्रपति शिवाजी जय.	23/03/19
पौषी/वकुला अमावस्या	05/01/19	भक्त पुण्डरीक उत्सव	16/02/19	रंग पंचमी	25/03/19
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	12/01/19	सन्तान द्वादशी	17/02/19	मेला नौचंदी प्रारम्भ(मेरठ)	25/03/19
लोहड़ी	13/01/19	माघस्नान समाप्ति	19/02/19	स्कन्द षष्ठी	26/03/19
खिचडी संक्रान्ति	14/01/19	सन्त रैदास जयन्ती	19/02/19	व्यष्टका श्राद्ध	27/03/19
पोंगल(द.भा.)	14/01/19	महाशिवरात्रि व्रत	04/03/19	मेला नौचंदी समाप्त(मेरठ)	27/03/19
बिहू (आसाम)	14/01/19	ब्रह्म पूजा	06/03/19	शीतला पूजा/बासोड़ा	28/03/19
माघी (हिमाचल)	14/01/19	रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	07/03/19	अष्टकाश्राद्ध	28/03/19
तिल संक्रान्ति	14/01/19	पुत्र गणपति व्रत	10/03/19	अन्वष्टका श्राद्ध	29/03/19
कूर्मद्वादशी	18/01/19	कामदा सप्तमी व्रत	13/03/19	भौम प्रदोष व्रत	02/04/19
माघस्नानारम्भ	21/01/19	होलाष्टक प्रारम्भ	14/03/19	रंग तेरस	03/04/19
सुभाष जय.	23/01/19	सीता पूजन	14/03/19	चैती अमावस्या	05/04/19
गाणतन्त्र दिवस	26/01/19	दुर्गाष्टमी	14/03/19	मेला पेहवा	05/04/19
तिलद्वादशी	01/02/19	फल्गु दशमी	16/03/19	विक्रम संवत् समाप्ति	05/04/19

विक्रम संवत् 2075 (ई०सन् 2018-19) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

विनायक चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	21/03/18
वैशाख	शुक्ल	19/04/18
अ.ज्येष्ठ	शुक्ल	18/05/18
शु. ज्येष्ठ	शुक्ल	17/06/18
आषाढ	शुक्ल	16/07/18
श्रावण	शुक्ल	14/08/18
भाद्रपद	शुक्ल	13/09/18
आश्विन	शुक्ल	12/10/18
कार्तिक	शुक्ल	11/11/18
मार्गशीर्ष	शुक्ल	11/12/18
पौष	शुक्ल	10/01/19
माघ	शुक्ल	08/02/19
फाल्गुन	शुक्ल	10/03/19

संकष्ट चतुर्थी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	03/04/18
शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	03/05/18
अ.ज्येष्ठ	कृष्ण	02/06/18
आषाढ	कृष्ण	01/07/18
श्रावण	कृष्ण	31/07/18
भाद्रपद	कृष्ण	30/08/18
आश्विन	कृष्ण	28/09/18
कार्तिक	कृष्ण	27/10/18
मार्गशीर्ष	कृष्ण	26/11/18
पौष	कृष्ण	25/12/18
माघ	कृष्ण	24/01/19
फाल्गुन	कृष्ण	22/02/19
चैत्र	कृष्ण	24/03/19

दुर्गाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	25/03/18
वैशाख	शुक्ल	23/04/18
अ.ज्येष्ठ	शुक्ल	22/05/18
शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	20/06/18
आषाढ	शुक्ल	20/07/18
श्रावण	शुक्ल	18/08/18
भाद्रपद	शुक्ल	17/09/18
आश्विन	शुक्ल	17/10/18
कार्तिक	शुक्ल	15/11/18
मार्गशीर्ष	शुक्ल	15/12/18
पौष	शुक्ल	14/01/19
माघ	शुक्ल	13/02/19
फाल्गुन	शुक्ल	14/03/19

कालाष्टमी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	08/04/18
शु. ज्येष्ठ	कृष्ण	07/05/18
अ.ज्येष्ठ	शुक्ल	06/06/18
आषाढ	कृष्ण	06/07/18
श्रावण	कृष्ण	04/08/18
भाद्रपद	कृष्ण	02/09/18
आश्विन	कृष्ण	02/10/18
कार्तिक	कृष्ण	31/10/18
मार्गशीर्ष	कृष्ण	29/11/18
पौष	कृष्ण	29/12/18
माघ	कृष्ण	27/01/19
फाल्गुन	कृष्ण	26/02/19
चैत्र	कृष्ण	27/03/19

मास शिवरात्रि व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	14/04/18
शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	14/05/18
अ.ज्येष्ठ	कृष्ण	12/06/18
आषाढ	कृष्ण	11/07/18
श्रावण	कृष्ण	09/08/18
भाद्रपद	कृष्ण	08/09/18
आश्विन	कृष्ण	07/10/18
कार्तिक	कृष्ण	06/11/18
मार्गशीर्ष	कृष्ण	05/12/18
पौष	कृष्ण	04/01/19
माघ	कृष्ण	02/02/19
फाल्गुन	कृष्ण	04/03/19
चैत्र	कृष्ण	03/04/19

एकादशी व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	27/03/18
वैशाख	कृष्ण	12/04/18
वैशाख	शुक्ल	26/04/18

विक्रम संवत् 2075 (ई०सन् 2018-19) के प्रमुख व्रत, पर्व एवं उत्सव

मास	पक्ष	दिनांक
शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	11/05/18
अ.ज्येष्ठ	शुक्ल	25/05/18
अ.ज्येष्ठ	कृष्ण	10/06/18
शु.ज्येष्ठ	शुक्ल(स्मा.वै)	23/06/18
आषाढ	कृष्ण	09/07/18
आषाढ	शुक्ल	23/07/18
श्रावण	कृष्ण(स्मा)	07/08/18
श्रावण	शुक्ल	22/08/18
भाद्रपद	कृष्ण	06/09/18
भाद्रपद	शुक्ल	20/09/18
आश्विन	कृष्ण	05/10/18
आश्विन	शुक्ल	20/10/18
कार्तिक	कृष्ण(स्मा.)	03/11218
कार्तिक	शुक्ल	19/11/18
मार्गशीर्ष	कृष्ण	03/12/18
मार्गशीर्ष	शुक्ल	19/12/18
पौष	कृष्ण	01/01/19
पौष	शुक्ल	17/01/19
माघ	कृष्ण	31/01/19
माघ	शुक्ल	16/02/19
फाल्गुन	कृष्ण	02/03/19
फाल्गुन	शुक्ल	17/03/19
चैत्र	कृष्ण9स्मा.)	31/03/19

प्रदोष व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	26/03/18

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	कृष्ण	13/04/18
वैशाख	शुक्ल	27/04/18
शु. ज्येष्ठ	कृष्ण	13/05/18
अ.ज्येष्ठ	शुक्ल	26/05/18
अ. ज्येष्ठ	कृष्ण	11/06/18
शु. ज्येष्ठ	शुक्ल	25/06/18
आषाढ	कृष्ण	10/07/18
आषाढ	शुक्ल	25/07/18
श्रावण	कृष्ण	09/08/18
श्रावण	शुक्ल	23/08/18
भाद्रपद	कृष्ण	07/09/18
भाद्रपद	शुक्ल	22/09/18
आश्विन	कृष्ण	06/10/18
आश्विन	शुक्ल	22/10/18
कार्तिक	कृष्ण	05/11/18
कार्तिक	शुक्ल	20/11/18
मार्गशीर्ष	कृष्ण	04/12/18
मार्गशीर्ष	शुक्ल	20/12/18
पौष	कृष्ण	03/01/19
पौष	शुक्ल	18/01/19
माघ	कृष्ण	02/02/19
माघ	शुक्ल	17/02/19
फाल्गुन	कृष्ण	03/03/19
फाल्गुन	शुक्ल	18/03/19
चैत्र	कृष्ण	02/04/19

पूर्णिमा व्रत

मास	पक्ष	दिनांक
चैत्र	शुक्ल	30/03/18

मास	पक्ष	दिनांक
वैशाख	शुक्ल	29/04/18
अ.ज्येष्ठ	शुक्ल	29/05/18
शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	27/06/18
आषाढ	शुक्ल	27/07/18
श्रावण	शुक्ल	25/08/18
भाद्रपद	शुक्ल	24/09/18
आश्विन	शुक्ल	24/10/18
कार्तिक	शुक्ल	22/11/18
मार्गशीर्ष	शुक्ल	22/12/18
पौष	शुक्ल	20/01/19
माघ	शुक्ल	19/02/19
फाल्गुन	शुक्ल	20/03/19

सूर्यसंक्रान्ति पुण्यकाल

राशि	दिनांक	समय
मेष	14/04/18	12:09 तक
वृष	15/05/18	11:26 तक
मिथुन	15/06/18	11:38 से
कर्क	16/07/18	मध्याह्न से
सिंह	17/08/18	13:18 तक
कन्या	17/09/18	13:17 तक
तुला	17/10/18	12:30 से
वृश्चिक	16/11/18	मध्याह्न से
धनु	16/12/18	15:40 तक
मकर	14/01/19	मध्याह्न से
कुम्भ	13/02/19	08:58 तक
मीन	15/03/19	मध्याह्न तक

सर्वार्थ सिद्धि योग

दिनाङ्क	समय	
18 मार्च	20:25	तक
20 मार्च	19:59	तक
21 मार्च	19:15	से
26 मार्च	12:57	से
04 अप्रैल	07:29	से
05 अप्रैल	09:16	तक
08 अप्रैल	17:37	से
09 अप्रैल	20:46	से
15 अप्रैल	28:38	से
17 अप्रैल	26:17	से
18 अप्रैल	सम्पूर्ण	
22 अप्रैल	18:15	से
23 अप्रैल	16:59	तक
24 अप्रैल	15:56	तक
02 मई	17:28	तक
06 मई	28:36	तक
07 मई	सम्पूर्ण	
13 मई	13:41	से
15 मई	10:59	से
16 मई	सम्पूर्ण	
18 मई	26:17	से
20 मई	22:32	तक
26 मई	20:25	से
28 मई	22:52	से
03 जून	11:53	तक
04 जून	15:02	तक
08 जून	23:30	से
10 जून	22:57	तक
12 जून	19:21	तक
13 जून	सम्पूर्ण	
15 जून	11:19	से
17 जून	06:20	तक
20 जून	24:52	से
23 जून	26:54	तक
25 जून	सम्पूर्ण	
30 जून	18:23	से
06 जुलाई	06:55	से
08 जुलाई	07:41	तक
11 जुलाई	25:02	तक
12 जुलाई	22:03	से
13 जुलाई	19:01	तक
18 जुलाई	08:18	से
21 जुलाई	09:03	तक
23 जुलाई	12:52	तक
27 जुलाई	24:32	से
28 जुलाई	27:36	तक
02 अगस्त	13:19	से
03 अगस्त	14:35	तक
06 अगस्त	14:18	से
08 अगस्त	10:51	तक
09 अगस्त	08:26	से
10 अगस्त	05:45	तक
15 अगस्त	16:01	तक
24 अगस्त	06:51	से
25 अगस्त	09:51	तक
28 अगस्त	17:13	से
30 अगस्त	सम्पूर्ण	
31 अगस्त	21:04	तक
03 सितम्बर	सम्पूर्ण	
06 सितम्बर	सम्पूर्ण	
14 सितम्बर	24:52	से
21 सितम्बर	16:52	तक
25 सितम्बर	25:18	तक
27 सितम्बर	26:43	तक
29 सितम्बर	26:31	से
01 अक्टूबर	25:05	तक
04 अक्टूबर	20:57	तक
07 अक्टूबर	15:20	से
12 अक्टूबर	10:35	से
14 अक्तूबर	13:05	से
23 अक्टूबर	08:49	तक
25 अक्टूबर	09:27	तक
04 नवम्बर	सम्पूर्ण दिन	
08 नवम्बर	19:39	से
09 नवम्बर	20:19	तक
11 नवम्बर	23:40	तक
18 नवम्बर	16:42	से
20 नवम्बर	18:50	से
24 नवम्बर	15:13	तक
02 दिसम्बर	26:42	तक
05 दिसम्बर	27:13	से
06 दिसम्बर	28:13	तक
09 दिसम्बर	08:06	तक
16 दिसम्बर	27:35	तक
18 दिसम्बर	29:19	तक
19 दिसम्बर	28:52	से
24 दिसम्बर	18:23	से
25 दिसम्बर	15:55	से
30 दिसम्बर	08:20	तक
03 जनवरी	11:01	तक

06 जनवरी	17:38	से
07 जनवरी	20:28	से
13 जनवरी	11:09	तक
15 जनवरी	14:05	तक
16 जनवरी	14:21	से
21 जनवरी	26:37	तक
22 जनवरी	23:33	तक
30 जनवरी	16:31	तक
03 फरवरी	26:50	तक
04 फरवरी	29:56	तक
10 फरवरी	19:49	से
12 फरवरी	22:33	से
13 फरवरी	22:51	से
17 फरवरी	16:55	से
18 फरवरी	14:07	तक
19 फरवरी	11:05	तक
23 फरवरी	22:21	से
25 फरवरी	21:40	से
03 मार्च	09:02	तक
04 मार्च	12:12	तक
08 मार्च	23:25	से
10 मार्च	27:17	तक
12 मार्च	29:23	तक
13 मार्च	सम्पूर्ण	
15 मार्च	28:17	से
17 मार्च	24:36	तक
23 मार्च	09:04	से
25 मार्च	07:03	से
30 मार्च	15:36	से
05 अप्रैल	सम्पूर्ण दिन	

सिद्ध योग

दिनाँक	**समय**	
20 मार्च	17:04	तक
22 मार्च	14:00	तक
23 मार्च	12:09	तक
28 मार्च	23:25	तक
03 अप्रैल	16:31	तक
05 अप्रैल	18:47	तक
06 अप्रैल	20:51	तक
14 अप्रैल	09:16	से
17 अप्रैल	28:10	से
19 अप्रैल	23:14	से
20 अप्रैल	20:47	से
28 अप्रैल	07:14	से
02 मई	07:40	तक
08 मई	20:54	तक
10 मई	23:55	तक
11 मई	24:14	तक
16 मई	14:32	से
19 मई	05:27	तक
22 मई	20:18	तक
24 मई	18:06	तक
25 मई	17:37	तक
30 मई	21:15	से
02 जून	28:05	तक
06 जून	11:18	तक
12 जून	07:34	तक
16 जून	14:42	से
19 जून	29:00	से
21 जून	26:46	से
22 जून	26:48	से
26 जून	06-25	तक
28 जून	10-24	तक
29 जून	12-45	तक
04 जूलाई	24-22	से
07 जुलाई	25-27	तक
10 जुलाई	19-02	से
12 जुलाई	12-03	से
13 जुलाई	08:18 से28:33	तक
18 जुलाई	14-26	से
21 जुलाई	13-34	तक
24 जुलाई	18-24	से
26 जुलाई	गुरु 23-16	से
31 जुलाई	08-41	तक
02 अगस्त	11-39	तक
03 अगस्त	12-17	तक
08 अगस्त	26-37	तक
14 अगस्त	05-49	तक
18 अगस्त	25-13	से
22 अगस्त	07-46	से
25 अगस्त	15-19	तक
28 अगस्त	20-48	से
30 अगस्त	22-26	से
31 अगस्त	22-33	से
08 सितम्बर	06:02 से26:50	तक
11 सितम्बर	17-55	से
13 सितम्बर	14-39	से
14 सितम्बर	14-10	से
22 सितम्बर	30-03	से
26 सितम्बर	08-57	से
29 सितम्बर	08-07	तक
02 अक्तूबर	26-33	तक

04 अक्तूबर	गुरु 21-59	तक
05अक्तूबर	19-25	तक
10 अक्तूबर	07:25 से30:07	तक
16 अक्तूबर	10-12	से
18 अक्तूबर	15-30	से
19 अक्तूबर	18-04	से
27 अक्तूबर	18-45	से
31 अक्तूबर	11-11	तक
02 नवम्बर	29-11	से
10 नवम्बर	21-51	से
17 नवम्बर	11-58	तक
20 नवम्बर	14-51	से
22 नवम्बर	13-00	से
28 नवम्बर	20-46	से
01 दिसम्बर	15-12	तक
04 दिसम्बर	12-12	से
15 दिसम्बर	30-39	से
19 दिसम्बर	07:36 से30:24	तक
25 दिसम्बर	13-48	तक
27 दिसम्बर	08-04	तक
29 दिसम्बर	25-58	से
02 जनवरी	25-48	तक
08 जनवरी	11-49	से
10 जनवरी	17-17	से
11 जनवरी	19-55	से
19 जनवरी	17-44	से
22 जनवरी	27-30	से
24 जनवरी	20-43	से
25 जनवरी	18-06	से
02 फरवरी	21-15	से
06 फरवरी	सम्पूर्ण दिन	
09 फरवरी	12-27	तक
12 फरवरी	16-08	से
14 फरवरी	15-05	से
15 फरवरी	13-25	से
20 फरवरी	08-10	तक
26 फरवरी	28-35	तक
28 फरवरी	सम्पूर्ण	
01 मार्च	08-41	से
09 मार्च	27-20	से
13 मार्च	28-56	तक
19 मार्च	14-26	तक
21 मार्च	07-14	तक
23 मार्च	22-09	से
27 मार्च	20-34	तक
02 अप्रैल	08-41	से

सिद्धियोग

दिनाँक	नक्षत्र	समय
21 मार्च	कृत्तिका	19:15 से
30 मार्च	पू.फा.	07:30 तक
09 अप्रैल	श्रवण	20:46 से
18 अप्रैल	कृत्तिका	24:40 तक
07 मई	श्रवण	सम्पूर्ण दिन
16 मई	कृत्तिका	08:59 तक
26 मई	स्वाती	20:25 से
04 जून	श्रवण	15:02 तक
23 जून	स्वाती	26:54 तक
12 जुलाई	पुनर्वसु	22:03 से
21 जुलाई	स्वाती	09:03 तक
09 अगस्त	पुनर्वसु	08:26 से
28 अगस्त	उ.भा.	17:13 से
06 सितम्बर	पुनर्वसु	15:21 तक
16 सितम्बर	मूल	28:21 से
25 सितम्बर	उ.भा.	25:18 तक
14 अक्तूबर	मूल	13:05 से
23 अक्तूबर	उ.भा.	08:49 तक
11 नवम्बर	मूल	23:40 तक
30 नवम्बर	पू.फा.	28:02 तक
09 दिसम्बर	मूल	08:06 तक
19 दिसम्बर	कृत्तिका	28:52 से
28 दिसम्बर	पू.फा.	10:05 तक
07 जनवरी	श्रवण	20:28 से
16 जनवरी	कृत्तिका	14:21 से
04 फरवरी	श्रवण	29:56 तक
13 फरयरी	कृत्तिका	22:51 से
23 फरवरी	स्वाती	22:21 से
04 मार्च	श्रवण	12:12 तक
23 मार्च	स्वाती	09:04 से

रवि पुष्य योग

दिनाँक	समय
22 अप्रैल	18:15 से
20 मई	22:32 तक
17 जून	06:20 तक
17 फरवरी	16:55 से
17 मार्च	24:36 तक

गुरु पुष्य योग

दिनाँक	समय
06 सितम्बर	15:21 से
04 अक्तूबर	20:57 तक

अमृतयोग संवत् 2075 (2018-19)

दिनाँक	मास	वार	समय
25	मार्च	रवि	29/58 से
26	मार्च	सोम	27/48 तक
27	मार्च	मंगल	25/35 से
29	मार्च	गुरु	21/23 तक
30	मार्च	शुक्र	19/32 तक
09	अप्रैल	सोम	28/47 से
11	अप्रैल	बुध	06/45 से
17	अप्रैल	मंगल	05/51से
21	अप्रैल	शनि	18/26 तक
25	अप्रैल	बुध	10/47 से
29	अप्रैल	रवि	06/40 से
30	अप्रैल	सोम	06/30 तक
01	मई	मंगल	06/49 से
03	मई	गुरु	09/03 तक
04	मई	शुक्र	10/58 तक
05	मई	शनि	13/17 से
16	मई	बुध	14/32 तक
17	मई	गुरू	11/27 से
18	मई	शुक्र	08/23 से
19	मई	शनि	26/31 से
28	मई	सोम	18/33 से
30	मई	बुध	21/15 तक
31	मई	गुरु	23/12 से
01	जून	शुक्र	25/30 से
03	जून	रवि	सम्पूर्ण
04	जून	सोम	06/48 तक
दिनाँक	मास	वार	समय
05	जून	मंगल	09/15 से
07	जून	गुरु	12/44 तक
08	जून	शुक्र	13/24 तक
09	जून	शनि	13/10 से
17	जून	रवि	11/36 से
18	जून	सोम	08/54 तक
19	जून	मंगल	06/41से
23	जून	शनि	27/24 तक
02	जुलाई	सोम	20/19 से
04	जुलाई	बुध	24/22 तक
05	जुलाई	गुरु	25 /34 से
06	जुलाई	शुक्र	25/57 से
08	जुलाई	रवि	24/04तक
10	जुलाई	मंगल	19/02 तक
16	जुलाई	सोम	18/30 से
18	जुलाई	बुध	14/26 तक
19	जुलाई	गुरु	13/26 से
20	जुलाई	शुक्र	13/08 से
22	जुलाई	रवि	14/40 तक
24	जुलाई	मंगल	18/24 तक
28	जुलाई	शनि	28/20 तक
06	अगस्त	सोम	10/02 से
07	अगस्त	मंगल	29/15 से
09	अगस्त	गुरु	23/01 तक
10	अगस्त	शुक्र	19/14 तक
15	अगस्त	बुध	25/16 से
19	अगस्त	रवि	26/47 से
20	अगस्त	सोम	28/54 तक
22	अगस्त	बुध	07/46 तक
23	अगस्त	गुरु	10/21 से
24	अगस्त	शुक्र	12/55 से
26	अगस्त	रवि	17/29 तक
28	अगस्त	मंगल	20/48 तक
01	सितम्बर	शनि	22/06 तक
05	सितम्बर	बुध	15/10 से
11	सितम्बर	मंगल	17/55 तक
15	सितम्बर	शनि	14/31 तक
19	सितम्बर	बुध	22/38 से
24	सितम्बर	सोम	07/17 से
26	सितम्बर	बुध	08/57 तक
27	सितम्बर	गुरु	09/05 से
28	सितम्बर	शुक्र	08/48 से
30	सितम्बर	रवि	07/07 तक
10	अक्तूबर	बुध	07/25 तक
11	अक्तूबर	गुरु	28/47 तक
12	अक्तूबर	शुक्र	28/50 तक
13	अक्तूबर	शनि	29/41 से
16	अक्तूबर	मंगल	10/12 तक
20	अक्तूबर	शनि	20/14 तक
28	अक्तूबर	रवि	16/58 से
29	अक्तूबर	सोम	15/06 तक
30	अक्तूबर	मंगल	13/09 से
01	नवम्बर	गुरु	09/11 तक
02	नवम्बर	शुक्र	07/10 तक
03	नवम्बर	शनि	27/10 तक
11	नवम्बर	रवि	23/21 से
12	नवम्बर	सोम	25/26 तक
13	नवम्बर	मंगल	28/00 से
15	नवम्बर	गुरु	07/00 से
16	नवम्बर	शुक्र	09/40 से
18	नवम्बर	रवि	13/41 तक
20	नवम्बर	मंगल	14/51 तक
24	नवम्बर	शनि	09/01 तक
26	नवम्बर	सोम	25/34 से
28	नवम्बर	बुध	20/46 तक
29	नवम्बर	गुरु	18/41 से
30	नवम्बर	शुक्र	16/49 से
02	दिसम्बर	रवि	13/53 तक
04	दिसम्बर	मंगल	12/12 तक
08	दिसम्बर	शनि	13/55 तक
12	दिसम्बर	बुध	22/55 से
17	दिसम्बर	सोम	07/30 से
19	दिसम्बर	बुध	07/36 तक
20	दिसम्बर	गुरु	29/15 तक
21	दिसम्बर	शुक्र	26/37 तक
30	दिसम्बर	रवि	25/07 से
31	दिसम्बर	सोम	24/48 तक
01	जनवरी	मंगल	25/03 से
03	जनवरी	गुरु	27/02 तक
04	जनवरी	शुक्र	28/41 तक
08	जनवरी	मंगल	11/49 तक
12	जनवरी	शनि	22/14 तक
16	जनवरी	बुध	24/35 से
20	जनवरी	रवि	14/23 से
21	जनवरी	सोम	10/46 तक
22	जनवरी	मंगल	27/30 तक

26	जनवरी	शनि	16/05 तक	10	मार्च	रवि	28/29 से
30	जनवरी	बुध	15/24 से	11	मार्च	सोम	29/11 तक
05	फरवरी	मंगल	29/11 से	12	मार्च	मंगल	29/21 से
07	फरवरी	गुरु	07/48 से	14	मार्च	गुरु	27/54 तक
08	फरवरी	शुक्र	10/15 से	15	मार्च	शुक्र	26/14 तक
10	फरवरी	रवि	14/15 तक	16	मार्च	शनि	23/58 से
12	फरवरी	मंगल	16/08 तक	24	मार्च	रवि	20/27 से
16	फरवरी	शनि	11/04 तक	25	मार्च	सोम	19/37 तक
18	फरवरी	सोम	25/30 से	26	मार्च	मंगल	19/39 से
20	फरवरी	बुध	17/37 तक	28	मार्च	गुरु	22/14 तक
21	फरवरी	गुरु	13/59 से	29	मार्च	शुक्र	24/32 तक
22	फरवरी	शुक्र	10/47 से	30	मार्च	शनि	27/14 से
23	फरवरी	शनि	30/16 से	02	अप्रैल	मंगल	08/41तक

सायन सूर्य संक्रमण सम्वत् 2075
(सन् 2018-19)

दिनांक	राशि	समय
20/03/2018	मेष	21:15
20/04/2018	वृष	09:01
21/05/2018	मिथुन	08:06
21/06/2018	कर्क	16:00
22/07/2018	सिंह	26:55
23/08/2018	कन्या	10:03
23/09/2018	तुला	07:47
23/10/2018	वृश्चिक	17:15
22/11/2018	धनु	14:52
21/12/2018	मकर	28:15
20/01/2019	कुम्भ	14:55
18/02/2019	मीन	28:59
20/03/2019	मेष	27:52

-श्रीनवग्रहस्तोत्रम्-

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महाद्युतिम्।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्।
नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च मुनीनां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।
सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।
इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशनम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।

विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, चैत्र शुक्ल पक्ष (दिनांक 18 मार्च से 31मार्च 2018 ई. तक)

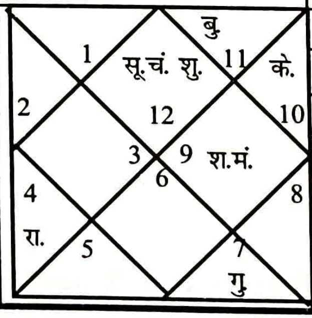
 'विरोधकृत् 'संवत्सर, उत्तरायण, याम्य/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2538 अयनांश 24/05/40

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	रवि	30	38	18	47	उ.भा.	34	44	20	25	शुक्ल	32	31	किंस्तु.	00	47	06	32	18	27	29	48	29	29	मीन	05	18मार्च	नववर्षारम्भ,कल्पादि,वसन्तनवरात्रारम्भA
02	सोम	29	06	18	09	रेवती	34	48	20	25	ब्रह्म	28	24	कौलव	29	06	06	31	18	28	29	52	29	11	मेष20:25	06	19	चन्द्रदर्शन, पंचक समाप्ति 20:25,सिन्धारा
03	मंगल	26	27	17	04	अश्विनी	33	45	19	59	ऐन्द्र	23	25	गर	26	27	06	29	18	28	29	57	28	52	मेष	07	20	भद्रा 10:15 से, मत्स्यजयन्ती, गणगौरीB
04	बुध	23	00	15	40	भरणी	31	57	19	15	वैधृति	17	48	विष्टि	23	00	06	28	18	29	30	01	28	33	वृष25:00	08	21	भद्रा 15:40 तक,विनायकचतुर्थीC
05	गुरु	18	53	14	00	कृत्तिका	29	29	18	14	विष्कुम्भ	11	39	बालव	18	53	06	27	18	29	30	05	28	15	वृष	09	22	श्रीपंचमी, श्वेतवाराहकल्पादि,रामराज्यमहोत्सव
06	शुक्र	14	17	12	09	रोहिणी	26	35	17	04	प्रीति आयुष्मान	05 58	08 22	तैतिल	14	17	06	26	18	30	30	10	27	56	मिथुन28:25	10	23	स्कन्दषष्ठी, सूर्य षष्ठीव्रत (विहार), महासप्तमी, वासन्तीदुर्गापूजारम्भ,D
07	शनि	09	23	10	10	मृगसिरा	23	25	15	46	सौभाग्य	51	33	वणिज	09	23	06	25	18	30	30	14	27	37	मिथुन	11	24	भद्रा 10:10 से 21:07तक,भवानीयात्रा E
08 09	रवि	04 58	13 57	08 29	05 59	आर्द्रा	19	59	14	23	शोभन	44	16	बव बालव	04 31	13 35	06	24	18	31	30	18	27	18	मिथुन	12	25	दुर्गाष्टमी,रामनवमी,नवरात्रसमाप्त,नवमी होमादि, राजेश्वरी मेला, सिद्धिदात्री F
10	सोम	53	36	27	48	पुनर्वसु	16	29	12	57	अतिगण्ड	37	01	तैतिल	26	16	06	22	18	32	30	23	26	59	कर्क07:18	13	26	नवरात्र पारणा,धर्मराजदशमी,देवीविसर्जन भद्रा
11	मंगल	48	04	25	35	पुष्य	12	52	11	30	सुकर्मा	29	41	वणिज	20	50	06	21	18	32	30	27	26	40	कर्क	14	27	14:41 से 25:35तक,कामदा G
12	बुध	42	43	23	25	आश्लेषा	09	20	10	04	धृति	22	28	बव	15	23	06	20	18	33	30	31	26	21	सिंह10:04	15	28	वामनद्वादशी, अनन्तपूजा, दमनोत्सव, H
13	गुरु	37	40	21	23	मघा	06	00	08	42	शूल	15	29	कौलव	10	12	06	19	18	33	30	35	26	02	सिंह	16	29	अनंगत्रयोदशी,प्रदोषव्रत,श्रीमहावीरजयन्ती(जैन)
14	शुक्र	33	08	19	32	पू.फा.	03	02	07	30	गण्ड	08	50	गर	05	24	06	18	18	34	30	40	25	43	कन्या13:16	17	30	भद्रा 19:32 से, शैवचतुर्दशी, पूर्णिमाव्रत I
15	शनि	29	24	18	02	उ.फा. हस्त	00 59	44 22	06 30	34 02	वृद्धि ध्रुव	02 57	46 29	विष्टि	01	16	06	17	18	34	30	44	25	24	कन्या	18	31	भद्रा 06:47 तक, स्नानदानादिपूर्णिमा, सत्यनारायणव्रत,हनुमानजयन्ती(दक्षिणभारत)J

A वि.सं.2075प्रारम्भ,घटस्थापन,गुडी परवा।रामायण नवाह्न पारायण प्रारम्भ **B** तृतीया, स्वायम्भुवमन्वादि:, शिवदोलोत्सव:,सौभाग्यगौरीव्रतम् **C** दमनकचतुर्थी। **D** कालरात्रि सप्तमी, यमुना छठ। **E** अशोकाष्टमी,अन्नपूर्णापरिक्रमा प्रारम्भ,महानिशा पूजा, अन्नपूर्णा पूजा**F** नवमी, औली जैन प्रारम्भ, रामायणनवाह्न समाप्त मेला बाहुफोर्ट (जम्मू), मेला मनसा देवी प्रारम्भ, तारा जयन्ती। **G** कामदाएकादशी व्रत (समस्त),विष्णुदोलोत्सव **H** मदन द्वादशी**I**नृसिंहदोलोत्सव, गुड फ्राइडे(ईसाई) **J** वैशाखस्नान प्रारम्भ, औलीजैन समाप्त, मन्वादि 15 सिद्धाचलयात्रा। **वर्षादिकृत्य** परिभद्रस्य पत्राणि कोमलानि विशेषत:। सुपुष्पाणि समानीय चूर्ण कृत्वा विधानत:।मरीचिर्लवणं हिंगुजीरकेण च संयुतम्। अजमोदयुतं कृत्वा भक्षयेद् रोगशान्तये।**रामनवमी** अशोककुसुमैर्युक्तंमर्घ्य दद्याद्विचक्षण:। दशाननवधार्थाय धर्मसंस्थापनाय च।।परित्राणाय साधूनां जातो रामः स्वयं हरि:।।

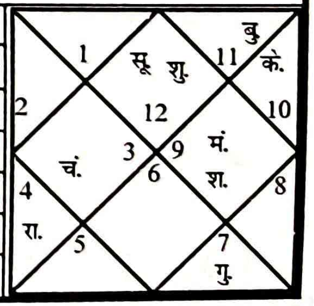
चैत्र शुक्ल 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.03.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	11	08	10	06	11	08	03	09
अं.	03	09	06	21	28	19	14	18	18
क.	16	10	05	46	54	38	12	44	44
वि.	24	47	11	14	51	32	06	45	45
गति	59	775	34	44	व01	74	03	व03	व03
	43	45	25	24	36	22	00	11	11



चैत्र शुक्ल 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.03.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	02	08	10	06	11	08	03	09
अं.	10	15	10	22	28	28	14	18	18
क.	13	19	03	38	38	17	30	22	22
वि.	18	41	32	14	36	58	34	31	31
गति	59	847	33	वा12	व02	74	02	व03	व03
	29	18	47	24	52	09	22	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, वैशाख कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 अप्रैल से 16 अप्रैल 2018 ई. तक)

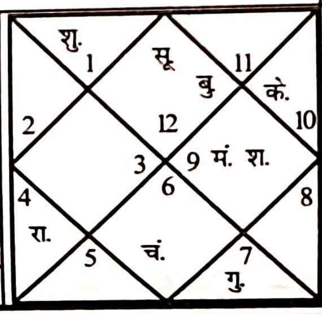
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2552, अयनांश 24/05/42

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	रवि	26	46	16	58	चित्रा	57	54	29	25	व्याघात	52	04	कौलव	26	46	06	15	18	35	30	48	25	06	तुला17:43	19	01अप्रैल	प्रपाकार्य,घटदान,कच्छपावतार,विष्णुपूजाA
02	सोम	25	31	16	26	स्वाती	58	57	29	49	हर्षण	48	49	गर	25	31	06	14	18	35	30	52	24	47	तुला	20	02	भद्रा 28:28 से
03	मंगल	25	47	16	31	विशाखा	60	00	-	-	वज्र	46	50	विष्टि	25	47	06	13	18	36	30	57	24	29	वृश्चि25:04	21	03	भद्रा 16:31तक,संकटचतुर्थीव्रत B
04	बुध	27	48	17	19	विशाखा	03	14	07	29	सिद्धि	46	18	बालव	27	48	06	12	18	36	31	01	24	11	वृश्चिक	22	04	अनुसूया जयन्ती,
05	गुरु	31	31	18	47	अनुराधा	07	43	09	16	व्यतीपात	47	04	तैतिल	31	31	06	11	18	37	31	05	23	53	वृश्चिक	23	05	गुरु तेग बहादुर जयन्ती
06	शुक्र	36	43	20	51	ज्येष्ठा	13	42	11	38	वरीयान	48	54	गर	04	07	06	10	18	38	31	09	23	35	धनु11:38	24	06	भद्रा 20:51 से, कोकिलाषष्ठी, शर्कराषष्ठी
07	शनि	43	04	23	22	मूल	20	54	14	30	परिघ	51	33	विष्टि	09	54	06	08	18	38	31	14	23	18	धनु	25	07	भद्रा 10:06 तक, शर्करा सप्तमी
08	रवि	49	58	26	06	पू.षा.	28	46	17	37	शिव	54	31	बालव	16	31	06	07	18	39	31	18	23	00	मकर24:24	26	08	शीतलाष्टमी,कालाष्टमी, अष्टमी व्रत
09	सोम	56	42	28	47	उ.षा.	36	40	20	46	सिद्ध	57	16	तैतिल	23	20	06	06	18	39	31	22	22	44	मकर	27	09	
10	मंगल	60	00	-	-	श्रवण	43	54	23	39	साध्य	59	16	वणिज	29	12	06	05	18	40	31	26	22	27	मकर	28	10	भद्रा 17:46 से
10	बुध	01	42	06	45	धनिष्ठा	49	56	26	02	शुभ	59	10	विष्टि	01	42	06	04	18	40	31	30	22	11	कुम्भ12:50	29	11	भद्रा 06:45 तक, पंचकप्रारम्भ 12:50 से
11	गुरु	05	36	08	17	शतभिषा	54	21	27	47	शुक्ल	58	22	बालव	05	36	06	03	18	41	31	34	21	55	कुम्भ	30	12	वरुथिनी एकादशी व्रत (समस्त)D
12	शुक्र	07	47	09	08	पू.भा.	56	54	28	47	ब्रह्म	57	30	तैतिल	07	47	06	02	18	41	31	38	21	39	मीन22:33	31	13	सोमप्रदोषव्रत
13	शनि	08	09	09	16	उ.भा.	57	38	29	04	ऐन्द्र	53	56	वणिज	08	09	06	01	18	42	31	42	21	24	मीन	01	14	भद्रा 09:16 से 20:59 तक, वैशाखी, सूर्यG
14	रवि	06	45	08	42	रेवती	56	37	28	38	वैधृति	48	57	शकुनि	06	45	06	00	18	43	31	46	21	09	मेष 28:38	02	15	पंचकसमाप्ति 28:38, श्राद्ध अमावस
30	सोम	03	50	07	30	अश्विनी	54	15	27	40	विष्कुम्भ	42	53	नाग	03	50	05	59	18	43	31	51	20	55	मेष	03	16	सोमवती अमावस्या स्नानादि, मेलापिंजोर (हरियाणा), गुरु अंगददेव जयन्ती
01		59	41	29	51																							

A ईस्टर सन्डे(ईसाई), हजरत अली जन्मदिन(मुस्लिम), **B** चन्द्रोदय 21:29 **D** वल्लभाचार्य जयन्ती **G** मेष में, सौर मेषसंकान्ति, संकान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से 12:09 तक, बहाग विहू (आसाम) मासशिवरात्रि, आर्यभट जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती। **वैशाखे कर्त्तव्यविचार** - तीर्थे चानुदिनं स्नानं तिलैश्च पितृतर्पणम्। दानं धर्मघटादीनां मधुसूदनपूजनम्। माधवे मासि कुर्वीत मधुसूदनतुष्टिदम्।। **वैशाखे त्याज्यवस्तूनि**- कांस्यं मांसं मसूरान्नं चणकं कोद्रवन्तथा। शाकं मधु परान्नं च पुनर्भोजनमैथुने।। **वैशाखे दानमाहात्म्यम्**- ददाति यो हि मेषादौ सक्तूनम्बुघटान्वितान्। पितृनुद्दिश्य विप्रेभ्यः सर्वपापैः प्रमुच्यते।।

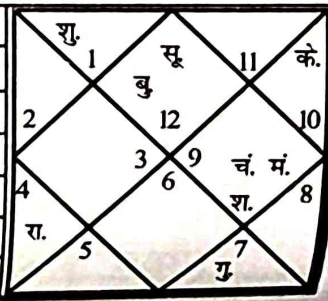
वैशाख कृष्ण 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.04.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	05	08	11	06	00	08	03	09
अं.	17	23	13	18	28	06	14	18	18
क.	08	28	56	24	13	55	44	00	00
वि.	15	50	55	56	35	29	48	17	17
गति	59	819	33	व48	व04	73	01	व03	व03
	14	41	04	21	03	55	41	11	11



वैशाख कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.04.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	08	08	11	06	00	08	03	09
अं.	24	20	17	13	27	15	14	17	17
क.	01	59	44	00	40	31	54	38	38
वि.	43	37	44	50	43	33	02	02	02
गति	59	709	32	व38	व05	73	01	व03	व03
	00	56	11	55	10	40	01	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, वैशाख शुक्ल पक्ष (दिनांक 17 अप्रैल से 30 अप्रैल 2018 ई. तक)

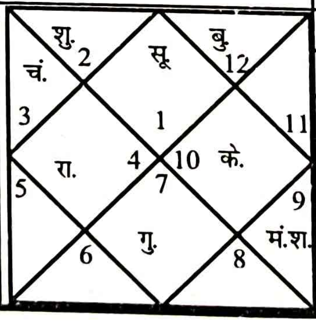
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त/ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2568, अयनांश 24/05/44

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	विनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	मंगल	55	31	28	10	भरणी	50	49	26	17	प्रीति	35	58	बालव	27	36	05	58	18	44	31	55	20	41	मेष	04	17अप्रैल	घटादिदान, चन्द्रदर्शन,
3	बुध	49	30	25	44	कृत्तिका	46	49	24	40	आयुष्मान	28	33	तैतिल	22	31	05	57	18	44	31	59	20	27	वृष07:53	05	18	परशुराम जयन्ती, अक्षयतृतीया, शिवाजीA
4	गुरु	43	16	23	14	रोहिणी	42	32	22	56	सौभाग्य	20	53	वणिज	16	23	05	56	18	45	32	03	20	14	वृष	06	19	भद्रा 12:29से 23:14 तक ,नाग चतुर्थी U
5	शुक्र	37	11	20	47	मृगसिरा	38	22	21	15	शोभन	13	13	बव	10	14	05	55	18	45	32	06	20	02	मिथुन10:05	07	20	आदिगुरुशंकराचार्यजयन्ती, सूरदास जयन्ती
6	शनि	31	21	18	26	आर्द्रा	34	27	19	40	अतिगण्ड	05	41	कौलव	04	16	05	54	18	46	32	10	19	49	मिथुन	08	21	श्रीरामानुजाचार्यजयन्ती,चन्दन षष्ठी
											सुकर्मा	58	26															
7	रवि	25	56	16	15	पुनर्वसु	30	56	18	15	धृति	51	05	वणिज	25	56	05	53	18	47	32	14	19	38	कर्क12:36	09	22	गंगोत्पत्ति, भद्रा 16:15 से 27:14 तक B
8	सोम	20	56	14	14	पुष्य	27	50	16	59	शूल	44	26	बब	20	56	05	52	18	47	32	18	19	27	कर्क	10	23	दुर्गाष्टमी, अष्टमी व्रत, चण्डिकादेवीपूजा,
9	मंगल	16	25	12	25	आश्लेषा	25	14	15	56	गण्ड	38	14	कौलव	16	25	05	51	18	48	32	22	19	16	सिंह15:56	11	24	अपराजितादेवी पूजा, सीता नवमी, जानकी C
10	बुध	12	23	10	47	मघा	23	06	15	04	वृद्धि	32	25	गर	12	23	05	50	18	48	32	26	19	06	सिंह	12	25	भद्रा 22:03 से
11	गुरु	08	50	09	20	पू.फा.	21	28	14	24	ध्रुव	27	00	विष्टि	08	50	05	49	18	49	32	30	18	56	कन्या20:18	13	26	भद्रा 09:20 तक, मोहिनी एकादशी व्रत D
12	शुक्र	05	53	08	09	उ.फा.	20	27	13	59	व्याघात	22	07	बालव	05	53	05	48	18	50	32	33	18	47	कन्या	14	27	परशुरामद्वादशी,रुक्मिणीद्वादशी(बंग)प्रदोषव्रत E
13	शनि	03	39	07	14	हस्त	20	10	13	51	हर्षण	17	49	तैतिल	03	39	05	47	18	50	32	37	18	38	तुला25:57	15	28	छिन्नमस्ता जयन्ती, नृसिंह जयन्ती,
14	रवि	02	15	06	40	चित्रा	20	44	14	04	वज्र	14	14	वणिज	02	15	05	46	18	51	32	41	18	30	तुला	16	29	भद्रा 06:40से18:35 तक , पूर्णिमाव्रत, H
15	सोम	01	53	06	30	स्वाती	22	22	14	42	सिदि्ध	11	30	बब	01	53	05	45	18	51	32	44	18	23	तुला	17	30	महावैशाखी,नारद जयन्ती,स्नानदानादि पूर्णिमाF

A जयन्ती, त्रेतायुगादि, मन्वादि, कल्पादि,मातंगी जयन्ती, बगलामुखी जयन्ती, लक्ष्मीनारायणपूजा, गौरी पूजा, समुद्र स्नान, सत्तू भोजन, काशी में त्रिलोचन यात्रा, बदरी केदार यात्रा प्रारम्भ। **U** गणेश चतुर्थी, विनायक चतुर्थी व्रत **B** गंगा सप्तमी **C** जयन्ती, **D** (समस्त) **E** मधुसूदन द्वादशी, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती,सत्यव्रत, गुरु अमरदास जयन्ती **F** बुद्धजयन्ती, कूर्मजयन्ती, बुद्धपूर्णिमा, सम्पद्गौरीव्रत, वैशाख स्नान समाप्त। **गंगोत्पत्तिः**-वैशाखे शुक्लसप्तम्यां जह्नुना जाह्नवी पुरा। क्रोधात्पीता पुनस्त्यक्त्वा कर्णरन्ध्रात्तु दक्षिणात्। तां तत्र पूजयेद्देवीं गंगां गगनमेखलाम्।। **नृसिंह जयन्ती** - वैशाखस्य चतुर्दश्यां सोमवारेऽनिलर्क्षके, अवतारो नृसिंहस्य प्रदोषस्य समये द्विजाः। स्वातीनक्षत्रयोगे च शनिवारे तु महद्व्रतम्। सिदि्धयोगस्य संयोगे वणिजे करणे तथा।।

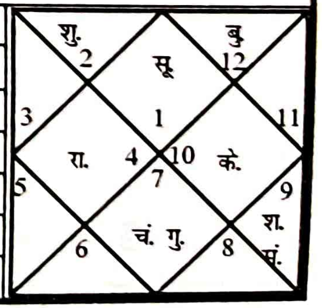
वैशाख शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.04.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	02	08	11	06	01	08	03	09
अं.	07	26	24	12	26	02	14	16	16
क.	43	00	59	24	15	38	58	53	53
वि.	43	13	08	17	11	30	06	34	34
गति	58	892	29	28	व06	73	व00	व03	व03
	32	53	56	45	50	10	22	11	11



वैशाख शुक्ल 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.04.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	06	08	11	06	01	08	03	09
अं.	14	02	28	17	25	11	14	16	16
क.	32	04	23	32	25	09	52	31	31
वि.	25	42	02	44	12	12	56	19	19
गति	58	796	28	54	व07	72	व01	व03	व03
	20	20	30	37	20	52	01	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, शुद्ध ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 01 मई से 15 मई 2018 ई. तक)

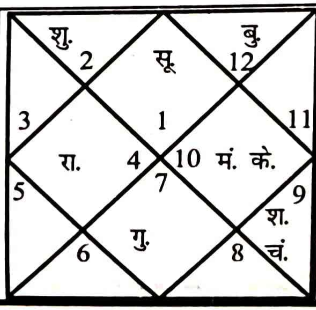
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2582, अयनांश 24/05/46

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	02	43	06	49	विशाखा	25	13	15	50	व्यतीपात	09	45	कौलव	02	43	05	45	18	52	32	48	18	16	वृश्चि09:33	18	01मई	श्रमिक दिवस
2	बुध	04	51	07	40	अनुराधा	29	22	17	28	वरीयान	09	01	गर	04	51	05	44	18	53	32	52	18	10	वृश्चिक	19	02	भद्रा 20:21 से
3	गुरु	08	21	09	03	ज्येष्ठा	34	50	19	39	परिघ	09	20	विष्टि	08	21	05	43	18	53	32	55	18	04	धनु19:39	20	03	भद्रा 09:03 तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत A
4	शुक्र	13	09	10	58	मूल	41	33	22	19	शिव	10	40	बालव	13	09	05	42	18	54	32	59	17	58	धनु	21	04	मां आनन्दमयी जयन्ती
5	शनि	19	01	13	17	पू.षा.	49	10	25	21	सिद्ध	12	49	तैतिल	19	01	05	41	18	54	33	02	17	54	धनु	22	05	
6	रवि	25	34	15	54	उ.षा.	57	20	28	36	साध्य	15	29	वणिज	25	34	05	41	18	55	33	05	17	50	मकर08:10	23	06	भद्रा 15:54 से 29:12 तक B
7	सोम	32	06	18	30	श्रवण	60	00	-	-	शुभ	18	12	बव	32	06	05	40	18	56	33	09	17	46	मकर	24	07	भानुसप्तमी,चण्डिकादेवीपूजा, C
8	मंगल	38	07	20	54	श्रवण	04	59	07	39	शुक्ल	20	32	बालव	05	07	05	39	18	56	33	12	17	43	कुम्भ20:36	25	08	पंचकप्रारम्भ20:36से,शीतलाष्टमी,त्रिलोचन8
9	बुध	42	51	22	47	धनिष्ठा	11	36	10	17	ब्रहम	22	00	तैतिल	10	29	05	38	18	57	33	15	17	41	कुम्भ	26	09	
10	गुरु	45	44	23	55	शतभिषा	16	41	12	18	ऐन्द्र	22	08	वणिज	14	17	05	38	18	57	33	19	17	39	कुम्भ	27	10	भद्रा 11:21 से 23:55 तक
11	शुक्र	46	32	24	14	पू.भा.	19	56	13	35	वैधृति	20	45	बब	16	08	05	37	18	58	33	22	17	38	मीन07:16	28	11	अपरा एकादशी व्रत (समस्त), D
12	शनि	45	04	23	38	उ.भा.	21	05	14	02	विष्कुम्भ	17	38	कौलव	15	48	05	37	18	59	33	25	17	37	मीन	29	12	
13	रवि	41	34	22	13	रेवती	20	14	13	41	प्रीति	12	55	गर	13	19	05	36	18	59	33	28	17	37	मेष13:41	30	13	पंचकसमाप्ति 13:41पर, भद्रा 22:13से E
14	सोम	36	16	20	05	अश्विनी	17	34	12	37	आयुष्मान सौभाग्य	06 59	43 25	विष्टि	08	55	05	35	19	00	33	31	17	37	मेष	01	14	भद्रा 09:09 तक, सूर्य वृषराशि में, सौर वृष संक्रान्ति सावित्री चतुर्दशी,F
30	मंगल	29	45	17	28	भरणी	13	33	10	59	शोभन	52	10	चतुष्पद	03	00	05	35	19	01	33	34	17	38	वृष16:29	02	15	भावुका अमावस्या, वटसावित्री अमावस्याG

A चन्द्रोदय 22:01, **B** श्रीक्षेत्र (पुरी)में भौंरी, **C**कालाष्टमी **D** भद्रकाली एकादशी, **E** रविप्रदोषव्रत, **F** मासशिवरात्रि, वटसावित्रीव्रतारम्भ **G** व्रत(अमा पक्ष), स्नानदानादि अमावस्या, शनैश्चर जयन्ती, संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से 11:26 तक। **अमायां वटसावित्रीव्रतम्** - अमायां च तथा ज्येष्ठे वटमूले महासती। त्रिरात्रोपोषिता नारी विधानेन प्रपूजयेत्। **जन्ममासे विचारणीय:** - यो जन्ममासे क्षुरकर्म यात्रां कर्णस्य वेधं कुरुते हि मोहात्। मूढः स रोगी धनपुत्रनाशं प्राप्नोति गूढं निधनं तदाशु।। **भद्रकाली प्रार्थना** - जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते।

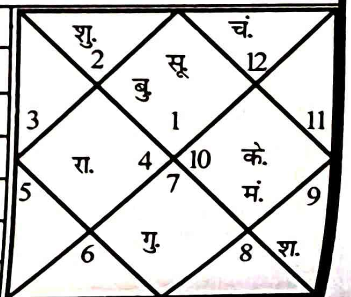
ज्येष्ठ कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.05.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	08	09	11	06	01	08	03	09
अं.	21	28	01	25	24	19	14	16	16
क.	19	42	35	13	32	37	43	09	09
वि.	40	08	46	57	36	52	09	04	04
गति	58	709	26	73	व07	72	व01	व03	व03
	07	20	47	51	36	34	41	11	11



ज्येष्ठ कृष्ण 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.05.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	00	11	09	00	06	01	08	03	09
अं.	28	25	04	04	23	28	14	15	15
क.	05	28	34	55	39	04	29	46	46
वि.	35	53	13	57	08	19	01	50	50
गति	57	803	24	90	व07	72	व02	व03	व03
	56	41	44	07	38	13	17	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 16 मई से 29 मई 2018 ई. तक)

'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2597, अयनांश 24/05/48

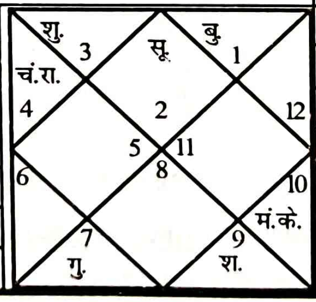
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	22	25	14	32	कृत्तिका	08	33	08	59	अतिगण्ड	43	01	बब	22	25	05	34	19	01	33	37	17	39	वृष	03	16मई	मलमासारम्भ, पुरुषोत्तममासारम्भ,चन्द्रदर्शन
2	गुरु	14	45	11	27	रोहिणी	03	04	06	47	सुकर्मा	33	48	कौलव	14	45	05	34	19	02	33	40	17	41	मिथुन17:40	04	17	
						मृगसिरा	57	29	28	34																		
3	शुक्र	07	06	08	23	आर्द्रा	51	51	26	17	धृति	24	45	गर	07	06	05	33	19	02	33	43	17	44	मिथुन	05	18	भद्रा 16:55 से 29:27 तक, विनायकी
4		59	45	29	27																							चतुर्थी व्रत
5	शनि	52	26	26	31	पुनर्वसु	46	46	24	15	शूल	16	09	बब	26	07	05	33	19	03	33	45	17	47	कर्क18:45	06	19	
6	रवि	46	17	24	03	पुष्य	42	30	22	32	गण्ड	08	06	कौलव	19	22	05	32	19	04	33	48	17	50	कर्क	07	20	
											वृद्धि	59	45															
7	सोम	41	09	21	59	आश्लेषा	39	13	21	13	ध्रुव	53	18	गर	13	43	05	32	19	04	33	51	17	54	सिंह21:13	08	21	भद्रा 21:59 से
8	मंगल	36	57	20	18	मघा	36	51	20	15	व्याघात	47	27	विष्टि	09	03	05	31	19	05	33	53	17	59	सिंह	09	22	भद्रा 09:08 तक, अष्टमीव्रत, दुर्गाष्टमी
9	बुध	33	45	19	01	पू.फा.	35	30	19	43	हर्षण	42	27	बालव	05	21	05	31	19	05	33	56	18	04	कन्या25:40	10	23	
10	गुरु	31	31	18	06	उ.फा.	35	06	19	33	वज्र	38	13	तैतिल	02	38	05	30	19	06	33	58	18	09	कन्या	11	24	
11	शुक्र	30	18	17	37	हस्त	35	43	19	47	सिद्धि	34	49	वणिज	00	54	05	30	19	06	34	01	18	15	कन्या	12	25	भद्रा 05:51 से 17:37 तक, A
12	शनि	30	04	17	31	चित्रा	37	18	20	25	व्यतीपात	32	10	बब	00	11	05	30	19	07	34	03	18	22	तुला08:06	13	26	शनि प्रदोष व्रत
13	रवि	30	50	17	49	स्वाती	39	52	21	26	वरीयान	30	20	कौलव	00	27	05	29	19	08	34	05	18	28	तुला	14	27	
14	सोम	32	41	18	33	विशाखा	43	29	22	52	परिघ	29	20	गर	01	45	05	29	19	08	34	07	18	36	वृश्चि16:30	15	28	भद्रा 18:33 से
15	मंगल	35	32	19	41	अनुराधा	48	04	24	42	शिव	29	08	विष्टि	04	06	05	29	19	09	34	09	18	43	वृश्चिक	16	29	भद्रा 07:07 तक, पुरुषोत्तम B

A पुरुषोत्तम कमला एकादशी व्रत (समस्त) B मास पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत।

अधिमास में मालपुआ दान - अधिमासे तु सम्प्राप्ते गुडसर्पियुतानि च। त्रयस्त्रिंशदपूपानि दातव्यानि दिने दिने।। त्रयस्त्रिंशदपूपान्नं कांस्यपात्रे निधाय च। सघृतं च हिरण्यं च ब्राह्मणाय निवेदयते।। विष्णुरूपी सहस्रांशुः सर्वपापप्रणाशनः। अपूपप्रदानेन मम पापं व्यपोहतु।।

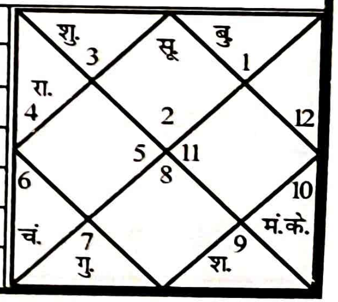
अ.ज्येष्ठ शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 20.05.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	03	09	00	06	02	08	03	09
अं.	04	06	07	16	22	06	14	15	15
क.	50	24	18	28	46	28	10	24	24
वि.	17	22	52	37	39	18	47	35	35
गति	57	869	22	105	व07	71	व12	व03	व03
	45	02	18	40	23	51	50	11	11



अ. ज्येष्ठ शुक्ल 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 26.05.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	05	09	00	06	02	08	03	09
अं.	10	28	09	27	22	13	13	15	15
क.	36	30	24	45	03	38	52	05	05
वि.	18	53	16	45	47	05	13	30	30
गति	57	786	19	117	व06	71	व03	व03	व03
	38	40	50	57	58	30	18	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (दिनांक 30 मई से 13 जून 2018 ई. तक)

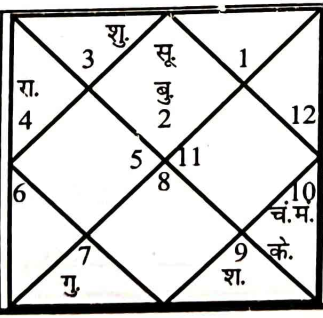
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, ग्रीष्म-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2611, अयनांश 24/05/50

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
01	बुध	39	27	21	15	ज्येष्ठा	53	42	26	57	सिद्ध	29	45	बालव	07	29	05	29	19	09	34	11	18	51	धनु 26:57	17	30मई	
02	गुरु	44	19	23	12	मूल	59	58	29	27	साध्य	31	06	तैतिल	11	53	05	28	19	10	34	13	19	00	धनु	18	31	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस
03	शुक्र	50	05	25	30	पू.षा.	60	00	-	-	शुभ	33	10	वणिज	17	12	05	28	19	10	34	15	19	08	धनु	19	01 जून	भद्रा 12:21 से 25:30 तक
04	शनि	56	33	28	05	पू.षा.	08	18	08	47	शुक्ल	35	47	बब	23	19	05	28	19	11	34	17	19	17	मकर15:33	20	02	संकटचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 22:20
05	रवि	60	00	-	-	उ.षा.	16	03	11	53	ब्रह्म	38	37	कौलव	29	58	05	28	19	11	34	18	19	27	मकर	21	03	
05	सोम	03	23	06	48	श्रवण	23	58	15	02	ऐन्द्र	41	28	तैतिल	03	23	05	28	19	12	34	20	19	36	कुम्भ28:31	22	04	पंचकप्रारम्भ 28:31 से
06	मंगल	09	29	09	15	धनिष्ठा	31	22	18	00	वैधृति	43	45	वणिज	09	29	05	27	19	12	34	21	19	46	कुम्भ	23	05	भद्रा 09:15 से 22:16 तकA
07	बुध	14	37	11	18	शतभिषा	37	43	20	32	विष्कुम्भ	45	03	बब	14	37	05	27	19	13	34	23	19	57	कुम्भ	24	06	कालाष्टमी व्रत
08	गुरु	18	13	12	44	पू.भा.	42	26	22	25	प्रीति	44	56	कौलव	18	13	05	27	19	13	34	24	20	07	मीन15:57	25	07	
09	शुक्र	19	52	13	24	उ.भा.	45	08	23	30	आयुष्मान	43	08	गर	19	52	05	27	19	13	34	25	20	18	मीन	26	08	भद्रा 25:17 से
10	शनि	19	18	13	10	रेवती	45	35	23	41	सौभाग्य	39	29	विष्टि	19	18	05	27	19	14	34	27	20	29	मेष23:41	27	09	भद्रा 13:10 तक, पंचक समाप्ति 23:41
11	रवि	16	30	12	03	अश्विनी	43	46	22	57	शोभन	34	00	बालब	16	30	05	27	19	14	34	28	20	40	मेष	28	10	पुरुषोत्तम पद्मा एकादशी व्रत (समस्त)
12	सोम	11	42	10	08	भरणी	40	01	21	27	अतिगण्ड	26	56	तैतिल	11	42	05	27	19	15	34	29	20	52	वृष26:55	29	11	सोम प्रदोष व्रत
13 14	मंगल	05 57	17 40	07 28	34 31	कृत्तिका	34	45	19	21	सुकर्मा	18	36	वणिज	05	17	05	27	19	15	34	30	21	03	वृष	30	12	भद्रा 07:34 से 18:02 तक, मासशिवरात्रि
30	बुध	50	05	25	29	रोहिणी	28	24	16	48	धृति शूल	09 59	22 38	चतुष्पद	23	52	05	27	19	15	34	30	21	15	मिथुन27:26	31	13	स्नान-दान-श्राद्ध अमावस्या, रोहिणी व्रत, पुरुषोत्तम मास समाप्त, मलमास समाप्ति

A विश्व पर्यावरण दिवस। **पुरुषोत्तममासे विष्णुप्रार्थना** – यस्य हस्ते गदा चक्रे गरुडो यस्य वाहनम्। शंखः करतले यस्य स मे विष्णुः प्रसीदतु।। कलाकाष्ठादिरूपेण निमेषघटिकादिना। यो वंचयति भूतानि तस्मै कालात्मने नमः।। सशंखचक्रं सकिरीटकुण्डलं सपीतवस्त्रं सरसीरुहेक्षणम्। सहारवक्षस्थलकौस्तुभशोभितम्। नमामि विष्णुं शिरसा चतुर्भुजम्।।

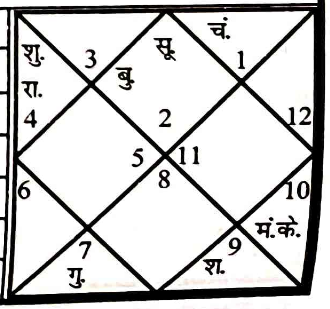
अ.ज्येष्ठ कृष्ण 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.06.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	09	09	01	06	02	08	03	09
अं.	18	06	11	14	21	23	13	14	14
क.	16	50	46	28	11	07	23	40	40
वि.	36	13	19	36	31	34	56	04	04
गति	57	708	16	130	व06	70	व03	व03	व03
	29	48	00	13	09	57	45	11	11



अ.ज्येष्ठ कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.06.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	01	00	09	01	06	03	08	03	09
अं.	24	03	13	29	20	01	12	14	14
क.	58	32	22	50	31	11	56	17	17
वि.	31	59	53	44	54	04	23	49	49
गति	57	804	12	131	व05	70	व04	व03	व03
	23	39	00	05	15	25	04	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 जून से 28 जून 2018 ई. तक)

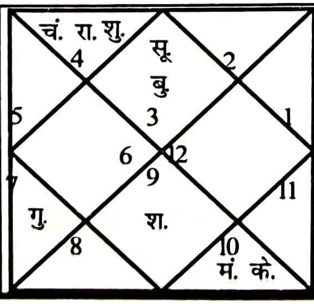
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण/दक्षिणायन, उत्तर गोल, ग्रीष्म/वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2626, अयनांश 24/05/52

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	40	47	21	46	मृगसिरा	21	34	14	04	गण्ड	49	59	किंस्तुघ्न	15	26	05	27	19	16	34	31	21	27	मिथुन	32	14 जून	करवीर व्रत, रोहिणी व्रत
2	शुक्र	31	40	18	07	आर्द्रा	14	40	11	19	वृद्धि	39	45	बालव	06	14	05	27	19	16	34	32	21	39	कर्क27:21	01	15	चन्द्रदर्शन, सूर्य मिथुन में, सौर मिथुन A
3	शनि	23	06	14	42	पुनर्वसु	08	07	08	42	ध्रुव	30	03	गर	23	06	05	27	19	16	34	32	21	51	कर्क	02	16	भद्रा 25:09 से, रम्भातृतीयाव्रत, B
4	रवि	15	21	11	36	पुष्य आश्लेषा	02 56	13 15	27	57	व्याघात	21	07	विष्टि	15	21	05	27	19	17	34	33	22	03	सिंह27:57	03	17	भद्रा 11:36 तक, गणेश चतुर्थी C
5	सोम	08	37	08	54	मघा	52	17	26	22	हर्षण	13	06	बालव	08	37	05	28	19	17	34	33	22	15	सिंह	04	18	महादेवविवाह (उडीसा), श्रुति पंचमी जैन
6 7	मंगल	03 58	03 49	06 29	41 00	पू.फा.	49	40	25	19	वज्र	06	02	तैतिल	03	03	05	28	19	17	34	33	22	28	सिंह	05	19	भद्रा 29:00 से श्रीस्कन्धषष्ठी, अरण्यषष्ठी,
8	बुध	54	33	27	17	उ.फा.	48	31	24	52	सिद्धि व्यतीपात	00 54	05 02	विष्टि	26	41	05	28	19	17	34	34	22	40	कन्या07:12	06	20	भद्रा 16:08 तक, शुक्लादेवी पूजा, ब्रह्माणी पूजा, शीतलाष्टमी, धूमावती जयन्ती D
9	गुरु	53	15	26	46	हस्त	48	49	24	59	वरीयान	50	31	बालव	23	54	05	28	19	18	34	34	22	52	कन्या	07	21	नवमी का उपवास कर शुक्लादेवीपूजा
10	शुक्र	53	21	26	48	चित्रा	50	32	25	41	परिघ	48	06	तैनिल	23	18	05	28	19	18	34	34	23	04	तुला13:20	08	22	श्रीगंगादशहरा, गायत्री जयन्ती E
11	शनि	54	49	27	24	स्वाती	53	35	26	54	शिव	46	46	वणिज	24	05	05	28	19	18	34	34	23	17	तुला	09	23	भद्रा 15:06 से 27:24 तक तक,निर्जला F
12	रवि	57	34	28	30	विशाखा	57	54	28	38	सिद्ध	46	26	बब	26	11	05	29	19	18	34	33	23	29	वृश्चि22:12	10	24	त्रिविक्रमद्वादशी,चम्पकद्वादशीG
13	सोम	60	00	-	-	अनुराधा	60	00	-	-	साध्य	46	58	कौलव	29	57	05	29	19	18	34	33	23	41	वृश्चिक	11	25	वटसावित्रीव्रतारम्भ(पूर्णिमा पक्ष),सोमप्रदोष
13	मंगल	02	20	06	25	अनुराधा	04	10	07	09	शुभ	48	11	तैतिल	02	20	05	29	19	19	34	33	23	53	वृश्चिक	12	26	
14	बुध	06	56	08	16	ज्येष्ठा	10	19	09	37	शुक्ल	49	59	वणिज	06	56	05	30	19	19	34	32	24	05	धनु09:37	13	27	भद्रा 08:16 से 21:20 तक, पूर्णिमा व्रत
15	गुरु	12	16	10	24	मूल	17	09	12	21	ब्रह्म	52	15	बब	12	16	05	30	19	19	34	32	24	16	धनु	14	28	सत्यनारायणव्रत, वटसावित्री व्रतH

A संक्रान्ति, संक्रान्ति पुण्यकाल 11:38 से 18:02 तक, काशी दशाश्वमेध स्नानारम्भ **B** महाराणा प्रताप जयन्ती, ईद उल फितर (मुस्लिम) **C** विनायकचतुर्थी, गुरु अर्जुनदेव शहीदी दिवस, **D** विन्ध्यवासिनी पूजा, आरण्यक गौरीव्रत, मेला क्षीरभवानी(कश्मीर), **E** श्री गंगावतरण, सेतुबन्ध रामेश्वर प्रतिष्ठा **F**एकादशी(स्मा.+वै.) भीमसेनी एकादशी **G** निर्जला एकादशी व्रत (निम्बार्क)वटसावित्रीव्रत प्रारम्भ (पूर्णिमा पक्ष), **H** (पूर्णिमापक्ष) वट पूर्णिमा, वैवस्वत मन्वादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, ज्येष्ठीपूर्णिमा, कबीरदास जयन्ती, मन्वादि 15।

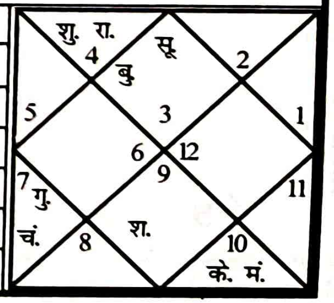
ज्येष्ठ शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.06.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	03	09	02	06	03	08	03	09
अं.	01	16	14	14	19	09	12	13	13
क.	39	07	29	30	59	32	26	55	55
वि.	51	08	30	05	12	31	08	34	34
गति	57	888	07	120	व04	69	व04	व03	व03
	18	15	29	15	12	48	18	11	11



ज्येष्ठ शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.06.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	06	09	02	06	03	08	03	09
अं.	08	21	15	27	19	17	11	13	13
क.	20	07	02	30	34	38	56	33	33
वि.	43	37	21	35	17	23	28	18	18
गति	57	758	02	104	व03	59	व04	व03	व03
	15	48	30	24	03	06	24	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, आषाढ़ कृष्ण पक्ष (दिनांक 29 जून से 13 जुलाई 2018 ई. तक)

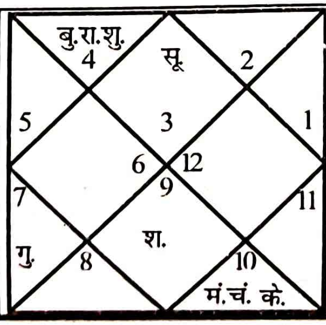
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2641, अयनांश 24/05/54

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शुक्र	18	07	12	45	पू.षा.	24	30	15	18	ऐन्द्र	54	49	कौलव	18	07	05	30	19	19	34	31	24	28	मकर22:04	15	29जून	अशून्यशयनव्रत, गुरु हरगोविन्द सिंह जयन्ती
2	शनि	24	22	15	15	उ.षा.	32	12	18	23	वैधृति	57	38	गर	24	22	05	30	19	19	34	30	24	39	मकर	16	30	ऋषभनाथ जयन्ती(जैन)भद्रा 28:32 से
3	रवि	30	46	17	49	श्रवण	40	01	21	31	विष्कुम्भ	60	00	विष्टि	30	46	05	31	19	19	34	29	24	50	मकर	17	1जुलाई	भद्रा 17:49 तक,संकष्टहरचतुर्थीव्रत, A
4	सोम	36	59	20	19	धनिष्ठा	47	40	24	35	विष्कुम्भ	00	22	बव	03	52	05	31	19	19	34	29	25	01	कुम्भ11:03	18	02	पंचकप्रारम्भ 11:03से, अंगारक चतुर्थी
5	मंगल	42	38	22	34	शतभिषा	54	43	27	24	प्रीति	02	41	कौलव	09	49	05	32	19	19	34	28	25	12	कुम्भ	19	03	
6	बुध	47	07	24	22	पू.भा.	59	36	29	22	आयुष्मान	04	18	गर	14	52	05	32	19	19	34	26	25	22	मीन22:53	20	04	भद्रा 24:22 से,
7	गुरु	50	05	25	34	उ.भा.	60	00	-	-	सौभाग्य	04	54	विष्टि	18	36	05	32	19	19	34	25	25	32	मीन	21	05	भद्रा 12:58 तक, भानु सप्तमी
8	शुक्र	51	00	25	57	उ.भा.	03	27	06	55	शोभन	04	08	बालव	20	33	05	33	19	19	34	24	25	42	मीन	22	06	कालाष्टमी, शीतलाष्टमी व्रत, त्रिलोचनपूजा
9	शनि	49	44	25	27	रेवती	05	24	07	43	अतिगण्ड सुकर्मा	01 59	48 32	तैतिल	20	22	05	33	19	18	34	23	25	52	मेष07:43	23	07	पंचकसमाप्ति 07:43
10	रवि	46	16	24	04	अश्विनी	05	18	07	41	धृति	53	49	वणिज	18	00	05	34	19	18	34	21	26	01	मेष	24	08	भद्रा 12:45 से 24:04 तक
11	सोम	40	48	21	53	भरणी कृत्तिका	03 59	13 21	06 29	51 18	शूल	46	30	बव	13	32	05	34	19	18	34	20	26	10	वृष12:28	25	09	योगिनी एकादशी व्रत (समस्त)
12	मंगल	33	38	19	02	रोहिणी	55	31	27	47	गण्ड	37	48	कौलव	07	13	05	35	19	18	34	18	26	19	वृष	26	10	भौम प्रदोषव्रत, कूर्मजयन्ती,
13	बुध	25	17	15	41	मृगसिरा	48	39	25	02	वृद्धि	28	08	वणिज	25	17	05	35	19	18	34	16	26	27	मिथुन14:24	27	11	भद्रा 15:41 से 25:52 तक, B
14	गुरु	16	10	12	03	आर्द्रा	41	10	22	03	ध्रुव	17	54	शकुनि	16	10	05	36	19	18	34	15	26	35	मिथुन	28	12	श्राद्ध की अमावस्या
30 01	शुक्र	06 57	45 23	08 28	18 33	पुनर्वसु	33	32	19	01	व्याधात हर्षण	07 57	26 02	नाग	06	45	05	36	19	17	34	13	26	42	कर्क13:46	29	13	स्नान दानादि अमावस्या, गुप्तनवरात्रारम्भC

A चन्द्रोदय 21:42 B मासशिवरात्रिव्रत, विश्व जनसंख्या दिवस C घटस्थापन।। **आषाढे प्रवर्षणविचार:-** ज्यैष्ठ्यां समतीतायां पूर्वाषाढादिसम्प्रवृष्टेन। शुभमशुभं वा वाच्यं चाम्भसतज्ज्ञै:।। येषु च भेष्वभिवृष्टं भूयस्तेष्वेव वर्षति प्राय:।।

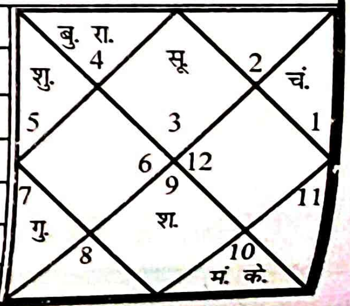
आषाढ़ कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 01.07.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	09	09	03	06	03	08	03	09
अं.	15	15	14	08	19	25	11	13	13
क.	01	27	59	34	17	39	25	11	11
वि.	21	26	19'	54	48	02	32	02	02
गति	57	708	व02	87	व01	68	व04	व03	व03
	13	21	45	34	49	18	25	11	11



आषाढ़ कृष्ण 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 08.07.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	00	09	03	06	04	08	03	09
अं.	21	12	14	17	19	03	10	12	12
क.	41	09	19	40	10	33	55	48	48
वि.	53	17	35	16	04	46	01	47	47
गति	57	779	व07	70	व03	67	व04	व03	व03
	12	46	51	18	33	24	18	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, आषाढ़ शुक्ल पक्ष (दिनांक 14 जुलाई से 27 जुलाई 2018 ई. तक)

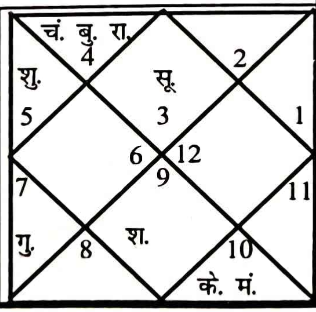
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2656, अयनांश 24/05/56

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	शनि	48	01	34	49	पुष्य	26	12	16	05	वज्र	46	39	बालव	22	42	05	37	19	17	34	11	26	49	कर्क	30	14जुलाई	रथयात्रा, श्रीकृष्ण बलरामरथोत्सव A
3	रवि	39	31	21	25	आश्लेषा	19	33	13	26	सिद्धि	36	59	तैतिल	13	46	05	37	19	17	34	09	26	56	सिंह13:26	31	15	
4	सोम	32	11	18	30	मघा	13	54	11	11	व्यतीपात	28	19	वणिज	05	51	05	38	19	17	34	07	27	02	सिंह	01	16	भद्रा 07:57 से 18:30तक,सूर्य कर्क में H
5	मंगल	26	15	16	08	पू.फा.	09	31	09	26	वरीयान	20	48	बालव	26	15	05	38	19	16	34	05	27	08	कन्या15:09	02	17	स्कन्दपंचमी
6	बुध	21	58	14	26	उ.फा.	06	39	08	18	परिघ	14	36	तैतिल	21	58	05	39	19	16	34	03	27	13	कन्या	03	13	स्कन्दषष्ठी, कुमारषष्ठी, कर्दमषष्ठी(बंगाल)
7	गुरु	19	27	13	26	हस्त	05	29	07	51	शिव	09	50	वणिज	19	27	05	39	19	15	34	00	27	18	तुला19:58	04	19	भद्रा 13:26 से 25:17 तक, विवस्वत B
8	शुक्र	18	41	13	08	चित्रा	06	05	08	05	सिद्ध	06	28	बव	18	41	05	40	19	15	33	58	27	22	तुला	05	20	महिषासुरमर्दिनी पूजा, अष्टमी व्रत C
9	शनि	19	45	13	34	स्वाती	08	28	09	03	साध्य	04	32	कौलव	19	45	05	40	19	15	33	56	27	25	वृश्चि28:16	06	21	गुप्तनवरात्रिसमाप्त, मेलाशरीक भवानी J
10	रवि	22	29	14	40	विशाखा	12	30	10	41	शुभ	03	57	गर	22	29	05	41	19	14	33	53	27	29	वृश्चिक	07	22	भद्रा 27:29 से गिरिराजपूजा, रैवत मन्वादि
11	सोम	26	35	16	19	अनुराधा	17	56	12	52	शुक्ल	04	29	विष्टि	26	35	05	41	19	14	33	51	27	31	वृश्चिक	08	23	भद्रा 16:19 तक, हरिशयन D
12	मंगल	31	46	18	24	ज्येष्ठा	24	27	15	28	ब्रह्म	05	55	बालव	31	46	05	42	19	13	33	48	27	34	धनु15:28	09	24	वासुदेवद्वादशी, एकादशी व्रत पारणा,
13	बुध	37	40	20	46	मूल	31	41	18	23	ऐन्द्र	07	59	कौलव	04	43	05	42	19	13	33	45	27	35	धनु	10	25	प्रदोष व्रत
14	गुरु	43	54	23	16	पू.षा.	39	18	21	26	वैधृति	10	25	गर	10	47	05	43	19	12	33	43	27	36	मकर28:12	11	26	भद्रा 23:16 से, मेला चक्रेश्वरी L
15	शुक्र	50	15	25	49	उ.षा.	47	02	24	32	विष्कुम्भ	13	00	विष्टि	17	05	05	44	19	12	33	40	27	37	मकर	12	27	भद्रा 12:32 तक, पूर्णिमाव्रत, चन्द्रग्रहण E

A रथयात्रा(जगन्नाथपुरी),मनोरथ द्वितीया चन्द्रदर्शन, H सौर कर्कसंक्रान्ति, पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, विनायक चतुर्थी B सप्तमी, विवस्वत सूर्यपूजा,अष्टाह्निक प्रारम्भ(जैन), शीतला सप्तमी, C ऐन्द्री देवी पूजा, खर्चिपूजा (त्रिपुरा), दुर्गाष्टमी, J (कश्मीर)मृदुली नवमी, कन्दर्प नवमी, भड्डली नवमी D एकादशी व्रत (समस्त), चातुर्मासव्रतारम्भ, L(जैन),चौमासी चौदह(जैन),शिवशयनोत्सव, मेला ज्वालामुखी (कश्मीर) E व्रतपूर्णिमा, पवित्रारोपण, कोकिलाव्रत, गुरुपूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा,आषाढीपूर्णिमा, अन्नादिदान, सत्यनारायणव्रत, चाक्षुष मन्वादि, वायुपरीक्षण, चातुर्मासारम्भ (संन्यासी), जया पार्वतीव्रत, अष्टाह्निक पर्व समाप्त। **चातुर्मास्यव्रतविचारः** - आषाढे तु सिते पक्षे एकादश्यामुपोषितः। चातुर्मास्यव्रतं कुर्याद्यत्किंचिदखिलो नरः।। **आषाढीयोगे वातफलम्** - निष्पत्तिरग्निकोपो वृष्टिर्मन्दाथ मध्यमा श्रेष्ठा। बहुजलपवना पुष्टा शुभा च पूर्वादिभिः पवनैः।।

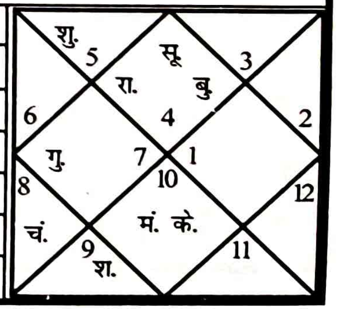
आषाढ़ शुक्ल 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 15.07.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	02	03	09	03	06	04	08	03	09
अं.	28	25	13	24	19	11	10	12	12
क.	22	05	06	34	11	21	25	26	26
वि.	30	41	31	59	12	41	36	31	31
गति	57	902	व12	50	00	66	व04	व03	व03
	13	32	14	00	43	21	04	11	11



आषाढ़ शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 22.07.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	07	09	03	06	04	08	03	09
अं.	05	00	11	28	19	19	09	12	12
क.	03	43	27	41	21	01	58	04	04
वि.	23	19	48	35	09	45	01	15	15
गति	57	751	वा15	22	01	65	व03	व03	व03
	16	17	14	42	57	09	48	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, श्रावण कृष्ण पक्ष (दिनांक 28 जुलाई से 11 अगस्त 2018 ई. तक)

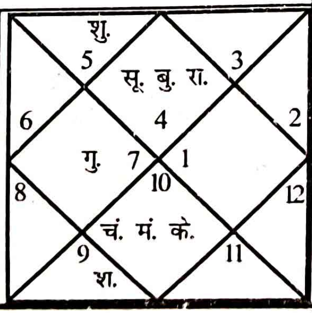
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2670, अयनांश 24/05/58

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	56	30	28	20	श्रवण	54	41	27	36	प्रीति	15	35	बालव	23	22	05	44	19	11	33	37	27	37	मकर	13	28जु.	अशून्यशयनव्रत, हिण्डोले प्रारम्भ (ब्रज) A
2	रवि	60	00	-	-	धनिष्ठा	60	00	-	-	आयुष्मान	18	01	तैतिल	29	18	05	45	19	10	33	34	27	36	कुम्भ17:01	14	29	पंचक प्रारम्भ 17:01, चातुर्मास्य द्वितीया
2	सोम	02	07	06	36	धनिष्ठा	01	46	06	27	सौभाग्य	20	08	गर	02	07	05	45	19	10	33	31	27	35	कुम्भ	15	30	भद्रा 19:38 से, श्रावण सोमवार व्रत, B
3	मंगल	07	18	08	41	शतभिषा	08	25	09	08	शोभन	21	44	विष्टि	07	18	05	46	19	09	33	28	27	33	मीन28:52	16	31	भद्रा 08:41 तक, भौमव्रत C
4	बुध	11	35	10	24	पू.भा.	14	13	11	27	अतिगण्ड	22	34	बालव	11	35	05	46	19	09	33	25	27	31	मीन	17	1अगस्त	
5	गुरु	14	40	11	39	उ.भा.	18	51	13	19	सुकर्मा	22	26	तैतिल	14	40	05	47	19	08	33	22	27	28	मीन	18	02	नागपंचमी(बंगाल), मधुश्रावणी
6	शुक्र	16	14	12	17	रेवती	22	00	14	35	धृति	21	03	वणिज	16	14	05	48	19	07	33	19	27	24	मेष14:35	19	03	भद्रा 12:17 से 24:16 तक,पंचक D
7	शनि	16	07	12	15	अश्विनी	23	31	15	12	शूल	18	20	बब	16	07	05	48	19	07	33	16	27	20	मेष	20	04	रवि सप्तमी, भानुसप्तमी, कालाष्टमी, E
8	रवि	14	13	11	30	भरणी	23	24	15	06	गण्ड	14	10	कौलव	14	13	05	49	19	06	33	12	27	15	वृष20:54	21	05	मनसा देवी पूजा प्रारम्भ
9	सोम	10	31	10	02	कृत्तिका	21	12	14	18	वृद्धि	08	34	गर	10	31	05	49	19	05	33	09	27	10	वृष	22	06	भद्रा 20:58 से, दुर्गा यात्रा,श्रावण सोमवार,
10	मंगल	05	13	07	55	रोहिणी	17	33	12	51	ध्रुव	01	40	विष्टि	05	13	05	50	19	04	33	06	27	04	मिथुन23:51	23	07	भद्रा 07:55 तक कामिका एकादशी(स्मार्त)
11		58	32	29	15						व्याघात	53	38															भौमव्रत,
12	बुध	51	57	26	37	मृगसिरा	12	32	10	51	हर्षण	45	35	कौलव	25	14	05	50	19	04	33	02	26	58	मिथुन	24	08	कामिका एकादशी (वैष्णव)
13	गुरु	42	56	23	01	आर्द्रा	06	29	08	26	वज्र	35	34	गर	17	27	05	51	19	03	32	59	26	50	कर्क24:25	25	09	भद्रा 23: 01से, प्रदोषव्रत, मासशिवरात्रिव्रत
						पुनर्वसु	59	45	29	45																		
14	शुक्र	33	30	19	15	पुष्य	53	05	27	05	सिद्धि	25	11	विष्टि	08	13	05	52	19	02	32	55	26	43	कर्क	26	10	भद्रा 09:08 तक
30	शनि	24	08	15	31	आश्लेषा	45	39	24	07	व्यतीपात	14	48	नाग	24	08	05	52	19	01	32	52	26	34	सिंह24:07	27	11	श्रावण हरियाली अमावस्या, देवसावर्णि F

A आरम्भ, श्रावण में शाक वर्जित, मैथिल नववर्षारम्भ, B गौरीपूजा,दुर्गायात्रा, C हनुमद्दर्शन, संकष्टहरचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 21:31 D समाप्ति 14:35 पर E केरपूजा (त्रिपुरा), ऐन्द्री देवी पूजा, इन्द्रसावर्णि मन्वादि, शीतला सप्तमी F मन्वादि, चिताऊ अमावस्या(उडीसा), स्नान दान श्राद्धादि अमावस्या, शनैश्चरी अमावस्या, लोकमान्य बालगंगाधरतिलक जयन्ती। **श्रावणमासे सोमवासरव्रतम्**- सोमवारे व्रतं कार्यं श्रावणे वै यथा विधिः। शक्तावुपोषणं कार्यमथवा निशि भोजनम्।।

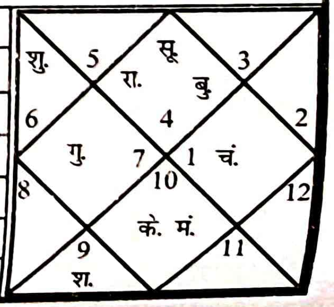
श्रावण कृष्ण 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 29.07.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	09	09	03	06	04	08	03	09
अं.	11	24	09	29	19	26	09	11	11
क.	44	24	35	06	39	32	32	39	39
वि.	44	27	34	46	44	35	59	59	59
गति	57	710	वा16	वा11	03	63	व03	व03	व03
	20	53	17	42	10	44	24	11	11



श्रावण कृष्ण 08, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 05.08.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	00	09	03	06	05	08	03	09
अं.	18	21	07	25	20	03	09	11	11
क.	26	31	44	33	06	52	11	19	19
वि.	41	46	56	03	37	20	03	43	43
गति	57	795	वा15	व42	04	62	व02	व03	व03
	27	27	09	45	20	02	56	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, श्रावण शुक्ल पक्ष (दिनांक 12 अगस्त से 26 अगस्त 2018 ई. तक)

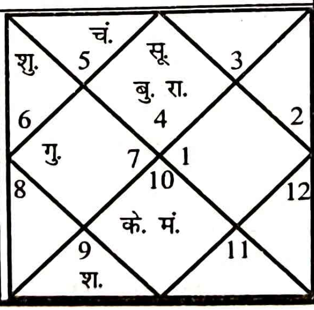
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, वर्षा/शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2685 अयनांश 24/06/00

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	15	09	11	56	मघा	38	46	21	23	वरीयान परिघ	04 55	41 09	बब	15	09	05	53	19	00	32	48	26	26	सिंह	28	12	दोलोत्सवारम्भ,चन्द्रदर्शन, सिन्धाराव्रत A
2 3	सोम	06 59	57 50	08 29	40 49	पू.फा.	32	52	19	02	शिव	45	34	कौलव	06	57	05	53	18	59	32	45	26	16	कन्या24:34	29	13	श्रावणसोमवार,सोमेश्वर पूजन,हरियाली तीज स्वामीकरपात्री जयन्ती, गौरीपूजा B
4	मंगल	52	35	26	55	उ.फा.	28	16	17	12	सिद्ध	37	47	वणिज	26	12	05	54	18	58	32	41	26	06	कन्या	30	14	भद्रा 16:22 से 26:55 तक भौमव्रत, C
5	बुध	48	26	25	16	हस्त	25	17	16	01	साध्य	31	27	बब	20	30	05	54	18	58	32	38	25	55	तुला27:47	31	15	नागपंचमी,72वां भारतीयस्वतन्त्रता दिवस D
6	गुरु	46	14	24	24	चित्रा	24	08	15	34	शुभ	26	38	कौलव	17	20	05	55	18	57	32	34	25	44	तुला	32	16	लुण्ठनषष्ठी (बंगाल), श्रीकल्किजयन्ती
7	शुक्र	46	14	24	25	स्वाती	25	02	15	56	शुक्ल	23	31	गर	16	14	05	55	18	56	32	30	25	32	तुला	01	17	भद्रा 24:25 से, सूर्य सिहं में सौर सिंह E
8	शनि	48	14	25	13	विशाखा	27	54	17	05	ब्रहम	21	58	विष्टि	17	14	05	56	18	55	32	27	25	20	वृश्चि10:48	02	18	भद्रा 12:49 तक कौमारीदेवीपूजा, F
9	रवि	52	06	26	47	अनुराधा	32	39	19	00	ऐन्द्र	21	56	बालब	20	10	05	56	18	54	32	23	25	07	वृश्चिक	03	19	दुर्गा पूजा,
10	सोम	57	24	28	54	ज्येष्ठा	38	53	21	30	वैधृति	23	05	तैतिल	24	45	05	57	18	53	32	19	24	54	धनु21:30	04	20	श्रावणसोमवार, दधिव्रतारम्भ, वेदव्रतारम्भG
11	मंगल	60	00	-	-	मूल	46	17	24	28	विष्कुम्भ	25	12	वणिज	30	58	05	58	18	52	32	15	24	40	धनु	05	21	भौमव्रत, हनुमद्दर्शन,भद्रा 18:20 से,
11	बुध	04	32	07	46	पू.षा.	54	13	27	39	प्रीति	27	48	विष्टि	04	32	05	58	18	51	32	11	24	26	धनु	06	22	भद्रा 07:46तक,पवित्रा एकादशी(समस्त)H
12	गुरु	10	57	10	21	उ.षा.	60	00	-	-	आयुष्मान	30	34	बालब	10	57	05	59	18	50	32	07	24	11	मकर10:27	07	23	दामोदर द्वादशी, प्रदोषव्रत, बुद्धद्वादशी
13	शुक्र	17	20	12	55	उ.षा.	02	11	06	51	सौभाग्य	33	11	तैतिल	17	20	05	59	18	49	32	04	23	55	मकर	08	24	प्रदोषव्रत, आखेटक त्रयोदशी(उडीसा)
14	शनि	23	20	15	19	श्रवण	09	38	09	51	शोभन	35	26	वणिज	23	20	06	00	18	48	32	00	23	39	कुम्भ23:13	09	25	भद्रा 15:19 से भद्रा 28:24 तक, पंचक K
15	रवि	28	42	17	29	धनिष्ठा	16	31	12	36	अतिगण्ड	37	09	बब	28	42	06	00	18	47	31	56	23	30	कुम्भ	10	26	श्रावणीपूर्णिमा, रक्षाबन्धन I

A शिवरुद्राभिषेकारम्भ, मेला छिन्नमस्ता (चिन्तपूर्णी) Bस्वर्णगौरीव्रत, मधुश्रवा तृतीया(मिथिला, गुजरात), ठकुराठन जयन्ती, C विनायक चतुर्थीव्रत, दूर्वागणपति व्रत, वरदचतुर्थी, हनुमद्दर्शन D तक्षकपूजा भित्तिनागपूजा, ऋग्वेद–यजुर्वेद –हिरण्यकेशी उपाकर्म(श्रावणी)। E संक्रान्ति, पुण्यकाल 6:54 से 13:18 तक, श्रीतुलसीदास जयन्ती, शीतला सप्तमी (सिन्ध), भानुसप्तमी। F श्रीदुर्गाष्टमी, चिन्तपूर्णी व नैनादेवीपूजा (हिमाचल) मेला ज्वाला जी। G झूलनयात्रा आरम्भ। H पुत्रदा एकादशी व्रत (समस्त)। K प्रारम्भ 23:13 से, पूर्णिमा व्रत I ऋषितर्पण, श्रीसत्यनारायणव्रत, दोलोत्सव समाप्ति, अमरनाथ यात्रा समाप्त, संस्कृत दिवस, बलभद्रपूजा (उडीसा) आवणि अविट्टम(दक्षिण भारत) हयग्रीवोत्पत्ति, श्रावणी उपाकर्म, हिण्डोलसमाप्त। रक्षासूत्रबन्धन मन्त्रः – येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वां प्रतिबध्नामि रक्षे माचल माचल॥

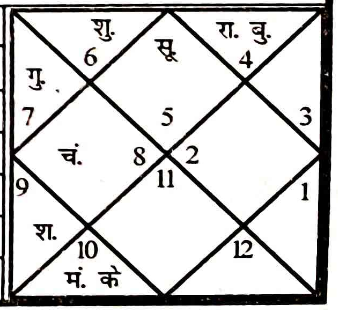
श्रावण शुक्ल 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 12.08.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	03	04	09	03	06	05	08	03	09
अं.	25	03	06	20	20	10	08	10	10
क.	09	35	11	04	41	58	52	57	57
वि.	24	20	01	30	21	36	44	27	27
गति	57	904	वा11	व43	06	59	व02	व03	व03
	33	37	50	51	26	55	22	11	11



श्रावण शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 19.08.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	07	09	03	06	05	08	03	09
अं.	01	09	05	17	21	17	08	10	10
क.	53	51	05	18	23	48	38	35	35
वि.	04	31	55	55	31	08	29	11	11
गति	57	750	व07	व03	06	57	व01	व03	व03
	43	18	11	56	28	18	46	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, भाद्रपद कृष्ण पक्ष (दिनांक 27 अगस्त से 09 सितम्बर 2018 ई. तक)

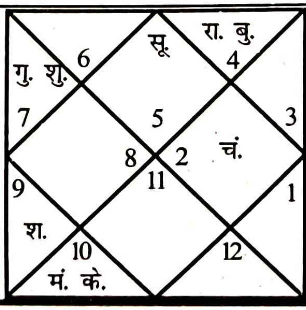
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2700, अयनांश 24/06/02

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	33	18	19	19	शतभिषा	22	42	15	05	सुकर्मा	38	14	बालव	01	00	06	01	18	46	31	52	23	06	कुम्भ	11	27	अशून्यशयनव्रत,दधित्यागव्रतारम्भ
2	मंगल	36	58	20	48	पू.भा.	28	02	17	13	धृति	38	35	तैतिल	05	08	06	01	18	44	31	48	22	49	मीन10:41	12	28	विन्ध्याचलदेवी जयन्ती, भीमचण्डी देवी A
3	बुध	39	36	21	52	उ.भा.	32	19	18	57	शूल	38	07	वणिज	08	17	06	02	18	43	31	44	22	31	मीन	13	29	भद्रा 09:20 से 21:52 तक,कज्जली B
4	गुरु	41	02	22	26	रेवती	35	31	20	14	गण्ड	36	42	बव	10	19	06	02	18	42	31	40	22	13	मेष20:14	14	30	श्रीगणेशसंकष्टहर चतुर्थी, बहुला चतुर्थीC
5	शुक्र	41	16	22	33	अश्विनी	37	33	21	04	वृद्धि	34	21	कौलव	11	09	06	03	18	41	31	36	21	54	मेष	15	31	रक्षापंचमी (उडीसा)
6	शनि	40	08	22	06	भरणी	38	16	21	21	ध्रुव	30	55	गर	10	42	06	03	18	40	31	32	21	36	वृष27:17	16	1	भद्रा 22:06 से, हलषष्ठी, चन्दनषष्ठी ,D
7	रवि	37	40	21	07	कृत्तिका	37	39	21	07	व्याघात	26	25	विष्टि	08	54	06	04	18	39	31	28	21	16	वृष	17	2	भद्रा 09:36 तक,श्रीकृष्णजन्माष्टमी K
8	सोम	33	52	19	37	रोहिणी	35	44	20	22	हर्षण	20	52	बालव	05	46	06	04	18	38	31	24	20	57	वृष	18	3	श्रीकृष्णजन्माष्टमी(वैष्णव),E
9	मंगल	28	51	17	37	मृगसिरा	32	36	19	07	वज्र	14	19	तैतिल	01	22	06	05	18	37	31	19	20	37	मिथुन07:44	19	4	भद्रा 28:23 से, नन्दोत्सव, गोकुलोत्सव
10	बुध	22	44	15	10	आर्द्रा	28	22	17	25	सिद्धि	06	52	विष्टि	22	44	06	05	18	35	31	15	20	17	मिथुन	20	5	भद्रा 15:10 तक,मनसादेवी पूजा(बंगाल)F
											व्यतीपात	58	38															
11	गुरु	15	40	12	21	पुनर्वसु	23	10	15	21	वरीयान	50	29	बालव	15	40	06	06	18	34	31	11	19	56	कर्क09:52	21	6	अजा एकादशी व्रत (समस्त),जया एकादशी
12	शुक्र	07	57	09	17	पुष्य	17	21	13	02	परिघ	40	55	तैतिल	07	57	06	06	18	33	31	07	19	35	कर्क	22	7	प्रदोष व्रत, अघोर द्वादशी G
13		59	52	30	02																							
14	शनि	51	50	26	50	आश्लेषा	11	08	10	34	शिव	31	11	विष्टि	25	51	06	07	18	32	31	03	19	14	सिंह10:34	23	8	भद्रा06:02 से16:27तक,मासशिवरात्रि व्रतH
30	रवि	43	30	23	31	मघा	04	56	08	05	सिद्ध	21	37	चतुष्पद	17	40	06	07	18	31	30	59	18	53	सिंह	24	9	कुशोत्पाटिनी अमावस्या, पिठौरी अमावस्याI
						पू.फा.	59	06	29	45																		

A जयन्ती, कज्जली निमित्त रात्रिजागरण, पलंग पर लक्ष्मीविष्णु पूजन। B तृतीया, बूढी तीज, गोपूजा, विशालाक्षी यात्रा, तीजड(सिन्ध)। । C चन्द्रोदय 21:15, पंचकसमाप्ति 20:14, गोपपूजा,D ललही छठ, श्रीचन्द्रषष्ठी, चम्पा षष्ठी, बलरामजयन्ती। K(स्मार्त) कालाष्टमी, शीतलाव्रत, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती E दूर्वाष्टमी, कौमारी पूजा, गोकुलाष्टमी, कृष्णजयन्ती।F शिक्षकदिवस, नवरोज (पारसी) G पर्युषण पर्वारम्भ(जैन), कलियुगादि 13। H अघोर चतुर्दशी, डाकिनी चतुर्दशी। I ऊं हूं फट् इति मन्त्रेण कुशग्रहणम्। **कुशोत्पाटनमन्त्रः** - कुशाग्रे वसते रुद्रः कुशमध्ये तु केशवः। कुश मूले वसेद्ब्रह्मा कुशान्मे देह मेंदिनि। कुशोऽसि कुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मितः पुरा। देवपितृहितार्थाय कुशमुत्पाटयाम्यहम्।।

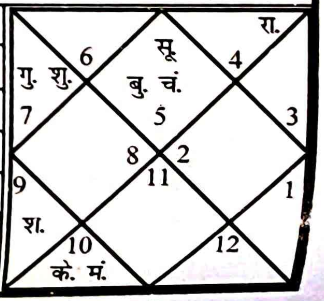
भाद्रपद कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.09.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	01	09	03	06	06	08	03	09
अं.	15	01	04	28	23	00	08	09	09
क.	23	39	48	58	08	17	23	50	50
वि.	44	20	38	54	05	32	14	39	39
गति	58	797	04	90	08	49	व00	व03	व03
	03	40	03	36	17	36	27	11	11



भाद्रपद कृष्ण 30, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.09.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	04	09	04	06	06	08	03	09
अं.	22	12	05	11	24	05	08	09	09
क.	11	06	49	11	09	43	22	28	28
वि.	02	38	07	13	26	02	40	23	23
गति	58	891	09	111	09	43	00	व03	व03
	14	36	32	48	06	54	12	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, भाद्रपद शुक्लपक्ष (दिनांक 10 सितम्बर से 25 सितम्बर 2018 ई. तक)

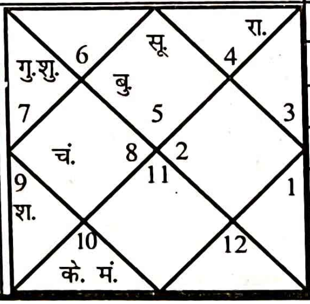
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, उत्तर/दक्षिण गोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2714, अयनांश 24/06/04

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	सोम	35	56	20	30	उ.फा.	53	15	27	25	साध्य	12	32	किंस्तुघ्न	09	43	06	07	18	30	30	55	18	32	कन्या11:10	25	सि10	।
2	मंगल	29	28	17	55	हस्त	48	57	25	43	शुभ शुक्ल	04 56	11 53	बालव	02	42	06	08	18	28	30	50	18	10	कन्या	26	11	चन्द्रदर्शन
3	बुध	24	28	15	56	चित्रा	46	16	24	39	ब्रहम	49	30	गर	24	28	06	08	18	27	30	46	17	48	तुला13:11	27	12	भद्रा 27:17से,सुवर्णगौरी व्रत, हरितालिकाA
4	गुरु	21	17	14	39	स्वाती	45	31	24	21	ऐन्द्र	44	56	विष्टि	21	17	06	09	18	26	30	42	17	26	तुला	28	13	भद्रा 14:39 तक,विनायकचतुर्थी B
5	शुक्र	20	03	14	10	विशाखा	46	48	24	52	वैधृति	42	02	बालव	20	03	06	09	18	25	30	38	17	04	वृश्चि18:44	29	14	ऋषि पंचमी, मेलापाट (जम्मू), हिन्दीदिवस
6	शनि	20	54	14	31	अनुराधा	50	08	26	13	विष्कुम्भ	40	47	तैतिल	20	54	06	10	18	24	30	34	16	42	वृश्चिक	30	15	सूर्यषष्ठी, देवषष्ठी,लोलार्कषष्ठी, स्कन्ददर्शन
7	रवि	23	48	15	41	ज्येष्ठा	55	27	28	21	प्रीति	41	06	वणिज	23	48	06	10	18	22	30	29	16	20	धनु28:21	31	16	भद्रा 15:41 से 28:37तक, आमुक्ताभरणC
8	सोम	28	29	17	34	मूल	60	00	-	-	आयुष्मान	42	43	बव	28	29	06	11	18	21	30	25	15	58	धनु	01	17	सूर्य कन्या में,सौरकन्यासंक्रान्ति,नन्दाष्टमीD
9	मंगल	34	26	19	58	मूल	03	32	07	36	सौभाग्य	45	10	बालव	01	28	06	11	18	20	30	21	15	35	धनु	02	18	अदु:खनवमी, महानंदानवमी, श्रीचन्द्रजयन्ती
10	बुध	43	07	22	38	पू.षा.	11	06	10	38	शोभन	48	03	तैतिल	07	47	06	12	18	19	30	17	15	13	मकर17:25	03	19	दशावतार दशमी व्रत,
11	गुरु	47	56	25	22	उ.षा.	19	01	13	48	अतिगण्ड	50	56	वणिज	14	31	06	12	18	17	30	12	14	51	मकर	04	20	भद्रा 12:00 से 25:22तक,पद्मा एकादशीE
12	शुक्र	54	14	27	54	श्रवण	26	40	16	52	सुकर्मा	53	21	बव	21	05	06	13	18	16	30	08	14	29	मकर	05	21	शक्रद्वादशी, प्रदोषव्रत, वामनद्वादशी,श्रवण F
13	शनि	59	34	30	03	धनिष्ठा	33	35	19	39	धृति	54	59	कौलव	26	54	06	13	18	15	30	04	14	06	कुम्भ	06	22	पंचकप्रारम्भ 06:15 से, ओणम, शनि प्रदोष
14	रवि	60	00	-	-	शतभिषा	39	29	22	01	शूल	55	41	गर	31	06	06	14	18	14	30	00	13	44	कुम्भ	07	23	अनन्तचतुर्दशी व्रत, G
14	सोम	02	38	07	17	पू.भा.	44	09	23	54	गण्ड	55	20	वणिज	02	38	06	14	18	13	29	55	13	22	मीन17:26	08	24	भद्रा 07:17 से19:49तक,व्रत व श्राद्धपूर्णिमा
15	मंगल	05	19	08	22	उ.भा.	47	38	25	18	वृद्धि	54	01	बव	05	19	06	15	18	11	29	51	13	01	मीन	09	25	भाद्रपदपूर्णिमा स्नानदानादि, पितृपक्षीय H

A तृतीया व्रत, गौरी तृतीया,चन्द्रदर्शन निषेध, कलंक चतुर्थी, सौभाग्य चतुर्थी (बंगाल), वराह जयन्ती, सामवेदी उपाकर्म, मन्वादि 3। **B** गणेशोत्सवारम्भ, वरद चतुर्थी, जैन संवत्सरी **C** सप्तमी,भानुसप्तमी, सन्तान सप्तमी, ललिता सप्तमी (बंगाल)।**D**राधाष्टमी,संक्रान्तिपुण्यकाल 06:53 से 13:17 तक, विश्वकर्मापूजा,दूर्वाष्टमी, दुर्गाशयनाष्टमी (उडीसा), महालक्ष्मीव्रतारम्भ। **E** व्रत(समस्त), कर्मा एकादशी, पार्श्व परिवर्तन, डोल ग्यारस, दधिदान, दुग्धत्यागव्रतारम्भ, जलझूलनी (राजस्थान), ईद उल अदा (बकरीद) मुस्लिम।**F** द्वादशी, समर्थगुरुरामदास जयन्ती, वामन जयन्ती, भुवनेश्वरी जयन्ती, कल्कि द्वादशी, मोहर्रम (मुस्लिम)।**G** गणेश विसर्जन,विषुवद्दिन, श्रीशिवपरिवर्तनोत्सव,**H**पार्वण तर्पणारम्भ, प्रतिपदाश्राद्ध, महालयारम्भ,आपस्तम्बीय बोधायनीय अथर्ववेदियों का उपाकर्म।**चतुर्थीचन्द्रदर्शन निषेध**-सिंहादित्ये शुक्लपक्षे चतुर्थ्यां चन्द्रदर्शनम्।मिथ्याभिदूषणं कुर्यात्तस्मात्पश्येन्न तं सदा।।

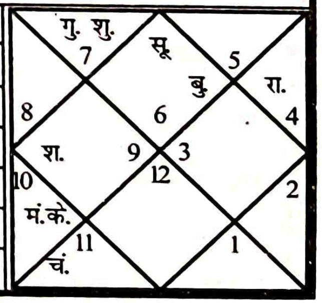
भाद्रपद शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.09.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	04	07	09	04	06	06	08	03	09
अं.	28	18	07	24	25	10	08	09	09
क.	59	24	06	30	16	21	26	06	06
वि.	47	19	06	33	10	39	52	08	08
गति	58	752	14	114	09	36	00	व03	व03
	29	44	31	02	50	22	53	11	11



भाद्रपद शुक्ल 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.09.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	10	09	05	06	06	08	03	09
अं.	05	12	09	07	26	13	08	08	08
क.	50	03	05	29	27	58	35	43	43
वि.	04	42	45	09	44	18	52	52	52
गति	58	723	18	108	10	26	01	व03	व03
	42	43	55	33	30	26	36	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, आश्विन कृष्ण पक्ष (दिनांक 26 सितम्बर से 09 अक्टूबर 2018 ई. तक)

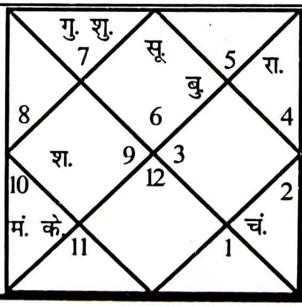
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, शरद्-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2730, अयनांश 24/06/06

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		विनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	विनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	06	44	08	57	रेवती	49	53	26	12	ध्रुव	51	41	कौलव	06	44	06	15	18	10	29	47	12	39	मेष26:12	10	26सित.	पंचकसमसप्ति 26:12, द्वितीया श्राद्ध, Z
2	गुरु	07	04	09	05	अश्विनी	51	08	26	43	व्याघात	48	35	गर	07	04	06	16	18	09	29	43	12	17	मेष	11	27	भद्रा 20:56 से, तृतीया श्राद्ध
3	शुक्र	06	20	08	48	भरणी	51	20	26	48	हर्षण	44	37	विष्टि	06	20	06	16	18	08	29	38	11	56	मेष	12	28	भद्रा 08:48 तक, चतुर्थी श्राद्धA
4	शनि	04	37	08	07	कृत्तिका	50	38	26	31	वज्र	39	56	बालव	04	37	06	17	18	07	29	34	11	35	वृष08:44	13	29	पंचमी श्राद्ध.
5 6	रवि	02 58	04 45	07 29	07 47	रोहिणी	49	12	25	58	सिद्धि	34	41	तैतिल	02	04	06	17	18	05	29	30	11	14	वृष	14	30	भद्रा 29:47 से ,षष्ठी श्राद्ध, रोहिणी व्रत, कपिला षष्ठी
7	सोम	55	26	28	28	मृगसिरा	47	00	25	05	व्यतीपात	28	47	विष्टि	27	05	06	18	18	04	29	26	10	54	मिथुन13:31	15	01अक्टू.	भद्रा 17:07 तक,सप्तमीश्राद्ध,
8	मंगल	50	38	26	33	आर्द्रा	44	09	23	58	वरीयान	22	22	बालव	23	02	06	18	18	03	29	21	10	34	मिथुन	16	02	अष्टमीश्राद्ध,बुधाष्टमीपर्व,जीवितपुत्रिकाव्रतB
9	बुध	45	12	24	23	पुनर्वसु	40	40	22	35	परिघ	15	25	तैतिल	17	55	06	19	18	02	29	17	10	14	कर्क16:56	17	03	नवमीश्रादद्ध, मातृनवमी, सौभाग्यवती श्राद्ध
10	गुरु	39	11	21	59	पुष्य	36	36	20	57	शिव	07	59	वणिज	12	12	06	19	18	01	29	13	09	55	कर्क	18	04	भद्रा 11:11से 21:59 तक, दशमी श्राद्ध
11	शुक्र	32	44	19	25	आश्लेषा	32	05	19	09	सिद्ध साध्य	00 52	09 25	बव	05	58	06	20	18	00	29	09	09	36	सिंह19:09	19	05	एकादशी श्राद्ध, इन्दिरा एकादशीव्रत (समस्त)
12	शनि	26	03	16	45	मघा	27	18	17	15	शुभ	43	57	तैतिल	26	03	06	20	17	58	29	04	09	17	सिंह	20	06	द्वादशी श्राद्ध, यतिमहालय,शनिप्रदोषव्रत C
13	रवि	19	20	14	05	पू.फा.	22	28	15	20	शुक्ल	35	34	वणिज	19	20	06	21	17	57	29	00	08	59	कन्या20:53	21	07	भद्रा 14:05 से 24:48तक,त्रयोदशीश्राद्ध D
14	सोम	12	58	11	32	उ.फा.	17	59	13	33	ब्रह्म	27	34	शकुनि	12	58	06	21	17	56	28	56	08	41	कन्या	22	08	चतुर्दशी श्राद्ध, शस्त्रहतमहालय,E
30	मंगल	07	18	09	17	हस्त	14	13	12	03	ऐन्द्र	20	15	नाग	07	18	06	22	17	55	28	52	08	24	तुला23:30	23	09	स्नानदान अमावस्या, मातामह श्राद्धF

Z अशून्यशयन व्रत A कज्जली बहुला व्रत, बृहद्गौरीव्रत, संकष्टहरचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:30, भरणी श्राद्ध। B महालक्ष्मीव्रत, कालाष्टमी, महात्मा गान्धी जयन्ती, शास्त्री जयन्तीC मघा श्राद्ध, गजच्छाया योग D मासशिवरात्रिव्रत। E शस्त्रादि हत श्राद्ध, सर्वपितृ-अमावस्या श्राद्ध, पितृविसर्जन महालय समाप्ति। **श्राद्ध माहात्म्य** - आषाढ्याः पंचमे पक्षे कन्यासंस्थे दिवाकरे। यो वै श्राद्धं नरः कुर्यादेकस्मिन्नपि वासरे। तस्य संवत्सरं यावत् संतृप्ताः पितरो ध्रुवम्। F भौमवती अमावस्या। **जीवित्पुत्रिकाव्रतम्** - इषे मास्यसिते पक्षे चाष्टमी या तिथिर्भवेत्। पुत्रसौभाग्यदा स्त्रीणां ख्याता सा जीवित्पुत्रिका।।शालिवाहनराजस्य पुत्रो जीमूतवाहनः। तस्यां पूज्यः स नारीभिः पुत्रसौभाग्यलिप्सया।

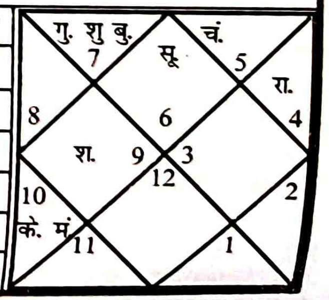
आश्विन कृष्ण 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.09.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	01	09	05	06	06	08	03	09
अं.	12	12	11	19	27	16	08	08	08
क.	41	15	33	41	43	13	49	21	21
वि.	57	56	53	59	39	55	32	36	36
गति	58	809	22	101	11	13	02	व03	व03
	55	40	45	48	05	34	14	11	11



आश्विन कृष्ण 13, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 07.10.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	04	09	06	06	06	08	03	09
अं.	19	21	14	01	29	16	09	07	07
क.	35	14	26	10	03	47	07	59	59
वि.	31	44	23	58	25	51	44	20	20
गति	59	868	25	96	11	व02	02	व03	व03
	10	13	59	00	36	06	51	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, आश्विन शुक्ल पक्ष (दिनांक 10 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2018 ई. तक)

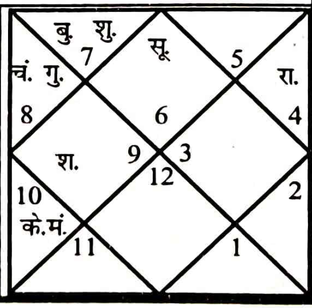
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिण-गोल, शरद्/हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2744, अयनांश 24/06/08

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1 2	बुध	02 59	37 21	07 30	25 07	चित्रा	11	28	10	57	वैधृति	13	49	बव	02	37	06	22	17	54	28	48	08	07	तुला	24	10अक्टू.	शारदीय नवरात्रारम्भ, कलश स्थापन A
3	गुरु	56	01	28	47	स्वाती	10	09	10	26	विष्कुम्भ	08	37	तैतिल	27	41	06	23	17	53	28	43	07	50	वृश्चि28:32	25	11	गौरीतृतीया, रेमन्त पूजा
4	शुक्र	56	06	28	50	विशाखा	10	29	10	35	प्रीति	04	44	वणिज	26	04	06	24	17	52	28	39	07	35	वृश्चिक	26	12	भद्रा16:48 से 28:50 तक,विनायकचतुर्थीव्रत
5	शनि	58	14	29	41	अनुराधा	12	40	11	28	आयुष्मान	02	20	बव	27	10	06	24	17	50	28	35	07	19	वृश्चिक	27	13	देवी पंचमी पूजा, उपांगललितागौरीव्रत
6	रवि	60	00	-	-	ज्येष्ठा	16	42	13	05	सौभाग्य	01	24	कौलव	31	07	06	25	17	49	28	31	07	05	धनु14:05	28	14	
6	सोम	04	00	08	01	मूल	22	27	15	24	शोभन	01	52	तैतिल	04	00	06	25	17	48	28	27	06	51	धनु	29	15	बिल्वामन्त्रण,कालरात्रिपूजा,सरस्वतीआवाहन,
7	मंगल	09	26	10	12	पू.षा.	29	31	18	14	अतिगण्ड	03	26	वणिज	09	26	06	26	17	47	28	23	06	37	मकर25:01	30	16	भद्रा 10:12 से 23:29 तक, B
8	बुध	15	53	12	47	उ.षा.	37	24	21	24	सुकर्मा	05	45	बव	15	53	06	27	17	46	28	18	06	24	मकर	01	17	सूर्य तुला में, सौरतुलासंक्रान्ति, C
9	गुरु	22	37	15	30	श्रवण	43	25	24	37	धृति	08	20	कौलव	22	37	06	27	17	45	28	14	06	12	मकर	02	18	महानवमीव्रत, बलिहोमादि, स्वारोचिषमन्वादि
10	शुक्र	29	00	18	04	धनिष्ठा	52	55	27	38	शूल	10	43	गर	29	00	06	28	17	44	28	10	06	01	कुम्भ14:07	03	19	पंचक प्रारम्भ 14:07,विजयदशमी,दशहरा D
11	शनि	34	24	20	14	शतभिषा	59	20	30	12	गण्ड	12	25	वणिज	01	42	06	29	17	43	28	06	05	50	कुम्भ	04	20	भद्रा 07:09 से 20:14 तक, पापांकुशा E
12	रवि	38	18	21	48	पू.भा.	60	00	-	-	वृद्धि	13	05	बव	06	21	06	29	17	42	28	02	05	40	मीन25:16	05	21	गोद्वादशी, पद्मनाभद्वादशी।
13	सोम	40	33	22	43	पू.भा.	02	50	07	37	ध्रुव	12	31	कौलव	09	25	06	30	17	41	27	58	05	30	मीन	06	22	सोमप्रदोषव्रत
14	मंगल	41	05	22	56	उ.भा.	05	47	08	49	व्याघात	10	41	गर	10	49	06	30	17	40	27	54	05	22	मीन	07	23	भद्रा 22:56 से
15	बुध	40	05	22	33	रेवती	07	13	09	24	हर्षण	07	38	विष्टि	10	35	06	31	17	39	27	50	05	14	मेष09:24	08	24	भद्रा 10:44 तक, शरत् पूर्णिमा, कौमुदी F

A चन्द्रदर्शन, प्रीति द्वितीया, महाराज अग्रसेन जयन्ती। B विल्वादि नवपत्रिका प्रवेश प्रातः काल, महानिशापूजा, देवीत्रिरात्रिव्रतारम्भ। C महाष्टमीव्रत,श्रीदुर्गाष्टमी, अन्नपूर्णापरिक्रमा, सन्धिपूजा, औलीजैन प्रारम्भ,संक्रान्तिपुण्यकाल 12:30 से सूर्यास्त तक। D दुर्गाविसर्जन,शमीपूजा,अपराजिता देवी पूजा, दशरथगौरीव्रत, सीमोल्लंघन, नीलकंठदर्शन, शस्त्रादि पूजा, वाहन पूजा, नवरात्रपारण।E एकादशी व्रत(समस्त),भरत मिलाप(काशी)माधवाचार्य जयन्ती। F महोत्सव, पंचकसमाप्ति 09:24,कोजागरी, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायणव्रत, रात्रौ अक्षक्रीडा, कार्तिकस्नानारम्भ, श्रीबाल्मीकिजयन्ती, औली समाप्त (जैन), अन्नाभिषेक(दक्षिणभारत)।**नवरात्रिसमये घटस्थापन कालविमर्श** -न रात्रौ स्थापनं कार्यं न च कुम्भाभिषेनम्।भास्करोदयमारभ्य यावतु दशनाडिका। प्रातः काल इति प्रोक्तः स्थापनारोपणादिषु।

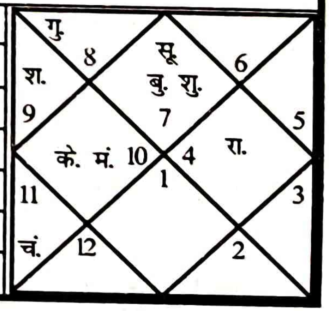
आश्विन शुक्ल 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 14.10.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	05	07	09	06	07	06	08	03	09
अं.	26	26	17	12	00	15	09	07	07
क.	30	30	39	02	26	25	30	37	37
वि.	46	06	35	53	34	39	19	04	04
गति	59	753	28	90	12	व18	03	व03	व03
	24	35	43	59	04	55	29	11	11



आश्विन शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 21.10.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	10	09	06	07	06	08	03	09
अं.	03	20	21	22	01	12	09	07	07
क.	27	20	10	20	52	15	56	14	14
वि.	40	23	12	09	36	14	58	48	48
गति	59	728	31	85	12	व32	04	व03	व03
	38	49	02	56	27	27	03	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, कार्तिक कृष्ण पक्ष (दिनांक 25 अक्टूबर से 07 नवम्बर 2018 ई. तक)

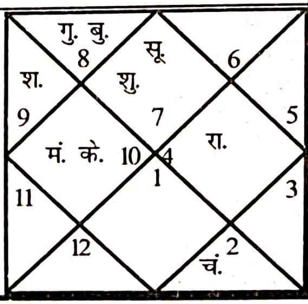
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2759, अयनांश 24/06/10

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	37	48	21	39	अश्विनी	07	19	09	27	वज्र	03	32	बालव	08	56	06	32	17	38	27	46	05	07	मेष	09	25अक्टू.	अशून्यशयन व्रत
											सिद्धि	58	34															
2	शुक्र	34	29	20	20	भरणी	06	19	09	04	व्यतीपात	53	39	तैतिल	06	09	06	32	17	37	27	42	05	00	वृष14:53	10	26	
3	शनि	30	29	18	45	कृत्तिका	04	29	08	21	वरीयान	47	14	वणिज	02	29	06	33	17	37	27	38	04	55	वृष	11	27	भद्रा 07:32से 18:45तक,संकष्टहरचतुर्थीA
4	रवि	26	01	16	58	रोहिणी	02	04	07	23	परिघ	40	31	बालव	26	01	06	34	17	36	27	34	04	50	मिथुन18:50	12	28	दशरथ चतुर्थी(बंगाल)
						मृगसिरा	59	18	30	17																		
5	सोम	21	18	15	06	आर्द्रा	56	33	29	12	शिव	33	40	तैतिल	21	18	06	35	17	35	27	30	04	46	मिथुन	13	29	
6	मंगल	16	24	13	09	पुनर्वसु	53	16	27	53	सिद्ध	26	42	वणिज	16	24	06	35	17	34	27	26	04	42	कर्क22:13	14	30	भद्रा 13:09 से 24:10 तक।
7	बुध	11	27	11	11	पुष्य	50	01	26	36	साध्य	19	44	बव	11	27	06	36	17	33	27	23	04	40	कर्क	15	31	अहोई अष्टमी, अष्टमीव्रत, राधाष्टमीE
8	गुरु	06	25	09	11	आश्लेषा	46	42	25	17	शुभ	12	42	कौलव	06	25	06	37	17	32	27	19	04	38	सिंह25:17	16	01	श्रीराधाजयन्ती
9	शुक्र	01	23	07	10	मघा	43	24	23	59	शुक्ल	05	40	गर	01	23	06	38	17	32	27	15	04	38	सिंह	17	02	भद्रा 18:10 से 19:11 तक।
10		56	22	29	11						ब्रहम	58	39															
11	शनि	51	21	27	10	पू.फा.	40	09	22	42	ऐन्द्र	51	39	बव	23	51	06	38	17	31	27	11	04	38	कन्या28:24	18	03	रम्भा (रमा)एकादशी व्रत(स्मार्त)
12	रवि	46	36	25	17	उ.फा.	37	07	21	30	वैधृति	44	51	कौलव	18	58	06	39	17	30	27	08	04	38	कन्या	19	04	रम्भा (रमा)एकादशी व्रत(वै.)गोवत्स द्वादशी
13	सोम	42	21	23	36	हस्त	34	33	20	29	विष्कुम्भ	38	29	गर	14	28	06	40	17	30	27	04	04	39	कन्या	20	05	भद्रा 23:36से, धन्वन्तरिजयन्ती, धनतेरसB
14	मंगल	38	50	22	12	चित्रा	32	39	19	44	प्रीति	32	41	विष्टि	10	36	06	41	17	29	27	00	04	43	तुला08:06	21	06	भद्रा 10:54 तक,नरकचतुर्दशी,श्रीहनुमान C
30	बुध	36	28	21	16	स्वाती	31	48	19	24	आयुष्मान	27	47	चतुष्पद	07	39	06	41	17	28	26	57	04	46	तुला	22	07	दीपावली, महालक्ष्मी पूजा, अनावस्या D

A व्रत, करकचतुर्थी व्रत, करवा चौथ, चन्द्रोदय 19:56, रोहिणीव्रत । E कालाष्टमी, सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती B धन त्रयोदशी, सोमप्रदोषव्रत, सायं दीपदान, कामेश्वरी जयन्तो। C जयन्ती (उत्तर भारत), माषपत्रभक्षण, यमदीपदान, यमतर्पण, प्रेत चतुर्दशी, रूप चौदस, महाकाली पूजा। D स्नानादि, पितृविसर्जन, प्रात: यमतर्पण, हनुमत्पूजा, लक्ष्मीकुबेरादि पूजन, सायं दीपदान,उल्काभ्रमण, गोत्रिरात्रि व्रत, केदारव्रत, कमला जयन्ती, शंकराचार्य निर्वाण दिन, दयानन्दनिर्वाण दिन, श्रीमहावीर निर्वाण(जैन), **दरिद्रानिस्सारण** -एवं गते निशीथे तु जने निद्रार्धलोचने।तावन्नगरनारीभि: शूर्पडिंडमवादनै:। निष्कास्यते प्रहृष्टाभिरलक्ष्मी: स्वगृहांगणात्।। **कार्तिके स्नानादि- महत्वम्** -कार्तिके सकलं मासं प्रात: स्नायी जितेन्द्रिय:। जपन् हविष्यभुक् शान्त: सर्वपापै: प्रमुच्यते।

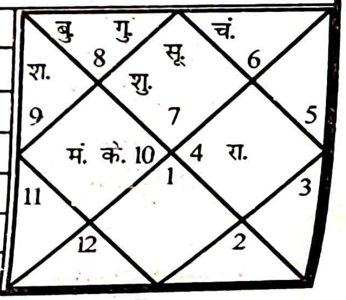
कार्तिक कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 28.10.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	01	09	07	07	06	08	03	09
अं.	10	22	54	01	03	08	10	06	06
क.	26	51	55	58	21	03	27	52	52
वि.	16	11	23	07	05	50	30	32	32
गति	59	832	32	79	12	व36	04	व03	व03
	51	27	57	38	45	46	36	11	11



कार्तिक कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 04.11.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	05	09	07	07	06	08	03	09
अं.	17	01	28	10	04	04	11	06	06
क.	26	18	52	36	51	08	01	30	30
वि.	27	00	41	21	33	55	31	16	16
गति	60	843	34	68	13	व29	05	व03	व03
	05	30	32	39	01	37	03	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, कार्तिक शुक्ल पक्ष (दिनांक 08 नवम्बर से 23 नवम्बर 2018 ई. तक)

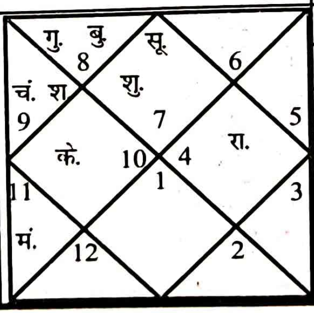
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2773, अयनांश 24/06/12

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	35	23	20	51	विशाखा	32	11	19	34	सौभाग्य	23	52	किंस्तुघ्न	05	56	06	42	17	28	26	53	04	51	वृश्चि13:21	23	नव.08	गोक्रीडा, गोवर्धनपूजा, बलिपूजा, आकाशA
2	शुक्र	35	48	21	02	अनुराधा	34	01	20	19	शोभन	21	07	बालव	05	35	06	43	17	27	26	50	04	56	वृश्चिक	24	09	भ्रातृद्वितीया, भैया दूज, यमपूजा, चन्द्रदर्शन
3	शनि	37	50	21	51	ज्येष्ठा	37	22	21	40	अतिगण्ड	19	35	तैतिल	06	49	06	44	17	26	26	46	05	02	धनु21:40	25	10	त्रिलोचनगौरीव्रत
4	रवि	41	31	23	21	मूल	42	20	23	40	सुकर्मा	19	18	वणिज	09	41	06	44	17	26	26	43	05	09	धनु	26	11	भद्रा 10:36 से 23:21 तक, नागचतुर्थी, B
5	सोम	46	42	25	26	पू.षा.	48	42	26	14	धृति	20	10	बव	14	07	06	45	17	25	26	40	05	16	धनु	27	12	लाभपंचमी, सौभाग्यपंचमी, ज्ञानपंचमी
6	मंगल	53	06	28	00	उ.षा.	56	14	29	16	शूल	21	59	कौलव	19	54	06	46	17	25	26	36	05	25	मकर08:59	28	13	स्कन्दषष्ठी, सूर्यषष्ठीव्रत, प्रतिहारषष्ठीव्रत(सांयार्घ्य)
7	बुध	60	00	-	-	श्रवण	60	00	-	-	गण्ड	24	27	गर	26	49	06	47	17	24	26	33	05	34	मकर	29	14	प्रतिहारषष्ठीसूर्यार्घ्य व्रत पारणा, बालदिवस
7	गुरु	00	33	07	00	श्रवण	04	46	08	42	वृद्धि	27	04	वणिज	00	33	06	48	17	24	26	30	05	44	कुम्भ22:14	30	15	भद्रा 07:20 से 20:20 तक दुर्गाष्टमी, K
8	शुक्र	07	09	09	40	धनिष्ठा	12	26	11	47	ध्रुव	29	23	बव	07	09	06	48	17	23	26	27	05	55	कुम्भ	01	16	सूर्य वृश्चिक में, सौर वृश्चिक संक्रान्ति,M
9	शनि	12	52	11	58	शतभिषा	19	16	14	31	व्याघात	30	50	कौलव	12	52	06	49	17	23	26	24	06	07	कुम्भ	02	17	अक्षयनवमी, कूष्माण्डनवमी, C
10	रवि	17	09	13	41	पू.भा.	24	40	16	42	हर्षण	31	03	गर	17	09	06	50	17	23	27	21	06	20	मीन10:09	03	18	भद्रा 26:10 से , मथुरा मेला (कंस)
11	सोम	19	33	14	40	उ.भा.	28	16	18	09	वज्र	29	43	विष्टि	19	33	06	51	17	22	27	18	06	33	मीन	04	19	भद्रा 14:40 तक, हरिप्रबोधिनीD
12	मंगल	19	59	14	54	रेवती	29	56	18	50	सिद्धि	26	51	बालव	19	59	06	52	17	22	27	15	06	47	मेष18:50	05	20	पंचकसमाप्ति 18:50 , भौम प्रदोषव्रत E
13	बुध	18	29	14	16	अश्विनी	29	45	18	46	व्यतिपात	22	29	तैतिल	18	29	06	53	17	21	26	12	07	02	मेष	06	21	वैकुण्ठचतुर्दशी, ईद मिलाद हजरत मोह.जय.
14	गुरु	15	16	13	00	भरणी	27	53	18	02	वरीयान	16	47	वणिज	15	16	06	53	17	21	26	09	07	18	वृष23:43	07	22	भद्रा 13:00 से 24:06तक,पाषाणचतुर्दशीF
15	शुक्र	10	44	11	12	कृत्तिका	24	46	16	48	परिघ	10	03	बव	10	44	06	54	17	21	26	06	07	34	वृष	08	23	कार्तिकपूर्णिमा,कार्तिकव्रतोद्यापन,स्नानादि G

A दीपारम्भ, अन्नकूट, अखण्डदीप्रारम्भ, मंगलमालिका, द्यूतक्रीडा, विश्वकर्मा पूजा।B विनायकचतुर्थी, दूर्वागणपति व्रत, त्रिदिवसीय सूर्यषष्ठीव्रतारम्भ। K पंचकप्रारम्भ 22:14, मेला गोचारण (मथुरा), गोपाष्टमी, कार्तवीर्योत्पत्ति M संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, औली जैन प्रारम्भ C सतयुगादि, विष्णुत्रिरात्रिव्रतारम्भ, जगद्धत्री पूजा, धात्रीवृक्ष के नीचे भोजन, अयोध्या मथुरा परिक्रमा।D एकादशी व्रत(समस्त),देवउठनी, भीष्मपंचक प्रारम्भ, श्रीविष्णु त्रिरात्रिव्रतसमाप्त, कालिदास जयन्ती ,भीष्मपंचकव्रतारम्भ,चातुर्मास्य समाप्ति। E तुलसी विवाह, गरुडद्वादशी F पूर्णिमाव्रत, विश्वेश्वरप्रतिष्ठाव्रत, काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा, धात्रीपूजन, श्रीमहाविष्णु पूजा। G पूर्णिमा,सत्यनारायणव्रत,गुरुनानक जयन्ती,त्रिपुरोत्सव,तुलसी उद्यापन, पुष्कर मेला,भीष्मपंचकसमाप्ति, देव दीपावली,निम्बार्क जयन्ती, वैशानस दीप(द.भा.)।

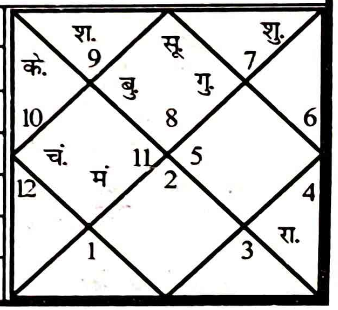
कार्तिक शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 11.11.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	06	08	10	07	07	06	08	03	09
अं.	24	04	03	17	06	01	11	06	06
क.	28	31	00	11	23	40	38	08	08
वि.	08	22	05	26	33	13	46	00	00
गति	60	749	35	44	13	वा14	05	वा03	वा03
	18	04	51	32	13	20	30	11	11



कार्तिक शुक्ल 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 18.11.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	10	10	07	07	06	08	03	09
अं.	01	28	07	19	07	01	12	05	05
क.	31	19	15	19	56	08	18	45	45
वि.	15	57	47	48	37	41	53	44	44
गति	60	729	36	वा05	13	02	05	वा03	वा03
	30	26	57	39	20	46	53	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (दिनांक 24 नवम्बर से 07 दिसम्बर 2018 ई. तक)

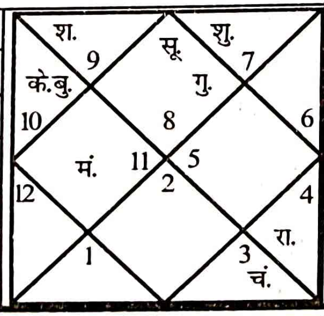
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिणायन, दक्षिणगोल, हेमन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2789, अयनांश 24/06/14

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	05	15	09	01	रोहिणी	20	47	15	13	शिव	02	35	कौलव	05	15	06	55	17	21	26	04	07	51	मिथुन26:20	09	24नव.	कार्तिकव्रतपारणा, गुरुतेगबहादुर बलिदान दिवस
2		59	12	30	36						सिद्ध	54	41															
3	रवि	52	53	28	05	मृगसिरा	16	19	13	27	साध्य	46	49	वणिज	26	02	06	56	17	20	26	01	08	09	मिथुन	10	25	भद्रा 17:21 से 28:05तक,सौभाग्यसुन्दरीव्रत
4	सोम	46	35	25	34	आर्द्रा	11	40	11	36	शुभ	38	21	बव	19	44	06	57	17	20	25	59	08	28	कर्क28:16	11	26	संकष्टहरचतुर्थी व्रत, चन्द्रोदय 20:34
5	मंगल	40	19	23	05	पुनर्वसु	07	09	09	49	शुक्ल	30	13	कौलव	13	27	06	57	17	20	25	56	08	47	कर्क	12	27	
6	बुध	34	31	20	46	पुष्य	02	57	08	09	ब्रहम	22	26	गर	07	25	06	58	17	20	25	54	09	07	सिंह30:38	13	28	भद्रा 20:46 से
						आश्लेषा	59	07	30	38																		
7	गुरु	29	15	18	41	मघा	55	54	29	21	ऐन्द्र	15	03	विष्टि	01	53	06	59	17	20	25	52	09	28	सिंह	14	29	भद्रा 07:43 तक सावित्रीकल्प,रुक्मणी A
8	शुक्र	24	33	16	49	पू.फा.	52	37	28	02	वैधृति	08	06	कौलव	24	33	07	00	17	20	25	50	09	49	सिंह	15	30	
9	शनि	20	30	15	12	उ.फा.	50	33	27	13	विष्कुम्भ	01	39	गर	20	23	07	01	17	20	25	47	10	11	कन्या09:50	16	01दि.	भद्रा 26:32से
											प्रीति	55	45															
10	रवि	17	10	13	53	हस्त	49	12	26	42	आयुष्मान	49	49	विष्टि	17	10	07	01	17	20	25	45	10	33	कन्या	17	02	भद्रा 13:53 तक
11	सोम	14	34	12	51	चित्रा	48	37	26	29	सौभाग्य	45	06	बालव	14	34	07	02	17	20	25	44	10	56	तुला14:35	18	03	उत्पन्ना एकादशी व्रत (समस्त),
12	मंगल	12	53	12	12	स्वाती	48	59	26	38	शोभन	41	11	तैतिल	12	53	07	03	17	20	25	42	11	20	तुला	19	04	भौम प्रदोषव्रत
13	बुध	12	13	11	56	विशाखा	50	24	27	13	अतिगण्ड	38	05	वणिज	12	13	07	04	17	20	25	40	11	44	वृश्चि21:04	20	05	भद्रा 11:56 से 24:01तक, मासशिवरात्रि
14	गुरु	12	38	12	07	अनुराधा	52	53	28	13	सुकर्मा	35	51	शकुनि	12	38	07	04	17	20	25	38	12	09	वृश्चिक	21	06	अमावस्या श्राद्धादि
30	शुक्र	14	13	12	46	ज्येष्ठा	56	34	29	42	धृति	34	33	नाग	14	13	07	05	17	20	25	37	12	34	धनु29:42	22	07	स्नान दान की अमावस्या, कार्तिकपूजा(बं.)

A अष्टमी,कालभैरवाष्टमी, कालाष्टमी, भैरव जयन्ती B श्राद्धादि अमावस्या, कार्तिक पूजा बंगाल। **नवान्नभक्षणम्**-वृश्चिके पूर्वभागे तु नवान्नं शस्यते बुधैः। अपरे क्रियमाणे तु धनुष्येव कृतं भवेत्।। धनुषि यत्कृतं श्राद्धं मृगनेत्रासु रात्रिषु। पितरस्तन्न गृह्णन्ति नवान्नामृतकांक्षिणः।। कालभैरवपूजने विशेषः - कृत्वा च विविधां पूजां महासम्भार- विस्तरैः। नरो मार्गासिताष्टम्यां वार्षिकं विघ्नमुत्सृजेत्। तीर्थे कालोदके स्नात्वा कृत्वा तर्पणमत्वरः। विलोक्य कालराजानं निरयादुद्धरेत्पितृन्। **रविवासरे त्याज्य वस्तूनि**-क्षौरं तैलं जलं चोष्णमामिषं निशि भोजनम्। रतिः स्नानं च मध्याह्ने रवौ सप्त विवर्जयेत्।।

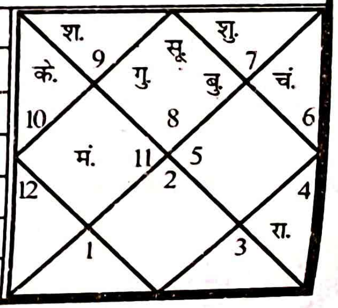
मार्गशीर्ष कृष्ण 03, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 25.11.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	02	10	09	07	06	08	03	09
अं.	08	02	11	14	09	02	13	05	05
क.	35	46	38	02	30	31	01	23	23
वि.	37	11	19	27	18	37	31	27	27
गति	60	859	37	व72	13	18	06	व03	व03
	40	42	51	29	24	10	13	11	11



मार्गशीर्ष कृष्ण 10, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 02.12.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	05	10	07	07	06	08	03	09
अं.	15	12	16	05	11	05	13	05	05
क.	41	01	06	13	04	30	46	01	01
वि.	07	54	24	55	10	41	15	11	11
गति	60	826	38	व60	13	30	06	व03	व03
	49	43	35	13	23	37	30	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष (दिनांक 08 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2018 ई. तक)

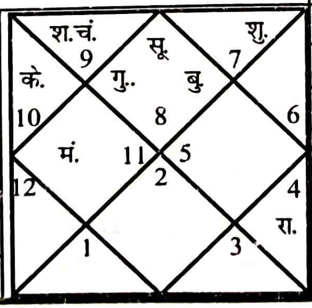
'विरोधकृत्' संवत्सर, दक्षिण/उत्तरायण, दक्षिण गोल, हेमन्त/शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2803, अयनांश 24/06/16

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	शनि	17	03	13	55	मूल	60	00	-	--	शूल	34	12	बव	17	03	07	06	17	20	25	35	12	59	धनु	23	दि.08	प्रतिपत्प्रदोष, रुद्रव्रत,चन्द्रदर्शन
2	रवि	21	06	15	33	मूल	02	31	08	06	गण्ड	34	46	कौलव	21	06	07	07	17	20	25	34	13	25	धनु	24	09	रम्भाव्रत,
3	सोम	26	19	17	39	पू.षा.	08	34	10	32	वृद्धि	36	11	गर	26	19	07	07	17	20	25	33	13	51	मकर17:14	25	10	भद्रा 30:54 से
4	मंगल	32	34	20	09	उ.षा.	15	36	13	22	ध्रुव	38	19	विष्टि	32	34	07	08	17	21	25	31	14	18	मकर	26	11	भद्रा 20:09तक, विनायकचतुर्थी व्रत
5	बुध	39	26	22	55	श्रवण	23	20	16	28	व्याघात	40	53	बव	06	00	07	09	17	21	25	30	14	45	कुम्भ30:05	27	12	पंचकप्रारम्भ 30:05 रामविवाहोत्सव, A
6	गुरु	46	34	25	46	धनिष्ठा	31	22	19	42	हर्षण	43	36	कौलव	13	00	07	09	17	21	25	29	15	12	कुम्भ	28	13	स्कन्दषष्ठी, संहारषष्ठी, मल्लारषष्ठी B
7	शुक्र	53	09	28	25	शतभिषा	39	02	22	46	वज्र	45	52	गर	19	51	07	10	17	21	25	29	15	40	कुम्भ	29	14	भद्रा 28:25 से, नन्दासप्तमी,मित्रसप्तमी
8	शनि	58	42	30	39	पू.भा.	45	49	25	30	सिद्धि	47	21	विष्टि	25	55	07	10	17	22	28	28	16	08	मीन18:49	30	15	भद्रा 17:32 तक, दुर्गाष्टमी
9	रवि	60	00	-	-	उ.भा.	51	01	27	35	व्यतीपात	47	28	बालव	29	44	07	11	17	22	25	27	16	36	मीन	01	16	सूर्य धनु में, सौर धनु संक्रान्ति, C
9	सोम	00	47	07	30	रेवती	54	16	28	54	वरीयान	46	00	कौलव	00	47	07	12	17	22	25	27	17	05	मेष28:54	02	17	पंचकसमाप्ति 28:54, कल्पादि नवमी
10	मंगल	01	57	07	59	अश्विनी	55	18	29	19	परिघ	42	45	गर	01	57	07	12	17	23	25	26	17	33	मेष	03	18	भद्रा 19:47 से,
11	बुध	00	59	07	36	भरणी	54	09	28	52	शिव	37	45	विष्टि	00	59	07	13	17	23	25	26	18	02	मेष	04	19	भद्रा 07:36 तक, मोक्षदा एकादशी व्रत
12		57	59	30	24																							अखण्डद्वादशी, मत्स्या द्वादशी D
13	गुरु	55	05	29	15	कृत्तिका	51	02	27	38	सिद्ध	31	10	कौलव	26	32	07	13	17	24	25	26	18	31	वृष10:33	05	20	प्रदोषव्रत, अनंग त्रयोदशी
14	शुक्र	48	29	26	37	रोहिणी	46	22	25	46	साध्य	23	19	गर	21	47	07	14	17	24	25	25	19	00	वृष	06	21	भद्रा 26:37 से, दत्तजयन्ती E
15	शनि	40	52	23	35	मृगसिरा	40	40	23	30	शुभ	14	34	विष्टि	14	40	07	14	17	25	25	25	19	29	मिथुन12:38	07	22	भद्रा 13:06 तक, मार्गशीर्ष पूर्णिमा F

A नागपंचमी, विवाह पंचमी, बाबू वैजनाथ जयन्ती, रामदास जयन्ती B चम्पाषष्ठी(महाराष्ट्र), सुब्रह्मण्यमषष्ठी(द.भारत), गुह षष्ठी । C संक्रान्तिपुण्यकाल 09:16 से 15:40 तक (समस्त), महानवमीव्रत, D गीता जयन्ती, मौन एकादशी(जैन), धरणी व्रत।E दत्तात्रेय उत्पत्ति, पिशाचमोचन श्राद्ध, रोहिणीव्रत F सत्यनारायणव्रत, काशी पिशाचमोचनयात्रा, दर्शन तर्पणादि, स्नानदानादि पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, त्रिपुरभैरव जयन्ती। **अथसौरव्रतम्**-मार्गे मासि तथा माघे वैशाखाषाढयोरपि। शुक्लपक्षे व्रतं कुर्यात्सम्यग्देवस्य भास्वतः।। **नवान्नफलभक्षणम्** - हरियुगलेऽदितियुगले पूषायुगले विरंचियुगले च। करपंचकोत्तरेषु च नवान्नफलभक्षणं शस्तम्।।

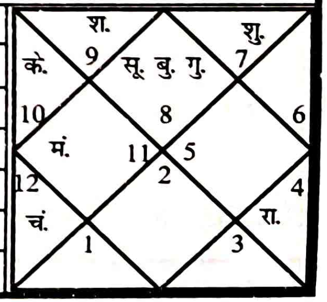
मार्गशीर्ष शुक्ल 02, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 09.12.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	08	10	07	07	06	08	03	09
अं.	22	12	20	03	12	09	14	04	04
क.	47	49	38	23	37	45	32	38	38
वि.	32	01	56	06	44	14	44	55	55
गति	60	738	39	16	13	40	06	व03	व03
	56	43	09	03	20	14	43	11	11



मार्गशीर्ष शुक्ल 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 16.12.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	07	11	10	07	07	06	08	03	09
अं.	29	06	25	08	14	14	15	04	24
क.	54	21	15	38	10	57	20	16	16
वि.	43	50	02	52	32	40	37	39	39
गति	61	726	39	61	13	47	06	व3	व3
	02	54	37	12	11	34	54	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, पौष कृष्ण पक्ष (दिनांक 23दिसम्बर 2018 से 05जनवरी 2019ई. तक)

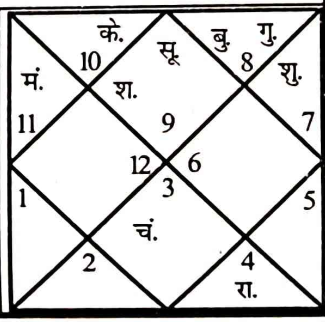
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2818, अयनांश 24/06/18

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	32	39	20	18	आर्द्रा	34	19	20	58	शुक्ल ब्रहम	05 55	11 35	बालव	06	46	07	15	17	25	25	25	19	58	मिथुन	08	23दिस.	
2	सोम	24	23	17	00	पुनर्वसु	27	51	18	23	ऐन्द्र	46	02	गर	24	23	07	15	17	26	25	26	20	27	कर्क13:02	09	24	भद्रा 27:24 से
3	मंगल	16	20	13	48	पुष्य	21	38	15	55	वैधृति	36	20	विष्टि	16	20	07	16	17	26	25	26	20	56	कर्क	10	25	भद्रा 13:48 तक, संकष्टहरचतुर्थी व्रतA
4	बुध	08	48	10	47	आश्लेषा	15	55	13	38	विष्कुम्भ	27	11	बालव	08	48	07	16	17	27	25	26	21	25	सिंह13:38	11	26	
5 6	गुरु	02 56	00 10	08 29	04 44	मघा	10	59	11	40	प्रीति	18	47	तैतिल	02	00	07	16	17	27	25	27	21	53	सिंह	12	27	भद्रा 29:44 से
7	शुक्र	50	14	27	22	पू.फा.	07	01	10	05	आयुष्मान	11	14	विष्टि	23	12	07	17	17	28	25	27	22	22	कन्या15:48	13	28	भद्रा 16:33 तक,भानुसप्तमी,व्यष्टकाश्राद्ध
8	शनि	46	43	25	58	उ.फा.	04	12	08	57	सौभाग्य शोभन	04 59	37 01	बालव	18	29	07	17	17	29	27	28	22	51	कन्या	14	29	अष्टकाश्राद्ध, कालाष्टमी
9	रवि	44	33	25	07	हस्त	02	36	08	20	अतिगण्ड	54	27	तैतिल	15	38	07	17	17	29	25	29	23	19	तुला20:11	15	30	अन्वष्टकाश्राद्ध
10	सोम	43	47	24	48	चित्रा	02	20	08	13	सुकर्मा	49	51	वणिज	14	10	07	18	17	30	25	30	23	47	तुला	16	31	भद्रा 12:57 से 24:48 तक
11	मंगल	44	23	25	03	स्वाती	03	23	08	39	धृति	47	29	बव	14	05	07	18	17	30	25	31	24	15	वृश्चि27:21	17	01जन.	सफला एकादशी व्रत(समस्त), B
12	बुध	46	16	25	48	विशाखा	05	43	09	35	शूल	46	06	कौलव	15	19	07	18	17	31	25	32	24	43	वृश्चिक	18	02	सुरूपा द्वादशी(गुजरात), रूपद्वादशी
13	गुरु	49	19	27	02	अनुराधा	09	16	11	01	गण्ड	45	36	गर	17	47	07	18	17	32	25	33	25	11	वृश्चिक	19	03	भद्रा 27:02 से, प्रदोषव्रत,
14	शुक्र	53	26	28	41	ज्येष्ठा	13	54	12	52	वृद्धि	45	52	विष्टि	21	22	07	19	17	33	25	34	25	38	धनु12:52	20	04	भद्रा 15:51 तक, मासशिवरात्रि व्रत
30	शनि	58	26	30	41	मूल	19	28	15	06	ध्रुव	46	49	चतुष्पद	25	56	07	19	17	33	25	36	26	05	धनु	21	05	शनैश्चरी अमावस्या, स्नानदानादि B

A चन्द्रोदय 20:30,क्रिसमस डे(ईसाई), ईसामसीह जयन्ती, मदनमोहनमालवीय जयन्ती B आंग्ल नववर्ष 2019 प्रारम्भ B अमावस्या, बकुला अमावस्या, पौषी अमावस्या। **दशतारकविचार** -पौषे मूलभरण्यन्तं चन्द्रचारेण वर्षति। आर्द्रादितो विशाखान्तं सूर्यचारेण वर्षति। एवं चैत्रे तथा ज्येष्ठे शुक्लपक्षे प्रयत्नतः। आर्द्रादिदशताराणां ज्ञात्वा गर्भ वदेत्फलम्।। **मेघगर्भपुष्टिविचारः**-वाताभ्रगर्जत्तडितोदकानि हिमप्रपातः करकावघातः।अकालसन्ध्या परिवेषणश्च नवप्रकारैः प्रभवन्ति गर्भाः।।

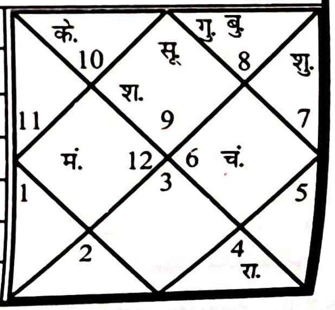
पौष कृष्ण 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 23.12.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	02	10	07	07	06	08	03	09
अं.	07	11	29	17	15	20	16	03	03
क.	02	35	53	10	42	54	09	54	54
वि.	25	58	54	13	06	14	27	23	23
गति	61	881	39	79	12	53	07	व03	व03
	06	09	58	16	59	10	01	11	11



पौष कृष्ण 09, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 30.12.2018

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	05	11	07	07	06	08	03	09
अं.	14	22	04	26	17	27	16	03	03
क.	10	44	34	57	11	24	58	32	32
वि.	27	09	52	01	56	37	50	08	08
गति	61	823	40	86	12	57	07	व03	व03
	09	35	14	16	42	29	04	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, पौष शुक्ल पक्ष (दिनांक 06 जनवरी से 21 जनवरी 2019 ई. तक)

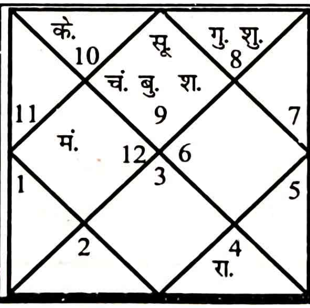
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2832, अयनांश 24/06/20

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	रवि	60	00	-	-	पू.षा.	25	49	17	38	व्याघात	48	19	किंस्तुघ्न	31	40	07	19	17	34	25	37	26	31	मकर24:20	22	06जन.	
1	सोम	04	54	09	17	उ.षा.	32	54	20	28	हर्षण	50	20	बव	04	54	07	19	17	35	25	39	26	57	मकर	23	07	चन्द्रदर्शन
2	मंगल	11	15	11	49	श्रवण	40	30	23	31	वज्र	52	44	कौलव	11	15	07	19	17	36	25	40	27	23	मकर	24	08	
3	बुध	18	01	14	31	धनिष्ठा	48	27	26	42	सिद्धि	55	21	गर	18	01	07	19	17	36	25	42	27	48	कुम्भ13:06	25	09	भद्रा 27:54 से, पंचकप्रारम्भ 13:06
4	गुरु	24	55	17	17	शतभिषा	56	26	29	53	व्यतीपात	57	56	विष्टि	24	55	07	19	17	37	25	44	28	13	कुम्भ	26	10	भद्रा 17:17 तक, विनायक चतुर्थी व्रतA
5	शुक्र	31	30	19	55	पू.भा.	60	00	-	-	वरीयान	60	00	बालव	31	30	07	19	17	38	25	46	28	37	मीन25:59	27	11	
6	शनि	37	18	22	14	पू.भा.	03	26	08	41	वरीयान	00	20	कौलव	04	24	07	19	17	39	25	48	29	01	मीन	28	12	अन्नरूपाषष्ठी, युवादिवस, विवेकानन्द जय.
7	रवि	41	47	24	02	उ.भा.	09	34	11	09	परिघ	00	41	गर	09	32	07	19	17	40	25	50	29	24	मीन	29	13	भद्रा 24:02 से, लोहिडी, भानुसप्तमी B
8	सोम	44	27	25	06	रेवती	14	12	13	00	शिव सिद्ध	00 58	33 58	विष्टि	13	07	07	19	17	40	25	52	29	47	मेष13:00	01	14	भद्रा 12:34 तक,सूर्य मकर राशि में, सौर मकर संक्रान्ति, पंचक समाप्ति C
9	मंगल	44	55	25	17	अश्विनी	16	56	14	05	साध्य	55	46	बालव	14	41	07	19	17	41	25	55	30	09	मेष	02	15	
10	बुध	43	11	24	35	भरणी	17	37	14	21	शुभ	52	34	तैतिल	14	03	07	19	17	42	25	57	30	30	वृष20:13	03	16	साम्ब दशमी, सूर्य पूजा (उडीसा)
11	गुरु	39	16	23	01	कृत्तिका	16	13	13	48	शुक्ल	46	00	वणिज	11	13	07	19	17	43	25	59	30	51	वृष	04	17	भद्रा 11:48 से 23:01तक,पुत्रदा एकादशीD
12	शुक्र	33	25	20	41	रोहिणी	12	56	12	29	ब्रहम	37	56	बव	06	20	07	19	17	44	26	02	31	12	मिथुन23:30	05	18	कूर्म द्वादशी, प्रदोष व्रत
13	शनि	26	04	17	44	मृगसिरा	08	01	10	31	ऐन्द्र	28	41	तैतिल	26	04	07	19	17	45	26	04	31	31	मिथुन	06	19	
14	रवि	17	42	14	23	आर्द्रा पुनर्वसु	01 55	58 07	08 29	05 21	वैधृति	18	41	वणिज	17	42	07	18	17	45	26	07	31	50	कर्क24:02	07	20	भद्रा 14:23 से 24:34 तक, पूर्णिमा व्रत
15 1	सोम	08 59	41 31	10 31	46 06	पुष्य	48	19	26	37	विष्कुम्भ प्रीति	08 57	10 33	बव	08	41	07	18	17	46	26	10	32	08	कर्क	08	21	स्नानदानादि पूर्णिमा, पौषी पूर्णिमा, माघ E

Aगणेश चतुर्थी Bगुरु गोविन्दसिंह जयन्ती C 13:00 पर। संक्रान्ति पुण्यकाल मध्याह्न से सूर्यास्त तक, पोंगल, महाभद्राष्टमीव्रत, दुर्गाष्टमी D व्रत (समस्त), रैवत मन्वादि। E स्नान आरम्भ, श्रीसत्यनारायण व्रत, तूल परीक्षा, दशाश्वमेध गंगा स्नान, शाकम्भरी जयन्ती।

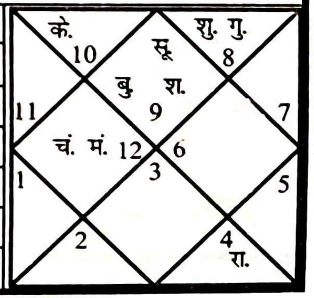
पौष शुक्ल 01, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 06.01.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	08	11	08	07	07	08	03	09
अं.	21	21	09	07	18	04	17	03	03
क.	18	27	17	16	39	21	48	09	09
वि.	35	28	19	18	33	07	26	52	52
गति	61	726	40	59	12	60	07	व03	व03
	09	05	25	52	21	49	05	11	11



पौष शुक्ल 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 13.01.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	08	11	11	08	07	07	08	03	09
अं.	28	14	14	17	20	11	18	02	02
क.	26	44	00	58	04	37	37	47	47
वि.	36	15	51	11	25	53	46	37	37
गति	61	724	40	53	11	63	07	व03	व03
	08	52	33	03	56	27	02	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, माघ कृष्ण पक्ष (दिनांक 22 जनवरी से 04 फरवरी 2019 ई. तक)

'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2848, अयनांश 24/06/22

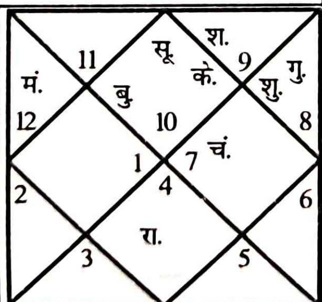
तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	मंगल	50	29	27	30	आश्लेषा	40	40	23	33	आयुष्मान	46	59	तैतिल	25	00	07	18	17	47	26	13	32	26	सिंह23:33	09	22जन.	
3	बुध	41	26	23	52	मघा	33	32	20	42	सौभाग्य	36	32	वणिज	15	57	07	18	17	47	26	16	32	43	सिंह	10	23	भद्रा 13:41 से 23:52 तक, सुभाष जयन्ती
4	गुरु	33	34	20	43	पू.फा.	27	23	18	14	शोभन	26	59	बव	07	30	07	17	17	49	26	19	32	59	कन्या23:44	11	24	संकष्टहरचतुर्थी व्रत A
5	शुक्र	27	03	18	06	उ.फा.	22	29	16	16	अतिगण्ड	18	31	कौलव	00	18	07	17	17	50	26	22	33	14	कन्या	123	25	
6	शनि	22	03	16	05	हस्त	19	03	14	53	सुकर्मा	11	14	वणिज	22	03	07	16	17	51	26	25	33	29	तुला26:33	13	26	भद्रा 16:05 से 27:27 तक,गणतन्त्रदिवसB
7	रवि	18	53	14	49	चित्रा	17	24	14	13	धृति	05	22	बव	18	53	07	16	17	51	26	28	33	43	तुला	14	27	व्यष्टका श्राद्ध, कालाष्टमी
8	सोम	17	35	14	17	स्वाती	17	34	14	17	शूल गण्ड	00 57	57 59	कौलव	17	35	07	16	17	52	26	31	33	56	तुला	15	28	अष्टकाश्राद्ध
9	मंगल	18	08	14	30	विशाखा	19	32	15	04	वृद्धि	54	52	गर	18	08	07	15	17	53	26	34	34	08	वृश्चि08:52	16	29	भद्रा 26:57 से, अन्वष्टकाश्राद्ध
10	बुध	20	25	15	24	अनुराधा	23	10	16	31	ध्रुव	54	42	विष्टि	20	25	07	15	17	54	26	37	34	19	वृश्चिक	17	30	भद्रा 15:24 तक
11	गुरु	24	13	16	55	ज्येष्ठा	28	16	18	32	व्याघात	55	33	बालव	24	13	07	14	17	55	26	41	34	30	धनु18:32	18	31	षट्तिला एकादशीव्रत(समस्त)
12	शुक्र	29	14	18	55	मूल	34	30	21	01	हर्षण	57	09	तैतिल	29	14	07	14	17	56	26	44	34	40	धनु	19	01फर.	तिलद्वादशी,
13	शनि	35	05	21	15	पू.षा.	41	31	23	49	वज्र	59	13	गर	02	09	07	13	17	56	26	48	34	49	मकर30:34	20	02	भद्रा 21:15 से.शनि प्रदोषव्रत, C
14	रवि	41	31	23	49	उ.षा.	49	05	26	50	सिद्धि	60	00	विष्टि	08	18	07	13	17	57	26	51	34	57	मकर	21	03	भद्रा 10:32 तक
30	सोम	48	11	26	28	श्रवण	56	50	29	56	सिद्धि	01	57	चतुष्पद	14	51	07	12	17	58	26	55	35	05	मकर	22	04	मौनी अमावस्या, माघी अमावस्या, D

A गणेश चतुर्थी व्रत, गणेशोत्पत्ति, चन्द्रार्घ्यदान, चन्द्रोदय 21:32, B रामानन्दाचार्य जयन्ती C मेरुत्रयोदशी जैन, मास शिवरात्रि, D सोमवती अमावस्या, त्रिवेणी गंगा स्नान, थई अमावस्या (दक्षिण भारत) ।

माघे विष्णुपूजा – पौष्यां तु समतीतायां यावद्भवति पौर्णिमा। माघमासस्य तावद्धि पूजा विष्णोर्विधीयते।। **पूर्णिमातः माघस्नानारम्भे मन्त्रः** –दुःखदारिद्र्यनाशाय श्रीविष्णोस्तोषणाय च। प्रातः स्नानं करोम्यद्य माघे पापविनाशिने। **माघे अर्घ्यदानमन्त्रः** –सवित्रे प्रसवित्रे च परं धाम जले मम। त्वत्तेजसा परिभ्रष्टं पापं यातु सहस्रधा।

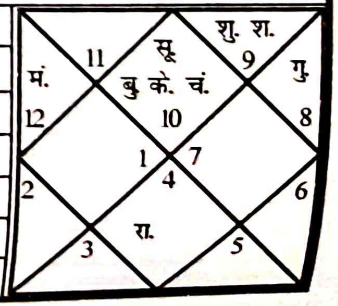
माघ कृष्ण 07, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 27.01.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	06	11	09	07	07	08	03	09
अं.	12	02	23	10	22	26	20	02	02
क.	41	38	29	36	43	55	14	03	03
वि.	25	30	24	40	50	28	12	06	06
गति	61	832	40	100	10	67	06	व03	व03
	00	21	39	52	53	05	44	11	11



माघ कृष्ण 14, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.02.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	09	11	09	07	08	08	03	09
अं.	19	00	28	22	23	04	21	01	01
क.	47	15	13	41	57	50	00	40	40
वि.	48	04	47	18	15	07	32	51	51
गति	60	714	40	105	10	68	06	व03	व03
	53	59	38	31	13	20	31	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, माघ शुक्ल पक्ष (दिनांक 05 फरवरी से 19 फरवरी 2019 ई. तक)

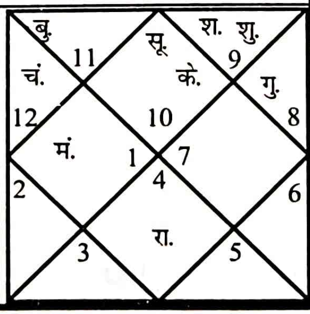
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर/बसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2862, अयनांश 24/05/24

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	मंगल	54	59	29	11	धनिष्ठा	60	00	-	-	व्यतीपात	04	19	किंस्तुघ्न	21	35	07	11	17	59	26	58	35	11	कुम्भ19:30	23	फर.05	गुप्तनवरात्रारम्भ, पंचकप्रारम्भ 19:30 से,
2	बुध	60	00	-	-	धनिष्ठा	04	46	09	05	वरीयान	06	43	बालव	28	17	07	11	18	00	27	02	35	17	कुम्भ	24	06	चन्द्रदर्शन,
2	गुरु	01	35	07	48	शतभिषा	12	20	12	06	परिघ	08	57	कौलव	01	35	07	10	18	01	27	06	35	22	मीन08:15	25	07	
3	शुक्र	07	45	10	15	पू.भा.	19	33	14	58	शिव	10	54	गर	07	45	07	09	18	01	27	09	35	26	मीन	26	08	भद्रा 23:21से , गौरीतृतीया व्रत,A
4	शनि	13	17	12	27	उ.भा.	26	08	17	36	सिद्ध	12	22	विष्टि	13	17	07	09	18	02	27	13	35	30	मीन	27	09	भद्रा 12:27 तक,
5	रवि	17	49	14	15	रेवती	31	42	19	49	साध्य	13	03	बालव	17	49	07	08	18	03	27	17	35	32	मेष19:49	28	10	वसन्तपंचमी, सरस्वती पूजन,मदनपंचमी B
6	सोम	21	00	15	31	अश्विनी	35	58	21	30	शुभ	12	44	तैतिल	21	00	07	07	18	04	27	21	32	34	मेष	29	11	शीतलाषष्ठी, स्कन्द षष्ठी
7	मंगल	22	33	16	08	भरणी	38	36	22	33	शुक्ल	11	11	वणिज	22	33	07	07	18	05	27	25	35	35	वृष28:37	30	12	भद्रा 16:08 से 28:03 तक C
8	बुध	22	15	15	59	कृत्तिका	39	25	22	51	ब्रहम	08	14	बव	22	15	07	06	18	05	27	28	35	35	वृष	01	13	सूर्य कुम्भ राशि में, सौर कुम्भ संक्रान्ति,D
9	गुरु	20	01	15	05	रोहिणी	38	19	22	24	ऐन्द्र वैधृति	03 57	49 55	कौलव	20	01	07	05	18	06	27	32	35	34	वृष	02	14	महानन्दा नवमी, गुप्तनवरात्रि समाप्त नन्दिनीदेवी पूजा,
10	शुक्र	15	52	13	25	मृगसिरा	35	19	21	11	विष्कुम्भ	52	06	गर	15	52	07	04	18	07	27	36	35	33	मिथु09:47	03	15	भद्रा 24:14 से,
11	शनि	10	02	11	04	आर्द्रा	30	41	19	20	प्रीति	43	20	विष्टि	10	02	07	03	18	08	27	40	35	30	मिथुन	04	16	भद्रा 11:04 तक,जया एकादशीव्रत(सम.)E
12 13	रवि	02 54	46 27	08 28	09 50	पुनर्वसु	24	41	16	55	आयुष्मान	33	30	बालव	02	46	07	03	18	08	27	44	35	27	कर्क11:31	05	17	भीमद्वादशी, वराहद्वादशी कल्पादि 13 , प्रदोष व्रत F
14	सोम	46	11	25	30	पुष्य	17	43	14	07	सौभाग्य	22	59	गर	20	19	07	02	18	09	27	48	35	24	कर्क	06	18	भद्रा 25:30 से,
15	मंगल	36	14	21	30	आश्लेषा	10	11	11	05	शोभन	12	07	विष्टि	11	22	07	01	18	10	27	52	35	19	सिंह	07	19	भद्रा 11:30 तक,महामाघी, माघीपूर्णिमा F

A गुडलवणदान, सोपपदम्, तिल/कुन्द/विनायक चतुर्थी **B** वागीश्वरी जयन्ती, लेखनी पूजा(बंगाल), तक्षकपूजा, पंचक समाप्ति 19:49 पर। **C** रथ सप्तमी, अचलासप्तमी, सूर्यजयन्ती, आरोग्य सप्तमी, अभोज्यर्कव्रत। **D** दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी, भीष्माष्टमी, संक्रान्ति पुण्यकाल सूर्योदय से 08:58 तक, **E** भैमी एकादशी, भक्तपुण्डरीक उत्सव। **F** सन्तानद्वादशी, सोपपदम्, आमलकी द्वादशी, भीष्म द्वादशी, भीष्म तर्पण, मरु महोत्सव प्रारम्भ (जैसलमेर)। **F** स्नानदानादि पूर्णिमा, पूर्णिमाव्रत, माघ स्नान समाप्ति, श्रीसत्यनारायण व्रत, गुरु रविदास जयन्ती, कम्बलदान, थईपूषम् (दक्षिण भारत),मरु महोत्सव समाप्त (जैसलमेर)।

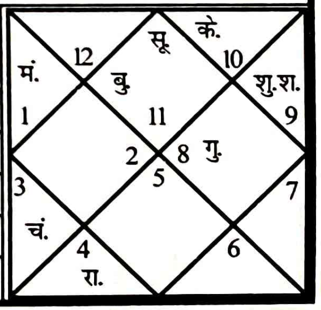
माघ शुक्ल 05, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.02.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	09	11	00	10	07	08	08	03	09
अं.	26	23	02	05	25	12	21	01	01
क.	53	34	57	13	05	52	45	18	18
वि.	16	57	55	34	45	22	03	36	36
गति	60	728	40	108	09	69	06	व03	व03
	45	28	35	29	28	19	14	11	11



माघ शुक्ल 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.02.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	02	00	10	07	08	08	03	09
अं.	03	27	07	17	26	21	22	00	00
क.	57	19	41	42	08	00	27	56	56
वि.	37	52	35	44	44	27	23	22	22
गति	60	874	40	104	08	70	05	व03	व03
	35	52	31	32	39	05	53	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, फाल्गुन कृष्ण पक्ष (दिनांक 20 फरवरी से 06 मार्च 2019 ई. तक)

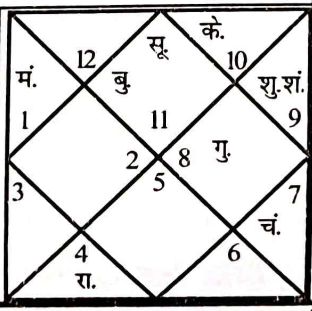
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2877, अयनांश 24/06/26

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	बुध	26	32	17	37	मघा	02	34	08	01	अतिगण्ड	01	14	बालव	01	23	07	00	18	11	27	56	35	14	सिंह	08	20फर.	
						पू.फा.	55	20	29	07	सुकर्मा	50	43															
2	गुरु	17	32	13	59	उ.फा.	48	01	26	11	धृति	40	07	गर	17	32	06	59	18	11	28	01	35	08	कन्या10:23	09	21	भद्रा 24:23 से
3	शुक्र	09	34	10	47	हस्त	42	23	23	55	शूल	30	56	विष्टि	09	34	06	58	18	12	28	05	35	01	कन्या	10	22	भद्रा 10:47 तक,संकष्टहरगणेशचतुर्थीव्रतA
4	शनि	03	03	08	10	चित्रा	38	32	22	21	गण्ड	23	10	बालव	03	03	06	57	18	13	28	09	34	54	तुला11:08	11	23	
5		58	17	30	16																							
6	रवि	53	18	28	15	स्वाती	36	40	21	36	वृद्धि	16	57	गर	26	07	06	56	18	13	28	13	34	46	तुला	12	24	भद्रा 28:15 से
7	सोम	52	38	27	58	विशाखा	36	53	21	40	ध्रुव	12	22	विष्टि	22	58	06	55	18	14	28	17	34	37	वृश्चि15:39	13	25	भद्रा 16:06 तक, व्यष्टका श्राद्ध
8	मंगल	54	14	28	35	अनुराधा	39	18	22	37	व्याघात	09	30	बालव	23	26	06	54	18	15	28	21	34	28	वृश्चिक	14	26	अष्टका श्राद्ध, सीताष्टमी,कालाष्टमीB
9	बुध	57	50	30	01	ज्येष्ठा	43	40	24	21	हर्षण	08	15	तैतिल	26	02	06	53	18	15	28	25	34	17	धनु24:21	15	27	अन्वष्टका श्राद्ध
10	गुरु	60	00	-	-	मूल	49	42	26	45	वज्र	08	24	वणिज	31	13	06	52	18	16	28	30	34	07	धनु	16	28	भद्रा 19:21 से, स्वामी दयानन्द जयन्ती
10	शुक्र	04	36	08	41	पू.षा.	56	57	29	37	सिद्धि	09	41	विष्टि	04	36	06	51	18	17	28	34	33	56	धनु	17	01मा.	भद्रा 08:41 तक
11	शनि	10	44	11	07	उ.षा.	60	00	-	-	व्यतीपात	11	48	बालव	10	44	06	50	18	17	28	38	33	44	मकर12:28	18	02	विजया एकादशी व्रत (समस्त)
12	रवि	17	25	13	47	उ.षा.	05	35	09	02	वरीयान	14	18	तैतिल	17	25	06	49	18	18	28	42	33	31	मकर	19	03	महाद्वादशी, प्रदोष व्रत
13	सोम	24	17	16	30	श्रवण	13	31	12	12	परिघ	16	57	वणिज	24	17	06	48	18	19	28	47	33	18	कुम्भ25:45	20	04	भद्रा 16:30 से 29:49 तक, महाशिवरात्रिC
14	मंगल	30	57	19	09	धनिष्ठा	21	19	15	18	शिव	19	26	शकुनी	30	57	06	47	18	19	28	51	33	05	कुम्भ	21	05	आरटन्ती चतुर्दशी, महाशिवरात्रि व्रतपारणा
30	बुध	37	10	21	37	शतभिषा	28	44	18	15	सिद्ध	21	37	चतुष्पद	04	03	06	46	18	20	28	55	32	51	कुम्भ	22	06	स्नानदानादि अमावस्या, D

A चन्द्रोदय 21:22 B जानकी जयन्ती, हलाष्टमी। C व्रत, पंचकप्रारम्भ 25:45 से, D ब्रह्मपूजा, फाल्गुन अमावस्या, युगादि अमावस्या। **शिवरात्रि**–माघफाल्गुनयोर्मध्ये कृष्णा या च चतुर्दशी। दत्ते शिवः फलं यस्मात्तेन सर्वसुरासुरैः।। शिवरात्रिरिति ख्याता मत्कलेव पृथक् स्थिता। मम भक्त्यस्तु यो देवि शिवरात्रिमुपोषकः। गणत्वमक्षयं दिव्यं लभते शिवशासनम्।। सर्वान्भुक्त्वा महाभोगान् ततो मोक्षमवाप्नुयात्।। **शिवरात्रिनिर्णयः** –तत्कालव्यापिनी ग्राह्या शिवरात्रिव्रते तिथिः। अर्धरात्रादधश्चोर्ध्वं युक्ता यत्र चतुर्दशी।। शिवरात्रिपूजने विशेषः – तद्दिने प्रथमप्रहरे दुग्धेन 'ऊं ह्रौं ईशानाय नमः' इति मन्त्रेण, द्वितीयप्रहरे दधिद्वारा 'ऊं ह्रौं अघोराय नमः' इति मन्त्रेण, तृतीयप्रहरे घृतेन ' ऊं ह्रौं वामदेवाय नमः' इति मन्त्रेण तथा च चतुर्थप्रहरे मधुद्वारा 'ऊं ह्रौं सद्योजाताय नमः' इति मन्त्रेण पूजनमभिषेकं च कुर्यात्। अर्धरात्रौ विल्वार्चनं कार्यम्।

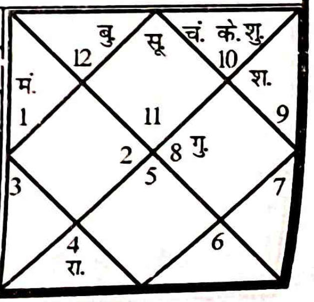
फाल्गुन कृष्ण 06, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.02.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	06	00	10	07	08	08	03	09
अं.	11	11	12	28	27	29	23	00	00
क.	00	23	24	40	05	13	07	34	34
वि.	43	14	37	04	39	07	11	07	07
गति	60	845	40	82	07	70	05	व03	व03
	24	24	24	26	45	39'	32	11	11



फाल्गुन कृष्ण 12, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 03.03.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	09	00	11	07	09	08	03	09
अं.	18	08	17	05	27	07	23	00	00
क.	02	53	06	04	55	29	44	11	11
वि.	28	58	53	18	53	21	07	53	53
गति	60	709	40	30	06	71	05	व03	व03
	12	27	18	23	46	07	06	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, फाल्गुन शुक्ल पक्ष (दिनांक 07 मार्च से 21 मार्च 2019 ई. तक)

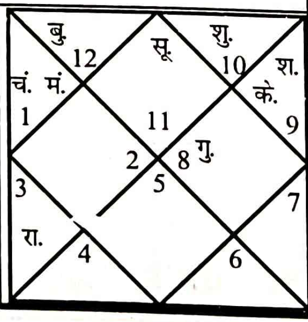
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, दक्षिण/उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2892, अयनांश 24/06/28

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		विनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	विनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
1	गुरु	42	42	23	49	पू.भा.	35	32	20	57	साध्य	23	18	किंस्तुघ्न	09	56	06	45	18	21	29	00	32	37	मीन14:16	23	07मा.	रामकृष्णपरमहंस जयन्ती
2	शुक्र	47	36	25	45	उ.भा.	41	45	23	25	शुभ	24	31	बालव	15	09	06	44	18	21	29	04	32	22	मीन	24	08	चन्द्रदर्शन, फुलैरादूज,
3	शनि	51	34	27	20	रेवती	47	06	25	33	शुक्ल	25	05	तैतिल	19	35	06	42	18	22	29	08	32	07	मेष25:33	25	09	पंचक समाप्ति 25:33
4	रवि	54	31	28	29	अश्विनी	51	30	27	17	ब्रहम	24	54	वणिज	23	03	06	41	18	22	29	12	31	51	मेष	26	10	भद्रा 15:54 से 28:29 तक,वैनायकी A
5	सोम	56	18	29	11	भरणी	54	48	28	35	ऐन्द्र	23	52	बव	25	25	06	40	18	23	29	17	31	35	मेष	27	11	
6	मंगल	56	46	29	21	कृत्तिका	56	50	29	23	वैधृति	21	53	कौलव	26	32	06	39	18	24	29	21	31	18	वृष10:47	28	12	गोरूपिणी षष्ठीव्रत।
7	बुध	55	46	28	56	रोहिणी	57	28	29	37	विष्कुम्भ	18	49	गर	26	16	06	38	18	24	29	25	31	02	वृष	29	13	भद्रा 28:56 से, कामदा सप्तमीव्रत।
8	गुरु	53	13	27	54	मृगसिरा	56	36	29	15	प्रीति	14	36	विष्टि	24	30	06	37	18	25	29	30	30	44	मिथु17:26	01	14	भद्रा 16:25 तक, सूर्य मीन राशि में B
9	शुक्र	49	08	26	14	आर्द्रा	54	13	28	17	आयुष्मान	09	12	बालव	21	11	06	36	18	25	29	34	30	27	मिथुन	02	15	संक्रान्तिपुण्यकाल सूर्योदय से मध्याहन तक
10	शनि	43	30	23	58	पुनर्वसु	50	19	26	42	सौभाग्य	02	37	तैतिल	16	19	06	34	18	26	29	38	30	09	कर्क21:06	03	16	फल्गुदशमी (उडीसा)
											शोभन	54	59															
11	रवि	36	34	21	10	पुष्य	45	07	24	36	अतिगण्ड	47	19	वणिज	10	02	06	33	18	26	29	43	29	51	कर्क	04	17	भद्रा 10:34 से 21:10 तक, आमलकी C
12	सोम	28	30	17	56	आश्लेषा	38	48	22	03	सुकर्मा	37	32	बव	02	32	06	32	18	27	29	47	29	33	सिंह22:03	05	18	सोम प्रदोषव्रत, द्वादशीव्रत, गोविन्द द्वादशी
13	मंगल	19	47	14	26	मघा	31	51	19	15	धृति	27	17	तैतिल	19	47	06	31	18	28	29	51	29	15	सिंह	06	19	
14	बुध	10	46	10	48	पू.फा.	24	38	16	21	शूल	16	52	वगिज	10	46	06	30	18	28	29	56	28	57	कन्या21:39	07	20	भद्रा 10:48 से 21:01 तक, होलिकादहनD
15	गुरु	01	56	07	14	उ.फा.	17	43	13	34	गण्ड	06	40	बव	01	56	06	29	18	29	30	00	28	38	कन्या	08	21	होली, होलाष्टकसमाप्त,मन्वादि 15,धुलैण्डी, आम्रकुसुम प्राशन, होला मेला E
1		53	42	27	58						वृद्धि	57	04															

A गणेश चतुर्थी, पुत्रगणपति व्रत। B सौर मीन संक्रान्ति ., होलाष्टक प्रारम्भ, लक्ष्मी पूजन, सीतापूजन, दुर्गाष्टमी, औली जैन प्रारम्भ C एकादशी व्रत(समस्त), रंगभरी एकादशी।D भद्रोपरान्त रात्रि 09:01 के बाद, होलीदहन, E चैतन्यमहाप्रभु जयन्ती, कुलदेवता को सिन्दूर अर्पण, औली जैन समाप्त। **होलिका पूजन** - निशागमे प्रपूज्येत होलिका सर्वदा बुधैः। न दिवा पूजयेड्ढुण्ढां पूजिता दुःखदा भवेत्। **होलिकाप्रदीपनमन्त्रः** - दीपयाम्यत्र ते घोरां चिति राक्षसि ते नमः।हिताय सर्वजगतः प्रीतये पार्वतीपतेः।। **होलाष्टकनिषेधः**-विपाशेरावतीतीरे शुतद्रूंश्च त्रिपुष्करे।विवाहादिशुभे नेष्टं होलिका प्राग्दिनाष्टकम्।।

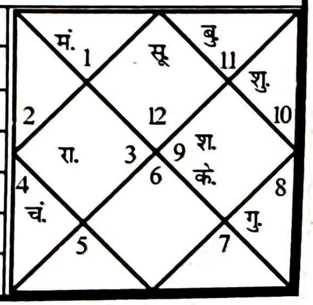
फाल्गुन शुक्ल 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 10.03.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	10	00	00	11	07	09	08	02	08
अं.	25	02	21	04	28	15	24	29	29
क.	02	45	48	15	38	48	17	49	49
वि.	43	30	17	07	53	20	45	38	38
गति	59	739	40	व33	05	71	04	व03	व03
	59	08	10	14	41	29	37	11	11



फाल्गुन शुक्ल 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 17.03.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	03	00	10	07	09	08	02	08
अं.	02	05	26	28	29	24	24	29	29
क.	01	55	28	07	14	09	47	27	27
वि.	25	28	43	57	08	31	51	24	24
गति	59	857	40	व58	04	71	04	व03	व03
	47	02	02	01	32	47	04	11	11



विक्रमसंवत् 2075, शाके 1940, चैत्र कृष्ण पक्ष (दिनांक 22 मार्च से 05 अप्रैल 2019 ई. तक)

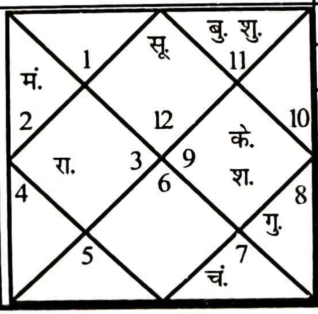
'विरोधकृत्' संवत्सर, उत्तरायण, उत्तर गोल, वसन्त-ऋतु, केतकी अहर्गण- 2907, अयनांश 24/06/31

तिथि	वार	घ.	प.	घं.	मि.	नक्षत्र	घ.	प.	घं.	मि.	योग	घ.	प.	करण	घ.	प.	सूर्योदय		सूर्यास्त		दिनमान		स्टैं.	अं.	चन्द्रचार	प्रवि.	दिनांक	विवरण (भारतीय मानक समय)
2	शुक्र	45	23	24	36	हस्त	11	34	11	05	ध्रुव	47	19	तैतिल	19	32	06	27	18	29	30	04	28	19	तुला22:04	09	22मार्च	गुड फ्राई डें (ईसाई)
3	शनि	39	18	22	09	चित्रा	06	35	09	04	व्याघात	39	33	वणिज	12	20	06	26	18	30	30	09	28	00	तुला	10	23	भद्रा 11:22 से 22:09 तक, शिवाजीजयन्ती
4	रवि	35	06	20	27	स्वाती	03	11	07	41	हर्षण	33	21	बव	07	12	06	25	18	30	30	13	27	41	वृश्चि25:12	11	24	संकष्टहरचतुर्थी व्रत, ईस्टर सन्डे (ईसाई) A
5	सोम	33	02	19	37	विशाखा	01	39	07	03	वज्र	28	52	कौलव	04	04	06	24	18	31	30	17	27	22	वृश्चिक	12	25	रंगपंचमी, मेला नौचन्दी (मेरठ)प्रारम्भ
6	मंगल	33	12	19	39	अनुराधा	02	12	07	15	सिद्धि	26	08	गर	03	07	06	23	18	31	30	22	27	03	वृश्चिक	13	26	भद्रा 19:39 से, स्कन्द षष्ठी(बंगाल)
7	बुध	35	32	20	34	ज्येष्ठा	04	53	08	18	व्यतीपात	25	05	विष्टि	04	22	06	21	18	32	30	26	26	44	धनु08:18	14	27	भद्रा 08:06 तक, व्यष्टकाश्राद्ध B
8	गुरु	39	45	22	14	मूल	09	30	10	08	वरीयान	25	31	बालव	07	38	06	20	18	33	30	30	26	25	धनु	15	28	अष्टका श्रादध, शीतलाष्टमी (वासोड़ा)
9	शुक्र	45	34	24	32	पू.षा.	15	49	12	38	परिघ	27	11	तैतिल	12	39	06	19	18	33	30	34	26	06	मकर19:22	16	29	अन्वष्टका श्रादध
10	शनि	52	21	27	14	उ.षा.	23	17	15	36	शिव	29	39	वणिज	18	58	06	18	18	34	30	39	25	48	मकर	17	30	भद्रा 13:53 से 27:14 तक
11	रवि	59	28	30	04	श्रवण	31	18	18	48	सिद्ध	32	29	बव	25	55	06	17	18	34	30	43	25	29	मकर	18	31	पापमोचिनी एकादशी व्रत (स्मार्त)
12	सोम	60	00	-	-	धनिष्ठा	39	20	21	59	साध्य	35	15	कौलव	32	48	06	16	18	35	30	47	25	10	कुम्भ08:23	19	01अप्रैल	पंचकप्रारम्भ 08:23 से C
12	मंगल	06	08	08	41	शतभिषा	46	52	24	59	शुभ	37	37	तैतिल	06	08	06	14	18	35	30	51	24	52	कुम्भ	20	02	भौम प्रदोष व्रत, वारुणी योग 08:41 से.
13	बुध	11	56	10	59	पू.भा.	53	35	27	39	शक्ल	39	19	त्रणिज	11	56	06	13	18	36	30	56	24	33	मीन20:59	21	03	भद्रा 10:59 से 23:53 तक,मासशिवरात्रिव्रत
14	गुरु	16	46	12	54	उ.भा.	59	15	29	54	ब्रह्म	40	12	शकुनि	16	46	06	12	18	36	31	00	24	15	मीन	22	04	
30	शुक्र	20	37	14	25	रेवती	60	00	-	-	ऐन्द्र	40	18	नाग	20	37	06	11	18	37	31	04	23	57	मीन	23	05	स्नानदानादि अमावस्या, चैती अमावस्या D

A चन्द्रोदय 22:10 B मेला नौचन्दी समाप्त, कालाष्टमी C पापमोचिनी एकादशी व्रत (वैष्णव) D मन्वादि 30, वर्षान्त, मेला पेहवा, विक्रमसंवत् 2075 पूर्ण। **होलिकादिने कर्त्तव्यम्** -प्रवृत्ते मधुमासे तु प्रतिपद्युदिते रवौ। कृत्वा चावश्यककार्याणि सन्तर्प्य पितृदेवता:। वन्दयेत् होलिकाभूमिं सर्वदु:खोपशान्तये। यतस्तत्रश्वपचं स्पृष्ट्वा स्नानं कुर्यान्नरोत्तम:। न तस्य दुरितं किंचिन्नाधयो व्याधयो नृप।। **आम्रकुसुमप्राशनमन्त्र:** - चूतमग्र्यं वसन्तस्य माकन्दकुसुमं तव। सचन्दनं पिबाम्यद्य सर्वकामार्थसिद्धये।। **होलिकाभस्मधारणमन्त्र:**-वन्दितासि सुरेन्द्रेण ब्रह्माच्युतशिवादिभि:। अतस्त्वं पाहि नो भीतेर्भूषिता भूतिदा भव।।

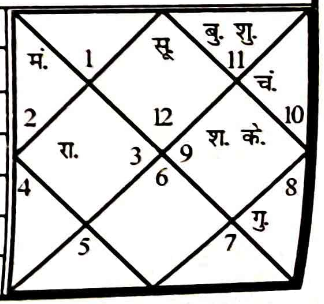
चैत्र कृष्ण 04, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 24.03.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	06	01	10	07	10	08	02	08
अं.	08	19	01	22	29	02	25	29	29
क.	58	14	08	57	41	32	14	05	05
वि.	28	47	09	02	06	26	04	10	10
गति	59	851	39	व29	03	71	03	व03	व03
	31	55	53	20	20	59	30	11	11



चैत्र कृष्ण 11, रविवार, औदयिक स्पष्टग्रह, दि. 31.03.2019

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
रा.	11	09	01	10	07	10	08	02	08
अं.	15	17	05	22	29	10	25	28	28
क.	53	10	46	15	59	56	36	42	42
वि.	52	27	32	14	26	47	11	55	55
गति	59	708	39	10	02	72	02	व03	व03
	17	23	44	47	05	12	54	11	11



औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.	रा.	अं	क.	वि.				
01	10	16	17	34	04	03	03	42	07	26	10	42	10	26	16	22	06	28	56	24	10	28	31	28	08	13	09	30	03	19	38	46
02	10	17	17	44	04	17	31	07	07	26	46	11	10	28	08	48	06	28	57	48	10	29	46	13	08	13	13	50	03	19	35	35
03	10	18	17	54	05	01	44	46	07	27	21	38	11	00	00	24	06	28	59	01	11	01	00	56	08	13	18	05	03	19	32	25
04	10	19	18	01	05	15	39	36	07	27	57	00	11	01	50	50	06	29	00	04	11	02	15	39	08	13	22	15	03	19	29	14
05	10	20	18	06	05	29	12	09	07	28	32	19	11	03	39	43	06	29	00	54	11	03	30	19	08	13	26	22	03	19	26	04
06	10	21	18	09	06	12	21	01	07	29	07	34	11	05	26	43	06	29	01	34	11	04	44	57	08	13	30	22	03	19	22	53
07	10	22	18	12	06	25	06	54	07	29	42	45	11	07	11	21	06	29	02	02	11	05	59	35	08	13	34	17	03	19	19	42
08	10	23	18	11	07	07	31	25	08	00	17	52	11	08	53	06	06	29	02	19	11	07	14	10	08	13	38	09	03	19	16	32
09	10	24	18	09	07	19	39	08	08	00	52	56	11	10	31	31	06	29	02	25	11	08	28	44	08	13	41	56	03	19	13	21
10	10	25	18	05	08	01	34	29	08	01	27	55	11	12	06	00	06	29	02	20	11	09	43	17	08	13	45	37	03	19	10	10
11	10	26	17	59	08	13	23	07	08	02	02	51	11	13	36	00	06	29	02	03	11	10	57	47	08	13	49	13	03	19	07	00
12	10	27	17	52	08	25	10	46	08	02	37	42	11	15	00	59	06	29	01	35	11	12	12	16	08	13	52	45	03	19	03	49
13	10	28	17	42	09	07	01	59	08	03	12	28	11	16	20	21	06	29	00	56	11	13	26	43	08	13	56	10	03	19	00	39
14	10	29	17	30	09	19	01	22	08	03	47	10	11	17	33	36	06	29	00	06	11	14	41	08	08	13	59	32	03	18	57	28
15	11	00	17	16	10	01	12	06	08	04	21	47	11	18	40	13	06	28	59	04	11	15	55	32	08	14	02	49	03	18	54	17
16	11	01	17	01	10	13	36	19	08	04	56	20	11	19	39	47	06	28	57	51	11	17	09	54	08	14	05	59	03	18	51	07
17	11	02	16	43	10	26	15	36	08	05	30	49	11	20	31	53	06	28	56	27	11	18	24	14	08	14	09	04	03	18	47	56
18	11	03	16	24	11	09	10	47	08	06	05	11	11	21	16	14	06	28	54	51	11	19	38	32	08	14	12	06	03	18	44	45
19	11	04	16	02	11	22	21	12	08	06	39	30	11	21	52	32	06	28	53	05	11	20	52	48	08	14	15	00	03	18	41	35
20	11	05	15	39	00	05	46	32	08	07	13	43	11	22	20	41	06	28	51	07	11	22	07	03	08	14	17	48	03	18	38	24
21	11	06	15	10	00	19	23	29	08	07	47	49	11	22	40	29	06	28	48	59	11	23	21	11	08	14	20	32	03	18	35	14
22	11	07	14	44	01	03	12	27	08	08	21	53	11	22	52	02	06	28	46	40	11	24	35	27	08	14	23	11	03	18	32	03
23	11	08	14	18	01	17	09	36	08	08	55	52	11	22	55	22	06	28	44	10	11	25	49	39	08	14	25	45	03	18	28	52
24	11	09	13	49	02	01	12	23	08	09	29	45	11	22	50	38	06	28	41	28	11	27	03	50	08	14	28	12	03	18	25	41
25	11	10	13	18	02	15	19	41	08	10	03	32	11	22	38	14	06	28	38	36	11	28	17	58	08	14	30	34	03	18	22	31
26	11	11	12	45	02	29	29	19	08	10	37	14	11	22	18	25	06	28	35	34	11	29	32	05	08	14	32	51	03	18	19	20
27	11	12	12	10	03	13	40	43	08	11	10	50	11	21	51	54	06	28	32	21	00	00	46	11	08	14	35	02	03	18	16	09
28	11	13	11	33	03	27	51	44	08	11	44	19	11	21	19	12	06	28	28	58	00	02	00	13	08	14	37	08	03	18	12	58
29	11	14	10	54	04	11	59	57	08	12	17	41	11	20	41	14	06	28	25	24	00	03	14	55	08	14	39	08	03	18	09	48
30	11	15	10	13	04	26	02	38	08	12	50	58	11	19	58	48	06	28	21	39	00	04	28	13	08	14	41	01	03	18	06	37
31	11	16	09	30	05	09	55	46	08	13	24	08	11	19	12	53	06	28	17	45	00	05	42	10	08	14	42	49	03	18	03	26

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अप्रैल 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	11	17	08	15	05	23	28	50	08	13	56	55	11	18	24	56	06	28	13	35	00	06	55	29	08	14	44	48	03	18	00	17
02	11	18	07	26	06	06	51	10	08	14	29	50	11	17	35	17	06	28	09	22	00	08	09	19	08	14	46	25	03	17	57	06
03	11	19	06	33	06	19	54	56	08	15	02	38	11	16	45	13	06	28	04	58	00	09	23	06	08	14	47	57	03	17	53	56
04	11	20	05	39	07	02	38	47	08	15	35	18	11	15	55	46	06	28	00	26	00	10	36	52	08	14	49	22	03	17	50	45
05	11	21	04	43	07	15	04	00	08	16	07	51	11	15	07	53	06	27	55	44	00	11	50	35	08	14	50	40	03	17	47	34
06	11	22	03	45	07	27	13	17	08	16	40	16	11	14	22	14	06	27	50	52	00	13	04	17	08	14	51	54	03	17	44	24
07	11	23	02	45	08	09	10	09	08	17	12	34	11	13	39	46	06	27	45	52	00	14	17	57	08	14	53	02	03	17	41	13
08	11	24	01	43	08	20	59	37	08	17	44	44	11	13	00	50	06	27	40	43	00	15	31	33	08	14	54	02	03	17	38	02
09	11	25	00	39	09	02	47	12	08	18	16	45	11	12	26	08	06	27	35	25	00	16	45	08	08	14	54	59	03	17	34	52
10	11	25	59	32	09	14	38	47	08	18	48	39	11	11	55	57	06	27	30	00	00	17	58	41	08	14	55	49	03	17	31	41
11	11	26	58	24	09	26	39	29	08	19	20	23	11	11	30	36	06	27	24	26	00	19	12	13	08	14	56	33	03	17	28	31
12	11	27	57	14	10	08	53	56	08	19	51	59	11	11	10	18	06	27	18	43	00	20	25	41	08	14	57	10	03	17	25	20
13	11	28	56	02	10	21	25	59	08	20	23	27	11	10	55	08	06	27	12	53	00	21	39	08	08	14	57	41	03	17	22	09
14	11	29	54	47	11	04	17	42	08	20	54	44	11	10	45	08	06	27	06	55	00	22	52	32	08	14	58	08	03	17	18	59
15	00	00	53	31	11	17	30	40	08	21	25	53	11	10	40	20	06	27	00	50	00	24	05	55	08	14	58	28	03	17	15	48
16	00	01	52	13	00	01	03	50	08	21	56	51	11	10	40	41	06	26	54	38	00	25	19	15	08	14	58	43	03	17	12	37
17	00	02	50	53	00	14	55	03	08	22	27	41	11	10	46	05	06	26	48	19	00	26	32	33	08	14	58	51	03	17	09	27
18	00	03	49	30	00	28	59	59	08	22	58	20	11	10	56	24	06	26	41	54	00	27	45	48	08	14	58	54	03	17	06	16
19	00	04	48	07	01	13	13	54	08	23	28	48	11	11	11	33	06	26	35	22	00	28	59	03	08	14	58	51	03	17	03	05
20	00	05	46	41	01	27	31	12	08	23	59	06	11	11	31	20	06	26	28	44	01	00	12	14	08	14	58	43	03	16	59	55
21	00	06	45	14	02	11	47	48	08	24	29	13	11	11	55	39	06	26	22	01	01	01	25	23	08	14	58	28	03	16	56	44
22	00	07	43	43	02	26	00	13	08	24	59	08	11	12	24	17	06	26	15	11	01	02	38	30	08	14	58	06	03	16	53	34
23	00	08	42	12	03	10	06	58	08	25	28	53	11	12	57	08	06	26	08	16	01	03	51	34	08	14	57	38	03	16	50	23
24	00	09	40	39	03	24	06	37	08	25	58	24	11	13	34	00	06	26	01	16	01	05	04	37	08	14	57	07	03	16	47	12
25	00	10	39	04	04	07	59	11	08	26	27	46	11	14	14	42	06	25	54	12	01	06	17	36	08	14	56	27	03	16	44	02
26	00	11	37	27	04	21	44	30	08	26	56	54	11	14	59	04	06	25	47	03	01	07	30	33	08	14	55	44	03	16	40	51
27	00	12	35	48	05	05	21	20	08	27	25	50	11	15	46	58	06	25	39	50	01	08	43	29	08	14	54	54	03	16	37	40
28	00	13	34	08	05	18	48	33	08	27	54	32	11	16	38	14	06	25	32	32	01	09	56	22	08	14	53	58	03	16	34	30
29	00	14	32	25	06	02	04	42	08	28	23	02	11	17	32	44	06	25	25	12	01	11	09	12	08	14	52	56	03	16	31	19
30	00	15	30	41	06	15	07	51	08	28	51	17	11	18	30	18	06	25	17	49	01	12	21	59	08	14	51	50	03	16	28	08

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मई 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	00	16	28	55	06	27	56	40	08	29	19	19	11	19	30	49	06	25	10	22	01	13	34	45	08	14	50	37	03	16	24	58
02	00	17	27	07	07	10	30	46	08	29	47	07	11	20	34	10	06	25	02	53	01	14	47	28	08	14	49	18	03	16	21	47
03	00	18	25	18	07	22	50	25	09	00	14	40	11	21	40	15	06	24	55	21	01	16	00	08	08	14	47	55	03	16	18	36
04	00	19	23	27	08	04	56	51	09	00	41	58	11	22	48	58	06	24	47	47	01	17	12	46	08	14	46	25	03	16	15	26
05	00	20	21	34	08	16	52	57	09	01	09	00	11	24	00	12	06	24	40	12	01	18	25	20	08	14	44	50	03	16	12	15
06	00	21	19	40	08	28	42	08	09	01	35	46	11	25	13	57	06	24	32	36	01	19	37	52	08	14	43	09	03	16	09	04
07	00	22	17	44	09	10	29	51	09	02	02	17	11	26	30	07	06	24	24	58	01	20	50	21	08	14	41	25	03	16	05	54
08	00	23	15	46	09	22	20	44	09	02	28	30	11	27	48	39	06	24	17	20	01	22	02	48	08	14	39	35	03	16	02	43
09	00	24	13	47	10	04	20	35	09	02	54	27	11	29	09	31	06	24	09	41	01	23	15	12	08	14	37	37	03	15	59	32
10	00	25	11	46	10	16	35	19	09	03	20	06	00	00	32	43	06	24	02	02	01	24	27	34	08	14	35	36	03	15	56	22
11	00	26	09	44	10	29	09	09	09	03	45	27	00	01	58	10	06	23	54	23	01	25	39	52	08	14	33	29	03	15	53	11
12	00	27	07	41	11	12	06	25	09	04	10	29	00	03	25	56	06	23	46	46	01	26	52	08	08	14	31	18	03	15	50	00
13	00	28	05	35	11	25	28	53	09	04	35	13	00	04	55	57	06	23	39	08	01	28	04	19	08	14	29	01	03	15	46	50
14	00	29	03	28	00	09	12	02	09	04	59	38	00	06	28	12	06	23	31	32	01	29	16	29	08	14	26	36	03	15	43	39
15	01	00	01	20	00	23	27	38	09	05	23	43	00	08	02	42	06	23	23	58	02	00	28	35	08	14	24	12	03	15	40	28
16	01	00	59	10	01	07	55	58	09	05	47	28	00	09	39	27	06	23	16	26	02	01	40	38	08	14	21	40	03	15	37	18
17	01	01	56	59	01	22	34	50	09	06	10	51	00	11	18	27	06	23	08	55	02	02	52	38	08	14	19	04	03	15	34	07
18	01	02	54	46	02	07	17	05	09	06	33	53	00	12	59	39	06	23	01	27	02	04	04	35	08	14	16	23	03	15	30	56
19	01	03	52	33	02	21	55	16	09	06	56	34	00	14	43	04	06	22	54	02	02	05	16	28	08	14	13	37	03	15	27	45
20	01	04	50	17	03	06	24	22	09	07	18	52	00	16	28	37	06	22	46	39	02	06	28	18	08	14	10	47	03	15	24	35
21	01	05	48	00	03	20	40	25	09	07	40	47	00	18	16	19	06	22	39	20	02	07	40	04	08	14	07	53	03	15	21	24
22	01	06	45	43	04	04	42	43	09	08	02	19	00	20	06	10	06	22	32	05	02	08	51	47	08	14	04	53	03	15	18	13
23	01	07	43	23	04	18	30	20	09	08	23	26	00	21	58	03	06	22	24	54	02	10	03	28	08	14	01	49	03	15	15	03
24	01	08	41	02	05	02	04	01	09	08	44	09	00	23	51	59	06	22	17	47	02	11	15	04	08	13	58	42	03	15	11	52
25	01	09	38	41	05	15	23	54	09	09	04	26	00	25	47	54	06	22	10	45	02	12	26	36	08	13	55	31	03	15	08	41
26	01	10	36	18	05	28	30	53	09	09	24	16	00	27	45	45	06	22	03	47	02	13	38	05	08	13	52	13	03	15	05	30
27	01	11	33	54	06	11	25	29	09	09	43	42	00	29	45	28	06	21	56	54	02	14	49	30	08	13	48	54	03	15	02	20
28	01	12	31	29	06	24	07	47	09	10	02	40	01	01	46	59	06	21	50	08	02	16	00	51	08	13	45	32	03	14	59	09
29	01	13	29	02	07	06	38	35	09	10	21	11	01	03	50	13	06	21	43	25	02	17	12	09	08	13	42	05	03	14	55	58
30	01	14	26	36	07	18	58	14	09	10	39	11	01	05	55	08	06	21	36	50	02	18	23	22	08	13	38	33	03	14	52	47
31	01	15	24	07	08	01	07	50	09	10	56	44	01	08	01	33	06	21	30	20	02	19	34	32	08	13	34	59	03	14	49	37

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जून 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	01	16	21	38	08	13	08	20	09	11	13	46	01	10	09	23	06	21	23	57	02	20	45	37	08	13	31	21	03	14	46	26
02	01	17	19	08	08	25	01	20	09	11	30	17	01	12	18	26	06	21	17	40	02	21	56	38	08	13	27	41	03	14	43	15
03	01	18	16	36	09	06	50	13	09	11	46	19	01	14	28	36	06	21	11	31	02	23	07	34	08	13	23	56	03	14	40	04
04	01	19	14	04	09	18	37	24	09	12	01	48	01	16	39	38	06	21	05	29	02	24	18	27	08	13	20	08	03	14	36	54
05	01	20	11	30	10	00	28	08	09	12	16	44	01	18	51	20	06	20	59	33	02	25	29	15	08	13	16	17	03	14	33	43
06	01	21	08	56	10	12	27	26	09	12	31	07	01	21	03	27	06	20	53	45	02	26	39	58	08	13	12	23	03	14	30	32
07	01	22	06	22	10	24	40	49	09	12	44	56	01	23	15	42	06	20	48	06	02	27	50	36	08	13	08	27	03	14	27	21
08	01	23	03	45	11	07	13	17	09	12	58	11	01	25	27	52	06	20	42	33	02	29	01	10	08	13	04	29	03	14	24	11
09	01	24	01	08	11	20	09	29	09	13	10	51	01	27	39	37	06	20	37	10	03	00	11	40	08	13	00	27	03	14	21	00
10	01	24	58	31	00	03	32	59	09	13	22	53	01	29	50	44	06	20	31	54	03	01	11	04	08	12	56	23	03	14	17	49
11	01	25	55	53	00	17	24	32	09	13	34	19	02	02	00	54	06	20	26	47	03	02	32	23	08	12	52	18	03	14	14	38
12	01	26	53	14	01	01	42	29	09	13	45	10	02	04	09	54	06	20	21	48	03	03	42	38	08	12	48	09	03	14	11	28
13	01	27	50	35	01	16	22	46	09	13	55	20	02	06	17	31	06	20	16	59	03	04	52	47	08	12	43	58	03	14	08	17
14	01	28	47	54	02	01	17	56	09	14	04	53	02	08	23	31	06	20	12	18	03	06	02	50	08	12	39	46	03	14	05	06
15	01	29	45	14	02	16	19	25	09	14	13	45	02	10	27	46	06	20	07	47	03	07	12	50	08	12	35	34	03	14	01	55
16	02	00	42	32	03	01	18	23	09	14	21	59	02	12	30	05	06	20	03	25	03	08	22	43	08	12	31	18	03	13	58	44
17	02	01	39	51	03	16	07	08	09	14	29	30	02	14	30	26	06	19	59	12	03	09	32	31	08	12	26	08	03	13	55	34
18	02	02	37	08	04	00	39	56	09	14	36	20	02	16	28	39	06	19	55	09	03	10	42	13	08	12	22	42	03	13	52	23
19	02	03	34	25	04	14	53	50	09	14	42	29	02	18	24	41	06	19	51	15	03	11	51	50	08	12	18	21	03	13	49	12
20	02	04	31	41	04	28	47	02	09	14	47	56	02	20	18	28	06	19	47	32	03	13	01	20	08	12	14	01	03	13	46	01
21	02	05	28	58	05	12	19	32	09	14	52	40	02	22	10	00	06	19	43	58	03	14	10	45	08	12	09	39	03	13	42	50
22	02	06	26	14	05	25	32	38	09	14	56	40	02	23	59	13	06	19	40	35	03	15	20	04	08	12	05	17	03	13	39	40
23	02	07	23	28	06	18	28	03	09	14	59	59	02	25	46	04	06	19	37	21	03	16	29	16	08	12	00	52	03	13	36	29
24	02	08	20	43	06	21	07	37	09	15	02	21	02	27	30	35	06	19	34	17	03	17	38	23	08	11	56	28	03	13	33	18
25	02	09	17	58	07	03	33	41	09	15	04	18	02	29	12	41	06	19	31	24	03	18	47	22	08	11	52	04	03	13	30	07
26	02	10	15	13	07	15	48	50	09	15	05	20	03	00	52	25	06	19	28	42	03	19	56	16	08	11	47	38	03	13	26	56
27	02	11	12	26	07	27	55	08	09	15	05	38	03	02	29	44	06	19	26	10	03	21	05	02	08	11	43	13	03	13	23	46
28	02	12	09	40	08	09	54	21	09	15	05	11	03	04	04	38	06	19	23	49	03	22	13	43	08	11	38	47	03	13	20	35
29	02	13	06	54	08	21	48	30	09	15	03	59	03	05	37	08	06	19	21	38	03	23	22	16	08	11	34	23	03	13	17	24
30	02	14	04	07	09	03	38	51	09	15	02	02	03	07	07	13	06	19	19	37	03	24	05	02	08	11	29	56	03	13	14	14

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जुलाई 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	02	15	01	21	09	15	27	26	09	14	59	19	03	08	34	54	06	19	17	48	03	25	39	02	08	11	25	32	03	13	11	02
02	02	15	58	34	09	27	16	37	09	14	55	52	03	10	00	09	06	19	16	09	03	26	47	14	08	11	21	09	03	13	07	52
03	02	16	55	47	10	09	09	42	09	14	51	40	03	11	23	00	06	19	14	41	03	27	55	18	08	11	16	45	03	13	04	41
04	02	17	53	00	10	21	11	10	09	14	46	41	03	12	43	24	06	19	13	24	03	29	03	15	08	11	12	21	03	13	01	30
05	02	18	50	13	11	03	25	01	09	14	41	00	03	14	01	22	06	19	12	18	04	00	11	04	08	11	07	59	03	12	48	19
06	02	19	47	27	11	15	56	40	09	14	34	33	03	15	16	52	06	19	11	22	04	01	18	47	08	11	03	40	03	12	55	08
07	02	20	44	40	11	28	50	14	09	14	27	26	03	16	29	50	06	19	10	37	04	02	26	20	08	10	59	20	03	12	51	57
08	02	21	41	53	00	12	09	17	09	14	19	35	03	17	40	16	06	19	10	04	04	03	33	46	08	10	55	01	03	12	48	47
09	02	22	39	06	00	25	55	35	09	14	11	05	03	18	48	04	06	19	09	41	04	04	41	03	08	10	50	43	03	12	45	36
10	02	23	36	20	01	10	09	18	09	14	01	52	03	19	53	10	06	19	09	29	04	05	48	11	08	10	46	27	03	12	42	25
11	02	24	33	34	01	24	47	24	09	13	52	01	03	20	55	31	06	19	09	28	04	06	55	12	08	10	42	12	03	12	39	14
12	02	25	30	47	02	09	44	16	09	13	41	31	03	21	54	58	06	19	09	38	04	08	02	03	08	10	38	01	03	12	36	03
13	02	26	28	01	02	24	52	16	09	13	30	26	03	22	51	27	06	19	09	58	04	09	08	45	08	10	33	50	03	12	32	52
14	02	27	25	16	03	10	02	34	09	13	18	44	03	23	44	51	06	19	10	30	04	10	15	18	08	10	29	41	03	12	29	42
15	02	28	22	30	03	25	05	41	09	13	06	31	03	24	34	59	06	19	11	12	04	11	21	41	08	10	25	36	03	12	26	31
16	02	29	19	46	04	09	54	11	09	12	53	45	03	25	21	42	06	19	12	05	04	12	27	56	08	10	21	32	03	12	23	20
17	03	00	17	01	04	24	22	26	09	12	40	27	03	26	04	54	06	19	13	09	04	13	34	00	08	10	17	31	03	12	20	09
18	03	01	14	17	05	08	26	31	09	12	26	43	03	26	44	21	06	19	14	24	04	14	39	54	08	10	13	31	03	12	16	58
19	03	02	11	33	05	22	05	05	09	12	12	34	03	27	19	55	06	19	15	49	04	15	45	38	08	10	09	35	03	12	13	47
20	03	03	08	50	06	05	19	28	09	11	57	57	03	27	51	27	06	19	17	25	04	16	51	12	08	10	05	40	03	12	10	37
21	03	04	06	07	06	18	11	07	09	11	43	02	03	28	18	43	06	19	19	12	04	17	56	34	08	10	01	49	03	12	07	26
22	03	05	03	23	07	00	43	19	09	11	27	48	03	28	41	35	06	19	21	09	04	19	01	45	08	09	58	01	03	12	04	15
23	03	06	00	42	07	12	59	54	09	11	12	16	03	28	59	55	06	19	23	18	04	20	06	46	08	09	54	16	03	12	01	04
24	03	06	58	02	07	25	04	49	09	10	56	27	03	29	13	32	06	19	25	36	04	21	11	36	08	09	50	36	03	11	57	53
25	03	07	55	20	08	07	01	35	09	10	40	30	03	29	22	15	06	19	28	06	04	22	16	12	08	09	46	56	03	11	54	42
26	03	08	52	41	08	18	53	43	09	10	24	22	03	29	26	03	06	19	30	44	04	23	20	37	08	09	43	22	03	11	51	31
27	03	09	50	01	09	00	43	39	09	10	08	09	03	29	24	45	06	19	33	34	04	24	24	49	08	09	39	52	03	11	48	21
28	03	10	47	23	09	12	33	19	09	09	51	51	03	29	18	19	06	19	36	35	04	25	28	49	08	09	36	23	03	11	45	10
29	03	11	44	44	09	24	24	27	09	09	35	34	03	29	06	46	06	19	39	44	04	26	32	35	08	09	32	59	03	11	41	59
30	03	12	42	07	10	06	18	50	09	09	19	17	03	28	50	06	06	19	43	05	04	27	36	08	08	09	29	39	03	11	38	48
31	03	13	39	30	10	18	18	51	09	09	03	09	03	28	28	22	06	19	46	35	04	28	39	27	08	09	26	30	03	11	35	37

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अगस्त 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	03	14	36	55	11	00	27	20	09	08	47	02	03	28	01	48	06	19	50	16	04	29	42	32	08	09	23	10	03	11	32	26
02	03	15	34	20	11	12	47	25	09	08	31	09	03	27	30	36	06	19	54	06	05	00	45	22	08	09	20	01	03	11	29	16
03	03	16	31	46	11	25	22	52	09	08	15	31	03	26	55	05	06	19	58	07	05	01	47	57	08	09	16	58	03	11	26	05
04	03	17	29	13	00	08	16	35	09	08	00	06	03	26	15	44	06	20	02	17	05	02	50	16	08	09	13	59	03	11	22	54
05	03	18	26	41	00	21	31	46	09	07	44	56	03	25	33	03	06	20	06	37	05	03	52	20	08	09	11	03	03	11	19	43
06	03	19	24	10	01	05	10	29	09	07	30	11	03	24	47	38	06	20	11	06	05	04	54	07	08	09	08	12	03	11	16	32
07	03	20	21	40	01	19	13	12	09	07	15	48	03	24	00	16	06	20	15	45	05	05	55	37	08	09	05	26	03	11	13	21
08	03	21	19	10	02	03	38	58	09	07	01	52	03	23	11	45	06	20	20	33	05	06	56	50	08	09	02	44	03	11	10	10
09	03	22	16	42	02	18	24	10	09	06	48	23	03	22	22	58	06	20	25	31	05	07	57	44	08	09	00	07	03	11	07	00
10	03	23	14	15	03	03	23	53	09	06	35	24	03	21	34	51	06	20	30	39	05	08	58	21	08	08	57	33	03	11	03	49
11	03	24	11	50	03	18	30	19	09	06	22	52	03	20	48	26	06	20	35	55	05	09	58	39	08	08	55	06	03	11	00	38
12	03	25	09	24	04	03	35	20	09	06	11	01	03	20	04	30	06	20	41	21	05	10	58	36	08	08	52	44	03	10	57	27
13	03	26	07	01	04	18	30	06	09	05	59	42	03	19	24	13	06	20	46	56	05	11	58	13	08	08	50	26	03	10	54	16
14	03	27	04	38	05	03	07	06	09	05	49	01	03	18	48	15	06	20	52	40	05	12	57	29	08	08	48	15	03	10	51	05
15	03	28	02	17	05	17	20	34	09	05	39	00	03	18	17	31	06	20	58	32	05	13	56	24	08	08	46	07	03	10	47	55
16	03	28	59	57	06	01	07	36	09	05	29	40	03	17	52	44	06	21	04	34	05	14	54	55	08	08	44	04	03	10	44	44
17	03	29	57	37	06	14	26	51	09	05	21	01	03	17	34	22	06	21	10	44	05	15	53	03	08	08	42	08	03	10	41	33
18	04	00	55	20	06	27	20	28	09	05	13	07	03	17	23	01	06	21	17	03	05	16	50	48	08	08	40	15	03	10	38	22
19	04	01	53	04	07	09	51	31	09	05	05	55	03	17	18	55	06	21	23	31	05	17	48	08	08	08	38	29	03	10	35	11
20	04	02	50	48	07	22	04	56	09	04	59	30	03	17	22	17	06	21	30	06	05	18	45	00	08	08	36	46	03	10	32	00
21	04	03	48	35	08	04	04	55	09	04	53	49	03	17	33	18	06	21	36	51	05	19	41	28	08	08	35	10	03	10	28	49
22	04	04	46	22	08	15	56	57	09	04	48	57	03	17	52	00	06	21	43	44	05	20	37	27	08	08	33	40	03	10	25	39
23	04	05	44	11	08	27	45	27	09	04	44	53	03	18	18	18	06	21	50	45	05	21	32	57	08	08	32	15	03	10	22	28
24	04	06	42	02	09	09	34	04	09	04	41	33	03	18	52	09	06	21	57	54	05	22	27	59	08	08	30	55	03	10	19	17
25	04	07	39	54	09	21	25	41	09	04	39	06	03	19	33	23	06	22	05	11	05	23	22	29	08	08	29	42	03	10	16	06
26	04	08	37	47	10	03	22	31	09	04	37	27	03	20	21	48	06	22	12	36	05	24	16	26	08	08	28	33	03	10	12	55
27	04	09	35	42	10	15	26	12	09	04	36	36	03	21	17	11	06	22	20	09	05	25	09	51	08	08	27	31	03	10	09	44
28	04	10	33	38	10	27	38	17	09	04	36	35	03	22	19	16	06	22	27	49	05	26	02	42	08	08	26	33	03	10	06	34
29	04	11	31	37	11	10	00	14	09	04	37	20	03	23	27	47	06	22	35	37	05	26	54	58	08	08	25	42	03	10	03	23
30	04	12	29	37	11	22	33	53	09	04	38	54	03	24	42	23	06	22	43	33	05	27	46	36	08	08	24	57	03	10	00	12
31	04	13	27	38	00	05	20	17	09	04	41	20	03	26	02	42	06	22	51	36	05	28	37	35	08	08	24	16	03	09	57	01

औदयिक स्पष्ट ग्रह, सितम्बर 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	04	14	25	40	00	18	21	40	09	04	44	36	03	27	28	21	06	22	59	47	05	29	27	54	08	08	23	42	03	09	53	50
02	04	15	23	44	01	01	39	20	09	04	48	38	03	28	58	54	06	23	08	05	06	00	17	32	08	08	23	14	03	09	50	39
03	04	16	21	50	01	15	14	23	09	04	53	29	04	00	33	56	06	23	16	30	06	01	06	26	08	08	22	52	03	09	47	29
04	04	17	19	58	01	29	07	18	09	04	59	09	04	02	12	59	06	23	25	02	06	01	54	35	08	08	22	36	03	09	44	18
05	04	18	18	08	02	13	17	51	09	05	05	36	04	03	55	31	06	23	33	41	06	02	41	59	08	08	22	24	03	09	41	07
06	04	19	16	18	02	27	45	01	09	05	12	50	04	05	41	06	06	23	42	27	06	03	28	32	08	08	22	20	03	09	37	56
07	04	20	14	31	03	12	25	25	09	05	20	49	04	07	29	13	06	23	51	20	06	04	14	15	08	08	22	21	03	09	34	45
08	04	21	12	46	03	27	14	46	09	05	29	35	04	09	19	25	06	24	00	20	06	04	59	07	08	08	22	27	03	09	31	34
09	04	22	11	02	04	12	06	38	09	05	49	07	04	11	11	13	06	24	09	26	06	05	43	02	08	08	22	40	03	09	28	23
10	04	23	09	20	04	26	53	21	09	05	49	23	04	13	04	18	06	24	18	39	06	06	26	01	08	08	22	58	03	09	25	13
11	04	24	07	39	05	11	27	16	09	06	00	25	04	14	58	12	06	24	27	58	06	07	07	59	08	08	23	22	03	09	22	02
12	04	25	06	01	05	25	41	29	09	06	12	09	04	16	52	38	06	24	37	24	06	07	48	58	08	08	23	52	03	09	18	51
13	04	26	04	25	06	09	31	01	09	06	24	36	04	18	47	19	06	24	46	57	06	08	28	51	08	08	24	28	03	09	15	40
14	04	27	02	50	06	22	54	02	09	06	37	45	04	20	42	00	06	24	56	35	06	09	07	37	08	08	25	11	03	09	12	29
15	04	28	01	17	07	05	51	04	09	06	51	35	04	22	36	28	06	25	06	20	06	09	45	15	08	08	25	59	03	09	09	18
16	04	28	59	47	07	18	24	19	09	07	06	06	04	24	30	33	06	25	16	10	06	10	21	39	08	08	26	52	03	09	06	08
17	04	29	58	18	08	00	37	55	09	07	21	16	04	26	24	06	06	25	26	07	06	10	56	50	08	08	27	52	03	09	02	57
18	05	00	56	51	08	12	37	31	09	07	37	08	04	28	17	00	06	25	36	08	06	11	30	38	08	08	28	58	03	08	59	46
19	05	01	55	26	08	24	28	28	09	07	53	37	05	00	09	11	06	25	46	17	06	12	03	08	08	08	30	09	03	08	56	35
20	05	02	54	02	09	06	15	52	09	08	10	44	05	02	00	32	06	25	56	30	06	12	34	11	08	08	31	25	03	08	53	24
21	05	03	52	41	09	18	04	53	09	08	28	29	05	03	51	00	06	26	06	50	06	13	03	47	08	08	32	47	03	08	50	13
22	05	04	51	21	09	29	59	50	09	08	46	49	05	05	40	34	06	26	17	14	06	13	31	50	08	08	34	17	03	08	47	03
23	05	05	50	04	10	12	03	42	09	09	05	45	05	07	29	09	06	26	27	44	06	13	58	18	08	08	35	52	03	08	43	52
24	05	06	48	48	10	24	18	58	09	09	25	16	05	09	16	47	06	26	38	19	06	14	23	07	08	08	37	32	03	08	40	41
25	05	07	47	34	11	06	46	32	09	09	45	21	05	11	03	24	06	26	49	00	06	14	46	13	08	08	39	17	03	08	37	30
26	05	08	46	24	11	19	27	27	09	10	05	59	05	12	49	04	06	26	59	46	06	15	07	34	08	08	41	10	03	08	34	19
27	05	09	45	14	00	02	20	54	09	10	27	11	05	14	33	43	06	27	10	37	06	15	27	06	08	08	43	07	03	08	31	08
28	05	10	44	06	00	15	27	17	09	10	48	54	05	16	17	25	06	27	21	33	06	15	44	41	08	08	45	10	03	08	27	58
29	05	11	43	01	00	28	46	03	09	11	11	08	05	18	00	09	06	27	32	34	06	16	00	19	08	08	47	18	03	08	24	47
30	05	12	41	57	01	12	15	56	09	11	33	53	05	19	41	59	06	27	43	39	06	16	13	55	08	08	49	32	03	08	21	36

औदयिक स्पष्ट ग्रह, अक्टूबर 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	05	13	40	56	01	25	56	57	09	11	57	07	05	21	22	56	06	27	54	49	06	16	25	27	08	08	51	52	03	08	18	25
02	05	14	39	56	02	09	48	15	09	12	20	51	05	23	02	58	06	28	06	05	06	16	34	52	08	08	54	17	03	08	15	14
03	05	15	38	59	02	23	49	39	09	12	45	03	05	24	42	11	06	28	17	24	06	16	42	08	08	08	56	47	03	08	12	03
04	05	16	38	04	03	08	00	50	09	13	09	43	05	26	20	33	06	28	28	48	06	16	46	58	08	08	59	24	03	08	08	53
05	05	17	37	11	03	22	20	26	09	13	34	50	05	27	58	08	06	28	40	16	06	16	49	39	08	09	02	06	03	08	05	42
06	05	18	36	20	04	06	46	11	09	14	00	24	05	29	34	56	06	28	51	49	06	16	49	57	08	09	04	53	03	08	02	31
07	05	19	35	31	04	21	14	44	09	14	26	23	06	01	10	58	06	29	03	25	06	16	47	51	08	09	07	44	03	07	59	20
08	05	20	34	44	05	05	40	25	09	14	52	48	06	02	46	14	06	29	15	07	06	16	43	26	08	09	10	43	03	07	56	09
09	05	21	33	59	05	19	56	59	09	15	19	38	06	04	20	47	06	29	26	52	06	16	36	31	08	09	13	46	03	07	52	58
10	05	22	33	16	06	03	59	04	09	15	46	52	06	05	54	37	06	29	38	40	06	16	27	12	08	09	16	54	03	07	49	47
11	05	23	32	36	06	17	40	54	09	16	14	29	06	07	27	44	06	29	50	33	06	16	15	19	08	09	20	06	03	07	46	37
12	05	24	31	57	07	01	00	14	09	16	42	29	06	09	00	08	07	00	02	30	06	16	01	07	08	09	23	27	03	07	43	26
13	05	25	31	20	07	13	56	09	09	17	10	51	06	10	31	52	07	00	14	03	06	15	44	34	08	09	26	50	03	07	40	15
14	05	26	30	46	07	26	30	06	09	17	39	35	06	12	02	53	07	00	26	34	06	15	25	39	08	09	30	19	03	07	37	04
15	05	27	30	13	08	08	45	04	09	18	08	42	06	13	33	12	07	00	38	41	06	15	04	26	08	09	33	52	03	07	33	53
16	05	28	29	43	08	20	45	39	09	18	38	07	06	15	02	52	07	00	50	52	06	14	41	05	08	09	37	32	03	07	30	42
17	05	29	29	14	09	02	36	48	09	19	07	53	06	16	31	46	07	01	03	07	06	14	15	28	08	09	41	16	03	07	27	32
18	06	00	28	48	09	14	24	30	09	19	38	00	06	17	59	59	07	01	15	24	06	13	48	04	08	09	45	04	03	07	24	21
19	06	01	28	23	09	26	14	12	09	20	08	26	06	19	27	27	07	01	27	45	06	13	18	39	08	09	48	57	03	07	21	10
20	06	02	28	01	10	08	11	14	09	20	39	09	06	20	54	11	07	01	40	09	06	12	47	42	08	09	52	56	03	07	17	59
21	06	03	27	40	10	20	20	23	09	21	10	12	06	22	20	09	07	01	52	36	06	12	15	14	08	09	56	58	03	07	14	48
22	06	04	27	23	11	02	44	49	09	21	41	32	06	23	45	21	07	02	05	06	06	11	41	27	08	10	01	06	03	07	11	37
23	06	05	27	07	11	15	26	35	09	22	13	10	06	25	09	45	07	02	17	40	06	11	06	28	08	10	05	19	03	07	08	26
24	06	06	26	53	11	28	26	13	09	22	45	04	06	26	33	16	07	02	30	15	06	10	30	49	08	10	09	36	03	07	05	16
25	06	07	26	40	00	11	42	45	09	23	17	15	06	27	55	57	07	02	42	53	06	09	54	21	08	10	13	58	03	07	02	05
26	06	08	26	31	00	25	14	26	09	23	49	42	06	29	17	41	07	02	55	35	06	09	17	39	08	10	18	23	03	06	58	54
27	06	09	26	23	01	08	58	18	09	24	22	24	07	00	38	26	07	03	08	19	06	08	40	38	08	10	22	54	03	06	55	43
28	06	10	26	16	01	22	51	11	09	24	55	23	07	01	58	07	07	03	21	05	06	08	03	50	08	10	27	30	03	06	52	32
29	06	11	26	12	02	06	49	48	09	25	28	36	07	03	16	40	07	03	33	54	06	07	27	20	08	10	32	08	03	06	49	21
30	06	12	26	09	02	20	52	18	09	26	02	03	07	04	33	57	07	03	46	45	06	06	51	25	08	10	36	51	03	06	46	10
31	06	13	26	09	03	04	56	27	09	26	35	44	07	05	49	50	07	03	59	39	06	06	16	19	08	10	41	39	03	06	42	59

औदयिक स्पष्ट ग्रह, नवम्बर 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	06	14	26	10	03	19	02	01	09	27	09	38	07	07	04	14	07	04	12	34	06	05	42	21	08	10	46	33	03	06	39	49
02	06	15	26	14	04	03	08	06	09	27	43	47	07	08	16	54	07	04	25	32	06	05	09	45	08	10	51	28	03	06	36	38
03	06	16	26	20	04	17	14	04	09	28	18	08	07	09	27	41	07	04	38	31	06	04	38	32	08	10	56	28	03	06	33	27
04	06	17	26	27	05	01	18	00	09	28	52	41	07	10	36	21	07	04	51	33	06	04	08	55	08	11	01	31	03	06	30	16
05	06	18	26	36	05	15	16	59	09	29	27	28	07	11	42	38	07	05	04	36	06	03	41	11	08	11	06	40	03	06	27	05
06	06	19	26	46	05	29	07	56	10	00	02	26	07	12	46	17	07	05	17	42	06	03	15	30	08	11	11	52	03	06	23	54
07	06	20	26	59	06	12	46	15	10	00	37	36	07	13	46	54	07	05	30	49	06	02	51	50	08	11	17	07	03	06	20	43
08	06	21	27	14	06	26	09	17	10	01	12	57	07	14	44	11	07	05	43	58	06	02	30	28	08	11	22	26	03	06	17	32
09	06	22	27	30	07	09	14	47	10	01	48	29	07	15	37	40	07	05	57	08	06	02	11	18	08	11	27	49	03	06	14	22
10	06	23	27	49	07	22	02	05	10	02	24	12	07	16	26	56	07	06	10	20	06	01	54	32	08	11	33	16	03	06	11	11
11	06	24	28	08	08	04	31	22	10	03	00	05	07	17	11	26	07	06	23	33	06	01	40	13	08	11	38	46	03	06	08	00
12	06	25	28	31	08	16	44	44	10	03	36	08	07	17	50	40	07	06	36	47	06	01	28	19	08	11	44	19	03	06	04	49
13	06	26	28	54	08	28	45	00	10	04	12	22	07	18	24	00	07	06	50	02	06	01	18	56	08	11	49	57	03	06	01	38
14	06	27	29	19	09	10	36	14	10	04	48	44	07	18	50	49	07	07	03	19	06	01	11	56	08	11	55	38	03	05	58	27
15	06	28	29	45	09	22	23	48	10	05	25	17	07	19	10	29	07	07	16	37	06	01	07	31	08	12	01	22	03	05	55	16
16	06	29	30	14	10	04	12	57	10	06	01	59	07	19	22	19	07	07	29	56	06	01	05	28	08	12	07	10	03	05	52	05
17	07	00	30	43	10	16	09	53	10	06	38	49	07	19	25	36	07	07	43	16	06	01	05	53	08	12	13	00	03	05	48	55
18	07	01	31	15	10	28	19	57	10	07	15	47	07	19	19	48	07	07	56	37	06	01	08	41	08	12	18	53	03	05	45	44
19	07	02	31	48	11	10	47	56	10	07	52	54	07	19	04	15	07	08	09	58	06	01	13	51	08	12	24	49	03	05	42	33
20	07	03	32	22	11	23	36	41	10	08	30	09	07	18	38	38	07	08	23	20	06	01	21	25	08	12	30	48	03	05	39	22
21	07	04	32	58	00	06	37	59	10	09	07	32	07	18	02	35	07	08	36	43	06	01	31	07	08	12	36	53	03	05	36	11
22	07	05	33	36	00	20	21	57	10	09	45	03	07	17	16	21	07	08	50	06	06	01	43	06	08	12	42	57	03	05	30	00
23	07	06	34	15	01	04	15	54	10	10	22	41	07	16	20	13	07	09	03	30	06	01	57	11	08	12	49	06	03	05	29	49
24	07	07	34	55	01	18	25	48	10	11	00	26	07	15	15	07	07	09	16	54	06	02	13	24	08	12	55	17	03	05	26	38
25	07	08	35	37	02	02	46	11	10	11	38	19	07	14	02	27	07	09	30	18	06	02	31	37	08	13	01	31	03	05	23	27
26	07	09	36	20	02	17	11	46	10	12	16	19	07	12	44	02	07	09	43	43	06	02	51	48	08	13	07	47	03	05	20	17
27	07	10	37	05	03	01	36	49	10	12	54	23	07	11	22	18	07	09	57	07	06	03	13	55	08	13	14	06	03	05	17	06
28	07	11	37	51	03	15	57	40	10	13	32	35	07	09	59	39	07	10	10	33	06	03	37	50	08	13	20	27	03	05	13	55
29	07	12	38	39	04	00	11	50	10	14	10	54	07	08	39	03	07	10	23	57	06	04	03	32	08	13	26	50	03	05	10	44
30	07	13	39	27	04	14	18	01	10	14	49	18	07	07	22	58	07	10	37	22	06	04	30	57	08	13	33	16	03	05	07	33

औदयिक स्पष्ट ग्रह, दिसम्बर 2018

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	07	14	40	16	04	28	14	59	10	15	27	48	07	06	13	58	07	10	50	46	06	05	00	01	08	13	39	45	03	05	04	22
02	07	15	41	07	05	12	01	54	10	16	06	24	07	05	13	55	07	11	04	10	06	05	30	41	08	13	46	15	03	05	01	11
03	07	16	41	59	05	25	38	28	10	16	45	05	07	04	24	16	07	11	17	33	06	06	02	53	08	13	52	47	03	04	58	01
04	07	17	42	52	06	09	03	04	10	17	23	51	07	03	45	55	07	11	30	57	06	06	36	34	08	13	59	22	03	04	54	50
05	07	18	43	46	06	22	14	54	10	18	02	43	07	03	19	12	07	11	44	19	06	07	11	38	08	14	05	59	03	04	51	39
06	07	19	44	42	07	05	13	34	10	18	41	38	07	03	04	08	07	11	57	42	06	07	48	07	08	14	12	38	03	04	48	28
07	07	20	45	37	07	17	58	41	10	19	20	40	07	03	00	11	07	12	11	03	06	08	25	54	08	14	19	18	03	04	45	17
08	07	21	46	34	08	00	30	17	10	19	59	45	07	03	06	48	07	12	24	23	06	09	04	57	08	14	26	00	03	04	42	06
09	07	22	47	32	08	12	49	01	10	20	38	56	07	03	23	06	07	12	37	44	06	09	45	14	08	14	32	44	03	04	38	55
10	07	23	48	31	08	24	56	10	10	21	18	11	07	03	48	17	07	12	51	02	06	10	26	41	08	14	39	30	03	04	35	44
11	07	24	49	32	09	06	53	22	10	21	57	30	07	04	21	27	07	13	04	21	06	11	09	16	08	14	46	18	03	04	32	34
12	07	25	50	32	09	18	43	45	10	22	36	53	07	05	01	43	07	13	17	37	06	11	52	57	08	14	53	06	03	04	29	23
13	07	26	51	34	10	00	30	32	10	23	16	19	07	05	48	19	07	13	30	53	06	12	37	39	08	14	59	57	03	04	26	12
14	07	27	52	36	10	12	19	10	10	23	55	50	07	06	40	28	07	13	44	08	06	13	23	22	08	15	06	50	03	04	23	01
15	07	28	53	39	10	24	14	15	10	24	35	24	07	07	37	31	07	13	57	21	06	14	10	04	08	15	13	43	03	04	19	50
16	07	29	54	43	11	06	21	50	10	25	15	02	07	08	38	52	07	14	10	32	06	14	57	40	08	15	20	37	03	04	16	39
17	08	00	55	48	11	18	46	47	10	25	54	43	07	09	43	58	07	14	23	42	06	15	46	11	08	15	27	33	03	04	13	28
18	08	01	56	53	00	01	33	47	10	26	34	27	07	10	52	20	07	14	36	51	06	16	35	33	08	15	34	28	03	04	10	18
19	08	02	57	58	00	14	45	54	10	27	14	15	07	12	03	34	07	14	49	57	06	17	25	45	08	15	41	26	03	04	07	07
20	08	03	59	05	00	28	24	32	10	27	54	06	07	13	17	16	07	15	03	03	06	18	16	46	08	15	48	25	03	04	03	56
21	08	05	00	11	01	12	28	29	10	28	33	59	07	14	33	08	07	15	16	06	06	19	08	31	08	15	55	25	03	04	00	45
22	08	06	01	18	01	26	53	58	10	29	13	55	07	15	50	52	07	15	29	07	06	20	01	02	08	16	02	26	03	03	57	34
23	08	07	02	25	02	11	35	58	10	29	53	54	07	17	10	13	07	15	42	06	06	20	54	14	08	16	09	27	03	03	54	23
24	08	08	03	33	02	26	26	38	11	00	33	55	07	18	31	00	07	15	55	03	06	21	48	08	08	16	16	28	03	03	51	13
25	08	09	04	42	03	11	18	26	11	01	13	59	07	19	53	02	07	16	07	58	06	22	42	43	08	16	23	31	03	03	48	02
26	08	10	05	50	03	26	04	45	11	01	54	05	07	21	16	06	07	16	20	51	06	23	37	54	08	16	30	34	03	03	44	51
27	08	11	07	00	04	10	39	43	11	02	34	13	07	22	40	11	07	16	33	41	06	24	33	44	08	16	37	38	03	03	41	40
28	08	12	08	08	04	24	59	19	11	03	14	24	07	24	05	03	07	16	46	28	06	25	30	07	08	16	44	40	03	03	38	29
29	08	13	09	18	05	09	01	02	11	03	54	36	07	25	30	43	07	16	59	14	06	26	27	06	08	16	51	46	03	03	35	18
30	08	14	10	27	05	22	44	09	11	04	34	52	07	26	57	01	07	17	11	56	06	27	24	37	08	16	58	50	03	03	32	08
31	08	15	11	36	06	06	08	39	11	05	15	07	07	28	23	57	07	17	24	36	06	28	22	40	08	17	05	55	03	03	28	57

औदयिक स्पष्ट ग्रह, जनवरी 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	08	16	12	46	06	19	15	30	11	05	55	25	07	29	51	27
02	08	17	13	56	07	02	06	19	11	06	35	45	08	01	19	28
03	08	18	15	05	07	14	43	00	11	07	16	07	08	02	48	00
04	08	19	16	16	07	27	07	26	11	07	56	29	08	04	16	59
05	08	20	17	26	08	09	21	37	11	08	36	54	08	05	46	25
06	08	21	18	35	08	21	27	28	11	09	17	19	08	07	16	18
07	08	22	19	45	09	03	25	55	11	09	57	46	08	08	46	39
08	08	23	20	54	09	15	18	40	11	10	38	15	08	10	17	26
09	08	24	22	03	09	27	07	28	11	11	18	44	08	11	48	40
10	08	25	23	12	10	08	54	42	11	11	59	14	08	13	20	22
11	08	26	24	20	10	20	43	57	11	12	39	45	08	14	52	31
12	08	27	25	28	11	02	39	02	11	13	20	17	08	16	25	08
13	08	28	26	36	11	14	44	15	11	14	00	51	08	17	58	11
14	08	29	27	43	11	27	04	44	11	14	41	24	08	19	31	46
15	09	00	28	50	00	09	45	26	11	15	21	58	08	21	05	49
16	09	01	29	56	00	22	49	53	11	16	02	34	08	22	40	22
17	09	02	31	02	01	06	20	51	11	16	43	09	08	24	15	24
18	09	03	32	07	01	20	19	25	11	17	23	45	08	25	50	59
19	09	04	33	12	02	04	44	19	11	18	04	21	08	27	27	03
20	09	05	34	16	02	19	30	51	11	18	44	59	08	29	03	42
21	09	06	35	20	03	04	33	27	11	19	25	36	09	00	40	54
22	09	07	36	23	03	19	43	18	11	20	06	13	09	02	18	40
23	09	08	37	25	04	04	51	53	11	20	46	51	09	03	57	02
24	09	09	38	26	04	19	49	48	11	21	27	29	09	05	36	00
25	09	10	39	26	05	04	29	48	11	22	08	07	09	07	15	34
26	09	11	40	26	05	18	47	16	11	22	48	45	09	08	55	48
27	09	12	41	25	06	02	38	30	11	23	29	24	09	10	36	40
28	09	13	42	22	06	16	03	52	11	24	10	01	09	12	18	12
29	09	14	43	19	06	29	05	14	11	24	50	40	09	14	00	23
30	09	15	44	15	07	11	45	49	11	25	31	18	09	15	43	14
31	09	16	45	09	07	24	09	17	11	26	11	55	09	17	26	45

ग्रह	गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	07	17	37	13	06	29	21	14	08	17	13	01	03	03	25	46
02	07	17	49	47	07	00	20	18	08	17	20	06	03	03	22	35
03	07	18	02	18	07	01	19	49	08	17	27	12	03	03	19	24
04	07	18	14	47	07	02	19	50	08	17	34	16	03	03	16	14
05	07	18	27	11	07	03	20	16	08	17	41	21	03	03	13	03
06	07	18	39	33	07	04	21	07	08	17	48	26	03	03	09	52
07	07	18	51	52	07	05	22	23	08	17	55	29	03	03	06	41
08	07	19	04	06	07	06	24	03	08	18	02	33	03	03	03	30
09	07	19	16	17	07	07	26	07	08	18	09	37	03	03	00	20
10	07	19	28	25	07	08	28	32	08	18	16	41	03	02	57	09
11	07	19	40	29	07	09	31	18	08	18	23	42	03	02	53	58
12	07	19	52	29	07	10	34	25	08	18	33	44	03	02	50	47
13	07	20	04	25	07	11	37	53	08	18	37	46	03	02	47	37
14	07	20	16	17	07	12	41	39	08	18	44	47	03	02	44	26
15	07	20	28	05	07	13	45	44	08	18	51	46	03	02	41	15
16	07	20	39	49	07	14	50	08	08	18	58	45	03	02	38	04
17	07	20	51	29	07	15	54	48	08	19	05	43	03	02	34	53
18	07	21	03	04	07	16	59	46	08	19	12	39	03	02	31	43
19	07	21	14	35	07	17	04	59	08	19	19	35	03	02	28	32
20	07	21	26	02	07	19	10	28	08	19	26	30	03	02	25	21
21	07	21	37	23	07	20	16	13	08	19	33	24	03	02	22	11
22	07	21	48	39	07	21	22	12	08	19	40	16	03	02	19	00
23	07	21	59	52	07	22	28	25	08	19	47	07	03	02	15	49
24	07	22	10	59	07	23	34	52	08	19	53	54	03	02	12	38
25	07	22	22	00	07	24	41	30	08	20	00	43	03	02	09	28
26	07	22	32	57	07	25	48	23	08	20	07	28	03	02	06	17
27	07	22	43	50	07	26	55	28	08	20	14	12	03	02	03	06
28	07	22	54	35	07	28	02	44	08	20	20	56	03	01	59	55
29	07	23	05	16	07	29	10	12	08	20	27	37	03	01	56	45
30	07	23	15	51	08	00	17	51	08	20	34	16	03	01	53	34
31	07	23	26	21	08	01	25	39	08	20	40	53	03	01	50	23

औदयिक स्पष्ट ग्रह, फरवरी 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	09	17	46	03	08	06	19	35	11	26	52	32	09	19	10	57	07	23	36	45	08	02	33	39	08	20	47	27	03	01	47	13
02	09	18	46	56	08	18	20	34	11	27	33	10	09	20	55	49	07	23	47	03	08	03	41	49	08	20	54	01	03	01	44	02
03	09	19	47	48	09	00	15	04	11	28	13	47	09	22	41	18	07	23	57	15	08	04	50	07	08	21	00	32	03	01	40	51
04	09	20	48	38	09	12	06	05	11	28	54	24	09	24	27	23	07	24	07	21	08	05	58	36	08	21	06	59	03	01	37	41
05	09	21	49	27	09	23	55	03	11	29	35	01	09	26	14	04	07	24	17	21	08	07	07	12	08	21	13	26	03	01	34	30
06	09	22	50	15	10	05	43	33	00	00	15	36	09	28	01	14	07	24	27	15	08	08	15	58	08	21	19	50	03	01	31	19
07	09	23	51	02	10	17	33	52	00	00	56	12	09	29	48	51	07	24	37	02	08	09	24	52	08	21	26	12	03	01	28	08
08	09	24	51	47	10	29	27	21	00	01	36	46	10	01	36	52	07	24	46	43	08	10	33	53	08	21	32	31	03	01	24	58
09	09	25	52	33	11	11	26	35	00	02	17	21	10	03	25	07	07	24	56	18	08	11	43	04	08	21	38	49	03	01	21	47
10	09	26	53	16	11	23	34	57	00	02	57	55	10	05	13	34	07	25	05	45	08	12	52	22	08	21	45	03	03	01	18	36
11	09	27	53	57	00	05	55	49	00	03	38	29	10	07	01	59	07	25	15	06	08	14	01	45	08	21	51	14	03	01	15	26
12	09	28	54	37	00	18	32	49	00	04	19	01	10	08	50	17	07	25	24	21	08	15	11	16	08	21	51	24	03	01	12	15
13	09	29	55	17	01	01	29	41	00	04	59	34	10	10	38	17	07	25	33	27	08	16	20	54	08	22	03	29	03	01	09	04
14	10	00	55	53	01	14	49	17	00	05	40	05	10	12	25	47	07	25	42	28	08	17	30	38	08	22	09	31	03	01	05	54
15	10	01	56	30	01	28	34	22	00	06	20	36	10	14	12	34	07	25	51	21	08	18	40	29	08	22	15	32	03	01	02	43
16	10	02	57	04	02	12	44	54	00	07	01	06	10	15	58	17	07	26	00	06	08	19	50	25	08	22	21	30	03	00	59	32
17	10	03	57	37	02	27	19	52	00	07	41	35	10	17	42	44	07	26	08	44	08	21	00	27	08	22	27	23	03	00	56	22
18	10	04	58	09	03	12	15	24	00	08	22	04	10	19	25	28	07	26	17	15	08	22	10	35	08	22	33	14	03	00	53	11
19	10	05	58	38	03	27	25	20	00	09	02	31	10	21	06	06	07	26	25	38	08	23	20	48	08	22	39	02	03	00	50	00
20	10	06	59	07	04	12	40	41	00	09	42	58	10	22	44	12	07	26	33	54	08	24	31	06	08	22	44	47	03	00	46	50
21	10	07	59	33	04	27	50	54	00	10	23	25	10	24	19	14	07	26	42	03	08	25	41	29	08	22	50	28	03	00	43	39
22	10	08	59	58	05	12	46	35	00	11	03	50	10	25	50	37	07	26	50	02	08	26	51	57	08	22	56	06	03	00	40	28
23	10	10	00	22	05	27	18	58	00	11	44	14	10	27	17	48	07	26	57	55	08	28	02	31	08	23	01	39	03	00	37	18
24	10	11	00	43	06	11	23	14	00	12	24	37	10	28	40	04	07	27	05	39	08	29	13	07	08	23	07	11	03	00	34	07
25	10	12	01	04	06	24	58	08	00	13	05	00	10	29	56	47	07	27	13	15	09	00	23	49	08	23	12	39	03	00	30	57
26	10	13	01	22	07	08	04	17	00	13	45	21	11	01	07	17	07	27	20	42	09	01	34	35	08	23	18	03	03	00	27	46
27	10	14	01	40	07	20	45	15	00	14	25	42	11	02	10	53	07	27	28	02	09	02	45	25	08	23	23	23	03	00	24	35
28	10	15	01	54	08	03	05	47	00	15	06	01	11	03	06	55	07	27	35	12	09	03	56	18	08	23	28	39	03	00	21	25

औदयिक स्पष्ट ग्रह, मार्च 2019

ग्रह	सूर्य				चन्द्र				मंगल				बुध				गुरु				शुक्र				शनि				राहु			
दिनांक	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.	रा.	अ.	क.	वि.
01	10	16	02	07	08	15	10	55	00	15	46	20	11	03	44	49	07	27	42	14	09	05	07	16	08	23	33	52	03	00	18	14
02	10	17	02	19	08	27	05	07	00	16	26	37	11	04	34	06	07	27	49	08	09	06	18	17	08	23	39	01	03	00	15	03
03	10	18	02	28	09	08	53	58	00	17	06	53	11	05	04	18	07	27	55	53	09	07	29	21	08	23	44	07	03	00	11	53
04	10	19	02	36	09	20	40	36	00	17	47	09	11	05	25	09	07	28	02	29	09	08	40	29	08	23	49	08	03	00	08	42
05	10	20	02	42	10	02	28	18	00	18	27	22	11	05	36	26	07	28	08	56	09	09	51	40	08	23	54	04	03	00	05	31
06	10	21	02	45	10	14	19	15	00	19	07	36	11	05	38	13	07	28	15	14	09	11	02	54	08	23	58	56	03	00	02	21
07	10	22	02	48	10	26	15	26	00	19	47	48	11	05	30	32	07	28	21	22	09	12	14	11	08	24	03	45	02	29	59	10
08	10	23	02	48	11	08	17	19	00	20	27	59	11	05	13	47	07	28	27	22	09	13	25	31	08	24	08	30	02	29	56	00
09	10	24	02	47	11	20	26	50	00	21	08	09	11	04	48	25	07	28	33	13	09	14	36	55	08	24	13	09	02	29	52	49
10	10	25	02	43	00	02	45	30	00	21	48	17	11	04	15	07	07	28	38	53	09	15	48	20	08	24	17	45	02	29	49	38
11	10	26	02	38	00	15	14	59	00	22	28	24	11	03	34	39	07	28	44	24	09	16	59	49	08	24	22	17	02	29	46	28
12	10	27	02	30	00	27	57	22	00	23	08	30	11	02	48	11	07	28	49	46	09	18	11	20	08	24	26	45	02	29	43	17
13	10	28	02	20	01	10	54	47	00	23	48	35	11	01	56	46	07	28	54	58	09	19	22	53	08	24	31	06	02	29	40	06
14	10	29	02	10	01	24	09	40	00	24	28	40	11	01	01	42	07	29	00	00	09	20	34	29	08	24	35	24	02	29	36	56
15	11	00	01	56	02	07	43	45	00	25	08	42	11	00	04	19	07	29	04	53	09	21	46	07	08	24	39	38	02	29	33	45
16	11	01	01	41	02	21	39	01	00	25	48	43	10	29	05	55	07	29	05	35	09	22	57	47	08	24	43	47	02	29	30	35
17	11	02	01	25	03	05	55	28	00	26	28	43	10	28	07	57	07	29	14	08	09	24	09	31	08	24	47	51	02	29	27	24
18	11	03	01	05	03	20	32	27	00	27	08	42	10	27	11	31	07	29	18	30	09	25	21	15	08	24	51	51	02	29	24	13
19	11	04	00	45	04	05	25	33	00	27	48	40	10	26	17	50	07	29	22	43	09	26	33	03	08	24	55	47	02	29	21	03
20	11	05	00	21	04	20	28	45	00	28	28	36	10	25	27	45	07	29	26	44	09	27	44	51	08	24	59	35	02	29	17	52
21	11	05	59	56	05	05	32	42	00	29	08	31	10	24	42	06	07	29	30	35	09	28	56	42	08	25	03	20	02	29	14	42
22	11	06	59	28	05	20	27	17	00	29	48	25	10	24	01	28	07	29	34	16	10	00	08	34	08	25	07	01	02	29	11	31
23	11	07	59	00	06	05	03	33	01	00	28	18	10	23	26	21	07	29	37	47	10	01	20	30	08	25	10	34	02	29	08	20
24	11	08	58	28	06	19	14	47	01	01	08	09	10	22	57	02	07	29	41	06	10	02	32	26	08	25	14	04	02	29	05	10
25	11	09	57	55	07	02	57	17	01	01	47	59	10	22	33	36	07	29	44	16	10	03	44	24	08	25	17	31	02	29	01	59
26	11	10	57	20	07	16	10	43	01	02	27	48	10	22	16	10	07	29	47	14	10	04	56	24	08	25	20	50	02	28	58	48
27	11	11	56	43	07	28	57	29	01	03	07	35	10	22	04	40	07	29	50	03	10	06	08	25	08	25	24	05	02	28	55	38
28	11	12	56	03	08	11	21	52	01	03	47	21	10	21	58	59	07	29	52	40	10	07	20	28	08	25	27	14	02	28	52	27
29	11	13	55	21	08	23	28	16	01	04	27	06	10	21	58	59	07	29	55	06	10	08	32	33	08	25	30	19	02	28	49	17
30	11	14	54	38	09	05	22	36	01	05	06	50	10	22	04	29	07	29	57	21	10	09	44	39	08	25	33	17	02	28	46	06
31	11	15	53	52	09	17	10	27	01	05	46	32	10	22	15	14	07	29	59	26	10	10	56	47	08	25	36	11	02	28	42	55

ग्रहों का उदयास्त विचार

मंगलग्रह का उदयास्त

इस वर्ष भर मंगल उदित रहेगा।

बुध ग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
24.03.2018	शनि	18:32	पश्चिम में अस्त
09.04.2018	सोम	12:26	पूर्व में उदय
25.05.2018	शुक्र	24:36	पूर्व में अस्त
17.06.2018	रवि	08:56	पश्चिम में उदय
01.08.2018	बुध	11:39	पश्चिम में अस्त
17.08.2018	शुक्र	17:58	पूर्व में उदय
06.09.2018	गुरु	13:27	पूर्व में अस्तं
09.10.2018	भौम	15:19	पश्चिम में उदय
21.11.2018	बुध	13:49	पश्चिम में अस्त
03.12.2018	सोम	17:47	पूर्व में उदय
08.01.2019	भौम	10:52	पूर्व में अस्त
15.02.2019	शुक्र	30:55	पश्चिम में उदय
07.03.2019	गुरु	15:32	पश्चिम में अस्त
22.03.2019	शुक्र	06:49	पूर्व में उदय

गुरुग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
14.11.2018	बुध	26:36	पश्चिम में अस्त
10.12.2018	सोम	18:41	पूर्व में उदय

शुक्रग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
18.10.2018	गुरु	20:37	पश्चिम में अस्त
02.11.2018	शुक्र	06:55	पूब। में उदय

शनिग्रह का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	दिशा
16.12.2018	रवि	19:18	पश्चिम में अस्त
18.01.2019	शुक्र	26:02	पूर्व में उदय

अगस्त्य का उदयास्त

दिनांक	वार	समय	स्थिति
25.04.2018	बुध	29:15	अस्त
29:08:2018	बुध	26.15	उदय

ग्रहों क' मार्गत्व वक्रत्व

भौम ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
27/03/18	भौम	15:18	वक्री
28/08/18	भौम	06:39	मार्गी

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
23/03/18	शुक्र	16:23	वक्री
15/04/18	रवि	28:23	मार्गी
26/07/18	गुरु	23:35	वक्री
19/08/18	रवि	19:06	मार्गी
17/11/18	रवि	15:29	वक्री
07/12/18	शुक्र	16:05	मागी
06/03/19	बुध	11:06	तक्री

बुध ग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
28/03/19	गुरु	30:20	मार्गी

गुरुग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
09/03/18	शुक्र	18:53	वक्री
11/07/18	बुध	07:20	मार्गी

शुक्रग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
06/10/18	शनि	09:19	वक्री
16/11/18	शुक्र	26:40	मार्गी

शनिग्रह का मार्गत्व वक्रत्व

दिनांक	वार	समय	स्थिति
18/04/18	बुध	16:40	वक्री
06/09/18	गुरु	20:05	मार्गी

अक्षांश, रेखांश, स्टैंडर्ड अन्तरादि सारणी

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
अजमेर	26।27	74।42	-31	उधमपुर(पंजाब)	32।56	74।43	-31
अयोध्या	26।48	82।14	-01	औरंगाबाद, (महाराष्ट्र)	19।53	75।23	-28
अम्बाला	30।21	76।52	-23	औरंगाबाद(बिहार)	24।45	84।25	+08
अमृतसर	31।37	74।55	-31	कटक	20।28	85।54	+14
अहमद्पुर	29।17	71।35	-44	कराची(पाकिस्तान)	24।51	67।04	-32
अलमोड़ा	29।37	79।40	-11	कन्नौज	27।03	79।58	-10
अखनूर	32।54	74।35	-32	करनाल	29।42	77।02	-22
अलीगढ	27।54	78।06	-18	कलकत्ता	22।34	88।24	+24
अमेठी	26।07	81।47	-03	कपूरथला	31।23	75।25	-28
अगरतला	23।49	91।17	+35	कल्याण(महाराष्ट्र)	19।17	73।11	-37
अहमदनगर	19।05	74।48	-31	कोयम्बटूर	11।00	77।00	-22

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
अहमदाबाद	23।02	72।38	-39	कालका	30।50	76।56	-22
आबू	24।40	72।45	-39	काशी-वाराणसी	25।20	83।00	+02
आगरा	27।10	78।05	-18	काठमाडु,नेपाल	27।42	85।12	+11
आजमगढ	26।03	83।13	+03	कानपुर	26।28	80।24	-08
इटावा	26।47	79।02	-14	कांचीपुरम्,तमि.	12।51	79।53	-11
इन्दौर	22।45	75।50	-27	कांगडा	32।09	76।18	-25
इम्फाल	24।54	93।54	+46	किश्तवाड़ा,जम्मू	33।12	75।48	-27
उदयपुर(राज)	24।37	73।42	-35	कुरूक्षेत्र	29।58	76।48	-23
उज्जैन	23।09	75।43	-27	कन्याकुमारी	08।06	77।34	-20
उन्नाव	26।48	80।43	-07	कोल्हापुर	16।42	74।16	-33
कोटा(राज.)	25।10	75।52	-27	जम्मू	3244	74।54	-30
कोच्चीन	09।58	76।17	-25	जसवन्तनगर	2651	78।55	-14
खम्भात	22।19	72।36	-40	जामनगर	2227	70।07	-50
गुड़गांव	28।27	77।04	-22	जालन्धर	3119	75।18	-29
गुलबर्गा	17।22	76।47	-23	जूनागढ (गुज.)	2131	70।36	-48
गुन्टूर	16।20	80।27	-08	जैसलमेर	2655	70।57	-46
गयाजी	24।49	85।01	+10	जौनपुर	2542	82।44	+01
ग्वालियर	26।14	78।10	-17	जोधपुर	2619	73।04	-38

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
गाजीपुर	25।34	83।35	+04	झांसी	2537	78।37	-16
गिलगिल	35।54	74।22	-33	झालरापाटन	2432	76।12	-25
गोरखपुर	26।45	83।27	+04	ट्रावनकोर	0900	77।00	-22
गोंडा	27।28	82।01	-02	टुण्डला जं	2713	78।13	-17
गोवा	15।30	73।57	-34	टाटानगर	2909	80।10	-09
गोहाटी	26।11	91।45	+37	टोंक (राज.)	2611	75।50	-27
गोकर्ण	14।33	74।18	-33	डलहौजी	3230	75।54	-27
चम्बा	32।34	76।10	-25	डिबरूगढ	2729	94।56	+50
चंडीगढ	30।40	76।52	-22	ढाका(बांग्ला.)	2343	90।26	+32
चिकमंगलूर	13।20	75।46	-27	त्रिचूर	1032	76।14	-25
चित्तौड़गढ	24।54	74।42	-31	त्रिवेन्द्रम्	0830	76।54	-22
चित्रकूट	25।15	80।28	-08	दरभंगा	2610	85।57	+14
चेरापूंजी	25।17	91।47	-37	दाहोद(गुज.)	2250	74।15	-33
छपरा	24।47	84।31	+09	दार्जिलिंग	2706	88।18	+23
छतरपुर	24।54	79।38	-11	द्वारकाधाम	2212	69।01	-54
जलगांव	21।01	75।39	-29	दिल्ली	28।38	77।12	-21
जगन्नाथपुरी	19।46	85।48	+13	देहरादून	30।20	78।04	-18
जमशेदपुर	22।50	86।10	+15	दौलताबाद	19।57	75।12	-29

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
जलपाईगुडी	26।32	88।46	+25	धर्मशाला	32।16	76।23	-24
जबलपुर	23।10	80।01	-10	धारवाड़	15।26	75।00	-30
जयपुर	26।56	75।52	-27	धार (म.प्र)	22।36	75।12	-29
धूलिया	20।58	74।42	-31	फतेहपुर(उ.प्र.)	25।55	80।52	-06
नसीराबाद	26।08	74।46	-31	फतेहपुर(राज.)	27।52	75।02	-30
नड़ियाद,गुज.	22।41	72।55	-38	फिरोजपुर	30।56	74।40	-31
नासिक	20।02	73।50	-35	फैजाबाद	26।47	82।12	-01
नागपुर	21।09	79।09	-13	बड़ौदा (गुज.)	22।16	73।12	-37
नाथद्वारा	24।56	73।52	-35	बद्रीनाथ	30।44	79।32	-12
नीमच	24।27	74।52	-31	बरेली	28।22	79।27	-12
पटियाला	30।22	76।25	-24	बेलगांव	15।54	74।36	-32
पटना(बिहा.)	25।37	85।13	+11	बेलूर-कर्नाटक	13।08	75।51	-27
पठानकोट	32।15	75।42	-27	बांदा(उ.प्र.)	25।28	80।20	-09
प्रयागराज	25।24	81।54	-03	बांसवाड़ा	23।30	74।24	-32
पालीतादाा	21।30	71।40	-43	बिलासपुर(म.प्र.	22।05	82।13	-01
पानीपत	29।23	77।01	-21	बिलासपुर(हि.प्र	31।19	76।50	-23
पांडीचेरी	11।56	79।53	-10	बीजापुर	16।50	75।47	-27
पीलीभीत	28।40	79।50	-11	बीकानेर	28।01	73।22	-37

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
पुरुलिया,बिहा.	23।20	86।25	+16	बूंदी(राज.)	25।27	75।41	-27
पूना	18।19	73।55	-34	बुलन्दशहर	28।24	77।54	-18
पोरबन्दर	21।37	69।49	-51	बंगलौर	12।58	77।38	-19
फरीदकोट	30।40	74।57	-30	भिवानीहरि.	28।48	76।08	-36
फरीदाबाद	28।26	77।19	-21	भिवण्डी	19।15	73।05	-38
फर्रूखाबाद	27।24	79।37	-12	भुसावल	21।02	75।47	-27
भरतपुर	27।15	77।30	-20	रतलाम	23।21	75।07	-30
भटिण्डा	30।11	75।00	-30	रायचूर	16।15	77।20	-21
भड़ोच	21।41	73।00	-38	राजकोट	22।18	70।59	-46
भावनगर	21।46	72।11	-41	रायगढ	21।58	83।26	-04
भागलपुर	25।13	86।59	+18	रायबरेली	26।15	81।16	-05
भुवनेश्वर	20।28	85।54	+14	रामेश्वरम्	09।17	79।22	-13
भूटान	27।30	90।00	+30	रायपुर(छ.ग.)	21।15	81।41	-03
महेन्द्रगढ़ हरि.	28।17	76।09	-25	रांची	23।40	85।34	+12
भोपाल	23।16	77।36	-20	रायपुर(उ.प्र.)	28।48	75।05	-14
मदुराई	09।55	78।07	-18	रीवा	24।32	81।19	-05
मेहसाणा	23।42	72।37	-40	रेवाड़ी-जंक्शन	28।12	76।40	-23
मणीपुरस्टेट	24।44	93।58	+46	रोहतक	28।54	76।38	-23

नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर अं. क.	रेखांश पूर्व अं. क.	स्टैं.अ. मि.
मण्डी(हि.प्र.)	31।40	76।58	-22	रंगून(बर्मा)	16।50	96।13	+55
मद्रास	13।04	80।17	-09	लद्दाख	33।00	78।48	-15
मथुरा	27।28	77।41	-19	लखनऊ	26।55	80।59	-06
मालेगांव	20।31	74।30	-32	ललितपुर	24।22	78।28	-16
मिर्जापुर	25।06	82।37	-00	लातूर	18।24	76।34	-24
मुरादाबाद	28।50	78।49	-15	लुधियाना	30।55	75।54	-26
मुंगेर-बिहार	25।23	86।30	+16	लाहौर(पाकि.)	31।37	74।26	-02
मुर्शिदाबाद	24।10	88।19	+23	वर्धा	20।45	78।39	-15
मुजफ्फरनगर	29।30	77।44	-19	विजयवाड़ा	16।31	80।39	-07
मुजफ्फरपुर	26।12	85।27	+12	विशाखापटनम्	17।42	83।20	+03
मुम्बई	18।57	72।50	-39	शिमला	31।06	77।13	-21
मेरठ	29।00	77।45	-19	शिकोहाबाद	27।06	78।38	-15
मैसूर-कर्नाटक	12।18	75।42	-23	शिलांग-मेघाल.	25।34	91।45	+38
मैनपुरी	27।13	79।04	-14	श्रीगंगानगर	29।50	73।50	-35
मोतीहारी	26।40	84।57	+10	श्रीनगर कश्मीर	34।06	74।51	-31
रत्नागिरि	17।00	73।20	-37	श्रीनगर गढवाल	30।14	78।42	-15
श्रीमाधोपुर	27।25	75।25	-29	हथुना	26।12	84।05	+06
सतारा(महा.)	17।42	74।02	-34	हाजीपुर	25।35	83।11	+03

नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.	नगर	अक्षांश उत्तर	रेखांश पूर्व	स्टैं.अ. मि.
	अं. क.	अं. क.			अं. क.	अं. क.	
सम्बलपुर	21।28	84।00	+06	हाथरस	27।38	78।06	-18
सहारनपुर	29।59	77।23	-20	हिसार	29।10	75।46	-27
स्यालकोट	32।31	74।36	-02	हैदराबाद	17।18	78।30	-16
सागर(म.प्र.)	23।50	78।45	-15	होशियारपुर	31।32	75।57	-26
सिरसा	29।32	75।04	-30	हौशंगाबाद	22।46	77।45	-19
सिरोही	24।35	73।02	-38	होडल (हरि.)	27।53	77।22	-21
सिकन्दराबाद	17।27	78।33	-16	संथालपरगना	24।30	87।00	+18
सीतामढी	26।35	85।27	+12	संगमनेर	19।35	74।46	-31
सीतापुर	27।32	80।24	-08	हिंगोली	19।43	77।11	-21
सुल्तानपुर	26।16	82।07	-02	हरदोई	27।23	80।10	-09
सूरत-गुजरात	21।11	72।52	-39	हजारीबाग	23।59	85।25	+12
सेलम-तमिल	11।39	78।15	-17	हरिद्वार	29।56	78।13	-17
सोमनाथ	21।01	70।26	-48	हांसी	29।06	76।00	-26
सोलापुर	17।40	75।48	-27	तिरुपति	13।39	79।25	-12
सोनीपत	28।59	77।01	-22	पौड़ी	30।09	78।47	-15
सोजत,मारवाड	25।56	73।42	-35	पंचकूला	30।42	76।52	-22
सोनपुर,उड़ीसा	20।51	83।55	+06	पटियाला	30।20	76।25	-24
सोलन, हि.प्र.	30।57	77।09	-22	पुरी	19।48	85।52	+13

क्रान्ति सारिणी

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
01.	-23:00:45	-17:06:31	-07:35:28	04:38:10	15:09:28	22:05:50	23:06:04	17:57:40	08:11:40	-03:16:46	-14:30:31	-21:50:47
02.	-22:55:35	-16:49:17	-07:12:36	05:01:16	1:27:26	22:13:42	23:01:44	17:42:21	07:49:49	-03:40:02	-14:49:34	-21:59:49
03.	-22:49:57	-16:31:46	-06:49:39	05:24:17	15:45:10	22:21:10	22:57:00	17:26:44	07:27:50	-04:03:14	-15:08:23	-22:08:25
04.	-22:43:52	-16:13:57	-06:26:35	05:47:12	16:02:37	22:28:15	22:51:51	17:10:51	07:05:43	-04:26:24	-15:26:57	-22:16:36
05.	-22:37:20	-15:55:52	-06:03:26	06:10:02	16:19:49	22:34:57	22:46:19	16:54:40	06:43:30	-04:49:30	-15:45:16	-22:24:21
06.	-22:30:21	-15:37:30	-05:40:12	06:32:44	16:36:44	22:41:14	22:40:23	16:38:14	06:21:11	-05:12:34	-16:03:19	-22:31:40
07.	-22:22:55	-15:18:53	-05:16:53	06:55:21	16:53:22	22:47:08	22:34:03	16:21:31	05:58:44	-05:35:33	-16:21:06	-22:38:32
08.	-22:15:03	-14:59:59	-04:53:30	07:17:50	17:09:44	22:52:38	22:27:21	16:04:32	05:36:12	-05:58:28	-16:38:37	-22:44:58
09.	-22:06:45	-14:40:50	-04:30:03	07:40:12	17:25:49	22:57:44	22:20:14	15:47:18	05:13:35	-06:21:18	-16:55:50	-22:50:57
10.	-21:58:01	-14:21:27	-04:06:32	08:02:25	17:41:36	23:02:25	22:12:45	15:29:49	04:50:52	-06:44:03	-17:12:47	-22:56:29
11.	-21:48:51	-14:01:49	-03:42:59	08:24:31	17:57:05	23:06:43	22:04:53	15:12:05	04:28:04	-07:06:42	·17:29:26	-23:01:34
12.	-21:39:16	-13:41:57	-03:19:23	08:46:29	18:12:16	23:10:35	21:56:38	14:54:06	04:05:11	-07:29:16	-17:45:47	-23:06:11
13.	-21:29:15	-13:21:52	-02:55:45	09:08:17	18:27:09	23:14:04	21:48:00	14:35:53	03:42:15	-07:51:44	-18:01:49	-23:10:21
14.	-21:18:50	-13:01:34	-02:32:05	09:29:57	18:41:43	23:17:07	21:39:00	14:17:26	03:19:13	-08:14:05	-18:17:33	-23:14:04
15.	-21:08:00	-12:41:03	-02:08:23	09:51:26	18:55:58	23:19:46	21:29:38	13:58:46	02:56:09	-08:36:19	-18:32:57	-23:17:18
16.	-20:56:46	-12:20:20	-01:44:40	10:12:47	19:09:54	23:22:00	21:19:54	13:39:52	02:33:01	-08:58:27	-18:48:02	-23:20:05
17.	-20:45:07	-12:59:25	-01:20:56	10:33:57	19:23:31	23:23:50	21:09:48	13:20:46	02:09:50	-09:20:26	-19:02:46	-23:22:24
18.	-20:33:05	-11:38:18	-00:57:12	10:54:56	19:36:48	23:25:15	20:59:21	13:01:26	01:46:37	-09:42:17	-19:17:11	-23:24:15
19.	-20:20:40	-11:17:01	-00:33:27	11:15:45	19:49:44	23:26:15	20:48:33	12:41:54	01:23:21	-10:04:00	-19:31:14	-23:25:37
20.	-20:07:52	-10:55:32	-00:09:43	11:36:20	20:02:21	23:26:50	20:37:23	12:22:10	01:00:03	-10:25:34	-19:44:57	-23:26:32
21.	-19:54:41	-10:33:54	00:14:02	11:56:49	20:14:37	23:27:00	20:25:53	12:02:15	00:36:43	-10:46:59	-19:58:17	-23:26:58
22.	-19:41:08	-10:12:06	00:37:44	12:17:03	20:26:32	23:26:46	20:14:02	11:42:08	00:13:22	-11:08:14	-20:11:16	-23:26:56
23.	-19:27:13	-09:50:08	01:01:25	12:37:05	20:38:06	23:26:06	20:01:51	11:21:50	-00:09:58	-11:29:19	-20:23:53	-23:26:25
24.	-19:12:56	-09:28:02	01:25:05	12:56:55	20:49:19	23:25:02	19:49:20	11:01:21	-00:33:21	-11:50:14	-20:36:07	-23:25:26
25.	-18:58:18	-09:05:47	01:48:42	13:16:32	21:00:10	23:23:33	19:36:29	10:40:42	-00:56:43	-12:10:59	-20:47:59	-23:24:00
26.	-18:43:19	-08:43:24	02:12:16	13:35:56	21:10:40	23:21:40	19:23:18	10:19:52	-01:20:06	-12:31:31	-20:59:27	-23:22:04
27.	-18:28:00	-08:20:52	02:35:48	13:55:07	21:20:47	23:19:22	19:09:48	09:58:53	-01:43:28	-12:51:53	-21:10:31	-23:19:41
28.	-18:12:21	-07:58:14	02:59:17	14:14:04	21:30:33	23:16:39	18:55:59	09:37:44	-02:06:50	-13:12:02	-21:21:11	-23:16:50
29.	-17:56:22	-	03:22:42	14:32:46	21:39:56	23:13:32	18:41:52	09:16:26	-02:30:10	-13:31:59	-21:31:28	-23:13:30
30.	-17:40:03	-	03:46:03	14:51:15	21:48:57	23:10:00	18:27:26	08:54:59	-02:53:29	-13:51:43	-21:41:20	-23:09:43
31.	-17:23:26	-	04:09:20	-	21:57:35	-	18:12:42	08:33:24	-	-14:11:14	-	-23:05:28

(+) उत्तरा क्रान्ति (-) दक्षिणा क्रान्ति

चरसारिणी - 1

क्रां. / अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
1	00:04	00:08	00:13	00:17	00:21	00:25	00:29	00:34	00:38	00:42	00:47	00:51	00:55	01:00	01:04	01:09	01:13	01:18	01:22	01:27	01:32	01:37	01:42	01:47
2	00:08	00:17	00:25	00:34	00:42	00:50	00:59	01:08	01:16	01:25	01:33	01:42	01:51	02:00	02:09	02:18	02:27	02:37	02:45	02:55	03:04	03:14	03:24	03:34
3	00:13	00:25	00:38	00:50	01:03	01:16	01:28	01:41	01:54	02:07	02:20	02:33	02:46	03:00	03:13	03:27	03:40	03:55	04:08	04:22	04:37	04:51	05:06	05:21
4	00:17	00:34	00:50	01:07	01:24	01:41	01:58	02:12	02:29	02:48	03:05	03:24	03:42	04:00	04:18	04:36	04:54	05:12	05:31	05:50	06:09	06:29	06:48	07:08
5	00:21	00:42	01:03	01:24	01:45	02:07	02:28	02:50	03:10	03:32	03:54	04:16	04:38	05:00	05:23	05:45	06:07	06:31	06:54	07:19	07:42	08:06	08:31	08:56
6	00:25	00:50	01:16	01:41	02:06	02:32	02:57	03:23	03:49	04:15	04:42	05:07	05:34	06:01	06:47	06:54	07:22	07:50	08:18	08:46	09:15	09:44	10:14	11:44
7	00:29	00:59	01:28	01:58	02:29	02:57	03:27	03:57	04:27	04:58	05:28	05:59	06:30	07:02	07:32	08:04	08:36	09:09	09:42	10:15	10:45	11:22	11:57	12:32
8	00:34	01:07	01:41	02:15	02:49	03:23	03:56	04:31	05:06	05:41	06:16	06:51	07:26	08:03	08:38	09:14	09:51	10:28	11:06	11:44	12:22	13:01	13:41	14:21
9	00:38	01:16	01:54	02:33	03:11	03:49	04:27	05:06	05:42	06:24	07:04	07:43	08:23	09:04	09:44	10:25	11:06	11:48	12:30	13:13	13:56	14:41	15:25	16:11
10	00:42	01:25	02:07	02:50	03:32	04:15	04:58	05:41	06:24	07:08	07:51	08:36	09:20	10:05	10:50	11:36	12:23	13:08	13:55	14:43	15:31	16:20	17:10	18:01
11	00:47	01:34	02:20	03:07	03:54	04:40	05:28	06:16	07:03	07:51	08:40	09:29	10:17	11:07	11:56	12:47	13:38	14:29	15:27	16:14	17:07	18:01	18:56	19:52
12	00:51	01:42	02:33	03:24	04:16	05:09	05:59	06:50	07:43	08:36	09:28	10:21	11:15	12:09	13:03	13:59	14:54	15:20	16:47	17:45	18:43	19:42	20:42	21:43
13	00:55	01:51	02:46	03:42	04:38	05:34	06:30	07:20	08:30	09:20	10:17	11:15	12:13	13:12	14:11	15:11	16:11	17:12	18:14	19:17	20:20	21:25	22:23	23:36
14	01:00	02:00	03:00	04:00	05:00	06:01	07:02	08:03	09:04	10:05	11:07	12:09	13:12	14:15	15:19	16:24	17:29	18:34	19:42	20:50	21:58	23:08	24:18	25:30
15	01:04	02:09	03:13	04:17	05:21	06:27	07:31	08:38	09:44	10:50	11:57	13:04	14:10	15:19	16:27	17:38	18:48	19:59	21:10	22:24	23:35	24:52	26:07	27:24
16	01:09	02:18	03:27	04:36	05:44	06:54	08:04	09:14	10:25	11:6	12:47	13:59	15:00	16:24	17:36	18:52	20:07	21:23	22:40	23:57	25:17	26:37	27:58	29:20
17	01:13	02:27	03:40	04:54	06:08	07:22	08:36	09:51	11:06	12:20	13:38	14:54	16:11	17:29	18:48	20:07	21:27	22:48	24:10	25:33	26:58	28:23	29:50	31:18
18	01:18	02:36	03:51	05:12	06:31	07:50	09:09	10:28	11:48	13:08	14:29	15:50	17:22	18:34	19:59	21:23	22:48	24:14	25:43	27:10	28:41	30:10	31:43	33:16
19	01:23	02:45	04:08	05:31	06:54	08:18	09:37	11:06	12:30	13:55	15:21	16:47	18:14	19:42	21:11	22:40	24:10	25:42	27:14	28:48	30:23	31:59	33:37	35:16
20	01:27	02:55	04:22	05:50	07:16	08:46	10:15	11:44	13:13	14:43	16:14	17:45	19:27	20:50	22:23	23:57	25:33	27:10	28:41	30:27	32:08	33:49	35:33	37:18

चरसारिणी - 2

क्रां. / अ.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.	मि.सै.
21	01:32	03:04	04:36	06:09	07:42	09:15	10:48	12:22	13:57	15:31	17:07	18:45	20:20	21:59	23:37	25:17	26:58	28:14	30:23	32:08	33:54	35:41	37:31	39:22
22	01:37	03:14	04:51	06:29	08:06	09:44	11:22	13:01	13:40	16:20	17:59	19:42	21:25	23:08	24:52	26:37	28:23	30:11	31:59	33:49	35:42	37:35	39:30	41:27
23	01:42	03:24	05:0	06:48	08:32	10:14	11:57	13:41	15:25	17:10	18:56	20:42	22:30	24:18	26:06	27:56	29:50	31:44	33:30	35:33	37:31	39:30	41:41	43:34
24	01:47	03:34	05:51	07:08	08:56	10:44	12:32	14:21	16:11	18:01	19:52	21:43	23:36	25:30	27:24	29:20	31:18	33:16	35:16	37:18	39:22	41:47	43:34	45:54
25	01:52	03:44	05:36	07:28	09:21	11:14	13:08	14:59	16:57	18:52	20:48	22:45	24:43	26:42	28:43	30:44	32:47	34:52	36:57	39:05	41:15	43:26	45:40	47:56
26	01:57	03:54	05:52	07:49	09:37	11:45	13:44	15:45	17:43	19:44	21:46	23:45	25:52	27:56	30:02	32:09	34:18	36:28	38:40	40:54	43:13	45:28	47:48	50:10
27	02:02	04:05	06:07	08:10	10:13	12:07	14:21	16:26	18:31	20:37	22:44	24:52	27:02	29:12	31:23	33:36	35:51	37:06	40:25	42:45	45:07	47:32	49:58	52:27
28	02:08	04:12	06:23	08:13	10:40	12:49	14:58	17:08	19:19	21:31	23:44	25:57	28:12	30:28	32:46	35:05	37:25	39:48	42:12	44:38	47:06	49:38	52:11	54:47
29	02:13	04:26	06:40	08:53	11:07	13:22	15:37	17:52	20:09	22:26	24:44	27:04	29:25	31:48	34:10	36:35	39:02	41:27	44:01	46:33	49:08	51:46	54:27	57:09
30	02:19	04:37	06:56	09:15	11:35	13:55	16:16	18:37	20:59	23:22	25:46	28:12	30:38	33:06	35:36	38:07	40:40	43:15	45:52	48:31	51:13	53:57	56:45	59:35
31	02:24	04:59	07:13	09:37	12:02	14:29	16:55	19:23	21:50	24:21	26:50	29:21	31:54	34:27	37:04	39:41	42:21	45:02	47:46	50:28	53:20	56:12	59:06	62:04
32	02:30	05:00	07:30	10:01	12:32	15:04	17:36	20:07	22:43	25:17	27:54	30:32	33:10	35:47	38:33	41:16	44:03	46:52	49:42	52:35	55:30	58:30	61:31	64:37
33	02:36	05:12	07:46	10:25	13:02	15:39	18:16	20:57	23:37	26:18	28:59	31:44	34:29	37:16	40:05	42:56	45:48	48:44	51:40	54:41	57:44	60:51	63:57	67:13
34	02:42	05:54	08:05	10:49	13:32	16:16	19:01	21:45	24:32	27:19	30:06	32:58	35:49	38:44	41:39	44:36	47:36	50:37	53:43	56:51	60:01	63:15	66:33	69:54
35	02:48	05:36	08:25	11:14	14:01	16:53	19:44	22:35	25:24	28:22	31:17	34:14	37:13	40:13	43:15	46:19	49:27	52:36	55:44	59:04	62:22	65:44	69:10	72:40
40	03:21	06:43	10:05	13:27	16:47	20:14	23:38	27:04	30:33	34:02	37:33	41:06	44:47	48:18	51:58	55:41	59:28	63:17	67:10	72:06	75:10	79:16	83:28	87:45
45	04:00	08:00	12:01	14:02	20:05	24:04	28:10	32:19	36:27	40:37	44:47	49:05	53:24	57:45	62:10	66:40	71:13	75:51	80:34	85:30	90:18	95:19	100:28	104:45
50	04:46	09:32	14:19	19:07	23:56	28:47	33:39	38:34	43:31	48:31	53:35	58:42	63:53	59:09	74:29	79:56	85:28	91:04	96:54	102:50	108:54	115:08	121:33	128:11
55	05:43	11:26	17:10	22:56	28:43	34:31	40:24	46:18	32:18	58:20	64:28	70:01	76:59	83:36	90:00	96:42	103:33	110:35	117:49	125:17	132:59	140:58	149:16	157:56
28:39	**02:11**	**04:22**	**06:34**	**08:45**	**10:58**	**13:10**	**15:23**	**17:37**	**19:51**	**22:07**	**24:23**	**26:41**	**28:59**	**31:19**	**33:40**	**36:03**	**38:28**	**40:54**	**43:22**	**45:53**	**48:25**	**51:01**	**53:38**	**56:19**

बेलान्तर सारिणी

दिनांक	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्तुबर	नवम्बर	दिसम्बर
1.	03:03	13:28	12:41	03:54	-02:55	-02:03	03:38	06:19	00:24	-10:17	-16:33	-11:00
2.	03:31	13:37	12:29	03:35	-03:01	-01:54	03:49	06:16	00:04	-10:37	-16:33	-10:38
3.	03:59	13:45	12:16	03:17	-03:07	-01:44	04:00	06:12	-00:14	-10:57	-16:33	-10:15
4.	04:26	13:53	12:03	02:59	-03:13	-01:35	04:10	06:08	-00:34	-11:16	-16:32	-09:51
5.	04:53	13:59	11:50	02:41	-03:17	-01:25	04:20	06:03	-00:54	-11:35	-16:31	-09:27
6.	05:19	14:05	11:36	02:23	-03:21	-01:14	04:30	05:58	-01:15	-11:54	-16:28	-09:02
7.	05:45	14:40	11:21	02:06	-03:25	-01:04	04:40	05:52	-01:36	-12:12	-16:25	-08:37
8.	06:11	14:14	11:06	01:48	-03:28	-00:53	04:49	05:46	-01:57	-12:30	-16:20	-08:12
9.	06:36	14:18	10:51	01:32	-03:30	-00:42	04:58	05:38	-02:18	-12:47	-16:15	-07:46
10.	07:01	14:20	10:35	01:15	-03:32	-00:31	05:07	05:31	-02:39	-13:04	-16:09	-07:20
11.	07:25	14:22	10:19	00:59	-03:33	-00:19	05:15	05:22	-03:01	-13:21	-16:02	-06:53
12.	07:49	14:23	10:02	00:43	-03:34	-00:08	05:23	05:14	-03:23	-13:36	-15:55	-06:26
13.	08:12	14:23	09:45	00:27	-03:34	00:03	05:30	05:04	-03:45	-13:52	-15:46	-05:59
14.	08:35	14:22	09:28	00:12	-03:34	00:15	05:37	04:54	-04:07	-14:06	-15:37	-05:31
15.	08:57	14:21	09:11	-00:02	-03:33	00:27	05:44	04:43	-04:29	-14:20	-15:27	-05:03
16.	09:18	14:18	08:53	-00:16	-03:32	00:39	05:50	04:32	-04:51	-14:34	-15:16	-04:35
17.	09:39	14:15	08:35	-00:30	-03:30	00:51	05:56	04:20	-05:13	-14:47	-15:04	-04:06
18.	10:00	14:12	08:17	-00:44	-03:27	01:03	06:01	04:08	-05:36	-14:59	-14:51	-03:38
19.	10:19	14:07	07:59	-00:57	-03:24	01:16	06:06	03:55	-05:58	-15:10	-14:38	-03:09
20.	10:38	14:02	07:40	-01:09	-03:21	01:28	06:10	03:42	-06:20	-15:21	-14:24	-02:40
21.	10:56	13:56	07:21	-01:22	-03:17	01:40	06:13	03:28	-06:42	-15:31	-14:09	-02:11
22.	11:14	13:49	07:03	-01:33	-03:12	01:52	06:17	03:14	-07:05	-15:41	-13:53	-01:42
23.	11:31	13:42	06:44	-01:44	-03:07	02:05	06:19	02:59	-07:27	-15:49	-13:37	-01:13
24.	11:47	13:34	06:25	-01:55	-03:02	02:17	06:22	02:43	-07:49	-15:57	-13:20	-00:44
25.	12:02	13:25	06:06	-02:05	-02:56	02:29	06:23	02:27	-08:10	-16:04	-13:02	-00:15
26.	12:17	13:16	05:47	-02:15	-02:49	02:41	06:24	02:11	-08:32	-16:11	-12:43	00:13
27.	12:31	13:05	05:28	-02:24	-02:43	02:53	06:25	01:54	-08:54	-16:16	-12:24	00:41
28.	12:44	12:55	05:09	-02:33	-02:35	03:04	06:25	01:37	-09:15	-16:21	-12:04	01:10
29.	12:56		04:50	-02:41	-02:28	03:16	06:24	01:19	-09:36	-16:32	-11:43	01:39
30.	13:07		04:31	-02:48	-02:20	03:27	06:23	01:01	-09:57	-16:29	-11:22	02:07
31.	13:18		04:12		-02:11		06:21	00:42		-16:31		02:35

मार्च मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ
1	07:27:05	08:50:56	10:26:52	12:21:19	14:38:13	16:57:50	19:15:36	21:34:15	23:49:49	2:10:51	4:17:38	5:59:03
2	07:23:08	08:46:59	10:22:55	12:17:22	14:34:16	16:53:53	19:11:39	21:30:18	23:45:52	2:06:54	4:13:42	5:55:06
3	07:19:11	08:43:03	10:18:59	12:13:26	14:30:19	16:49:57	19:07:43	21:26:22	23:41:55	2:02:58	4:09:45	5:51:09
4	07:15:15	08:39:06	10:15:02	12:09:29	14:26:23	16:46:00	19:03:46	21:22:25	23:37:59	1:59:01	4:05:48	5:47:13
5	07:11:18	08:35:09	10:11:05	12:05:32	14:22:26	16:42:03	18:59:49	21:18:28	23:34:02	1:55:04	4:01:51	5:43:16
6	07:07:21	08:31:13	10:07:09	12:01:36	14:18:29	16:38:06	18:55:52	21:14:31	23:30:05	1:51:07	3:57:55	5:39:19
7	07:03:24	08:27:16	10:03:12	11:57:39	14:14:33	16:34:10	18:51:56	21:10:35	23:26:08	1:47:11	3:53:58	5:35:23
8	06:59:28	08:23:19	9:59:15	11:53:42	14:10:36	16:30:13	18:47:59	21:06:38	23:22:12	1:43:14	3:50:01	5:31:26
9	06:55:31	08:19:22	9:55:18	11:49:45	14:06:39	16:26:16	18:44:02	21:02:41	23:18:15	1:39:17	3:46:05	5:27:29
10	06:51:34	08:15:26	9:51:22	11:45:49	14:02:42	16:22:20	18:40:06	20:58:45	23:14:18	1:35:21	3:42:08	5:23:33
11	06:47:38	08:11:29	9:47:25	11:41:52	13:58:46	16:18:23	18:36:09	20:54:48	23:10:22	1:31:24	3:38:11	5:19:36
12	06:43:41	08:07:32	9:43:28	11:37:55	13:54:49	16:14:26	18:32:12	20:50:51	23:06:25	1:27:27	3:34:14	5:15:39
13	06:39:44	08:03:36	9:39:32	11:33:59	13:50:52	16:10:29	18:28:15	20:46:54	23:02:28	1:23:30	3:30:18	5:11:42
14	06:35:47	07:59:39	9:35:35	11:30:02	13:46:56	16:06:33	18:24:19	20:42:58	22:58:31	1:19:34	3:26:21	5:07:46
15	06:31:50	07:55:42	9:31:38	11:26:05	13:42:59	16:02:36	18:20:22	20:39:01	22:54:35	1:15:37	3:22:24	5:03:49
16	06:27:54	07:51:45	9:27:41	11:22:08	13:39:02	15:58:39	18:16:25	20:35:04	22:50:38	1:11:40	3:18:28	4:59:52
17	06:23:57	07:47:49	9:23:45	11:18:12	13:35:06	15:54:43	18:12:29	20:31:08	22:46:41	1:07:44	3:14:31	4:55:56
18	06:20:00	07:43:52	9:19:48	11:14:15	13:31:09	15:50:46	18:08:32	20:27:11	22:42:45	1:03:47	3:10:34	4:51:59
19	06:16:03	07:39:55	9:15:51	11:10:18	13:27:12	15:46:49	18:04:35	20:23:14	22:38:48	0:59:50	3:06:37	4:48:02
20	06:12:07	07:35:59	9:11:55	11:06:22	13:23:15	15:42:52	18:00:38	20:19:18	22:34:51	0:55:53	3:02:41	4:44:05
21	06:08:10	07:32:02	9:07:58	11:02:25	13:19:19	15:38:56	17:56:42	20:15:21	22:30:54	0:51:57	2:58:44	4:40:09
22	06:04:13	07:28:05	9:04:01	10:58:28	13:15:22	15:34:59	17:52:45	20:11:24	22:26:58	0:48:00	2:54:47	4:36:12
23	06:00:17	07:24:08	9:00:04	10:54:31	13:11:25	15:31:02	17:48:48	20:07:27	22:23:01	0:44:03	2:50:51	4:32:15
24	05:56:20	07:20:12	8:56:08	10:50:35	13:07:29	15:27:06	17:44:52	20:03:31	22:19:04	0:40:07	2:46:54	4:28:19
25	05:52:23	07:16:15	8:52:11	10:46:38	13:03:32	15:23:09	17:40:55	19:59:34	22:15:08	0:36:10	2:42:57	4:24:22
26	05:48:26	07:12:18	8:48:14	10:42:41	12:59:35	15:19:12	17:36:58	19:55:37	22:11:11	0:32:13	2:39:01	4:20:25
27	05:44:30	07:08:22	8:44:18	10:38:45	12:55:38	15:15:15	17:33:01	19:51:41	22:07:14	0:28:16	2:35:04	4:16:28
28	05:40:33	07:04:25	8:40:21	10:34:48	12:51:42	15:11:19	17:29:05	19:47:44	22:03:17	0:24:20	2:31:07	4:12:32
29	05:36:36	07:00:28	8:36:24	10:30:51	12:47:45	15:07:22	17:25:08	19:43:47	21:59:21	0:20:23	2:27:10	4:08:35
30	05:32:40	06:56:31	8:32:27	10:26:55	12:43:48	15:03:25	17:21:11	19:39:50	21:55:24	0:16:26	2:23:14	4:04:38
31	05:28:43	06:52:35	8:28:31	10:22:58	12:39:52	14:59:29	17:17:15	19:35:54	21:51:27	0:12:30	2:19:17	4:00:42

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अप्रैल मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
1	06:48:38	8:24:34	10:19:01	12:35:55	14:55:32	17:13:18	19:31:57	21:47:31	0:08:33	2:15:20	3:56:45	05:24:46
2	06:44:41	8:20:37	10:15:04	12:31:58	14:51:35	17:09:21	19:28:00	21:43:34	0:04:36	2:11:24	3:52:48	05:20:49
3	06:40:45	8:16:41	10:11:08	12:28:01	14:47:38	17:05:25	19:24:04	21:39:37	0:00:40	2:07:27	3:48:51	05:16:53
4	06:36:48	8:12:44	10:07:11	12:24:05	14:43:42	17:01:28	19:20:07	21:35:40	23:56:43	2:03:30	3:44:55	05:12:56
5	06:32:51	8:08:47	10:03:14	12:20:08	14:39:45	16:57:31	19:16:10	21:31:44	23:52:46	1:59:33	3:40:58	05:08:59
6	06:28:54	8:04:51	9:59:18	12:16:11	14:35:48	16:53:34	19:12:13	21:27:47	23:48:49	1:55:37	3:37:01	05:05:03
7	06:24:58	8:00:54	9:55:21	12:12:15	14:31:52	16:49:38	19:08:17	21:23:50	23:44:53	1:51:40	3:33:05	05:01:06
8	06:21:01	7:56:57	9:51:24	12:08:18	14:27:55	16:45:41	19:04:20	21:19:54	23:40:56	1:47:43	3:29:08	04:57:09
9	06:17:04	7:53:00	9:47:27	12:04:21	14:23:58	16:41:44	19:00:23	21:15:57	23:36:59	1:43:47	3:25:11	04:53:13
10	06:13:08	7:49:04	9:43:31	12:00:24	14:20:01	16:37:48	18:56:27	21:12:00	23:33:03	1:39:50	3:21:14	04:49:16
11	06:09:11	7:45:07	9:39:34	11:56:28	14:16:05	16:33:51	18:52:30	21:08:03	23:29:06	1:35:53	3:17:18	04:45:19
12	06:05:14	7:41:10	9:35:37	11:52:31	14:12:08	16:29:54	18:48:33	21:04:07	23:25:09	1:31:56	3:13:21	04:41:22
13	06:01:17	7:37:14	9:31:41	11:48:34	14:08:11	16:25:57	18:44:36	21:00:10	23:21:12	1:28:00	3:09:24	04:37:26
14	05:57:20	7:33:17	9:27:44	11:44:38	14:04:15	16:22:01	18:40:40	20:56:13	23:17:16	1:24:03	3:05:28	04:33:29
15	05:53:24	7:29:20	9:23:47	11:40:41	14:00:18	16:18:04	18:36:43	20:52:17	23:13:19	1:20:06	3:01:31	04:29:32
16	05:49:27	7:25:23	9:19:50	11:36:44	13:56:21	16:14:07	18:32:46	20:48:20	23:09:22	1:16:10	2:57:34	04:25:36
17	05:45:30	7:21:27	9:15:54	11:32:47	13:52:25	16:10:11	18:28:50	20:44:23	23:05:26	1:12:13	2:53:37	04:21:39
18	05:41:33	7:17:30	9:11:57	11:28:51	13:48:28	16:06:14	18:24:53	20:40:27	23:01:29	1:08:16	2:49:41	04:17:42
19	05:37:37	7:13:33	9:08:00	11:24:54	13:44:31	16:02:17	18:20:56	20:36:30	22:57:32	1:04:19	2:45:44	04:13:45
20	05:33:40	7:09:37	9:04:04	11:20:57	13:40:34	15:58:20	18:16:59	20:32:33	22:53:35	1:00:23	2:41:47	04:09:49
21	05:29:43	7:05:40	9:00:07	11:17:01	13:36:38	15:54:24	18:13:03	20:28:36	22:49:39	0:56:26	2:37:51	04:05:52
22	05:25:47	7:01:43	8:56:10	11:13:04	13:32:41	15:50:27	18:09:06	20:24:40	22:45:42	0:52:29	2:33:54	04:01:55
23	05:21:50	6:57:46	8:52:13	11:09:07	13:28:44	15:46:30	18:05:09	20:20:43	22:41:45	0:48:33	2:29:57	03:57:59
24	05:17:53	6:53:50	8:48:17	11:05:10	13:24:48	15:42:34	18:01:13	20:16:46	22:37:49	0:44:36	2:26:01	03:54:02
25	05:13:56	6:49:53	8:44:20	11:01:14	13:20:51	15:38:37	17:57:16	20:12:50	22:33:52	0:40:39	2:22:04	03:50:05
26	05:10:00	6:45:56	8:40:23	10:57:17	13:16:54	15:34:40	17:53:19	20:08:53	22:29:55	0:36:42	2:18:07	03:46:08
27	05:06:03	6:42:00	8:36:27	10:53:20	13:12:57	15:30:43	17:49:22	20:04:56	22:25:58	0:32:46	2:14:10	03:42:12
28	05:02:06	6:38:03	8:32:30	10:49:24	13:09:01	15:26:47	17:45:26	20:00:59	22:22:02	0:28:49	2:10:14	03:38:15
29	04:58:10	6:34:06	8:28:33	10:45:27	13:05:04	15:22:50	17:41:29	19:57:03	22:18:05	0:24:52	2:06:17	03:34:18
30	04:54:13	6:30:09	8:24:36	10:41:30	13:01:07	15:18:53	17:37:32	19:53:06	22:14:08	0:20:56	2:02:20	03:30:22

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

मई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष
1	6:26:13	8:20:40	10:37:34	12:57:11	15:14:57	17:33:36	19:49:09	22:10:12	0:16:59	1:58:24	03:26:25	04:50:16
2	6:22:16	8:16:43	10:33:37	12:53:14	15:11:00	17:29:39	19:45:13	22:06:15	0:13:02	1:54:27	03:22:28	04:46:19
3	6:18:19	8:12:46	10:29:40	12:49:17	15:07:03	17:25:42	19:41:16	22:02:18	0:09:06	1:50:30	03:18:31	04:42:23
4	6:14:23	8:08:50	10:25:43	12:45:20	15:03:06	17:21:46	19:37:19	21:58:21	0:05:09	1:46:33	03:14:35	04:38:26
5	6:10:26	8:04:53	10:21:47	12:41:24	14:59:10	17:17:49	19:33:22	21:54:25	0:01:12	1:42:37	03:10:38	04:34:29
6	6:06:29	8:00:56	10:17:50	12:37:27	14:55:13	17:13:52	19:29:26	21:50:28	23:57:15	1:38:40	03:06:41	04:30:33
7	6:02:32	7:57:00	10:13:53	12:33:30	14:51:16	17:09:55	19:25:29	21:46:31	23:53:19	1:34:43	03:02:45	04:26:36
8	5:58:36	7:53:03	10:09:57	12:29:34	14:47:20	17:05:59	19:21:32	21:42:35	23:49:22	1:30:47	02:58:48	04:22:39
9	5:54:39	7:49:06	10:06:00	12:25:37	14:43:23	17:02:02	19:17:36	21:38:38	23:45:25	1:26:50	02:54:51	04:18:43
10	5:50:42	7:45:09	10:02:03	12:21:40	14:39:26	16:58:05	19:13:39	21:34:41	23:41:29	1:22:53	02:50:54	04:14:46
11	5:46:46	7:41:13	9:58:06	12:17:43	14:35:29	16:54:09	19:09:42	21:30:44	23:37:32	1:18:56	02:46:58	04:10:49
12	5:42:49	7:37:16	9:54:10	12:13:47	14:31:33	16:50:12	19:05:45	21:26:48	23:33:35	1:15:00	02:43:01	04:06:52
13	5:38:52	7:33:19	9:50:13	12:09:50	14:27:36	16:46:15	19:01:49	21:22:51	23:29:38	1:11:03	02:39:04	04:02:56
14	5:34:55	7:29:23	9:46:16	12:05:53	14:23:39	16:42:18	18:57:52	21:18:54	23:25:42	1:07:06	02:35:08	03:58:59
15	5:30:58	7:25:26	9:42:20	12:01:57	14:19:43	16:38:22	18:53:55	21:14:58	23:21:45	1:03:10	02:31:11	03:55:02
16	5:27:02	7:21:29	9:38:23	11:58:00	14:15:46	16:34:25	18:49:59	21:11:01	23:17:48	0:59:13	02:27:14	03:51:06
17	5:23:05	7:17:32	9:34:26	11:54:03	14:11:49	16:30:28	18:46:02	21:07:04	23:13:52	0:55:16	02:23:17	03:47:09
18	5:19:08	7:13:36	9:30:29	11:50:06	14:07:53	16:26:32	18:42:05	21:03:08	23:09:55	0:51:19	02:19:21	03:43:12
19	5:15:11	7:09:39	9:26:33	11:46:10	14:03:56	16:22:35	18:38:08	20:59:11	23:05:58	0:47:23	02:15:24	03:39:15
20	5:11:15	7:05:42	9:22:36	11:42:13	13:59:59	16:18:38	18:34:12	20:55:14	23:02:01	0:43:26	02:11:27	03:35:19
21	5:07:18	7:01:46	9:18:39	11:38:16	13:56:02	16:14:41	18:30:15	20:51:17	22:58:05	0:39:29	02:07:31	03:31:22
22	5:03:21	6:57:49	9:14:43	11:34:20	13:52:06	16:10:45	18:26:18	20:47:21	22:54:08	0:35:33	02:03:34	03:27:25
23	4:59:25	6:53:52	9:10:46	11:30:23	13:48:09	16:06:48	18:22:22	20:43:24	22:50:11	0:31:36	01:59:37	03:23:29
24	4:55:28	6:49:55	9:06:49	11:26:26	13:44:12	16:02:51	18:18:25	20:39:27	22:46:15	0:27:39	01:55:41	03:19:32
25	4:51:31	6:45:59	9:02:52	11:22:29	13:40:16	15:58:55	18:14:28	20:35:31	22:42:18	0:23:42	01:51:44	03:15:35
26	4:47:34	6:42:02	8:58:56	11:18:33	13:36:19	15:54:58	18:10:31	20:31:34	22:38:21	0:19:46	01:47:47	03:11:38
27	4:43:38	6:38:05	8:54:59	11:14:36	13:32:22	15:51:01	18:06:35	20:27:37	22:34:24	0:15:49	01:43:50	03:07:42
28	4:39:41	6:34:09	8:51:02	11:10:39	13:28:25	15:47:04	18:02:38	20:23:40	22:30:28	0:11:52	01:39:54	03:03:45
29	4:35:44	6:30:12	8:47:06	11:06:43	13:24:29	15:43:08	17:58:41	20:19:44	22:26:31	0:07:56	01:35:57	02:59:48
30	4:31:48	6:26:15	8:43:09	11:02:46	13:20:32	15:39:11	17:54:45	20:15:47	22:22:34	0:03:59	01:32:00	02:55:52
31	4:27:51	6:22:18	8:39:12	10:58:49	13:16:35	15:35:14	17:50:48	20:11:50	22:18:38	0:00:02	01:28:04	02:51:55

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जून मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष
1	6:18:22	8:35:15	10:54:53	13:12:39	15:31:18	17:46:51	20:07:54	22:14:41	23:56:06	01:24:07	02:47:58	4:23:54
2	6:14:25	8:31:19	10:50:56	13:08:42	15:27:21	17:42:55	20:03:57	22:10:44	23:52:09	01:20:10	02:44:01	4:19:57
3	6:10:28	8:27:22	10:46:59	13:04:45	15:23:24	17:38:58	20:00:00	22:06:47	23:48:12	01:16:13	02:40:05	4:16:01
4	6:06:32	8:23:25	10:43:02	13:00:48	15:19:27	17:35:01	19:56:03	22:02:51	23:44:15	01:12:17	02:36:08	4:12:04
5	6:02:35	8:19:29	10:39:06	12:56:52	15:15:31	17:31:04	19:52:07	21:58:54	23:40:19	01:08:20	02:32:11	4:08:07
6	5:58:38	8:15:32	10:35:09	12:52:55	15:11:34	17:27:08	19:48:10	21:54:57	23:36:22	01:04:23	02:28:15	4:04:11
7	5:54:41	8:11:35	10:31:12	12:48:58	15:07:37	17:23:11	19:44:13	21:51:01	23:32:25	01:00:27	02:24:18	4:00:14
8	5:50:45	8:07:39	10:27:16	12:45:02	15:03:41	17:19:14	19:40:17	21:47:04	23:28:29	00:56:30	02:20:21	3:56:17
9	5:46:48	8:03:42	10:23:19	12:41:05	14:59:44	17:15:18	19:36:20	21:43:07	23:24:32	00:52:33	02:16:24	3:52:21
10	5:42:51	7:59:45	10:19:22	12:37:08	14:55:47	17:11:21	19:32:23	21:39:10	23:20:35	00:48:36	02:12:28	3:48:24
11	5:38:55	7:55:48	10:15:25	12:33:11	14:51:50	17:07:24	19:28:26	21:35:14	23:16:38	00:44:40	02:08:31	3:44:27
12	5:34:58	7:51:52	10:11:29	12:29:15	14:47:54	17:03:27	19:24:30	21:31:17	23:12:42	00:40:43	02:04:34	3:40:30
13	5:31:01	7:47:55	10:07:32	12:25:18	14:43:57	16:59:31	19:20:33	21:27:20	23:08:45	00:36:46	02:00:38	3:36:34
14	5:27:04	7:43:58	10:03:35	12:21:21	14:40:00	16:55:34	19:16:36	21:23:24	23:04:48	00:32:50	01:56:41	3:32:37
15	5:23:07	7:40:02	9:59:39	12:17:25	14:36:04	16:51:37	19:12:40	21:19:27	23:00:52	00:28:53	01:52:44	3:28:40
16	5:19:11	7:36:05	9:55:42	12:13:28	14:32:07	16:47:41	19:08:43	21:15:30	22:56:55	00:24:56	01:48:47	3:24:44
17	5:15:14	7:32:08	9:51:45	12:09:31	14:28:10	16:43:44	19:04:46	21:11:34	22:52:58	00:20:59	01:44:51	3:20:47
18	5:11:17	7:28:11	9:47:48	12:05:34	14:24:14	16:39:47	19:00:49	21:07:37	22:49:01	00:17:03	01:40:54	3:16:50
19	5:07:20	7:24:15	9:43:52	12:01:38	14:20:17	16:35:50	18:56:53	21:03:40	22:45:05	00:13:06	01:36:57	3:12:53
20	5:03:24	7:20:18	9:39:55	11:57:41	14:16:20	16:31:54	18:52:56	20:59:43	22:41:08	00:09:09	01:33:01	3:08:57
21	4:59:27	7:16:21	9:35:58	11:53:44	14:12:23	16:27:57	18:48:59	20:55:47	22:37:11	00:05:13	01:29:04	3:05:00
22	4:55:30	7:12:25	9:32:02	11:49:48	14:08:27	16:24:00	18:45:03	20:51:50	22:33:15	00:01:16	01:25:07	3:01:03
23	4:51:34	7:08:28	9:28:05	11:45:51	14:04:30	16:20:04	18:41:06	20:47:53	22:29:18	23:57:19	01:21:11	2:57:07
24	4:47:37	7:04:31	9:24:08	11:41:54	14:00:33	16:16:07	18:37:09	20:43:57	22:25:21	23:53:22	01:17:14	2:53:10
25	4:43:40	7:00:34	9:20:11	11:37:57	13:56:37	16:12:10	18:33:12	20:40:00	22:21:24	23:49:26	01:13:17	2:49:13
26	4:39:43	6:56:38	9:16:15	11:34:01	13:52:40	16:08:13	18:29:16	20:36:03	22:17:28	23:45:29	01:09:20	2:45:16
27	4:35:47	6:52:41	9:12:18	11:30:04	13:48:43	16:04:17	18:25:19	20:32:06	22:13:31	23:41:32	01:05:24	2:41:20
28	4:31:50	6:48:44	9:08:21	11:26:07	13:44:46	16:00:20	18:21:22	20:28:10	22:09:34	23:37:36	01:01:27	2:37:23
29	4:27:53	6:44:48	9:04:25	11:22:11	13:40:50	15:56:23	18:17:26	20:24:13	22:05:38	23:33:39	00:57:30	2:33:26
30	4:23:57	6:40:51	9:00:28	11:18:14	13:36:53	15:52:27	18:13:29	20:20:16	22:01:41	23:29:42	00:53:34	2:29:30

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जुलाई मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
1	6:36:54	8:56:31	11:14:17	13:32:56	15:48:30	18:09:32	20:16:20	21:57:44	23:25:46	00:49:37	2:25:33	4:20:00
2	6:32:57	8:52:34	11:10:21	13:29:00	15:44:33	18:05:36	20:12:23	21:53:47	23:21:49	00:45:40	2:21:36	4:16:03
3	6:29:01	8:48:38	11:06:24	13:25:03	15:40:36	18:01:39	20:08:26	21:49:51	23:17:52	00:41:43	2:17:39	4:12:06
4	6:25:04	8:44:41	11:02:27	13:21:06	15:36:40	17:57:42	20:04:29	21:45:54	23:13:55	00:37:47	2:13:43	4:08:10
5	6:21:07	8:40:44	10:58:30	13:17:09	15:32:43	17:53:45	20:00:33	21:41:57	23:09:59	00:33:50	2:09:46	4:04:13
6	6:17:11	8:36:48	10:54:34	13:13:13	15:28:46	17:49:49	19:56:36	21:38:01	23:06:02	00:29:53	2:05:49	4:00:16
7	6:13:14	8:32:51	10:50:37	13:09:16	15:24:50	17:45:52	19:52:39	21:34:04	23:02:05	00:25:57	2:01:53	3:56:20
8	6:09:17	8:28:54	10:46:40	13:05:19	15:20:53	17:41:55	19:48:43	21:30:07	22:58:09	00:22:00	1:57:56	3:52:23
9	6:05:20	8:24:58	10:42:44	13:01:23	15:16:56	17:37:59	19:44:46	21:26:10	22:54:12	00:18:03	1:53:59	3:48:26
10	6:01:24	8:21:01	10:38:47	12:57:26	15:12:59	17:34:02	19:40:49	21:22:14	22:50:15	00:14:06	1:50:02	3:44:30
11	5:57:27	8:17:04	10:34:50	12:53:29	15:09:03	17:30:05	19:36:52	21:18:17	22:46:18	00:10:10	1:46:06	3:40:33
12	5:53:30	8:13:07	10:30:53	12:49:32	15:05:06	17:26:08	19:32:56	21:14:20	22:42:22	00:06:13	1:42:09	3:36:36
13	5:49:34	8:09:11	10:26:57	12:45:36	15:01:09	17:22:12	19:28:59	21:10:24	22:38:25	00:02:16	1:38:12	3:32:39
14	5:45:37	8:05:14	10:23:00	12:41:39	14:57:13	17:18:15	19:25:02	21:06:27	22:34:28	23:58:20	1:34:16	3:28:43
15	5:41:40	8:01:17	10:19:03	12:37:42	14:53:16	17:14:18	19:21:06	21:02:30	22:30:32	23:54:23	1:30:19	3:24:46
16	5:37:43	7:57:21	10:15:07	12:33:46	14:49:19	17:10:22	19:17:09	20:58:34	22:26:35	23:50:26	1:26:22	3:20:49
17	5:33:46	7:53:24	10:11:10	12:29:49	14:45:23	17:06:25	19:13:12	20:54:37	22:22:38	23:46:29	1:22:25	3:16:53
18	5:29:50	7:49:27	10:07:13	12:25:52	14:41:26	17:02:28	19:09:15	20:50:40	22:18:41	23:42:33	1:18:29	3:12:56
19	5:25:53	7:45:30	10:03:16	12:21:55	14:37:29	16:58:31	19:05:19	20:46:43	22:14:45	23:38:36	1:14:32	3:08:59
20	5:21:56	7:41:34	9:59:20	12:17:59	14:33:32	16:54:35	19:01:22	20:42:47	22:10:48	23:34:39	1:10:35	3:05:02
21	5:17:59	7:37:37	9:55:23	12:14:02	14:29:36	16:50:38	18:57:25	20:38:50	22:06:51	23:30:43	1:06:39	3:01:06
22	5:14:03	7:33:40	9:51:26	12:10:05	14:25:39	16:46:41	18:53:29	20:34:53	22:02:55	23:26:46	1:02:42	2:57:09
23	5:10:06	7:29:44	9:47:30	12:06:09	14:21:42	16:42:45	18:49:32	20:30:57	21:58:58	23:22:49	0:58:45	2:53:12
24	5:06:09	7:25:47	9:43:33	12:02:12	14:17:46	16:38:48	18:45:35	20:27:00	21:55:01	23:18:52	0:54:49	2:49:16
25	5:02:13	7:21:50	9:39:36	11:58:15	14:13:49	16:34:51	18:41:38	20:23:03	21:51:04	23:14:56	0:50:52	2:45:19
26	4:58:16	7:17:53	9:35:39	11:54:18	14:09:52	16:30:54	18:37:42	20:19:06	21:47:08	23:10:59	0:46:55	2:41:22
27	4:54:19	7:13:57	9:31:43	11:50:22	14:05:55	16:26:58	18:33:45	20:15:10	21:43:11	23:07:02	0:42:58	2:37:25
28	4:50:22	7:10:00	9:27:46	11:46:25	14:01:59	16:23:01	18:29:48	20:11:13	21:39:14	23:03:06	0:39:02	2:33:29
29	4:46:26	7:06:03	9:23:49	11:42:28	13:58:02	16:19:04	18:25:52	20:07:16	21:35:18	22:59:09	0:35:05	2:29:32
30	4:42:29	7:02:07	9:19:53	11:38:32	13:54:05	16:15:08	18:21:55	20:03:20	21:31:21	22:55:12	0:31:08	2:25:35
31	4:38:32	6:58:10	9:15:56	11:34:35	13:50:09	16:11:11	18:17:58	19:59:23	21:27:24	22:51:16	0:27:12	2:21:39

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अगस्त मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
1	6:54:13	9:11:59	11:30:38	13:46:12	16:07:14	18:14:02	19:55:26	21:23:27	22:47:19	0:23:15	2:17:42	4:34:36
2	6:50:16	9:08:02	11:26:42	13:42:15	16:03:17	18:10:05	19:51:29	21:19:31	22:43:22	0:19:18	2:13:45	4:30:39
3	6:46:20	9:04:06	11:22:45	13:38:18	15:59:21	18:06:08	19:47:33	21:15:34	22:39:25	0:15:21	2:09:48	4:26:42
4	6:42:23	9:00:09	11:18:48	13:34:22	15:55:24	18:02:11	19:43:36	21:11:37	22:35:29	0:11:25	2:05:52	4:22:45
5	6:38:26	8:56:12	11:14:51	13:30:25	15:51:27	17:58:15	19:39:39	21:07:41	22:31:32	0:07:28	2:01:55	4:18:49
6	6:34:30	8:52:16	11:10:55	13:26:28	15:47:31	17:54:18	19:35:43	21:03:44	22:27:35	0:03:31	1:57:58	4:14:52
7	6:30:33	8:48:19	11:06:58	13:22:32	15:43:34	17:50:21	19:31:46	20:59:47	22:23:39	23:59:35	1:54:02	4:10:55
8	6:26:36	8:44:22	11:03:01	13:18:35	15:39:37	17:46:25	19:27:49	20:55:50	22:19:42	23:55:38	1:50:05	4:06:59
9	6:22:39	8:40:26	10:59:05	13:14:38	15:35:40	17:42:28	19:23:52	20:51:54	22:15:45	23:51:41	1:46:08	4:03:02
10	6:18:43	8:36:29	10:55:08	13:10:41	15:31:44	17:38:31	19:19:56	20:47:57	22:11:48	23:47:44	1:42:11	3:59:05
11	6:14:46	8:32:32	10:51:11	13:06:45	15:27:47	17:34:34	19:15:59	20:44:00	22:07:52	23:43:48	1:38:15	3:55:09
12	6:10:49	8:28:35	10:47:14	13:02:48	15:23:50	17:30:38	19:12:02	20:40:04	22:03:55	23:39:51	1:34:18	3:51:12
13	6:06:53	8:24:39	10:43:18	12:58:51	15:19:54	17:26:41	19:08:06	20:36:07	21:59:58	23:35:54	1:30:21	3:47:15
14	6:02:56	8:20:42	10:39:21	12:54:55	15:15:57	17:22:44	19:04:09	20:32:10	21:56:02	23:31:58	1:26:25	3:43:18
15	5:58:59	8:16:45	10:35:24	12:50:58	15:12:00	17:18:48	19:00:12	20:28:14	21:52:05	23:28:01	1:22:28	3:39:22
16	5:55:02	8:12:49	10:31:28	12:47:01	15:08:04	17:14:51	18:56:15	20:24:17	21:48:08	23:24:04	1:18:31	3:35:25
17	5:51:05	8:08:52	10:27:31	12:43:04	15:04:07	17:10:54	18:52:19	20:20:20	21:44:11	23:20:07	1:14:34	3:31:28
18	5:47:09	8:04:55	10:23:34	12:39:08	15:00:10	17:06:57	18:48:22	20:16:23	21:40:15	23:16:11	1:10:38	3:27:32
19	5:43:12	8:00:58	10:19:37	12:35:11	14:56:13	17:03:01	18:44:25	20:12:27	21:36:18	23:12:14	1:06:41	3:23:35
20	5:39:15	7:57:02	10:15:41	12:31:14	14:52:17	16:59:04	18:40:29	20:08:30	21:32:21	23:08:17	1:02:44	3:19:38
21	5:35:18	7:53:05	10:11:44	12:27:18	14:48:20	16:55:07	18:36:32	20:04:33	21:28:25	23:04:21	0:58:48	3:15:41
22	5:31:22	7:49:08	10:07:47	12:23:21	14:44:23	16:51:11	18:32:35	20:00:37	21:24:28	23:00:24	0:54:51	3:11:45
23	5:27:25	7:45:12	10:03:51	12:19:24	14:40:27	16:47:14	18:28:38	19:56:40	21:20:31	22:56:27	0:50:54	3:07:48
24	5:23:28	7:41:15	9:59:54	12:15:27	14:36:30	16:43:17	18:24:42	19:52:43	21:16:34	22:52:30	0:46:58	3:03:51
25	5:19:32	7:37:18	9:55:57	12:11:31	14:32:33	16:39:20	18:20:45	19:48:46	21:12:38	22:48:34	0:43:01	2:59:55
26	5:15:35	7:33:21	9:52:00	12:07:34	14:28:36	16:35:24	18:16:48	19:44:50	21:08:41	22:44:37	0:39:04	2:55:58
27	5:11:38	7:29:25	9:48:04	12:03:37	14:24:40	16:31:27	18:12:52	19:40:53	21:04:44	22:40:40	0:35:07	2:52:01
28	5:07:41	7:25:28	9:44:07	11:59:41	14:20:43	16:27:30	18:08:55	19:36:56	21:00:48	22:36:44	0:31:11	2:48:04
29	5:03:45	7:21:31	9:40:10	11:55:44	14:16:46	16:23:34	18:04:58	19:33:00	20:56:51	22:32:47	0:27:14	2:44:08
30	4:59:48	7:17:35	9:36:14	11:51:47	14:12:50	16:19:37	18:01:02	19:29:03	20:52:54	22:28:50	0:23:17	2:40:11
31	4:55:51	7:13:38	9:32:17	11:47:51	14:08:53	16:15:40	17:57:05	19:25:06	20:48:57	22:24:54	0:19:21	2:36:14

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

सितम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
1	7:09:41	9:28:20	11:43:54	14:04:56	16:11:43	17:53:08	19:21:09	20:45:01	22:20:57	0:15:24	2:32:18	4:51:55
2	7:05:44	9:24:23	11:39:57	14:00:59	16:07:47	17:49:11	19:17:13	20:41:04	22:17:00	0:11:27	2:28:21	4:47:58
3	7:01:48	9:20:27	11:36:00	13:57:03	16:03:50	17:45:15	19:13:16	20:37:07	22:13:03	0:07:30	2:24:24	4:44:01
4	6:57:51	9:16:30	11:32:04	13:53:06	15:59:53	17:41:18	19:09:19	20:33:11	22:09:07	0:03:34	2:20:27	4:40:04
5	6:53:54	9:12:33	11:28:07	13:49:09	15:55:57	17:37:21	19:05:23	20:29:14	22:05:10	23:59:37	2:16:31	4:36:08
6	6:49:58	9:08:37	11:24:10	13:45:13	15:52:00	17:33:25	19:01:26	20:25:17	22:01:13	23:55:40	2:12:34	4:32:11
7	6:46:01	9:04:40	11:20:14	13:41:16	15:48:03	17:29:28	18:57:29	20:21:20	21:57:17	23:51:44	2:08:37	4:28:14
8	6:42:04	9:00:43	11:16:17	13:37:19	15:44:06	17:25:31	18:53:32	20:17:24	21:53:20	23:47:47	2:04:41	4:24:18
9	6:38:07	8:56:47	11:12:20	13:33:22	15:40:10	17:21:34	18:49:36	20:13:27	21:49:23	23:43:50	2:00:44	4:20:21
10	6:34:11	8:52:50	11:08:23	13:29:26	15:36:13	17:17:38	18:45:39	20:09:30	21:45:26	23:39:53	1:56:47	4:16:24
11	6:30:14	8:48:53	11:04:27	13:25:29	15:32:16	17:13:41	18:41:42	20:05:34	21:41:30	23:35:57	1:52:50	4:12:28
12	6:26:17	8:44:56	11:00:30	13:21:32	15:28:20	17:09:44	18:37:46	20:01:37	21:37:33	23:32:00	1:48:54	4:08:31
13	6:22:21	8:41:00	10:56:33	13:17:36	15:24:23	17:05:48	18:33:49	19:57:40	21:33:36	23:28:03	1:44:57	4:04:34
14	6:18:24	8:37:03	10:52:37	13:13:39	15:20:26	17:01:51	18:29:52	19:53:44	21:29:40	23:24:07	1:41:00	4:00:37
15	6:14:27	8:33:06	10:48:40	13:09:42	15:16:30	16:57:54	18:25:55	19:49:47	21:25:43	23:20:10	1:37:04	3:56:41
16	6:10:30	8:29:10	10:44:43	13:05:45	15:12:33	16:53:57	18:21:59	19:45:50	21:21:46	23:16:13	1:33:07	3:52:44
17	6:06:33	8:25:13	10:40:46	13:01:49	15:08:36	16:50:01	18:18:02	19:41:53	21:17:49	23:12:16	1:29:10	3:48:47
18	6:02:37	8:21:16	10:36:50	12:57:52	15:04:39	16:46:04	18:14:05	19:37:57	21:13:53	23:08:20	1:25:13	3:44:51
19	5:58:40	8:17:19	10:32:53	12:53:55	15:00:43	16:42:07	18:10:09	19:34:00	21:09:56	23:04:23	1:21:17	3:40:54
20	5:54:43	8:13:23	10:28:56	12:49:59	14:56:46	16:38:11	18:06:12	19:30:03	21:05:59	23:00:26	1:17:20	3:36:57
21	5:50:46	8:09:26	10:25:00	12:46:02	14:52:49	16:34:14	18:02:15	19:26:07	21:02:03	22:56:30	1:13:23	3:33:00
22	5:46:50	8:05:29	10:21:03	12:42:05	14:48:53	16:30:17	17:58:18	19:22:10	20:58:06	22:52:33	1:09:27	3:29:04
23	5:42:53	8:01:33	10:17:06	12:38:08	14:44:56	16:26:20	17:54:22	19:18:13	20:54:09	22:48:36	1:05:30	3:25:07
24	5:38:56	7:57:36	10:13:09	12:34:12	14:40:59	16:22:24	17:50:25	19:14:16	20:50:12	22:44:39	1:01:33	3:21:10
25	5:35:00	7:53:39	10:09:13	12:30:15	14:37:02	16:18:27	17:46:28	19:10:20	20:46:16	22:40:43	0:57:37	3:17:14
26	5:31:03	7:49:42	10:05:16	12:26:18	14:33:06	16:14:30	17:42:32	19:06:23	20:42:19	22:36:46	0:53:40	3:13:17
27	5:27:06	7:45:46	10:01:19	12:22:22	14:29:09	16:10:34	17:38:35	19:02:26	20:38:22	22:32:49	0:49:43	3:09:20
28	5:23:09	7:41:49	9:57:23	12:18:25	14:25:12	16:06:37	17:34:38	18:58:30	20:34:26	22:28:53	0:45:46	3:05:23
29	5:19:13	7:37:52	9:53:26	12:14:28	14:21:16	16:02:40	17:30:42	18:54:33	20:30:29	22:24:56	0:41:50	3:01:27
30	5:15:16	7:33:56	9:49:29	12:10:32	14:17:19	15:58:43	17:26:45	18:50:36	20:26:32	22:20:59	0:37:53	2:57:30

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

अक्टूबर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
1	7:29:59	9:45:32	12:06:35	14:13:22	15:54:47	17:22:48	18:46:39	20:22:35	22:17:03	0:33:56	2:53:33	5:11:19
2	7:26:02	9:41:36	12:02:38	14:09:25	15:50:50	17:18:51	18:42:43	20:18:39	22:13:06	0:30:00	2:49:37	5:07:23
3	7:22:05	9:37:39	11:58:41	14:05:29	15:46:53	17:14:55	18:38:46	20:14:42	22:09:09	0:26:03	2:45:40	5:03:26
4	7:18:09	9:33:42	11:54:45	14:01:32	15:42:57	17:10:58	18:34:49	20:10:45	22:05:12	0:22:06	2:41:43	4:59:29
5	7:14:12	9:29:46	11:50:48	13:57:35	15:39:00	17:07:01	18:30:53	20:06:49	22:01:16	0:18:09	2:37:46	4:55:32
6	7:10:15	9:25:49	11:46:51	13:53:39	15:35:03	17:03:05	18:26:56	20:02:52	21:57:19	0:14:13	2:33:50	4:51:36
7	7:06:19	9:21:52	11:42:55	13:49:42	15:31:06	16:59:08	18:22:59	19:58:55	21:53:22	0:10:16	2:29:53	4:47:39
8	7:02:22	9:17:56	11:38:58	13:45:45	15:27:10	16:55:11	18:19:02	19:54:58	21:49:26	0:06:19	2:25:56	4:43:42
9	6:58:25	9:13:59	11:35:01	13:41:48	15:23:13	16:51:14	18:15:06	19:51:02	21:45:29	0:02:23	2:22:00	4:39:46
10	6:54:28	9:10:02	11:31:04	13:37:52	15:19:16	16:47:18	18:11:09	19:47:05	21:41:32	23:58:26	2:18:03	4:35:49
11	6:50:32	9:06:05	11:27:08	13:33:55	15:15:20	16:43:21	18:07:12	19:43:08	21:37:35	23:54:29	2:14:06	4:31:52
12	6:46:35	9:02:09	11:23:11	13:29:58	15:11:23	16:39:24	18:03:16	19:39:12	21:33:39	23:50:32	2:10:09	4:27:56
13	6:42:38	8:58:12	11:19:14	13:26:02	15:07:26	16:35:28	17:59:19	19:35:15	21:29:42	23:46:36	2:06:13	4:23:59
14	6:38:42	8:54:15	11:15:18	13:22:05	15:03:30	16:31:31	17:55:22	19:31:18	21:25:45	23:42:39	2:02:16	4:20:02
15	6:34:45	8:50:19	11:11:21	13:18:08	14:59:33	16:27:34	17:51:25	19:27:22	21:21:49	23:38:42	1:58:19	4:16:05
16	6:30:48	8:46:22	11:07:24	13:14:11	14:55:36	16:23:37	17:47:29	19:23:25	21:17:52	23:34:46	1:54:23	4:12:09
17	6:26:51	8:42:25	11:03:27	13:10:15	14:51:39	16:19:41	17:43:32	19:19:28	21:13:55	23:30:49	1:50:26	4:08:12
18	6:22:54	8:38:28	10:59:31	13:06:18	14:47:43	16:15:44	17:39:35	19:15:31	21:09:58	23:26:52	1:46:29	4:04:15
19	6:18:58	8:34:32	10:55:34	13:02:21	14:43:46	16:11:47	17:35:39	19:11:35	21:06:02	23:22:55	1:42:32	4:00:19
20	6:15:01	8:30:35	10:51:37	12:58:25	14:39:49	16:07:51	17:31:42	19:07:38	21:02:05	23:18:59	1:38:36	3:56:22
21	6:11:04	8:26:38	10:47:41	12:54:28	14:35:53	16:03:54	17:27:45	19:03:41	20:58:08	23:15:02	1:34:39	3:52:25
22	6:07:07	8:22:42	10:43:44	12:50:31	14:31:56	15:59:57	17:23:48	18:59:45	20:54:12	23:11:05	1:30:42	3:48:28
23	6:03:11	8:18:45	10:39:47	12:46:34	14:27:59	15:56:00	17:19:52	18:55:48	20:50:15	23:07:09	1:26:46	3:44:32
24	5:59:14	8:14:48	10:35:50	12:42:38	14:24:02	15:52:04	17:15:55	18:51:51	20:46:18	23:03:12	1:22:49	3:40:35
25	5:55:17	8:10:51	10:31:54	12:38:41	14:20:06	15:48:07	17:11:58	18:47:54	20:42:21	22:59:15	1:18:52	3:36:38
26	5:51:21	8:06:55	10:27:57	12:34:44	14:16:09	15:44:10	17:08:02	18:43:58	20:38:25	22:55:18	1:14:56	3:32:42
27	5:47:24	8:02:58	10:24:00	12:30:48	14:12:12	15:40:14	17:04:05	18:40:01	20:34:28	22:51:22	1:10:59	3:28:45
28	5:43:27	7:59:01	10:20:04	12:26:51	14:08:16	15:36:17	17:00:08	18:36:04	20:30:31	22:47:25	1:07:02	3:24:48
29	5:39:30	7:55:05	10:16:07	12:22:54	14:04:19	15:32:20	16:56:12	18:32:08	20:26:35	22:43:28	1:03:05	3:20:51
30	5:35:34	7:51:08	10:12:10	12:18:58	14:00:22	15:28:23	16:52:15	18:28:11	20:22:38	22:39:32	0:59:09	3:16:55
31	5:31:37	7:47:11	10:08:13	12:15:01	13:56:25	15:24:27	16:48:18	18:24:14	20:18:41	22:35:35	0:55:12	3:12:58

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

नवम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
1	7:43:14	10:04:17	12:11:04	13:52:29	15:20:30	16:44:21	18:20:17	20:14:44	22:31:38	0:51:15	3:09:01	5:27:40
2	7:39:18	10:00:20	12:07:07	13:48:32	15:16:33	16:40:25	18:16:21	20:10:48	22:27:42	0:47:19	3:05:05	5:23:44
3	7:35:21	9:56:23	12:03:11	13:44:35	15:12:37	16:36:28	18:12:24	20:06:51	22:23:45	0:43:22	3:01:08	5:19:47
4	7:31:24	9:52:27	11:59:14	13:40:39	15:08:40	16:32:31	18:08:27	20:02:54	22:19:48	0:39:25	2:57:11	5:15:50
5	7:27:28	9:48:30	11:55:17	13:36:42	15:04:43	16:28:35	18:04:31	19:58:58	22:15:51	0:35:28	2:53:14	5:11:53
6	7:23:31	9:44:33	11:51:21	13:32:45	15:00:46	16:24:38	18:00:34	19:55:01	22:11:55	0:31:32	2:49:18	5:07:57
7	7:19:34	9:40:37	11:47:24	13:28:48	14:56:50	16:20:41	17:56:37	19:51:04	22:07:58	0:27:35	2:45:21	5:04:00
8	7:15:37	9:36:40	11:43:27	13:24:52	14:52:53	16:16:44	17:52:40	19:47:07	22:04:01	0:23:38	2:41:24	5:00:03
9	7:11:41	9:32:43	11:39:30	13:20:55	14:48:56	16:12:48	17:48:44	19:43:11	22:00:05	0:19:42	2:37:28	4:56:07
10	7:07:44	9:28:46	11:35:34	13:16:58	14:45:00	16:08:51	17:44:47	19:39:14	21:56:08	0:15:45	2:33:31	4:52:10
11	7:03:47	9:24:50	11:31:37	13:13:02	14:41:03	16:04:54	17:40:50	19:35:17	21:52:11	0:11:48	2:29:34	4:48:13
12	6:59:51	9:20:53	11:27:40	13:09:05	14:37:06	16:00:58	17:36:54	19:31:21	21:48:14	0:07:51	2:25:37	4:44:17
13	6:55:54	9:16:56	11:23:44	13:05:08	14:33:10	15:57:01	17:32:57	19:27:24	21:44:18	0:03:55	2:21:41	4:40:20
14	6:51:57	9:13:00	11:19:47	13:01:11	14:29:13	15:53:04	17:29:00	19:23:27	21:40:21	23:59:58	2:17:44	4:36:23
15	6:48:00	9:09:03	11:15:50	12:57:15	14:25:16	15:49:07	17:25:03	19:19:31	21:36:24	23:56:01	2:13:47	4:32:26
16	6:44:03	9:05:06	11:11:53	12:53:18	14:21:19	15:45:11	17:21:07	19:15:34	21:32:28	23:52:05	2:09:51	4:28:30
17	6:40:07	9:01:09	11:07:57	12:49:21	14:17:23	15:41:14	17:17:10	19:11:37	21:28:31	23:48:08	2:05:54	4:24:33
18	6:36:10	8:57:13	11:04:00	12:45:25	14:13:26	15:37:17	17:13:13	19:07:40	21:24:34	23:44:11	2:01:57	4:20:36
19	6:32:13	8:53:16	11:00:03	12:41:28	14:09:29	15:33:21	17:09:17	19:03:44	21:20:37	23:40:14	1:58:00	4:16:40
20	6:28:16	8:49:19	10:56:07	12:37:31	14:05:33	15:29:24	17:05:20	18:59:47	21:16:41	23:36:18	1:54:04	4:12:43
21	6:24:20	8:45:23	10:52:10	12:33:34	14:01:36	15:25:27	17:01:23	18:55:50	21:12:44	23:32:21	1:50:07	4:08:46
22	6:20:23	8:41:26	10:48:13	12:29:38	13:57:39	15:21:30	16:57:26	18:51:54	21:08:47	23:28:24	1:46:10	4:04:49
23	6:16:26	8:37:29	10:44:16	12:25:41	13:53:42	15:17:34	16:53:30	18:47:57	21:04:51	23:24:28	1:42:14	4:00:53
24	6:12:30	8:33:32	10:40:20	12:21:44	13:49:46	15:13:37	16:49:33	18:44:00	21:00:54	23:20:31	1:38:17	3:56:56
25	6:08:33	8:29:36	10:36:23	12:17:48	13:45:49	15:09:40	16:45:36	18:40:03	20:56:57	23:16:34	1:34:20	3:52:59
26	6:04:36	8:25:39	10:32:26	12:13:51	13:41:52	15:05:44	16:41:40	18:36:07	20:53:00	23:12:37	1:30:24	3:49:03
27	6:00:39	8:21:42	10:28:30	12:09:54	13:37:56	15:01:47	16:37:43	18:32:10	20:49:04	23:08:41	1:26:27	3:45:06
28	5:56:43	8:17:46	10:24:33	12:05:58	13:33:59	14:57:50	16:33:46	18:28:13	20:45:07	23:04:44	1:22:30	3:41:09
29	5:52:46	8:13:49	10:20:36	12:02:01	13:30:02	14:53:53	16:29:50	18:24:17	20:41:10	23:00:47	1:18:33	3:37:12
30	5:48:49	8:09:52	10:16:39	11:58:04	13:26:05	14:49:57	16:25:53	18:20:20	20:37:14	22:56:51	1:14:37	3:33:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

दिसम्बर मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
1	8:05:55	10:12:43	11:54:07	13:22:09	14:46:00	16:21:56	18:16:23	20:33:17	22:52:54	1:10:40	3:29:19	5:44:53
2	8:01:59	10:08:46	11:50:11	13:18:12	14:42:03	16:17:59	18:12:26	20:29:20	22:48:57	1:06:43	3:25:22	5:40:56
3	7:58:02	10:04:49	11:46:14	13:14:15	14:38:07	16:14:03	18:08:30	20:25:23	22:45:01	1:02:47	3:21:26	5:36:59
4	7:54:05	10:00:53	11:42:17	13:10:19	14:34:10	16:10:06	18:04:33	20:21:27	22:41:04	0:58:50	3:17:29	5:33:02
5	7:50:09	9:56:56	11:38:21	13:06:22	14:30:13	16:06:09	18:00:36	20:17:30	22:37:07	0:54:53	3:13:32	5:29:06
6	7:46:12	9:52:59	11:34:24	13:02:25	14:26:16	16:02:13	17:56:40	20:13:33	22:33:10	0:50:56	3:09:35	5:25:09
7	7:42:15	9:49:03	11:30:27	12:58:28	14:22:20	15:58:16	17:52:43	20:09:37	22:29:14	0:47:00	3:05:39	5:21:12
8	7:38:18	9:45:06	11:26:30	12:54:32	14:18:23	15:54:19	17:48:46	20:05:40	22:25:17	0:43:03	3:01:42	5:17:16
9	7:34:22	9:41:09	11:22:34	12:50:35	14:14:26	15:50:22	17:44:49	20:01:43	22:21:20	0:39:06	2:57:45	5:13:19
10	7:30:25	9:37:12	11:18:37	12:46:38	14:10:30	15:46:26	17:40:53	19:57:46	22:17:24	0:35:10	2:53:49	5:09:22
11	7:26:28	9:33:16	11:14:40	12:42:42	14:06:33	15:42:29	17:36:56	19:53:50	22:13:27	0:31:13	2:49:52	5:05:26
12	7:22:32	9:29:19	11:10:44	12:38:45	14:02:36	15:38:32	17:32:59	19:49:53	22:09:30	0:27:16	2:45:55	5:01:29
13	7:18:35	9:25:22	11:06:47	12:34:48	13:58:40	15:34:36	17:29:03	19:45:56	22:05:33	0:23:19	2:41:58	4:57:32
14	7:14:38	9:21:26	11:02:50	12:30:51	13:54:43	15:30:39	17:25:06	19:42:00	22:01:37	0:19:23	2:38:02	4:53:35
15	7:10:41	9:17:29	10:58:53	12:26:55	13:50:46	15:26:42	17:21:09	19:38:03	21:57:40	0:15:26	2:34:05	4:49:39
16	7:06:44	9:13:32	10:54:57	12:22:58	13:46:49	15:22:45	17:17:12	19:34:06	21:53:43	0:11:29	2:30:08	4:45:42
17	7:02:48	9:09:35	10:51:00	12:19:01	13:42:53	15:18:49	17:13:16	19:30:10	21:49:47	0:07:33	2:26:12	4:41:45
18	6:58:51	9:05:39	10:47:03	12:15:05	13:38:56	15:14:52	17:09:19	19:26:13	21:45:50	0:03:36	2:22:15	4:37:49
19	6:54:54	9:01:42	10:43:07	12:11:08	13:34:59	15:10:55	17:05:22	19:22:16	21:41:53	23:59:39	2:18:18	4:33:52
20	6:50:57	8:57:45	10:39:10	12:07:11	13:31:03	15:06:59	17:01:26	19:18:19	21:37:56	23:55:42	2:14:21	4:29:55
21	6:47:01	8:53:49	10:35:13	12:03:14	13:27:06	15:03:02	16:57:29	19:14:23	21:34:00	23:51:46	2:10:25	4:25:58
22	6:43:04	8:49:52	10:31:16	11:59:18	13:23:09	14:59:05	16:53:32	19:10:26	21:30:03	23:47:49	2:06:28	4:22:02
23	6:39:07	8:45:55	10:27:20	11:55:21	13:19:12	14:55:08	16:49:35	19:06:29	21:26:06	23:43:52	2:02:31	4:18:05
24	6:35:11	8:41:58	10:23:23	11:51:24	13:15:16	14:51:12	16:45:39	19:02:33	21:22:10	23:39:56	1:58:35	4:14:08
25	6:31:14	8:38:02	10:19:26	11:47:28	13:11:19	14:47:15	16:41:42	18:58:36	21:18:13	23:35:59	1:54:38	4:10:12
26	6:27:17	8:34:05	10:15:30	11:43:31	13:07:22	14:43:18	16:37:45	18:54:39	21:14:16	23:32:02	1:50:41	4:06:15
27	6:23:20	8:30:08	10:11:33	11:39:34	13:03:26	14:39:22	16:33:49	18:50:42	21:10:19	23:28:05	1:46:45	4:02:18
28	6:19:24	8:26:12	10:07:36	11:35:38	12:59:29	14:35:25	16:29:52	18:46:46	21:06:23	23:24:09	1:42:48	3:58:21
29	6:15:27	8:22:15	10:03:39	11:31:41	12:55:32	14:31:28	16:25:55	18:42:49	21:02:26	23:20:12	1:38:51	3:54:25
30	6:11:30	8:18:18	9:59:43	11:27:44	12:51:35	14:27:31	16:21:59	18:38:52	20:58:29	23:16:15	1:34:54	3:50:28
31	6:07:34	8:14:21	9:55:46	11:23:47	12:47:39	14:23:35	16:18:02	18:34:56	20:54:33	23:12:19	1:30:58	3:46:31

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

जनवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
1	8:10:25	9:51:49	11:19:51	12:43:42	14:19:38	16:14:05	18:30:59	20:50:36	23:08:22	1:27:01	3:42:35	6:03:37
2	8:06:28	9:47:53	11:15:54	12:39:45	14:15:41	16:10:08	18:27:02	20:46:39	23:04:25	1:23:04	3:38:38	5:59:40
3	8:02:31	9:43:56	11:11:57	12:35:49	14:11:45	16:06:12	18:23:05	20:42:42	23:00:29	1:19:08	3:34:41	5:55:43
4	7:58:35	9:39:59	11:08:01	12:31:52	14:07:48	16:02:15	18:19:09	20:38:46	22:56:32	1:15:11	3:30:44	5:51:47
5	7:54:38	9:36:03	11:04:04	12:27:55	14:03:51	15:58:18	18:15:12	20:34:49	22:52:35	1:11:14	3:26:48	5:47:50
6	7:50:41	9:32:06	11:00:07	12:23:58	13:59:54	15:54:22	18:11:15	20:30:52	22:48:38	1:07:17	3:22:51	5:43:53
7	7:46:44	9:28:09	10:56:10	12:20:02	13:55:58	15:50:25	18:07:19	20:26:56	22:44:42	1:03:21	3:18:54	5:39:57
8	7:42:48	9:24:12	10:52:14	12:16:05	13:52:01	15:46:28	18:03:22	20:22:59	22:40:45	0:59:24	3:14:58	5:36:00
9	7:38:51	9:20:16	10:48:17	12:12:08	13:48:04	15:42:31	17:59:25	20:19:02	22:36:48	0:55:27	3:11:01	5:32:03
10	7:34:54	9:16:19	10:44:20	12:08:12	13:44:08	15:38:35	17:55:28	20:15:05	22:32:52	0:51:31	3:07:04	5:28:07
11	7:30:58	9:12:22	10:40:24	12:04:15	13:40:11	15:34:38	17:51:32	20:11:09	22:28:55	0:47:34	3:03:07	5:24:10
12	7:27:01	9:08:26	10:36:27	12:00:18	13:36:14	15:30:41	17:47:35	20:07:12	22:24:58	0:43:37	2:59:11	5:20:13
13	7:23:04	9:04:29	10:32:30	11:56:21	13:32:18	15:26:45	17:43:38	20:03:15	22:21:01	0:39:40	2:55:14	5:16:16
14	7:19:07	9:00:32	10:28:33	11:52:25	13:28:21	15:22:48	17:39:42	19:59:19	22:17:05	0:35:44	2:51:17	5:12:20
15	7:15:10	8:56:35	10:24:37	11:48:28	13:24:24	15:18:51	17:35:45	19:55:22	22:13:08	0:31:47	2:47:21	5:08:23
16	7:11:14	8:52:39	10:20:40	11:44:31	13:20:27	15:14:54	17:31:48	19:51:25	22:09:11	0:27:50	2:43:24	5:04:26
17	7:07:17	8:48:42	10:16:43	11:40:35	13:16:31	15:10:58	17:27:51	19:47:29	22:05:15	0:23:54	2:39:27	5:00:30
18	7:03:20	8:44:45	10:12:47	11:36:38	13:12:34	15:07:01	17:23:55	19:43:32	22:01:18	0:19:57	2:35:30	4:56:33
19	6:59:23	8:40:49	10:08:50	11:32:41	13:08:37	15:03:04	17:19:58	19:39:35	21:57:21	0:16:00	2:31:34	4:52:36
20	6:55:27	8:36:52	10:04:53	11:28:44	13:04:41	14:59:08	17:16:01	19:35:38	21:53:24	0:12:03	2:27:37	4:48:39
21	6:51:30	8:32:55	10:00:56	11:24:48	13:00:44	14:55:11	17:12:05	19:31:42	21:49:28	0:08:07	2:23:40	4:44:43
22	6:47:33	8:28:58	09:57:00	11:20:51	12:56:47	14:51:14	17:08:08	19:27:45	21:45:31	0:04:10	2:19:44	4:40:46
23	6:43:37	8:25:02	09:53:03	11:16:54	12:52:50	14:47:17	17:04:11	19:23:48	21:41:34	0:00:13	2:15:47	4:36:49
24	6:39:40	8:21:05	09:49:06	11:12:58	12:48:54	14:43:21	17:00:14	19:19:52	21:37:38	23:56:17	2:11:50	4:32:53
25	6:35:43	8:17:08	09:45:10	11:09:01	12:44:57	14:39:24	16:56:18	19:15:55	21:33:41	23:52:20	2:07:54	4:28:56
26	6:31:46	8:13:12	09:41:13	11:05:04	12:41:00	14:35:27	16:52:21	19:11:58	21:29:44	23:48:23	2:03:57	4:24:59
27	6:27:50	8:09:15	09:37:16	11:01:08	12:37:04	14:31:31	16:48:24	19:08:01	21:25:47	23:44:26	2:00:00	4:21:02
28	6:23:53	8:05:18	09:33:19	10:57:11	12:33:07	14:27:34	16:44:28	19:04:05	21:21:51	23:40:30	1:56:03	4:17:06
29	6:19:56	8:01:21	09:29:23	10:53:14	12:29:10	14:23:37	16:40:31	19:00:08	21:17:54	23:36:33	1:52:07	4:13:09
30	6:16:00	7:57:25	09:25:26	10:49:17	12:25:13	14:19:40	16:36:34	18:56:11	21:13:57	23:32:36	1:48:10	4:09:12
31	6:12:03	7:53:28	09:21:29	10:45:21	12:21:17	14:15:44	16:32:38	18:52:15	21:10:01	23:28:40	1:44:13	4:05:16

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

फरवरी मास की दैनिक लग्न सारिणी

दि.	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
1	7:49:31	09:17:33	10:41:24	12:17:20	14:11:47	16:28:41	18:48:18	21:06:04	23:24:43	1:40:17	4:01:19	6:08:06
2	7:45:35	09:13:36	10:37:27	12:13:23	14:07:50	16:24:44	18:44:21	21:02:07	23:20:46	1:36:20	3:57:22	6:04:09
3	7:41:38	09:09:39	10:33:31	12:09:27	14:03:54	16:20:47	18:40:24	20:58:10	23:16:50	1:32:23	3:53:25	6:00:13
4	7:37:41	09:05:43	10:29:34	12:05:30	13:59:57	16:16:51	18:36:28	20:54:14	23:12:53	1:28:26	3:49:29	5:56:16
5	7:33:44	09:01:46	10:25:37	12:01:33	13:56:00	16:12:54	18:32:31	20:50:17	23:08:56	1:24:30	3:45:32	5:52:19
6	7:29:48	08:57:49	10:21:40	11:57:36	13:52:03	16:08:57	18:28:34	20:46:20	23:04:59	1:20:33	3:41:35	5:48:23
7	7:25:51	08:53:52	10:17:44	11:53:40	13:48:07	16:05:01	18:24:38	20:42:24	23:01:03	1:16:36	3:37:39	5:44:26
8	7:21:54	08:49:56	10:13:47	11:49:43	13:44:10	16:01:04	18:20:41	20:38:27	22:57:06	1:12:40	3:33:42	5:40:29
9	7:17:58	08:45:59	10:09:50	11:45:46	13:40:13	15:57:07	18:16:44	20:34:30	22:53:09	1:08:43	3:29:45	5:36:33
10	7:14:01	08:42:02	10:05:54	11:41:50	13:36:17	15:53:10	18:12:47	20:30:33	22:49:13	1:04:46	3:25:48	5:32:36
11	7:10:04	08:38:06	10:01:57	11:37:53	13:32:20	15:49:14	18:08:51	20:26:37	22:45:16	1:00:49	3:21:52	5:28:39
12	7:06:07	08:34:09	09:58:00	11:33:56	13:28:23	15:45:17	18:04:54	20:22:40	22:41:19	0:56:53	3:17:55	5:24:42
13	7:02:10	08:30:12	09:54:03	11:29:59	13:24:27	15:41:20	18:00:57	20:18:43	22:37:22	0:52:56	3:13:58	5:20:46
14	6:58:14	08:26:15	09:50:07	11:26:03	13:20:30	15:37:24	17:57:01	20:14:47	22:33:26	0:48:59	3:10:02	5:16:49
15	6:54:17	08:22:19	09:46:10	11:22:06	13:16:33	15:33:27	17:53:04	20:10:50	22:29:29	0:45:03	3:06:05	5:12:52
16	6:50:20	08:18:22	09:42:13	11:18:09	13:12:36	15:29:30	17:49:07	20:06:53	22:25:32	0:41:06	3:02:08	5:08:56
17	6:46:23	08:14:25	09:38:17	11:14:13	13:08:40	15:25:33	17:45:10	20:02:57	22:21:36	0:37:09	2:58:11	5:04:59
18	6:42:27	08:10:29	09:34:20	11:10:16	13:04:43	15:21:37	17:41:14	19:59:00	22:17:39	0:33:12	2:54:15	5:01:02
19	6:38:30	08:06:32	09:30:23	11:06:19	13:00:46	15:17:40	17:37:17	19:55:03	22:13:42	0:29:16	2:50:18	4:57:05
20	6:34:33	08:02:35	09:26:26	11:02:22	12:56:50	15:13:43	17:33:20	19:51:06	22:09:45	0:25:19	2:46:21	4:53:09
21	6:30:37	07:58:38	09:22:30	10:58:26	12:52:53	15:09:47	17:29:24	19:47:10	22:05:49	0:21:22	2:42:25	4:49:12
22	6:26:40	07:54:42	09:18:33	10:54:29	12:48:56	15:05:50	17:25:27	19:43:13	22:01:52	0:17:26	2:38:28	4:45:15
23	6:22:43	07:50:45	09:14:36	10:50:32	12:44:59	15:01:53	17:21:30	19:39:16	21:57:55	0:13:29	2:34:31	4:41:19
24	6:18:46	07:46:48	09:10:40	10:46:36	12:41:03	14:57:56	17:17:33	19:35:20	21:53:59	0:09:32	2:30:35	4:37:22
25	6:14:50	07:42:52	09:06:43	10:42:39	12:37:06	14:54:00	17:13:37	19:31:23	21:50:02	0:05:35	2:26:38	4:33:25
26	6:10:53	07:38:55	09:02:46	10:38:42	12:33:09	14:50:03	17:09:40	19:27:26	21:46:05	0:01:39	2:22:41	4:29:28
27	6:06:56	07:34:58	08:58:49	10:34:46	12:29:13	14:46:06	17:05:43	19:23:29	21:42:08	23:57:42	2:18:44	4:25:32
28	6:03:00	07:31:01	08:54:53	10:30:49	12:25:16	14:42:10	17:01:47	19:19:33	21:38:12	23:53:45	2:14:48	4:21:35

नोट : प्रत्येक लग्न का प्रारम्भिक समय घण्टा:मिनट:सैकेण्ड में दिया गया है।

लग्न सारिणी -दिल्ली,अक्षांश 28/39/00, पलभा 06/33/22 अयनांश 24/03/00,गाजियाबाद, गुड़गॉव, रोहतक, मेरठ आदि

राशि / अंश	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	02:50:45	06:50:57	11:40:21	17:15:33	23:05:09	28:51:21	34:36:21	40:26:09	46:11:33	51:20:21	55:37:57	59:17:45
1	02:57:51	06:59:11	11:50:21	17:27:01	23:16:51	29:02:51	34:47:51	40:37:51	46:23:01	51:30:21	55:46:11	59:24:51
2	03:04:57	07:07:25	12:00:21	17:38:29	23:28:33	29:14:21	34:59:21	40:49:33	46:34:29	51:40:21	55:54:25	59:31:57
3	03:12:03	07:15:39	12:10:21	17:49:57	23:40:15	29:25:51	35:10:51	41:01:15	46:45:57	51:50:21	56:02:39	59:39:03
4	03:19:09	07:23:53	12:20:21	18:01:25	23:51:57	29:37:21	35:22:21	41:12:57	46:57:25	52:00:21	56:10:53	59:46:09
5	03:26:15	07:32:07	12:30:21	18:12:53	24:03:39	29:48:51	35:33:51	41:24:39	47:08:53	52:10:21	56:19:07	59:53:15
6	03:33:21	07:40:21	12:40:21	18:24:21	24:15:21	30:00:21	35:45:21	41:36:21	47:20:21	52:20:21	56:27:21	00:00:21
7	03:41:35	07:50:21	12:51:49	18:36:03	24:26:51	30:11:51	35:57:03	41:47:49	47:30:21	52:28:35	56:34:27	00:07:27
8	03:49:49	08:00:21	13:03:17	18:47:45	24:38:21	30:23:21	36:08:45	41:59:17	47:40:21	52:36:49	56:41:33	00:14:33
9	03:58:03	08:10:21	13:14:45	18:59:27	24:49:51	30:34:51	36:20:27	42:10:45	47:50:21	52:45:03	56:48:39	00:21:39
10	04:06:17	08:20:21	13:26:13	19:11:09	25:01:21	30:46:21	36:32:09	42:22:13	48:00:21	52:53:17	56:55:45	00:28:45
11	04:14:31	08:30:21	13:37:41	19:22:51	25:12:51	30:57:51	36:43:51	42:33:41	48:10:21	53:01:31	57:02:51	00:35:51
12	04:22:45	08:40:21	13:49:09	19:34:33	25:24:21	31:09:21	36:55:33	42:45:09	48:20:21	53:09:45	57:09:57	00:42:57
13	04:30:59	08:50:21	14:00:37	19:46:15	25:35:51	31:20:51	37:07:15	42:56:37	48:30:21	53:17:59	57:17:03	00:50:03
14	04:39:13	09:00:21	14:12:05	19:57:57	25:47:21	31:32:21	37:18:57	43:08:05	48:40:21	53:26:13	57:24:09	00:57:09
15	04:47:27	09:10:21	14:23:33	20:09:39	25:58:51	31:43:51	37:30:39	43:19:33	48:50:21	53:34:27	57:31:15	01:04:15
16	04:55:41	09:20:21	14:35:01	20:21:21	26:10:21	31:55:21	37:42:21	43:31:01	49:00:21	53:42:41	57:38:21	01:11:21
17	05:03:55	09:30:21	14:46:29	20:33:03	26:21:51	32:06:51	37:54:03	43:42:29	49:10:21	53:50:55	57:45:27	01:18:27
18	05:12:09	09:40:21	14:57:57	20:44:45	26:33:21	32:18:21	38:05:45	43:53:57	49:20:21	53:59:09	57:52:33	01:25:33
19	05:20:23	09:50:21	15:09:25	20:56:27	26:44:51	32:29:51	38:17:27	44:05:25	49:30:21	54:07:23	57:59:39	01:32:39
20	05:28:37	10:00:21	15:20:53	21:08:09	26:56:21	32:41:21	38:29:09	44:16:53	49:40:21	54:15:37	58:06:45	01:39:45
21	05:36:51	10:10:21	15:32:21	21:19:51	27:07:51	32:52:51	38:40:51	44:28:21	49:50:21	54:23:51	58:13:51	01:46:51
22	05:45:05	10:20:21	15:43:49	21:31:33	27:19:21	33:04:21	38:52:33	44:39:49	50:00:21	54:32:05	58:20:57	01:53:57
23	05:53:19	10:30:21	15:55:17	21:43:15	27:30:51	33:15:51	39:04:15	44:51:17	50:10:21	54:40:19	58:28:03	02:01:03
24	06:01:33	10:40:21	16:06:45	21:54:57	27:42:21	33:27:21	39:15:57	45:02:45	50:20.21	54:48:33	58:35:09	02:08:09
25	06:09:47	10:50:21	16:18:13	22:06:39	27:53:51	33:38:51	39:27:39	45:14:13	50:30:21	54:56:47	58:42:15	02:15:15
26	06:18:01	11:00:21	16:29:41	22:18:21	28:05:21	33:50:21	39:39:21	45:25:41	50:40:21	55:05:01	58:49:21	02:22:21
27	06:26:15	11:10:21	16:41:09	22:30:03	28:16:51	34:01:51	39:51:03	45:37:09	50:50:21	55:13:15	58:56:27	02:29:27
28	06:34:29	11:20:21	16:52:37	22:41:45	28:28:21	34:13:21	40:02:45	45:48:37	51:00:21	55:21:29	59:03:33	02:36:33
29	06:42:43	11:30:21	17:04:05	22:53:27	28:39:51	34:24:51	40:14:27	46:00:05	51:10:21	55:29:43	59:10:39	02:43:39

दशमलग्नसारिणी (सभी देशों के लिए)

अयनांश- 24/06/00, निरक्षोदयमान- 279, 299, 322, 322, 299, 279

अंश/राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
0	03:44:08	08:39:08	13:56:32	19:18:32	24:22:08	29:05:08	33:44:08	38:39:08	43:56:32	49:18:32	54:22:08	59:05:08
1	03:53:26	08:49:06	14:07:16	19:29:16	24:32:06	29:14:26	33:53:26	38:49:06	44:07:16	49:29:16	54:32:06	59:14:26
2	04:02:44	08:59:04	14:18:00	19:40:00	24:42:04	29:23:44	34:02:44	38:59:04	44:18:00	49:40:00	54:42:04	59:23:44
3	04:12:02	09:09:02	14:28:44	19:50:44	24:52:02	29:33:02	34:12:02	39:09:02	44:28:44	49:50:44	54:52:02	59:33:02
4	04:21:20	09:19:00	14:39:28	20:01:28	25:02:00	29:42:20	34:21:20	39:19:00	44:39:28	50:01:28	55:02:00	59:42:20
5	04:30:38	09:28:58	14:50:12	20:12:12	25:11:58	29:51:38	34:30:38	39:28:58	44:50:12	50:12:12	55:11:58	59:51:38
6	04:39:56	09:38:56	15:00:56	20:22:56	25:21:56	30:00:56	34:39:56	39:38:56	45:00:56	50:22:56	55:21:56	00:00:56
7	04:49:14	09:48:54	15:11:40	20:33:40	25:31:54	30:10:14	34:49:14	39:48:54	45:11:40	50:33:40	55:31:54	00:10:14
8	04:58:32	09:58:52	15:22:24	20:44:24	25:41:52	30:19:32	34:58:32	39:58:52	45:22:24	50:44:24	55:41:52	00:19:32
9	05:07:50	10:08:50	15:33:08	20:55:08	25:51:50	30:28:50	35:07:50	40:08:50	45:33:08	50:55:08	55:51:50	00:28:50
10	05:17:08	10:18:48	15:43:52	21:05:52	26:01:48	30:38:08	35:17:08	40:18:48	45:43:52	51:05:52	56:01:48	00:38:08
11	05:26:26	10:28:46	15:54:36	21:16:36	26:11:46	30:47:26	35:26:26	40:28:46	45:54:36	51:16:36	56:11:46	00:47:26
12	05:35:44	10:38:44	16:05:20	21:27:20	26:21:44	30:56:44	35:35:44	40:38:44	46:05:20	51:27:20	56:21:44	00:56:44
13	05:45:02	10:48:42	16:16:04	21:38:04	26:31:42	31:06:02	35:45:02	40:48:42	46:16:04	51:38:04	56:31:42	01:06:02
14	05:54:20	10:58:40	16:26:48	21:48:48	26:41:40	31:15:20	35:54:20	40:58:40	46:26:48	51:48:48	56:41:40	01:15:20
15	06:03:38	11:08:38	16:37:32	21:59:32	26:51:38	31:24:38	36:03:38	41:08:38	46:37:32	51:59:32	56:51:38	01:24:38
16	06:12:56	11:18:36	16:48:16	22:10:16	27:01:36	31:33:56	36:12:56	41:18:36	46:48:16	52:10:16	57:01:36	01:33:56
17	06:22:14	11:28:34	16:59:00	22:21:00	27:11:34	31:43:14	36:22:14	41:28:34	46:59:00	52:21:00	57:11:34	01:43:14
18	06:31:32	11:38:32	17:09:44	22:31:44	27:21:32	31:52:32	36:31:32	41:38:32	47:09:44	52:31:44	57:21:32	01:52:32
19	06:40:50	11:48:30	17:20:28	22:42:28	27:31:30	32:01:50	36:40:50	41:48:30	47:20:28	52:42:28	57:31:30	02:01:50
20	06:50:08	11:58:28	17:31:12	22:53:12	27:41:28	32:11:08	36:50:08	41:58:28	47:31:12	52:53:12	57:41:28	02:11:08
21	06:59:26	12:08:26	17:41:56	23:03:56	27:51:26	32:20:26	36:59:26	42:08:26	47:41:56	53:03:56	57:51:26	02:20:26
22	07:08:44	12:18:24	17:52:40	23:14:40	28:01:24	32:29:44	37:08:44	42:18:24	47:52:40	53:14:40	58:01:24	02:29:44
23	07:18:02	12:28:22	18:03:24	23:25:24	28:11:22	32:39:02	37:18:02	42:28:22	48:03:24	53:25:24	58:11:22	02:39:02
24	07:27:20	12:38:20	18:14:08	23:36:08	28:21:20	32:48:20	37:27:20	42:38:20	48:14:08	53:36:08	58:21:20	02:48:20
25	07:36:38	12:48:18	18:24:52	23:46:52	28:31:18	32:57:38	37:36:38	42:48:18	48:24:52	53:46:52	58:31:18	02:57:38
26	07:45:56	12:58:16	18:35:36	23:57:36	28:41:16	33:06:56	37:45:56	42:58:16	48:35:36	53:57:36	58:41:16	03:06:56
27	07:55:14	13:08:14	18:46:20	00:08:20	28:51:14	33:16:14	37:55:14	43:08:14	48:46:20	54:08:20	58:51:14	03:16:14
28	08:04:32	13:18:12	18:57:04	00:19:04	29:01:12	33:25:32	38:04:32	43:18:12	48:57:04	54:19:04	59:01:12	03:25:32
29	08:13:50	13:28:10	19:07:48	00:29:48	29:11:10	33:34:50	38:13:50	43:28:10	49:07:48	54:29:48	59:11:10	03:34:50

विक्रम संवत् 2075 (ई.सन् 2018-19) के मुहूर्त हेतु काल विवरण

डॉ. अशोक थपलियाल,
सहायकाचार्य, वास्तु विभाग श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ नई दिल्ली

विवाहादि मांगलिक कार्यो के लिये चैत्र मास, पौष मास, अधिमास, श्राद्ध-पक्ष, भीष्मपंचक, होलिकाष्टक एवं गुरु-शुक्र के अस्तकाल वर्जित कहे गये हैं । उपनयन संस्कार चैत्रमास में तथा पुरातन गृहप्रवेश गुरु-शुक्र के अस्तकाल में भी किये जा सकते हैं।

मीन राशि गत सूर्य - संवत् 2075 में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा रविवार 18/03/2018 से संवत् 2075 वैशाख कृष्ण 13 शनिवार दिनाङ्क-14/04/2018 तक तथा फाल्गुन शुक्ल 8 गुरुवार दिनाङ्क 14/03/2019 से वर्षान्त शुक्रवार 05/04/2019 तक सूर्य मीन राशि में रहेगा।

अधिमास - संवत् 2075 अधिक ज्येष्ठ शुक्ल 01 बुधवार 16/05/2018 से अधिक ज्येष्ठ कृष्ण 30 बुधवार 13/06/2018 तक रहेगा।

श्रीहरि-देवशयन-काल- संवत् 2075 आषाढ़ शुक्ल 11 सोमवार दिनाङ्क- 23/07/2018 से कार्तिक शुक्ल 11 सोमवार दिनाङ्क 19/10/2018 तक।

महालय (श्राद्धपक्ष)- संवत् 2075 भाद्रपद शुक्ल 15 मंगलवार 25/09/2018 से आश्विन कृष्ण 30 मंगलवार 09/10/2018 तक रहेगा।

शुक्र अस्तोदय- संवत् 2075 आश्विन शुक्ल 09 गुरुवार 18/10/2018 को अस्त एवं कार्तिक कृष्ण 9 शुक्रवार 02/11/2018 को उदित होगा।

गुरु अस्तोदय- संवत् 2075 कार्तिक शुक्ल 7 बुधवार 14/11/2018 को अस्त एवं मार्गशीर्ष शुक्ल 3 सोमवार 10/12/2018 को उदित होगा।

भीष्मपञ्चक - संवत् 2075 कार्तिक शुक्ल 11 सोमवार 19/11/2018 से कार्तिक शुक्ल 15 शुक्रवार 23/11/2018 तक रहेगा।

धनु राशि गत सूर्य- संवत् 2075 मार्गशीर्ष शुक्ल 09 रविवार 16/12/2018 से पौष शुक्ल 08 सोमवार 14/01/2019 तक रहेगी।

होलाष्टक- संवत् 2075 फाल्गुन शुक्ल 8 गुरुवार 14/03/02019 से फाल्गुन शुक्ल 15 गुरुवार दिनाङ्क 21/03/2019 तक रहेगा।

भूमिशयनविचारः -

प्रद्योतनात्पंचनगांकसूर्यनवेन्दुषड्विंशमितेषु भेषु।
शेते मही नैव गृहं विधेयं तडागवापीखननं न शस्तम्।।
(वास्तुरत्नाकर ९/४२)

चन्द्रबलविचारः-

पापान्तः पापयुग्द्यूने पापाच्चन्द्रः शुभोऽप्यसत्।
शुभांशे वाधिमित्रांशे गुरुदृष्टोऽशुभोऽपि सत्।।
(मु.चि.गो.प्र.श्लोक ७)

विवाह-मुहूर्त विक्रमसंवत् 2075 (ई.सन् 2018-19)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
14 अप्रैल 2018	वैशाख	कृष्ण	13/14	शनि	उ.भा.	मीन/मेष	तुला	मीन	8	ल. 2मं.पू. 8शु.पू. 11शु.पू, 12गु.मं.पू.
15 अप्रैल 2018	वैशाख	कृष्ण	14	रवि	रेवती	मेष	तुला	मीन	8	ल. 1 सू.गु.पूज्य, 2मं.पू.
18 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	3/4	बुध	रोहिणी	मेष	तुला	वृष	9	ल. 11
19 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	4/5	गुरु	रोहि/मृग.	मेष	तुला	वृष	9	ल. 1 सू.गु.पूज्य, 11
20 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	5/6	शुक्र	मृगशिरा	मेष	तुला	वृष/मिथुन	9	ल. 1 सू.गु.पू., 5बु.पू., 6बु.पू., गोधूलि
26 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	11/12	गुरु	उ.फा.	मेष	तुला	सिंह/कन्या	7	ल.-5 चं.बु.पू., 6बु.पू., 8शु.पू.,11चं.पू.,गोधूलि
27 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	12/13	शुक्र	उ.फा./हस्त	मेष	तुला	कन्या	9	ल. 2 मं.पू., 5 बु.पू., 8शु.पू, 11चं. पूज्य
28 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	13/14	शनि	हस्त/चित्रा	मेष	तुला	कन्या/तुला	6/7	ल. 2 मं.पू., 5बु.पू, 8शु.पू, 11चं. पूज्य
29 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	14/15	रवि	चि./स्वा.	मेष	तुला	तुला	7/8	ल. 5 बु.पू., 8शु.पू, 11चं. पूज्य
30 अप्रैल 2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	मेष	तुला	तुला	9	ल. 2 चं.मं.पू., 5बु.पू., अभिजित्
01 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	02	मंगल	अनुराधा	मेष	तुला	तुला/वृश्चि.	8	ल. 6 बु.पूज्य, 8 शु.चं. पूज्य, 11
02 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	2/3	बुध	अनुराधा	मेष	तुला	वृश्चिक	8	ल. 2 चं.पूज्य, 5 बु.पूज्य, 6 बु.पूज्य
03 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	3/4	गुरु	मूल	मेष	तुला	धनु	10	ल. 8 शु. पूज्य, 11, 12 शु.गु. पूज्य
04 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	4/5	शुक्र	मूल	मेष	तुला	धनु	9	ल. 2चं.पूज्य,5बु.पूज्य,6बु.पूज्य, 8शु.पूज्य
07 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	7/8	सोम	श्रवण	मेष	तुला	मकर	7	ल.2,5चं.बु.पू.,6बु.पू.8शु.पू. 9श.रा.पू.,11चं.पू.,12गु.श.पू.
08 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	8/9	मंगल	श्र./धनि.	मेष	तुला	मकर/कुम्भ	8	ल.2,5बु.चं.पू.,6बु.पू.,8शु.पू.,11चं.पू.,12गु.शु.पू.
09 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	9	बुध	धनिष्ठा	मेष	तुला	कुम्भ	7	लग्न- 2 (मं.पूज्य) 3(मं.श. पूज्य)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
11 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	11/12	शुक्र	उ.भा.	मेष	तुला	मीन	7	ल.-5चं.पू, 6बु.चं.पू,8शु.पू,11,12शु.गुं.पू
12 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	12/13	शनि	उ.भा./रेवती	मेष	तुला	मीन	9/8	ल.2,3मं.श.पू, 5चं.पू,6बु.चं.पू,8शु.पू,11,12शु.गु.पू.
13 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	13/14	रवि	रेवती/अश्वि.	मेष	तुला	मीन/मेष	7/7	ल.2,5चं.पू., 6बु.चं.पू., 8शु.पू.,11,12शु.गु.पू.
14 मई 2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	14	सोम	अश्विनी	मेष	तुला	मेष	7	लग्न विचारणीय
14 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	1	गुरु	मृगशिरा	वृष	तुला	मिथुन	6	लग्न विचारणीय
19 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	7	मंगल	उ.फा.	मिथुन	तुला	सिंह	7	लग्न- 1 मं.गु.पूज्य, 2शु.पून्य
20 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	8/9	बुध	उ.फा./हस्त	मिथुन	तुला	कन्या	6/8	ल.8सू.बु.पू.,11शु.चं.पू.,12गुं. पू.,1मं.गु.पू.2श.शु.पू.
21 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	9/10	गुरु	हस्त/चित्रा	मिथुन	तुला	कन्या	10/9	ल. 5,6चं.पू, 7, 8बु.पू, 12गुं. पू, 2श.शु. पू.
22 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	10/11	शुक्र	चित्रा /स्वाती	मिथुन	तुला	कन्या/तुला	9/7	लग्न- 5, 6चं. पू., 7चं.पू., 8बु. पू., 11शु.पू.
23 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	11	शनि	स्वाती	मिथुन	तुला	तुला	8	लग्न- 5, 6, 7 चं. पूज्य
24 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	13	रवि	अनुराधा	मिथुन	तुला	वृश्चिक	7	लग्न- 2 श.चं.पूज्य
25 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	मिथुन	तुला	वृश्चिक	8	लग्न- 5, 6, 7, 8(च. पूज्य), 11शु.
26 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	13/14	मंगल	अनुराधा	मिथुन	तुला	वृश्चिक	7	लग्न-विचारणीय
28 जून 2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	15	गुरु	मूल	मिथुन	तुला	धनु	7	लग्न- 5, 6
29 जून 2018	आषाढ़	कृष्ण	1/2	शुक्र	उ.षा.	मिथुन	तुला	धन/मकर	7	लग्न- 8,11शु.पू.12गुं.पू,1गु.मं.पू., 2शु.चं.पू.
30 जून 2018	आषाढ़	कृष्ण	2/3	शनि	उ.षा./श्रवण	मिथुन	तुला	मकर	9/7	लग्न- 5चं.पू., 6,7,8,11शु.पू.,12गु.पू, 2शु.पू.
01 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	3/4	रवि	श्र./धनि.	मिथुन	तुला	मकर	6/5	लग्न-11शु.पू.,12गुं.पू.2शु.पू.
02 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	4/5	सोम	धनिष्ठा	मिथुन	तुला	मकर/कुम्भ	6	ल. 5चं. पू., 6 चं. पू., 7, 8, गुं. पू.

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
05 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	7/8	गुरु	उ.भा.	मिथुन	तुला	मीन	7	ल.- 7चं. पू., 8, 11 शु. पू., 2
06 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	8/9	शुक्र	रेवती	मिथुन	तुला	मीन	7	ल. 5 चं. पू.
07 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	9/10	शनि	रेवती/अश्वि	मिथुन	तुला	मीन/मेष	8/7	ल. 6 चं. पू., 7 चं. पू., 8चं. पू., 11शु.पू., 2
08 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	10	रवि	अश्विनी	मिथुन	तुला	मेष	8	लग्न- लग्न विचारणीय
10 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	12/13	मंगल	रोहि/मृग.	मिथुन	तुला	वृष	7/9	लग्न- 5,6,7चं. पू., 8 चं.पू, 11शु.पू, 2चं.पू.
11 जुलाई 2018	आषाढ़	कृष्ण	13	बुध	मृगशिरा	मिथुन	तुला	वृष/मिथुन	10	लग्न- 5, 6, 7चं. पू
13दिसम्बर 2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	गुरु	धनिष्ठा	वृश्चिक	वृश्चिक	कुम्भ	9	ल.8सू.पू, 9 श.पू,11चं.मं.पू.,12शु.पू.,3बु.श.पू.
14जनवरी 2019	पौष	शुक्ल	8/9	सोम	अश्विनी	मकर	वृश्चिक	मेष	7	ल. 5मं.पू, 7चं.पू., 8.पू.,9श.पू
15जनवरी 2019	पौष	शुक्ल	9	मंगल	अश्विनी	मकर	वृश्चिक	मेष	8	ल. 11, 12 मं.चं.पू, 1गु.शु. पू.
17जनवरी 2019	पौष	शुक्ल	11/12	गुरु	रोहिणी	मकर	वृश्चिक	वृष	7	ल. 7 चं.पू., 8 चं.पू., 9 श.चं. पू
18जनवरी 2019	पौष	शुक्ल	12/13	शुक्र	रोहिणी/मृग.	मकर	वृश्चिक	वृष/मिथुन	8/6	ल.11, 12 मं. पू., 5मं. पू., 7, 8 चं. पू.
19जनवरी 2019	पौष	शुक्ल	13	शनि	मृगशिरा	मकर	वृश्चिक	मिथुन	6	ल. 11,12मं.पू
24जनवरी 2019	माघ	कृष्ण	4	गुरु	उ.फा.	मकर	वृश्चिक	सिंह/कन्या	8	ल. 7, 8, 9 श.पू.
25जनवरी 2019	माघ	कृष्ण	5/6	शुक्र	उ.फा./हस्त	मकर	वृश्चिक	कन्या	6	ल 11 चं.पू.,12मं.चं.पू.2गु.शु.पू.
26जनवरी 2019	माघ	कृष्ण	6/7	शनि	हस्त/चित्रा	मकर	वृश्चिक	कन्या/तुला	6	लग्न विचारणीय
27जनवरी 2019	माघ	कृष्ण	7/8	रवि	चित्रा/ स्वाती	मकर	वृश्चिक	तुला	7/6	ल. 11, 12मं.चं.पू., 5मं. पू.,7 चं. पू.,8,9मं.पू.
29जनवरी 2019	माघ	कृष्ण	10	मंगल	अनुराधा	मकर	वृश्चिक	वृश्चिक	7	ल. 5मं. पू., 6मं.शु.पू. 7, 8, पू. 9
30जनवरी 2019	माघ	कृष्ण	10/11	बुध	अनुराधा	मकर	वृश्चिक	वृश्चिक	6	लग्न-विचारणीय

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
03फरवरी 2019	माघ	कृष्ण	14	रवि	उ.षा.	मकर	वृश्चिक	मकर	6	लग्न 1(गु.पूज्य)
05फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	1/2	मंगल	धनिष्ठा	मकर	वृश्चिक	मकर/कुम्भ	7	ल. 12 मं.पू 1गु.पू. 5चं.पू. 8, 9 श. पू.
08फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	3/4	शुक्र	उ.भा.	मकर	वृश्चिक	मीन	10	ल. 5चं.बु. पू., 6 मं.चं. पू. गोधूलि
09फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	5	शनि	उ.भा./रेवती	मकर	वृश्चिक	मीन	10/9	ल.2गु.शु.पू.,3शु.श.पू.,5चं.बु.पू.,6मं.चं.पू.,8,9श.पू.
10फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	5/6	रवि	रेवती/अश्वि	मकर	वृश्चिक	मीन/मेष	9	ल.11,12चं.पू.,1गु.मं.पू.,2गु.शु.पू.,3शु.श.पू.,5बु.पू.,6चं.मं.पू.,8चं., 9श.पू.
11फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	6/7	सोम	अश्विनी	मकर	वृश्चिक	मेष	9	ल.- 11, 12, 3 शु.श.पू., 5बु. पू.
13फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	9	बुध	रोहिणी	मकर/कुम्भ	वृश्चिक	वृष	9	ल.- 8चं.पूज्य, 9श.पूज्य
14फरवरी 2019	माघ	शुक्ल	09/10	गुरु	रोहिणी	कुम्भ	वृश्चिक	वृष	9/6	ल.11सू.पू., 12, 6मं. पू., 8चं. पू., 9श. पू.
20फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	बुध	उ.फा.	कुम्भ	वृश्चिक	सिंह	9	लग्न-विचारणीय
21फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	गुरु	उ.फा./हस्त	कुम्भ	वृश्चिक	सिंह/कन्या	8/6	ल.11सू.पू., 12चं.पू., 5बु.सू.पू., 6चं. पू.
22फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	3/4	शुक्र	हस्त/ चित्रा	कुम्भ	वृश्चिक	कन्या	6	ल.2गु.शु.पू.,3शु.श.पू.,5बु.सू.पू.,6चं.पू.,7शु.मं.पू.,8,9श.रा.पू.
23फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	4/5	शनि	चित्रा	कुम्भ	वृश्चिक	कन्या/तुला	6	ल.11सू.पू.,12चं.पू.,2गु.शु.पू.,3शु.श.पू.,5बु.सू.पू.,6
25फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	7/8	सोम	अनुराधा	कुम्भ	वृश्चिक	वृश्चिक	8	ल. 7मं.पू., 8चं.शु.पू.,9 श.रा. पू.
26फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	8	मंगल	अनुराधा	कुम्भ	वृश्चिक	वृश्चिक	7	ल. 11सू.पू., 12, 6बु.मं.पू.,7मं.पू.
27फरवरी 2019	फाल्गुन	कृष्ण	9/10	बुध	मूल	कुम्भ	वृश्चिक	धनु	6	ल. 8शु. पू., 9 श.रा. पू.
3 मार्च 2019	फाल्गुन	कृष्ण	12/13	रवि	उ.षा./श्रवण	कुम्भ	वृश्चिक	मकर	5/9	ल. 11सू.पू.,12,5बु.सू.पू.,7मं.पू.,8शुपू.9श.रा.पू.
04 मार्च 2019	फाल्गुन	कृष्ण	13/14	सोम	श्रवण/ धनि.	कुम्भ	वृश्चिक	मकर/कुम्भ	8/7	लग्न- 11सू.पूज्य, 12

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
07 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	1/2	गुरु	उ.भा.	कुम्भ	वृश्चिक	मीन	8	ल.- 7मं.चं. पूज्य, 10शु श.पूज्य 11सू. पूज्य
08 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	2/3	शुक्र	उ.भा./रेवती	कुम्भ	वृश्चिक	मीन	9	ल. 11सू.पू.,12चं.पू.,2गु.पू.,4शु.पू.7चंमं.पू.,10शु. श.पू., 11सू.पू.
09 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	3/4	शनि	रेवती/अश्वि.	कुम्भ	वृश्चिक	मीन/मेष	8/7	ल.11सू.पू.,12चं.पू.,2गु.पू., 4शु.पू. 7चं.मं.पू., 10शु.श.पू.,11सू.पू.
10 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	4	रवि	अश्विनी	कुम्भ	वृश्चिक	मेष	8	ल.11सू.पूज्य, 12चं.पूज्य, 2गु.पूज्य, 4शु. पूज्य
12 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	मंगल	रोहिणी	कुम्भ	वृश्चिक	वृष	7	ल. 11 सू.पूज्य
13 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	7/8	बुध	रोहिणी	कुम्भ	वृश्चिक	वृष	6	ल. 11सू.पू.,12, 2गु.चं. पू.,4शु.पू.5सू.बु. पू., 10शु.श. पू. 11सू.पू.

त्रिगर्त (जम्मू-कश्मीर, हिमाचल एवं पंजाब) के लिए विशेष विवाह मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
17 जुलाई 2018	आषाढ़	शुक्ल	5	मंगल	उ.फा.	कर्क	तुला	सिंह/कन्या	10	लग्न 6,7,8,गोधू.
19 जुलाई 2018	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	हस्त/चित्रा	कर्क	तुला	कन्या/तुला	8	लग्न 5,6चं. पू.
20 जुलाई 2018	आषाढ़	शुक्ल	8/9	शुक्र	चित्रा/ स्वाती	कर्क	तुला	तुला	9/7	लग्न 5,6,9 श. पू.
21 जुलाई 2018	आषाढ़	शुक्ल	9	शनि	स्वाती	कर्क	तुला	तुला	6	लग्न 5
22 जुलाई 2018	आषाढ़	शुक्ल	10	रवि	अनुराधा	कर्क	तुला	वृश्चिक	9	लग्न 6,7, गोधू.
01 अगस्त 2018	श्रावण	कृष्ण	5	बुध	उ.भा.	कर्क	तुला	मीन	7	लग्न 8,9श. पू., गोधू. 11शु.पू. 2
02 अगस्त 2018	श्रावण	कृष्ण	5/6	गुरु	उ.भा./रे.	कर्क	तुला	मीन	7	लग्न 8,9श. पू., गोधू. 11शु.पू. 2
03 अगस्त 2018	श्रावण	कृष्ण	6/7	शुक्र	रेवती/अश्वि.	कर्क	तुला	मीन/मेष	8	लग्न 2

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
04 अगस्त 2018	श्रावण	कृष्ण	7/8	शनि	अश्विनी	कर्क	तुला	मेष	8	लग्न 5
07 अगस्त 2018	श्रावण	कृष्ण	10/11	मंगल	रोहिणी/मृग.	कर्क	तुला	वृष/मिथुन	8	लग्न 6
13 अगस्त 2018	श्रावण	शुक्ल	3	सोम	उ.फा.	कर्क	तुला	सिंह/कन्या	9	लग्न 2
14 अगस्त 2018	श्रावण	शुक्ल	3/4	मंगल	उ.फा./हस्त	कर्क	तुला	कन्या	10	लग्न 5,7,8,9श. पू.
19 अगस्त 2018	श्रावण	शुक्ल	9	रवि	अनुराधा	सिंह	तुला	वृश्चिक	8	लग्न 6,7, गोधू
25 अगस्त 2018	श्रावण	शुक्ल	14/15	शनि	श्रवण/धनि.	सिंह	तुला	मकर/कुम्भ	5	लग्न 7,8
26 अगस्त 2018	श्रावण	शुक्ल	15	रवि	धनिष्ठा	सिंह	तुला	कुम्भ	5	लग्न 6,7,8
28 अगस्त 2018	भाद्रपद	कृष्ण	2/3	मंगल	उ.भा.	सिंह	तुला	मीन	8	लग्न गोधू. 2 गु. पू.
30 अगस्त 2018	भाद्रपद	कृष्ण	4/5	गुरु	रेवती/अश्वि.	सिंह	तुला	मीन/मेष	6	लग्न 2 गु.चं. पू.
31 अगस्त 2018	भाद्रपद	कृष्ण	5	शुक्र	अश्विनी	सिंह	तुला	मेष	6	लग्न 5 9 श. पू. गोधू.
3 सितम्बर 2018	भाद्रपद	कृष्ण	8/9	सोम	रो./मृग.	सिंह	तुला	वृष	7	लग्न 5,6,7, गोधू.
10सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	1	सोम	उ.फा./हस्त	सिंह	तुला	सिंह/कन्या	9	लग्न 5,7,8,9 श. पू., गोधू., 2 शु. पू.
11सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	2	मंगल	हस्त/चि.	सिंह	तुला	कन्या	9	लग्न 5,7,8, गोधू
12सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	3	बुध	चित्रा/स्वाती	सिंह	तुला	कन्या/तुला	10	लग्न 5,6,9श. पू., गोधू
13सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	4/5	गुरु	स्वाती	सिंह	तुला	तुला	7	लग्न 9 श. पू., गोधू
19सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	10/11	बुध	उ.षा.	कन्या	तुला	धनु/मकर	6	लग्न 8,11, गोधू., 2 चं. पू. 5
20सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	11/12	गुरु	उ.षा./श्र.	कन्या	तुला	मकर	7	लग्न 6, 7, 8
21सितम्बर 2018	भाद्रपद	शुक्ल	12/13	शुक्र	श्रवण/धनि.	कन्या	तुला	मकर	8	लग्न 6,7,8,9 श. पू., गोधू.

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	सूर्यराशि	गुरुराशि	चन्द्रराशि	रेखाएं	लग्नादि विवरण
10अक्टूबर 2018	आश्विन	शुक्ल	1/2	बुध	चित्रा	कन्या	तुला	तुला	8	लग्न 6 सू. पू., 9श. पू, 11
11अक्टूबर 2018	आश्विन	शुक्ल	3	गुरु	स्वाती	कन्या	तुला/वृश्चि	तुला	7	लग्न 6 सू. पू.
12अक्टूबर 2018	आश्विन	शुक्ल	4/5	शुक्र	अनुराधा	कन्या	वृश्चिक	वृश्चिक	7	लग्न 9 श. पू., 11
08 नवम्बर 2018	कार्तिक	शुक्ल	1/2	गुरु	अनुराधा	तुला	वृश्चिक	वृश्चिक	8	लग्न 6
09 नवम्बर 2018	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	तुला	वृश्चिक	वृश्चिक	8	लग्न 7, 8 चं. पू.

गोधूलि प्रशंसा

ऋषि मुनियों ने गोधूलि वेला सभी प्रकार के विवाहादि मंगल कार्यो में शुभ कही गयी है। गोधूलि वेला में पञ्चांग शुद्धि एवं लग्न शुद्धि का विचार नहीं करना चाहिए। यथा -

नास्यामृक्षं न तिथि-करणं नैव लग्नस्य चिंता
नो वा वारो न च लवविधिर्नो मुहूर्तस्य चर्चा।
नो वा योगो न मृतिभवनं नैव जामित्रदोषो
गोधूलिः सा मुनिभिरुदिता सर्वकार्येषु शस्ता॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 100)

विशेष - प्रशस्त गोधूलि लग्न का आवश्यक होने पर मुहूर्त्ताभाव में उपयोग करना चाहिये। अन्यथा शुद्धि देखते हुये विवाह करना प्रशस्त होता है। नारद के मतानुसार कुछ विशिष्ट स्थानों पर गोधूलि का उपयोग करना चाहिये। यथा-

प्राच्यानां च कलिंगानां मुख्यं गोधूलिकं स्मृतं।
गान्धर्वादिविवाहेषु वैश्योद्वाहे च योजयेत्॥

गोधूलि लक्षणं

हेमन्तऋतु अर्थात् मार्गशीर्ष पौष माघ फाल्गुन मासों में जब सूर्य बिम्ब निस्तेज गोलक के समान हो जाता है उस समय गोधूलि लग्न होता है। ग्रीष्मऋतु अर्थात् चैत्र वैशाख ज्येष्ठ आषाढ़ मासों में सूर्य बिम्ब का आधा भाग अस्त होने पर तथा वर्षाऋतु अर्थात् श्रावण भाद्रपद आश्विन कार्तिक मासों में सम्पूर्ण बिम्ब के अस्त होने पर गोधूलि लग्न होता है। इस प्रकार ऋतु भेद से तीन प्रकार की गोधूलि लग्न कहा गया है। इसका सभी प्रकार के शुभ कार्यों में उपयोग करना शुभकारक होता है। यथा -

पिण्डीभूते दिनकृति हेमन्ततौं स्यादर्घास्ते तपसमये गोधूलिः।
सम्पूर्णास्ते जलधरमालाकाले त्रेधा योज्या सकलशुभे कार्यादौ॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 101)

गोधूलि में त्याज्य

गुरुवार के दिन सूर्यास्त के बाद एवं शनिवार के दिन सूर्यास्त से पूर्व गोधूलि वेला शुभ कही गयी है। गोधूलि काल में विवाह लग्न से अष्टम षष्ठ और लग्न में यदि चन्द्रमा हो तो कन्या के लिये कष्टप्रद होता है। लग्न सप्तम् और अष्टं भाव में मंगल हो तो वर के लिये कष्टप्रद होता है। एकादश द्वितीय एवं तृतीय भाव में स्थित चन्द्रमा सुख कारक होता है। यथा-

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।
कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्॥

(मुहूर्तचिन्तामणि विवाह प्रकरण श्लोक सं 102)

वधूप्रवेश मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	05	शुक्र	मृगसिरा	रात्रि 21:15 तक
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	उ.फा./हस्त	त्रयोदशी 08:09 से
04/05/2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	5	शुक्र	मूल	पंचमी 10:57 से मूल 22:19 तक
07/05/2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	7	सोम	श्रवण	
11/05/2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	11	शुक्र	उ.भा.	उ.भा.13:35 से
18/06/2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	5/6	सोम	मघा	
22/06/2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
25/06/2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
27/06/2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	15	बुध	मूल	पूर्णिमा 08:16 से, मूल 09:37 से, भद्रा 8:16-21:20
29/06/2018	आषाढ़	कृष्ण	1/2	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 15:18 से
02/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	5	सोम	धनिष्ठा	पंचमी 20:19 से, धनि. 24:35 तक
05/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	7/8	गुरु	उ.भा.	भद्रा 12:58 तक
06/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	8	शुक्र	उ.भा./रेवती	
18/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	6/7	बुध	रेवती	रेवती 8:18 से
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	हस्त/चित्रा	भद्रा 13:26से 25:17 तक
12/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5/6	बुध	धनिष्ठा	धनिष्ठा 16:28 से
13/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	गुरु	धनिष्ठा	धनि. 19:42 तक
17/01/2019	पौष	शुक्ल	11/12	गुरु	रोहिणी	रोहिणी 13:48से, भद्रा 23:01 तक
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	मृग.	मृगसिरा 12:29 से
24/01/2019	माघ	कृष्ण	5	गुरु	उ.फा.	पंचमी 20:43 से
25/01/2019	माघ	कृष्ण	5/6	शुक्र	उ.फा./हस्त	
31/01/2019	माघ	कृष्ण	11	गुरु	मूल	मूल 18:32 से
01/02/2019	माघ	कृष्ण	12/13	शुक्र	मूल	मूल 21:01 तक
09/02/2019	माघ	शुक्ल	5	शनि	उ.भा./रेवती	भद्रा 12:27 तक
11/02/2019	माघ	शुक्ल	6 /	सोम	अश्विनी	अश्वि 21:30 तक
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगसिरा	मृग. 21/11तक, भद्रा 24:14 से
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	भद्रा 24:23 से
28/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	10	गुरु	मूल	भद्रा 19:21 से

02/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	11/12	शनि	उ.षा.	व्यती. 11:33 तक
07/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	1	गुरु	उ.भा.	उ.भा. 20:57 से
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
09/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	3	शनि	रेवती	
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	भद्रा 28:56 से

विशेष – विवाह के 16 दिन तक शुभ, इसके बाद विषम दिन, मास, वर्ष में वधु प्रवेश शुभ होता है। वधूप्रवेश रात्रि में प्रशस्त होता है 'वधुप्रवेशो दिवा न शस्तः'। **त्याज्य** भद्रा, क्षयतिथि, व्यतीपात, ग्रहणदिन, वैधृति, संक्रान्ति दिन

सर्वदेवप्रतिष्ठामुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगसिरा	
22/04/2018	वैशाख	शुक्ल	7	रवि	पुनर्वसु	भद्रा 16:15 से
23/04/2018	वैशाख	शुक्ल	8	सोम	पुष्य	
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	उ.फा.	
28/04/2018	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	हस्त	त्रयो. 07:14 तक
30/04/2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाति	पूर्णिमा 06:30 तक
16/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	3	शनि	पुनर्वसु	पुनर्वसु 08:42 तक
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
23/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	11	शनि	स्वाती	भद्रा15:06 से
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
14/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	2	शनि	पुष्य	
14/01/2019	पौष	शुक्ल	8	सोम	रेवती	भद्रा 12:34 से, मकरसंक्रान्ति
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	
19/01/2019	पौष	शुक्ल	13	शनि	मृगसिरा	
21/01/2019	पौष	शुक्ल	15	सोम	पुष्य	पूर्णिमा 10:46 तक
06/02/2019	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनि./शत.	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	2/3	गुरु	शतभिषा	
09/02/2019	माघ	शुक्ल	5	शनि	उ.भा./रेवती	भद्रा 12:27 तक
10/02/2019	माघ	शुक्ल	5/6	रवि	रेवती	
11/02/2019	माघ	शुक्ल	6	सोम	अश्विनी	
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगसिरा	
17/02/2019	माघ	शुक्ल	12/13	रवि	पुनर्वसु	
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
09/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	3	शनि	रेवती	
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	

लग्नशुद्धि- 2, 3, 5, 6, 9, 11, 12 लग्नों में, केन्द्र, त्रिकोण में शुभग्रह, 3,6,11 में पाप ग्रह, अष्टम शुद्ध (ग्रहरहित) हो। **विशेष**- पूर्वाह्न में प्रतिष्ठा

प्रशस्त। प्रतिष्ठापित होने वाले देव के मास, तिथि नक्षत्र में सम्प्रदाय के अनुरूप प्रतिष्ठा की जा सकती है। यथा- चतुर्दशी में शंकर, चतुर्थी में गणेश आदि की।

प्रसूता स्नान हेतु प्रशस्त मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
18/03/2018	चैत्र	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
20/03/2018	चैत्र	शुक्ल	3	मंगल	अश्विनी	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	
13/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	13	रवि	रेवती	
17/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	2	गुरु	रो./मृग.	
24/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	10	गुरु	उ.फा.	
27/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	13	रवि	स्वाती	
29/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	15	मंगल	अनुराधा	भद्रा 07:07 तक
03/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	5	रवि	उ.षा.	
10/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	11	रवि	अश्विनी	
14/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	1	गुरु	मृगसिरा	
26/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	मंगल	अनुराधा	त्रयो. 06:25 तक
05/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	7	गुरु	उ.भा.	उ.भा. 05:23 से, भद्रा 12:58 तक
08/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	10	रवि	अश्विनी	अश्वि.07:41 तक
17/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	5	मंगल	उ.फा.	उ.फा. 09:26 से
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	7	गुरु	हस्त	भद्रा 13:26 से
22/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	10	रवि	अनुराधा	अनुराधा 10:41 से
02/08/2018	श्रावण	कृष्ण	5	गुरु	उ.भा.	
07/08/2018	श्रावण	कृष्ण	10/11	मंगल	रोहिणी	भद्रा 07:55 तक
14/08/2018	श्रावण	शुक्ल	3	मंगल	उ.फा.	तृ. 05:49 तक, भद्रा 16:22 से
23/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	गुरु	उ.षा.	त्रयोदशी 10:21से
11/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	2	मंगल	हस्त	
20/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	11	गुरु	उ.षा.	भद्रा 12:00 से
25/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	15	मंगल	उ.भा.	पूर्णिमा 08:22 तक
11/10/2018	आश्विन	शुक्ल	3	गुरु	स्वाती	
25/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	1	गुरु	अश्विनी	
09/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	
25/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	रवि	मृगशिरा	मृग. 13:27 तक
02/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	10/11	रवि	हस्त	भद्रा 13:53 तक
18/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10/11	मंगल	अश्विनी	भद्रा 19:47 से
01/01/2019	पौष	कृष्ण	11	मंगल	स्वाती	स्वाती 08:39 तक
03/01/2019	पौष	कृष्ण	13	गुरु	अनुराधा	

13/01/2019	पौष	शुक्ल	7	रवि	उ.भा.	उ.भा. 11:09 तक
10/02/2019	माघ	शुक्ल	5	रवि	रेवती	
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	
21/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	15	गुरु	उ.फा.	पूर्णिमा 07:14 तक

प्रसूता स्नान हेतु मध्यम मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	6	शुक्र	रोहिणी	
02/04/2018	वैशाख	कृष्ण	2	सोम	स्वाती	
03/04/2018	वैशाख	कृष्ण	3	मंगल	विष्ठाखा	भद्रा 16:31 तक
08/04/2018	वैशाख	कृष्ण	8	रवि	पू.षा.	
12/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11/12	गुरु	शतभिषा	
13/04/2018	वैशाख	कृष्ण	13	शुक्र	पू.भा.	त्रयोदशी 09:08 से
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	05	शुक्र	मृगशिरा	
24/04/2018	वैशाख	शुक्ल	10	मंगल	आश्लेषा	दशमी 12:25 से
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	उ.फा.	त्रयोदशी 08:09 से
30/04/2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	पूर्णिमा 06:30 तक
01/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	1/2	मंगल	विशाखा	
10/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	भद्रा 11:21 से
11/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	11	शुक्र	पू.भा.	
21/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	7	सोम	आश्लेषा	
25/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	11	शुक्र	हस्त	भद्रा 05:51 से
01/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	3	शुक्र	पू.षा.	पू.षा. 05:51 से, भद्रा 12:21 से
17/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	5	रवि	आश्लेषा	भद्रा 11:36 तक
19/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	7	मंगल	पू.फा.	सप्तमी 06:41 से
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
29/06/2018	आषाढ़	कृष्ण	1	शुक्र	पू.षा.	
03/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	5	मंगल	शतभिषा	
15/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	3	रवि	आश्लेषा	
17/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	5	मंगल	पू.फा.	पू.फा. 09:26 तक
22/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	10	रवि	विशाखा	विशा. 10:41 तक
29/07/2018	श्रावण	कृष्ण	2	रवि	धनिष्ठा	
30/07/2018	श्रावण	कृष्ण	2/3	सोम	धनि./शत.	भद्रा19:38 से
31/07/2018	श्रावण	कृष्ण	3	मंगल	शतभिषा	भद्रा 08:41 तक
13/08/2018	श्रावण	शुक्ल	2/3	सोम	पू.फा.	
17/08/2018	श्रावण	शुक्ल	7	शुक्र	स्वाती	
20/08/2018	श्रावण	शुक्ल	10	सोम	ज्येष्ठा	

24/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 06:51 तक
26/08/2018	श्रावण	शुक्ल	15	रवि	धनिष्ठा	
27/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	1	सोम	शतभिषा	
28/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	2	मंगल	पू.भा.	
31/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	5	शुक्र	अश्विनी	
10/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	1	सोम	उ.फा.	
14/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	5	शुक्र	विशाखा	
16/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	7	रवि	ज्येष्ठा	भद्रा 15:41 से
19/10/2018	आश्विन	शुक्ल	10	शुक्र	धनिष्ठा	
22/10/2018	आश्विन	शुक्ल	13	सोम	पूभा/उभा.	
05/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	13	सोम	हस्त	
08/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	1	गुरु	विशाखा	
12/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	5	सोम	पू.षा.	
18/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	10	रवि	पू.भा.	
19/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	11	सोम	उ.भा.	
10/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	सोम	पू.षा.	
14/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	शुक्र	शतभिषा	
17/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	सोम	रेवती	दशमी 07:30 से
28/12/2018	पौष	कृष्ण	7	शुक्र	पू.फा./उ.फा.	भद्रा 16:33 तक
06/01/2019	पौष	शुक्ल	1	रवि	पू.षा.	
07/01/2019	पौष	शुक्ल	1/2	सोम	उ.षा.	
11/01/2019	पौष	शुक्ल	5	शुक्र	पू.भा.	
22/01/2019	माघ	कृष्ण	2	मंगल	आश्लेषा	
25/01/2019	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा.	
31/01/2019	माघ	कृष्ण	11	गुरु	ज्येष्ठा	
05/02/2019	माघ	शुक्ल	1	मंगल	धनिष्ठा	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	3	गुरु	शतभिषा	तृतीया 07:48 से
08/02/2019	माघ	शुक्ल	3	शुक्र	पू.भा.	
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	
25/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	7	सोम	विशाखा	भद्रा 16:06 तक
01/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	10/11	शुक्र	पू.षा.	भद्रा 08:41 तक
07/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	1	गुरु	पू.भा.	
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	
25/03/2019	चैत्र	कृष्ण	5	सोम	विशाखा	
02/04/2019	चैत्र	कृष्ण	13	मंगल	शतभिषा	त्रयोदशी 08:41

अक्षरारम्भ मुहूर्त 2018-19

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
26/03/2018	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुनर्वसु	
02/04/2018	वैशाख	कृष्ण	2	सोम	स्वाती	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	अनु0 9:16 तक
02/05/2018	शु.ज्येष्ठ	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	
15/06/2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	2	शुक्र	आर्द्रा	मिथुन संक्रान्ति
22/06/2018	शु.ज्येष्ठ	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
30/01/2019	माघ	कृष्ण	10	बुध	अनुराधा	भद्रा 15:24 तक
11/02/2019	माघ	शुक्ल	6	सोम	अश्विनी	
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	

लग्नशुद्धि- 2, 3, 6, 9, 12 राशि के लग्नों में। लग्न से 3,6,11 में पापग्रह तथा 1,4,5,7,9,10 स्थानों में शुभग्रह विशेष शुभ।

नामकरण संस्कार मुहूर्त्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	02	सोम	रेवती	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	06	शुक्र	रोहिणी	
26/03/2018	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुनर्वसु	
02/04/2018	वैशाख	कृष्ण	02	सोम	स्वाती	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	05	गुरु	अनुराधा	
11/04/2018	वैशाख	कृष्ण	10/11	बुध	धनिष्ठा	भद्रा 06:45 तक
12/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11/12	गुरु	शतभिषा	
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	05	शुक्र	मृगशीर्ष	
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12/13	शुक्र	उत्तराफाल्गुनी	
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	02/03	बुध	अनुराधा	भद्रा 20:21 से
07/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	07	सोम	श्रवण	
10/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	भद्रा 11:21 से
14/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	01	गुरु	मृगशीर्ष	
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
11/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	13	बुध	मृगशिरा	भद्रा 15:41 से 25:52 तक
13/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	01	शुक्र	पुनर्वसु	प्रतिपदा 8:18 से
18/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	06	बुध	उत्तराफाल्गुनी	
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	07	गुरु	हस्त/चित्रा	भद्रा 13:23 से 25:17 तक
23/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	11	सोम	अनुराधा	भद्रा 16:19 तक
02/08/2018	श्रावण	कृष्ण	05	गुरु	उत्तराभाद्रपदा	

03/08/2018	श्रावण	कृष्ण	06	शुक्र	रेवती	भद्रा 12:17 से 24:16 तक
08/08/2018	श्रावण	कृष्ण	12	बुध	मृगशिरा	
15/08/2018	श्रावण	शुक्ल	05	बुध	हस्त	
16/08/2018	श्रावण	शुक्ल	06	गुरु	चित्रा	
17/08/2018	श्रावण	शुक्ल	07	शुक्र	स्वाती	भद्रा 24:25 से
23/08/2018	श्रावण	शुक्ल	12	गुरु	उ.षा.	
24/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा./श्रवण	
27/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	01	सोम	शतभिषा	
29/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	03	बुध	उ.भा.	भद्रा 09:20 से 21:52 तक
31/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	05	शुक्र	अश्विनी	
06/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	11	गुरु	पुनर्वसु	
07/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	12	शुक्र	पुष्य	
10/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	01	सोम	उ.फा.	
12/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	03	बुध	चित्रा	भद्रा 27:17 से
20/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	11	गुरु	उ.षा.	भद्रा 12:00 से 25:22 तक
21/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	12	शुक्र	श्रवण	
10/10/2018	आश्विन	शुक्ल	01/02	बुध	चित्रा	
11/10/2018	आश्विन	शुक्ल	03	गुरु	स्वाती	
19/10/2018	आश्विन	शुक्ल	10	शुक्र	धनिष्ठा	
25/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	01	गुरु	अश्विनी	अश्वि 09:27 तक
31/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	07	बुध	पुष्य	
05/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	13	सोम	हस्त	भद्रा 23:36 से
09/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	02	शुक्र	अनुराधा	
14/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	07	बुध	श्रवण	
19/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	11	सोम	उ.भा.	भद्रा 14:40 तक
21/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	13	बुध	अश्विनी	
28/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	06	बुध	पुष्य	पुष्य 08:09 तक
03/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा	
12/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	05	बुध	श्रवण	
13/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	06	गुरु	धनिष्ठा	
14/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	07	शुक्र	शतभिषा	
24/12/2018	पौष	कृष्ण	02	सोम	पुनर्वसु	भद्रा 27:24 से
31/!2/2018	पौष	कृष्ण	10	सोम	चित्रा	भद्रा 12:57 से 24:48 तक
03/01/2019	पौष	कृष्ण	13	गुरु	अनुराधा	अनुराधा!1:01 तक
09/01/2019	पौष	शुक्ल	03	बुध	धनिष्ठा	

18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	
21/01/2019	माघ	कृष्ण	01	सोम	पुष्य	प्रतिपदा 10:46 से
25/01/2019	माघ	कृष्ण	05	शुक्र	उ.फा.	
30/01/2019	माघ	कृष्ण	10	बुध	अनुराधा	भद्रा 15:24 तक
06/02/2019	माघ	शुक्ल	02	बुध	धनिष्ठा	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	02/03	गुरु	शतभिषा	
11/02/2019	माघ	शुक्ल	06	सोम	अश्विनी	
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	02	गुरु	उ.फा.	
22/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	03	शुक्र	हस्त	भद्रा 10:47 तक
04/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	13	सोम	श्रवण	भद्रा 16:30 से
08 मार्च 2019	फाल्गुन	शुक्ल	02	शुक्र	उ.भा.	
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	07	बुध	रोहिणी	
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	02	शुक्र	हस्त/चित्रा	
01/04/2019	चैत्र	कृष्ण	12	सोम	धनिष्ठा	

विशेष जन्म के 11 एवं 12 दिन के पश्चात् तिथि. वार. नक्षत्र का विचार कर ही मुहूर्त्त निश्चित करना चाहिये।

अन्नप्राशन संस्कार मुहूर्त्त 2018-19

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	6	शुक्र	रोहिणी	
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगसिरा	
30/04/2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	7	गुरु	हस्त	भद्रा 13:26 से
15/08/2018	श्रावण	शुक्ल	5	बुध	हस्त	
17/08/2018	श्रावण	शुक्ल	7	शुक्र	स्वाती	
24/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा./श्रवण	
12/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	3	बुध	चित्रा	
24/10/2018	आश्विन	शुक्ल	15	बुध	रेवती	भद्रा 10:44 तक
09/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	
15/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	7	गुरु	श्रवण	भद्रा 7:00 बजे तक
12/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5	बुध	श्रवण	
17/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	सोम	रेवती	दशमी 07:30 से
07/01/2019	पौष	शुक्ल	1/2	सोम	उ.षा.	

09/01/2019	पौष	शुक्ल	3	बुध	धनिष्ठा	
21/01/2019	पौष	शुक्ल	15	सोम	पुष्य	विष्कु.10:34 तक
06/02/2019	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनिष्ठा	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	3	गुरु	शतभिषा	शिवयोग 10:45 से
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	3	शुक्र	उ.भा.	तृतीया 10:15 तक
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	विष्कु. 14:09 तक

लग्नशुद्धि विचार केन्द्र, त्रिकोण एवं तृतीय में शुभग्रह, दशम शुद्ध (ग्रहरहित), 3,6,11 में पाप ग्रह शुभ हैं। 1, 6, 8 भावों में चन्द्र नहीं होना चाहिए।

चूडाकर्म(मुण्डन) मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	
07/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	7	सोम	श्रवण	
10/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	भद्रा 11:21 से
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
11/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	13	बुध	मृगशिरा	भद्रा 15:41 से
31/01/2019	माघ	कृष्ण	11	गुरु	ज्येष्ठा	
06/02/2019	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनिष्ठा	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	2/3	गुरु	शतभिषा	
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	

04/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	13	सोम	श्रवण	भद्रा 16:30 से

लग्नशुद्धि विचार 2, 3, 4, 6, 7, 9, 12 लग्नों में इन्हीं नवांशों में, लग्न व राशि से अष्टम लग्न को छोड़कर, अष्टम शुद्ध (ग्रहरहित), एवं 3,6,11 भावों में पाप ग्रह।

विद्यारम्भ मुहूर्त

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
18/03/2018	चैत्र	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
20/03/2018	चैत्र	शुक्ल	3	मंगल	अश्विनी	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	6	शुक्र	रोहिणी	
28/03/2018	चैत्र	शुक्ल	12	बुध	आश्लेषा	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	अनु. 09:16 तक
11/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	भद्रा 06:45 तक
12/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11/12	गुरु	शतभिषा	
13/04/2018	वैशाख	कृष्ण	12/13	शुक्र	पू.भा.	
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	05	शुक्र	मृगशिरा	
26/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	पू.फा.	भद्रा 09:20 तक
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	
06/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	6	रवि	उ.षा.	भद्रा 15:54 से

10/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	भद्रा 11:21 से
11/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	11	शुक्र	पू.भा.	वैधृति
15/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	2	शुक्र	आर्द्रा	
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
01/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	3	रवि	श्रवण	
04/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	6	बुध	पू.भा.	
08/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	10	रवि	अश्विनी	अश्वि.07:41 तक
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	
25/01/2019	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा.	
30/01/2019	माघ	कृष्ण	10	बुध	अनुराधा	
01/02/2019	माघ	कृष्ण	12	शुक्र	मूल	
06/02/2019	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनि./शत.	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	3	गुरु	शतभिषा	
08/02/2019	माघ	शुक्ल	3	शुक्र	पू.भा.	तृतीया 10:15 तक
10/02/2019	माघ	शुक्ल	5	रवि	रेवती	
17/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	12	रवि	पुष्य	
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	
31/03/2019	चैत्र	कृष्ण	11	रवि	श्रवण	

लग्नशुद्धि- लग्न से केन्द्र और त्रिकोण में शुभग्रह तथा 3 , 6, 11 में पापग्रह प्रशस्त।

विपणि(दुकान/व्यापार) आरम्भ का मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
18/03/2018	चैत्र	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	7	शुक्र	रोहिणी	सप्तमी 12:09 से
24/03/2018	चैत्र	शुक्ल	7	शनि	मृगशिरा	भद्रा 10:10 से
31/03/2018	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	हस्त	भद्रा 6:47 तक
01/04/2018	वैशाख	कृष्ण	1	रवि	चित्रा	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	अनु. 09:16 तक, व्यतीपात योग
14/04/2018	वैशाख	कृष्ण	13	शनि	उ.भा.	भद्रा 09:16 से
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	
23/04/2018	वैशाख	शुक्ल	8	सोम	पुष्य	
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	उ.फा.	
28/04/2018	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	हस्त	त्रयोदशी 07:14 तक
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	
06/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	6	रवि	उ.षा.	

12/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	12	शनि	उ.भा.	
13/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	13	रवि	रेवती	
16/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	1	बुध	रोहिणी	रोहिणी 08:59 से
17/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	2	गुरु	रो./मृग.	
20/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	6	रवि	पुष्य	
24/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	10	गुरु	उ.फा.	
26/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	12	शनि	चित्रा	
03/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	5	रवि	उ.षा.	
09/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	11	शनि	रेवती	भद्रा 13:10 तक
10/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	11/12	रवि	अश्विनी	
14/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	1	गुरु	मृगशिरा	
16/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	3	शनि	पुनर्वसु	
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
30/06/2018	आषाढ़	कृष्ण	2	शनि	उ.षा.	
06/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	8	शुक्र	उ.भा./रेवती	
08/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	10	रवि	अश्विनी	अश्वि.07:41 तक
11/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	13	बुध	मृगशिरा	भद्रा 15:41 से
14/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	2	शनि	पुष्य	

18/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	6	बुध	उ.फा.	
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	हस्त/चित्रा	भद्रा 13:26 से
20/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	8	शुक्र	चित्रा	चित्रा 08:05 तक
02/08/2018	श्रावण	कृष्ण	5	गुरु	उ.भा.	
03/08/2018	श्रावण	कृष्ण	6	शुक्र	रेवती	भद्रा 12:17 से
04/08/2018	श्रावण	कृष्ण	7	शनि	अश्विनी	अश्वि.15:12 तक
08/08/2018	श्रावण	कृष्ण	12	बुध	मृगशिरा	
15/08/2018	श्रावण	शुक्ल	5	बुध	हस्त/चित्रा	
16/08/2018	श्रावण	शुक्ल	6	गुरु	चित्रा	
23/08/2018	श्रावण	शुक्ल	12/13	गुरु	उ.षा.	
24/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा.	उ.षा. 06:51तक
29/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	3	बुध	उ.भा.	भद्रा 09:20 से
31/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	5	शुक्र	अश्विनी	
3/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	8	सोम	रोहिणी	
7/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	12	शुक्र	पुष्य	
10/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	1	सोम	उ.फा.	
12/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	3	बुध	चित्रा	
15/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	6	शनि	अनुराधा	
20/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	11	गुरु	उ.षा.	

10/10/2018	आश्विन	शुक्ल	1/2	बुध	चित्रा	
13/10/2018	आश्विन	शुक्ल	5	शनि	अनुराधा	
17/10/2018	आश्विन	शुक्ल	8	बुध	उ.षा.	
24/10/2018	आश्विन	शुक्ल	15	बुध	अश्विनी	भद्रा 10:44 तक
25/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	1	गुरु	अश्विनी	
31/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	7	बुध	पुष्य	सप्तमी11:11 तक
04/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	12	रवि	उ.फा.	
05/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	13	सोम	हस्त	
09/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	
21/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	13	बुध	अश्विनी	
24/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1/2	शनि	रोहिणी	
25/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	रवि	मृगशिरा	
28/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6	बुध	पुष्य	पुष्य 08:09 तक
03/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा	
17/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	सोम	रेवती	दशमी 07:30 से
22/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	शनि	मृगशिरा	भद्रा 13:06 तक
29/12/2018	पौष	कृष्ण	8	शनि	उ.फा.	
31/12/2018	पौष	कृष्ण	10	सोम	चित्रा	चित्रा 08:13 तक,
02/01/2019	पौष	कृष्ण	12	बुध	विशाखा/अनु.	
03/01/2019	पौष	कृष्ण	13	गुरु	अनुराधा	अनु. 11:01 तक
07/01/2019	पौष	शुक्ल	1/2	सोम	उ.षा.	
12/01/2019	पौष	शुक्ल	6	शनि	उ.भा.	उ.भा. 08:41 से
13/01/2019	पौष	शुक्ल	7	रवि	उ.भा.	
14/01/2019	पौष	शुक्ल	8	सोम	रेवती	भद्रा 12:34 तक, मकरसंक्रान्ति
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी/मृग.	
19/01/2019	पौष	शुक्ल	13	शनि	मृगशिरा	मृग. 10/31 तक
21/01/2019	पौष	शुक्ल	15	सोम	पुष्य	पूर्णिमा 10:46 तक
25/01/2019	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा.	
26/01/2019	माघ	कृष्ण	6	शनि	हस्त/चि.	भद्रा 16:05 से
27/01/2019	माघ	कृष्ण	7	रवि	चित्रा	
10/02/2019	माघ	शुक्ल	5/6	रवि	रेवती/अश्वि.	
11/02/2019	माघ	शुक्ल	6	सोम	अश्विनी	
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	
23/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	5	शनि	चित्रा	पंचमी 08:10 से
02/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	11	शनि	उ.षा.	
03/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	12	रवि	उ.षा.	उ.षा. 09:02 तक

08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
09/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	3	शनि	रेवती	
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	
17/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	11	रवि	पुष्य	भद्रा 10:34 से
21/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	15	गुरु	उ.फा.	होली
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	
23/03/2019	चैत्र	कृष्ण	3	शनि	चित्रा	चित्रा 09:04 तक
30/03/2019	चैत्र	कृष्ण	10	शनि	उ.षा.	भद्रा 13:53 से

लग्नशुद्धि विचार - कुम्भ लग्न छोड़कर अन्य लग्नों में केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) एवं द्वितीय में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 4, 8 शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ ।

बीजोप्ति(बीज बोने का) मुहूर्त 2018-19

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
18/03/2018	चैत्र	शुक्ल	1	रवि	उ.भा.	
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	7	शुक्र	रोहिणी	सप्तमी 12:09 से
29/03/2018	चैत्र	शुक्ल	13	गुरु	मघा	मघा 08:42 तक
31/03/2018	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	हस्त	भद्रा 6:47 तक
01/04/2018	वैशाख	कृष्ण	1	रवि	चित्रा	
02/04/2018	वैशाख	कृष्ण	2	सोम	स्वाती	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	अनु. 09:16 तक, व्यतीपात योग
07/04/2018	वैशाख	कृष्ण	7	शनि	मूल	भद्रा 10:06 तक
11/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	भद्रा 06:45 तक
14/04/2018	वैशाख	कृष्ण	13	शनि	उ.भा.	भद्रा 09:16 से
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	
25/04/2018	वैशाख	शुक्ल	10	बुध	मघा	
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12/13	शुक्र	उ.फा.	
28/04/2018	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	हस्त	त्रयो. 07:14 तक
30/04/2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	
12/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	12	शनि	उ.भा./रेवती	
13/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	13	रवि	रेवती	
17/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	2	गुरु	रो./मृग.	
24/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	10	गुरु	उ.फा.	
26/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	12	शनि	चित्रा	
27/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	13	रवि	स्वाती	
31/05/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	2/3	गुरु	मूल	
03/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	5	रवि	उ.षा.	

09/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	10	शनि	रेवती	भद्रा 13:10 तक
10/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	11/12	रवि	अश्विनी	
14/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	1	गुरु	मृगशिरा	
18/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	5	सोम	मघा	पंचमी 08:54 तक
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
23/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	11	शनि	स्वाती	भद्रा 15:06 से
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
28/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	15	गुरु	मूल	मूल 12:21 तक
30/06/2018	आषाढ़	कृष्ण	2	शनि	उ.षा.	
08/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	10	रवि	अश्विनी	भद्रा 12:45 से
11/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	13	बुध	मृगशिरा	भद्रा 15:41 से
14/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	2	शनि	पुष्य	
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	ह./चित्रा	भद्रा 13:26 से
25/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	13	बुध	मूल	
29/07/2018	श्रावण	कृष्ण	2	रवि	धनिष्ठा	
30/07/2018	श्रावण	कृष्ण	2/3	सोम	धनिष्ठा	
02/08/2018	श्रावण	कृष्ण	5	गुरु	उ.भा.	
04/08/2018	श्रावण	कृष्ण	7	शनि	अश्विनी	सप्तमी12:15तक
08/08/2018	श्रावण	कृष्ण	12	बुध	मृगशिरा	

12/08/2018	श्रावण	शुक्ल	1/2	रवि	मघा	
15/08/2018	श्रावण	शुक्ल	5	बुध	हस्त	
17/08/2018	श्रावण	शुक्ल	7	शुक्र	स्वाती	
23/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	गुरु	उ.षा.	त्रयोदशी 10:21से
24/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा./श्रवण	
26/08/2018	श्रावण	शुक्ल	15	रवि	धनिष्ठा	
29/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	3	बुध	उ.भा.	भद्रा 09:20 से
31/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	5	शुक्र	अश्विनी	
07/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	12/13	शुक्र	पुष्य	
10/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	1	सोम	उ.फा.	
12/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	3	बुध	चित्रा	
20/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	11	गुरु	उ.षा.	भद्रा 12:00 से
22/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	13	शनि	धनिष्ठा	
10/10/2018	आश्विन	शुक्ल	1/2	बुध	चित्रा/स्वाती	
11/10/2018	आश्विन	शुक्ल	3	गुरु	स्वाती	
13/10/2018	आश्विन	शुक्ल	5	शनि	अनुराधा	
15/10/2018	आश्विन	शुक्ल	7	सोम	मूल	सप्तमी 08:01 से
19/10/2018	आश्विन	शुक्ल	10	शुक्र	धनिष्ठा	
22/10/2018	आश्विन	शुक्ल	13	सोम	उभा.	उ.भा. 07:37 से

24/10/2018	आश्विन	शुक्ल	15	बुध	अश्विनी	भद्रा 10:44 तक
25/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	1	गुरु	अश्विनी	अश्वि. 09:27तक
31/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	7	बुध	पुष्य	सप्तमी11:11 तक
02/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	10	शुक्र	मघा	दशमी 07:10 से
04/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	12	रवि	उ.फा.	
05/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	13	सोम	हस्त	
09/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	
19/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	12	सोम	उ.भा.	भद्रा 14:40 तक
21/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	13	बुध	अश्विनी	
24/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1/2	शनि	रोहिणी/मृग.	
25/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	3	रवि	मृगशिरा	
29/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	7	गुरु	मघा	भद्रा 07:43 तक
02/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	रवि	हस्त	भद्रा 13:53 तक
03/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा	
08/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1/2	शनि	मूल	
09/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	2	रवि	मूल	मूल 08:06 तक
17/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	सोम	रेवती	दशमी 07:30 से
22/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	15	शनि	मृगशिरा	भद्रा 13:06 तक
27/12/2018	पौष	कृष्ण	5	गुरु	मघा	पंचमी 08:04 तक
31/12/2018	पौष	कृष्ण	10	सोम	चित्रा	भद्रा 12:57 से
03/01/2019	पौष	कृष्ण	13	गुरु	अनुराधा	अनु. 11:01 तक
07/01/2019	पौष	शुक्ल	1/2	सोम	उ.षा.	
09/01/2019	पौष	शुक्ल	3	बुध	धनिष्ठा	
13/01/2019	पौष	शुक्ल	7	रवि	उ.भा.	उ.भा.11:09 तक
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	
19/01/2019	पौष	शुक्ल	13	शनि	मृगशिरा	
21/01/2019	पौष	शुक्ल	15	सोम	पुष्य	पूर्णिमा 10:46 तक
23/01/2019	माघ	कृष्ण	3	बुध	मघा	
25/01/2019	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा./हस्त	
27/01/2019	माघ	कृष्ण	7	रवि	चित्रा	
01/02/2019	माघ	कृष्ण	12	शुक्र	मूल	
10/02/2019	माघ	शुक्ल	5/6	रवि	रेवती	
14/02/2019	माघ	शुक्ल	10	गुरु	रोहिणी	दशमी 15:05 से
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	
20/022019	फाल्गुन	कृष्ण	1	बुध	मघा	मघा 08:01 तक
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	
23/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	5	शनि	चित्रा	पंचमी 08:10 से
28/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	10	गुरु	मूल	

02/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	11/12	शनि	उ.षा.	
03/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	12	रवि	उ.षा.	उ.षा. 09:02 तक
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
09/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	3	शनि	रेवती	
13/09/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	
17/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	11	रवि	पुष्य	भद्रा 10:34 से
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	
23/03/2019	चैत्र	कृष्ण	3	शनि	चित्रा	भद्रा 11:22 से
25/03/2019	चैत्र	कृष्ण	5	सोम	अनुराधा	अनुराधा 07:03 से
30/03/2019	चैत्र	कृष्ण	10	शनि	उ.षा.	भद्रा 13:53 से
01/04/2019	चैत्र	कृष्ण	12	सोम	धनिष्ठा	

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (राहुचक्र से)**राहुचक्रशुद्धि विचार** - राहु जिस नक्षत्र में है, उस नक्षत्र से बीज वपन दिन के नक्षत्र तक 27 नक्षत्रों को गिनने पर यदि 1-8 नक्षत्र हों तो अशुभ, उससे आगे के 9-11 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 12वां नक्षत्र अशुभ, पुन: आगे के 13-15 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 16वां नक्षत्र अशुभ, फिर आगे के 17-19 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 20वां नक्षत्र अशुभ, पुन: आगे के 21-23 नक्षत्र शुभ तथा अन्तिम 24-27 नक्षत्र अशुभ होते हैं। **जैसे**-राहु नक्षत्र पुनर्वसु है, तथा बीजवपन के दिन का नक्षत्र अनुराधा है। पुनर्वसु से अनुराधा गिनने पर 11 संख्या प्राप्त हुई। तो शुभ है। अत: इस दिन चक्रशुद्धि जाननी चाहिए।

हलप्रवहण (हल जोतने का) मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
20/03/2018	चैत्र	शुक्ल	3	मंगल	अश्विनी	
23/03/2018	चैत्र	शुक्ल	7	शुक्र	रोहिणी	सप्तमी 12:09 से
26/03/2018	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुनर्वसु	
27/03/2018	चैत्र	शुक्ल	11	मंगल	पुष्य	पुष्य 11:30 तक
29/03/2018	चैत्र	शुक्ल	13	गुरु	मघा	मघा 08:42 तक
31/03/2018	चैत्र	शुक्ल	15	शनि	हस्त	भद्रा 6:47 तक
02/04/2018	वैशाख	कृष्ण	2	सोम	स्वाती	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	अनु. 09:16 तक, व्यतीपात योग
10/04/2018	वैशाख	कृष्ण	10	मंगल	श्रवण	भद्रा 17:46 से
11/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11	बुध	धनिष्ठा	भद्रा 06:45 तक
12/04/2018	वैशाख	कृष्ण	11/12	गुरु	शतभिषा	
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	
25/04/2018	वैशाख	शुक्ल	10	बुध	मघा	
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	उ.फा.	
30/04/2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	

01/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	1/2	मंगल	विशाखा	
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	
07/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	7	सोम	श्रवण	
10/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	भद्रा 11:21 से
17/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	2	गुरु	रो./मृग.	
24/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	10	गुरु	उ.फा.	
29/05/2018	अधि.ज्ये.	शुक्ल	15	मंगल	अनुराधा	भद्रा 07:07 तक
31/05/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	2/3	गुरु	मूल	
04/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	5	सोम	श्रवण	पंचमी 6:48 तक,
06/06/2018	अधि.ज्ये.	कृष्ण	8	बुध	शतभिषा	सप्तमी 11:18तक
14/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	1	गुरु	मृगशिरा	
18/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	5/6	सोम	मघा	
22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
25/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	13	सोम	अनुराधा	
28/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	15	गुरु	मूल	
03/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	5	मंगल	शतभिषा	
10/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	12	मंगल	रोहिणी	
11/07/2018	आषाढ़	कृष्ण	13	बुध	मृगशिरा	भद्रा 15:41 से
19/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	हस्त/चित्रा	भद्रा 13:26 से
25/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	13	बुध	मूल	
30/07/2018	श्रावण	कृष्ण	2/3	सोम	धनि./शत.	
02/08/2018	श्रावण	कृष्ण	5	गुरु	उ.भा.	
07/08/2018	श्रावण	कृष्ण	10/11	मंगल	रोहिणी	भद्रा 07:55 तक
08/08/2018	श्रावण	कृष्ण	12	बुध	मृगशिरा	
15/08/2018	श्रावण	शुक्ल	5	बुध	हस्त	
17/08/2018	श्रावण	शुक्ल	7	शुक्र	स्वाती	
21/08/2018	श्रावण	शुक्ल	11	मंगल	मूल	भद्रा 18:20 से
23/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	गुरु	उ.षा.	त्रयोदशी 10:21से
24/08/2018	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा./श्रवण	
27/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	1	सोम	शतभिषा	
29/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	3	बुध	उ.भा.	भद्रा 09:20 से
31/08/2018	भाद्रपद	कृष्ण	5	शुक्र	अश्विनी	
6/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	11	गुरु	पुनर्वसु	
7/09/2018	भाद्रपद	कृष्ण	12	शुक्र	पुष्य	
10/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	1	सोम	उ.फा.	
11/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	2	मंगल	हस्त	
12/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	3	बुध	चित्रा	
20/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	11	गुरु	उ.षा.	

21/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	12	शुक्र	श्रवण	
25/09/2018	भाद्रपद	शुक्ल	15	मंगल	उ.भा.	पूर्णिमा 08:22 तक
10/10/2018	आश्विन	शुक्ल	1/2	बुध	चित्रा	
11/10/2018	आश्विन	शुक्ल	3	गुरु	स्वाती	
15/10/2018	आश्विन	शुक्ल	7	सोम	मूल	सप्तमी 08:01 से
19/10/2018	आश्विन	शुक्ल	10	शुक्र	धनिष्ठा	
22/10/2018	आश्विन	शुक्ल	13	सोम	उभा.	उ.भा. 07:37 से
24/10/2018	आश्विन	शुक्ल	15	बुध	अश्विनी	भद्रा 10:44 तक
25/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	1	गुरु	अश्विनी	
31/10/2018	कार्तिक	कृष्ण	7	बुध	पुष्य	सप्तमी 11:11तक
02/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	10	शुक्र	मघा	दशमी 07:10 से
05/11/2018	कार्तिक	कृष्ण	13	सोम	हस्त	
09/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	
14/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	7	बुध	श्रवण	
19/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	12	सोम	उ.भा.	भद्रा 14:40 तक
20/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	12	मंगल	रेवती	
21/11/2018	कार्तिक	शुक्ल	13	बुध	अश्विनी	
27/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	5	मंगल	पुनर्वसु	
29/11/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	7	गुरु	मघा	भद्रा 07:43 तक

03/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा	
04/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	12	मंगल	स्वाती	
05/12/2018	मार्गशीर्ष	कृष्ण	13	बुध	विशाखा	भद्रा 11:56 से
12/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5/6	बुध	धनिष्ठा	
14/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	शुक्र	शतभिषा	
17/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10	सोम	रेवती	दशमी 07:30 से
18/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	10/11	मंगल	अश्विनी	भद्रा 19:47 से
24/12/2018	पौष	कृष्ण	2	सोम	पुनर्वसु	
27/12/2018	पौष	कृष्ण	5	गुरु	मघा	पंचमी 08:04 तक
31/12/2018	पौष	कृष्ण	10	सोम	चित्रा	भद्रा 12:57 से
01/01/2019	पौष	कृष्ण	11	मंगल	स्वाती	
02/01/2019	पौष	कृष्ण	12	बुध	विशाखा	
03/01/2019	पौष	कृष्ण	13	गुरु	अनुराधा	अनु. 11:01 तक
07/01/2019	पौष	शुक्ल	1/2	सोम	उ.षा.	
08/01/2019	पौष	शुक्ल	2	मंगल	श्रवण	
09/01/2019	पौष	शुक्ल	3	बुध	धनिष्ठा	
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	
21/01/2019	पौष	शुक्ल	15	सोम	पुष्य	पूर्णिमा 10:46 तक
23/01/2019	माघ	कृष्ण	3	बुध	मघा	

25/01/2019	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा./हस्त	
01/02/2019	माघ	कृष्ण	12	शुक्र	मूल	
05/02/2019	माघ	शुक्ल	1	मंगल	धनिष्ठा	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	2/3	गुरु	शतभिषा	
14/02/2019	माघ	शुक्ल	10	गुरु	रोहिणी	दशमी 15:05 से
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	
20/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	1	बुध	मघा	मघा 08:01 तक
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	
28/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	10	गुरु	मूल	
04/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	13	सोम	श्रवण	भद्रा 16:30 से
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	
19/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	13	मंगल	मघा	
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	
25/03/2019	चैत्र	कृष्ण	5	सोम	विशा./अनुराधा	
01/04/2019	चैत्र	कृष्ण	12	सोम	धनिष्ठा	
02/04/2019	चैत्र	कृष्ण	12/13	मंगल	शतभिषा	

त्याज्य- भद्रा, अशुभयोग, चक्र अशुद्धि (हलचक्र)। **हलचक्रशुद्धिविचार** - सूर्य के गतनक्षत्र से हल चलाने के दिन के नक्षत्र तक अभिजित् सहित 28नक्षत्रों को गिनने पर 1-3 नक्षत्र अशुभ, उसके आगे 4-11 नक्षत्र शुभ, अग्रिम 12-20 नक्षत्र अशुभ, फिर आगे के 21-28 नक्षत्र गिनने पर शुभ होते हैं।**जैसे**-सूर्य अश्विनी नक्षत्र में स्थित है तो सूर्य का गतनक्षत्र रेवती हुआ। यदि हलप्रवहण के दिन का नक्षत्र धनिष्ठा है, तो रेवती से धनिष्ठा तक अभिजित् सहित गणना करने पर 25 वां नक्षत्र हुआ। जो 21से 28 नक्षत्रों के अन्तर्गत है। जो शुभ है। अत: चक्रशुद्धि जाननी चाहिए। **लग्नशुद्धि विचार** - 2, 3, 6, 8, 9, 12 राशि के लग्न शुभ। 1, 4, 5, 7, 10, 11 लग्नों में अशुभ। लग्न में गुरु, जलचर नवांश में चन्द्र की स्थिति एवं चन्द्र शुक्र बली हो ।

उपनयन(जनेऊ)संस्कार मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
19/03/2018	चैत्र	शुक्ल	2	सोम	रेवती	
26/03/2018	चैत्र	शुक्ल	10	सोम	पुनर्वसु	
28/03/2018	चैत्र	शुक्ल	12	बुध	आश्लेषा	आश्ले.10:04 तक
02/04/2018	वैशाख	कृष्ण	2	सोम	स्वाती	
05/04/2018	वैशाख	कृष्ण	5	गुरु	अनुराधा	अनु. 09:16 तक, व्यतीपात योग
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	
26/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	पू.फा.	भद्रा 09:20 तक
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	13	शुक्र	उ.फा.	त्रयोदशी 08:09 से
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	भद्रा 20:21 से
17/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	5	रवि	आश्लेषा	भद्रा 11:36 तक

22/06/2018	शु.ज्ये.	शुक्ल	10	शुक्र	चित्रा	
15/07/2018	आषाढ़	शुक्ल	3	रवि	आश्लेषा	
18/01/2019	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	
25/01/2019	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा.	
06/02/2019	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनि./शत.	
07/02/2019	माघ	शुक्ल	3	गुरु	शतभिषा/पू.भा.	
08/02/2019	माघ	शुक्ल	3	शुक्र	पू.भा.	तृतीया 10:15 तक
10/02/2019	माघ	शुक्ल	5	रवि	रेवती	
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	
17/02/2019	माघ	शुक्ल	12	रवि	पुनर्वसु	द्वादशी 08:09 तक
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
17/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	11	रवि	पुष्य	भद्रा 10:34 से
18/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	12	सोम	आश्लेषा	
22/03/2019	चैत्र	कृष्ण	2	शुक्र	हस्त	
25/03/2019	चैत्र	कृष्ण	5	सोम	अनुराधा	अनुराधा 07:03 से

लग्नशुद्धि विचार- शुक्र, गुरु चन्द्र और लग्नेश लग्न से 6, 8 स्थानों में, चन्द्र व शुक्र 12 वें स्थान में, पापग्रह 1, 5, 8 में विशेष अशुभ होते हैं। 6, 8, 12 को छोड़कर अन्य भावों में शुभग्रह, तथा 3,6,11 भावों में पाप ग्रह एवं कर्क एवं वृष राशि का चन्द्र लग्नस्थ हो तो शुभ होता है। त्रिबल (चन्द्र, गुरु एवं सूर्य) शुद्धि का विचार अवश्य करना चाहिये।

द्विरागमन मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	भद्रादि विवरण
20/04/2018	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	
23/04/2018	वैशाख	शुक्ल	8	सोम	पुष्य	
27/04/2018	वैशाख	शुक्ल	12/13	शुक्र	उ.फा./हस्त	
30/04/2018	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	
02/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	भद्रा 20/21 से
04/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	5	शुक्र	मूल	पंचमी 10:58 से
07/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	7	सोम	श्रवण	
10/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	भद्रा 11:21 से
11/05/2018	शु.ज्ये.	कृष्ण	11	शुक्र	उ.भा.	उ.भा. 13:35 से, वैधृति 13:55 तक
12/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5/6	बुध	श्रव./धनि.	
13/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	गुरु	धनिष्ठा	धनि. 19:42 तक
14/12/2018	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	शुक्र	शतभिषा	
14/02/2019	माघ	शुक्ल	10	गुरु	रोहिणी	दशमी 15:05 से
15/02/2019	माघ	शुक्ल	10/11	शुक्र	मृगशिरा	भद्रा 24:14 से
21/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	2/3	गुरु	उ.फा.	भद्रा 24:23 से
28/02/2019	फाल्गुन	कृष्ण	10	गुरु	मूल	भद्रा 19:21 से

04/03/2019	फाल्गुन	कृष्ण	13	सोम	श्रव./धनि.	भद्रा 16:30 से
08/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	
13/03/2019	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	भद्रा 28:56 से

लग्नशुद्धिविचार -2, 3, 6, 7, 12 लग्नों में। जन्मराशि से रवि व गुरुशुद्धि आवश्यक।

गृहारम्भ मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशुद्धि	भद्रादि विवरण
14/04/18	वैशाख	कृष्ण	13	शनि	उ.भा.	अशुद्ध	भद्रा09:16 से, मेष संक्रा. दोष
20/04/18	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	अशुद्ध	
23/04/18	वैशाख	शुक्ल	8	सोम	पुष्य	शुद्ध	शूलयोग
26/04/18	वैशाख	शुक्ल	12	गुरु	पू.फा./उ.फा.	शुद्ध	
27/04/18	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	उ.फा./हस्त	शुद्ध	व्या.यो.14:39तक
28/04/18	वैशाख	शुक्ल	13	शनि	हस्त	शुद्ध	त्रयो. 07:14 तक
30/04/18	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	शुद्ध	पूर्णिम.06:30तक
02/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	शुद्ध	भद्रा 20:21 से
07/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	7	सोम	श्रवण	अशुद्ध	
10/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	अशुद्ध	भद्रा 11:21 से
11/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	11	शुक्र	उ.भा.	अशुद्ध	उ.भा. 13:35 से, वै. व विष्कु. योग
12/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	12	शनि	उ.भा./रेव.	अशुद्ध	विष्कु.12:39तक
14/06/18	शु.ज्ये.	शुक्ल	1	गुरु	मृगशिरा	अशुद्ध	शूल व गण्डयोग
18/07/18	आषाढ़	शुक्ल	6	बुध	उ.फा./ह.	अशुद्ध	
19/07/18	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	हस्त/चित्रा	अशुद्ध/शुद्ध	भद्रा13:26से
25/07/18	आषाढ़	शुक्ल	13	बुध	मूल	शुद्ध	
27/07/18	आषाढ़	शुक्ल	15	शुक्र	उ.षा.	शुद्ध	भद्रा 12:32 तक, विष्कु.10:55तक
30/07/18	श्रावण	कृष्ण	2/3	सोम	धनि./शत.	शुद्ध	भद्रा 19:38 से
01/08/18	श्रावण	कृष्ण	5	बुध	उ.भा.	अशुद्ध	उ.भा. 11:27 से, अति.14:48 तक
02/08/18	श्रावण	कृष्ण	5	गुरु	उ.भा.	अशुद्ध	
03/08/18	श्रावण	कृष्ण	6	शुक्र	रेवती	अशुद्ध	भद्रा 12:17 से
04/08/18	श्रावण	कृष्ण	7	शनि	अश्विनी	अशुद्ध	अश्वि. 15:12 तक, शूल योग
06/08/18	श्रावण	कृष्ण	10	सोम	रोहिणी	अशुद्ध	रोहि.14:18 से, भद्रा 20:58 से
08/08/18	श्रावण	कृष्ण	12	बुध	मृगशिरा	अशुद्ध	मृग 10:51 तक
09/08/18	श्रावण	कृष्ण	13	गुरु	पुनर्वसु	अशुद्ध	पुन. 08:26 से, वज्रयोग, भद्रा 23:01 से
15/08/18	श्रावण	शुक्ल	5	बुध	हस्त/चित्रा	अशुद्ध	

16/08/18	श्रावण	शुक्ल	6	गुरु	चित्रा/स्वा.	अशुद्ध	
17/08/18	श्रावण	शुक्ल	7	शुक्र	स्वाती	अशुद्ध	भद्रा 24:25 से, सिंह संक्रान्ति दोष
20/08/18	श्रावण	शुक्ल	10	सोम	ज्येष्ठा	शुद्ध	वै. व विष्कु.योग
23/08/18	श्रावण	शुक्ल	12/13	गुरु	उ.षा.	शुद्ध	
24/08/18	श्रावण	शुक्ल	13	शुक्र	उ.षा./श्रव	अशुद्ध	
29/08/18	भाद्रपद	कृष्ण	3	बुध	उ.भा./रेव.	शुद्ध/अशुद्ध	भद्रा 09:20 से, शूलयोग
31/08/18	भाद्रपद	कृष्ण	5	शुक्र	अश्विनी	अशुद्ध	
6/09/18	भाद्रपद	कृष्ण	11	गुरु	पुनर्वसु	अशुद्ध	
7/09/18	भाद्रपद	कृष्ण	12	शुक्र	पुष्य	अशुद्ध	
12/09/18	भाद्रपद	शुक्ल	3	बुध	चित्रा	अशुद्ध	तृतीया15:56तक
15/09/18	भाद्रपद	शुक्ल	6	शनि	अनुराधा	अशुद्ध	
09/11/18	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	अशुद्ध	
10/11/18	कार्तिक	शुक्ल	3	शनि	ज्येष्ठा	अशुद्ध	
14/11/18	कार्तिक	शुक्ल	7	बुध	श्रवण	शुद्ध	गण्डयोग
13/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	गुरु	धनि./शत.	अशुद्ध/शुद्ध	
14/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	शुक्र	शतभिषा	शुद्ध	वज्रयोग, भद्रा 28:25 से
18/01/19	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहिणी	शुद्ध	

25/01/19	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा.	शुद्ध	अतिगण्डयोग
26/01/19	माघ	कृष्ण	6	शनि	हस्त/चित्रा	अशुद्ध	भद्रा 16:05 से
30/01/19	माघ	कृष्ण	10	बुध	अनुराधा	अशुद्ध	भद्रा 15:24 तक
31/01/19	माघ	कृष्ण	11	गुरु	ज्ये./मूल	अशुद्ध	व्याघात योग
01/02/19	माघ	कृष्ण	12	शुक्र	मूल	अशुद्ध	
06/02/19	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनि./शत.	अशुद्ध	
07/02/19	माघ	शुक्ल	2/3	गुरु	शतभिषा	अशुद्ध	परिघ योग
11/02/19	माघ	शुक्ल	6	सोम	अश्विनी	अशुद्ध	
14/02/19	माघ	शुक्ल	10	गुरु	रोहिणी	शुद्ध	दशमी 15:05 से, वैधृति योग
15/02/19	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	शुद्ध	विष्कुम्भ योग, भद्रा 24:14 से
21/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	शुद्ध	भद्रा 24:23 से
22/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	3	शुक्र	हस्त	शुद्ध	भद्रा10:47तक, शूल योग
23/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	5	शनि	चित्रा	शुद्ध	पंचमी 08:10 से, गण्डयोग
28/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	10	गुरु	मूल	अशुद्ध	वज्र योग, भद्रा19:21से
02/03/19	फाल्गुन	कृष्ण	11	शनि	उ.षा.	अशुद्ध	व्यतीपात

04/03/19	फाल्गुन	कृष्ण	13	सोम	श्रव/धनि.	अशुद्ध	भद्रा 16:30 से, परिघ योग
08/03/19	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा.	अशुद्ध	
13/03/19	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	अशुद्ध	विष्कुम्भ योग, भद्रा 28:56 से

लग्नशुद्धि विचार - 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 राशि के लग्नों में, केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 8, 12 शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ है।

नूतनगृह प्रवेश हेतु प्रशस्त मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशुद्धि	भद्रादि विवरण
14/04/18	वैशाख	कृष्ण	13	शनि	उ.भा.	शुद्ध	भद्रा 09:16 से, मेष संक्रान्ति
20/04/18	वैशाख	शुक्ल	5	शुक्र	मृगशिरा	अशुद्ध	
23/04/18	वैशाख	शुक्ल	8	सोम	पुष्य	शुद्ध	
27/04/18	वैशाख	शुक्ल	12	शुक्र	उ.फा.	शुद्ध	
30/04/18	वैशाख	शुक्ल	15	सोम	स्वाती	अशुद्ध	
02/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	2	बुध	अनुराधा	अशुद्ध	भद्रा 20:21 से
07/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	7	सोम	श्रवण	अशुद्ध	
10/05/18	शु.ज्ये.	कृष्ण	10	गुरु	शतभिषा	शुद्ध	भद्रा 11:21 से
14/06/18	शु.ज्ये.	शुक्ल	1	गुरु	मृगशिरा	अशुद्ध	
14/01/19	पौष	शुक्ल	8	सोम	रेवती	शुद्ध	भद्रा 12:34 से, मकरसंक्रान्ति
17/01/19	पौष	शुक्ल	11/12	गुरु	रोहिणी	शुद्ध	भद्रा 23:01 तक
18/01/19	पौष	शुक्ल	12	शुक्र	रोहि./मृग.	शुद्ध	
19/01/19	पौष	शुक्ल	13	शनि	मृगशिरा	शुद्ध	मृग.10:31 तक
21/01/19	पौष/माघ	शु./कृ.	15/01	सोम	पुष्य	अशुद्ध	
25/01/19	माघ	कृष्ण	5	शुक्र	उ.फा.	अशुद्ध	
26/01/19	माघ	कृष्ण	6	शनि	हस्त/चित्रा	अशुद्ध	भद्रा 16:05 से
28/01/19	माघ	कृष्ण	8	सोम	स्वाती	अशुद्ध	
30/01/19	माघ	कृष्ण	11	बुध	अनुराधा	शुद्ध	भद्रा 15:24 तक
06/02/19	माघ	शुक्ल	2	बुध	धनि./शत.	अशुद्ध	
07/02/19	माघ	शुक्ल	2/3	गुरु	शतभिषा	अशुद्ध	
11/02/19	माघ	शुक्ल	6	सोम	अश्विनी	शुद्ध	
15/02/19	माघ	शुक्ल	10	शुक्र	मृगशिरा	शुद्ध	
21/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	2	गुरु	उ.फा.	अशुद्ध	
23/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	5	शनि	चित्रा	अशुद्ध	पंचमी 08:10 से
28/02/19	फाल्गुन	कृष्ण	10	गुरु	मूल	शुद्ध	भद्रा 19:21 से
08/03/19	फाल्गुन	शुक्ल	2	शुक्र	उ.भा./रेव.	अशुद्ध	
09/03/19	फाल्गुन	शुक्ल	3	शनि	रेवती	अशुद्ध	

13/03/19	फाल्गुन	शुक्ल	7	बुध	रोहिणी	शुद्ध	

लग्नशुद्धि विचार - 2, 3, 5, 6, 8, 9, 11, 12 लग्नों में, केन्द्र (1, 4, 7, 10), त्रिकोण (5, 9) में शुभग्रह, 3, 6, 11 में पाप ग्रह, 8, 12 स्थान शुद्ध (ग्रहरहित) शुभ है।

नूतनगृह प्रवेश हेतु मध्यम मुहूर्त 2018-19

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशुद्धि	भद्रादि विवरण
09/11/18	कार्तिक	शुक्ल	2	शुक्र	अनुराधा	अशुद्ध	
14/11/18	कार्तिक	शुक्ल	7	बुध	श्रवण	शुद्ध	
13/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	6	गुरु	धनि./शत.	शुद्ध	
14/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	शुक्र	शतभिषा	शुद्ध	

पुरातन/जीर्णगृह प्रवेश मुहूर्त 2018-19

(नोट- नूतनगृहप्रवेश हेतु कहे गये मुहूर्तों में भी जीर्णगृहप्रवेश होता है। इनके अतिरिक्त निम्नलिखित मुहूर्तों में भी जीर्णगृहप्रवेश प्रशस्त होता है।)

दिनांक	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	चक्रशुद्धि	भद्रादि विवरण
18/07/18	आषाढ़	शुक्ल	6	बुध	उ.फा.	शुद्ध	उ.फा.08:18तक
19/07/18	आषाढ़	शुक्ल	7/8	गुरु	चित्रा	शुद्ध	भद्रा 13:26 से 25:17 तक, चित्रा 07:51 से
20/07/18	आषाढ़	शुक्ल	7/8	शुक्र	चित्रा/स्वा.	शुद्ध	
25/07/18	आषाढ़	शुक्ल	13	बुध	मूल	शुद्ध	
28/07/18	श्रावण	कृष्ण	1	शनि	श्रवण	अशुद्ध	
30/07/18	श्रावण	कृष्ण	2/3	सोम	धनि./शत.	अशुद्ध	
02/08/18	श्रावण	कृष्ण	5	गुरु	उ.भा.	अशुद्ध	
03/08/18	श्रावण	कृष्ण	6	शुक्र	रेवती	अशुद्ध	भद्रा 12:17 से
04/08/18	श्रावण	कृष्ण	7	शनि	अश्विनी	अशुद्ध	अश्वि.15:12तक
15/08/18	श्रावण	शुक्ल	5	बुध	हस्त	अशुद्ध	
17/10/18	आश्विन	शुक्ल	8	बुध	उ.षा.	शुद्ध	तुला संक्रान्ति
19/10/18	आश्विन	शुक्ल	10	शुक्र	धनिष्ठा	शुद्ध	विजया दशमी
20/10/18	आश्विन	शुक्ल	11	शनि	शतभिषा	शुद्ध	भद्रा 07:09 से 20:14 तक
22/10/18	आश्विन	शुक्ल	13	सोम	उभा.	शुद्ध	उ.भा. 07:37 से
24/10/18	आश्विन	शुक्ल	15	बुध	अश्विनी	अशुद्ध	भद्रा 10:44 तक
25/10/18	कार्तिक	कृष्ण	1	गुरु	अश्विनी	अशुद्ध	अश्वि.09:27तक
31/10/18	कार्तिक	कृष्ण	7	बुध	पुष्य	अशुद्ध	सप्त. 11:11तक
15/11/18	कार्तिक	शुक्ल	7/8	गुरु	श्रव/धनि.	शुद्ध	
16/11/18	कार्तिक	शुक्ल	8	शुक्र	धनिष्ठा	शुद्ध	अष्ट.09:40तक, वृश्चि.संक्रान्ति
19/11/18	कार्तिक	शुक्ल	12	सोम	उ.भा.	शुद्ध	भद्रा 14:40 तक
21/11/18	कार्तिक	शुक्ल	13	बुध	अश्विनी	शुद्ध	व्यतिपात योग

23/11/18	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1	शुक्र	रोहिणी	अशुद्ध	रोहिणी 16:48 से
24/11/18	मार्गशीर्ष	कृष्ण	1/2	शनि	रोहि./मृग	अशुद्ध	
28/11/18	मार्गशीर्ष	कृष्ण	6	बुध	पुष्य	अशुद्ध	पुष्य 08:09 तक
03/12/18	मार्गशीर्ष	कृष्ण	11	सोम	चित्रा	शुद्ध	
08/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	1/2	शनि	मूल	अशुद्ध	
10/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	3	सोम	उ.षा.	अशुद्ध	उ.षा. 10:32 से
12/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	5/6	बुध	धनिष्ठा	शुद्ध	धनिष्ठा16:28 से
14/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	7	शुक्र	शतभिषा	शुद्ध	भद्रा 28:25 से
15/12/18	मार्गशीर्ष	शुक्ल	8	शनि	उ.भा.	शुद्ध	उ.भा.25:30 से

ध्रुवादि संज्ञक वार-नक्षत्र एवं कार्य

संज्ञा	वार	नक्षत्र	कार्य
ध्रुव/स्थिर	रवि	रोहिणी, उ.फा., उ.षा., उ.भा.	स्थिर-बीज-गृह-शान्ति वाटिकागमन
चर/चल	सोम	स्वाती, पुनर्वसु, धनिष्ठा शतभिषा	गजादि आरोहण, वाटिका भ्रमण
उग्र/क्रूर	मंगल	पू.फा., पू.षा., पू.भा. भरणी, मघा	घात, अग्नि, शाठ्य विष, शस्त्रादि प्रयोग
मिश्र/साधारण	बुध	विशाखा, कृत्तिका	अग्निकार्य, वृषोत्सर्ग मिश्रकार्य
क्षिप्र/लघु	गुरु	हस्त, अश्विनी, पुष्य अभिजित्	पण्य-रति-ज्ञान भूषा, शिल्प, कलादि
मृदु/मैत्र	शुक्र	मृग, रेवती, चित्रा अनुराधा	गीत, वस्त्र, क्रीडा, मित्र कार्य, भूषण
तीक्ष्ण/दारुण	शनि	मूल, ज्येष्ठ, आर्द्रा, आश्लेषा	घात, उग्र, पशुदमन आदि

विविध मुहूर्तों का विचार

गर्भाधान मुहूर्त

यह षोडश संस्कारों में प्रथम संस्कार हैं, क्योंकि जीवन का प्रारम्भ इसी से होता है।

निषिक्तो यत्प्रयोगेण गर्भ संधार्यते स्त्रिया।

तद्गर्भालम्भनं नामकर्म प्रोक्तं मनीषिभिः॥

रजोदर्शन प्रारम्भ से 4 रात्रि उपरान्त सम रात्रियों में रोहिणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा इन नक्षत्रों में मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर इन लग्नों में तथा लग्न से 3-6-11वें स्थान पर पाप ग्रह हो रवि, मंगल, और गुरु की लग्न पर दृष्टि, नवांश विषम राशि का हो (स्त्री का विशेष रूप से चन्द्र श्रेष्ठ हो) ऐसे समय का विचार कर गर्भाधान संस्कार करें। पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा नक्षत्रों में गर्भाधान मध्यम है।

श्रेष्ठ नक्षत्र - रोहणी, हस्त, मृगशिरा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा

मध्यम नक्षत्र - पुनर्वसु, अश्विनी, पुष्य, चित्रा

लग्न - मेष, कर्क, सिंह, धनु, मकर व लग्न से 3,6,11 वें पापग्रह

नवांश - 1, 3, 5, 7, 9, 11

रात्रियां रजोवर्शन से - 6, 8, 10, 12, 14, 16 वीं

पुंसवन तथा सीमन्तोन्नयन मुहूर्त

गर्भधारण का निश्चय हो जाने के पश्चात् शिशु को पुंसवन नामक संस्कार के द्वारा अभिषिक्त किया जाता है। इसका अभिप्राय पुमान् (पुरुष) का सवन (जन्म) हो।

पुमान् प्रसूयते येन कर्मणा तत् पुंसवनमीरितम्।

गर्भ के तृतीय मास में रवि, मंगल, गुरुवार को दम्पति के श्रेष्ठ चन्द्र मे, तारा शुद्धि मे रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर, शुक्लपक्ष की 1, 2, 3, 4, 5, 7, 10, 11, 13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त तिथियों में दिन के पूर्व भाग में पुरुष संज्ञक नवांश लग्न में होने पर तथा लग्न से 1, 4, 5, 7, 9, 10 स्थानों पर शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 वें स्थानों पर पापग्रहों की स्थिति में एवं चन्द्र की 1,6,8,12वें स्थिति न होने पर पुंसवन व सीमन्त संस्कार शुभ हैं इस संस्कार में गुरु शुक्रास्त अविचारणीय है। गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ हैं।

मास - गर्भ से 6, 8 मासों मे मासाधिपति बली होने पर शुभ है।

तिथि - शुक्लपक्ष की 1,2,3,4,5,7,10,11,13 तथा कृष्ण पक्ष में दशमी पर्यन्त

नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, पुनर्वसु, हस्त, मूल. श्रवण, 3 उत्तरा नक्षत्रों में जन्म नक्षत्र को त्याग कर

लग्न - 1,3,5,7,11

वार - रवि, मंगल, बुध, गुरु, मतान्तर से सोम, बुध, शुक्र

स्तनपान मुहूर्त

जन्म से पांचवें दिन अथवा भद्रा, व्यतिपात, 4,9,14 तिथि को छोड़कर शुभ तिथि को सोम, बुध, गुरु, शुक्र वारों में पुनर्वसु. पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती नक्षत्रों में बालक को प्रथम बार स्तनपान कराना शुभ हैं।

तिथि - 2,3,5,8,10,11,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - पुनर्वसु, पुष्य, मृगशिरा, मघा, श्रवण, रेवती

त्याज्य - भद्रा, व्यतिपात, वैधृति 4, 9, 14 तिथि

जलपूजन मुहूर्त

जन्म के अनन्तर प्रथम मास की समाप्ति पर बुध, गुरु, चन्द्र, वारों में 4,9,14,30 तिथियों को छोड़कर अन्य तिथियों में मृगशिरा, पुनर्वसु. पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण नक्षत्रों में प्रसूता स्त्री द्वारा जलपूजन करना (कुंआ-पूजना) श्रेष्ठ है।

चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त का विचार एक मास के बाद ही करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - बुध-गुरु-चन्द्र

नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा मूल, श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - प्रथममासोपरान्त चैत्र, पौष, अधिमास, गुरु-शुक्रास्त, रिक्ता व अमावस्या तिथि

जातकर्म और नामकरण संस्कार मुहूर्त

जीवन में व्यवहार का सम्पूर्ण आधार नाम पर ही निर्भर होता है।

नामाखिलस्य जगतः व्यवहारहेतुः शुभावहं कर्मसु भाग्यहेतुः।
नाम्नैव कीर्तिं लभते मनुष्यस्ततः प्रशस्तं खलु नाम कर्म।।

जातकर्म अर्थात् शिशु के जन्म होने के बाद का कार्य नाल छेदन से पूर्व करना उचित है। नामकरण सूतक निवृत्ति के उपरान्त ब्राह्मण 11वें दिन, क्षत्रिय 13वें दिन, शूद्र 21वें दिन, कुल की परम्परा के अनुसार करें। दस दिन से पूर्व कदापि शुद्धि के अभाव के करण नामकरण संस्कार न करें। सूतक समाप्ति पर 11वें या 12वें दिन नामकरण संस्कार विना विचारें कर लें। 12 दिन के बाद भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिनों में रिक्ता 1,2,3,5,6,7,10,11,12,13 इन

तिथियों में शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती नक्षत्रों में लग्न नवांश के बल का विचार कर नामकरण करें।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, स्वाति, मूल श्रवणा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती

त्याज्य - जन्म से 10 दिन, भद्रा, व्यतिपात, वैधृति, संक्रान्ति रहित दिन

निष्क्रमण मुहूर्त

बालक को प्रथम बार घर से बाहर निकलनें को ही निष्क्रमण कहते हैं। जन्म से बारहवें दिन बिना मुहूर्त विचार के बालक का निष्क्रमण कर, सूर्य नक्षत्र का पूजन कर सूर्य नक्षत्र व देवताओं का दर्शन करावें। यदि बारहवें दिन यह न हो पाये तब 3 मास में मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता, विष्टि, अमावस्या आदि अशुभ योग से भिन्न शुभ दिन में, अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा नक्षत्रों में प्रथम निष्क्रमण शुभ है।

तिथि - शुक्ल पक्ष में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम-बुध-गुरु-शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त,. अनुराधा, स्वाति, मूल श्रवण, धनिष्ठा

त्याज्य - मंगल शनि वर्जित वारों व रिक्ता तिथि, अमावस्या., विष्टि, अशुभ योग

भूमि पर प्रथमोपवेशन मुहूर्त्त

जन्म से पञ्चम मास में रिक्ता, अमावस्या रहित तिथि, शुभवार, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य हस्त अनुराधा ज्येष्ठा अभिजित तीनों उत्तरा नक्षत्रों में स्थिर लग्न का विचार कर बालक की कमर में काला सूत्र बांधकर पृथ्वी और वराह का पूजन कर "पृथ्वी" पर बैठावें। इस समय बालक के सामने विविध वस्तुएं रखें आजीविका की जिस वस्तु को वह उठावे उसी से आजीविका समझनी चाहिये।

तिथि - पंचम मास में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी. रोहिणी., मृगशिरा. पुष्य, हस्त, अनुराधा. ज्येष्ठा, तीनों उत्तरा

लग्न - 2, 5, 8, 11

अन्नप्राशन मुहूर्त

बालक के नामकरण, निष्क्रमण, भूमि उपवेशन के बाद 6,8,10,12वें मास में पुत्र को और 5,7,9 वें मास में कन्या को अन्नप्राशन करावें।

विशेष-उक्त मासों में भद्रा व्यतिपात दोष रहित 1,3,5,7,10,13,15 तिथियों में शुभवार अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति. अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों उत्तरा, रेवती नक्षत्रों में 1,3,4,5,7,9 स्थानों मे शुभ ग्रह हो जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न को त्यागकर पाप-शुद्ध दशम भाव इन सभी बातों का ध्यान कर अन्नप्राशन कराना श्रेष्ठ है।

मास - 6,8,10,12वें मास में पुत्र 5,7,9 वें मास में कन्या

तिथि - 1,3,5,7,10,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा तीनों उत्तरा, रेवती

लग्न - 1,3,4,5,6,7,9,10,11

त्याज्य - जन्म लग्न या जन्मराशि से अष्टम लग्न या नवांश तथा 12,1,8 लग्न, पाप-शुद्ध दशम भाव

कर्णवेध मुहूर्त

कर्ण वेध के महत्व के सन्दर्भ मे सुश्रुत ने कहा है कि कर्णवेध करने से आन्त्रवृद्धि, अण्डकोष वृद्धि आदि का निरोध होता है।

शंङ्खोपरि च कर्णान्ते त्यक्त्वा यत्नेन सेवनीयम्।

व्यत्यासाद्वा शिरां विध्येद् अन्त्रवृद्धि निवृत्तये॥

समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता को छोड़कर जन्म से 12वें या 16वें दिन अथवा 6, 7, 8वें मास में या विषम वर्षों में शुभवार, अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती नक्षत्रों में लग्न से अष्टम शुद्ध समय में वृष, तुला, धनु, मीन लग्न में तथा गुरु की लग्न में स्थिति होने पर कर्ण-वेध श्रेष्ठ होता है।

वर्षादि - विषम वर्ष, 6,7,8 वें मास, जन्म से 12वें या 16वें दिन

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती

लग्न - 2,7,9,12

त्याज्य - समवर्ष, चैत्र, पौष, जन्ममास, देवशयन, जन्म नक्षत्र व जन्म तिथि, क्षयतिथि व रिक्ता।

चूडाकर्म (मुण्डन) मुहूर्त्त

अपने कुल की परम्परा के अनुसार इष्टदेव या तीर्थ स्थान पर मुण्डन संस्कार और कर्ण वेध किया जा सकता है। यह चौलकर्म विषमवर्ष या उत्तरायण में 2,3,5,10,11,13 तिथियों, शुभवारों में अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती, नक्षत्रों मे करना श्रेष्ठ है। अष्टम भाव शुद्ध होना चाहिये। ज्येष्ठ, चैत्र मास मे न करें। बालक की माता को पांच मास की गर्भ स्थिति होने पर 5 वर्ष से न्यून अवस्था के शिशु का मुण्डन न करें।

सूनोर्मातरि गर्भिण्यां चूडाकर्म न कारयेत्।

पञ्चाब्दात्प्रागथेर्ध्वं तु गर्भिण्यामपि कारयेत्॥

वर्षादि - विषमवर्ष या उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,7,10,11,13

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, ज्येष्ठा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।

त्याज्य - लग्न से अष्टम ग्रह, ज्येष्ठ, चैत्र मास, समवर्ष, दक्षिणायन।

कन्या के नाक बिंधवाने का मुहूर्त्त

शुक्लपक्ष की रिक्ता व अमावस्या रहित तिथि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र अशुभ योग रहित प्रथम प्रहर, अश्वि. मृग. पुन. पुष्य, हस्त, चि., अनु., श्रव, ध नि, रेव, तीनों उत्तरा, स्वाती, शत, इन नक्षत्रों में कन्या की नाक बींधना शुभ है।

पक्ष - शुक्लपक्ष

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

प्रहर - प्रथम

नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती, तीनों उत्तरा, स्वाती, शतभिषा

अक्षरारम्भ मुहूर्त

बालक को विद्यारम्भ से पूर्व अक्षरारम्भ का विचार होता है। सूर्य उत्तरायण हो जन्म से 5,7 वें वर्ष में 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12 तिथि, शुभवार, अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती इन नक्षत्रों में, चर लग्नों को छोड़कर, अन्य लग्नों में गणेश, विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी, तथा अपने देवताओं का पूजन कर अक्षरारम्भ करें।

अयन - उत्तरायण

वर्ष - 5, 7

वार - सोम, बुध, गुरु, शुक्र

तिथि - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12

लग्न - 1,3,5,6,8,9,11,12

नक्षत्र - अश्विनी, आर्द्रा, पुनवर्सु, पुष्य, हस्त, स्वाति, अनुराधा, श्रवण, रेवती

विद्यारम्भ मुहूर्त

अक्षरारम्भ के उपरान्त विशेष ज्ञान को बढाने वाली किसी भी भाषास्थ विद्या(विशेषत: संस्कृत भाषस्थ विद्या) का प्रारम्भ फाल्गुन मास छोड़कर उत्तरायण 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में, रवि, बुध,गुरु शुक्र वारों में और अश्विनी, आश्लेषा, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती इन नक्षत्रों में श्रेष्ठ हैं। अंग्रेजी, फारसी, उर्दू के विद्यारम्भ के लिये रवि, मंगल, शनिवार, रिक्ता तिथि, ज्येष्ठा, आश्लेषा, मघा, 3पूर्वा, भरणी, कृतिका., विशाखा, आर्द्रा, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, इन नक्षत्रों में शुभ है।

अयन - उत्तरायण

तिथि - 2,3,5,6,10,11,12 तिथियों में

विद्यारम्भ त्याज्य - फाल्गुन मास रिक्ता, अमावस्या तिथियां

वार - रवि, बुध, गुरु, शुक्र

नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, आश्लेषा, आर्द्रा, पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, तीनों पूर्वा, रेवती

उपनयन मुहूर्त

उपनयन संस्कार बालक के जन्म से या गर्भ से ब्राह्मण का 8 वें, क्षत्रिय का 11 वें, वैश्य का 12 वें वर्ष में करना श्रेयस्कर है। इस काल के व्यतीत हो जाने पर ब्राह्मण 16 वें वर्ष, क्षत्रिय 22 वें वर्ष वैश्य 24 वें वर्ष तक उपनयन संस्कार करा सकते हैं।

विप्राणां व्रतबन्धनं निगदितं गर्भाज्जनेर्वाष्टमे।
वर्षे वाप्यथ पञ्चमे क्षितिभुजां षष्ठे तथैकादशे।
वैश्यानां पुनरष्टमेऽप्यथ पुनः स्याद् द्वादशे वत्सरे।
कालेऽथ द्विगुणे गते निगदिते गौणं तदाहुर्बुधाः॥

बालक(बटुक) का गुरुबल तथा चन्द्रबल विचार करें। देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण सूर्य में, रवि, चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्रवारों में शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5 तिथियों में, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती इन नक्षत्रों के क्रूर तथा वेधरहित होने पर, पूर्वाह्न में, अभिजित मुहूर्त में, यज्ञोपवीत संस्कार करावें।

चैत्र व मीन के सूर्य में, वृष या कर्क के पूर्ण चन्द्रमा के लग्न में रहने पर विशेष श्रेष्ठतम होता है। सामवेदियों को मंगलवार भी श्रेष्ठ होता है। तथा भौम

बल विचार भी आवश्यक होता है। उपनयन संस्कार में दक्षिणायन सूर्य, ज्ये. शुक्ल 2, तथा आषाढ़ शुक्ल 10, पौष शुक्ल 11, माघ शुक्ल 12, संक्रांति दिन, रोगबाण, रवि के 8, 12, 26 गतांश, लग्नेश और चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ हैं। अतः इन सब का परित्याग कर उपनयन संस्कार करें।

वर्ष - ब्राह्मण-(8या16), क्षत्रिय-(11या 22), वैश्य-(12या 24)

अयन - देवशयन से पूर्व तक उत्तरायण में।

वार - रवि, चन्द्र, बुध, गुरु एवं शुक्र

तिथि - शुक्लपक्ष की 2,3,5,10,11,12 तथा कृष्णपक्ष की 2,3,5

नक्षत्र - अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, तीनों पूर्वा, तीनों उत्तरा, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा

गुरु - 5,11,9,2,7 श्रेष्ठ, 10,6,3,1 पूज्य, 4,8,12 निन्दित

अन्य ग्राह्य पूर्वाह्न, अभिजित मुहूर्त(सामवेदियों का भौमबल व मंगलवार भी)

त्याज्य - गुरु शुक्र का बाल वृद्धास्त, दक्षिणायन, संक्रान्ति दिवस रोगबाण तथा लग्नेश ,चन्द्र, शुक्र, गुरु की 6, 8,12 में स्थिति, 1,5,8 वें भावों में पापग्रह अशुभ

विवाह संस्कार मुहूर्त्त

भारतीय मनीषियों नें मानव जीवन को चार आश्रमों में विभाजित किया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास इन चारों आश्रमों में गृहस्थाश्रम की मुख्याधारा विवाह है। यह संस्कार ही वस्तुतः धर्मार्थकाममोक्षस्वरूपी चतुर्वर्ग फलप्राप्ति का आधार है। इस संस्कार के उपरान्त ही मनुष्य सन्तानोत्पत्ति के साथ देव-ऋषि एवं पितृ ऋणों से मुक्ति प्राप्त करता है। अतः विवाह संस्कार के समय का निर्णय हमारे ऋषिमुनियों ने बड़ी सूक्ष्मता से किया है। धर्मशास्त्रों में अष्टविध विवाह में विशेषरूप से आज कल गन्धर्व विवाह पद्धति (जिसको प्रेम विवाह कहा जाता है) को अपनाया जा रहा है। "ब्राह्म विवाह" विधि में मुख्य रूप से वर कन्या की गोत्रादि भिन्नता, मेलापक (नक्षत्र व मंगली आदि का मिलान), जाति का विचार किया जाता है।

स्त्री को मुख्य रूप से धर्म-अर्थ-काम की प्रदात्री मानकर तथा सन्तान सिद्धि का मुख्य साधन समझ कर विवाह के समय का विशेष विचार किया जाता है।

भार्या त्रिवर्गकरणं शुभशील युक्ता।

शीलं शुभं भवति लग्नवशेन तस्याः।

तस्माद्विवाहसमयः परिचिन्त्यते हि।

तन्निघ्नतामुपगताः सुतशीलधर्माः॥

इस विवाह संस्कार को ब्रह्मचर्य के पश्चात् पुरुष 25 वर्षोपरान्त विषम वर्षो में कन्या 16 वर्षो के अनन्तर समवर्षो में शुभ समय का विचार कर करें। विवाह से पूर्व उसके अंगभूत वरवरण व कन्यावरण का भी विचार कर लें। इन सब में नामराशि तथा जन्मराशि में से जन्मराशि का ही ग्रहण करें, क्योंकि-

विवाहे सर्वमांगल्ये यात्रायां ग्रहगोचरे ।

जन्मराशेः प्रधानत्वं नामराशिं न चिन्तयेत्॥1॥

कुर्यात् षोडशकर्माणि जन्मराशौ बलान्विते।

सर्वाण्यन्यपि कर्माणि नामराशौ बलान्विते॥2॥

यदि जन्म की राशि अज्ञात हो तो नाम की राशि से मेलापकादि कार्य किये जा सकते है। परन्तु महत्व जन्मराशि का ही है।

जन्मलग्नमिदमङ्गमङ्गिनां मेनिरे मन इतीन्दुमन्दिरम्।

सौहृदं हि मनसोर्न देहयोः मेलकस्तदयमिन्दुगेहयोः।

विवाह वृन्दावनम्

किसी का मत है कि यदि प्रसिद्ध नामराशि से ही मेलापक करना हो तो एक बात का विशेष ध्यान रहे कि वर का प्रसिद्ध नाम, कन्या का जन्म नाम व कन्या का प्रसिद्ध नाम वर का जन्मनाम ऐसा विपरीत ग्रहण न करें। दोनों का जन्म नाम ही लें अथवा दोनों का प्रसिद्ध नाम ही लें। क्योंकि-

जन्मभं जन्मधिष्ण्येन नामधिष्ण्येन नामभम्।

व्यत्ययेन यदा योज्यं दम्पत्योर्निधनप्रदम्॥

वर-कन्या की जन्मपत्रिका में मेलापक विचार - वर-कन्या की कुन्डली में वर्ण, वश्य, तारा, योनि, ग्रहमैत्री, गणमैत्री, भकूट, तथा नाड़ी इन आठ बातों का विशेष रूप से विचार किया जाता है। वर्ण का 1, वश्य के 2, तारा के 3, योनि के 4, ग्रहमैत्री के 5, गणमैत्री के 6, भकूट के 7, तथा नाड़ी के 8 गुण उत्तरोत्तर ग्रहण किये जाते हैं। इस प्रकार इन सभी गुणों का योग 36 होता है। यथा-

वर्णो वश्यं तथा तारा योनिश्च ग्रह मैत्रकम्।

गणमैत्रं भकूटञ्च नाड़ी चेते गुणाधिकाः॥

गुण संख्या ग्रहण करने का विचार - वर कन्या की कुण्डली का विचार करने पर 16 गुणों से कम गुण मिलने पर निन्द्य, 20 से कम मिलने पर मध्यम तथा 20 गुण से अधिक मिलने पर उत्तम कहा गया है।

गुणाः षोडशभिः न्यूना निन्द्या मध्यस्तु विंशतिः।

श्रेष्ठास्त्रिंशद् गुणाः प्रोक्ताः परतस्तूत्तमोत्तमाः॥

दुष्ट भकूट, गणकूट का परिहार - यदि मिलान करने पर दुष्ट भकूट प्राप्त हो और वर कन्या के राशि के स्वामी एक हो अथवा राशि के स्वामियों में परस्पर मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट का दोष नहीं होता तथा षडाष्टक से भिन्न राशियों में परस्पर राशियों के स्वामियों की शत्रुता में भी यदि राशि के नवांश के स्वामी बली और आपस मे मित्र हों और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्टभकूट के दोषों का नाश करता है। तथा कन्या की तारा व नाड़ी नक्षत्र की परस्पर शुद्धि होने पर पुरुष राशि से स्त्री की राशि वश्य न होने पर भी दुष्ट-भकूट का परिहार हो जाता है।

प्रोक्ते दुष्टभकूटके परिणयस्त्वेकाधिपत्ये शुभो-

ऽथोराशीश्वरसौहृदेऽपि गदितो नाड्यृक्षशुद्धिर्यदि।

अन्यर्क्षेऽशपयोर्बलित्वसखिते नाड्यृक्षशुद्धौ तथा-

ताराशुद्धिवशेन राशिवशताभावे निरुक्तो बुधैः॥

इसी प्रकार वर-कन्या के राशि के स्वामियों तथा नवांश के स्वामियों की परस्पर मित्रता होने पर गणदोष का नाश करती है, तथा शुभ भकूट ग्रह शत्रुता के दोष को नष्ट कर देता है।

मैत्र्यां राशिस्वामिनोरंशनाथ-द्वन्द्वस्याऽपि स्याद् गणानां न दोषः।

खेटारित्वं नाशयेत् सद् भकूटं खेटप्रीतिश्चाऽपिदुष्टं भकूटम्।

नाड़ी दोष तथा गणदोष का परिहार - वर-कन्या की राशि एक हो तथा नक्षत्र भिन्न हो अथवा नक्षत्र एक हो और राशि भिन्न हो तो नाड़ी दोष तथा गण दोष का नाश होता है। एक नक्षत्र होने पर भी चरण के भेद से उक्त दोष नहीं होता।

राश्यैक्ये चेद् भिन्नमृक्षं द्वयोः स्यान् नक्षत्रैक्येराशियुग्मं तथैव।

नाड़ीदोषो नो गणानां च दोषो नक्षत्रैक्ये पादभेदे शुभं स्यात्॥

एकराशौ पृथग् धिष्ण्ये पुंतारा प्रथमा भवेत्।

अतीवशोभना प्रोक्ता स्त्रीतारा चेत्वशोभना॥

वर-वरण मुहूर्त

विवाह संस्कार से पूर्व शुभलग्न, शुभवार, शुभतिथि, शुभ नवांश में कुयोग रहित दिन में कृ, रो, 3 पूर्वा, 3 उत्तरा इन नक्षत्रों में चन्द्र बल देखकर ब्राह्मण वा कन्या का सहोदर (भाई) वस्त्र, यज्ञोपवीत, द्रव्य, मिष्ठान्न, श्रीफल, ऋतुफल आदि सहित वर के गृह पर आकर वर को वरण करे अर्थात् तिलक लगावें।

कन्या-वरण मुहूर्त

वर की माता या स्वयं वर अथवा वर के कुलाचार के अनुसार अन्य कोई-अशुभ योग रहित शुभ दिन में कृत्तिका, 3पूर्वा, स्वाती, अनु., उ.षा., श्र, धनिष्ठा तथा विवाहोक्त नक्षत्रों, (रोहिणी, तीनों उत्तरा, रेवती, मूल, मृगशिरा, मघा, हस्त) में शुभ समय (लग्न) में वस्त्रभूषणादि सहित फलपुष्पादि से कन्या को वरण करें।

त्रिबल शुद्धि विचार

सूर्य, गुरु एवं चन्द्र शोधन का विचार त्रिबल शुद्धि कहलाता है। त्रिबल शुद्धि के अन्तर्गत वर की राशि से सूर्य व चन्द्र का विचार तथा कन्या की राशि से गुरु व चन्द्र का विचार करना चाहिये। मुहूर्त्तचिन्तामणि के अनुसार कन्या के जन्म से 6 वर्ष की आयु के बाद रजोदर्शन से पूर्व गुरु की शुद्धि तथा वर की राशि से सूर्य की शुद्धि से विषम वर्षों में एवं दोनों की राशि से चन्द्र शुद्धि अनिवार्य है।

स्त्रीणां गुरुबलं श्रेष्ठं पुरुषाणां रवेर्बलम्।

तयोश्चन्द्रबलं श्रेष्ठमिति गर्गेण निश्चितम्॥

फल	सूर्य (वर)	गुरु (कन्या)	चन्द्र (वर-कन्या)
श्रेष्ठ	3, 6, 10, 11	2, 5, 7, 9, 11	1, 2, 3, 5, 6 7, 9 10, 11
पूज्य	1, 2, 5, 7, 9	1, 3, 6, 10	0
नेष्ट	4, 8, 12	4, 8, 12	4, 8, 12

गोचरे वा विलग्ने वा ये ग्रहारिष्टसूचकाः।

पूजयेत्तान प्रयत्नेन पूजिता स्युः शुभप्रदाः॥

ज्येष्ठ विचार

ज्येष्ठ विचार के अन्तर्गत त्रि ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या व ज्येष्ठ मास) नेष्ट और द्वि ज्येष्ठ (वर, कन्या व मास में से कोइ भी दो) मध्यम होता है। मुहूर्त्तचिन्तामणि के अनुसार-

ज्येष्ठद्वन्द्वं मध्यमं सम्प्रदिष्टं त्रिज्येष्ठं चेनैव युक्तं कदापि।

केचित्सूर्यं वह्निगं प्रोज्झ्य चाऽऽहुर्नैवान्योऽन्यं ज्येष्ठयोः स्याद्विवाहः॥

वर-कन्या तेलबान-दिन संख्या

जन्म राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
तैल संख्या	7	10	5	10	5	7	7	5	5	5	5	7

विवाह लग्न शोधन

व्यये शनिः खेऽवनिजस्तृतीये भृगुस्तनौ चन्द्रखला न शस्ताः।

लग्नेट् कविग्लौश्च रिपौ मृतौ ग्लौर्लग्नेट् शुभाराश्च मदे च सर्वे॥

विवाह लग्न से 12वें शनि, 10वें भौम, 3रे शुक्र, लग्न में चन्द्र व पापग्रह (सू. भौ. श. रा. के.) शुभ नहीं होते हैं। 6वें स्थान पर लग्नेश, शुक्र और चन्द्र, 8वें स्थान में चन्द्र, भौम, लग्नेश व सभी शुभग्रह तथा सातवें स्थान पर सभी ग्रह त्याज्य हैं।

गोधूलि विचार - गोधूलि समय में यदि 6वें, 8वें व लग्न में चन्द्र हो तो कन्या के लिये अशुभ कारक तथा लग्न, 7वें एवं 8वें भाव में भौम हो तो वर के लिये अनिष्ट कारक होगा। गोधूलि वेला में यदि चन्द्र 2रे, 3रे और 11वें भाव में हो तो उपरोक्त दोनों दोषों का शमन कर शुभफल प्रदान करता है।

अस्तं याते गुरुदिवसे सौरे सार्के लग्नान्मृत्यौ रिपुभवने लग्ने चेन्दौ।

कन्यानाशस्तनुमदमृत्युस्थे भौमे वोढुर्लाभे धनसहजे चन्द्रे सौख्यम्।।

भाव	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
त्याज्य	पाप चन्द्र	0	शु.	रा.	0	चं. शु. लग्नेश	सभी	चं.,भौ. शुभग्रह लग्नेश	0	भौ.	0	श.
गोधू. त्याज्य	भौम चन्द्र	-	-	-	-	चन्द्र	भौम	चन्द्र भौम	-	-	-	-

वधू-प्रवेश मुहूर्त

विवाह संस्कार हो जाने के बाद प्रथम बार वधू का पतिगृह में प्रवेश वधू-प्रवेश कहलाता है। विवाह से 16 दिन के अन्दर बिना तिथ्यादि का विचार किये भी स्थिर लग्न में वधू प्रवेश शुभ है। एक मास तक विषम दिनों में, एक वर्ष के भीतर विषम मास में और एक वर्ष के उपरान्त स्थिर लग्न में तीसरे पाचवें वर्ष में भी शुभ हैं। इसके उपरान्त शुभ मुहूर्त (तिथ्यादि का) विचार कभी भी हो सकता है। वधू प्रवेश में रेवती, अश्विनी, राहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा इन नक्षत्रों में शुभ वारों में 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15 तिथियों में स्थिर लग्नों में चतुर्थाष्टम भाव शुद्ध होने पर शुभ होता है। व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथियों में वधू प्रवेश वर्जित है।

दिन - विवाह से 16 दिन के अन्दर अथवा 7,5,9 वें दिनों में।

मास एवं वर्ष - विषम मास, विषम वर्ष।

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,13,15

नक्षत्र - रेवती, अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, श्रवण, धनिष्ठा, हस्त, चित्रा, स्वाति, भरणी, मघा, तीनों उत्तरा, पुष्य, अनुराधा।

वार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र।

लग्न - स्थिर लग्नों में चतुर्थ एवं अष्टम भाव शुद्ध हो।

त्याज्य - व्यतिपात, क्षयतिथि, ग्रहण, वैधृति, अमावस्या, संक्रान्ति व रिक्ता तिथि।

वधूप्रवेशो न दिवा प्रशस्तः राजप्रवेशो न निशि प्रशस्तः।

दिवा च रात्रौ च गृहप्रवेशः सत्कीर्तिदः स्यात्त्रिविधः प्रवेशः।।

द्विरागमन-मुहूर्त

वधुप्रवेशोपरान्त द्वितीय बार पिता के घर से पतिगृह में प्रवेश द्विरागमन कहलाता है। यह 1,2,5 इन विषम वर्षों में 1,8,11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि देखकर शुभ वार 1,2,3,6,7,12 लग्नों में हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा नक्षत्रों में शुभ माना गया है।

वर्ष - विषम (5 वर्ष तक)

मास - 1 8 11 राशि के सूर्य में सूर्य गुरु की शुद्धि

तिथि - 1,2,3,5,6,7,8,10,11,12,15

वार - सोम, बुध, गुरु एवं शुक्र

लग्न - 1,2,3,6,7,12

नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, रेवती, तीनों उत्तरा रोहिणी, मृगशिरा, स्वाती, पुनर्वसु, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, चित्रा, अनुराधा

त्याज्य - सम्मुख तथा दक्षिण शुक्र। (रेवती से मृगशिरा तक चन्द्र के रहने पर शुक्र शुभ हो जाता है। (सामान्य अवस्था में त्याज्य)

यात्रा मुहूर्त्त

शुभतिथि	शुक्लपक्ष 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13, 15
	कृष्णपक्ष 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13
शुभवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र श्रेष्ठ
शुभनक्षत्र	अश्वि., मृग., पुन., पुष्य, हस्त, अनु., श्रव., धनि., रेव.

यात्रा काल में सूर्य विचार

सूर्य स्थिति	**यात्रा फल**
मेष, सिंह, धनु	प्रशस्त
वृष, मिथुन, तुला, मकर कुम्भ मीन	मध्यम
कर्क, वृश्चिक, मीन	अधम

यात्रा काल में चन्द्रविचार

दिशा	**चन्द्र की राशि में स्थिति**
पूर्व	मेष, सिंह, धनु
दक्षिण	वृष, कन्या, मकर
पश्चिम	मिथुन, तुला, कुम्भ
उत्तर	कर्क, वृश्चिक, मीन

चन्द्र स्थिति वश फल

चन्द्र स्थिति	**यात्रा फल**
सन्मुख	अर्थलाभ
दक्षिण भाग	सुख-सम्पत्ति
पृष्ठ भाग	प्राण हानि
वाम भाग	धन नाश

यात्रा मे दिशाशूल विचार

दिशा	**त्याज्य वार**
पूर्व	शनि, चन्द्र
दक्षिण	गुरु
पश्चिम	शुक्र, रवि
उत्तर	बुध, मंगल

दिशाशूल परिहार वाक्य

न वारदोषाः प्रभवन्ति रात्रौ देवेज्यदैत्येज्यदिवकराणाम्।
दिवा शशांकार्कजभूसुतानां सर्वत्र निन्द्यो बुधवारदोषः।।
सूर्यवारे घृतं प्राश्य चन्द्रवारे पयस्तथा
गुड़मंगारकेवारे बुधवारे तिलान्यपि।

गुरुवारे दधि प्राश्यं शुक्रवारे यवानपि

माषान्भुक्त्वा शनेवरि गच्छञ्छूले न दोषभाक्॥

गृह-निर्माण मुहूर्त

भूमि परीक्षण - इष्ट भूमि पर जहां मकान का निर्माण होना है एक हाथ गहरा एक हाथ लम्बा एक हाथ चौडा गढ्ढा बनावें। उसको पानी से पूर्ण कर दें। प्रातः वेला में उसे देखें। यदि जल युक्त पूर्ण हो तो शुभ निर्जल मध्यम तथा निर्जल छिन्न भिन्न हो तो अशुभ भूमि।

शुभ मास -वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष, माघ ,फाल्गुन, एवं मेष, वृष कर्क, सिंह, तुला, वृश्चिक, मकर, कुम्भ सूर्य रहते गृहाराम्भ शुभ तथा भाद्रपद-कार्तिक मास भी समान्यतया मान्य है।

शुभतिथि - 2, 3, 5, 6, 7, 10, 11, 12, 13, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा।

शुभवार - चन्द्र, बुध, गुरु, शुक्र, शनि।

शुभनक्षत्र - तथा रोहि., मृग., चित्रा, हस्त, स्वा., अनु., उत्तरा 3, धनि, शत, रेवती पुष्य।

शुभ लग्न - मेष मिथुन सिंह कन्या वृश्चिक कुम्भ मीन तथा लग्न बल हेतु केन्द्र त्रिकोण स्थानों में शुभ ग्रह तथा 3 6 11 में पाप ग्रह एवं अष्टम स्थान शुद्ध होने पर नवीन भवन निर्माण शुभद रहता है।

भूशयन गणना क्रम -सूर्य जिस नक्षत्र में रहें उससे 5, 7, 9, 12, 19, 26 इन दिन नक्षत्रों में पृथ्वी शयन शील रहती है। इन नक्षत्रों में भी क्रमशः 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी कालांश मात्र में भूशयन शेष घटियों में सुप्त नही इनमें कूप, तडाग, बीज वपन, हल चलाना, खननेष्ट है।

भूशयने मतान्तरम् - इष्ट सूर्य संक्रान्ति से 5, 7, 11, 9, 15, 20, 22 23, 28 इन दिनों में धरती शयन दोष कतिपय विद्वान 5, 7, 9, 15, 21, 24 दिन मात्र में ही भूशयन मानते है।

गृहारम्भे वृषभ वत्स गणना - सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 7 तक अशुभ, तदग्रे 11 तक शुभ तदग्रे 10 गणना तक अशुभ, अभिजित सहित गणना करना चाहिए।

भूमि क्रय विक्रय मुहूर्त्त - दोनो पक्ष की 5, 6, 10, 11, 15 तथा कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। गुरु तथा शुक्रवार एवं मृग., पुन., आश्ले., मघा, विशा., अनु., 3पूर्वा, मूल, रेव. आदि नक्षत्रो में भूमि खरीदना व बेचना शुभ फल देता है।

अग्निवास विशेषता - नित्य नैमित्तिक कार्य, जन्म समय, दूर्गा पूजा, यात्रा, विवाह, ग्रहणरोग, पीड़ा तथा दुर्भिक्ष शान्ति यज्ञ विवाह याज्ञोपवीत आदि में अग्निवास का विचार नहीं करें।

विवाहयात्राव्रतगोचरेषु चूड़ोपनीतिग्रहणे यंक्तगादौः।

दुर्गाविधाने च सुतप्रसूतौ नैवाग्निचक्रं परिचिंतनीयम्॥

नवीन गृह प्रवेश मुहूर्त्त

मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन आदि चान्द्र मास विशेष शुभ तथा कार्तिक मार्गशीर्ष मास सामान्यतया मान्य हैं

तिथि - चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी रहित सभी तिथि मान्य

शुभ लग्न -वृष, सिंह, वृश्चिक, कुम्भ लग्नों में सामान्यतः 3 6 9 12 लग्नों में भी मान्यता। लग्न से 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9, 10 इन स्थानों शुभ ग्रह तथा 3, 6, 11 भावों में पाप ग्रह रहे तथा चन्द्रमा 1, 4, 6, 8, 12 स्थानों में नहीं होवें तथा चतुर्थ अष्टम भाव शुद्ध हो। जन्म राशि से अष्टम राशि का लग्न न हो तथा कलश

चक्र की शुद्धि देखकर सन्मुख में गाय, कन्या , जलपूर्ण कलश, पुष्पमाला, श्रीफल सहित वेदध्वनि, मार्गलिक गायन वाद्य के साथ नवगृह प्रवेश शुभ है।

शुभ वार - चन्द्र बुध, गुरु, शुक्र, शनि

शुभ नक्षत्र -रोहि., मृग., चि., अनु., उत्तरा 3 तथा रेवती विशेष शुभ एवं जीर्ण गृह में पुष्य स्वाति धनिष्ठा शतभिषा भी मान्य है।

कलशचक्र गणना - अभिजित नक्षत्र रहित करे सूर्य नक्षत्र से इष्ट दिन नक्षत्र गणना 5 तक अशुभ, अग्रिम 8 तक शुभ, तदग्रे 8 तक अशुभ एवं आगे 6 तक शुभ शुद्धि गणना समझे।

खात विचार

देवालय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार

सूर्य राशि	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चिक,धनु	मकर,कुम्भ,मीन
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

गृह निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार

सूर्य राशि	सिंह,कन्या,तुला	वृश्चिक,धनु,मकर	कुम्भ,मीन,मेष	वृष,मिथुन,कर्क
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

जलाशय निर्माण में सूर्य राशि के अनुसार राहु मुख विचार

सूर्य राशि	मकर,कुम्भ,मीन	मेष, वृष,मिथुन	कर्क,सिंह,कन्या	तुला,वृश्चि.,धनु
राहु मुख	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण	आग्नेय कोण
खात दिशा	आग्नेय कोण	ईशान कोण	वायव्य कोण	नैऋत्य कोण

काकिणी विचार

स्ववर्ग द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत् अष्टभिः हरेद् भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्।।

गांव के नाम वर्ग संख्या एवं गृहस्वामी के नाम वर्ग संख्या को अलग-अलग दुगुना करके परस्पर एक दूसरे की वर्ग संख्या में जोड़कर आठ से भाग देने पर शेष में जो भी अधिक हो उसे हानि होगी। तात्पर्य यह है कि गृहस्वामी की संख्या यदि स्थान के नाम की संख्या से अधिक है तो वहां निवास करने से उस व्यक्ति विशेष को हानि होगी। निम्नलिखित आधार पर वर्गों की संख्या एवं वर्णों को तथा सारणी द्वारा निवास के लिए शुभाशुभ फल को जानना चाहिए -

अवर्ग = 1 - सभी स्वर   कवर्ग = 2 - क,ख,ग,घ,ङ   चवर्ग = 3 - च,छ,ज,झ,ञ

टवर्ग = 4 - ट,ठ,ड,ढ,ण   तवर्ग = 5 - त,थ,द,ध,न   पवर्ग = 6 - प,फ,ब,भ,म

यवर्ग = 7 - य,र,ल,व   शवर्ग = 8 - श,ष,स,ह

स्थान	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग	अवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग	कवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ

स्थान	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग	चवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग	टवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ

स्थान	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग	तवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग	पवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ

स्थान	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग	यवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ

स्थान	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग	शवर्ग
गृहस्वामी	अवर्ग	कवर्ग	चवर्ग	टवर्ग	तवर्ग	पवर्ग	यवर्ग	शवर्ग
फल	अशुभ	अशुभ	अशुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

तिथि एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सिद्धि योग	-	-	3, 8, 13	2, 7, 12	5, 10, 15	1, 6, 11	4, 9, 14
मृत्यु योग	1, 6, 11	2, 7, 12	1, 6, 11	3, 8, 13	4, 9, 14	2, 7, 12	5, 10, 15
विष योग	4	6	7	2	8	9	7
हुताशन योग	12	6	7	8	9	10	11
क्रकच योग	12	11	10	9	8	7	6

नक्षत्र एवं वार के योग से बनने वाले विभिन्न शुभाशुभ योग

योग \ वार	रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दग्ध योग	भरणी	चित्रा	उत्तराषाढ़ा	धनिष्ठा	उत्तराफाल्गुनी	ज्येष्ठा	रेवती
यमघंट योग	मघा	विशाखा	आर्द्रा	मूल	कृत्तिका	रोहिणी	हस्त
सर्वार्थसिद्धि योग	अश्वि. पुष्य हस्त मूल उत्तरा-3	श्रवण रोहिणी मृग. पुष्य अनुराधा	अश्वि. उ.भा. कृत्ति. आश्ले.	रोहिणी अनु. हस्त कृत्ति. मृग.	रेवती अनु. अश्वि. पुन. पुष्य	रेवती अनु. अश्वि. पुन. श्रवण	श्रवण रोहिणी स्वाती

नन्दा च भद्रा च जया च रिक्ता ....सितज्ञभौमार्किगुरौ च सिद्धाः । मु. चि., 1.4

नन्दा भद्रा नन्दिकाख्या .... रवेर्दग्धभं स्यात् । मु. चि., 1.5

षष्ठयादितिथियो ....रदधावने । मु. चि., 1.6

सूर्येश.................त्वश्यम् । मु. चि., 1.8,9

सूर्येऽर्कमूलोत्तरपुष्यदास्रं .... सर्वार्थसिद्ध्यै कथितानि पूर्वैः । मु. चि., 1.28 29

गण्डमूल नक्षत्र-घटी बोधक चक्र

अश्विनी, मघा, मूल की आरम्भिक 3, 4, 9 घटी एवं रेवती, आश्लेषा, ज्येष्ठा की अंतिम 12, 11, 6 घटी गण्डमूल संज्ञक होती हैं।

नक्षत्र	अश्विनी	मघा	मूल	रेवती	आश्लेषा	ज्येष्ठा
घटी	3	4	9	12	11	6
स्थिति	आरम्भिक	आरम्भिक	आरम्भिक	अंतिम	अंतिम	अंतिम

षोडश कक्ष व्यवस्था

ईशान पूर्व आग्नेय

मन्दिर	भण्डार कक्ष	स्नानगृह	दधिमन्थनकक्ष	रसोईघर
औषधि कक्ष				घी/तेल कक्ष
कोषागार				शयन कक्ष
रतिकक्ष				शौचालय
धान्य/पशुशाला	रोदन कक्ष	भोजनगृह	अध्ययनकक्ष	शस्त्र/भण्डार

उत्तर (बाएँ), दक्षिण (दाएँ)

वायव्य पश्चिम नैऋत्य

विंशोत्तरी महादशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

सूर्य 6 वर्ष कृ.,उ.फा.,उ.षा.				चन्द्र 10 वर्ष रोहि.,हस्त,श्रव.				मंगल 7 वर्ष मृग.,चित्रा,धनि.				राहु 18 वर्ष आ.,स्वा.,शत.				गुरु 16 वर्ष पुन.,विशा.,पू.भा.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
सू.	00	03	18	चं.	00	10	00	मं.	00	04	27	रा.	02	08	12	बृ.	02	01	18
चं.	00	06	00	मं.	00	07	00	रा.	01	00	18	बृ.	02	04	24	श.	02	06	12
मं.	00	04	06	रा.	01	06	00	बृ.	00	11	06	श.	02	10	06	बु.	02	03	06
रा.	00	10	24	बृ.	01	04	00	श.	01	01	09	बु.	02	06	18	के.	00	11	06
बृ.	00	09	18	श.	01	07	00	बु.	00	11	27	के.	01	00	18	शु.	02	08	00
श.	00	11	12	बु.	01	05	00	के.	00	04	27	शु.	03	00	00	सू.	00	09	18
बु.	00	10	06	के.	00	07	00	शु.	01	02	00	सू.	00	10	24	चं.	01	04	00
के.	00	04	06	शु.	01	08	00	सू.	00	04	06	चं.	01	06	00	मं.	00	11	06
शु.	01	00	00	सू.	00	06	00	चं.	00	07	00	मं.	01	00	18	रा.	02	04	24

शनि 19 वर्ष पुष्य,अनु.,उ.भा.				बुध 17 वर्ष आश्ले.,ज्ये.,रेव.				केतु 7 वर्ष मघा,मूल,अश्वि.				शुक्र 20 वर्ष पू.फा.,पू.षा.,भर.			
ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.	ग्र.	व.	मा.	दि.
श.	03	00	03	बु.	02	04	27	के.	00	04	27	शु.	03	04	00
बु.	02	08	09	के.	00	11	27	शु.	01	02	00	सू.	01	00	00
के.	01	01	09	शु.	02	10	00	सू.	00	04	06	चं.	01	08	00
शु.	03	02	00	सू.	00	10	06	चं.	00	07	00	मं.	01	02	00
सू.	00	11	12	चं.	01	05	00	मं.	00	04	27	रा.	03	00	00
चं.	01	07	00	मं.	00	11	27	रा.	01	00	18	बृ.	02	08	00
मं.	01	01	09	रा.	02	06	18	बृ.	00	11	06	श.	03	02	00
रा.	02	10	06	बृ.	02	03	06	श.	01	01	09	बु.	02	10	00
बृ.	02	06	12	श.	02	08	09	बु.	00	11	27	के.	01	02	00

योगिनी दशा एवं अन्तर्दशा बोधक चक्र

मंगला 1 वर्ष श्रव.,आर्द्रा चित्रा			पिंगला 2 वर्ष धनि.,पुन. स्वाती			धान्या 3 वर्ष शत.,पुष्य विशा.			भ्रामरी 4 वर्ष अश्वि.,आश्ले. अनु.,पू.भा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
मं.	00	10	पिं.	01	10	धा.	03	00	भ्रा.	05	10
पिं.	00	20	धा.	02	00	भ्रा.	04	00	भ.	06	20
धा.	01	00	भ्रा.	02	20	भ.	05	00	उ.	08	00
भ्रा.	01	10	भ.	03	10	उ.	06	00	सि.	09	10
भ.	01	20	उ.	04	00	सि.	07	00	सं.	10	20
उ.	02	00	सि.	04	20	सं.	08	00	मं.	01	10
सि.	02	10	सं.	05	10	मं.	01	00	पिं.	02	20
सं.	02	20	मं.	00	20	पिं.	02	00	धा.	04	00

भद्रिका 5 वर्ष भर.,मघा ज्ये.,उ.भा.			उल्का 6 वर्ष कृत्ति.,पू.फा. मूल,रेवती			सिद्धा 7 वर्ष रो.,उ.फा. पू.षा.			संकटा 8 वर्ष मृग.,हस्त उ.षा.		
यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.	यो.	मा.	दि.
भ.	08	10	उ.	12	00	सि.	16	10	सं.	21	10
उ.	10	00	सि.	14	00	सं.	18	20	मं.	02	20
सि.	11	20	सं.	16	00	मं.	02	10	पिं.	05	10
सं.	13	10	मं.	02	00	पिं.	04	20	धा.	08	00
मं.	01	20	पिं.	04	00	धा.	07	00	भ्रा.	10	20
पिं.	03	10	धा.	06	00	भ्रा.	09	10	भ.	13	10
धा.	05	00	भ्रा.	08	00	भ.	11	20	उ.	16	00
भ्रा.	06	20	भ.	10	00	उ.	14	00	सि.	18	20

नैसर्गिकमैत्री एवं उच्च नीच चक्र

ग्रह	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
मित्र	चं.,मं. गु.	सू.,बु.	सू.,चं. गु.	सू.,शु.	सू.,चं. मं.	बु.,श.	बु.,शु.
सम	बु.	मं.,गु. शु.,श.	शु.,श.	मं.,गु. श.	श.	मं.,गु.	गु.
शत्रु	शु.,श.		बु.	चं.	बु.,शु.	सू.,चं.	सू.,चं. मं.
उच्च	मे.10	वृष.03	म.28	कं.15	क.05	मी.27	तु.20
नीच	तु.10	वृ.03	क.28	मी.15	म.05	कं.27	मे.20

पुरुष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	अंगपीड़ा	धनहानि	आरोग्य	दु:ख	सन्तानहानि	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	अल्पायु	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दुष्टस्वभाव
चन्द्र	कान्तियुक्त	सम्पत्तियुक्त	कीर्तिवान्	सुखी	धन,पुत्रयुक्त	अल्पायु	सुशीलापत्नी	योगी	धर्मात्मा	तेजवान	धनवान	कामी
मंगल	रक्तविकार	ऋणी	पराक्रमी	दु:ख	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	स्त्रीक्षय	शरीरकष्ट	पापबुद्धि	तेजवान	धनवान	दुष्टपत्नी
बुध	सुखी	धन,गुणयुक्त	शत्रुक्षय	सुखी	अल्पपुत्र	रोगयुक्त	धर्मज्ञ	गुणवान	सुखी	कीर्तिमान	धनवान	दरिद्र
बृहस्पति	विद्वान	धनागम	पापरत	सुखी	प्रतापवान	कामी	सुशीलापत्नी	नीचस्वभाव	धर्मरत	सम्पत्तियुक्त	लाभ	दुष्ट
शुक्र	सुखी	धनयुक्त	पापरत	सुखी	बुद्धिमान	रोगयुक्त	कामी	नीचस्वभाव	तपस्वी	सम्पत्तियुक्त	सुमति	रोगी
शनि	दु:खी	धनहानी	पराक्रमी	दु:खी	पुत्रहीन	शत्रुक्षय	दुष्टपत्नी	नेत्रविकार	दुष्टबुद्धि	पराक्रमी	धनवान	दु:खी
राहु	रोगी	निर्धन	पराक्रमी	मातृकष्ट	दुर्बुद्धि	बलयुक्त	पत्नीकष्ट	रोगी	दीन	मानसम्मान	सुविख्यात	पतित
केतु	कामी	दुष्ट	पराक्रमी	दु:खी	मन्दबुद्धि	बलवान	पत्नीहानी	क्लेश	पापी	पिताकीहानी	धनवान	दुर्जन

स्त्री कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	क्रोधी	दरिद्रा	सुपुत्रयुक्ता	पीड़ा	विपुत्रा	सुखिनी	दु:खकष्ट	वैधव्य	धर्मज्ञा	सुकर्मयुक्ता	लाभयुक्ता	रोगिणी
चन्द्र	अल्पायु	बहुधनयुक्ता	सुखिनी	सुभगा	सुपुत्रयुक्ता	रोगिणी	पतिप्रिया	रोगिणी	सुखिनी	धर्मज्ञा	गुणवती	हीनांगी
मंगल	वैधव्य	वन्ध्या	विसहजा	दु:खकष्ट	विपुत्रा	आरोग्या	वैधव्य	नेत्ररोग	दु:खी	कुपुत्रा	लाभयुक्ता	दुष्टा
बुध	सुभगा	धनयुक्ता	पुत्रवती	सुगृहा	बुद्धितेजयुक्ता	क्रोधी	पतिव्रता	कृतघ्ना	सुभोगा	सत्कर्मा	पतिव्रता	कृशांगी
बृहस्पति	सती	धनयुक्ता	सुसहजा	सुखी	गुणवती	विपत्ति	कीर्तियुक्ता	रोगिणी	पुत्रवती	साधवी	सुपुत्रा	सुव्यया
शुक्र	सुखी	सुभगा	धनवती	सुखी	पुत्रवती	दरिद्रा	पतिप्रिया	विसुखा	धर्मरता	धनवती	सुपुत्रा	सुव्यया
शनि	वन्ध्या	दु:खी	सुदक्षा	हृदयरोगी	विपुत्रा	गुणवती	वैधव्य	दु:खी	वन्ध्या	पापी	लाभयुक्ता	मुर्खा
राहु	अपुत्रा	दरिद्रा	धनयुक्ता	रोगकष्ट	विपुत्रा	धनयुक्ता	दु:खिता	वैधव्य	वन्ध्या	दुष्कर्मा	आरोग्या	दुष्टा
केतु	दु:खी	दु:खकष्ट	रोगयुक्ता	मातृहानि	अपुत्रा	धनयुक्ता	वैधव्य	दु:खी	शोकयुक्ता	पापरता	सुभगा	रोगयुक्ता

द्वादश भावों में स्थित गोचर ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	स्थानहानि	भय	धनलाभ	मानहानि	दीनता	विजय	यात्रा	कष्ट	पुण्यक्षय	सिद्धि	धनलाभ	धननाश
चन्द्र	अन्नलाभ	धननाश	सुख	रोग	कार्यहानि	धनलाभ	स्त्रीसुख	रोग	धर्मलाभ	सुख	धनलाभ	धननाश
मंगल	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	शत्रुभय	धननाश	धनलाभ	धननाश	शत्रुभय	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	धननाश
बुध	बन्धन	धनलाभ	शत्रुभय	पशुलाभ	सुख	स्थानलाभ	कष्ट	धनलाभ	कष्ट	सुख	धनलाभ	धननाश
बृहस्पति	भय	धननाश	क्लेश	धननाश	सुख	शोक	राजसम्मान	पीड़ा	सुख	दीनता	धनलाभ	कष्ट
शुक्र	शत्रुक्षय	धनलाभ	सुख	धनलाभ	पुत्रलाभ	शत्रुभय	शोक	धनलाभ	वस्त्रलाभ	दुःख	धनलाभ	धननाश
शनि	भय	धननाश	ऐश्वर्य	शत्रुभय	पुत्रनाश	धनलाभ	दोष	पीड़ा	धर्मनाश	मनमुटाव	धनलाभ	धननाश
राहु	हानि	धननाश	धनलाभ	शत्रुता	शोक	धनप्राप्ति	क्लेश	मृत्यु	दुःख	शत्रुता	सुख	शोक
केतु	रोग	शत्रुता	सुख	भय	सुख	धनलाभ	क्लेश	रोग	पाप	शोक	कीर्ति	शत्रुभय

वर्ष कुण्डली में द्वादश भावों में स्थित ग्रह फल

ग्रह \ भाव	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	षष्ठ	सप्तम	अष्टम	नवम	दशम	एकादश	द्वादश
सूर्य	त्रिदोषपीड़ा	परिवारविरोध	भ्रातृकष्ट	कृषिपशुहानि	पित्तप्रकोप	शत्रुक्षय	पत्नीकष्ट	भ्रातृकष्ट	भ्रातृकष्ट	धन सम्मान	धनीविलासी	उद्विग्नता
चन्द्र	कफपीड़ा	कुटुम्ब प्रभाव	धनीभ्रातृसुख	व्यापारलाभ	प्रबुद्धमित्र	वादविवाद	खांसीवातरोग	मूत्ररोग	भाग्योदय	शत्रुक्षयधनी	व्यापारलाभ	नेत्ररोग
मंगल	नेत्ररोग	धनहानि	वाहनसुख	व्रण,अग्निभय	पुत्रकष्ट	शत्रुक्षय	स्त्रीरोग	शत्रुपीड़ा	भाग्ययशवृद्धि	धनलाभ	राज्यधनलाभ	व्यय,व्याधि
बुध	पत्नीसुख	वाहनसुख	धनयशपुत्रसुख	भूमिलाभ	धनपुत्रलाभ	पत्नीकष्ट	विलासी	ज्वर,कफ	पुत्र,धनलाभ	पुत्र,धनलाभ	धन,यशलाभ	शत्रुभय
बृहस्पति	यशस्वी	धनलाभ	कीर्तिलाभ	वाहनसुख	सन्तानसुख	पत्नी,शत्रुकष्ट	दाम्पत्यसुख	ज्वरपीड़ा	धनलाभ	राज्यलाभ	विजय	रोग,शत्रुभय
शुक्र	यशस्वी	धन,मानलाभ	भ्रातृसुख	वाहनकृषिसुख	सन्तानलाभ	उदरपीड़ा	पत्नीसुख	शरीरपीड़ा	धर्म,शील	व्यापारी,धनी	सन्तानलाभ	नेत्र,चर्मरोग
शनि	वातरोग	भ्रातृहानि	पराक्रमी	अग्निभय	पुत्रहानि	कीर्तिलाभ	पत्नीकष्ट	ज्वरपीड़ा	भाग्योदय	कृषिहानि	कीर्तिलाभ	विशेषव्यय
राहु	पत्नीकष्ट	बन्धुविवाद	धन,यशलाभ	वाहनकष्ट	बुद्धिनाश	शत्रुक्षय	गुप्तरोग	मृत्युतुल्यकष्ट	धर्मवृद्धि	यशवृद्धि	शत्रुक्षय	स्थानच्युत
केतु	चिंता,व्रण	परिवारकलह	यशलाभ	वाहनकष्ट	दुर्बुद्धि	रोगनाश	विवाद	अरिष्टप्राप्ति	भाग्यहानि	धनलाभ	विविधलाभ	दुष्टसंगति

शतपदचक्र

नक्षत्र	अश्वि ॥॥	भर. ॥॥	कृत्ति. ॥॥	रोहि. ॥॥	मृग. ॥॥	आर्द्रा ॥॥	पुन. ॥॥	पुष्य ॥॥	आश्ले ॥॥	मघा ॥॥	पू.फा. ॥॥	उ.फा. ॥॥	हस्त ॥॥	चित्रा ॥॥
अक्षर	चू,चे चो,ला	ली,लू ले,लो	अ,इ उ,ए	ओ,वा वी,वू	वे,वो का,की	कू,घ ङ,छ	के,को ह,ही	हू,हे हो,डा	डी,डू डे,डो	मा,मी मू,मे	मो,टा टी,टू	टे,टो पा,पी	पू,ष ण,ठ	पे,पो रा,री
राशि	मेष	मेष	मेष। वृष॥।	वृष	वृष॥ मि.॥	मि.	मि.॥। कर्क।	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह। क.॥।	कन्या	क.॥ तुला॥
स्वामी	मंगल	मंगल	मंगल। शुक्र॥।	शुक्र	शुक्र॥ बुध॥	बुध	बुध॥। चन्द्र।	चन्द्र	चन्द्र	सूर्य	सूर्य	सूर्य। बुध॥।	बुध	बुध॥ शुक्र॥
वर्ण	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.॥।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र॥। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.॥।	वै.	वै.॥ शूद्र॥
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.। चतु.॥।	चतु.	चतु.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.॥। जल.।	जल.	जल.	चतु.	चतु.	चतु.। मनु.॥।	मनु.	मनु.॥ मनु.॥
योनी	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मुषक	गौ	महिष	व्याघ्र
गण	देव	मनुष्य	राक्षस	मनुष्य	देव	मनुष्य	देव	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस
नाड़ी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य

नक्षत्र	स्वाती ॥॥	विशा. ॥॥	अनु. ॥॥	ज्येष्ठा ॥॥	मूल ॥॥	पूषा. ॥॥	उषा. ॥॥	श्रवण ॥॥	धनि. ॥॥	शत. ॥॥	पू.भा. ॥॥	उ.भा ॥॥	रेवती ॥॥
अक्षर	रू,रे रो,ता	ती,तू ते,तो	ना,नी नू,ने	नो,या यी,यू	ये,यो भा,भी	भू,ध फ,ढ	भे,भो जा,जी	खी,खू खे,खो	गा,गी गू,गे	गो,सा सी,सू	से,सो दा,दी	दू,थ झ,ञ	दे,दो च,ची
राशि	तुला	तु.॥। वृ.।	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	धनु। म.॥।	मकर	म.॥ कुं.॥	कुम्भ	कुं.॥। मीन।	मीन	मीन
स्वामी	शुक्र	शुक्र॥। मंगल।	मंगल	मंगल	गुरु	गुरु	गुरु। म.॥।	शनि	शनि। शनि॥	शनि	शनि॥। गुरु।	गुरु	गुरु
वर्ण	शूद्र	शूद्र॥। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.	क्ष.	क्ष.	क्ष.। वै.॥।	वै.	वै.॥ शूद्र॥	शूद्र	शूद्र॥। ब्रा.।	ब्रा.	ब्रा.
वश्य	मनु.	मनु.॥। कीट।	कीट	कीट	मनु.	मनु०.५ चतु३.५	चतु.	चतु१.५ जल२.५	जल.॥ मनु.॥	मनु.	मनु.॥। जल.।	जल.	जल.
योनी	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
गण	देव	राक्षस	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव	राक्षस	राक्षस	मनुष्य	मनुष्य	देव
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

मेलापक विमर्श

वर्ण विचार (1)

वर / कन्या	विप्र	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
विप्र	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

वश्य विचार (2)

वर / कन्या	चतु.	मानव	जल.	वन.	कीट
चतु.	2	1	1	0	1
मानव	1	2	0.5	0	1
जल.	1	0.5	2	1	1
वन.	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

तारा विचार (3)

वर / कन्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	3	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

गण विचार (6)

व / क	देव	मानव	राक्षस
देव	6	5	0
मानव	5	6	0
राक्षस	0	0	6

नाड़ी विचार (8)

व / क	आद्य	मध्य	अन्त्य
आद्य	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

योनी विचार (4)

व / क	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ	म.	व्या	मृ.	वा.	न.	सि.
अ.	4	2	3	2	2	3	3	3	1	1	3	2	2	1
ग.	2	4	3	2	2	3	3	3	3	2	2	2	2	0
मे.	3	3	4	3	2	3	3	3	3	1	3	0	3	0
स.	2	2	3	4	2	2	1	1	2	2	2	2	2	0
श्वा	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मा.	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मू.	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	2	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
म.	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्या	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
मृ.	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	3
वा.	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
न.	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	4	4	2
सि.	1	0	1	2	1	2	2	2	3	2	2	2	2	4

ग्रहमैत्री विचार (5)

वर / कन्या	सूर्य	चन्द्र	भौम	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
भौम	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	0.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

भकूट विचार (7)

व / क	मेष	वृष	मि.	क.	सिंह	कं.	तु.	वृ.	धनु	म.	कुं.	मीन
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	7
वृष	0	7	0	7	7	7	0	7	0	0	7	7
मि.	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कं.	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तु.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
वृ.	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
म.	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुं.	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

मेलापक सारणी (खण्ड - 1)

वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
कन्या		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
मेष	अश्वि. 4	28 8	33	28-5 3	18-5 173	21-5 173	22-5 173	26 135	17 1835	19 1835	23-5 83	31.5 3	28 6	21 276	25 27	15-5 2783	11 27835	9 134578	13 2735
	भर. 4	34	28 8	29 6	19 167	21.5 163	14.5 1738	18 8135	26 135	27 135	31.5 3	23.5 83	25.5 63	20 672	18 278	26 27	21.5 175	20 1753	4 176835
	कृत्ति. 1	27.5 63	29 6	28 8	18 178	10 6187	16.5 6173	20 613	20 613	21 6135	25.5 63	26.5 63	23.5 83	16.5 2783	20 627	20 627	15.5 627	15.5 627	18 173
वृष	कृत्ति. 3	18.5 673	20 67	19 78	28 8	20 68	26.5 63	17.5 6173	17.5 6173	18.5 6173	22 535	23 635	20 835	18.5 8235	22 256	22 256	21 67	21 67	23.5 73
	रोहि. 4	23.5 73	23.5 73	11 678	20 68	28 8	36	27.5 17	23.5 173	22.5 1734	26 345	27 35	12 68354	10.5 234568	24.5 2345	27 52	26 7	26 7	20 67
	मृग. 2	23.5 73	14.5 783	18.5 673	27.5 36	35	28 8	19 178	24 17	22.5 1347	26 345	19 358	21 3546	19.5 65234	15.5 52834	24.5 257	23.5 73	26 7	13 786
मिथुन	मृग. 2	27 35	18 358	22 356	19.5 763	27 7	20 78	28 8	33	31.5 34	19 72345	12 87235	14 723465	23.5 2346	19.5 2834	28.5 23	31.5 3	34	21 86
	आर्द्रा 4	19 358	27 35	21 356	18.5 673	24.5 73	26 7	34	28 8	25 84	12.5 68345	20 7235	13 765234	23.5 632	29.5 23	21.5 238	24.5 38	24.5 38	27 46
	पुन. 3	20 358	27 35	23 35	20.5 763	22.5 37	23.5 347	31.5 34	24 84	28 8	15.5 2578	22.5 257	17 23567	22.5 4236	26.5 423	21.5 823	24.5 38	25.5 38	27.5 36
कर्क	पुन. 1	22.5 138	29.5 13	25.5 136	22 1355	24 1345	25 1345	18 172345	10.5 124578	14.5 13578	28 8	35	29.5 36	16.5 13467	20.5 1347	15.5 1378	18 3578	19 12358	21 16235
	पुष्य 4	30.5 13	21.5 138	26.5 136	23 1356	25 135	18 1358	11 123578	18 12357	21.5 1257	35	28 8	30 6	19.5 1367	15.5 1378	23.5 137	26 1235	27 1235	12 1234568
	आश्ले. 4	26 16	24.5 136	22.5 138	19 1358	11 134568	19 13456	12 1234567	12 123567	15 123567	28.5 63	29 6	28 8	15 1478	15.5 13467	18.5 2367	21 12356	21 12356	26 1235
सिंह	मघा 4	20 267	20 267	16.5 2783	17.5 12583	9.5 1236584	17.5 123564	21.5 12364	22.5 1236	20.5 12643	16.5 6743	19.5 673	16 874	28 8	30 6	27.5 63	16.5 21673	16.5 21673	21.5 1273
	पू.फा. 4	26 27	18 278	20 267	21 1256	23.5 12534	15.5 218534	19.5 21834	28.5 213	26.6 2134	22.5 473	17.5 783	16.5 6743	30 6	28 8	35	24 217	22.5 2173	7.5 213687
	उ.फा. 1	16.5 2738	26 27	20 267	21 2165	26 215	24.5 2153	28.5 213	20.5 2138	21.5 2138	17.5 783	25.5 73	19.5 673	27.5 36	35	28 8	17 2178	16 2178	13.5 214367
कन्या	उ.फा. 3	13 7835	22.5 75	16.5 675	21 67	26 7	24.5 73	31.5 13	23.5 138	24.5 813	20 8235	28 235	22 6235	17.5 6273	25 72	18 278	28 8	27 8	24.5 463
	हस्त 4	10 47835	20 735	17.5 752	22 76	25 7	26 7	33 1	22.5 318	24.5 138	20 8235	28 235	23 2356	18.5 2736	22.5 273	16 278	26 8	28 8	28 46
	चित्रा 2	13 36745	5 378645	19 7345	23.5 734	20 67	12 678	19 618	26 164	25.5 136	21 6234	12 682345	27 235	22.5 273	8.5 62783	14.5 24673	24.5 643	27 64	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 2)

कन्या \ वर		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
मेष	अश्वि. 4	22.5 1436	26.5 134	22.5 3146	18.5 6734	25.5 73	14 786	13.5 768	25 7	23.5 73	25 135	26 135	20 13456	20 13456	15 18356	16 18345	14.5 8734	24.5 73	29 7
	भर. 4	13.5 16834	29.5 13	21.5 6134	17.5 6734	17.5 873	19.5 673	20 67	18 87	26 7	27.5 15	26 135	10 146835	10 146835	20 6135	24 1435	22.5 374	17.5 873	26.5 73
	कृत्ति. 1	27.5 134	15.5 1683	19.5 1834	15.5 7834	19.5 673	25.5 73	24.5 73	18 674	12 678	13.5 1685	11.5 14568	25 1345	25 1345	27 135	19 16345	17.5 6734	19.5 673	11.5 6738
वृष	कृत्ति. 3	22.5 1734	10.5 61783	14.5 17384	20.5 834	24.5 63	30.5 3	20 735	13.5 4675	7.5 6785	12 678	10 4678	23.5 734	29.5 134	31.5 13	23.5 6134	20 6345	22 635	14 6835
	रोहि. 4	19 761	15.5 1783	9.5 31687	15.5 683	29.5 3	23.5 63	14 6735	19 5734	11.5 4785	16 748	17 874	20 67	26.5 61	24.5 613	30.5 13	27 35	27 35	19 583
	मृग. 2	12 7186	25 17	18.5 1736	24.5 36	21.5 83	24.5 36	15 7356	10 87345	17 4735	21.5 743	25 74	13 876	19 168	27 16	29.5 13	26 35	18 835	27 35
मिथुन	मृग. 2	14 876	27 7	20.5 736	14 72356	11 72835	14 72356	23 356	18 8345	25 435	20 7423	23.5 724	11.5 8726	13 876	21 76	23.5 73	25.5 325	17.5 8235	26.5 235
	आर्द्रा 4	20 674	27 7	20 674	13.5 56274	17 37245	3 4362785	16 6835	28 35	28 35	23 723	23 723	17.5 6724	19 674	12 768	17 874	19 8524	26.5 235	26.5 235
	पुन. 3	20.5 736	28 7	22 76	15.5 2756	21.5 275	7 562783	14 45386	27 35	27 35	22 237	23 237	17 23746	18.5 7634	14 876	16 874	18 5842	28 52	27.5 235
कर्क	पुन. 1	20.5 1356	28 251	22 2516	20 67	26 7	11.5 3678	8 2317684	21 1723	21 1723	26 135	27 135	21 16345	12.5 1723465	8 172865	10 175824	16 874	20 7	25.5 73
	पुष्य 4	11.5 6812345	26.5 1235	21 51624	19 746	18 78	21 76	17 61723	11 417382	21 1722	26 135	25 1435	13 618345	4.5 7164283	14.5 5123567	18 12745	24 74	18 87	27 7
	आश्ले. 4	25.5 1235	12.5 612358	17.5 81235	15.5 873	20 67	26 7	22.5 1724	16 61273	8 612783	13 61583	13 16385	26 1345	17.5 172345	19.5 17235	11.5 6172345	17.5 6734	21 67	13 678
सिंह	मघा 4	24.5 2135	11.5 123568	16.5 12358	22.5 823	25.5 623	33 2	25 72	19 627	8.5 267834	3.5 1534678	4.5 153678	18.5 1537	24.5 1235	25.5 1235	18.5 12563	18.5 673	19.5 673	13 678
	पू.फा. 4	10.5 213568	25.5 1235	18.5 12563	24.5 623	23.5 823	25.5 623	19 627	17 728	24 728	17 1574	18.5 137	4.5 153678	10.5 123568	19.5 12563	24.5 1253	24.5 73	17.5 873	25.5 73
	उ.फा. 1	16.5 123465	25.5 1235	16.5 124635	22.5 4263	31.5 23	17.5 6238	9.5 62873	25 72	25 72	20 157	20 157	11.5 153674	17.5 123564	11.5 123685	15.5 123854	15.5 8734	26.5 73	25.5 73
कन्या	उ.फा. 3	16.5 61473	25.5 173	16.5 61473	18 42365	27 235	13 62385	14 6835	29.5 5	29.5 5	24.5 72	24.5 72	16 67234	16.5 61734	10.5 61873	14.5 17834	17.5 38245	28.5 235	27.5 235
	हस्त 4	20 1746	26.5 173	18.5 17346	20 26345	26 235	13 82356	15 8356	27 35	28.5 5	23.5 72	24.5 72	18.5 7624	19 1736	8.5 147836	13.5 17835	16.5 28345	26.5 235	27.5 235
	चित्रा 2	20 178	19 6174	26.5 173	28 235	11 628345	25 2345	27 345	14 6835	22 635	17 673	18.5 672	15.5 7284	16 1478	24 174	16.5 61374	19.5 62345	10.5 642835	19.5 26345

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 3)

कन्या \ वर		मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या		
		अश्वि. 4	भर. 4	कृत्ति. 1	कृत्ति. 3	रोहि. 4	मृग. 2	मृग. 2	आर्द्रा 4	पुन. 3	पुन. 1	पुष्य 4	आश्ले. 4	मघा 4	पू.फा. 4	उ.फा. 1	उ.फा. 3	हस्त 4	चित्रा 2
तुला	चित्रा 2	22.5 634	14.5 3468	28.5 34	23.5 734	20 67	12 678	13 678	21 67	19.5 673	20.5 6523	11.5 684253	26.5 235	25.5 235	11.5 25683	17.5 24635	17.5 4673	20 674	21 78
	स्वाती 4	27.5 43	29.5 3	17.5 38	12.5 783	15.5 783	26 7	27 7	26 7	28 7	29 25	27.5 235	14.5 8235	13.5 2368	25.5 235	25.5 235	25.5 73	27.5 73	21 746
	विशा. 3	22.5 346	22.5 346	20.5 348	15.5 3784	10.5 6738	18.5 673	19.5 673	20 674	21 67	22 625	21 635	18.5 8235	17.5 2538	19.5 2536	17.5 24536	17.5 4673	18.5 6734	27.5 73
वृश्चिक	विशा. 1	16.5 61743	16.5 16743	14.5 17843	19.5 1843	14.5 1683	22.5 163	12 125673	12.5 124675	13.5 12675	19 67	18 674	15.5 783	21.5 1283	23.5 1263	21.5 12643	17 312645	18 126345	27 1235
	अनु. 4	24.5 713	15.5 1783	19.5 1763	24.5 136	27.5 13	20.5 183	10 123875	15.5 312574	20.5 1275	26 7	18 78	21 76	24.5 1236	20.5 1238	29.5 123	25 1235	26 123	11 125834
	ज्येष्ठा 4	12 1678	18.5 1637	24.5 173	29.5 13	22.5 163	22.5 163	12 312675	2 3214678	5 53125678	10.5 3678	20 67	26 7	31 21	23.5 1263	16.5 31268	12 312685	12 312685	24 12345
धनु	मूल 4	12 678	20 67	24.5 73	19 1753	13 16375	13 51637	21 1635	15 16835	12 516384	8 467283	17 6723	23.5 724	25 27	19 267	9.5 32678	13 35168	13 35168	26 5134
	पूषा. 4	26 7	18 78	18 674	12.5 14675	18 17345	10 517348	18 18345	27 135	27 135	23 723	13 47823	17 6723	19 267	17 278	25 27	28.5 15	27 135	13 31685
	उषा. 1	24.5 37	26 7	12 678	6.5 51478	10.5 14578	17 14375	25 1435	27 135	27 135	23 723	23 723	9 67283	8,5 362478	24 274	25 27	28.5 15	28.5 15	21 6135
मकर	उषा. 3	27 35	28.5 5	14.5 685	12 678	16 784	22.5 473	20 1437	22 173	22 1723	28 35	28 35	14 6835	4.5 345678	20 574	21 57	24.5 73	24.5 27	17 6723
	श्रवण 4	27 35	26 35	13.5 485	11 4768	16 784	25 74	22.5 1724	21 1723	22 1723	28 3	26 435	15 835	6.5 36578	18.5 573	20 75	23.5 72	24.5 72	19.5 72
	धनि. 2	20 6345	11 46835	26 345	23.5 734	20 67	12 678	9.5 21678	16.5 24167	16 26137	22 635	13 56834	28 35	19.5 573	5.5 36578	12.5 34567	16 67234	17.5 672	15.5 7824
कुम्भ	धनि. 2	20 6345	11 46385	26 345	30.5 34	27 6	19 68	12 678	19 674	18.5 673	13.5 67235	4.5 3456782	19.5 7235	25.5 235	11.5 23568	18.5 25634	17.5 6734	19 674	17 478
	शत. 4	15 6835	21 635	28 35	32.5 3	25.5 63	27 6	20 67	12 678	13 678	8 67285	14.5 67235	20.5 2735	26.5 253	20.5 2563	12.5 25368	11.5 3687	8.5 34687	25 74
	पू.भा. 3	18 8345	25 435	20 6534	24.5 634	31.5 3	31.5 3	24.5 73	17 784	18 78	13 782	20 7524	13.5 67235	19.5 2536	25.5 253	16.5 25483	15.5 783	15.5 7834	17.5 6734
मीन	पू.भा. 1	14.5 17384	21.5 1437	16.5 61374	19 61345	26 135	26 135	25.5 1235	18 18245	19 8125	18 87	25 74	18.5 673	17.5 1637	23.5 173	14.5 17384	16.5 518234	16.5 518234	18.5 516234
	उ.भा. 4	24.5 173	16.5 1738	18.5 6137	21 6135	26 135	18 8135	17.5 81235	25.5 1523	28 125	27 7	19 78	21 67	18.5 6137	16.5 178	25.5 173	27.5 1235	26.5 1235	9.5 1352468
	रेवती 4	25 17	24.5 173	11.5 36178	14 61835	17 2835	26 135	25.5 1352	24.5 5123	26.5 5123	25.5 73	27 7	14 786	13 1768	23.5 173	23.5 173	25.5 1523	26.5 1523	19.5 145236

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

मेलापक सारणी (खण्ड - 4)

वर → / कन्या ↓		तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
		चित्रा 2	स्वाती 4	विशा. 3	विशा. 1	अनु. 4	ज्येष्ठा 4	मूल 4	पूषा. 4	उषा. 1	उषा. 3	श्रवण 4	धनि. 2	धनि. 2	शत. 4	पू.भा. 3	पू.भा. 1	उ.भा 4	रेवती 4
तुला	चित्रा 2	28 8	27 64	34.5 3	23.5 723	6.5 462387	20.5 7234	27 345	14 6735	22 635	25 632	26.5 62	23.5 824	18 874	26 74	18.5 6734	12.5 672345	3.5 2346785	12.5 456723
	स्वाती 4	28 46	28 8	20 846	9 72486	21.5 723	16.5 7236	23 356	27 356	19 385	22 823	23 823	26.5 246	21 467	20 647	25 47	19 2745	19.5 2375	12.5 23785
	विशा. 3	34.5 3	19 684	28 8	17 728	16 6274	20.5 7234	27 345	22 635	14 6358	17 6823	17 6823	30 234	24.5 734	26 74	20 674	14 67245	13 64735	4.5 6728345
वृश्चिक	विशा. 1	22.5 1273	7 126874	16 1287	28 8	27 64	31.5 34	21.5 12347	16.5 12673	8.5 126873	12 61835	12 61835	25 1345	24 12345	25.5 1245	19.5 12645	19 674	18 647	9.5 67834
	अनु. 4	6.5 1234678	21.5 1273	16 12746	28 46	28 8	31 6	15.5 123467	13.5 31287	21.5 1237	25 135	26 135	12 341856	11 3412856	21 12356	24.5 1245	24 74	18 87	27 7
	ज्येष्ठा 4	19.5 12734	15.5 31267	19.5 12734	31.5 34	30 6	28 8	14 12874	16.5 12367	16.5 12367	20 6235	20 6135	25 1345	24 12345	18 12853	10 3124685	9.5 67384	21 67	21 67
धनु	मूल 4	26 3145	21 6135	26 3145	22.5 7234	15.5 62734	15 4287	28 8	28 6	26.5 63	15 61723	15 61723	20 17234	28.5 124	21.5 183	14.5 68134	16 68234	25 623	26 72
	पूषा. 4	13 61385	27 135	21 6135	17.5 6273	15.5 7283	17.5 6273	28 6	28 8	34	22.5 172	23 1723	6 6172834	14.5 61384	23.5 613	28.5 134	30 234	23 823	31 23
	उषा. 1	21 6135	19 8135	13 61835	9.5 62783	23.5 723	17.5 6273	26.5 63	34	28 8	16.5 1728	14.5 1728	15 61273	23.5 613	23.5 613	29.5 13	31 23	31 23	23 823
मकर	उषा. 3	24 613	22 8123	16 6183	13 6835	27 35	21 635	16 6723	23.5 72	17.5 872	28 8	26 8	26.5 63	17 62713	17 62713	23 1723	30.5 3	30.5 3	22.5 83
	श्रवण 4	26.5 126	22 8123	17 81623	14 835	27 35	22 35	17 7236	23 723	14.5 872	25 8	28 8	28 46	18.5 17246	18 17235	21 17234	28.5 34	29.5 3	22.5 83
	धनि. 2	22.5 8124	24.5 6124	29 1234	26 345	12 68345	26 345	21 7234	7 674283	16 6723	26.5 63	27 64	28 8	18.5 1782	23.5 1724	19 61237	26.5 63	15.5 6834	22.5 643
कुम्भ	धनि. 2	18 874	20 674	24.5 734	25 3245	11 624385	25 3245	29 34	15.5 6384	24.5 36	18 6723	18.5 6724	19.5 728	28 8	33 4	28.5 63	18 6723	7 367284	14 64273
	शत. 4	26 74	19 746	26 74	26.5 425	21 6235	19 8235	22.5 83	24.5 63	24.5 63	18 6723	18 6723	24.5 724	33 4	28 8	19 684	8.5 67284	17 6723	16 6723
	पू.भा. 3	18.5 6734	26 74	20 674	20.5 6245	26.5 245	11 623485	15.5 8634	29.5 34	30.5 3	24 723	23 7234	20 7623	28.5 63	19 864	28 8	17.5 872	22.5 724	20 7243
मीन	पू.भा. 1	11.5 612734	19 517245	13 612745	19 674	25 74	9.5 67834	15 62384	29 1234	30 123	29.5 13	28.5 134	25.5 613	17 6173	7.5 614738	16.5 1738	28 8	33 4	30.5 34
	उ.भा. 4	2.5 1234567	19.5 872135	12 625741	18 647	19 87	21 67	24 6123	22 8123	30 123	29.5 13	29.5 13	14.5 61384	6 6128734	16 61273	21.5 1734	33 4	28 8	35
	रेवती 4	12.5 172345	11.5 173285	4.5 12345678	10.5 87346	27 7	22 76	26.5 162	29 123	21 8123	20.5 813	21.5 813	22.5 1346	14 124736	16 17236	18 14723	29.5 43	34	28 8

1-वर्ण / 2- वश्य / 3-तारा / 4-योनी / 5-राशीश / 6-गण / 7-भकूट / 8-नाड़ी

वर्षफल निर्माण विधि

जिस वर्ष का वर्षफल अभीष्ट हो, उस अभीष्ट सम्वत् में से जन्म सम्वत् घटाने पर जो शेष बचे, वे जन्म से गतवर्ष अर्थात् 'गताब्द' होते हैं उन गताब्दों से प्राचीन मतानुसार वर्षप्रवेश सारणी के नीचे दिये गये वार घटी पल आदि फल लेकर उसमें जन्म के वार, इष्टघटी, पलादि जोड़ने पर वर्षप्रवेशकालिक वारादि इष्टकाल ज्ञात होता है। पल घटी आदि यदि 60 से अधिक हों, तो उन्हे सवर्ण करके तथा यदि वारादि संख्या 7 से अधिक हो तो 7 का भाग देने पर एकादि शेष रहने पर रवि आदि क्रम से वार तथा आगे वर्षेष्ट घटी पलादि होते हैं। जन्मकालिक स्पष्ट सूर्य के राश्यंशादि की तरह वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट सूर्य होता है। वर्षेष्ट के स्वदेशीय(समीपस्थ अक्षांश) लग्न सारणी से लग्न साधन करने पर वर्ष प्रवेश कालिक लग्न सिद्ध होता है। इस प्रकार वर्ष लग्न में वर्ष लग्न कालिक ग्रह स्थापित करने पर वर्ष कुण्डली बनती है।

मुन्थासाधन-

वर्ष कुण्डली में मुन्था भी लगाई जाती है। जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुन्था होती है। यह प्रति वर्ष एक-एक राशि बढती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडने पर यदि 12 से अधिक हो तो 12 का भाग देने पर शेष मुन्था की राशि होती है।

मुद्दादशासाधन-

गत वर्ष संख्या में जन्म नक्षत्र संख्या जोडकर जो संख्या उपलब्ध हो, उसमें 2 घटाकर 9 का भाग देने पर एकादि शेष बचने पर सूर्य चन्द्र मंगल राहु बृहस्पति शनि बुध केतु शुक्र की दशा होती है। सूर्यादि मुद्दादशा दिनादि पंचाग में दिये गये चक्र से जान सकते हैं।

हर्षबलसाधन-

वर्ष कुन्डली में स्थानबल, स्वोच्चबल, पुरुषस्त्रीबल तथा दिनरात्रिबल- ये चार हर्ष बल कहलाते हैं। वर्ष कुण्डली में हर्षबल का सर्वाधिक महत्व होता है क्योंकि हर्षबल के द्वारा ही वर्षेशादि का निर्णय होता है।

स्थानबल-

वर्ष लग्न से 9वें स्थान में सूर्य, 3 में चन्द्रमा, 6 में मंगल, 1 में बुध, 11 में गुरु, 5 में शुक्र तथा 12 में शनि 5 हर्षबली होते हैं।

स्वोच्चबल-

प्रत्येक ग्रह अपनी तथा उच्च राशि में 5 हर्षबली होते हैं। अर्थात् सूर्य 1/5, चन्द्र 2/4, मंगल 1/8/10, बुध 3/6, गुरु 4/9/12, शुक्र 2/7/12, शनि 10/11/7 राशियों में सूर्यादि ग्रह हर्षित अर्थात् हर्ष बली होतें हैं।

पुरुषस्त्रीबल-

स्त्रीग्रह (चं. बु. शु. श.) 1,2,3,7,8,9 स्थानों मे तथा पुरुष ग्रह (सू. मं. गु.) 4,5,6,10,11,12 स्थानों में हर्ष बली होते हैं। हर्ष बली ग्रह के 5 बल होते हैं।

दिनरात्रिबल-

दिन में वर्ष प्रवेश हो तो पुरुष ग्रह रात्रि में वर्ष प्रवेश हो तो स्त्री ग्रह बली होते हैं। यहां यह ध्यान देना चाहिये जहां बल प्राप्त हो वहां 5 तथा जहां बलप्राप्त न हो वहां शून्य (0) रखना चाहिये। इस प्रकार सूर्यादि ग्रहों के चारों स्थानादि बलों का योग हर्षबल कहलाता है।

वर्षेश निर्णय-

जन्म लग्नपति, वर्ष लग्नपति, मुन्थाधिपति, त्रिराशिपति, दिन में वर्ष प्रवेश हो तो सूर्य जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी तथा रात्रि का वर्ष प्रवेश हो तो चन्द्रमा जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी ये पञ्चाधिकारी कहलाते हैं। इन पञ्चाधिकारियों में जो बलवान होकर लग्न को देखता हो, वह वर्षेश होता है। बलवान होने पर भी यदि लग्न को न देखता हो तो, वर्षेश नही होगा। समान बली होने पर जो लग्न को अधिक दृष्टि से देखता हो वह वर्षेश होगा। लग्न को देखने वाला ग्रह यदि अल्प बली हो तो, मुन्थेश अर्थात् मुन्था जिस राशि पर हो उस राशि का स्वामी वर्षेश होगा। यदि पञ्चाधिकारियों में कोई भी ग्रह लग्न को न देखता हो तो जो ग्रह सबसे अधिक बलवान् होगा वही वर्षेश होगा। यदि चन्द्र वर्षेश प्राप्त हो तो वह पञ्चाधिकारियों में जिससे इत्थशाल करें, वह वर्षेश होगा। यदि इत्थशाल न करे तो चन्द्र जिस राशि मे बैठा हो वह वर्षेश होगा।

वर्ष दृष्टि-विचार-

वर्ष कुण्डली में जो ग्रह जिस स्थान में स्थित हो, उससे 5/9 स्थान को प्रत्यक्ष मित्र दृष्टि से, 3/11 स्थान को गुप्त मित्र दृष्टि से, 1/7 को प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि से तथा 4/10 स्थान को गुप्त शत्रु दृष्टि से देखता है। प्रत्यक्षमित्र दृष्टि सभी कार्यों में शीघ्र सफलता देने वाली होती है, गुप्त मित्र दृष्टि कठिनता से सफलता देने वाली होती है। प्रत्यक्ष शत्रु दृष्टि शत्रुता उत्पन्न करने वाली, मित्र से शत्रुता कराने वाली, बनते काम बिगाड़ने वाली हानिकारक होती है। गुप्त शत्रुदृष्टि कार्यों को कठिनता से सफल कराने वाली तथा गुप्त रूप से शत्रु उत्पन्न कराने वाली होती है।

॥ वेधसिद्ध (नवीन) वर्षमानानुसारेण वर्ष प्रवेशसारिणी ॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटि	15	30	46	1	16	32	47	3	18	33	49	4	19	35	50	6	21	36	52	7
पल	22	45	8	31	54	17	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	30	23	16	39
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1
घटी	23	38	53	9	24	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58	13	29	44	59	15
पल	1	24	47	10	33	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23	46	9	32	55	18
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15	12	9	6	3	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वांर	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	0	1	2	3	5	6	0	1
घटी	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	39	55	10	26	41	56	12	27	43	58
पल	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	56	19	42	5	28	51	14	37	0	23
विपल	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	42	39	36	33	30	27	24	21	18	15

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	3	4	5	6	1	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	4	5	6	1	2
घटी	13	29	44	59	15	30	46	1	16	32	47	2	18	33	49	29	44	59	15	30
पल	46	9	32	55	18	40	3	26	49	12	35	58	21	44	7	4	27	50	13	36
विपल	12	9	6	3	0	57	54	51	48	45	42	39	36	33	30	12	9	6	3	00

॥ प्राचीनमानानुसारेण वर्ष प्रवेश सारिणी॥

गताब्द	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
वार	1	2	3	5	6	0	1	3	4	00	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4
घटी	15	31	46	2	17	33	48	4	19	35	50	6	21	37	52	8	23	39	54	10
पल	31	3	34	6	37	00	40	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	28	30
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
वार	5	4	0	2	3	4	00	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1
घटी	26	10	57	12	28	43	59	14	30	45	1	16	32	43	3	18	34	49	5	21
पल	21	30	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	37	29	22	454	25	57	28	00
विपल	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	21	30	30	00	30	00	30	0

गताब्द	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
वार	2	3	5	6	0	1	3	4	5	6	1	2	3	4	6	0	1	3	4	5
घटी	36	52	7	23	38	54	9	25	40	56	11	27	42	58	13	29	44	00	15	31
पल	31	3	34	6	37	9	10	12	43	15	46	18	49	21	52	24	55	27	58	30
विपल	30	00	00	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

गताब्द	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
वार	6	1	2	3	4	6	0	1	2	4	5	6	0	2	3	4	5	0	1	2
घटी	47	2	18	33	49	4	20	35	51	6	22	37	53	8	24	39	55	10	26	42
पल	1	33	4	36	7	39	10	42	13	45	16	48	19	51	22	54	25	57	28	00
विपल	30	00	30	0	30	0	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00	30	00

॥ विंशोत्तरी मुद्दादशाचक्र ॥

ग्रह	सूर्य	चन्द	मंगल	राहू	गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र
मास	0	1	0	1	1	1	1	0	2
दिन	18	0	21	24	18	27	21	21	0

॥ योगिनी मुद्दादशाचक्र ॥

योगिनी	मं.	पिं.	धा.	भ्रा.	भ.	उ.	सि.	सं.
मास	0	0	1	1	1	2	2	2
दिन	10	20	0	10	20	0	10	20

॥ त्रिराशिपतिचक्र ॥

लग्नम्	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
दि.पति	सू.	शु.	श.	शु.	गु.	चं.	बु.	मं.	श.	मं.	गु.	चं.
लग्नम्	मे.	वृष	मि.	क.	सिं.	क.	तु.	वृशि.	ध.	म.	कु.	मी.
रा. पति	गु.	चं.	बु.	मं.	सू.	शु.	श.	शु.	श.	मं.	गु.	चं.

अथ बृहद्गोदानविधिः

तत्र दाता सुस्नातः गोदानसामग्रीं स्वाग्रतः सम्पाद्य सुलिप्तायां भूमौ सपत्नीकः स्वासने उपविश्य यथोक्तलक्षणां सवत्सां गां प्राङ्मुखमिव स्थाप्य कुशतिलजलयवान्यादाय संकल्पं कुर्यात्।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्ये अमुकगोत्रोऽमुकराशिरमुकशर्मा सपत्नीकोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणोक्तफलप्राप्तये सकलमनोरथसिद्धये च कृतैतद् श्रीयज्ञपुरुषप्रीतये गोदानं करिष्ये।

गोदानार्थं ब्राह्मणवरणम् –तत्प्रतिग्रहणार्थं ब्राह्मणस्य पूजनपूर्वकं वरणञ्च करिष्ये।

उदङ्मुखं ब्राह्मणमर्घ्यादिभिः सम्पूज्य वरणसामग्रीं करे कृत्वा एभिः गन्धाक्षतपुष्पमालायज्ञोपवीतवस्त्रफलादिभिः गोदानप्रतिग्रहणार्थम् अमुकगोत्रस्यामुकवेदाध्यायिनम् अमुकशर्माणं ब्राह्मणं त्वामहं वृणे।

वृणोस्मीति ब्राह्मणो वदेत्।

आवाहयाम्यहं देवीं गां त्वां त्रैलोक्यमातरम् ।
यस्याः स्मरणमात्रेण सर्वपापैः प्रमुच्यते ॥१॥
त्वं देवी त्वं जगन्माता त्वमेवासि वसुन्धरा।
गायत्री त्वं च सावित्री गङ्गा त्वं च सरस्वती ॥
तृणानि भक्ष्यसे नित्यममृतं स्रवसे प्रभो ।
भूतप्रेतपिशाचांश्च पितृदेवतमानुषान् ॥
सर्वास्तारयते देवी नरकात्पापसङ्कटात् ॥

इत्यावाह्य पूजयेत्।

सवत्सायै गवे नमः, पाद्यं स्नानं च समर्पयामि।

गोरङ्गपूजनम्

नमो विश्वमूर्तिभ्यो विश्वमातृभ्य एव च।
लोकाधिवासिनीभ्यश्च रोहिणीभ्यो नमो नमः॥
गो अग्रपादाभ्यां नमः। गोः पश्चात्पादाभ्यां नमः॥
देहस्था या च रुद्राणां शंकरस्य सदाप्रिया।
धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

गोरास्याय नमः

विष्णोर्वक्षसि या देवी स्वाहा या च विभावसोः।
चन्द्रार्कशक्रशक्तिर्या सा धेनुर्वरदास्तु मे॥
गोः शृंगाभ्यां नमः॥ गोकर्णाभ्यां नमः॥
चतुर्मुखस्य या लक्ष्मीर्या लक्ष्मीर्धनदस्य च।
लक्ष्मीर्या लोकपालानां सा धेनुवरदास्तु मे।

गोः पृष्ठाय नमः।।

स्वधा त्वं पितृमुख्यानां स्वाहा यज्ञभुजांस्तथा।

सर्वपापहरे धेनो तस्माच्छान्तिं प्रयच्छ मे।।

गोः पुच्छाय नमः।।

यस्याः श्रृंगाग्रयोरिन्द्र उरसि स्कन्ध एव च।

तत्रास्ते शिरसि ब्रह्मा ललाटे वृषभध्वजः।।

कर्णयोरश्विनौ देवौ चक्षुषोः शशिभास्करौ।

दंतेषु मरुतो देवा जिह्वायां च सरस्वती।।

अपाने सर्वतीर्थानि लांगूले सर्वमङ्गला।

ऋषयोः रोमकूपेषु पृष्ठे वैवस्वतो यमः।।

वरुणो धनदश्चैव दक्षिणां कुक्षिमाश्रितः।

वामपार्श्वे महायज्ञो महोजास्तु महाबलः।।

खुरमध्ये तु गन्धर्वाः खुराग्रे पन्नगास्तथा।

खुराणां पश्चिमे पार्श्वे गणा अप्सरसामपि।।

गोमये वसते लक्ष्मीर्गोमूत्रे जाह्नवीजलम्।

हुंकारे निखिला वेदा रम्भाशब्दे प्रजापतिः।।

चत्वारः सागराः पूर्णा धेनूनां स्तनमण्डले।

अमृतं स्रवते नित्यं पिबन्ति सुरमानवाः।।

न धेनु तुल्यं धनमस्ति किञ्चिद्धरत्यघं गुह्यबहिर्भवं च।

तृणानि भुक्ताप्यमृतं स्रवंती विप्राय दत्ता पितृमोक्षदा सा।।

एककालं द्विकालं वा यो ददाति गवाह्निकम्।

पञ्चचामरपूर्णाङ्गविमानमधिरोहति।।

उभे संध्ये च यो नित्यं गोसावित्रिं सदा पठेत्।

गोसहस्रफलं सोऽपि लभते वांछितं फलम्।।

गवामङ्गेषु तिष्ठन्ति भुवनानि चतुर्दश।

यस्मात्तस्माच्छिवं मे स्यादिह लोके परत्र च।।

वस्त्रम्- आच्छादनं मया दत्तं सम्यक् शुद्धं सुनिर्मलम्।
सुरभिर्वस्त्रदानेन प्रीयतां परमेश्वरी।

गन्धम्- सर्वदेवप्रियन्देवि चन्दनं कुङ्कुमान्वितम्।
कर्पूरादिसमायुक्तं गोगन्धं प्रतिगृह्यताम्।।

अक्षताः - अक्षताश्च शुभ्राश्च कुंकुमाक्ताः सुशोभनाः।
मयानीताः प्रियार्थैतान् गृहाण त्वं गवेश्वरि।।

धूपम् - आनन्दकृत्सर्वलोके देवानाञ्च सदाप्रिये।
गौस्त्वं पाहि जगन्माता धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।

दीपम्- साज्यं सद्वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेशि सर्वतस्तिमिरापहम्।

गोः ग्रासः - सुरभिस्त्वं जगन्माता नित्यं विष्णुपदे स्थिता।
गो ग्रासं च मया दत्तं नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।
सुरभिस्त्वं जगन्मातर्देवि विष्णुपदे स्थिता।
सर्वदेवमयी ग्रासं मया दत्तमिमं ग्रस॥

भूषणार्थ द्रव्यं - घंटाचामरञ्च समर्प्य, ततो गोः देहतीर्थानि पूजयेत्।

देहे देवतीर्थपूजनम् - गन्धाक्षतपुष्पैः

शृङ्मूले ब्रह्माविष्णुभ्यो नमः॥ सर्वतीर्थेभ्यो नमः॥ शिरोमध्ये महादेवाय नमः॥ ललाटे गौर्ये नमः॥ नासारन्ध्रे षण्मुखाय नमः॥ नासापुटयोः कम्बलाश्वतराभ्यां नमः॥ दन्तेषु वायवे नमः॥ जिह्वायां वरुणाय नमः॥ हुंकारे सरस्वत्यै नमः॥ गण्डयोः मासपक्षाभ्यां नमः॥ ओष्ठयोः सन्ध्याद्वाभ्यां नमः॥ ग्रीवायां रक्षेभ्यो नमः॥ कुक्षौ साध्ये नमः॥ जंघासु धर्म्माय नमः॥ खुरमध्ये गन्धर्वेभ्यो नमः॥ खुराग्रे कुलपर्वतेभ्यो नमः॥ खुरपश्चिमाग्रेषु अप्सरोगणेभ्यो नमः॥ पृष्ठे एकादशरुद्रेभ्यो नमः॥ सर्वसन्धिषु वसुभ्यो नमः॥ श्रोण्यौ पितृगणेभ्यो नमः॥ पुच्छे सोमाय नमः॥ पुच्छकेशेषु सूर्य-रश्मिभ्यो नमः॥ गोमूत्रे गङ्गायै नमः॥ गोमये यमुनायै नमः॥ क्षीरे सरस्वत्यै नमः॥ दध्नि नर्मदायै नमः॥ घृते वह्नये नमः॥ रोमेषु कोटिदेवेभ्यो नमः॥ उदरे पृथिव्यै नमः॥ स्तनेषु चतुः सागरेभ्यो नमः॥

एते यस्याः स्तनो देवा सा धेनुर्वरदो मम ॥

स्वर्णशृङ्गीं रौप्यखुरां ताम्रपृष्टां मुक्ताफलसमर्पितं लांगूलवती कांस्यगोदेविकां विधाय प्रार्थयेत्।

नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः।

गोपुच्छतर्पणविधिः-

सकुशाक्षतयवं गोपुच्छं च गृहीत्वा प्राङ्मुखी यजमानौ देवतीर्थेन देवास्तर्पयेत्।

ॐ या नन्दनी सुशीलाद्या कामदाश्चैव धेनवः।
ताः सर्वा पुच्छतोयेन तर्पितास्तर्पयन्तु माम्॥
ब्रह्मा विष्णुर्महादेवः कार्तिकेयो गणाधिपः।
पुष्पचापो महेन्द्रश्च भगवानच्युताग्रजः॥
देवा समस्ताः सगणाः सवाहनपरिच्छदाः।
सवसवोऽष्टौ द्वादशार्का रुद्रा एकादशेऽवतु॥
विश्वेदेवाश्च सोमश्च मरुतो मातरस्तथा।

गन्धर्वा गुह्यकाश्चैव सागरा सरितस्तथा॥
राक्षसाः यक्षवेतालाः पूतनाः पर्वताः द्रुमाः।
तीर्थान्यापसरश्चैव पशवः पन्नगाः खगाः॥
ऋक्षाणि राशयः योगाः मासवर्षर्तुवासराः।
अयने च युगाः कल्पास्तथा मन्वन्तराणि च॥
भुवनानि दिशाकाशं तथा सर्वेन्द्रियाणि च।
ॐकारश्चैव गायत्री छन्दस्त्वङ्गानि चैव हि॥
वेदाश्च स्मृतयश्चैव पुराणानि तथैव च।
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गन्धर्वो मन्त्रपारगाः॥
औषध्यो वनसम्भूता ग्राम्याश्चैव सुप्पिपलाः।
सानुगा देवताश्चैव मुनयः सगणास्तथा॥
ऋषयः ऋषिपत्न्यश्च सिद्धाश्च सगणास्तथा।
प्रजा प्रजापतिश्चैव येऽन्ये विघ्नविनायकाः॥
विद्याधराश्च दैत्याश्चैवाचार्या गुरवस्तथा।
डाकिन्यः क्षेत्रपालश्च भैरवाचाष्टसंख्यकाः॥
स्थावरा जङ्गमाश्चैव भूतग्रामचतुर्विधाः।

अक्षयेनाऽमृतेनैव मङ्गलेन सुवारिणा॥
गोपुच्छाग्रच्युतमेह मद्दतेन हितेऽखिला।
शाश्वतीं तृप्तिमायान्तु दात्र्यै युक्तवरप्रदाः॥
सूर्यः सोमः कुजः सौम्यो गुरुः शुक्रः शनैश्चरः।
ग्रहाश्च तृप्तिमायान्तु राहुकेतू समन्वितौ॥
इन्द्रो वह्निर्यमो रक्षः पाशो वायुर्धनाधिपः।
ईशोऽनन्तस्तथा ब्रह्मा सर्वे ते तर्पिता मया॥
सावित्र्या सह लोकेशः सलक्ष्मीकश्चतुर्भुजः।
महेशश्चोमया सार्द्धस्तृप्तिर्यान्तु च शाश्वतीम्॥
अत्रिर्वशिष्ठो भृगुगौतमौ च
मरीचि दक्षो पुलहः पुलस्त्यः।
प्रचेतसः काश्यपविश्वमित्रौ
भारद्वाजसंज्ञो जमदग्निरेव।
अन्ये च सर्वे मुनिपुंगवाश्च
गृह्णन्तु दत्तं जलमद्य तुष्टाः॥

(जीवित्पितृकस्य तर्पणे निषेधोऽतस्तेन तन्नकार्य्यम्) ततो यज्ञोपवीतं कण्ठावरोहणं कृत्वा साक्षतकुशैः मनुष्यतीर्थेन मनुष्यांस्तर्पयेत् –

सनकः सनन्दनश्चैव सनातनस्तथैव च।

कपिलश्चासुरैश्चैव वोढुपञ्चशिखस्तथा।

ते तृप्तिमखिलायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः॥

ततो अपसव्यं विधाय द्विगुणितकुशतिलजलैः पितृन् तर्पयेत् –

कव्यवाडवानलः सोमो यमश्चैवार्य्यमा तथा।

अग्निष्वाताः सोमपाश्च तथा बर्हिषदश्च ये।

तर्पितास्तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

यमाय धर्मराजाय मृत्यवे चान्तकाय च।

वैवस्वताय कालाय सर्वभूतक्षयाय च।

औदुम्बराय दध्नाय नीलाय परमेष्ठिने।

वृकोदरश्च चित्रश्च चित्रगुप्तस्तथैव च।

ते सर्वे तृप्तिमायान्तु गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितापितामहश्चैव तथैव प्रपितामहः।

माता पितामही चैव तथैव प्रपितामही।

मातामहः प्रमातामहः प्रमातामहोपरः।

मातामही प्रमातामही प्रमातामहीपरा।

तृप्तिमायान्तु सकलाः गोपुच्छोदकतर्पणैः।

पितृवंशे मृते ये च मातृवंशेऽपि ये मृताः।

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः क्रियालोपगतास्तथा।

आब्रह्मस्तंबपर्य्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु सर्वदा सर्वे गोपुच्छोदकतर्पणैः।

ब्राह्मणपूजनम् – गन्धाक्षतपुष्पमालादिभिः विप्रमर्चयित्वा, अनन्तरं वस्त्रद्रव्यरत्नादिभिः च अलङ्करणं कुर्यात्। प्रार्थयेत्–

ॐनमस्त्वनन्ताय सहस्रमूर्तये, सहस्रपादाक्षिशिरोरुबाहवे।

सहस्रनाम्ने पुरुषाय शाश्वते सहस्रकोटियुगधारिणे नमः॥

आपध्वनन्ताय सहस्रभानवे समीहितार्थार्पणकामधेनवः।

अपारसंसारसमुद्रसेतवः पुनन्तु मां ब्राह्मणपादपांसवः॥

ॐभूमावेवाग्रजन्मासि विप्र त्वं पुरुषोत्तमः।

प्रत्यक्षो यज्ञपुरुषः पूजां मे प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ अ॒ᳬ शुनाते अ ᳬ शुः पृच्यतां परुषा परुः गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः।

उदङ्मुखस्तु विप्रः स्यात्पात्रलक्षणलक्षितः।
आज्यपात्रं करे कृत्वा सुवर्णेन समन्वितम्॥
निक्षिप्य पुच्छं तस्मिंस्तु घृतदुग्धं प्रगृह्य च।
सतिलं विप्रवर्य्याय धेनुं दद्यात्पयस्विनीम्॥

प्राङ्मुखीगाम् उदङ्मुखी विप्रः पुच्छदेशे स्वयं स्थित्वा आज्यपात्रं सतिलं कनकेन(सुवर्णेन) अन्वितं (युक्तं) प्रगृह्य गोपुच्छं तत्पात्रे निधाय दानसंकल्पं कुर्यात्॥

अद्येत्यादि अमुकोऽहं ममामुष्मिन् कर्मणि श्रुतिस्मृति-पुराणोक्तफलवाप्तये गोरोमसंख्यकदिव्यवत्सरावच्छिन्न स्वर्गलोकस्थितिकामांश्च पितृणां निरतिशयानन्दब्रह्मलोकप्राप्तये च परमेश्वरप्रीतये इमां सुपूजितां सालंकारां सवत्सां गां रुद्रदेवताममुकगोत्राय अमुकशर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

दानवाक्यम् - यज्ञसाधनभूतायाः विश्वस्याघविनाशिनी।
विश्वरूपधरोदेवः प्रीयतामनया गवा॥

ततो ब्राह्मणः स्वस्तीति वदेत्-

अद्य कृतैतद्गोदानकर्मणः सांगतासिद्धये इदं हिरण्यमयं दक्षिणामग्निदैवतममुकगोत्रायामुकशर्म्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमहं सम्प्रददे।

कोदादिति ब्राह्मणप्रतिवचनम्।

ततो ब्राह्मणगवोः प्रदक्षिणाचतुष्टयं कुर्य्यात्-

नमो ब्रह्मण्यदेवाय गोब्राह्मणहिताय च।
जगद्धिताय कृष्णाय गोविन्दाय नमो नमः॥
मया जन्मसहस्रेषु ह्यर्जितं पापसंचयम्।
तत् सर्वं नाशय क्षिप्रं प्रदक्षिणा पदे-पदे॥

ब्राह्मणः गोपुच्छोदकेनाभिषेकं कुर्यात्। मन्त्राशीषं च दद्यात्। ततो यजमानः ब्राह्मणेन समन्वितां गावः नमस्कारप्रदक्षिणाञ्च कुर्यात्।

नमस्कारः- नमो गोभ्यः श्रीमतीभ्यः सौरभेयीभ्य एव च।
नमो ब्रह्मसुताभ्यश्च पवित्राभ्यो नमो नमः॥
यया सर्वमिदं व्याप्तं जगत् स्थावरजङ्गमम्।
तां धेनुं शिरसा वन्दे भूतभव्यस्य मातरम्॥
पञ्चगावः समुत्पन्ना मथ्यमाने महोदधौ।
तासां मध्ये तु या नन्दा तस्यै देव्यै नमो नमः॥
सर्वकामदुघे देवी सर्वतीर्थाभिषेचिनि।
पावनि सुरभिश्रेष्ठे देवि तुभ्यं नमो नमः॥

प्रदक्षिणा - पापानि सर्वाणि पदे पदे या
हरत्यहो तत्क्षणमेव नृणणाम्।

प्रदक्षिणां तां परभक्तिभावात्
समाचरे धेनुवरे प्रसीद॥

गवां दृष्ट्वा नमस्कृत्य कुर्याच्चैव प्रदक्षिणम्।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तद्वीपा वसुन्धरा॥

मातरः सर्वभूतानां गावः सर्व सुखप्रदाः।

वृद्धिमाकाङ्क्षता पुंसा नित्यं कार्या प्रदक्षिणा॥

इति चतुःसंख्यकप्रदक्षिणां विधाय प्रार्थयेत्

या लक्ष्मीर्लोकपालानां या च धेनुः सरस्वती।

धेनुरूपेण सा देवी मम पापं व्यपोहतु॥

ततो ब्राह्मणः गोपुच्छान्वितजलेन यजमानशिरसि निषिच्य तिलकमन्त्रपाठादीनि दद्यात्।

व्यतीपाते च संक्रान्तौ ग्रहणे ग्रहदौष्ट्यके।

असूतक्रमे विवाहे च रात्रौ गोदानमिष्यते॥

ततोदक्षिणां भूयसी च दद्यात्। तथा यथोपपन्नेनान्नेन ब्राह्मणैश्च भोजयिष्ये।

इति गोदानविधिः

यज्ञोपवीत धारण प्रयोग

किसी भी अवस्था में यदि यज्ञोपवीत अशुद्ध हो जाये, अथवा धागा टूट जाय, या फिर शौचादि के समय कान में डालना भूल जायें तो अपवित्र हो जाता है तब नया यज्ञोपवीत धारण करना चाहिये। इसी प्रकार जननाशौच, मरणाशौच, श्राद्ध, यज्ञ आदि में तथा सूर्य-चन्द्रग्रहण के उपरान्त नवीन यज्ञोपवीत धारण करना अपेक्षित है। यज्ञोपवीत धारण करने से पहले उसे संस्कारित करके प्रत्येक तन्तु में देवताओं का आवाहन व प्रतिष्ठापन कर सिद्ध (अभिमन्त्रित) करना आवश्यक होता है। अतः सर्वप्रथम संङ्कल्प करें।

ॐविष्णुर्विष्णुर्विष्णु अद्य....... मम श्रौतस्मार्तकर्मानुष्ठानसिद्धिद्वारा श्रीपरमेश्वरः प्रीत्यर्थ नूतनयज्ञोपवीतं धारणमहं करिष्ये।

इस प्रकार सङ्कल्प कर यज्ञोपवीत निम्नलिखित मन्त्र से प्रक्षालित करें-

ॐ आपोहिष्ठा मयोभुवस्ता न ऊर्जे दधातन। महे रणाय चक्षसे। यो वः शिवतमो रसः तस्य भाजयतेह नः। उशतीरिव मातरः तस्मा अरं गमाम वः यस्य क्षयाय जिन्वथ। आपो जनयथा च नः॥

इसके बाद हाथों के सम्पुट में यज्ञोपवीत रखकर गायत्री का दश बार आवेष्टित जप करें। तदुपरान्त किसी पात्र में यज्ञोपवीत रखकर पुष्पाक्षत से प्रत्येक सूत्र में देवताओं का आवाहन करें।

प्रथमतन्तौ ॐकारायनमः, ॐकारमावाहयामि। द्वितीयतन्तौ ॐअग्नये नमः, अग्निमावाहयामि। तृतीयतन्तौ ॐसर्पदेवताभ्यो नमः, सर्पानावाहयामि। चतुर्थतन्तौ ॐ सोमाय नमः, सोममावहयामि। पञ्चमतन्तौ ॐपितृभ्यो नमः, पितृनावाहयामि। षष्ठतन्तौ ॐ प्रजापतये नमः, प्रजापतिमावाहयामि, सप्तमतन्तौ ॐअनिलेभ्यो नमः, अनिलमावाहयामि। अष्टमतन्तौ ॐयमाय नमः, यममावाहयामि। नवमतन्तौ ॐविश्वेदेवेभ्यो नमः। विश्वान् देवानावाहयामि।

अथ ग्रन्थिदेवतानामावाहनम्- **ग्रन्थिममध्ये ॐब्रह्मणे नमः, ॐ ब्रह्मणमावाहयामि। ॐ विष्णवे नमः ॐविष्णुमावाहयामि। ॐरुद्राय नमः, रुद्रमावाहयामि। ॐप्रणवाद्यावाहित देवताभ्यो नमः। प्रणवाद्यावाहितदेवताः यथा स्थानमहं प्रतिष्ठापयामि।**

इन मन्त्रों से यज्ञोपवीत की गन्धाक्षत से प्रतिष्ठा करें तथा यज्ञोपवीत का मानसोपचार से पूजन करें।

ध्यानम्-

ॐ प्रजापतेर्यत्सहजं पवित्रं कार्पाससूत्रोद्भवब्रह्मसूत्रम्।
ब्रह्मत्वसिद्ध्यै च यशः प्रकाशं जपस्य सिद्धिं कुरु ब्रह्मसूत्रम्।।

तदनन्तर निम्नमन्त्र से सूर्यनारायण को यज्ञोपवीत दिखाना चाहिये।

ॐ आकृष्णेन रजसावर्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यञ्च।

हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।

अथ यज्ञोपवीतधारणम्

यज्ञोपवीतमिति मन्त्रस्य परमेष्ठी ऋषिः लिङ्गोक्तदेवता त्रिष्टुपछन्दो यज्ञोपवीतधारणे विनियोगः।

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्।

आयुष्यमग्र्यं प्रतिमुञ्चशुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः।।

यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।।

इस प्रकार मंत्र पढ़कर पहले दाहिनी भुजा में यज्ञोपवीत डालकर तब कण्ठ में धारण करें। प्रत्येक यज्ञोपवीत धारण के बाद आचमन करें।

जीर्णसूत्र त्याग

निम्नमन्त्र को पढ़कर जीर्ण यज्ञोपवीत अर्थात् पुराने जनेऊ को पहले सिर की ओर से निकालें। और यथा शक्ति गायत्री मन्त्र को जपकर उसे जल में प्रवाहित करें।

एतावद्दिन पर्यन्तं ब्रह्मत्वं धारितं मया।

जीर्णत्वाच्च परित्यागो गच्छसूत्रं यथासुखम्।।

अर्पणम्

अनेन नवयज्ञोपवीतधारणार्थं कृतेन यथाशक्तिगायत्रीजपकर्मणा सवितादेवता प्रीयतां न मम। ॐ तत्सद्ब्रह्मार्पणमस्तु।

इति यज्ञोपवीत धारण विधि

अथ सन्ध्याप्रारम्भः

पवित्रीकरणम् – वाम हस्ते जलमादाय दक्षिणहस्तेन स्व आत्मानं अभिसिञ्चेत् ।

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा ।
यः स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः ॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु। ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

त्रिराचम्य – निम्नलिखित तीन मन्त्रों के उच्चारण के साथ आचमन करते हुए मन में स्वाहा शब्द का उच्चारण करें ।

ॐ केशवाय नमः (स्वाहा)। ॐ नारायणाय नमः (स्वाहा)। ॐ माधवाय नमः (स्वाहा)। ॐ गोविन्दाय नमः । हस्तौ प्रक्षाल्य ।

आसन शुद्धिः – विनियोगः – **ॐ पृथ्वीति मन्त्रस्य मेरुपृष्ठ ऋषिः सुतलं छन्दः कूर्मो देवता आसनपवित्रकरणे विनियोगः ।**

निम्न मन्त्र पढते हुए तीन बार पृथ्वी का स्पर्श करें ।

ॐ पृथ्वी त्वया धृता लोका देवि त्वं विष्णुना धृता ।
त्वं च धारय मां देवि पवित्रं कुरु चासनम् ।
ॐ आधारासनायै कमलासनायै पृथिव्यै नमः ।

पवित्रीधारणम् – कुशा धारण करते हुए निम्न मन्त्र का उच्चारण करें ।

ॐ पवित्रेस्थो वैष्णव्यौ सवितुर्वः प्रसव उत्पुनाम्याच्छिद्रेण पवित्रेण सूर्यस्य रश्मिभिः। तस्य ते पवित्रपते पवित्रपूतस्य यत्कामः पुने तच्छकेयम् ।

शिखाबन्धनविनियोगः **ॐ मानस्तोकेति मन्त्रस्य कुत्स ऋषिः जगति छन्द एको रुद्रो देवता शिखाबन्धने विनियोगः।** (निम्न मन्त्र से शिखाबन्धन करें –)

ॐ मानस्तोके तनयेमानऽआयुषिमानो गोषुमानोऽअश्वेषुरी रिषः । मानोव्वीरान्रुद्द्रभामिनो व्वधीर्हविष्मन्तः सदमित्त्वा हवामहे ।

तिलकधारणम् – निम्न मन्त्र से तिलक धारण करें ।

ॐ आदित्या वसवो रुद्रा विश्वेदेवा मरुद्गणाः ।
तिलकन्ते प्रयच्छन्तु धर्मकामार्थसिद्धये ॥
ॐ मृत्तिका चन्दनं चैव भस्म तोयं चतुर्थककम् ।
एभिर्द्रव्यैर्यथाकालमूर्ध्वपुण्ड्रं भवेत् सदा ॥

संकल्पः-अर्घ्यपात्र में जल लेकर निष्काम भावना से सन्ध्या का संकल्प करें ।

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्त्तमानस्य अद्य ब्रह्मणोह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे भारतवर्षे जम्बूद्वीपे आर्यावर्तैक देशान्तर्गते पुण्यप्रदेशे. .... जनपदे..... नगरे....... ग्रामे...... क्षेत्रे प्रभवादिषष्ठि सम्वत्सराणां मध्ये.... ....सम्वत्सरे सूर्ये उत्तरायणे/दक्षिण अयने उत्तर/दक्षिण गोले..........मासे शुभे शुक्ल/कृष्ण पक्षे शुभ पुण्य ....तिथौ ......वासरे ......नक्षत्रे ....योगे ....करणे ....शुभराशि ....स्थितौ श्री सूर्य......राशिस्थितः चन्द्रः ....गोत्रोत्पन्नो...........शर्माऽहं (वर्माहं/गुप्तोऽहं) ममोत्पात्तदुरितक्षयपूर्वकं श्रीगायत्रीप्रीत्यर्थ प्रातः/मध्याह्न/सायं सन्योपासनकर्म करिष्ये ।

निम्न विनियोग के उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर विनियोग करें ।

विनियोग – **ॐ ऋतं चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

निम्न मन्त्र से उच्चारण के साथ आचमनी में जल लेकर उसे पियें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत । ततो रात्र्यजायत । ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदध द्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्यचन्द्रमसौ धाता यथापूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः ।

प्राणायाम विधि – प्राणायाम के तीन भेद होते हैं – 1. पूरक 2. कुम्भक 3. रेचक

1. अंगूठे से दाहिने नाक को दबाकर बांए नाक से श्वास को धीरे-धीरे खींचने को "पूरक" कहते हैं । पूरक प्राणायाम करते समय उपर्युक्त मन्त्रों का मन से उच्चारण करते हुए नाभिदेश में नीलकमलदल के समान नीलवर्ण चतुर्भुज भगवान् विष्णु का ध्यान करें ।
2. जब श्वास रुक जाए तब अनामिका और कनिष्टिका अंगुली से नाक के बाए छिद्र को भी दबा दें और मन्त्र जपते रहें। यह "कुम्भक" कहलाता है ।कुम्भक प्राणायाम करते समय हृदय में विराजमान लाल वर्ण वाले चतुर्भुज ब्रह्मा का ध्यान करें ।
3. अंगूठे को हटाकर दाहिने छिद्र से श्वास को धीरे-धीरे छोड़ें । यह "रेचक" कहलाता है । रेचक प्राणायाम करते समय ललाट में श्वेतवर्ण शंकर का ध्यान करें।

विनियोगः – **ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता सप्तव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिः गायत्र्युष्णिगनुष्टुब्बृहतीपङ्क्तित्रिष्टुब्जगत्यश्छन्दांसि अग्निवायुसूर्यवृहस्पति- वरुणेन्द्रविश्वेदेवा देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता आपोज्योतिरिति शिरसः प्रजापतिऋषिर्यजुश्छन्दो ब्रह्माग्निवायुसूर्यादेवताः प्राणायामे विनियोगः।**

(निम्न मन्त्र का स्मरण करते हुए प्राणायाम करें –)

ॐ भूः ॐ भुवः ॐ स्वः ॐ महः ॐ जनः ॐ तपः ॐ सत्यम् । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गोदेवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐआपोज्योती रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरोम् ॥ (हस्तौ प्रक्षाल्य) प्रातराचमनीयम् (केवल प्रातः संध्या में निम्न आचमन करे)

विनियोगः – ॐ सूर्यश्च मेति ब्रह्मा ऋषिः प्रकृतिश्छन्दः सूर्यमन्युमन्युपतयो रात्रिश्च

देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।
आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।

ॐ सूर्यश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यद्रात्र्या पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना रात्रिस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सूर्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।

मध्याह्नाचमनीयम्(केवल मध्याह्न सन्ध्या में निम्न आचमन करें)
विनियोग – **ॐ आपः पुनन्त्विति नारायण ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपः पृथिवि ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्म च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**
आचमनी में जल लेकर मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।
ॐ आपः पुनन्तु पृथिवीं पृथिवी पूता पुनातु माम् । पुनन्तु ब्रह्मणस्पतिर्ब्रह्मपूता पुनातु माम् । यदुच्छिष्टमभोज्यं यद्वा दुश्चरितं मम । सर्वं पुनन्तु मामापोऽसतां च प्रतिग्रहःस्वाहा।
सायमाचमनीयम् (केवल सायं सन्ध्या में निम्न आचमन करें)
विनियोगः – अग्निश्चमेति रुद्र ऋषिः प्रकृतिश्छन्दोऽग्निमन्यु मन्यु पतयोऽहश्च देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः ।
आचमनी में जल लेकर निम्न मन्त्र उच्चारण करने के बाद पियें ।
ॐ अग्निश्च मा मन्युश्च मन्युपतयश्च मन्युकृतेभ्यः पापेभ्यो रक्षन्ताम् । यदह्ना पापमकार्षं मनसा वाचा हस्ताभ्यां पद्भ्यामुदरेण शिश्ना अहस्तदवलुम्पतु । यत्किञ्च दुरितं मयि इदमहं माममृतयोनौ सत्ये ज्योतिषि जुहोमि स्वाहा ।
मार्जनविनियोगः – आपो हिष्टेति त्र्यृचस्य सिन्धुद्वीप ऋषिर्गायत्री छन्द आपो देवता मार्जने विनियोगः।
बायें हाथ में जल लेकर दाहिने हाथ की तीन उंगलियों अथवा कुशा निर्मित पवित्री से अपने ऊपर जल का सिंचन करें ।
ॐ आपो हिष्ठा मयो भुवः। ॐ ता न ऊर्जे दधातन। ॐ महेरणाय चक्षसे। ॐ यो वः शिवतमो रसः। ॐ तस्य भाजयतेह नः । ॐ उशतीरिवमातरः । ॐ तस्मा अरं गमाम वः। ॐ यस्य क्षयाय जिन्वथ। ॐआपो जनयथा च नः।
अभिमन्त्रण विनियोगः – **ॐ द्रुपदादिवेत्यश्विसरस्वतीन्द्रा ऋषयोऽनुष्टुप् छन्द आपो देवताः शिरस्सेके विनियोगः।** दाहिने हाथ में जल लेकर बायें हाथ से ढककर निम्न मन्त्र के उच्चारण के बाद जल को सिर पर छिड़कें ।

ॐ द्रुपदादिव मुमुचानः स्विन्नः स्नातो मलादिव ।
पूतं पवित्रेणेवाज्यमापः शुन्धन्तु मैनसः॥

अघमर्षण विनियोगः – **ॐ ऋतञ्चेति त्र्यृचस्य माधुच्छन्दसोऽघमर्षण ऋषिरनुष्टुप् छन्दो भाववृत्तं दैवतमघमर्षणे विनियोगः ।**
निम्न मन्त्रोच्चारण के साथ दाहिने हाथ में जल लेकर उसे नासिका पर लगायें । मन्त्रोच्चारण के बाद उस जल को बायें तरफ फेंक दें ।

ॐ ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत। ततो रात्र्यजायत। ततः समुद्रो अर्णवः । समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरो अजायत । अहोरात्राणि विदध द्विश्वस्य मिषतो वशी । सूर्याचन्द्रमसौ धाता यथा पूर्वमकल्पयत् । दिवञ्च पृथिवीञ्चान्तरिक्षमथो स्वः । (हस्तौ प्रक्षाल्य)
विनियोगः – **ॐ अन्तश्चरसीति तिरश्चीन ऋषिरनुष्टुप् छन्द आपो देवता अपामुपस्पर्शने विनियोगः।**

ॐ अन्तश्चरसि भूतेषु गुहायां विश्वतोमुखः।
त्वं यज्ञस्त्वं वषट्कार आपो ज्योती रसोऽमृतम्॥

सूर्यार्घ्यविनियोगः **ॐ कारस्य ब्रह्मऋषिर्दैवि गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिर्ऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः, तत्सवितुरिति विश्वामित्र ऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता सूयर्घ्यदाने विनियोगः।**
मन्त्रः– **ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।**
धियो यो नः प्रचोदयात्।

ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतं मर्त्यं च । हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन् । एहिसूर्य सहस्रांशो तेजो राशे जगत्पते। अनुकम्पय मां भक्त्या गृहाणार्घ्यं दिवाकरः॥ ब्रह्मस्वरूपिणे सूर्यनारायणाय इदमर्घ्यं दत्तं न मम॥ (जल को आँखों से लगायें)
ध्यानम् –**ॐ ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती नारायणः सरसिजासनसन्निविष्टः।**
केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटी हारीहिरण्मयवपुर्धृतशङ्खचक्रः॥
नमोऽस्तु सूर्याय सहस्रभानवे नमोऽस्तुवैश्वानरजातवेदसे ।
त्वमेव चार्घ्यं प्रतिगृह्ण देव देवाधिदेवाय नमो नमस्ते ॥

सूर्योपस्थानविनियोगः – **ॐ उद्वयमिति प्रस्कण्व ऋषिरनुष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, उदुत्यमिति प्रस्कण्व ऋषिर्निचृद्गायत्री छन्दः सूर्यो देवता चित्रमिति कुत्साङ्गिरसऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता, तच्चक्षुरिति दध्यङ्गाथर्वण ऋषिरेकाधिका ब्राह्मी त्रिष्टुप्छन्दः सूर्यो देवता सूर्योपस्थाने विनियोगः।**
प्रातः काल में दाहिने पैर की एडी उठाकर दोनों हाथों को सीधा रखें, मध्याह्न संध्या में दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें तथा सायं काल में बैठकर हाथ बन्दकमल के समान जोडकर निम्न मन्त्रों के उच्चारण के साथ सूर्योपस्थान करें।
ॐउद्वयं तमसस्परि स्वः पश्यन्त उत्तरम्। देवं देवत्रा सूर्यमगन्म ज्योतिरुत्तमम्॥१॥
ॐ उदुत्यं जातवेदसं देवं वहन्ति केतवः । दृशे विश्वाय सूर्यम् ॥२॥

ॐ चित्रं देवानामुदगादनीकं चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्याग्नेः ।
आप्राद्यावापृथिवी अन्तरिक्ष ॐसूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च ॥३॥
ॐ तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत् । पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शत ॐ शृणुयाम शरदः शतम्प्रब्रवामशरदः शतमदीनाः स्यामशरदः शतम्भूयश्चशरदः शतात् ॥४॥

अङ्गन्यासः - मन्त्रों के साथ-साथ अंगो का स्पर्श करें ।
ॐ हृदयाय नमः । ॐ भूः शिरसे स्वाहा । ॐ भुवः शिखायै वषट् । ॐ स्वः कवचाय हुम् । ॐ भूर्भुवः नेत्राभ्यां वौषट् । ॐ भूर्भुवः स्वः अस्त्राय फट् ॥ ॐ पुनातु शिरसि । ॐ भूः पुनातु पादयोः । ॐ भुवः पुनातु नाभौ ।ॐ स्वः पुनातु हृदये । ॐ महः पुनातु कण्ठे । ॐ जनः पुनातु नेत्रयोः ।ॐ तपः पुनातु ललाटे । ॐ सत्यम् पुनातु शिरसि । ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात् । ॐ सर्व पुनातु सर्वाङ्गे ।

गायत्र्यावाहनविनियोगः - ॐ तेजोऽसीति धामनामासीत्यस्य च परमेष्ठी प्रजापति-ऋषिर्यजुस्त्रिष्टुबृहत्युष्णिहौ छन्दसी सविता देवता गायत्र्यावाहने विनियोगः ।

ॐ तेजोऽसि शुक्रमस्यमृतमसि।
धामनामसि प्रियं देवानामनाधृष्टं देवयजनमसि ।

गायत्रीध्यानम् -

ॐ श्वेतवर्णा समुद्दिष्टा कौशेयवसना तथा,
श्वेतैर्विलेपनैः पुष्पैरलंकारैश्च भूषिता ।
आदित्यमण्डलस्था च ब्रह्मलोकगताथवा,
अक्षसूत्रधरादेवी पद्मासनगता शुभा ॥

गायत्र्युपस्थानविनियोगः - गायत्र्यसीति विवस्वान् ऋषिः स्वराण्महापङ्क्तिश्छन्दः परमात्मा देवता गायत्र्युपस्थाने विनियोगः ।

ॐ गायत्र्यस्येकपदी द्विपदी त्रिपदी चतुष्पद्यपदसि न हि पद्यसे नमस्ते तुरीयाय दर्शताय पदाय परोरजसेऽसावदो मा प्रापत् ॥

गायत्री शापविमोचन मन्त्राः

ब्रह्मशापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीब्रह्मशापविमोचनमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिर्भुक्तिमुक्तिप्रदा ब्रह्मशापविमोचनी गायत्री शक्तिर्देवता गायत्री छन्दः ब्रह्मशापविमोचने विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं ब्रह्मेत्युपासीत यद्रूपं ब्रह्मविदो विदुः ।
तां पश्यन्ति धीराः सुमनसो वाचमग्रतः॥
ॐ वेदान्तनाथाय विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमहि, तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।
ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव ।

वसिष्ठ-शापविमोचनविनियोगः- अस्य श्रीवसिष्ठशापविमोचनमन्त्रस्य निग्रहानुग्रहकर्ता वसिष्ठ ऋषिर्वसिष्ठानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता विश्वोद्भवा गायत्री छन्दः वसिष्ठशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ सोऽहमर्कमयं ज्योतिरात्मज्योतिरहं शिवः ।
आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतिरसोऽस्म्यहम्॥
(योनिमुद्रा दिखाकर तीन बार गायत्री जपें)
ॐ देवि गायत्रि त्वं वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव।

विश्वामित्र-शापविमोचनविनियोगः - ॐ अस्य श्रीविश्वामित्रशापविमोचनमन्त्रस्य नूतनसृष्टिकर्ता विश्वामित्रऋषिर्विश्वामित्रानुगृहीता गायत्री शक्तिर्देवता वाग्देहा गायत्री छन्दः विश्वामित्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।

ॐ गायत्रीं भजाम्यग्निमुखीं विश्वगर्भां यदुद्भवाः ।
देवाश्चक्रिरे विश्वसृष्टिं तां कल्याणीमिष्टकरीं प्रपद्ये ॥
ॐ देवि गायत्रि त्वं विश्वामित्र शापाद्विमुक्ता भव ।

शुक्रशापविमोचनविनियोगः - ॐअस्य श्रीशुक्रशापविमोचनमन्त्रस्य श्रीशुक्रऋषि अनुष्टुप् छन्दः देवी गायत्री देवता शुक्रशापविमोचनार्थं जपे विनियोगः ।
मन्त्र - सोऽहमर्कमयं ज्योतिरर्कज्योतिरहं शिवः । आत्मज्योतिरहं शुक्रः सर्वज्योतीरसोऽस्म्यहम्॥ ॐ देवि गायत्रि त्वं शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

प्रार्थना- अहो देवि महादेवि संध्ये विद्ये सरस्वति ।
अजरे अमरे चैव ब्रह्म योनिर्नमोऽस्तुते ॥

ॐ देवि गायत्रि त्वं ब्रह्मशापाद्विमुक्ता भव, वसिष्ठशापाद्विमुक्ता भव, विश्वामित्रशापाद्विमुक्ता भव, शुक्रशापाद्विमुक्ता भव ।

जपस्य पूर्व मुद्रा (गायत्री जप से पूर्व निम्न 24 मुद्राओं को करें ।)

सुमुखं सम्पुटं चैव विततं विस्तृतं तथा ।
द्विमुखं त्रिमुखं चैव चतुष्पञ्चमुखं तथा ॥
षण्मुखाऽधोमुखं चैव व्यापकाञ्जलिकं तथा।
शकटं यमपाशं च ग्रथितं चोन्मुखोन्मुखम्॥
प्रलम्बं मुष्टिकं चैव मत्स्यः कूर्मो वराहकम्।
सिंहाक्रान्तं महाक्रान्तं मुद्गरं पल्लवं तथा॥
एता मुद्राश्चतुर्विंशज्जपादौ परिकीर्तिताः॥

गायत्रीजपविनियोगः - ॐ कारस्य ब्रह्म ऋषिर्दैवी गायत्री छन्दः परमात्मा देवता तिसृणां महाव्याहृतीनां प्रजापतिऋषिर्गायत्र्युष्णिगनुष्टुभश्छन्दांस्यग्निवायुसूर्या देवताः तत्सवितुरिति विश्वामित्रऋषिर्गायत्री छन्दः सविता देवता जपे विनियोगः।

मालाप्रार्थना- ॐ मां माले महामाये सर्वशक्तिस्वरूपिणि ।

चतुर्वर्गस्त्वयिन्यस्तस्तस्मान्मे सिद्धिदा भव ॥
ॐ अविघ्नं कुरु माले त्वं गृह्णामि दक्षिणे करे।
जपकाले च सिद्ध्यर्थं प्रसीद मम सिद्धये॥
ॐ अक्षमालाधिपतये सुसिद्धिं देहि देहि सर्वमन्त्रार्थसाधिनि साधय साधय सर्वसिद्धिं परिकल्पय परिकल्पय मे स्वाहा

गायत्री मन्त्रः (निम्न गायत्री मन्त्र का 108 बार जप करें -)

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

माला विसर्जनम् (जप के पश्चात् निम्न मन्त्र से माला विसर्जन करें -)

ॐ गुह्यातिगुह्यगोप्त्रीत्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम्।
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वत्प्रसादान्महेश्वरि॥

जपान्तरं मुद्राः(गायत्री जप के पश्चात् निम्न 8 मुद्राओं को करें -)

सुरभिर्ज्ञानवैराग्ये योनिः शंखोऽथ पङ्कजम्।
लिङ्गनिर्वाणमुद्राश्च जपान्तेऽष्टौ प्रदर्शयेत्॥

जपसमर्पणविनियोगः - ॐ देवा गातुविद इति मनसस्पतिर्ऋषिर्विराडनुष्टुप्छन्दो वातो देवता जपनिवेदने विनियोगः ।

मन्त्रः- ॐ देवा गातुविदो गातुं वित्त्वा गातुमित मनसस्पत।
इमं देवयज्ञꣳस्वाहा वातेधाः॥

अनेन यथाशक्तिकृतेन गायत्रीजपाख्येन कर्मणा भगवान् सूर्यनारायणः प्रीयतां न मम । (पृथ्वी पर जल छोड़े)

तत्पश्चात् निम्नलिखित गायत्री कवच का पाठ कर सकते हैं-

विनियोगः- अस्य श्री गायत्रीकवचस्य ब्रह्मा ऋषिर्गायत्री छन्दो गायत्रीदेवता भूः बीजम् भुवः शक्तिः स्वः कीलकम् गायत्रीप्रीत्यर्थं गायत्रीकवचपाठे विनियोगः

ध्यानम् -

पञ्चवक्त्रां दशभुजां सूर्यकोटिसमप्रभाम् ।
सावित्रीं ब्रह्मवरदां चन्द्रकोटिसुशीतलाम् ॥
त्रिनेत्रां सितवस्त्रां च मुक्ताहारविराजिताम् ।
वराभयाङ्कुशकशाहेमपात्राक्षमालिकाम् ॥
शङ्खचक्राब्जयुगलं कराभ्यां दधतीं वराम् ।
सितपङ्कजसंस्थाञ्च हंसारूढां सुखस्मिताम्।
ध्यात्वैवं मानसम्भोजे गायत्रीकवचं जपेत् ॥

ॐ ब्रह्मोवाच

विश्वामित्र महाप्राज्ञ गायत्रीकवचं श्रृणु ।
यस्य विज्ञानमात्रेण त्रैलोक्यं वशयेत् क्षणात् ॥
सावित्री मे शिरः पातु शिखायाममृतेश्वरी ।
ललाटं ब्रह्मदैवत्या भ्रूवौ मे पातु वैष्णवी ॥
कर्णौ मे पातु रुद्राणी सूर्यासावित्रिकाऽम्बिके ।
गायत्री वदनं पातु शारदा दशनच्छदौ ॥
द्विजान यज्ञप्रिया पातु रसनायां सरस्वती ।
सांख्यायनी नासिकां मे कपोलौ चन्द्रहासिनी ॥
चिबुकं वेदगर्भा च कण्ठं पात्वघनाशिनी ।
स्तनौ मे पातु इन्द्राणी हृदयं ब्रह्मवादिनी ॥
उदरं विश्वभोक्त्री च नाभौ पातु सुरप्रिया ।
जघनं नारसिंही च पृष्ठं ब्रह्माण्डधारिणी ॥
पार्श्वौ मे पातु पद्माक्षी गुह्यं गोगोप्त्रिकाऽवतु ।
ऊर्वोरोंकाररूपा च जान्वोः संध्यात्मिकाऽवतु ॥
जङ्घयोः पातु अक्षोभ्या गुल्फयोर्ब्रह्मशीर्षका ।
सूर्या पद्वयं पातु चन्द्रा पादाङ्गुलीषु च ॥
सर्वाङ्गं वेदजननी पातु मे सर्वदाऽनघा ।
इत्येतत् कवचं ब्रह्मन् गायत्र्याः सर्वपावनम् ॥
पुण्यं पवित्रं पापघ्नं सर्वरोगनिवारणम् ।
त्रिसन्ध्यं यः पठेद्विद्वान् सर्वान् कामानुवाप्नुयात् ॥
सर्वशास्त्रार्थतत्वज्ञः स भवेद्वेदवित्तमः ।
सर्वज्ञफलं प्राप्य ब्रह्मान्ते समवाप्नुयात् ॥
प्राप्नोति जपमात्रेण पुरुषार्थांश्चतुर्विधान् ॥
(श्रीविश्वामित्रसंहितोक्तं गायत्रीकवचं सम्पूर्णम्)

गायत्रीविसर्जनविनियोगः ॐ उत्तमे शिखरे इति वामदेव ऋषिरनुष्टुप्छन्दः गायत्री देवता गायत्रीविसर्जने विनियोगः ।

ॐ उत्तमं शिखरे देवी भूम्यां पर्वतमूर्धनि।
ब्राह्मणेभ्योऽभ्यनुज्ञाता गच्छ देवि यथासुखम्।

सूर्यप्रदक्षिणाविनियोगः ॐ विश्वतश्चक्षुरिति भौवन ऋषिस्त्रिष्टुप्छन्दो विश्वकर्मा देवता सूर्यप्रदक्षिणायां विनियोगः ।

मन्त्रः - ॐ विश्वतश्चक्षुरुत विश्वतोमुखो विश्वतोबाहुरुत विश्वतस्पात् ।
सम्बाहुभ्यां धमति सम्पतत्रैर्द्यावाभूमी जनयन् देव एकः ।

अनेन सन्ध्योपासनाख्येन कर्मणा श्रीपरमेश्वरः प्रीयतां न मम।
ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु। ॐ शक्राय नमः । ॐ शतक्रतवे नमः ।

-0-0-0-

षोडशोपचार पूजन विधि

पूजा में जो वस्तु विद्यामान न हो उसके लिये 'मनसा परिकल्प्य सर्मपयामि' कहें। वैदिक एवं लौकिक मन्त्रों के साथ षोडशोपचार पूजन की विधि ।

हाथ में अक्षत लेकर ध्यान करे–

भगवान गणेश जी का ध्यान–

गजाननं भूतगणादिसेवितं कपित्थजम्बूफलचारुभक्षणम्।

उमासुतं शोकविनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपङ्कजम्।।

भगवती गौरी जी का ध्यान करे–

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्।।

श्रीगणेशाम्बिकाभ्यां नमः ध्यानं सर्मपयामि।

ध्यान के बाद भगवान गणेश जी का आवाहन करे–

ॐ गणानां त्वा गणपति ꣳ हवामहे प्रियाणां त्वा प्रियपति ꣳ हवामहे निधीनां त्वा निधिपति ꣳ हवामहे वसो मम। आहमजानि गर्भध मात्वमजासि गर्भधम्।।

एह्येहि हेरम्ब महेशपुत्र समस्तविघ्नौघविनाशदक्ष।
माङ्गल्यपूजाप्रथमप्रधान गृहाण पूजां भगवन् नमस्ते।।

ॐ भूर्भुवः स्वः सिद्धिबुद्धिसहिताय गणपतये नमः गणपतिमावाहयाामि, स्थापयामि, पूजयामि च।

हाथ के अक्षत गणेश जी पर चढ़ा दे। फिर अक्षत लेकर गणेश जी की दाहिनी ओर गौरी जी का आवाहन करे।

भगवती गौरी का आवाहन–

ॐ अम्बे अम्बिकेऽम्बालिके न मा नयति कश्चन। ससस्त्यश्वकः सुभद्रिकां काम्पीलवासिनीम्।।

हेमाद्रितनयां देवीं वरदां शङ्करप्रियाम्।

लम्बोदरस्य जननीं गौरीमावाहयाम्यहम्।।

ॐ भूर्भुवः स्वः गौर्यै नमः गौरीमावाहयामि स्थापयामि पूजयामि च।

उपर्युक्त मन्त्र केवल गौरी गणेश जी के लिये विहित है अन्यथा जिस देवता का पूजन करना हो उनके लिये जो मन्त्र विहित हो उस मन्त्र से ध्यान आवाहन करे। तदनन्तर अधोलिखित मन्त्र प्रायः सभी देव के लिये षोडशोपचार पूजा में प्रयोग कर सकते हैं।

प्राण प्रतिष्ठा–

ॐ मनो जूतिर्जुषतामाज्यस्य बृहस्पतिर्यज्ञमिमं तनोत्वरिष्टं यज्ञ ꣳ समिमं दधातु। विश्वे देवास इह मादयन्तामो ३म्प्रतिष्ठ।।

अस्यै प्राणाः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाः क्षरन्तु च।

अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन।।

गणेशाम्बिके! सुप्रतिष्ठिते वरदे भवेताम्। प्रतिष्ठापूर्वकम् आसनार्थे अक्षतान् समर्पयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः (आसन के लिये अक्षत छोड़ें)

पाद्य, अर्घ्य, आचमनीय, स्नानीय, पुनराचमनीय।

ॐ देवस्य त्वा सवितुः प्रसवेऽश्विनोर्बाहुभ्यां पूष्णो हस्ताभ्याम्।।

एतानि पाद्यार्घ्याचमनीयस्नानीयपुनराचमनीयानि सर्मपयामि गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (इस मन्त्र से जल चढा दं)

दुग्धस्नान–

ॐ पयः पृथिव्यां पय ओषधीषु पयो दिव्यन्तरिक्षे पयो धाः।

पयस्वतीः प्रदिशः सन्तु मह्यम्॥

कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।

पावनं यज्ञहेतुश्च पयः स्नानार्थमर्पितम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पयः स्नानं समर्पयामि। (दूध से स्नान करायें)

दधिस्नान-

ॐ दधिक्राव्णो अकारिषं जिष्णोरश्वस्य वाजिनः।

सुरभि नो मुखा करत्प्रण आयु ꣳ षि तारिषत्॥

पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।

दध्यानीतं मया देवं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दधिस्नानं समर्पयामि। (दही से स्नान करायें)

घृतस्नान-

ॐ घृतं मिमिक्षे घृतमस्य योनिर्घृते श्रितो घृतम्वस्य धाम।

अनुष्वधमा वह मादयस्व स्वाहाकृतं वृषभ वक्षि हव्यम्॥

नवनीतसमुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।

घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः घृतस्नानं समर्पयामि। (घी से स्नान कराये)

मधुस्नान-

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः।

माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः॥

मधुनक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ꣳ रजः।

मधु द्यौरस्तु नः पिता॥

पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।

तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐभूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मधुस्नानं समर्पयामि। (मधु से स्नान करायें)

शर्करास्नान-

ॐ अपा ꣳ रसमुद्वयस ꣳ सूर्ये सन्त ꣳ समाहितम्। अपा ꣳ रसस्य यो रसस्तं वो गृह्णम्युत्तममुपयागृहीतोऽसीन्द्राय त्वा जुष्टं गृह्णाम्येष ते योनिरिन्द्राय त्वा जुष्टतमम्॥

इक्षुरससमुद्भूतां शर्करा पुष्टिदां शुभाम्।

मलापहारिकां दिव्यां स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शर्करा स्नानं समर्पयामि। (शर्करा से स्नान करायें)

पञ्चामृतस्नान-

ॐ पञ्च नद्यः सरस्वतीमपि यन्ति सस्रोतसः। सरस्वती तु पञ्चधा सो देशेऽभवत्सरित्॥

पञ्चामृतं मयानीतं पयो दधि घृतं मधु।

शर्करया समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि। (पञ्चामृत से स्नान करायें)

गन्धोदकस्नानं-

ॐ अ थ्ठं शुना ते अ थ्ठं शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

ॐ भूर्भुर्वः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः गन्धोदकस्नानं समर्पयामि। (गन्धोदक से स्नान कराये)

शुद्धोदकस्नानं-

ॐ शुद्धवालः सर्वशुद्धवालो मणिवालस्त आश्विनः। श्येतः श्येताक्षोऽरुणस्ते रुद्राय पशुपतये कर्णा यामा अवलिप्ता रौद्रा नभोरूपाः पार्जन्याः॥

गङ्गा च यमुना चैव गोदावरि सरस्वती ।

नर्मदा सिन्धुकावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि। (शुद्ध जल से स्नान करायें) शुद्धोदकस्नानान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

वस्त्र-

ॐ युवा सुवासा परिवीत आगात् स उश्रेयान भवति जायमानः।

तं धीरासः कवय उन्नयन्ति स्वाध्यो ३ मनसा देवयन्तः॥

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जाया रक्षणं परम्।
देहालङ्करणं वस्त्रमतः शान्तिं प्रयच्छ मे ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, वस्त्रं समर्पयामि। (वस्त्र समर्पित करें)

आचमन-

वस्त्रान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि (आचमन के लिये जल दें)

उपवस्त्र-

ॐ सुजातो ज्योतिषा सह शर्म वरुथमाऽसदत्स्वः। वासो अग्ने विश्वरूप थ्ठं सं व्ययस्व विभावसो॥

यस्याभावेन शास्त्रोक्तं कर्म किञ्चन्न सिध्यति।

उपवस्त्रं प्रयच्छामि सर्वकर्मोपकारकम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, उपवस्त्रं (उपवस्त्राभावे रक्तसूत्रं समर्पयामि उपवस्त्र समर्पित करें)

यज्ञोपवीत-

ॐ यज्ञोपवीतं परमं पवित्रं प्रजापतेर्यत्सहजं पुरस्तात्। आयुष्यमग्रयं प्रतिमुञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतं बलमस्तु तेजः॥ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वा यज्ञोपवीतेनोपनह्यामि।

नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।

उपवीतं मया दत्तं गृहाणपरमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, यज्ञोपवीतं सर्मपयामि (यज्ञोपवीत समर्पित करें) आचमन- यज्ञोपवीतान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। आचमन के लिये जल दें।

चन्दन-

त्वां गन्धर्वा अखनँस्त्वामिन्द्रस्त्वां बृहस्पतिः। त्वामोषधे सोमो राजा विद्वान् यक्ष्मादमुच्यत॥

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।

विलेपनं सुरश्रेष्ठ! चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, चन्दनानुलेपनं समर्पयामि। चन्दन अर्पित करें

अक्षत–

ॐ अक्षन्नमीमदन्त ह्यव प्रिया अधूषत। अस्तोषत स्वभानवो विप्रा नविष्ठया मती योजान्विन्द्रते हरी॥

अक्षताश्च सुरश्रेष्ठ कुङ्कुमाक्ताः सुशोभिताः।

मया निवेदिता भक्त्या गृहाण परमेश्वरः॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, अक्षतान् सर्मपयामि। अक्षत चढायें।

पुष्पमाला–

ॐ ओषधीः प्रति मोदध्वं पुष्पवतीः प्रसूवरीः। अश्वा इव सजित्वरीर्वीरुधः पारयिष्णवः॥

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।

मयाहृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पमालां समर्पयामि (पुष्पमाला समर्पित करें)

दूर्वा–

ॐ काण्डात्काण्डात्प्ररोहन्ती परुषः परुषस्परि। एवा नो दूर्वे प्र तनु सहस्रेण शतेन च ॥

दुर्वाङ्कुरान् सुहरितानमृतान् मङ्गलप्रदान् ।

आनीतांस्तव पूजार्थं गृहाण गणनायक॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।(दूर्वा चढायें)

सिन्दुरम् –

सिन्धोरिव प्राध्वने शूघनासो वातप्रमियः पतयन्ति यह्वाः। घृतस्य धारा अरुषो न वाजी काष्ठा भिन्दन्नूर्मिभिः पिन्वमानः॥

सिन्दूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।

शुभदं कामदं चैव सिन्दुरं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, सिन्दूरं समर्पयामि (सिन्दूर अर्पित करें)

अबीर– गुलालादि द्रव्याणि

ॐ अहिरिव भोगैः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ऽंसं परिपातु विश्वतः॥

अबीरं च गुलालं च हरिद्रादिसमन्वितम्।

नाना परिमल द्रव्यं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः नानापरिमलद्रव्याणि समर्पयामि। अबीर आदि चढायें।

सुगन्धिद्रव्यम् –

ॐ अहिरिव भोगः पर्येति बाहुं ज्याया हेतिं परिबाधमानः। हतघ्नो विश्वा वयुनानि विद्वान पुमान् पुमा ऽ सं परिपातु विश्वतः॥

दिव्यगन्धसमायुक्तं महापरिमलाद्भुतम्।

गन्धद्रव्यमिदं भक्त्या दत्तं वै परिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः सुगन्धिद्रव्यं समपयामि (सुगन्धित द्रव्य अर्पण करें)

धूपम् –

ॐ धूरसि धूर्व धूर्वन्तं धूर्व तं योऽस्मान् धूर्वति तं धूर्व यं वयन्धूर्वामः। देवानामसि वह्नितम ꣳ सस्नितमं पप्रितमं जुष्टतमं देवहूतमम्॥

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।

आग्नेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः धूपमाघ्रापयामि। (धूप दिखाये)

दीपम् -

ॐ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा। अग्निर्वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा॥ ज्योतिः सूर्यः सूर्यो ज्योतिः स्वाहा॥

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।

दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरापहम्॥

भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।

त्राहि मां निरयाद् घोराद् दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते॥

ॐ भूर्भूवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि। (दीप दिखायें)

हस्तप्रक्षालनम् -

ॐ हृषीकेशाय नमः। कहकर हाथ धो लें।

नैवेद्यम्-

नैवेद्य को प्रोक्षित कर गन्ध पुष्प से आच्छादित करें। तदन्तर जल से चतुष्कोण घेरा लगााकर भगवान के आगे रखें।

ॐ नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ँ शीर्ष्णोद्यौः समवर्तत। पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ२ अकल्पयन्॥

ॐ अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा। ॐ प्राणाय स्वाहा। ॐ अपानाय स्वाहा। ॐ समानाय स्वाहा। ॐ उदानाय स्वाहा। ॐ व्यानाय स्वाहा । ॐ अमृतापिधानमसि स्वाहा।

शर्कराखण्डखाद्यानि दधिक्षीरघृतानि च।

आहारं भक्ष्यभोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, नैवेद्यं निवेदयामि। नैवेद्य निवेदित करें।

नैवेद्यान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि । जल समर्पित करें।

ऋतुफलम् -

ॐ याः फलिनीर्या अफला अपुष्पा याश्च पुष्पिणीः। बृहस्पतिप्रसूतास्ता नो मुञ्चन्त्व ँ हसः॥

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, ऋतुफलानि समर्पयामि। (ऋतुफल अर्पित करें)

फलान्ते आचमनीयं जलं समर्पयामि। (आचमनीय जल अर्पित करें)

उत्तरापोऽशनम् - **उत्तरापोऽशनार्थे जलं समर्पयामि।**

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः। (जल दें)

करोद्वर्तन-

ॐ अ ँ शुना ते अ ँ शुः पृच्यतां परुषा परुः। गन्धस्ते सोममवतु मदाय रसो अच्युतः॥

चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादिसमन्वितम्।

करोद्वर्तनकं देवं गृहाण परमेश्वर॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, करोद्वर्तनं चन्दनं समर्पयामि। (मलयचन्दन समर्पित करें)

ताम्बूलम् -

ॐ यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।

वसन्तोऽस्यासीदाज्यं ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥

पूगीफलं महद्दिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम।

एलादिचूर्णसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, मुखवासार्थम् एलालवंगपूगीफलसहितं ताम्बूलं समर्पयामि। (इलायची , लौंग-सुपारी के साथ ताम्बूल अर्पित करें)

दक्षिणा द्रव्यम् -

ॐ हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम ॥

हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेमबीजं विभावसोः।

अनन्तपुण्यफलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, कृतायाः पूजायाः साद्गुण्यार्थे द्रव्यदक्षिणां समर्पयामि। (द्रव्य दक्षिणा समर्पित करें)

आरार्तिकं -

ॐ इद ॐ हविः प्रजननं मे अस्तु दशवीर ॐ सर्वगण ॐ स्वस्तये। आत्मसनि प्रजासनि पशुसनि लोकसन्यभयसनि। अग्निः प्रजां बहुलां मे करोत्वन्नं पयो रेतो अस्मासु धत्त॥

ॐ आ रात्रि पार्थिव ॐ रजः पितुरप्रायि धामभिः। दिवः सदा ॐ सि बृहती वि तिष्ठस आ त्वेषं वर्तते तमः॥

कदलीगर्भसम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।

आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, आरार्तिकं समर्पयामि। (कर्पूर की आरती करें आरती के बाद जल गिरा दें)

पुष्पाञ्जलिम्-

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्। ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः॥

श्रद्धया सिक्तया भक्त्या हार्दप्रेम्णा समर्पितः।

मन्त्रपुष्पाञ्जलिश्चायं कृपया प्रतिगृह्यताम्॥

नानासुगन्धिपुष्पाणि यथाकालोद्भवानि च।

पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर ॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि (पुष्पाञ्जलि अर्पित करें)

प्रदक्षिणाम्-

ॐ ये तीर्थानि प्रचरन्ति सृकाहस्ता निषङ्गिणः।

तेषा ॐ सहस्त्रयोजनेऽवधन्वानि तन्मसि॥

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।

तानि सर्वाणि नश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रदक्षिणां समर्पयामि (प्रदक्षिणा करें)

विशेषार्घ्य – ताम्रपात्र में जल, चन्दन, अक्षत, फल, फूल, दूर्वा और, दक्षिणा रखकर अर्घ्यपात्र को हाथ में लेकर निम्नलिखित मन्त्र पढें। **यहाँ तक सभी पूजन में उपर्युक्त मन्त्रों का उपयोग कर सकते हैं**

रक्ष रक्ष गणाध्यक्ष रक्ष त्रैलोक्यरक्षक।

भक्तानामभयं कर्ता त्राता भव भवार्णवात्॥

द्वैमातुर कृपासिन्धो षाण्मातुराग्रज प्रभो।

वरदस्त्वं वरं देहि वाञ्छितं वाञ्छितार्थद॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, विशेषार्घ्यं समर्पयामि। (विशेषार्घ्य दें)

प्रार्थना- विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय

लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय।

नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय

गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते॥

त्वं वैष्णवी शक्तिरनन्तवीर्या विश्वस्य बीजं परमासि माया ।

सम्मोहितं देवि समस्तमेतत् त्वं वै प्रसन्ना भुवि मुक्तिहेतुः॥

ॐ भूर्भुवः स्वः गणेशाम्बिकाभ्यां नमः, प्रार्थनापूर्वकं नमस्कारान् समर्पयामि। (साष्टाङ्ग नमस्कार करें)

गणेशपूजने कर्म यन्न्यूनमधिकं कृतम्।

तेन सर्वेण सर्वात्मा प्रसन्नोऽस्तु सदा मम ॥

अनया पूजया गणेशाम्बिके प्रीयेताम् न मम।

ऐसा कहकर समस्त पूजनकर्म भगवान को समर्पित कर दें । उसके बाद पुनः नमस्कार करे।

इति शम्

तर्पण प्रयोग विधि

गायत्री मन्त्र से शिखा बाँधकर तिलक लगाकर प्रथम दाहिनी अनामिका में त्रिकुश की और बायीं अनामिका में दो कुशों की पवित्री धारण करें। फिर हाथ में त्रिकुश, यव, अक्षत और जल लेकर सङ्कल्प पढ़ें ॥

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणोऽह्नि द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्विपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशान्तरगते .... पुण्यप्रदेशे ...... नगरे .... ग्रामे ....क्षेत्रे .... संवत्सरे.......अयने.......ऋतौ.........मासे.......पक्षे...........तिथौ........... वासरे.......गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्ता/दासोऽहं श्रुतिस्मृतिपुराणेक्त-फलप्राप्त्यर्थं देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणं करिष्ये।

आवाहनम् - ब्रह्मादयः सुराः सर्वे ऋषयः सनकादयः।

आगच्छन्तु महाभागा ब्रह्माण्डोरवर्तिनः॥

देवतर्पणम्

देव तथा ऋषि तर्पण में पूर्व दिशा की ओर मुख करें, जनेउ को सव्य रखें, दाहिना घुटना जमीन पर लगाकर बैठें । अर्घ्यपात्र में चावल छोड़ कर त्रिकुश को पूर्व की ओर अग्रभाग कर रखें। जल की अञ्जलि एक-एक हो। देवतीर्थ से अर्थात् दायें हाथ की अङ्गुलियों के अग्रभाग से जल दें। जलाञ्जलि को सोना, चाँदी, ताँबा अथवा काँसे के पात्र में डालें वा सामर्थ्यानुसार उपलब्ध पात्र में डालें। यदि नदी में तर्पण किया जाय तो दोनों हाथों को मिलाकर जल से भरकर गौ के सींग जितना ऊँचा उठाकर जल में अञ्जलि डालें। निम्नलिखित प्रत्येक नाम मन्त्र के बाद 'तृप्यताम्' कहकर एक-एक अञ्जलि जल दें।

ॐ ब्रह्मा तृप्यताम्। ॐ विष्णुस्तृप्यताम्। ॐ रुद्रस्तृप्यताम्।
ॐ प्रजापतिस्तृप्यताम्। ॐ देवास्तृप्यन्ताम्। ॐ छन्दांसि तृप्यन्ताम्।
ॐ वेदास्तृप्यन्ताम्। ॐ ऋषयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ पुराणाचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ गन्धर्वास्तृप्यन्ताम्।
ॐ इतराचार्यास्तृप्यन्ताम्। ॐ संवत्सरः सावयवस्तृप्यताम्।
ॐ देव्यस्तृप्यन्ताम्। ॐ अप्सरसस्तृप्यन्ताम्।

ॐ देवानुगास्तृप्यन्ताम्। ॐ नागास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सागरास्तृप्यन्ताम्। ॐ पर्वतास्तृप्यन्ताम्।
ॐ सरितस्तृप्यन्ताम्। ॐ मनुष्यास्तृप्यन्ताम्।
ॐ यक्षास्तृप्यन्ताम्। ॐ रक्षांसितृप्यन्ताम्।
ॐ पिशाचास्तृप्यन्ताम्। ॐ सुपर्णास्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतानितृप्यन्ताम्। ॐ पशवस्तृप्यन्ताम्।
ॐ वनस्पतयस्तृप्यन्ताम्। ॐ ओषधयस्तृप्यन्ताम्।
ॐ भूतग्रामश्चर्तुविधस्तृप्यताम्।

ऋषितर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित मन्त्रों वाक्यों सें मरीचि आदि ऋषियों को भी एक-एक अञ्जलि दें।

ॐ मरीचिस्तृप्यताम्। ॐ अत्रिस्तृप्यताम्। ॐ अङ्गिरास्तृप्यताम्। ॐ पुलस्त्यस्तृप्यताम् । ॐ पुलहस्तृप्यताम् । ॐ क्रतुस्तृप्यताम्। ॐ वशिष्ठस्तृप्यताम्। ॐ प्रचेतास्तृप्ताम्। ॐ भृगुस्तृप्यताम्। ॐ नारदस्तृप्यताम्।

दिव्यमनुष्यतर्पणम्

दिव्य मनुष्य तर्पण में उत्तर दिशा की ओर मुख करें, जनेऊ कंठी की तरह कर लें, गमछे को भी कंठी की तरह कर लें, सीधा बैठें। कोई घुटना भूमी पर न लगाएं। अर्घ्यपात्र में जौ छोड़ें। त्रिकुश को उत्तराग्र रखें। प्रजापत्य (काय) तीर्थ से अर्थात् कुशों को दाहिने हाथ की कनिष्ठिका के मूल भाग में रखकर यहीं से दो-दो अञ्जलियाँ जल दें।

ॐ सनकस्तृप्यताम्। ॐ सनन्दनस्तृप्यताम्। ॐ सनातनस्तृप्यताम्। ॐ कपिलस्तृप्यताम्। ॐ आसुरिस्तृप्यताम्। ॐ वोढुस्तृप्यताम्। ॐ पञ्चशिखस्तृप्यताम्।

दिव्यपितृतर्पणम्

पितृ तर्पण में दक्षिण दिशा की ओर मुख कर अपसव्य हो जाएं अर्थात् जनेऊ को दाहिने कंधे पर रखकर बायें हाथ के नीचे ले जाएं गमछे को भी दाहिने कंधे पर रखें। बायां घुटना भूमी पर लगाकर बैठें, अर्घ्य पात्र में कृष्ण तिल छोड़ें, कुशा को बीच से मोड़कर उनकी जड़ और अग्रभाग को दाहिने हाथ के तर्जनी और अँगूठे के बीच में रखें, पितृ तीर्थ से अर्थात् अँगूठे और तर्जनी के मध्यभाग से प्रत्येक मन्त्र पर तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें। जल में गंगाजल प्रयोग करना सर्वाधिक श्रेयस्कर है। अभाव में गंगाजल मिश्रित जल प्रयुक्त करें। गंगाजल के अभाव में किसी पवित्र नदी-स्रोत-तड़ागादि का जल भी ग्रहण किया जा सकता है।

ॐ कव्यवाडनलस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा , तस्मै स्वधा । ॐ सोमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ यमस्तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अर्यमा तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा (३)। ॐ अग्निष्वात्ताः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ सोमपाः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)। ॐ बर्हिषदः पितरस्तृप्यन्तामिदं सतिलं जलं तेभ्यः स्वधा (३)।

यमतर्पणम्

इसी प्रकार निम्नलिखित प्रत्येक नाम से यमराज को पितृतीर्थ से ही दक्षिणाभिमुखि हो तीन-तीन अञ्जलियाँ दे-

ॐ यमाय नमः (३)। ॐ धर्मराजाय नमः (३)। ॐ मृत्यवे नमः (३)। ॐ अन्तकाय नमः (३)। ॐ वैवस्वताय नमः (३)। ॐ कालाय नमः (३)। ॐ सर्वभूतक्षयाय नमः (३)। ॐ औदुम्बराय नमः (३)। ॐ दध्नाय नमः (३)। ॐ नीलाय नमः (३)। ॐ परमेष्ठिने नमः (३)। ॐ वृकोदराय नमः (३)।

ॐ चित्राय नमः (३)। ॐ चित्रगुप्ताय नमः (३)।

पितरों का तर्पण करने के पूर्व निम्नाङ्कित मन्त्रों से हाथ जोड़कर सर्वप्रथम उनका आवाहन करें –

ॐ उशन्तस्त्वा नि धीमह्युशन्तः समिधीमहि।

उशन्नुशत आ वह पितॄन् हविषे अत्तवे ॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः।

अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥

ॐ आगच्छन्तु मे पितर इमं गृह्णन्तु जलाञ्जलिम्।

इसी तरह नीचे लिखे मन्त्रों का उच्चारण कर तिल के साथ तीन-तीन अञ्जलियाँ जल दें

अमुक गोत्र अस्मत्पिता अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्पितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्र अस्मत्प्रपितामहः अमुकः (शर्मा/वर्मा/गुप्ता) आदित्यरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मन्माता अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्पितामही अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

अमुकगोत्राया अस्मत्प्रपितामही अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं जलं तस्यै स्वधा (३)।

इसके बाद निम्नाङ्कित नौ मन्त्रों को पढते हुए पितृतीर्थ से जल गिराते रहें-

ॐ उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितरः सोम्यासः। असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नोऽवन्तु पितरो हवेषु॥१॥

अङ्गिरसो नः पितरो नवग्वा अथर्वाणो भृगवः सोम्यासः। तेषां वय ꣳ सुमतौ यज्ञियानामपि भद्रे सौमनसे स्याम॥२॥

आ यन्तु नः पितरः सोम्यासोऽग्निष्वात्ताः पथिभिर्देवयानैः। अस्मिन् यज्ञे स्वधया मदन्तोऽधि ब्रुवन्तु तेऽवन्त्वस्मान्॥३॥

ऊर्जं वहन्तीरमृतं घृतं पयः कीलालं परिस्रुतम्। स्वधा स्थ तर्पयत मे पितॄन्॥४॥

पितृभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। पितामहेभ्यः स्वधायिभ्यः स्वधा नमः। प्रपितामहेभ्यः स्वाधायिभ्यः स्वधा नमः। अक्षन्पितरोऽमीमदन्त पितरोऽतीतृपन्त पितरः पितरः शुन्धध्वम्॥५॥

ये चेह पितरो ये च नेह याँश्च विद्म याँ उ च न प्रविद्म। त्वं वेत्थ यति ते जातवेदः स्वाधाभिर्यज्ञं सुकृतं जुषस्व॥६॥

मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्तोषधीः॥७॥

मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिव ꣳ रजः मधु द्यौरस्तु नः पिता॥८॥

मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमाँ अस्तु सूर्यः। माध्वीर्गावो भवन्तु नः॥९॥

ॐ मधु। मधु। मधु। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्। तृप्यध्वम्॥

फिर नीचे लिखे मन्त्र का पाठ करें-

ॐ नमो वः पितरो रसाय नमो वः पितरः शोषाय नमो वः पितरो जीवाय नमो वः पितरः स्वधायै नमो वः पितरो घोराय नमो वः पितरो मन्यवे नमो वः पितरः पितरो नमो वो गृहान्नः पितरो दत्त सतो वः पितरो देष्मैतद्वः पितरो वास आधत्त॥

द्वितीयगोत्रतर्पणम्

इसके बाद द्वितीय गोत्रवाले (ननिहाल के) मातामह (नाना) आदि का तर्पण करें । यहाँ भी पहले की भाँति निम्नलिखित वाक्यों को तीन-तीन बार पढकर तिल सहित जल की तीन-तीन अञ्जिलियाँ पितृतीर्थ से दें -

अमुकगोत्रः अस्मन्मातामहः (नाना) अमुकः वसुरूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्प्रमातामहः (परनाना) अमुकः रुद्ररूपस्तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)। अमुकगोत्रः अस्मत्वृद्धप्रमातामहः (वृद्ध परनाना) अमुकः आदित्यस्वरूपः तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्मै स्वधा (३)।

अमुकगोत्रा अस्मन्मातामही (नानी) अमुकी देवी गायत्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मत्प्रमातामही (परनानी) अमुकी देवी सावित्रीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)। अमुकगोत्रा अस्मद् वृद्धप्रमातामही (वृद्ध परनानी) अमुकी देवी सरस्वतीरूपा तृप्यतामिदं तिलोदकं तस्यै स्वधा (३)।

पत्न्यादितर्पणम्

इसके आगे पत्नी से लेकर आप्तपर्यन्त जो भी सम्बन्धी मृत हो गये हो, उनके गोत्र ओर नाम लेकर एक-एक अञ्जलि जल दें -

अमुकगोत्रा अस्मत्पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सुतः (बेटा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्कन्या (बेटी) अमुकीदेवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्पितृव्यः (पिता के भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मातुलः (मामा) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वाधा। अमुकगोत्रः अस्मत्भ्राता/अस्मत्सापत्नभ्राता (सौतेला भाई) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्पितृभगिनी बूआ अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मन्मातृभगिनी (मौसी) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदात्मभगिनी (अपनी बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मत्सापत्नभगिनी (सौतेली बहन) अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छवशुरः (श्वशुर) अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मद्गुरुः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रा अस्मदाचार्य पत्नी अमुकी देवी तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्यै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मच्छिष्यः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मत्सखा अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वधा। अमुकगोत्रः अस्मदात्मपुरुषः अमुकः तृप्यतामिदं सतिलं जलं तस्मै स्वध ा।

इसके बाद सव्य होकर पूर्वाभिमुख हो सीधे बैठ जाय । त्रिकुश को सीधा कर उनके अग्रभाग को पूर्व की ओर कर लें। फिर नीचे लिखे श्लोकों को पढ़ते हुए देवतीर्थ से जल गिरायें -

देवासुरास्तथा यक्षा नागा गन्धर्वराक्षसाः।

पिशाचा गुह्यकाः सिद्धाः कुष्माण्डास्तरवः खगाः॥

जलेचरा भूनिलया वाय्वाधाराश्च जन्तवः।

तृप्तिमेते प्रयान्त्वाशु मद्दत्तेनाम्बुनाखिलाः॥

इसके बाद अपसव्य होकर जनेऊ ओर अंगोछे को भी दाहिने कंधे पर रखकर दक्षिणाभिमुख हो जाए। त्रिकुश को बीच से मोड़कर इनकी जड़ और अग्रभाग को मिलाकर पितृतीर्थ से जल गिरायें-

नरकेषु समस्तेषु यातनासु च ये स्थिताः।

तेषामाप्यायनायैतद्दीयते सलिलं मया॥१॥

येऽबान्धवा बान्धवाश्च येऽन्यजन्मनि बान्धवाः।

ते तृप्तिमखिला यान्तु यश्चास्मत्तोऽभिवाञ्छति॥२॥

ये मे कुले लुप्तपिण्डाः पुत्रदारविवर्जिताः।

तेषां हि दत्तमक्ष्य्यमिदमस्तु तिलोदकम्॥३॥

आब्रह्मस्तम्बपर्यन्तं देवर्षिपितृमानवाः।

तृप्यन्तु पितरः सर्वे मातृमातामाहादयः॥४॥

अतीतकुलकोटिनां सप्तद्विपनिवासिनाम्।

आब्रह्मभुवनाल्लोकादिदमस्तु तिलोदकम्॥५॥

वस्त्रनिष्पीडनम्

इस प्रकार सब पितरों का तर्पण हो जाने के बाद अँगोछे की चार तह कर उसमें तिल तथा जल छोड़कर नीचे लिखे मन्त्र को पढ़कर जल के बाहर बायीं ओर पृथ्वी पर निचोड़ें-

ये के चास्मात्कुले जाता अपुत्रा गोत्रिणो मृताः।

ते गृह्णन्तु मया दत्तं वस्त्रनिष्पीडनोदकम्॥

भीष्मतर्पणम्

इसके बाद भीष्मपीतामह को पितृतीर्थ और त्रिकुशों से जल दें।

भीष्मः शान्तनवो वीरः सत्यवादी जितेन्द्रियः।

आभिरद्भिरवाप्नोतु पुत्रपौत्रोचितां क्रियाम्॥

सूर्य को अर्घ्यदान

इसके पश्चात् पात्र को जल तथा मिट्टी से स्वच्छ कर लें। उसके बाद पूर्वोक्त रीति से आचचमन और प्रणायाम कर सव्य हो जाय अर्थात् जनेऊ को बायें कंधे पर कर लें। अर्घ्य में फूल चन्दन लेकर निम्नलिखित मन्त्र से सूर्य को अर्घ्य दें-

ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन्! भास्वते विष्णुतेजसे।

जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे कर्मदायिने॥

एष अर्घ्यः श्री सूर्याय नमः॥

सूर्यार्घ्य देकर प्रदक्षिणा करें । इसके बाद दिशाओं एवं उनके अधिष्ठातृ देवताओं का वन्दन करें -

ॐ प्राच्यै नमः, ॐ इन्द्राय नमः, ॐ आग्नेय्यै नमः, ॐ अग्नये नमः, ॐ दक्षिणाय नमः, ॐ यमाय नमः, ॐ नैर्ऋत्यै नमः, ॐ निर्ऋतये नमः, ॐ प्रतीच्यै नमः, ॐ वरुणाय नमः, ॐ वायव्यै नमः, ॐ वायवे नमः, ॐ उदीच्यै नमः, ॐ कुबेराय नमः, ॐ ऐशान्यै नमः, ॐ ईशानाय नमः, ॐ ऊर्ध्वायै नमः, ॐ ब्रह्मणे नमः, ॐ अधरायै नमः, ॐ अनन्ताय नमः, ॥

इस प्रकार दिशाओं और देवताओं को नमस्कार कर आसन पर बैठाकर के नीचे लिखे मन्त्र पढकर एक-एक जलाञ्जलि दें।

ॐ ब्रह्मणे नमः। ॐ अग्नये नमः। ॐ पृथिव्यै नमः। ॐ ओषधिभ्यो नमः। ॐ वाचे नमः। ॐ वाचस्पते नमः। ॐ महद्भ्यो नमः। ॐ विष्णवे नमः। ॐ अद्भ्यो नमः। ॐ अपाम्पतये नमः। ॐ वरुणाय नमः।

निम्नाङ्कित वाक्य पढ़कर यह तर्पण कर्म भगवान् को समर्पित करे-

अनेन यथाशक्तिकृतेन देवर्षिमनुष्यपितृतर्पणाख्येन कर्मणा भगवान् पितृस्वरूपी जनार्दनवासुदेवः प्रीयतां न मम्।

ॐ तत्सद् ब्रह्मार्पणमस्तु।

तदन्तर हाथ जोड़कर भगवान् का स्मरण करते हुए पाठ करें

प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत्।

स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः॥

यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपोयज्ञक्रियादिषु।

न्यूनं सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तमच्युतम्॥

यत्पादपङ्कजस्मरणत् यस्य नामजपादपि।

न्यूनं कर्म भवेत् पूर्णं तं वन्दे साम्बमीश्वरम्॥

ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः, ॐ विष्णवे नमः,॥

इति तर्पणप्रयोगः

अथ पंचबलिविधिः

१.गोबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ सौरभेय्यः सर्वहिताः पवित्राः पुण्यराशयः।

प्रतिगृह्णन्तु मे ग्रासं गावस्त्रैलोक्यमातरः।इदं गोभ्यो न मम।

२. श्वानबलि (पत्ते पर जनेऊ कंठी करके) -

द्वौ श्वानौ श्यामशबलौ वैवस्वतकुलोद्भवौ।

ताभ्यामन्नं प्रयच्छामि स्यातामेतावहिंसकौ।इदं श्वभ्यां न मम।

३. काकबलि (भूमि पर अपसव्य होकर)-

ॐ ऐन्द्रवारुणवायव्या याम्या वै नैर्ऋतास्तथा।

वायसाः प्रतिगृह्णन्तु भूमौ पिण्डं मयार्पितम्।इदं काकेभ्यः।

४.देवादिबलि (पत्ते पर सव्य होकर) -

ॐ देवा मनुष्याः पशवो वयांसि

सिद्धाः सयक्षो रगदैत्यसंघाः।

प्रेताः पिशाचास्तरवः समस्ता

ये चान्नमिच्छन्ति मया प्रदत्तम्।इदमन्नं देवादिभ्यो न मम।

५. पिपीलिकादिबलि (पत्ते पर) -

पिपीलिकाः कीटपतंगकाद्या

बुभुक्षिताः कर्मनिबन्धबद्धाः।

तेषां हि तृप्यत्यर्थमिदं मयान्नं

तेभ्यो विसृष्टं सुखिनो भवन्तु।इदमन्नं पिपीलीकादिभ्यो न मम।

इति पंचबलिविधिः

पुरुषसूक्तम्

हरिः ॐ सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
स भूमि ꣳ सर्वतस्पृत्वाऽत्यतिष्ठद्दशाङ्गुलम्॥१॥
पुरुष एवेद ꣳ सर्वं यद् भूतं यच्च भाव्यम्।
उतामृतत्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति॥२॥
एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः।
पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि॥३॥
त्रिपादूर्ध्व उदैत्पुरुषः पादोऽस्येहाभवत्पुनः।
ततो विष्वङ् व्यक्रामत्साशनानशने अभि॥४॥
ततो विराडजायत विराजो अधि पूरुषः।
स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः॥५॥
तस्माद्यज्ञात् सर्वहुतः सम्भृतं पृषदाज्यम्।
पशूँस्ताँश्चक्रे वायव्यानारण्या ग्राम्याश्च ये॥६॥
तस्माद्यज्ञात् सर्वहुत ऋचः सामानि जज्ञिरे।
छन्दा ꣳ सि जज्ञिरे तस्माद्यजुस्तस्मादजायत॥७॥
तस्मादश्वा अजायन्त ये के चोभयादतः।
गावो ह जज्ञिरे तस्मात्तस्माजाता अजावयः॥८॥
तं यज्ञं बर्हिषि प्रौक्षन् पुरुषं जातमग्रतः।
तेन देवा अयजन्त साध्या ऋषयश्च ये॥९॥
यत्पुरुषं व्यदधुः कतिधा व्यकल्पयन्।
मुखङ्किमस्यासीत् किम्बाहू किमूरू पादा उच्येते॥१०॥
ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।
ऊरू तदस्य यद् वैश्यः पद्भ्या ꣳ शूद्रो अजायत॥११॥
चन्द्रमा मनसो जातश्चक्षोः सूर्यो अजायत।
श्रोत्राद् वायुश्च प्राणश्च मुखादग्निरजायत॥१२॥
नाभ्या आसीदन्तरिक्ष ꣳ शीर्ष्णो द्यौः समवर्त्तत।
पद्भ्यां भूमिर्दिशः श्रोत्रात्तथा लोकाँ 2 अकल्पयन्॥१३॥
यत् पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत।
वसन्तोऽस्यासीदाज्यां ग्रीष्म इध्मः शरद्धविः॥१४॥
सप्तास्यासन् परिधयस्त्रिः सप्त समिधः कृताः।
देवा यद्यज्ञन्तन्वाना अबध्नन् पुरुषम्पशुम्॥१५॥
यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन्।
ते ह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥१६॥

इति पुरुषसूक्तम्

श्रीसूक्तम्

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥१॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं विन्देयं गामश्वं पुरुषानहम्॥२॥
अश्वपूर्वां रथमध्यां हस्तिनाद-प्रमोदिनीम्।
श्रियं देवीमुपह्वये श्रीर्मा देवी जुषताम्॥३॥
कां सोऽस्मितां हिरण्यप्राकारामार्द्रां ज्वलन्तीं तृप्तां तर्पयन्तीम्।
पद्मे स्थितां पद्मवर्णां तामिहोपह्वये श्रियम्॥४॥
चन्द्रां प्रभासां यशसा ज्वलन्तीं श्रियं लोके देवजुष्टामुदाराम्।
तां पद्मनेमिं शरणं प्रपद्ये अलक्ष्मीर्मे नश्यतां त्वां वृणे॥५॥
आदित्यवर्णे तपसोऽधिजातो वनस्पतिस्तव वृक्षोऽथ बिल्वः।
तस्य फलानि तपसा नुदन्तु मायान्तरा याश्च बाह्या अलक्ष्मीः॥६॥
उपैतु मां देवसखः कीर्तिश्च मणिना सह।
प्रादुर्भूतो सुराष्ट्रेऽस्मिन् कीर्तिमृद्धिं ददातु मे॥७॥
क्षुत्पिपासामलां ज्येष्ठामलक्ष्मीं नाशयाम्यहम्।
अभूतिमसमृद्धिं च सर्वां निर्णुद मे गृहात्॥८॥
गन्धद्वारां दुराधर्षां नित्यपुष्टां करीषिणीम्।
ईश्वरीं सर्वभूतानां तामिहोपह्वये श्रियम्॥९॥
मनसः काममाकूतिं वाचः सत्यमशीमहि।
पशूनां रूपमन्नस्य मयि श्रीः श्रयतां यशः॥१०॥
कर्दमेन प्रजा भूता मयि सम्भव कर्दम।
श्रियं वासय मे कुले मातरं पद्ममालिनीम्॥११॥
आपः सृजन्तु स्निग्धानि चिक्लीत वस मे गृहे।
नि च देवीं मातरं श्रियं वासय मे कुले॥१२॥
आर्द्रां पुष्करणीं पुष्टिं पिङ्गलां पद्ममालिनीम्।
चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥१३॥
आर्द्रां यः करणीं यष्टिं सुवर्णां हेममालिनीम्।
सूर्यां हिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदो म आवह॥१४॥
तां म आवह जातवेदो लक्ष्मीमनपगामिनीम्।
यस्यां हिरण्यं प्रभूतिं गावो दास्योऽश्वान्विन्देयं पुरुषानहम्॥१५॥
यः शुचिः प्रयतो भूत्वा जुहुयादाज्यमन्वहम्।
सूक्तं पञ्चदशर्चञ्च श्रीकामः सततं जपेत्॥१६॥

इति श्रीसूक्तम्

अथ रुद्रसूक्तम्

हरिः ॐ नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः।
बाहुभ्यामुत ते नमः॥1॥
या ते रुद्र शिवा तनूरघोराऽपापकाशिनी।
तया नस्तन्वा शन्तमया गिरिशन्ताभि चाकशीहि॥2॥
यामिषुं गिरिशन्त हस्ते बिभर्ष्यस्तवे।
शिवां गिरित्र तां कुरु मा मा हिꣳसीः पुरुषं जगत्॥3॥
शिवेन वचसा त्वा गिरिशाच्छा वदामसि।
यथा नः सर्वमिज्जगदयक्ष्मꣳ सुमना असत्॥4॥
अध्यवोचदधिवक्ता प्रथमो दैव्यो भिषक्।
अहीँश्च सर्वाञ्जम्भयन्त्सर्वाश्च यातुधान्योऽधराचीः परा सुव॥5॥
असौ यस्ताम्रो अरुण उत बभ्रुः सुमङ्गलः।
ये चैनꣳरुद्रा अभितो दिक्षु श्रिताः सहस्रशोऽवैषाꣳहेड ईमहे॥6॥
असौ योऽवसर्पति नीलग्रीवो विलोहितः।
उतैनं गोपा अदृश्रन्नदृश्रन्नुदहार्यः स दृष्टो मृडयाति नः॥7॥
नमोऽस्तु नीलग्रीवाय सहस्राक्षाय मीढुषे।
अथो ये अस्य सत्वानोऽहं तेभ्योऽकरं नमः॥8॥

प्रमुञ्च धन्वनस्त्वमुभयोरात्न्योर्ज्याम्।
याश्च ते हस्त इषवः परा ता भगवो वप॥9॥
विज्यं धनुः कपर्दिनो विशल्यो बाणवाँ२ उत।
अनशन्नस्य या इषव आभुरस्य निषङ्गधिः॥10॥
या ते हेतिर्मीढुष्टम हस्ते बभूव ते धनुः।
तयास्मान्विश्वतस्त्वमयक्ष्मया परिभुज॥11॥
परि ते धन्वनो हेतिरस्मान्वृणक्तु विश्वतः।
अथो य इषुधिस्तवारे अस्मन्नि धेहि तम्॥12॥
अवतत्य धनुष्ट्वꣳ सहस्राक्ष शतेषुधे।
निशीर्य शल्यानां मुखा शिवो नः सुमना भव॥13॥
नमस्त आयुधायानातताय धृष्णवे।
उभाभ्यामुत ते नमो बाहुभ्यां तव धन्वने॥14॥
मा नो महान्तमुत मा नो अर्भकं मा न उक्षन्तमुत मा न उक्षितम्।
मा नो वधीः पितरं मोत मातरं मा नः प्रियास्तन्वो रुद्र रीरिषः॥15॥
मा नस्त्वोके तनये मा न आयुषि मा नो गोषु मा नो अश्वेषु रीरिषः।
मा नो वीरान् रुद्र भामिनो वधीर्हविष्मन्तः सदमित् त्वा हवामहे॥16॥

इति रुद्रसूक्तम्

चौघड़िया मुहूर्त्त

रविवार		चन्द्रवार		भौमवार		बुधवार		गुरुवार		शुक्रवार		शनिवार	
दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि	दिवा	रात्रि
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ
चर	अमृत	काल	रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग
लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग	शुभ
अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर	काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत
काल	काल	उद्वेग	उद्वेग	अमृत	अमृत	रोग	रोग	लाभ	लाभ	शुभ	शुभ	चर	चर
शुभ	लाभ	चर	शुभ	काल	चर	उद्वेग	काल	अमृत	उद्वेग	रोग	अमृत	लाभ	रोग
रोग	उद्वेग	लाभ	अमृत	शुभ	रोग	चर	लाभ	काल	शुभ	उद्वेग	चर	अमृत	काल
उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चर	रोग	काल	लाभ

गण्डमूल नक्षत्रों के चरण फल

चरण \ नक्षत्र	अश्विनी	आश्लेषा	मघा	ज्येष्ठा	मूल	रेवती
प्रथम चरण	पितृ कष्ट	सुख	मातृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	पितृ कष्ट	लाभप्रद
द्वितीय चरण	सुख	धन हानि	पितृ कष्ट	भ्रातृ कष्ट	मातृ कष्ट	सुखद
तृतीय चरण	सुयोग	मातृ कष्ट	सुखद	मातृ कष्ट	धन हानि	शुभ
चतुर्थ चरण	सुखद	पितृ कष्ट	शुभ	शरीर कष्ट	सौख्यम्	कष्ट

शिव वास

वर्तमान तिथि गुणा 2 को 5 से जोड़कर 7 से भाग देने पर प्राप्त शेष एकादि होने पर क्रमशः शिव का वास निम्नानुसार जानें।

शेष	शिव वास	फल
1	कैलाश	श्रेष्ठ
2	गौरी सह	श्रेष्ठ
3	वृषभ पर	श्रेष्ठ
4	सभा में	सामान्य
5	ज्ञान वेला	श्रेष्ठ
6	क्रीड़ा में	नेष्ट
0	श्मशान में	मृत्यु

अग्निवास विचार

शुक्ल प्रतिपदा से इष्ट तिथि पर्यन्त जो संख्या आये उसमें सूर्यादि वार संख्या मिलाकर 1 जोड़ें फिर प्राप्त संख्या में 4 से भाग देनें पर शेष 3 व 0 हो तो अग्निवास भूमि पर शुभ होता है तथा 1 शेष बचे तो स्वर्ग में प्राण नाशक और शेष 2 रहने पर अग्निवास पाताल में धन नाशक होता है, ऐसा जानना चाहिए।

शुद्ध इष्टकाल ज्ञानार्थ इष्ट स्थान के सूर्योदय बनाने की विधि

सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहा जाता है। इसे प्रायः घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। किसी भी इष्ट स्थान का इष्टकाल बनाने के लिए वहां के सूर्योदय काल की आवश्यकता होती है। अतः जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय मे से वहां के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है। इस कारण किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को बनाना महत्त्वपूर्ण है।

किसी भी स्थान के स्टैण्डर्ड सूर्योदय को निकालने के लिए वहां के अक्षांश, उस दिन की क्रान्ति, वेलान्तर और रेखांश की आवश्यकता होती है। छः घण्टे में चरकाल संस्कार करने पर स्थानीय सूर्योदय बनता है तथा स्थानीय सूर्योदय में वेलान्तर व रेखान्तर का संस्कार करने पर वहां का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनता है।

उदाहरण - 1 जुलाई 2018 को दिल्ली का स्टैण्डर्ड सूर्योदय बनाना है। दिल्ली का उत्तरी अक्षांश 28: 39 अंश कला है। रेखांश 77: 12 पूर्व है। क्रान्ति सारिणी द्वारा इस दिन की उत्तरा क्रान्ति 23: 8 प्राप्त हुई। रेखांश 77:12 का भारतीय मानक रेखांश (82:30) से अन्तर 5: 18 है। जिसे चार से गुणा करने पर 21 मिनट 12 सैकण्ड रेखान्तर प्राप्त होता है। जो मानक रेखांश से कम (पश्चिम) होने के कारण धनात्मक है। उपर्युक्त उपकरणों द्वारा स्टैण्डर्ड सूर्योदय का साधन आसानी से किया जा सकता है।

स्थानीय सूर्योदय साधन - पंचांग में दी गई अक्षांश तथा रेखांश के द्वारा चर मिनटादि निकालना चाहिए। जैसे दिल्ली के अक्षांश 28: 39 तथा क्रान्त्यंश 23 अंश के नीचे चर मिनट 53: 38 तथा 24 अंश के नीचे 56 19 लिखा हुआ है अभीष्ट चर क्रान्ति 23: 8 का लाना है। अतः अभीष्ट चर मिनट निकालने के लिए निम्नलिखित प्रकार से अनुपात किया-

यदि 1 अंश क्रान्त्यन्तर (24 - 23 = 1) में चर मिनट (56: 19 - 53:38 = 2:41) मिलते हैं तो क्रान्त्यंशान्तर (23: 8- 23: 0 = 0:8) में क्या मिलेगा?

$$\frac{2:41 \times 0:8}{1:00} = 00:21:28 \text{ मिनटादि}$$

इसका 23 क्रान्त्यंश के चर मिनट 53: 38 में जोड़ने पर 53 मिनट 59 सैकण्ड अभीष्ट चर हुआ।

चर संस्कार विधि - चर का साधन करने पर यदि उत्तरा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हों तो चरमिनटादि छः घण्टे में घटाने पर एवं दक्षिणा क्रान्ति व उत्तरी अक्षांश हो तो चरमिनटादि जोड़ने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे हमारे भारतवर्ष में सर्वत्र उत्तरी अक्षांश हैं। अतः यहां उपर्युक्त प्रकार से स्थानीय सूर्योदय का साधन किया जाता है। इसी प्रकार उत्तरा क्रान्ति व दक्षिण अक्षांश हो तो छः घण्टे में चरमिनटादि जोड़ने पर तथा दक्षिणा क्रान्ति व दक्षिणी अक्षांश हो तो छः घण्टे में चरमिनटादि घटाने पर स्थानीय सूर्योदय होता है। जैसे आस्ट्रेलिया का दक्षिणी अक्षांश है वहां पर इसी प्रकार से स्थानीय सूर्योदय क्रान्ति की दिशानुसार साधन करना चाहिए। स्थानीय समय से तात्पर्य धूप घड़ी द्वारा बतलाये जाने वाले समय से है।

हमारे उदाहरण के अनुसार 1 जुलाई को क्रान्ति उत्तरा है तथा अक्षांश भी उत्तरी है, अतः पूर्वोक्त साधित अभीष्ट चर मिनटादि का छः घण्टे में ऋणात्मक संस्कार किया जाएगा।

6:00:00
- 0:53:59

5:06:01 स्थानीय सूर्योदय

वेलान्तर व रेखान्तर संस्कार - वेलान्तर सारिणी में दिए हुए मिनटादि ऋणात्मक या धनात्मक मान को संस्कारित करने पर तथा रेखान्तर मिनटादि को मानक रेखा से अपना स्थान पूर्व में होने पर ऋण तथा पश्चिम में होने पर धन संस्कार करना चाहिए। पूर्वोक्त उदाहरण में 1जुलाई को वेलान्तर सारिणी से 3:38 (+) मिनटादि वेलान्तर प्राप्त हुआ है। इसका संस्कार स्थानीय सूर्योदय में करने पर -

5:06:01
+0:03:38
5:09:39

इसमें रेखान्तर मिनट 21:12 का संस्कार भारतीय मानक रेखा से दिल्ली के पश्चिम में होने के कारण धनात्मक करने पर -

05:09:39
+00:21:12
05:30:51 स्वल्पान्तर से 5:31 स्टैण्डर्ड सूर्योदय है।

विशेष - प्रतिदिन का स्पष्टान्तर (रेखान्तर एवं वेलान्तर का संस्कार) पंचांग में दिनमान के बाद स्टैं. अं. कॉलम में अंकित किया गया है। स्थानीय सूर्योदय समय में इस स्पष्टान्तर का संस्कार करने पर भी स्टैंडर्ड सूर्योदय प्राप्त होता है। इस पंचांग में दिए गए सभी घण्टामिनटात्मक समय भारतीय स्टैंडर्ड टाईम में है। जो हमारे हाथ घड़ी या प्रचलित व्यावहारिक समय के अनुसार है।

इष्टकाल साधन - सूर्योदय से जन्म काल तक के समय को इष्टकाल कहते है। इसे प्रायः घटीपलात्मक काल में निकाला जाता है। इष्टकाल साधन के निम्नलिखित नियम हैं -

1. यदि जातक का जन्म सूर्योदय के पश्चात् दोपहर 12बजकर 59 मिनट तक हो तो प्राप्त स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को जन्मकालीन स्टैण्डर्ड समय में से घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में प्रात:12 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 12:58
सूर्योदय - - 05:31
07:27

इस 07:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 18:37:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। यही इष्टकाल होगा।

2. यदि जातक का जन्म दोपहर 1:00 बजे से रात्रि 12 बजकर 59 मिनट तक हो तो जन्म समय में 12 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 1जुलाई 2018 को दिल्ली में रात्रि 09 बजकर 58 मिनट में हुआ। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

जन्म समय - 09:58+12:00=21:58
21:58
सूर्योदय - - 05:31
16:27

इस 16:27 मान को 2.5 से गुणा करने पर 41:07:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

3. यदि जातक का जन्मरात्रि 1:00 बजे से दूसरे दिन के सूर्योदय से पूर्व तक हो तो जन्म समय में 24 घण्टे जोड़कर उसमें से स्टैंडर्ड सूर्योदय के मान को घटाने पर और 2.5 से गुणा करने पर घटीपलात्मक इष्टकाल प्राप्त होता है।

उदाहरण - जातक का जन्म दिनांक 2 जुलाई 2018 को प्रात: 05 बजकर 30 मिनट में हुआ। क्योंकि 2 जुलाई के सूर्योदय 05:31 बजे से पूर्व का जन्म है अतः 1 जुलाई 2018 के सूर्योदय से इष्टकाल की गणना होगी। तब निम्नलिखित प्रकार से इष्टकाल साधन किया जाएगा -

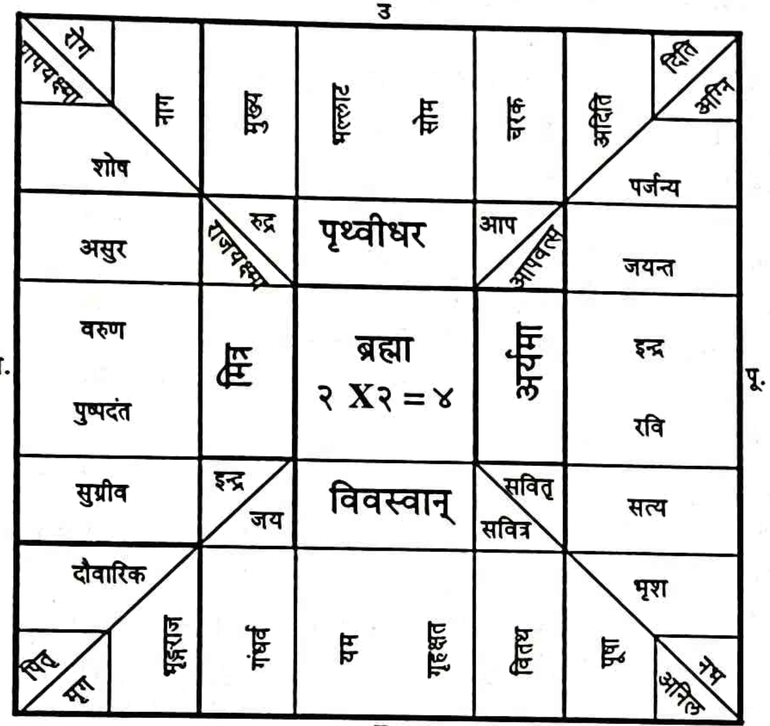
जन्म समय - 05:30+24:00=29:30
29:30
सूर्योदय - - 05:31
23:59

इस 23:59 मान को 2.5 से गुणा करने पर 59:57:30 घटीपलात्मक मान प्राप्त हुआ। तब यही इष्टकाल होगा।

4. यदि ठीक सूर्योदय काल का जन्म हो तो इष्टकाल 00घटी00पल होगा। जैसे पूर्वोक्त 2 जुलाई को 5:31 सूर्योदय के समय में ही जन्म होने पर इष्टकाल 00:00 जानना चाहिए।

चतुष्षष्टिपद वास्तुपुरुषमण्डल

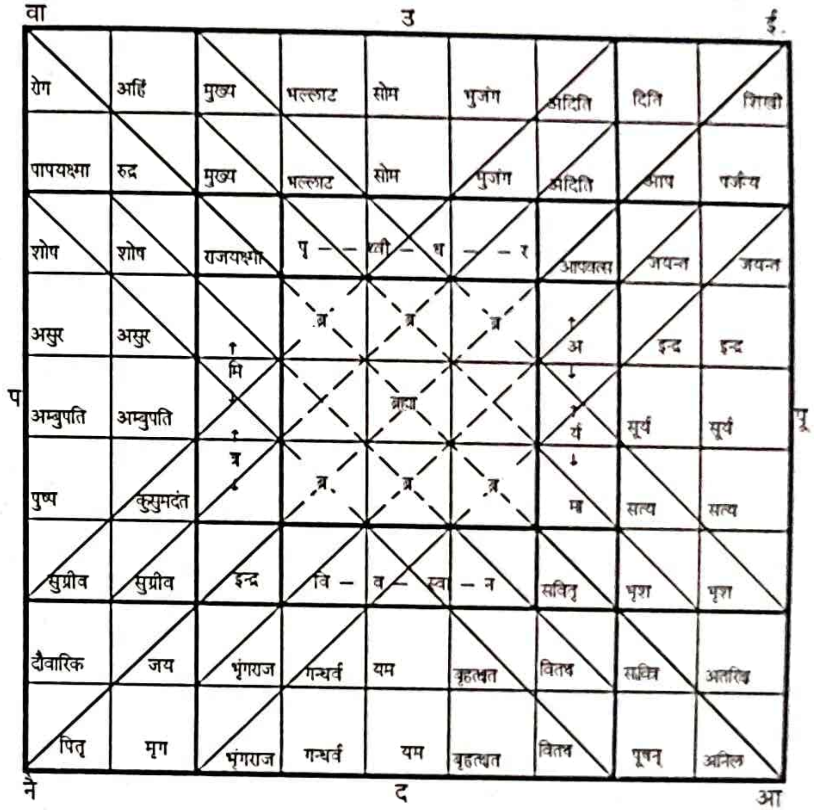
८ X ८ = ६४



देवता संख्या		पद संख्या
चतुष्पदिक	— १	१ × ४ = ४
द्विपदिक	— २०	२० × २ = ४०
सार्धपदिक	— ८	८ × १½ = १२
अर्धपदिक	— १६	१६ × ½ = ८
	४५	६४

एकाशीतिपदवास्तुपुरुषमण्डल

(९X९=८१)



	देवतासंख्या	पदसंख्या
एकपदिक	२०(×१)	= २०
द्विपदिक	२०(× २)	= ४०
त्रिपदिक	४ (× ३)	= १२
नवपदिक	१ (× ९)	= ९
कुल	→ ४५	→ ८१

नामराशेर्ग्रामस्य शुभाशुभत्वम् -

स्वनामराशितो ग्रामराशिर्द्व्यङ्केषुदिक्शिवैः।
सम्मितश्चेत्तदा तस्य तद्ग्रामे वास उत्तमः।।
रोगोऽष्टद्वादशे तुर्ये वैरमाद्ये च सप्तमे।
हानिः षष्ठे तृतीये च ग्रामराशौ स्वनामभात्।।

व्यावहारिक नाम से 2, 5, 9, 10, 11 वीं ग्राम की राशि हो तो उस ग्राम में वास करना उत्तम होता है। 4, 8, 12 वीं राशि ग्राम की हो तो रोग, 1, 7 वीं राशि ग्राम की हो तो वैरित्व एवं 3, 6 वीं राशि ग्राम की हो तो हानि होती है।

यद्ग्रामभं द्व्यङ्कसुतेशकाष्ठामितं भवेल्लाभमतः शुभः सः।
यद्भं शशाङ्काग्निः न गाब्धितुल्यं मध्योष्टषट्कार्कमितं निषिद्धः।।

निवासकर्ता की नामराशि से 2, 5, 9, 10, 11 वीं ग्रामकी राशि हो तो उत्तम, 1, 3, 4, 7 वीं राशि हो तो सम, एवं 6, 8, 12 वीं राशि हो तो निषिद्ध होती है।

मुहूर्तचिन्तामणौ शुभाशुभविचारः-

यद्भं द्वयङ्कसुतेशदिङ्मितमसौ ग्रामः शुभो नामभात्
स्वं वर्गं द्विगुणं विधाय परवर्गाढ्यं गजैः शेषितम्।
काकिण्यस्त्वनयोश्च तद्विवरतो यस्याधिकाः सोऽर्थ।।

अपनी नामराशि से अभीष्ट स्थान की नाम राशि यदि 2, 9, 5, 11, 10 संख्यक हो तो यह स्थान निवास हेतु शुभ होता है। 'अ, क, च, ट, त, प, य, श' इन वर्गों में से जो अपने नाम का वर्ग हो उस वर्ग की संख्या को द्विगुणित कर इसमें स्थान की वर्ग संख्या जोड़कर द्विगुणित कर पुरुष की वर्ग संख्या को जोड़कर आठ का भाग देने से शेष स्थान की काकिणी होती है। पुरुष की काकिणी से स्थान की काकिणी अधिक हो तो शुभ होता है।

वर्गबोधक चक्र								
वर्ग	अ	क	च	ट	त	प	य	श
वर्ग संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8
वर्गाधिपति	गरुड़	मार्जार	सिंह	श्वान	सर्प	मूषक	मृग	मेष
वर्गाक्षर	अ इ उ ए ओ अं अः	क ख ग घ ङ	च छ ज झ ञ	ट ठ ड ढ़ ण	त थ द ध न	प फ ब भ म	य र ल व	श ष स ह

ग्रामवासे काकिणीविचारः

स्ववर्गं द्विगुणं कृत्वा परवर्गेण योजयेत्।
अष्टभिश्च हरेद्भागं योऽधिकः स ऋणी भवेत्।।

अपने-अपने वर्गसंख्या को दूना करके दूसरे की वर्गसंख्या को जोड़ देना फिर 8 का भाग देने से जिसका शेष अधिक हो वह ऋणी अर्थात् दूसरे को लाभ वाला होता है।

उदाहरण-

बनारस में विश्वनाथ के नाम से काकिणी को देखना है तो बनारस की वर्ग संख्या 6 को दूना करके विश्वनाथ की वर्गसंख्या 7 जोड़ दिया तो $6 \times 2 + 7 = 19$ हुआ इसमें 8 का भाग देने से 3 शेष बचे एवं विश्वनाथ की वर्गसंख्या 7 को दूना करके बनारस की वर्गसंख्या 6 जोड़ दिया तो $7 \times 2 + 6 = 20$ हुआ इसमें 8 का भाग दिया तो 4 शेष बचे। अतः बनारस से विश्वनाथ प्रसाद को लाभ नहीं होगा। इसी भांति मित्रों और सेव्य-सेवकों में भी वर्गकाकिणी देखनी चाहिये।।

- ग्रहों की दान वस्तुएं, दान का समय एवं हवन समिधा ज्ञानार्थ चक्र -

ग्रह	दान वस्तुएं	दान समय	होम समिधा
सूर्य	माणिक, सुवर्ण, ताम्र, गेहूं, गुड़, घी, रक्तपुष्प, केशर, मूंग, लाल गाय, लालवस्त्र, लाल चन्दन	सूर्योदय	अर्क
चन्द्र	मोती, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दही, श्वेतपुष्प, शंख, कर्पूर, श्वेत बैल, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,	सन्ध्या	पलाश
भौम	मूंगा, सुवर्ण, ताम्र, मसूर, गुड़, घी, रक्तकेशर, केशर, कस्तूरी, लाल बैल, रक्तवस्त्र, लालचन्दन,	दिन की २घटीशेष	खदिर
बुध	पन्ना, सुवर्ण, कांस्य, मूंग, खांड, घी, सर्वपुष्प, हाथीदांत, कर्पूर, शस्त्र, हरितवस्त्र, फल	दिन की ५घटीशेष	अपामार्ग
गुरु	पुखराज, सुवर्ण, कांस्य,दाल/चना, खांड, घी, पीतपुष्प,हल्दी, पुस्तक, घोड़ा, पीतवस्त्र, पीतफल	सन्ध्या	अश्वत्थ
शुक्र	हीरा, सुवर्ण, रजत, चावल, मिश्री, दूध, श्वेतपुष्प, सुगन्ध, दधि, श्वेत घोड़ा, श्वेतवस्त्र, श्वेत चन्दन	सूर्योदय	उदुंबर
शनि	नीलम, सुवर्ण, लोहा, उड़द, कुलथी, तेल, कृष्णपुष्प, कस्तूरी, कृष्णान्न, भैंस, कृष्णवस्त्र, उपानह	मध्याह्न	शमी
राहु	गोमेद, सुवर्ण, सीसा, तिल, सरसों, तेल, कृष्णपुष्प, खड्ग, कम्बल, घोड़ा, नीलावस्त्र, शस्त्र	रात्रि	दूर्वा
केतु	लहसुनिया, सुवर्ण, लोहा, तिल, सप्तधान्य, तेल, धूम्रपुष्प, नारियल, कम्बल, बकरा, धूम्रवस्त्र, शस्त्र	रात्रि	कुशा
मुन्था	भौम, सुवर्ण, चांदी, चावल, सुवर्ण, घी, श्वेतपुष्प, कपूर, मिश्री, श्वेतवस्त्र, श्वेतचन्दन,हाथीदांत	मुन्थेश काल	-

अंग स्फुरण फल - मनुष्य के शरीर के किसी भी अंग में अचानक स्फुरण होने पर प्राचीन आचार्यों द्वारा शुभाशुभ ज्ञान विधि कही गई है, परन्तु यदि स्फुरण निरन्तर लम्बे समय तक होता रहे तो वह वायुविकार से सम्बन्धित होता है, उस स्फुरण द्वारा शुभाशुभ फल नहीं जानना चाहिए। यदि अंग में स्फुरण अत्यल्प काल के लिए हो तो वह भावी शुभाशुभ का बोधक होता है। सामान्यतया स्त्री का वामांग तथा पुरुष का दक्षिणांग स्फुरण शुभ माना जाता है। अंग स्फुरण का फल निम्नलिखित प्रकार से जानना चाहिए-

स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	भूमिलाभ	भृकुटि	धनप्राप्ति	कण्ठ	आभूषण	पृष्ठ	पराजय
बाहुप्रदेश	प्रियप्राप्ति	ललाट	स्थानलाभ	नासिका	सुगन्धलाभ	ग्रीवा	शत्रुभय
नाभि	स्त्रीनाश	गुप्तांग	प्रियप्राप्ति	नेत्र	प्रियदर्शन	कान	आयुवृद्धि
स्कन्ध	मित्रभेंट	कुक्षि	सुप्रीति	जंघा	हानिप्रद	कपोल	स्त्रीसुख
वक्ष	विजय	कटि	प्रियप्राप्ति	घुटना	शत्रुसन्धि	भ्रूमध्य	सुखप्राप्ति
अधर	प्रियप्राप्ति	हृदय	इष्टसिद्धि	हस्त	धनप्राप्ति	पाद	स्थानप्राप्ति

नवग्रह शान्ति उपाय

सूर्य

वैदिक मन्त्र ॐ आकृष्णेन रजसा वर्त्तमानो निवेशयन्नमृतम्मर्त्यञ्च हिरण्ययेन सविता रथेना देवो याति भुवनानि पश्यन्।।

सूर्य गायत्री आदित्याय विद्महे प्रभाकराय धीमहि तन्नो सूर्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ घृणि सूर्याय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं स: सूर्याय नम:।।

जप संख्या 7000 (सप्तसहस्राणि)

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकलक्षणकारक:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे रवि:।।

चन्द्र

वैदिक मन्त्र ॐ इमन्देवाऽअसपत्नं सुवध्वं - महते क्षत्राय महते ज्यैष्ठ्याय महते जानराज्यायेन्द्रस्येन्द्रियाय। इमममुष्य पुत्रममुष्यै पुत्रमस्यै विशऽएष वोऽमी राजा सोऽमोस्माकं ब्रह्मणानां राजा।।

चन्द्र गायत्री ॐ अमृताङ्गाय विद्महे कलरूपाय धीमहि तन्नो सोम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ सों सोमाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं क्लीं सोमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ श्रां श्रीं श्रौं स: चन्द्रमसे नम:।।

जप संख्या 11000 एकादशसहस्राणि

रोहिणीश: सुधामूर्त्ति: सुधागात्रो सुधाशन:।
विषमस्थानसम्भूतां पीड़ां दहतु मे विधु:।।

भौम

वैदिक मन्त्र ॐ अग्निर्मूर्द्धादिव: ककुत्पति: पृथिव्याऽअयम्। अपां रेतां सि जिन्वति।।

भौम गायत्री ॐ अङ्गारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौम: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ अं अङ्गारकाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ हूँ श्रीं भौमाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं स: भौमाय नम:।।

जप संख्या 10000 (दशसहस्राणि)

भूमिपुत्रो महातेजा जगतो भयकृत्सदा।
वृष्टिकृद-वृष्टिहर्ता च पीड़ां दहतु मे कुज:।।

बुध

वैदिक मन्त्र ॐ उद्बुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहि त्वमिष्टापूर्ते स ठं सृजेथामयं च अस्मिन्त्सध स्थेऽअध्युत्तरस्मिन् विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।

बुध गायत्री ॐ सौम्यरूपाय विद्महे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्य: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बुं बुधाय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं स: बुधाय नम:।।

जप संख्या 9000 (नवसहस्राणि)

उत्पातरूपी जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युति:।
सूर्यप्रियकरो विद्वान पीड़ां दहतु मे बुध:।।

गुरु

वैदिक मन्त्र ॐ बृहस्पतेऽअतियदर्योऽ अर्हाद्युमद्विभाति क्रतुमज्जनेषु यद्दीदयच्छ वसऽऋतप्रजाततदस्मासु द्रविणं धेहि चित्रम्।।

गुरु गायत्री ॐ आङ्गिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीव: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ बृं बृहस्पतये नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं क्लीं हूँ बृहस्पतये नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:।।

जप संख्या 19000 एकोनविंशतिसहस्राणि

देवमन्त्री विशालाक्ष: सदालोकहितेरत:।
अनेकशिष्यै: सम्पूर्ण: पीड़ां दहतु मे गुरु:।।

शुक्र

वैदिक मन्त्र ॐ अन्नात् परिस्रुतो रसं ब्रह्मणा व्यपिबत्क्षत्रम्पय: सोमं प्रजापति:। ऋतेन सत्यमिन्द्रियं विपान ठं शुक्रमंधसऽइन्द्रस्येन्द्रियमिदं पयोऽमृतम्मधु।।

शुक्र गायत्री ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्र: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शुं शुक्राय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:।।

जप संख्या 16000 (षोडशसहस्राणि)

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्चमहाद्युति:।
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीड़ां दहतु मे भृगु:।।

शनि

वैदिक मन्त्र ॐ शन्नो देवीरभिष्टऽआपो भवन्तु पीतये। शंय्योरभिस्रवन्तु न:।।

शनि गायत्री ॐ भगभवाय विद्महे मृत्युपुरुषाय धीमहि तन्ने शनि: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ शं शनैश्चराय नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:।।

जप संख्या 23000 (त्रयोविंशतिसहस्राणि)

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्ष: शिवप्रिय:।
मन्दचार: प्रसन्नात्मा पीड़ां दहतु मे शनि:।।

राहु

वैदिक मन्त्र ॐ कयानि श्चत्रऽआभुवदूती सदावृध: सखा कया सविष्ठया व्वृता।।

राहु गायत्री ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ रां राहवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ऐं ह्रीं राहवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं स: राहवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

महाशीर्षो महावक्त्रो महाद्रंष्ट्रो महायशा:।
अतनुश्चोर्ध्व केशश्च पीड़ां दहतु मे तम:।।

केतु

वैदिक मन्त्र ॐ केतुं कृण्वन्न केतवे पेशो मर्य्याअपेशसे समुषद्भिरजायथा:।।

केतु गायत्री ॐ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतु: प्रचोदयात्।।

एकाक्षरी मन्त्र ॐ कें केतवे नम:।।

बीज मन्त्र ॐ ह्रीं ऐं केतवे नम:।।

तान्त्रिक मन्त्र ॐ स्रां स्रीं स्रौं स: केतवे नम:।।

जप संख्या 18000 (अष्टादशसहस्राणि)

अनेकरूपवर्णश्च शतशोऽथ सहस्रश:।
उत्पात रूपी घोरश्च पीड़ां दहतु मे शिखी।।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय)
नई दिल्ली - 110 016, वास्तुशास्त्र विभाग



1. प्रमाणपत्र (प्रवेशिका) : यह षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम स्थापत्य वेद एवं वेदोत्तरवर्ती वास्तुशास्त्र की मूल संकल्पना एवं प्राथमिक जानकारी पर आधारित है।
2. एकवर्षीय डिप्लोमा एवं द्विवर्षीय एडवांस डिप्लोमा : ये दोनों पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का जन-जीवन में प्रयोग एवं उपयोग पर आधारित है। इनमें संस्कृत भाषा का भी प्राथमिक ज्ञान दिया जायेगा।
3. शास्त्री (बी.ए.) : यह त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है, जिसमें वास्तुशास्त्र का वैदिक परम्परा पर आधारित वास्तुशास्त्रीय मूलभूत संस्कृत भाषा में निबद्ध मानक ग्रन्थो के द्वारा विस्तृत अध्ययन किया जाता है।
4. आचार्य (एम.ए.) : यह द्विवर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम है जिसमें वास्तुशास्त्र के प्रमुख प्राचीन आधारभूत मानक ग्रन्थों का विस्तृत और गम्भीर विषयों का प्रायोगिक अध्ययन किया जाता है।
5. विशिष्टाचार्य (एम.फिल) : यह द्विवर्षीय शोधात्मक पाठ्यक्रम है ,जिसमें वास्तुशास्त्र के गम्भीर व लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान द्वारा नवीन तथ्यों की खेज की जाती है।
6. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) : वास्तुशास्त्र के गम्भीर, जटिल एवं लोकोपयोगी विषयों पर अनुसन्धान के माध्यम से नवीन तथ्यों की अन्वेषण एवं लोककल्याण के लिये यह गवेषणात्मक पाठ्यक्रम चलाया जाता है।
7. पी.जी.डिप्लोमा : विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) द्वारा मान्यता प्राप्त नवीकरण कार्यक्रम (इन्नोवेटिव प्रोग्राम) के तहत 2004 से द्विवर्षीय स्नातकोत्तरवास्तुशास्त्रोपाधि (पी.जी. डिप्लोमा) पाठ्यक्रम चल रहा है।

नोट- विद्यापीठ द्वारा संचालित उक्त सभी पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई में विद्यापीठ के निर्धारित नियमों के अनुरूप सम्पन्न होती है। सत्र 2017-18 के षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय, एकवर्षीय एवं द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की कक्षायें शनिवार एवं रविवार को सञ्चालित की जाती हैं। शेष पाठ्यक्रम सोमवार से शुक्रवार को विद्यापीठ के कार्य दिवसों में सम्पन्न किये जाते हैं ।